PRACTICE SET-01

1. **भाषा की मूल इकाई है–**
(a) अक्षर (b) ध्वनि
(c) संकेत (d) वर्णमाला

2. **निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो विराम चिह्न युक्त वाक्य का सही विकल्प हो।**
(a) सुख-दुःख-उतार-चढ़ाव तो जीवन में आते रहते हैं।
(b) सुख दुःख, उतार चढ़ाव तो जीवन में आते रहते हैं।
(c) सुख दुःख उतार चढ़ाव तो जीवन में आते रहते हैं।
(d) सुख-दुःख, उतार-चढ़ाव तो जीवन में आते रहते हैं।

3. **निम्नलिखित वाक्य में संज्ञा के रूप में क्या प्रयोग किया गया है?**
'वह इनमें से एक को जानता है।'
(a) है (b) वह
(c) इनमें (d) एक

4. **सर्वनाम का भेद इनमें से कौन-सा नहीं है?**
(a) गुणवाचक (b) प्रश्नवाचक
(c) संबंधवाचक (d) निजवाचक

5. **क्रिया के अलावा संज्ञा के लिंग के अनुसार किन शब्दों के रूप परिवर्तित होते हैं?**
(a) विशेषण (b) विशेष्य
(c) कारक (d) विकृत अव्यय

6. **'सोहन गाँव का मकान देख रहा है।' इस वाक्य में क्रिया शब्द कौन-सा है?**
(a) सोहन (b) गाँव
(c) देख रहा है (d) मकान

7. **'मेरा बेटा हजारों में एक है' वाक्य में 'हजारों' है**
(a) संज्ञा (b) विशेषण
(c) क्रिया विशेषण (d) अव्यय

8. **निम्नलिखित में से किस विकल्प में सभी शब्द पुल्लिंग हैं?**
(a) संचार, पालन, ग्रीवा
(b) मनुष्यत्व, बनावट, रौनक
(c) पतलून, झल्लाहट, अक्षुण्णता
(d) प्लेटफार्म, प्राधिकरण, गिरोह

9. **वचन के आधार असंगत शब्द-युग्म है:**
(a) बिल्ली – बिल्लियाँ (b) पेड़ – पेड़ों
(c) खंभा – खंभे (d) रस्सी – रस्सियाँ

10. **'यदि नेहा परिश्रम करती तो परीक्षा में अवश्य उत्तीर्ण हो जाती।' क्रिया का काल कौन-सा है?**
(a) हेतुहेतुमद् भूतकाल (b) आसन्न भूतकाल
(c) अपूर्ण भूतकाल (d) संदिग्ध भूतकाल

11. **अकर्मक धातुओं से बनने वाला और सदैव एकवचन पुल्लिंग और अन्य पुरुष की क्रिया वाला वाच्य कौन-सा संभव है?**
(a) भाववाच्य (b) कर्तृवाच्य
(c) कर्मवाच्य और भाववाच्य (d) कर्मवाच्य

12. **संज्ञा अथवा सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के किसी दूसरे शब्द के साथ प्रकाशित होता है, उसे क्या कहते हैं?**
(a) क्रिया-विशेषण (b) संबंध सूचक
(c) कारक (d) सर्वनाम

13. **निम्नलिखित शब्द युग्मों में तत्सम-तद्भव का असंगत युग्म है:**
(a) अंगूठा - अंगुष्ठ (b) कुष्ठ - कोढ़
(c) क्षण - छिन (d) काष्ठ - काठ

14. **निम्नलिखित में 'निर्' उपसर्ग से बना शब्द नहीं है :**
(a) निकृष्ट (b) निर्भय
(c) निर्वाह (d) निर्दोष

15. **'मिलाप' शब्द में कौन-सा प्रत्यय लगा है?**
(a) आप (b) प
(c) अनु (d) अन

16. **निम्नलिखित में से किस विकल्प में विलोम-युग्म सही नहीं है?**
(a) औचक-अकसर (b) डाँवाँडोल-अस्थिर
(c) झिड़कना-पुचकारना (d) गाफिल-खबरदार

17. **'अनिवार्य' का विलोम शब्द है**
(a) जरूरी (b) वैकल्पिक
(c) पसंद (d) गैर जरूरी

18. **'कंदर्प', 'पंचशर' और पुष्पधन्वा' यह निम्नलिखित में से किसके पर्यावाची शब्द हैं?**
(a) कामदेव (b) गौरीसुत
(c) वंशीधर (d) यक्षराज

19. **'आनंद' शब्द का उचित पर्यायवाची शब्द है**
(a) मोद, हर्ष (b) अचल, प्रमोद
(c) तनुज, आमोद (d) शाल, उल्लास

20. **निम्नलिखित में से 'अंतर' का अर्थ नहीं होता है-**
(a) दूरी (b) आकाश
(c) शेष (d) हृदय

21. **निम्नलिखित में से संज्ञा और विशेषण की दृष्टि से कौन-सा शब्द युग्म असंगत है?**
(a) ईश्वर -ईश्वरीय (b) झगड़ा - झगड़ालू
(c) कुल - कुलीन (d) अज्ञान - अज्ञानता

22. **'जो मुकदमा दायर करता है' वाक्यांश के लिए इनमें से सही शब्द क्या है?**
(a) मुकदमेबाज (b) गवाह
(c) प्रतिवादी (d) वादी

23. **'किसी व्यक्ति या सिद्धान्त का समर्थन करने वाला' अनेक पद के लिए एक शब्द है-**
(a) अनुदान (b) अनुयायी
(c) अनुपथी (d) अनुभवी

24. **निम्नलिखित में से कौन-सा स्वर सन्धि का भेद नहीं है?**
(a) हल सन्धि (b) वृद्धि सन्धि

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

(c) दीर्घ संधि (d) गुण संधि

25. यथाशक्ति में समास है-

(a) तत्पुरुष (b) कर्मधारय
(c) बहुव्रीहि (d) अव्ययीभाव

26. निम्न में से कौन सा वाक्य अशुद्ध है?

(a) भारत के इतिहास में पंद्रह अगस्त का बहुत महत्व है।
(b) रात उसका प्राण-पखेरू उड़ गया।
(c) आज भी लाल बहादुर शास्त्री जी को याद किया जाता है।
(d) क्या आप मेरे साथ चलेंगे?

27. करुण रस का स्थायी भाव है–

(a) भय (b) बिस्मय
(c) शोक (d) जुगुप्सा

28. छंदों की गणना किससे की जाती है?

(a) शब्द और वर्ण
(b) धातु और स्वर
(c) वर्ण और मात्रा
(d) वर्ण और पंक्ति

29. 'सेस महेस गनेस दिनेस सुरेसहु जाहि निरंतर गावै' में कौन सा अलंकार है?

(a) उपमा अलंकार (b) अतिशयोक्ति अलंकार
(c) रूपक अलंकार (d) अनुप्रास अलंकार

30. देरिदा का जन्म कहाँ हुआ था?

(a) अल्जीरिया (b) अमेरिका
(c) फ्रांस (d) जर्मनी

31. 'अशर्फियाँ लुटें और कोयले पर मोहर' लोकोक्ति का अर्थ क्या होगा?

(a) बड़े-बड़े खर्चों पर ध्यान न देना, छोटे खर्चों में कंजूसी दिखाना।
(b) सराहना के बिना योग्यता का व्यर्थ हो जाना।
(c) स्वाभाविक दोषों का किसी अन्य कारण से और अधिक बढ़ जाना।
(d) एक वस्तु में होने वाला लाभ दूसरी वस्तु में हुई हानि में नष्ट हो जाना।

32. 'बहुत कंजूसी' का आशय व्यक्त करने के लिए उपयुक्त लोकोक्ति है–

(a) घर की मुर्गी दाल बराबर
(b) चट मंगनी पट ब्याह
(c) चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए
(d) आम के आम गुठलियों के दाम

33. निम्नलिखित में से कौन-सा हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन नहीं है?

(a) आधुनिक काल (b) भक्ति काल
(c) रीति काल (d) संयुक्त काल

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मेरे एक मित्र हैं, बड़े विद्वान, स्पष्टवादी और नीतिमान। वह इस राज्य के बहुत प्रतिष्ठित नागरिक हैं। उनसे मिलने से सदा नयी स्फूर्ति मिलती है। यद्यपि वह अवस्था में मुझसे छोटे हैं, तथापि मुझे सदा सम्मान देते हैं। इस देश में यह एक अच्छी बात है कि सब प्रकार से हीन होकर भी यदि कोई उम्र में बड़ा हो, तो थोड़ा-सा आदर पा ही जाता है। मैं भी पा जाता हूँ। मेरे इस मित्र की शिकायत थी कि देश की दुर्दशा देखते हुये भी मैं कुछ कह नहीं रहा हूँ, अर्थात् इस दुर्दशा के लिये जो लोग जिम्मेदार हैं उनकी भर्त्सना नहीं कर रहा हूँ। यह एक भयंकर अपराध है। कौरवों की सभा में भीष्म ने द्रौपदी का भयंकर अपमान देखकर भी जिस प्रकार मौन धारण किया था, वैसे ही कुछ मैं और मेरे जैसे कुछ अन्य साहित्यकार चुप्पी साधे हैं। भविष्य इसे उसी तरह क्षमा नहीं करेगा जिस प्रकार भीष्म पितामह को क्षमा नहीं किया गया। मैं थोड़ी देर तक अभिभूत होकर सुनता रहा और मन में पापबोध का भी अहसास हुआ। सोचता रहा, कुछ करना चाहिये, नहीं तो भविष्य क्षमा नहीं करेगा। वर्तमान ही कौन क्षमा कर रहा है? काफी देर तक मैं परेशान रहा-चुप रहना ठीक नहीं है, कम्बख्त भविष्य कभी माफ नहीं करेगा। उसकी सीमा भी तो कोई नहीं है। पाँच हजार वर्ष बीत गये और अब तक बेचारे भीष्म पितामह को क्षमा नहीं किया गया। भविष्य विकट असहिष्णु है। काफी देर बाद भ्रम दूर हुआ। मैं भीष्म नहीं हूँ। अगर हिन्दी में लिखने वाला कोई भीष्म हो जाता हो, तो भी मुझे कौन पूछता है? बहुत ज्ञानी-गुणी भरे पड़े हैं। मुझसे अवस्था में, ज्ञान में, प्रतिभा में बहुत आगे। मुझे कोई डर नहीं है। 'भविष्य' नामक महादुरन्त अज्ञात मुझे किसी गिनती में लेने वाला नहीं है। डरना हो तो वे ही लोग डरें, जिनकी गिनती हो सकती है। तुम क्यों घबराते हो, मनसाराम, तुम तो न तीन में, न तेरह में, बड़ी राहत मिली इस यथार्थबोध से।

34. 'न तीन में, न तेरह में' मुहावरे का कौन-सा अर्थ ठीक लगता है?

(a) धोखे में रहना।
(b) बहुत ही महत्वपूर्ण होना।
(c) धैर्यपूर्वक सोचना।
(d) किसी भी गिनती में न आना।

35. 'भर्त्सना' का क्या तात्पर्य है?

(a) निंदा और तिरस्कार (b) अपमान
(c) चुगली (d) विरोध

36. लेखक की परेशानी का क्या कारण था?

(a) लेखक और उनके जैसे साहित्यकारों को भविष्य कभी क्षमा नहीं करेगा जैसे भीष्म को आज तक क्षमा नहीं किया गया।
(b) लेखक के मित्र ने शिकायत की और उन्हें बताया कि देश की दुर्दशा देखते हुये भी वह कुछ कह नहीं रहा है।
(c) लेखक ने सोचा कि उनसे अवस्था में, ज्ञान में, प्रतिभा में बहुत आगे बहुत से ज्ञानी-गुणी लोग भरे पड़े हैं।
(d) भविष्य विकट असहिष्णु है और भविष्य की कोई सीमा नहीं होती।

37. भीष्म पितामह को क्षमा क्यों नही किया गया?

(a) कौरवों की सभा में भीष्म ने द्रौपदी का भयंकर अपमान देखकर भी मौन धारण किया था।
(b) क्योंकि भीष्म ने महाभारत के युद्ध में कौरवों के पक्ष में युद्ध किया था।
(c) भीष्म के मन में पापबोध का अहसास हुआ था।
(d) भीष्म बहुत बड़े ज्ञानी थे और पक्षपाती होने से उन्हें भविष्य ने क्षमा नहीं किया।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

SOLUTION : PRACTICE SET-01

ANSWER KEY

1. (b)	9. (b)	17. (b)	25. (d)	33. (d)
2. (d)	10. (a)	18. (a)	26. (b)	34. (d)
3. (d)	11. (a)	19. (a)	27. (c)	35. (a)
4. (a)	12. (c)	20. (b)	28. (c)	36. (a)
5. (a)	13. (a)	21. (d)	29. (d)	37. (a)
6. (c)	14. (a)	22. (d)	30. (a)	
7. (d)	15. (a)	23. (b)	31. (a)	
8. (d)	16. (b)	24. (a)	32. (c)	

SOLUTION

1. (b)
भाषा की सबसे छोटी या मूल इकाई **ध्वनि** है। भाषा की सार्थक इकाई 'वाक्य' है। वाक्य से छोटी इकाई **उपवाक्य,** उपवाक्य से छोटी इकाई **पदबंध,** पदबंध से छोटी इकाई 'पद' (शब्द), पद से छोटी इकाई **अक्षर** और अक्षर से छोटी इकाई **ध्वनि** है।
उदाहरण – राम शब्द में दो अक्षर (रा, म) एवं चार वर्ण (र्, आ, म्, अ) हैं।

2. (d)
उपर्युक्त विकल्पों में निम्न वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न का प्रयोग हुआ है–
सुख–दुःख, उतार-चढ़ाव तो जीवन में आते रहते हैं।

3. (d)
'वह इनमें से एक को जानता है।' वाक्य में 'एक' संज्ञा के रूप में प्रयोग किया गया है। **जैसे–** वह इनमें से श्याम को जानता है।

4. (a)
'गुणवाचक' सर्वनाम का भेद नहीं बल्कि विशेषण का भेद है। वे शब्द जो संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, सर्वनाम कहलाते हैं। सर्वनाम के 6 भेद होते हैं–

(i) पुरुषवाचक	(ii) निजवाचक	(iii) प्रश्नवाचक
(iv) निश्चयवाचक	(v) अनिश्चयवाचक	(vi) संबंधवाचक

5. (a)
क्रिया के अलावा संज्ञा के अनुसार विशेषण शब्दों के रूप परिवर्तित होते हैं।

6. (c)
'सोहन गाँव का मकान देख रहा है।' इस वाक्य में क्रिया शब्द 'देख रहा है' है। जिस शब्द से किसी काम का करना या होना समझा जाय, उसे 'क्रिया' कहते हैं। **जैसे**- पढ़ना, लिखना, खाना, पीना, देखना इत्यादि। क्रिया विकारी शब्द हैं, जो रूप लिंग, वचन और कारक के अनुसार बदलते हैं।

7. (d)
वाक्य 'मेरा बेटा हजारों में एक है'। इस वाक्य में 'हजारों' शब्द अव्यय है।

8. (d)
दिये गये प्रश्न में प्लेटफार्म, प्राधिकरण, गिरोह शब्द पुल्लिंग हैं। अन्य सभी विकल्प असंगत हैं।

9. (b)
'पेड़-पेड़ों' वचन के आधार पर असंगत शब्द- युग्म है। क्योंकि 'पेड़' का बहुवचन शब्द पेड़ ही होता है।

10. (a)
'यदि नेहा परिश्रम करती तो परीक्षा में अवश्य उत्तीर्ण हो जाती' में क्रिया का हेतुहेतुमद् भूतकाल है। ध्यातव्य है कि जिन क्रिया पदों से भूतकाल में कार्य होने का संकेत तो मिलता है, परन्तु किसी कारणवश कार्य हो नहीं पाया, उसे हेतुहेतुमद् भूतकाल कहते हैं। उदाहरण – यदि मैं घर पर होता तो चोरी नहीं होती।

11. (a)
अकर्मक धातुओं से बनने वाला और सदैव एकवचन पुल्लिंग और अन्य पुरुष की क्रिया वाला वाच्य भाववाच्य है। यदि किसी वाक्य में प्रयुक्त क्रिया के लिंग एवं वचन में होने वाला परिवर्तन कर्ता एवं कर्म दोनों ही के अनुसार नहीं हो, बल्कि भाव के अनुसार हो तो उस वाक्य में प्रयुक्त वाच्य को भाववाच्य कहते हैं।

12. (c)
संज्ञा अथवा सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के किसी दूसरे शब्द के साथ प्रकाशित होता है, उसे कारक कहते हैं। कारक के आठ भेद होते हैं जो निम्नलिखित हैं–

कारक		**विभक्ति चिह्न**
कर्त्ता	–	ने
कर्म	–	को
करण	–	से, के द्वारा
संप्रदान	–	के लिए
अपादान	–	से (अलगाव के अर्थ में)
संबंध	–	का के, की, रा, रे, री, ना, ने, नी
अधिकरण	–	में, पर।
सम्बोधन	–	हे!, अरे!, हो!

13. (a)
दिये गये शब्द युग्मों में असंगत तत्सम-तद्भव युग्म होगा- अंगूठा - अंगुष्ठ अन्य सभी विकल्प संगत हैं। इसमें अंगुष्ठ तत्सम एवं अंगूठा तद्भव होगा।

14. (a)
'निकृष्ट', 'निर' उपसर्ग से बना शब्द नहीं है। जबकि निर्भय, निर्वाह तथा निर्दोष 'निर' उपसर्ग से बने शब्द हैं।

15. (a)
मिलाप शब्द में 'आप' प्रत्यय प्रयुक्त हुआ है।
प्रत्यय वे शब्दांश होते हैं, जो मूल शब्द के पीछे लगकर शब्द के अर्थ को परिवर्तित कर देते हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

16. (b)
दिये गये विकल्पों में विकल्प 'डाँवाँडोल-अस्थिर' विलोम युग्म सही नहीं है। सही विलोम युग्म 'डाँवाँडोल-स्थिर' होगा। अन्य सभी विकल्प संगत हैं।

17. (b)
'अनिवार्य' का विलोम 'वैकल्पिक' होता है। विकल्प में दिये गये अन्य शब्द-पसंद का विलोम नापसंद एवं जरूरी का विलोम गैर जरूरी होता है।

18. (a)
दिये गये शब्द 'कंदर्प, पंचशर और पुष्पधन्वा शब्द 'कामदेव' के पर्यायवाची हैं। अन्य विकल्पों के पर्यायवाची निम्न हैं-

शब्द		पर्यायवाची
वंशीधर	-	गिरधर, गोपाल, मुरारी, माखनचोर
गौरीसुत	-	गणपति, लंबोदर, गजमुख, मूषकवाहन
यक्षराज	-	कुबेर, धनद, धनपति

19. (a)
'आनन्द' शब्द का उचित पर्यायवाची शब्द मोद तथा हर्ष होगा। इसके अन्य पर्यायवाची शब्द निम्न हैं- हर्ष, आमोद, प्रमोद, उल्लास, आह्लाद आदि।

20. (b)
दिये गये विकल्पों में 'आकाश' शब्द 'अतंर' का अर्थ नहीं है। जबकि दूरी, शेष और हृदय शब्द 'अंतर' के अनेकार्थी शब्द हैं।

21. (d)
संज्ञा और विशेषण की दृष्टि से 'अज्ञान–अज्ञानता' शब्द-युग्म असंगत है। इसका संगत युग्म 'अज्ञान–अज्ञानी' होगा। शेष विकल्पों के शब्द – युग्म संगत हैं।

22. (d)
जो मुकदमा दायर करता है वाक्यांश के लिए एक शब्द 'वादी' होगा। कुछ अन्य वाक्यांश इस प्रकार हैं-

सबसे पहले गिना जाने वाला	–	अग्रगण्य
जो इन्द्रियों का विषय न हो	–	अगोचर
जिस पर मुकदमा चल रहा हो	–	अभियुक्त

23. (b)

वाक्यांश		एक शब्द
किसी व्यक्ति या सिद्धान्त का समर्थन करने वाला	—	अनुयायी
वह जो प्रयोग या अध्ययन द्वारा अनुभव प्राप्त किया हो	—	अनुभवी
जिसे बुलाया न गया हो	—	अनाहूत
जिसकी आशा न की जाय	—	अप्रत्याशित

24. (a)
दिए हुए प्रश्न में 'हल संधि' स्वर-संधि का भेद नहीं हैं। शेष विकल्प स्वर संधि के भेद हैं। मूल रूप से स्वर-संधि के 5 भेद हैं। (i) दीर्घ, (ii) गुण, (iii) अयादि, (iv) वृद्धि, (v) यण

25. (d)
यथाशक्ति में अव्ययीभाव समास होगा। जिस समास में पूर्वपद की प्रधानता हो और सामासिक या समास पद अव्यय हो जाए। उसे 'अव्ययीभाव समास' कहते हैं।

26. (b)
दिये गये विकल्पों में अशुद्ध वाक्य है- 'रात उसका प्राण-पखेरू उड़ गया' इसका शुद्ध रूप होगा- 'रात उसके प्राण-पखेरू हो गये। जबकि अन्य सभी विकल्प शुद्ध हैं।

27. (c)

रस		स्थायी भाव
करुण	-	शोक
शृंगार	-	रति
वात्सल्य	-	वत्सलता
वीर	-	उत्साह

28. (c)
छंदों की गणना 'वर्ण और मात्रा' से की जाती है। अक्षरों की संख्या एवं क्रम, मात्रा गणना तथा यति-गति से संबद्ध विशिष्ट नियमों से नियोजित पद्यरचना छंद कहलाती है। छंद के दो भेद होते हैं– (1) वर्णिक छंद (2) मात्रिक छंद।

29. (d)
'सेस महेश गनेस दिनेस सुरेसहु जाहि निरंतर गावै' में अनुप्रास अलंकार है।

अनुप्रास अलंकार :– वर्णों की आवृत्ति को अनुप्रास कहते हैं। आवृत्ति का अर्थ किसी वर्ण का एक से अधिक बार आना है।

जैसे– मुदित महीपति मंदिर आए।
सेवक सचिव सुमंत बुलाए।।

यहाँ पहले पद में 'म' वर्ण की आवृत्ति और दूसरे में 'स' वर्ण की आवृत्ति हुई है। अतः यहाँ अनुप्रास अलंकार है।

30. (a)
जैकी ओली देरिदा का जन्म वर्ष 1930 ई. में अल्जीरिया में हुआ था। ये एक फ्रांसीसी दार्शनिक थे जिन्हें अलौकिक विश्लेषण का एक रूप विकसित करने के लिए जाना जाता था।

31. (a)
दी गयी लोकोक्ति 'अशर्फियाँ लूटें और कोयले पर मोहर' लोकोक्ति का सही अर्थ होगा-बड़े-बड़े खर्चों पर ध्यान न देना, छोटे खर्चों में कंजूसी दिखाना।

32. (c)
'बहुत कंजूसी' का आशय व्यक्त करने के लिए उपयुक्त लोकोक्ति है– चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए। विकल्प में दिए गए अन्य लोकोक्ति का अर्थ है–

घर की मुर्गी दाल बराबर – सुलभ चीजों का महत्वहीन होना।
चट मंगनी पट ब्याह – प्रस्तावित कार्य शीघ्रता से पूर्ण करना
आम के आम गुठलियों के दाम – दोहरा लाभ लेना

33. (d)
हिन्दी साहित्य का संयुक्त काल के रूप में विभाजन नहीं किया गया गया है। आचार्य शुक्ल के अनुसार काल विभाजन-

1. आदिकाल (1050 सं0 से 1375)
2. भक्तिकाल (1375 सं0 से 1700)
3. रीतिकाल (1700 सं0 से 1900)
4. आधुनिक काल (1900 सं0 से अब तक)

34. (d)
'न तीन में, न तेरह में' मुहावरे का अर्थ है- किसी भी गिनती में न आना।

मुहावरा-उस पदबंध या वाक्यांश को कहते हैं, जिसका अर्थ शाब्दिक न होकर विलक्षण और लाक्षणिक होता है।

जैसे-पानी फेर देना (बिगाड़ देना)।

35. (a)
'भर्त्सना' का तात्पर्य 'निंदा और तिरस्कार' करना है।

36. (a)
लेखक की परेशानी का कारण था कि लेखक और उनके जैसे साहित्यकारों को भविष्य कभी क्षमा नहीं करेगा जैसे भीष्म को आज तक क्षमा नहीं किया गया।

37. (a)
'कौरवों की सभा में भीष्म ने द्रौपदी का भयंकर अपमान देखकर भी मौन धारण किया था।' इसलिए भीष्म पितामह को क्षमा नहीं किया गया।

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-02

1. हिन्दी भाषा की कुल वर्ण लिपियाँ हैं-
(a) 44 (b) 33 (c) 52 (d) 48

2. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो विराम चिह्न युक्त वाक्य का सही विकल्प हो।
(a) कामवाली रोज़ आती है; काम करती है और चली जाती है।
(b) कामवाली रोज़ आती है काम करती है और चली जाती है।
(c) कामवाली रोज़ आती है, काम करती है और चली जाती है।
(d) कामवाली रोज़ आती है काम करती है, और चली जाती है।

3. निम्नलिखित में संज्ञा शब्द पहचानिए।
(a) मीठा (b) मधुर (c) चतुर (d) चातुर्य

4. 'संयुक्त सर्वनाम' नामक सर्वनाम की एक पृथक श्रेणी का उल्लेख इनमें से किस विद्वान ने किया है?
(a) भोलानाथ तिवारी (b) हरदेव बाहरी
(c) डॉ. दीमशित्स (d) जॉर्ज ग्रियर्सन

5. 'कला का अंतिम और सर्वोच्च ध्येय सौन्दर्य है' वाक्य में कितने विशेषण हैं?
(a) एक (b) चार
(c) पाँच (d) तीन

6. जिन शब्दों से काम का करना या होना पाया जाए, उन्हें-
(a) क्रिया-विशेषण कहते हैं
(b) सर्वनाम कहते हैं
(c) क्रिया कहते हैं
(d) अपूर्ण क्रिया कहते हैं

7. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द अव्यय नहीं है?
(a) जूता (b) आज
(c) भीतर (d) यहाँ

8. निम्नलिखित में से ईकारान्त संज्ञा (स्त्रीलिंग) नहीं है:
(a) नदी (b) टोपी
(c) उदासी (d) पहिया

9. वचन के आधार पर असंगत शब्द–युग्म है:
(a) तलवार–तलवारें (b) चूहा–चूहे
(c) थैला–थैले (d) मेहमान–मेहमानों

10. ''सत्संग में जाने के बाद मन को शांति मिली है।'' दिए गए वाक्य का काल पहचानिए।
(a) सामान्य भूतकाल (b) आसन्न भूतकाल
(c) अपूर्ण भूतकाल (d) इनमें से कोई नहीं

11. 'मुझसे अब नहीं चला जाएगा।'- इस वाक्य में कौन-सा वाच्य है?
(a) कर्मवाच्य (b) भाववाच्य
(c) कर्तृवाच्य (d) इनमें से कोई भी नहीं

12. निम्नलिखित कारक और कारक चिह्न की दृष्टि से कौन-सा शब्द युग्म असंगत है?
(a) कर्म - को (b) करण - से
(c) अधिकरण - का (d) अपादान - से

13. निम्नलिखित में से तत्सम शब्द है:
(a) आँसू (b) आँख
(c) असीस (d) अक्षर

14. निम्न में से किस विकल्प के सभी शब्दों में उपसर्ग तथा प्रत्यय (दोनों) का प्रयोग हुआ है?
(a) अपयश, अनुशासन (b) परित्यक्ता, अनुनादित
(c) लालवाब, लापरवाह (d) पत्रकार, वाहवाही

15. 'बंगाली' शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है?
(a) ई (b) ली (c) आली (d) अली

16. जीवन में उत्साह बना रहना चाहिए।
उपरोक्त वाक्य में रेखांकित शब्द के सही विलोम शब्द का चयन निम्न विकल्पों में से कीजिए।
(a) वित्साह (b) निरुत्साह
(c) हतुत्साह (d) प्रत्साह

17. 'अमृत' का विलोम है
(a) अर्क (b) पीयूष
(c) मधुर (d) विष

18. 'रामू बेहद गरीब है'।
उपरोक्त वाक्य में रेखांकित शब्द के उपयुक्त पर्यायवाची शब्द का चयन कीजिए।
(a) निस्सार (b) निर्धन
(c) निर्बाध (d) निबद्ध

19. 'अपर्णा' शब्द का पर्यायवाची है -
(a) औरत (b) देवांगना
(c) आराधना (d) पार्वती

20. 'आँख में अंजन दांत में मंजन।' वाक्य में प्रयुक्त 'अंजन' शब्द निम्न में से किस अर्थ को व्यक्त करता है?
(a) रात (b) काजल
(c) लेप (d) माया

21. समश्रुत शब्द 'अलि-अली' शब्द युग्म का सही अर्थ क्या है?
(a) कंधा-हिस्सा (b) दसन-दर्शन
(c) दमन-दामन (d) भौंरा-सखी

22. 'वह स्थान जहाँ से यमुना निकलती है' वाक्यांश के लिए उचित शब्द होगा?
(a) अस्ताचल (b) यमुनोत्री
(c) गंगोत्री (d) उदयांचल

23. 'बिना देखरेख का जानवर' वाक्यांश के लिए एक शब्द है
(a) पालतू (b) जंगली
(c) अनेर (d) खूंखार

24. संधि विच्छेद में यदि किसी वर्ग के 'प्रथम वर्ण' से परे कोई अनुनासिक वर्ण हो, तो संधि करते समय, प्रथम वर्ण के स्थान पर उसी वर्ग का कौन सा वर्ण हो जाएगा?
(a) उसी वर्ग का तृतीय वर्ण
(b) उसी वर्ग का अनुनासिक अर्थात् पंचम वर्ण
(c) उसी वर्ग का चतुर्थ वर्ण
(d) उसी वर्ग का प्रथम वर्ण

25. किस युग्म में अशुद्धि है?
(a) दालरोटी – द्वंद्व समास
(b) सतसई - द्विगु समास
(c) आजन्म – अव्ययीभाव समास
(d) प्रतिवर्ष - कर्मधारय समास

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

26. **निम्नलिखित में से किस विकल्प में शुद्ध वाक्य है?**
(a) महादेवी छायावादी कवयित्रि है।
(b) जब भी आप आओ, मुझे मिलें।
(c) आपका दर्शन पाकर मै धन्य हो गया।
(d) रमा ने अपने भाई से पुस्तक पढ़ने को कहा।

27. **विभाव के दो प्रकार कौन-से हैं?**
(a) आलंबन, उद्दीपन (b) स्थायी, संचारी
(c) अनुभाव स्थायी (d) आलंबन, संचारी

28. **'कमला' में कौन- सा गण-रूप है?**
(a) जगण (b) रगण
(c) मगण (d) सगण

29. **'मुदित महीपति मंदिर आए। सेवक सचिव सुमंत बुलाए।' इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?**
(a) रूपक अलंकार (b) अनुप्रास अलंकार
(c) उपमा अलंकार (d) यमक अलंकार

30. **काव्य-रीति के कितने भेद हैं?**
(a) 2 (b) 4 (c) 8 (d) 3

31. **'होनहार बिरवान के होते चिकने पात' लोकोक्ति का अर्थ निम्न में से क्या है?**
(a) होनहार व्यक्ति सदा दिखावा करता है।
(b) होनहार व्यक्ति हमेशा दूसरों के दोष निकालता है
(c) होनहार व्यक्ति बहुत ही परिश्रम करता है।
(d) होनहार व्यक्तियों की प्रतिभा बचपन में ही दिखाई दे जाती है।

32. **''बिल्ली के गले में घंटी बांधना।'' के अर्थ का उचित विकल्प चुनिये।**
(a) बिल्ली को सजाना।
(b) घंटी सुनने के मजे लेना।
(c) अपने को संकट में डालना।
(d) बिल्ली को क्रोधित करना।

33. **हिन्दी साहित्य को कितने काल-खंडों में विभक्त किया गया है?**
(a) दो (b) चार (c) पाँच (d) तीन

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

राष्ट्र केवल ज़मीन का टुकड़ा ही नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत होती है जो हमें अपने पूर्वजों से परंपरा के रूप में प्राप्त होती है। जिसमें हम बड़े होते हैं, शिक्षा पाते हैं और साँस लेते हैं-हमारा अपना राष्ट्र कहलाता है और उसकी पराधीनता व्यक्ति की परतंत्रता की पहली सीढ़ी होती है। ऐसे ही स्वतंत्र राष्ट्र की सीमाओं में जन्म लेने वाले व्यक्ति का धर्म, जाति, भाषा या संप्रदाय कुछ भी हो, आपस में स्नेह होना स्वाभाविक है। राष्ट्र के लिए जीना और काम करना, उसकी स्वतंत्रता तथा विकास के लिए काम करने की भावना राष्ट्रीयता कहलाती है।

जब व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति से धर्म, जाति, कुल आदि के आधार पर व्यवहार करता है तो उसकी दृष्टि संकुचित हो जाती है। राष्ट्रीयता की अनिवार्य शर्त है-देश को प्राथमिकता, भले ही हमें 'स्व' को मिटाना पड़े। महात्मा गाँधी, तिलक, सुभाषचन्द्र बोस आदि के कार्यों से पता चलता है कि राष्ट्रीयता की भावना के कारण उन्हें अनगिनत कष्ट उठाने पड़े, किंतु वे अपने निश्चय में अटल रहे। व्यक्ति को निजी अस्तित्व कायम रखने के लिए पारस्परिक सभी सीमाओं की बाधाओं को भुलाकर कार्य करना चाहिए तभी उसकी नीतियाँ-रीतियाँ राष्ट्रीय कही जा सकती हैं।

जब-जब भारत में फूट पड़ी, तब-तब विदेशियों ने शासन किया। चाहे जातिगत भेदभाव हो या भाषागत-तीसरा व्यक्ति उससे लाभ उठाने का अवश्य यत्न करेगा। आज देश में अनेक प्रकार के आंदोलन चल रहे हैं। कहीं भाषा को लेकर संघर्ष हो रहा है तो कहीं धर्म या क्षेत्र के नाम पर लोगों को निकाला जा रहा है जिसका परिणाम हमारे सामने है। आदमी अपने अहं में सिमटता जा रहा है। फलस्वरूप राष्ट्रीय बोध का अभाव परिलक्षित हो रहा है। यदि हमारे राजनेता अपने स्वार्थ के लिए संस्कृति के इस मूल सन्देश को भूलकर देश की जनता को गलत दिशा देंगे, तब-तब देश के अंदर अस्थिरता, फूट, अंतर्विरोध, गृह-युद्ध जैसे हालात जन्म लेंगे और इसका फ़ायदा अन्य बाहरी देशों को होगा।

अतएव एक जागरूक नागरिक के रूप में हमें इस बात को गहराई से समझते हुए तुच्छ मतभेदों को त्यागकर अपने मत का सदुपयोग करना चाहिए, जिससे चुने गए हमारे प्रतिनिधि राष्ट्र के लिए निर्माणात्मक दिशा दे सकें। जाति, भाषा और धर्म से ऊपर उठकर और नेताओं के भाषणों से प्रभावित हुए बिना हमें विवेकपूर्वक देश के उत्थान में अपना सहयोग देना चाहिए।

34. **राष्ट्र, सांस्कृतिक और विरासत क्रमशः कौन-सी व्याकरणिक इकाइयाँ हैं?**
(a) संज्ञा, विशेषण और विशेषण
(b) विशेषण, संज्ञा और संज्ञा
(c) संज्ञा, संज्ञा और संज्ञा
(d) संज्ञा, विशेषण और संज्ञा

35. **'अंतर्विरोध' शब्द में किस प्रकार की संधि है?**
(a) अयादि संधि (b) पूर्वरूप संधि
(c) विसर्ग संधि (d) हल् संधि

36. **व्यक्ति की दृष्टि कब संकुचित हो जाती है?**
(a) जब व्यक्ति 'राष्ट्रीयता' को 'स्व' से ऊपर रखकर सोचता है।
(b) जब व्यक्ति राजनेताओं के भाषणों से प्रभावित होकर विवेकपूर्वक उनको वोट देता है।
(c) जब व्यक्ति धर्म, जाति, कुल आदि को प्रमुख मानने लगता है।
(d) जब राजनेता जनता को लुभाने के लिए बड़े-बड़े वायदे करते हैं।

37. **एक जागरूक नागरिक के रूप में हमारा क्या कर्तव्य है?**
(a) धर्म, जाति, भाषा आदि के तुच्छ मतभेदों को भुलाकर एक सुयोग्य और कर्मठ व्यक्ति को मत दें।
(b) हम अपनी जाति, संप्रदाय और बिरादरी के उत्थान का ध्यान रखते हुए मतदान करें।
(c) सभी राजनेता एक जैसे ही होते हैं इसलिए किसी को भी वोट नहीं दें।
(d) हम नेताओं के भाषणों को बिलकुल भी नहीं सुनें और अपनी इच्छानुसार किसी भी नेता को वोट दें।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

SOLUTION : PRACTICE SET-02

ANSWER KEY

1. (c)	9. (d)	17. (d)	25. (d)	33. (b)
2. (c)	10. (b)	18. (b)	26. (d)	34. (d)
3. (d)	11. (b)	19. (d)	27. (a)	35. (c)
4. (c)	12. (c)	20. (b)	28. (d)	36. (c)
5. (d)	13. (d)	21. (d)	29. (b)	37. (a)
6. (c)	14. (b)	22. (b)	30. (d)	
7. (a)	15. (a)	23. (c)	31. (d)	
8. (d)	16. (b)	24. (b)	32. (c)	

SOLUTION

1. (c)
हिन्दी भाषा की कुल वर्ण लिपियों की संख्या 52 है।
स्वर - अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ = 11

व्यंजन-	क वर्ग (कण्ठ्य) - क, ख, ग, घ, ङ	= 5
	च वर्ग (तालव्य)- च, छ, ज, झ, ञ	= 5
	ट वर्ग (मूर्धन्य)-ट, ठ, ड, ढ, ण	= 5
	त वर्ग (दन्त्य)-त, थ, द, ध, न	= 5
	प वर्ग (ओष्ठ्य)-प, फ, ब, भ, म	= 5
	अन्तःस्थ - य, र, ल, व	= 4
	ऊष्म - श, ष, स, ह	= 4
संयुक्त व्यंजन -	क्ष, त्र, ज्ञ, श्र	= 4
अयोगवाह-	अं, अः	= 2
द्विगुण व्यंजन	ड़, ढ़	= 2
कुल वर्णों की संख्या		= 52

2. (c)
शुद्ध विराम चिह्न युक्त वाक्य निम्न होगा– कामवाली रोज़ आती है, काम करती है और चली जाती है।

3. (d)
'चातुर्य' 'संज्ञा' शब्द है। शेष दिये गये तीनों विकल्प मीठा, मधुर, चतुर विशेषण शब्द हैं। इनसे निर्मित संज्ञा इस प्रकार है–मिठास, मधुरता एवं चतुराई।

4. (c)
'संयुक्त सर्वनाम' नामक सर्वनाम की एक पृथक श्रेणी का उल्लेख 'डॉ. दीमशित्स' ने किया है ऐसे शब्द जो संयुक्त होकर सर्वनाम के रूप में कार्य करते हैं उन्हें संयुक्त सर्वनाम कहते हैं। **जैसे**- जो कोई, सब कोई, कुछेक, कोई न कोई इत्यादि। संयुक्त सर्वनाम स्वतंत्र रूप से संज्ञा अथवा मूल सर्वनाम के साथ प्रयुक्त होता है।

5. (d)
'कला का अंतिम और सर्वोच्च ध्येय सौंदर्य है' वाक्य में तीन विशेषण हैं - अंतिम, सर्वोच्च और ध्येय। 'कला' और 'सौन्दर्य' विशेष्य या संज्ञा शब्द हैं।

6. (c)
जिन शब्दों से कार्य का करना या होना पाया जाए, उन्हें क्रिया कहते हैं। क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। मूल धातु में प्रत्यय लगाकर क्रिया का निर्माण किया जाता है।

जैसे-	**धातु**	**क्रिया**	**प्रत्यय**
	पढ़	पढ़ना	ना
	दौड़	दौड़ना	ना

7.(a)
दिये गये विकल्पों में 'जूता' शब्द अव्यय नहीं है। यह जातिवाचक संज्ञा शब्द है जबकि आज, भीतर तथा यहाँ अव्यय शब्द हैं। अव्यय अविकारी शब्द है जिस पर लिंग, वचन तथा कारक का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
अव्यय के चार भेद होते हैं-(i) क्रियाविशेषण अव्यय
(ii) सम्बन्धबोधक अव्यय (iii) समुच्चयबोधक अव्यय
(iv) विस्मयादिबोधक अव्यय

8. (d)
पहिया ईकारान्त संज्ञा (स्त्रीलिंग) नहीं हैं। 'पहिया' आकारान्त 'पुल्लिंग' शब्द है। जबकि नदी, टोपी, उदासी ईकारान्त संज्ञा (स्त्रीलिंग) शब्द हैं।

9. (d)
वचन के आधार पर 'मेहमान-मेहमानों' असंगत युग्म हैं। जबकि 'तलवार-तलवारें, चूहा-चूहे तथा थैला-थैले' वचन के आधार पर संगत युग्म हैं।

10. (b)
आसन्न भूतकाल-क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि क्रिया अभी कुछ समय पहले ही पूर्ण हुई है,उसे आसन्न भूतकाल कहते हैं।
जैसे- मैंने मिठाई खाई है।

11. (b)
प्रश्नगत वाक्य 'मुझसे अब नहीं चला जाएगा' में भाववाच्य है। क्रिया के उस रूपांतरण को भाववाच्य कहते हैं, जिससे वाक्य में क्रिया अथवा भाव की प्रधानता का बोध हो।

12. (c)
कारक और कारक चिह्न की दृष्टि से 'अधिकरण - का' शब्द युग्म असंगत है। इसका संगत शब्द युग्म 'अधिकरण - में, पर' होगा। अन्य कारक एवं परसर्ग युग्म सही हैं।

13. (d)
दिये गये विकल्पों में 'अक्षर' तत्सम शब्द है जबकि अन्य सभी शब्द तद्भव हैं।

तत्सम		**तद्भव**
अक्षर	-	आखर/अच्छर
अश्रु	-	आँसू
अक्षि	-	आँख
आशीष	-	असीस

14. (b)
'परित्यक्ता' में 'परि' उपसर्ग 'त्यक्त' मूलशब्द तथा 'आ' प्रत्यय है, तथा 'अनुनादित' में 'अनु' उपसर्ग 'नाद' मूलशब्द तथा 'इति' प्रत्यय का प्रयोग हुआ है।
उपसर्ग मूलशब्द के आगे तथा प्रत्यय पीछे प्रयुक्त होकर शब्द को प्रभावी बनाते हैं।

15. (a)
'बंगाली' में 'ई' प्रत्यय प्रयुक्त हुआ है। प्रत्यय वे शब्दांश होते हैं, जो मूल शब्द के पीछे जुड़े होते हैं तथा शब्द के अर्थ को परिवर्तित कर देते हैं।

16. (b)
दिये गये वाक्य 'जीवन में उत्साह बना रहना चाहिए'। में रेखांकित शब्द 'उत्साह' का सही विलोम शब्द 'निरुत्साह' होगा।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

17. (d)
अमृत का विलोम विष होगा।
दिये गये विकल्पों के विलोम शब्द निम्न हैं-

शब्द		**विलोम शब्द**
मधुर	-	कटु, कर्कश
पीयूष	-	विष

18. (b)
दिये गये वाक्य रामू बेहद गरीब है। में रेखांकित शब्द 'गरीब' का पर्यायवाची शब्द निर्धन होगा।
निर्धन के अन्य पर्यायवाची शब्द - दरिद्र, कंगाल, दीन, रंक, मुफलिस आदि।

19. (d)
'अपर्णा' शब्द का पर्यायवाची 'पार्वती' होगा। अपर्णा के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- गौरी, गिरिजा, पार्वती, भवानी, रुद्राणी।
दिये गये अन्य विकल्पों के पर्यायवाची शब्द निम्न हैं –

शब्द		**पर्यायवाची शब्द**
स्त्री	-	स्त्री, वनिता, कान्ता, रमणी, नारी, अबला
आराधना	-	प्रार्थना, पूजा, अर्चना
देवांगना	-	मेनका, देवबाला, अप्सरा

20. (b)
'आँख में अंजन दाँत में मंजन' वाक्य में प्रयुक्त 'अंजन' शब्द का अर्थ 'काजल' है।

21. (d)

समश्रुत शब्द		**अर्थ**
अलि-अली	–	भौंरा-सखी
अंस-अंश	–	कंधा-हिस्सा
दमन-दामन	–	दबाना-साड़ी का किनारा
दसन-दर्शन	–	दांत-देखना

22. (b)
वह स्थान जहाँ से यमुना निकलती है वाक्यांश के लिए एक शब्द 'यमुनोत्री' होगा। अन्य शब्दों के लिए वाक्यांश हैं-

वह स्थान जहाँ से गंगा निकलती हैं	–	गंगोत्री
पर्वत जिसके पीछे से सूर्य का उदय होता है	–	उदयाचल
पर्वत जिसके पीछे सूर्य अस्त होता है	–	अस्ताचल

23. (c)
'बिना देख-रेख का जानवर' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'अनेर' होता है।

24. (b)
संधि विच्छेद में यदि किसी वर्ग के 'प्रथम वर्ण' से परे कोई अनुनासिक वर्ण हो, तो संधि करते समय, प्रथम वर्ण के स्थान पर उसी वर्ग का अनुनासिक अर्थात् पंचम वर्ण हो जाएगा, जैसे यदि 'क्', 'च्', 'ट्', 'त्','प्' के बाद 'न' या 'म' आये, तो 'क्', 'च्', 'ट्', 'त्','प्' अपने वर्ग के पंचम वर्ण में बदल जाते हैं, जैसे- वाक्+मय = वाङ्मय, अप् +मय = अम्मय

25. (d)
'प्रतिवर्ष - कर्मधारय समास' में अशुद्धि है। प्रतिवर्ष में अव्ययीभाव समास है ना कि कर्मधारय। अव्ययीभाव समास में प्रथम पद अव्यय होता है तथा उसका अर्थ प्रधान होता है। जैसे – प्रतिवर्ष = हर वर्ष, आजन्म = जन्म से, बेकाम = बिना काम के, बेलगाम = बिना लगाम के आदि।

26. (d)
दिये गये विकल्पों में 'रमा ने अपने भाई से पुस्तक पढ़ने को कहा।' शुद्ध वाक्य है। अन्य विकल्पगत वाक्यों का शुद्ध रूप होगा-
अशुद्ध वाक्य- महादेवी छायावादी कवयित्रि है।
शुद्ध वाक्य- महादेवी छायावादी कवयित्री हैं।
अशुद्ध वाक्य- जब भी आप आओ, मुझे मिलें।
शुद्ध वाक्य- आप जब आयें, तो मुझसे मिलें।
अशुद्ध वाक्य- आपका दर्शन पाकर मै धन्य हो गया।
शुद्ध वाक्य- आपके दर्शन पाकर मैं धन्य हो गया।

27. (a)
विभाव- जो व्यक्ति, पदार्थ अथवा बाह्य विकार अन्य व्यक्ति के हृदय में भावोद्रेक करता है, उन कारकों को विभाव कहा जाता है। इसके दो भेद हैं–(क) आलंबन विभाव (ख) उद्दीपन विभाव

28. (d)
'कमला' में 'सगण' (IIS) गण-रूप है। वर्णिक छंदों की गणना 'गण' के क्रमानुसार की जाती है। तीन वर्णों का एक गण होता है। गणों की कुल संख्या '8' होती है। **जैसे**- यगण, मगण, तगण, रगण, जगण, भगण, नगण, सगण। गणों को निम्न सूत्र से पहचाना जाता है। -यमाताराजभानसलगा'।
अतः 'कमला' में 'सगण गण-रूप है जिसमें दो लघु और एक गुरु वर्ण है।

29. (b)
मुदित महीपति मंदिर आए। सेवक सचिव सुमंत बुलाए।
इस पंक्ति में अनुप्रास अलंकार है।
'जहाँ वर्गों की बार-बार आवृति होने से चमत्कार उत्पन्न हो जाए, वहाँ अनुप्रास अलंकार होता है।'

30. (d)
किसी भी काव्य की रचना के लिए कवि द्वारा जिस शैली का प्रयोग किया जाता है, उसे काव्य रीति कहते हैं। रीति सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य वामन 'रीति' को काव्य की आत्मा माना है। इनके अनुसार काव्य रीति के 'तीन' भेद हैं- (i) वैदर्भी (ii) गौड़ी (iii) पांचाली

31. (d)
प्रश्नगत लोकोक्ति 'होनहार बिरवान के होत चिकने पात' का अर्थ होगा- होनहार व्यक्तियों की प्रतिभा बचपन में ही दिखाई दे जाती है।

32. (c)
'बिल्ली के गले में घण्टी बाँधना' का अर्थ होगा–'अपने को संकट में डालना।'

33. (b)
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी साहित्य को चार काल खण्डों में विभाजित किया है तथा इनका काल विभाजन हिन्दी साहित्य में सर्वाधिक वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक माना जाता है। आचार्य शुक्ल के अनुसार हिन्दी साहित्य का काल विभाजन निम्नवत है–

आदिकाल	– सं. 1050 – 1375
भक्तिकाल	– सं. 1375 – 1700
रीतिकाल	– सं. 1700 – 1900
आधुनिक काल	– सं. 1900 – 1984

34. (d)
'राष्ट्र, सांस्कृतिक और विरासत' में क्रमशः 'संज्ञा, विशेषण और संज्ञा' व्याकरणिक इकाइयाँ हैं।
संज्ञा-'संज्ञा' उस विकारी शब्द को कहते हैं, जिससे किसी विशेष वस्तु, भाव और जीव के नाम का बोध हो। जैसे-भारत, रामचरितमानस, राष्ट्र, विरासत आदि।
विशेषण-जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए उसे विशेषण कहते हैं। जिसकी विशेषता बताई जाए वह विशेष्य कहलाता है। जैसे-धार्मिक, सांस्कृतिक, इत्यादि।

35. (c)
'अंतर्विरोध' शब्द विसर्ग संधि का उदाहरण है।
विसर्ग संधि-विसर्ग के साथ स्वर या व्यंजन के मेल से जो विकार होता है, उसे 'विसर्ग संधि' कहते हैं। जैसे-अंतः + विरोध = 'अंतर्विरोध'।

36. (c)
जब व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति से धर्म, जाति, कुल आदि के आधार पर व्यवहार करता है तो उसकी दृष्टि संकुचित हो जाती है।

37. (a)
एक जागरूक नागरिक के रूप में हमारा कर्तव्य है कि धर्म, जाति, भाषा आदि के तुच्छ मतभेदों को भुलाकर एक सुयोग्य और कर्मठ व्यक्ति को मत दें।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-03

1. लिपि-चिह्नों के क्रमबद्ध समूह को क्या कहते हैं?
(a) अक्षर (b) वर्ण
(c) वर्ण-समूह (d) वर्णमाला

2. दिए गए वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न का चयन कीजिए।
अनिल घर आया थोड़ी देर रुका और चला गया।
(a) : (b) ;
(c) , (d) :-

3. 'संज्ञा' का भेद नहीं होता–
(a) व्यक्तिवाचक (b) जातिवाचक
(c) निजवाचक (d) भाववाचक

4. इनमें से सर्वनाम की उपयुक्त परिभाषा कौन-सी है?
(a) क्रिया के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द
(b) विशेषण के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द
(c) संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द
(d) क्रिया विशेषण के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द

5. निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द विशेषण है?
(a) आग (b) आग्नेय
(c) अगिन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

6. क्रिया के रूपान्तरण को कहते हैं–
(a) विशेषण (b) सर्वनाम
(c) वाच्य (d) कारक

7. अव्यय के लिए इनमें से कौन-सा कथन सही है?
(a) ये अविकारी होते हैं
(b) ये विकारी होते हैं
(c) ये विकारी और अविकारी दोनों होते हैं
(d) उपरोक्त से कोई नहीं

8. दिए गये शब्दों में से कौन एक 'स्त्रीलिंग' नहीं है?
(a) रामायण (b) प्रार्थना
(c) मछली (d) मकान

9. निम्नलिखित में वचन की दृष्टि से असंगत युग्म है :
(a) सर्दी – सर्दियाँ
(b) बहन – बहनें
(c) गुब्बारा – गुब्बारे
(d) झाड़ी – झाड़ियें

10. 'महेश गीत गा रहा था।' वाक्य में काल है–
(a) अपूर्ण भूत (b) पूर्ण भूत
(c) सामान्य भूत (d) आसन्न भूत

11. ''उससे दौड़ा नहीं जाता'' वाक्य में कौन-सा वाच्य है?
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई भी नहीं

12. 'परसर्ग' वे सहायक शब्द हैं जो–
(a) शब्दों के बीच संबंध स्थापित करते हैं
(b) जो शब्दों के मध्य में आते हैं
(c) जो शब्दों के प्रारंभ में आते हैं
(d) जो विसर्ग से मिलते-जुलते हैं

13. तत्सम शब्द 'अप्सरा' का छत्तीसगढ़ी तद्‌भव रूप है–
(a) अपसरा (b) आपसरा
(c) अपछरा (d) अवसरा

14. 'पराधीन' में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) पर (b) प्रा
(c) परा (d) इनमें से कोई नहीं

15. 'केंद्रित' और 'अधिकता' में क्रमशः प्रत्यय इस प्रकार हैं–
(a) द्रित, ता (b) ईत, आ
(c) इत, ता (d) ईत, ता

16. हमें <u>पाप</u> से बचना चाहिए।
उपरोक्त वाक्य में रेखांकित शब्द के सही विलोम शब्द का चयन निम्न विकल्पों में से कीजिए।
(a) दान (b) पुण्य
(c) अपाप (d) कुपाप

17. निम्नलिखित में 'अनघ' का विलोम है–
(a) निरघ (b) निष्पाप
(c) कृती (d) अघी

18. निम्न समानार्थी शब्दों में से उचित शब्द का प्रयोग करके दिए गए वाक्य के रिक्त स्थान की पूर्ति करें-
विधानसभा का चुनाव एक निश्चित _______ के लिए होता है।
(a) समय (b) अवधि
(c) काल (d) युग

19. इनमें से 'अरण्य' शब्द का पर्यायवाची शब्द है
(a) शस्य (b) कुलीन
(c) कांतार (d) आभारी

20. निम्नलिखित में से क्या 'मान' का अर्थ नहीं है?
(a) इज्जत (b) अभिमान
(c) श्रेष्ठ (d) सम्मान

21. 'अभय - उभय' के समरूपी भिन्नार्थक हैं–
(a) निडर - दोनों (b) निडर - एक
(c) भयभीत - दोनों (d) दोनों - एक

22. 'द्विज' शब्द के लिए उपयुक्त वाक्य खंड चुनिए।
(a) बहुत बोलने वाला (b) दो बार जन्म लेने वाला
(c) बहुत जानने वाला (d) पहले जन्म लेने वाला

23. 'अज्ञ' का अर्थ है
(a) जो सब कुछ जानता है
(b) जिसे जाना जा सके
(c) जिसके आर-पार देखा जा सके
(d) जो कुछ नहीं जानता है

24. निम्न में से संधि का कौन सा युग्म गलत है?
(a) अनूदित = अनु + उदित
(b) अवनींद्र = अवनी + इंद्र
(c) श्रद्धानंद = श्रद्ध + आनंद
(d) भूद्धार = भू + उद्धार

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

25. 'यथोचित' किस समास का उदाहरण है?

(a) द्वंद्व समास (b) अव्ययीभाव समास
(c) तत्पुरुष समास (d) द्विगु समास

26. हमारे देश से आयात-निर्यात काफी होता है।
इस वाक्य को शुद्ध करके लिखिए।

(a) हमारे देश में आयात-निर्यात काफी होता है।
(b) हमारा देश में आयात-निर्याता होता है।
(c) हमारा देशको आयात-निर्यात काफी होता है।
(d) हमारे देश में आयात-निर्यात पर्याप्त होती हैं।

27. स्थायी भाव के उत्पत्ति के कारण को क्या कहते हैं ?

(a) अनुभाव (b) समभाव
(c) संचारी भाव (d) विभाव

28. छंद की दृष्टि से गणों की संख्या कितनी है?

(a) 9 (b) 4
(c) 8 (d) 16

29. जिस पंक्ति या जिन पंक्तियों के अंत में एक ही वर्ण और एक ही स्वर की आवृत्ति होती है तो वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?

(a) वृत्यानुप्रास अलंकार (b) छेकानुप्रास अलंकार
(c) श्रुत्यानुप्रास अलंकार (d) अंत्यानुप्रास अलंकार

30. इनमें से किस-से शब्द का आरंभ नहीं होता है?

(a) फ (b) ड़
(c) ड (d) ज

31. 'गूँगे का गुड़' लोकोक्ति का अर्थ है-

(a) अवर्णनीय दुःख (b) अवर्णनीय सुख
(c) निन्दनीय कार्य
(d) मीठा अनुभव

32. 'धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का' लोकोक्ति का अर्थ है–

(a) गधा बनना
(b) हेरा-फेरी करना
(c) घर पर न होना
(d) कहीं ठौर-ठिकाना न होना

33. 'हिन्दी साहित्य की भूमिका' के लेखक कौन हैं?

(a) रामचंद्र शुक्ल
(b) डॉ. रामकुमार वर्मा
(c) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(d) रामविलास शर्मा

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिएः

हमारे बाल्यकाल के संस्कार ही जीवन का ध्येय निर्धारित करते हैं, अतः यदि शैशव में हमारी संतान ऐसे व्यक्तियों की छाया में ज्ञान प्राप्त करेगी, जिनमें चरित्र तथा सिद्धांत की विशेषता नहीं है, जिनमें संस्कारजनित अनेक दोष हैं, तो फिर उनके चरित्र पर भी उसी की छाप पड़ेगी और भविष्य में उनके ध्येय भी उसी के अनुसार स्वार्थमय तथा अस्थिर होंगे। शिक्षा एक ऐसा कर्तव्य नहीं है जो किसी पुस्तक को प्रथम पृष्ठ से अंतिम पृष्ठ तक पढ़ाने से ही पूर्ण हो जाता हो, वरन् वह ऐसा कर्तव्य है जिसकी परिधि सारे जीवन को घेरे हुए है और पुस्तकें ऐसे साँचे हैं जिनमें ढालकर उसे सुडौल बनाया जा सकता है।

आत्मनिर्भरता का अर्थ है- अपने ऊपर निर्भर रहना। जो व्यक्ति दूसरे के मुँह को नहीं ताकते वे ही आत्मनिर्भर होते हैं। वस्तुतः आत्मविश्वास के बल पर कार्य करते रहना आत्मनिर्भरता है। आत्मनिर्भरता का अर्थ है- समाज, निज तथा राष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करना। व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र में आत्मविश्वास की भावना, आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। स्वावलंबन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलंबी अवश्य होना चाहिए। स्वावलंबन व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता-प्राप्ति का महामंत्र है। स्वावलंबन जीवन का अमूल्य आभूषण है, वीरों तथा कर्मयोगियों का इष्टदेव है। सर्वांगीण उन्नति का आधार है।

जब व्यक्ति स्वावलंबी होगा, उसमें आत्मनिर्भरता होगी, तो ऐसा कोई कार्य नहीं जिसे वह न कर सके। स्वाबलंबी मनुष्य के सामने कोई भी कार्य आ जाए, वह अपने दृढ़ विश्वास से, अपने आत्मबल से उसे अवश्य ही पूर्ण कर लेगा। स्वावलंबी मनुष्य जीवन में कभी भी असफलता का मुँह नहीं देखता। वह जीवन के हर क्षेत्र में निरंतर कामयाब होता जाता है। सफलता तो स्वावलंबी मनुष्य की दासी बनकर रहती है। जिस व्यक्ति का स्वयं अपने आप पर ही विश्वास नहीं, वह भला क्या कर पाएगा? परंतु इसके विपरीत जिस व्यक्ति में आत्मनिर्भरता होगी, वह कभी किसी के सामने नहीं झुकेगा। वह जो करेगा सोच समझकर धैर्य से करेगा। मनुष्य में सबसे बड़ी कमी स्वावलंबन का न होना है। सबसे बड़ा गुण भी मनुष्य की आत्मनिर्भरता ही है।

34. सर्वांगीण सफलता-प्राप्ति का महामंत्र लेखक के अनुसार क्या है?

(a) आत्मविश्वास और सहनशीलता
(b) अच्छे संस्कार और कर्तव्यनिष्ठता
(c) आत्मनिर्भरता और आत्मबल
(d) धैर्य और स्नेहयुक्त व्यवहार

35. 'स्वार्थमय' तथा 'अस्थिर' शब्दों के विलोम रूप क्रमशः किस विकल्प में है?

(a) निस्स्वार्थी - चंचल (b) अचल - मतबली
(c) निश्चत - परार्थी (d) निःस्वार्थ - गतिहीन

36. ''सफलता'', ''कार्य'' और ''आत्मनिर्भरता'' शब्दों के लिंग क्रमशः हैं-

(a) पुल्लिंग, पुल्लिंग और स्त्रीलिंग
(b) स्त्रीलिंग, पुल्लिंग और पुल्लिंग
(c) स्त्रीलिंग, पुल्लिंग और स्त्रीलिंग
(d) स्त्रीलिंग, स्त्रीलिंग और पुल्लिंग

37. जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी कौन सी है?

(a) आत्मनिर्भर बनना।
(b) बच्चे में बाल्यकाल से अच्छे संस्कार विकसित करना।
(c) दृढ़ विश्वास जाग्रत करना।
(d) सहनशीलता उत्पन्न करना।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

SOLUTION : PRACTICE SET-03

ANSWER KEY

1. (d)	9. (d)	17. (d)	25. (b)	33. (c)
2. (c)	10. (a)	18. (b)	26. (a)	34. (c)
3. (c)	11. (c)	19. (c)	27. (d)	35. (d)
4. (c)	12. (a)	20. (c)	28. (c)	36. (b)
5. (b)	13. (c)	21. (a)	29. (d)	37. (a)
6. (c)	14. (a)	22. (b)	30. (b)	
7. (a)	15. (c)	23. (d)	31. (b)	
8. (d)	16. (b)	24. (c)	32. (d)	

SOLUTION

1.(d)
हिंदी भाषा की सबसे छोटी इकाई 'ध्वनि' होती है। ध्वनि के लिखित रूप को 'वर्ण' कहा जाता है। वर्णों के क्रमबद्ध समूह को 'वर्णमाला' कहते हैं। हिंदी में 52 वर्ण होते हैं।

2.(c)
दिए गए वाक्य 'अनिल घर आया थोड़ी देर रुका और चला गया।' में उपयुक्त विराम चिह्न 'अल्प विराम' (,) का प्रयोग होगा।
शुद्ध वाक्य- अनिल घर आया, थोड़ी देर रुका और चला गया।

3.(c)
अधिकांश वैयाकरण के अनुसार संज्ञा पाँच प्रकार की होती है– व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, द्रव्यवाचक संज्ञा, समूहवाचक संज्ञा एवं भाववाचक संज्ञा। अतः निजवाचक, संज्ञा का भेद नहीं है बल्कि यह सर्वनाम का भेद है।

4.(c)
संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द को सर्वनाम कहते हैं। सर्वनाम के 6 भेद होते हैं-

1. पुरुषवाचक सर्वनाम	2. निजवाचक सर्वनाम
3. निश्चयवाचक सर्वनाम	4. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
5. संबंधवाचक सर्वनाम	6. प्रश्नवाचक सर्वनाम

हिन्दी व्याकरण में कुल 11 प्रकार के सर्वनाम की चर्चा की गयी है। **जैसे**-मैं, तुम, आप, यह, वह, जो, सो, कोई, कुछ, कौन, क्या।

5. (b)
दिए गये शब्दों में 'आग्नेय' शब्द विशेषण है। आग संज्ञा शब्द है। इसका तत्सम 'अग्नि' होता है। आग तद्भव शब्द है।

6. (c)
क्रिया के रूपांतरण को वाच्य कहते हैं। क्रिया मुख्यतया दो प्रकार की होती है–
1. सकर्मक क्रिया।
2. अकर्मक क्रिया।

7. (a)
अव्यय अविकारी शब्द होते हैं। अव्यय वे शब्द हैं जिनमें लिंग, वचन, पुरुष, कारक आदि से कोई विकार या रूप परिवर्तन नहीं होता है। वस्तुतः किसी भी स्थिति में अव्यय का रूप वैसे-का-वैसे बना रहता है। **जैसे**- गोविन्द तेज दौड़ता है। इसमें 'तेज' शब्द सभी अवस्थाओं में एक समान है। अतः अव्यय है।

8. (d)
दिये गये विकल्पों में 'मकान' शब्द पुल्लिंग है।

9. (d)
'झाड़ी-झाड़ियों' वचन की दृष्टि से असंगत युग्म है। इसका संगत युग्म 'झाड़ी-झाड़ियाँ' होगा। शेष विकल्पों के युग्म संगत हैं।

10. (a)
अपूर्ण भूतकाल-क्रिया के जिस रूप से कार्य के भूतकाल में शुरू होने का पता चले लेकिन खत्म होने का पता न चले उसे अपूर्ण भूतकाल कहते हैं। जिन वाक्यों के अंत में रहा था, रही थी, रहे थे आदि शब्द आते हैं, वे अपूर्ण भूतकाल कहलाते हैं।
उदाहरण-श्याम लखनऊ की यात्रा कर रहा था।
वह विद्यालय जा रहा था।

11. (c)
'उससे दौड़ा नहीं जाता' भाववाच्य का उदाहरण है।

12. (a)
'परसर्ग' वे सहायक शब्द हैं जो शब्दों के बीच संबंध स्थापित करते हैं। परसर्ग को कारक चिह्न भी कहते हैं।

13. (c)
तत्सम शब्द 'अप्सरा' का छत्तीसगढ़ी तद्भव रूप 'अपछरा' होगा।

14. (a)
'पराधीन' में 'पर' उपसर्ग है। उपसर्ग वे शब्द होते हैं जो मूल शब्द के आगे जुड़कर शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं।

15. (c)
'केन्द्रित और अधिकता' में क्रमशः 'इत' और 'ता' प्रत्यय है।

16. (b)
दिये गये वाक्य में रेखांकित शब्द 'पाप' का सही विलोम शब्द 'पुण्य' होगा।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

17. (d)

'अनघ' का विलोम 'अघी' होगा। अन्य शब्दों के विलोम निम्न हैं–

शब्द	**विलोम**
निष्पाप	पाप
कृती	अकृती

18. (b)

विधानसभा का चुनाव एक निश्चित अवधि के लिए होता है। प्रश्नगत विकल्पों में रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए 'अवधि' उचित शब्द है।

19. (c)

दिये गये विकल्पों में से 'कांतार' शब्द अरण्य' का पर्यायवाची शब्द है। अरण्य के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- वन, कानन, विपिन, बीहड़, विटप, अख्य इत्यादि।

20. (c)

दिये गये शब्द 'मान' का अर्थ 'श्रेष्ठ' नहीं है। 'मान' का अर्थ है- इज्जत, अभिमान, सम्मान, जबकि 'गुरु' शब्द का अर्थ है - शिक्षक, श्रेष्ठ, भार।

21. (a)

अभय-उभय के समरूपी भिन्नार्थक 'निडर-दोनों' है। शेष असंगत हैं।

22. (b)

बहुत बोलने वाला	–	वाचाल
दो बार जन्म लेने वाला	–	द्विज
बहुत जानने वाला	–	बहुज्ञ
पहले जन्म लेने वाला	–	अग्रज

23. (d)

वाक्यांश		**एक शब्द**
जो कुछ नहीं जानता है	–	अज्ञ
जो सब कुछ जानता है	–	सर्वज्ञ
जिसे जाना जा सके	–	ज्ञेय
जिसके आर-पार देखा जा सके	–	पारदर्शी

24. (c)

दिये गये विकल्पों में 'श्रद्धानंद = श्रद्ध + आनंद' संधि का युग्म गलत है। इसका शुद्ध रूप होगा- 'श्रद्धा + आनंद' होगा। यह दीर्घ स्वर संधि का उदाहरण है। अन्य सभी विकल्प युग्म शुद्ध हैं।

25. (b)

अव्ययीभाव समास-इस समास का पहला पद प्रधान होता है और समस्त पद वाक्य में क्रिया विशेषण का काम करता है। इसका पूर्वपद अव्यय होता है।

उदाहरण-यथामति, आजन्म, प्रतिदिन, यथावत, प्रतिमाह, प्रतिदिन आदि।

26. (a)

हमारे देश से आयात-निर्यात काफी होता है। यह वाक्य अशुद्ध है। इसका शुद्ध वाक्य होगा– हमारे देश में आयात-निर्यात काफी होता है।

27. (d)

स्थायी भाव के उत्पत्ति के कारण को विभाव कहते हैं। ये रस की उत्पत्ति में आधारभूत माने जाते हैं। विभाव के दो भेद हैं–

1. आलम्बन विभाव, 2. उद्दीपन विभाव।

28. (c)

छंद की दृष्टि से गणों की संख्या 8 है। आठ गण इस प्रकार हैं। यगण, मगण, तगण, रगण, जगण, भगण, नगण, सगण।

29. (d)

जिस पंक्ति या जिन पंक्तियों के अंत में एक ही वर्ण और एक ही स्वर की आवृत्ति होती है वहाँ पर अंत्यानुप्रास अलंकार होता है। अनुप्रास अलंकार के पाँच भेद होते हैं-

(1) छेकानुप्रास (2) वृत्यानुप्रास

(3) लाटानुप्रास (4) अंत्यानुप्रास

(5) श्रुत्यानुप्रास अलंकार।

30. (b)

दिये गये विकल्पों में 'ड़' से किसी शब्द का आरंभ नहीं होता है जबकि 'फ','ड' और 'ह' से शब्द का आरम्भ होता है। अतः विकल्प (b) सही है।

31. (b)

'गूँगे का गुड़' लोकोक्ति का अर्थ 'अवर्णनीय सुख' होगा।

32. (d)

'धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का' लोकोक्ति का सही अर्थ 'कहीं ठौर–ठिकाना न होना' है।

33. (c)

'हिन्दी साहित्य की भूमिका' के लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी हैं। अन्य लेखकों की रचनाएं इस प्रकार हैं-

लेखक	**–**	**रचनाएँ**
रामचन्द्र शुक्ल	–	हिन्दी साहित्य का इतिहास, चिंतामणि, हिन्दी शब्द सागर,आदि।
डॉ. रामकुमार वर्मा	–	अंजलि, अभिशाप, निशीथ, जौहर, चित्तौड़, पिता आदि।
हजारीप्रसाद द्विवेदी	–	हिन्दी साहित्य की भूमिका, सूर साहित्य, अशोक के फूल, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, नाथ सम्प्रदाय आदि।
रामविलास शर्मा	–	प्रेमचन्द्र और उनका युग, प्रगति और परम्परा, भाषा और समाज, भाषा साहित्य और संस्कृति आदि।

34. (c)

दिये गये गद्यांश के अनुसार सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र 'आत्मनिर्भरता और आत्मबल' है।

35. (d)

'स्वार्थमय' तथा 'अस्थिर' शब्दों के विलोम रूप क्रमशः 'निःस्वार्थ'- 'गतिहीन' होगा।

36. (b)

दिये गये शब्द 'सफलता', 'कार्य' और आत्मनिर्भरता शब्दों के लिंग क्रमशः स्त्रीलिंग, पुल्लिंग, और पुल्लिंग हैं।

37. (a)

दिये गये गद्यांश के अनुसार जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी 'आत्मनिर्भर' बनना है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-04

1. जिनका उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है और जो व्यंजन के उच्चारण में सहायक होते हैं उसे कहते हैं –
(a) संज्ञा (b) स्वर (c) व्यंजन (d) विसर्ग

2. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो विराम चिह्न युक्त वाक्य का सही विकल्प हो।
(a) मेरी सहेली के पास बहुत से नए-नए खिलौने, कपड़े और जूते हैं।
(b) मेरी सहेली के पास बहुत से नए नए खिलौने कपड़े और जूते हैं।
(c) मेरी सहेली के पास बहुत से नए नए खिलौने, कपड़े और जूते हैं।
(d) मेरी सहेली के पास बहुत से नए, नए खिलौने, कपड़े और जूते हैं।

3. हिंदी में शब्दों का लिंग-निर्धारण किसके आधार पर होता है? निम्नलिखित विकल्पों में से सही विकल्प को चिह्नित कीजिए–
(a) संज्ञा (b) विशेषण
(c) क्रिया (d) सर्वनाम

4. हिंदी में कुल कितने सर्वनाम हैं?
(a) 12 (b) 10
(c) 11 (d) 9

5. 'प्रविशेषण' को कामता प्रसाद गुरु ने इनमें से कहा है–
(a) अन्तर्विशेषण (b) सामान्य विशेषण
(c) बाह्य विशेषण (d) असामान्य विशेषण

6. रचना की दृष्टि से क्रिया के भेद हैं–
(a) तीन (b) दो
(c) चार (d) पाँच

7. 'वह ऐसा दौड़ा कि सब पीछे रह गये' वाक्य में 'ऐसा' है
(a) क्रिया विशेषण (b) विशेषण
(c) संज्ञा (d) अव्यय

8. लिंग के आधार पर असंगत शब्द युग्म है:
(a) श्रीमान् - श्रीमती (b) विद्वान - विदुषी
(c) युवा - युवती (d) दाता - दत्रि

9. 'चाय' शब्द का प्रयोग किस वचन में होता है?
(a) एकवचन (b) द्विवचन
(c) बहुवचन (d) कोई नहीं

10. 'अपूर्ण भूतकाल' का प्रयोग किस वाक्य में हुआ है?
(a) ज्ञानू रो रहा था। (b) ज्ञानू एक घण्टे से सो रहा है।
(c) ज्ञानू रोया। (d) ज्ञानू सो गया था।

11. इनमें से भाववाच्य का उदाहरण कौन-सा है?
(a) आम खाया जाता है। (b) मैंने पुस्तक पढ़ी।
(c) पुस्तक पढ़ी जाती है। (d) धूप में चला नहीं जाता।

12. कारक के भेद हैं -
(a) पाँच (b) छः
(c) सात (d) आठ

13. आर्द्रक का तद्भव क्या है?
(a) अदरख (b) आर्द्र
(c) अदरक (d) अद्रख

14. 'अनुगामी' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) आ (b) अ
(c) अनु (d) अन

15. 'रक्तिमा' शब्द में कौन-सा प्रत्यय लगा है?
(a) मा (b) अमा
(c) इमा (d) ईमा

16. 'अनुराग' का विलोम है-
(a) विराग (b) सुहाग
(c) वियोग (d) विहंग

17. 'अनय' शब्द का विपरीतार्थक शब्द है
(a) आदि (b) उपरि
(c) नय (d) अनघ

18. विकल्पों में दिया गया कौन-सा शब्द निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्द का पर्यायवाची नहीं है?
मेरा घर मेरे विद्यालय के '<u>पास</u>' ही है।
(a) निकट (b) समीप
(c) दूर (d) सन्निकट

19. 'आडम्बर' का पर्यायवाची शब्द नहीं है–
(a) ढोंग (b) पाखंड
(c) दर्प (d) ढकोसला

20. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द अनेकार्थी शब्द है?
(a) गुलाब (b) बेला
(c) चमेली (d) रातरानी

21. किस विकल्प में शब्द-युग्म का अर्थ-भेद सही नहीं है?

	शब्द-युग्म	**अर्थ-भेद**
(a)	अनिल - अनल	हवा - आग
(b)	अंश - अंस	हिस्सा - कंधा
(c)	अपेक्षा - उपेक्षा	आशा - निरादर
(d)	अवलंब - अविलम्ब	अधर - विलोकित

22. निम्न वाक्यांश के लिए एक सही शब्द का चयन विकल्पों में से कीजिए।
परलोक से संबंध रखने वाला
(a) पुरलौकिक (b) समलौकिक
(c) पारलोकिक (d) पारलौकिक

23. 'जिसका मूल्य न आँका जा सके' वाक्यांश के लिए प्रयुक्त होने वाला एक शब्द क्या होगा?
(a) अमूल्य (b) बहुमूल्य
(c) मूल्यवान (d) मूल्यहीन

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

24. **यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'इ' या 'ई' आए तो दोनों मिलकर 'ए' हो जाते हैं। यह स्वर संधि कहलाती है –**
(a) दीर्घ स्वर संधि (b) वृद्धि स्वर संधि
(c) गुण स्वर संधि (d) अयादि स्वर संधि

25. **'आपादमस्तक' किस समास का उदाहरण है?**
(a) द्वंद्व समास (b) अव्ययीभाव समास
(c) तत्पुरुष समास (d) द्विगु समास

26. **वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध वाक्य का चयन कीजिए-**
(a) यदि इसकी तलाशी लोगे तो घड़ी मिल जाएगी।
(b) स्वस्थ रहने वाले लोगों को वैद्य के पास नहीं जाना पड़ता।
(c) वह इंकार कर देने का परिणाम जानता है।
(d) यौवन वह काल है जब चरित्र का निर्मान होता है।

27. **रस के अवयवों की संख्या कितनी है?**
(a) नौ (b) चार
(c) आठ (d) सात

28. **अनुष्टुप है –**
(a) एक छंद (b) एक अलंकार
(c) एक रस (d) एक गुण

29. **'तुलसीदास सीदति निस दिन देखत तुम्हार निठुराई'- इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?**
(a) श्रुत्यानुप्रास अलंकार (b) अन्त्यानुप्रास अलंकार
(c) लाटानुप्रास अलंकार (d) वृत्यानुप्रास अलंकार

30. **छठा विश्व हिंदी सम्मेलन कहाँ संपन्न हुआ था?**
(a) नई दिल्ली
(b) पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिदाद)
(c) पोर्ट लुई (मॉरिशस)
(d) लंदन (ब्रिटेन)

31. **'आगे नाथ न पीछे पगहा' लोकोक्ति का अर्थ है-**
(a) मूर्ख धनवान (b) माँ-बाप का न होना
(c) किसी तरह की जिम्मेदारी का न होना
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

32. **''बूंद-बूंद से घट भरे ....।'' सही विकल्प का चयन करके लोकोक्ति पूरी कीजिए।**
(a) टपकत रीतो होय
(b) घट भरे सो टपकत जाय
(c) घट भरे सो खाली होय
(d) घट रितो होय

33. **आदिकाल का संभावित समयारंभ कौन-सा माना गया है?**
(a) 1375 वि.सं. (b) 1900 वि.सं.
(c) 1700 वि.सं. (d) 1050 वि.सं.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिएः

मृत्युंजय और संघमित्र की मित्रता पाटलिपुत्र के जन-जन की जानी बात थी। मृत्युंजय जन-जन द्वारा 'धन्वंतरि' की उपाधि से विभूषित वैद्य थे और संघमित्र समस्त उपाधियों से विमुक्त 'भिक्षु'। मृत्यंजय चरक और सुश्रुत को समर्पित थे, जो संघमित्र बुद्ध के संघ और धर्म को। प्रथम का जीवन की संपन्नता और दीर्घायुष्य में विश्वास था तो द्वितीय का जीवन के निराकरण और निर्वाण में। दोनों ही दो विपरीत तटों के समान थे, फिर भी उनके मध्य बहने वाली स्नेह-सरिता उन्हें अभिन्न बनाए रखती थी। यह आश्चर्य है, जीवन के उपासक वैद्यराज को उस निर्वाण के लोभी के बिना चैन ही नहीं था, पर यह परम आश्चर्य था कि समस्त रोगों को मलों की तरह त्यागने में विश्वास रखने वाला भिक्षु भी वैद्यराज के मोह में फँस अपने निर्वाण को कठिन से कठिनतर बना रहा था। वैद्यराज अपनी वार्ता में संघमित्र से कहते-निर्वाण (मोक्ष) का अर्थ है- आत्मा का मृत्यु पर विजय। संघमित्र हँसकर कहते-देह द्वारा मृत्यु पर विजय मोक्ष नहीं हैं। देह तो अपने आप में व्याधि है। तुम देह की व्याधियों को दूर करके कष्टों से छुटकारा नहीं दिलाते, बल्कि कष्टों के लिए अधिक सुयोग जुटाते हो। देह व्याधि से मुक्ति तो भगवान की शरण में है। वैद्यराज ने कहा - मैं तो देह को भगवान के समीप जीते ही बने रहने का माध्यम मानता हूँ। पर दृष्टियों का यह विरोध उनकी मित्रता के मार्ग में कभी बाधक नहीं हुआ। दोनों अपने कोमल हास और मोहक स्वर से अपने-अपने विचारों को प्रस्तुत करते रहते।

34. **देह-व्याधि के निराकरण के बारे में संघमित्र का क्या विचार था?**
(a) संघमित्र देह व्याधि से मुक्ति भगवान की शरण से मानते थे।
(b) संघमित्र शरीर को व्याधि-मुक्त मानते थे।
(c) संघमित्र जीवन की संपन्नता और दीर्घायुष्य में विश्वास रखते थे।
(d) संघमित्र के अनुसार देह-व्याधियों से मुक्ति संभव नहीं थी।

35. **''आत्मा की मृत्यु पर विजय ही मोक्ष है'' ऐसा किसका मानना है?**
(a) मृत्युंजय का
(b) संघमित्र का
(c) चरक और सुश्रुत का
(d) बौद्ध धर्म का

36. **व्याधि और सुयोग शब्दों में क्रमशः प्रयुक्त उपसर्ग हैं**
(a) व्या और सु (b) आधि और ओग
(c) वि + आ और सु (d) वि और सु

37. **संघमित्र और मृत्यंजय के विषय में कौन सा विकल्प सही है?**
(a) मृत्युंजय सादा जीवन जीते हुए निर्वाण प्राप्ति के समर्थक थे, संघमित्र जीवन की संपन्नता और दीर्घायुष्य में विश्वास रखते थे।
(b) संघमित्र और मृत्युंजय दोनों मित्र थे और उनके जीवन-सिद्धांत एक-जैसे ही थे।
(c) संघमित्र जीवन को निरोग बनाकर आनंदपूर्वक जीने व दीर्घायु रहकर उपभोग का आनंद उठाने के समर्थक थे, मृत्युंजय चरक और सुश्रुत को समर्पित थे।
(d) मित्र होते हुए भी उन दोनों के जीवन सिद्धांत विपरीत थे।

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION : PRACTICE SET-04

ANSWER KEY

1. (b)	9. (a)	17. (c)	25. (b)	33. (d)
2. (a)	10. (a)	18. (c)	26. (d)	34. (a)
3. (a)	11. (d)	19. (c)	27. (b)	35. (a)
4. (c)	12. (d)	20. (b)	28. (a)	36. (d)
5. (a)	13. (c)	21. (d)	29. (a)	37. (d)
6. (b)	14. (c)	22. (d)	30. (d)	
7. (d)	15. (c)	23. (a)	31. (c)	
8. (d)	16. (a)	24. (c)	32. (a)	

SOLUTION

1. (b)
जिनका उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है और जो व्यंजन के उच्चारण में सहायक होते हैं उसे स्वर कहते हैं। इनके उच्चारण में भीतर से आती हुई वायु मुख से निर्बाध रूप से निकलती है। हिन्दी में स्वर वर्णों की संख्या ग्यारह है। सभी स्वर स्वतंत्र होते हैं।

2. (a)
उपर्युक्त विकल्पों में शुद्ध विराम चिह्न युक्त वाक्य निम्न होगा–
- मेरी सहेली के पास बहुत से नए-नए खिलौने, कपड़े और जूते हैं।

3. (a)
हिन्दी में शब्दों का लिंग निर्धारण 'संज्ञा' के आधार पर होता है जबकि विशेषण, क्रिया तथा सर्वनाम तीनों उत्तर की दृष्टि से असंगत हैं।

4. (c)
हिंदी में कुल 11 सर्वनाम हैं। सर्वनाम उन शब्दों को कहा जाता है, जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर करते हैं। इसके अंतर्गत मैं, तुम, आप, यह, वह, जो, सो, कोई, कुछ, कौन, क्या शब्द आते हैं।

5. (a)
'प्रविशेषण' को कामता प्रसाद गुरु ने 'अन्तर्विशेषण' कहा है। विशेषण शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को प्रविशेषण कहा जाता है। जैसे– मोहन बहुत सुन्दर है। यहाँ 'सुन्दर' विशेषण है और 'बहुत' प्रविशेषण है क्योंकि 'बहुत' 'सुन्दर' की विशेषता बता रहा है।

6. (b)
रचना की दृष्टि से क्रिया के सामान्यतः दो भेद हैं–(1) सकर्मक क्रिया (2) अकर्मक क्रिया।

सकर्मक क्रिया–'सकर्मक क्रिया' उसे कहते हैं, जिसका कर्म हो या जिसके साथ कर्म की सम्भावना हो अर्थात् जिस क्रिया के व्यापार का संचालन तो कर्त्ता से हो, पर जिसका फल या प्रभाव किसी दूसरे व्यक्ति या वस्तु, अर्थात् कर्म पर पड़े। उदाहरणार्थ–श्याम आम खाता है। इस वाक्य में 'श्याम' कर्त्ता है, 'खाने' के साथ उसका कर्तृरूप से सम्बन्ध है। प्रश्न होता है, क्या खाता है? उत्तर है, 'आम'। यहाँ श्याम के खाने का फल 'आम' पर अर्थात् कर्म पर पड़ता है। इसलिये खाना क्रिया सकर्मक है।

अकर्मक क्रिया– जिन क्रियाओं का व्यापार और फल कर्त्ता पर हो, वे अकर्मक कहलाती हैं। अकर्मक क्रियाओं का 'कर्म' नहीं होता। क्रिया का व्यापार और फल दूसरे पर न पड़कर कर्त्ता पर पड़ता है। उदाहरण के लिये - श्याम सोता है। इसमें सोना क्रिया अकर्मक है।

7. (d)
'वह ऐसा दौड़ा कि सब पीछे रह गये' वाक्य में 'ऐसा' 'रीतिवाचक **अव्यय**' है। ये शब्द सदैव अपरिवर्तित, अविकारी रहते हैं। इनका मूल रूप स्थिर रहता है, कभी बदलता नहीं। **जैसे**- आज, किन्तु, परन्तु, तब, जरा, ऐसे, वैसे, और, क्योंकि, जो कि इत्यादि।

8. (d)
'दाता-दत्रि' लिंग के आधार पर असंगत शब्द-युग्म है। इसका संगत शब्द-युग्म 'दाता-दात्री' होगा। शेष विकल्पों के युग्म संगत हैं।

9. (a)
'चाय' शब्द का प्रयोग एकवचन में होता है।

10. (a)
'ज्ञानू रो रहा था।' इस वाक्य में अपूर्ण भूतकाल का प्रयोग हुआ है।
'ऐसी भूतकालिक क्रियाएँ जिसके समाप्ति का पता नहीं चल पा रहा हो, अपूर्ण भूतकालिक क्रियाएँ कहलाती हैं।'
जैसे – राधिका नाच रही थी।
बच्चा सो रहा था।

11. (d)
वाक्य 'धूप में चला नहीं जाता' में भाववाच्य है। वाच्य क्रिया के उस रूपान्तर को कहते हैं जिससे कर्ता, कर्म और भाव के अनुसार क्रिया के परिवर्तन का ज्ञान होता है।
वाच्य के भेद- (1) कर्तृवाच्य (2) कर्मवाच्य (3) भाववाच्य।
जिस वाक्य में अकर्मक क्रिया का भाव मुख्य हो, उसे भाववाच्य कहते हैं।

12. (d)
किसी वाक्य, मुहावरा या वाक्यांश में संज्ञा या सर्वनाम का वाक्य के अन्य पदों (विशेषतः क्रिया) के साथ जो सम्बन्ध होता है, उसे कारक कहते हैं। हिन्दी में कारकों की संख्या आठ मानी गयी है–कर्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान, सम्बन्ध, अधिकरण तथा सम्बोधन।

13. (c)

तत्सम	तद्भव
आर्द्रक	अदरक
अग्नि	आग
रात्रि	रात
ज्येष्ठ	जेठ
क्षार	खार
अक्षि	आँख

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

14. (c)
'अनुगामी' शब्द में 'अनु' उपसर्ग है। उपसर्ग वे शब्द होते हैं,जो मूल शब्द के आगे जुड़कर शब्द के अर्थ को परिवर्तित कर देते हैं।

15. (c)
'रक्तिमा' शब्द में 'इमा' प्रत्यय है।

रक्त + इमा = रक्तिमा

'वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता ला देते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं।'

जैसे- लाल + इमा = लालिमा

16. (a)

शब्द	**विलोम**
अनुराग	विराग
वियोग	संयोग

17. (c)

शब्द	**विलोम**
अनय	नय
आदि	अंत
उपरि	अधः
अनघ	अघ

18. (c)
पास का पर्यायवाची शब्द 'दूर' नहीं है। बल्कि पास का पर्यायवाची शब्द- निकट, समीप, सन्निकट, करीब, आस-पास, नजदीक आदि हैं।

19. (c)
'आडम्बर' का पर्यायवाची 'दर्प' नहीं है, 'दर्प' के पर्यायवाची शब्द हैं– अहंकार, अभिमान, घमंड इत्यादि, जबकि ढोंग, पाखंड तथा ढकोसला 'आडम्बर' के पर्यायवाची शब्द हैं।

20. (b)
दिये गये शब्दों में 'बेला' अनेकार्थी शब्द है।

'बेला' शब्द के अर्थ हैं - समय, एक फूल, कटोरा, लहर इत्यादि।

21. (d)

शब्द-युग्म	**अर्थ-भेद**
अनिल - अनल	हवा - आग
अंश - अंस	हिस्सा - कंधा
अपेक्षा - उपेक्षा	आशा - निरादर
अवलंब - अविलम्ब	सहारा - तुरंत

22. (d)
दिये गये वाक्यांश 'परलोक से संबंध रखने वाला' के लिए उपयुक्त एक शब्द 'पारलौकिक' है।

23. (a)
'जिसका मूल्य न आंका जा सके' के लिए एक शब्द 'अमूल्य' होगा।

24. (c)
यदि 'अ' या 'आ' के पश्चात् 'इ' या 'ई', 'उ' या 'ऊ' और 'ऋ' आए तो दोनों मिलकर क्रमशः 'ए', 'ओ' और 'अर्' हो जाते हैं। यह **गुण संधि** के अन्तर्गत आता है। जैसे- देव + इन्द्र = देवेन्द्र, देव + ईश = देवेश, देव + ऋषि = देवर्षि।

25. (b)
आपादमस्तक (पाद से लेकर मस्तक तक) अव्ययीभाव समास का उदाहरण है।

26. (d)
वर्तनी की दृष्टि से 'यौवन वह काल है जब चरित्र का निर्मान होता है' अशुद्ध वाक्य है। वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध वाक्य 'यौवन वह काल है जब चरित्र का निर्माण होता है।'

27. (b)
विभाव, अनुभाव एवं व्यभिचारी भाव के संयोग से हृदय में जागृत विभिन्न भावनाओं को रस कहते हैं। रस के अवयवों की संख्या 4 (चार) मानी गयी है।

(i) विभाव
(ii) अनुभाव
(iii) स्थायी भाव
(iv) संचारी/व्यभिचारी भाव

28. (a)
छन्द 'छद्' धातु से बना है जिसका शाब्दिक अर्थ होता है - ऊपर छा जाना अथवा बंधन करना। इसीलिए पद्यबद्ध रचना छन्द के अंतर्गत आती है। जिसमें यह बंधन नहीं होता, वह गद्य रचना होती है। **अनुष्टुप छंद** वैदिक संस्कृत का एक प्रमुख छंद है। अन्य छंदों में गायत्री एवं जगती छंद प्रमुख हैं।

29. (a)
प्रस्तुत पंक्ति में श्रुत्यानुप्रास अलंकार है। क्योंकि इसमें त, द और न वर्णों की आवृत्ति हो रही है। जब किसी पद में एक ही उच्चारण स्थान वाले वर्णों की बार-बार आवृत्ति होती है तो वहाँ श्रुत्यानुप्रास अलंकार होता है यह सुनने में अत्यंत प्रिय लगता है।

30. (d)
छठा विश्व हिंदी सम्मेलन 'लंदन (ब्रिटेन)' में सम्पन्न हुआ था। विश्व हिंदी सम्मेलन हिंदी भाषा का सबसे बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन है। प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन 10 जनवरी 1975 ई. को भारत के 'नागपुर' शहर में हुआ था।

31. (c)
'आगे नाथ न पीछे पगहा' लोकोक्ति का अर्थ किसी तरह की जिम्मेदारी का न होना है।

32. (a)
''बूँद-बूँद से घट भरे टपकत रीतो होय'' यह पूर्ण लोकोक्ति है। अतः स्पष्ट है कि 'टपकत रीतो होय' रिक्त स्थान को पूरित करेगा। इसका अर्थ है– 'थोड़ा–थोड़ा करने से बड़े–बड़े कार्य पूर्ण हो जाते हैं तथा थोड़ी–थोड़ी हानि होने से एक दिन सारा काम बिगड़ जाता है।

33. (d)
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा किया गया काल विभाजन-

(a) आदिकाल (वीरगाथा काल सं. 1050-1375)

(b) पूर्व-मध्यकाल (भक्तिकाल सं. 1375-1700)

(c) उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल सं. 1700-1900)

(d) आधुनिककाल (गद्यकाल सं. 1900-1984)

34. (a)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार देह-व्याधि के निराकरण के बारे में संघमित्र का विचार है- ये देह व्याधि से मुक्ति भगवान शरण से मानते हैं।

35. (a)
दिये गये गद्यांश के अनुसार, 'आत्मा का मृत्यु पर विजय ही मोक्ष है' यह कथन 'मृत्युंजय' का है।

36. (d)
व्याधि और सुयोग शब्दों में क्रमशः वि और सु उपसर्ग प्रयुक्त हैं।

37. (d)
संघमित्र और मृत्युंजय दोनों मित्र थे लेकिन मित्र होते हुए भी दोनों के जीवन सिद्धांत विपरीत थे।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-05

1. स्वरों की संख्या कितनी हैं?
(a) 11 (b) 13 (c) 9 (d) 10

2. दिए गए वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न का चयन कीजिए।
सुनील जरा इधर आना
(a) ! (b) : (c) , (d) ;

3. वचन किसके लिए प्रयोग किये जाते हैं?
(a) संज्ञा (b) सर्वनाम
(c) विशेषण (d) अलंकार

4. निम्नलिखित में से कौन-सा सर्वनाम पद है? चिह्नित कीजिए।
(a) राधा (b) वह (c) सुन्दर (d) विभीषण

5. किसी संज्ञा या सर्वनाम शब्द की विशेषता बताने वाले शब्द क्या कहलाते हैं?
(a) क्रिया विशेषण (b) विशेषण
(c) समुच्चयबोधक (d) क्रिया

6. मुख्य क्रिया के अर्थ को स्पष्ट करने वाली क्रिया को क्या कहते हैं?
(a) नामबोधक क्रिया (b) प्रेरणार्थक क्रिया
(c) नामधातु क्रिया (d) सहायक क्रिया

7. निम्न में अव्यय है–
(a) भारत (b) श्याम (c) आह (d) दक्षिण

8. लिंग के आधार पर असंगत युग्म है:
(a) छात्र – छात्रा (b) प्रौढ़ – प्रौढ़ा
(c) आयुष्मान – आयुष्मती (d) साँप – साँपिनी

9. इनमें से एकवचन-बहुवचन का कौन-सा युग्म सही नहीं है?
(a) आँसू-आँसुओं (b) चिड़िया-चिड़ियाँ
(c) घोड़ा-घोड़े (d) गली-गलियाँ

10. 'रमेश घर आया।' इस वाक्य का संदिग्ध भूतकाल में रूपांतरण होगा–
(a) रमेश घर आ रहा था। (b) रमेश घर आया था।
(c) रमेश घर आएगा। (d) रमेश घर आ गया होगा।

11. किस वाच्य में क्रियाएँ सदैव एकवचन, पुल्लिंग तथा अन्य पुरुष में होती हैं?
(a) कर्मवाच्य (b) कर्तृवाच्य
(c) भाववाच्य (d) सभी में

12. आचार्य किशोरीदास वाजपेयी के मत से हिन्दी में कितने कारक हैं?
(a) 6 (b) 7 (c) 8 (d) 5

13. इनमें से 'अँगरखा' शब्द क्या है?
(a) तत्सम (b) देशज
(c) विदेशज (d) तद्भव

14. 'अ' उपसर्ग और 'ता' प्रत्यय के योग से बनने वाला शब्द कौन सा है?
(a) अनुगुणता (b) अवसरवादिता
(c) अनन्यता (d) असहनशीलता

15. 'सावधानी' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है
(a) ई (b) इ (c) धानी (d) आनी

16. 'संपन्न को सब सुख प्राप्त हो जाते हैं और____ सदा तरसता ही रह जाता है।''
'संपन्न' के विलोम शब्द से उक्त पूर्ण करें।
(a) वीर (b) अपंग (c) विपन्न (d) शाही

17. सभ्य व्यक्ति किसी का अपमान नहीं करते हैं।
उपरोक्त वाक्य में रेखांकित शब्द के विलोम शब्द का चयन कीजिए।
(a) भद्र (b) शील (c) शालीन (d) असभ्य

18. अर्थ के आधार पर शब्द कितने प्रकार के होते है?
(a) 3 (b) 4 (c) 5 (d) 6

19. 'आँख' शब्द का पर्यायवाची बताइए।
(a) अक्स (b) नजरिय
(c) लोचन (d) इनमें से कोई नहीं

20. निम्नलिखित शब्दों में से कौन सा शब्द अनेकार्थी शब्द है?
(a) मेंढक (b) मुद्रा (c) बोरा (d) मोती

21. किस विकल्प में शब्द-युग्म का अर्थ-भेद सही है?

	शब्द-युग्म	**अर्थ-भेद**
(a)	और-ओर	दूसरा-तथा
(b)	उर-उरु	हृदय-नदी
(c)	इतर-इत्र	भिन्न-इत्यादि
(d)	अपरा-अपार	दूसरी-जिसे पार न किया जा सके

22. 'फूल की रज' - वाक्य खंड के लिए उपयुक्त शब्द क्या होगा?
(a) पार्थिव (b) प्रदोष (c) पतित (d) पराग

23. 'जो अचानक आँखों से ओझल हो गया हो'-इन अनेक शब्दों के लिए एक शुद्ध शब्द है–
(a) अन्तर्ध्यान (b) अन्तरध्यान
(c) अन्तर्धान (d) अन्तरधान

24. 'सन्धि' के कितने भेद होते हैं?
(a) एक (b) दो (c) तीन (d) चार

25. समास के कितने भेद हैं?
(a) तीन (b) चार (c) पाँच (d) छह

26. वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए-
(a) काम पूरा कर डोलों, नहीं तो जूर्माना होगा।
(b) इस समय सरदी है, इसलिए कोट पहन लो।
(c) वक्त निकल जाता है, पर बात याद रह जाती है।
(d) दोश तुम्हारा है, और इसका मुझे विश्वास है।

27. निम्नलिखित में से उद्दीपन का कार्य कौन करता है?
(a) प्रेम-पात्र की मधुरवाणी (b) भयानक
(c) वीर (d) रौद्र

28. छप्पय में होते हैं –
(a) प्रथम चार चरण रोला के और अंतिम दो चरण उल्लाला के
(b) प्रथम दो चरण रोला के और अंतिम चार चरण उल्लला के
(c) प्रथम चार चरण चौपाई के और अंतिम दो चरण दोहा के
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

29. जिन पंक्तियों में एक ही उच्चारण स्थान से उच्चरित होने वाले वर्णों की आवृत्ति होती है तो वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

(a) लाटानुप्रास अलंकार (b) श्रुत्यानुप्रास अलंकार
(c) छेकानुप्रास अलंकार (d) वृत्यानुप्रास अलंकार

30. दिए गए वाक्य में उपयुक्त शब्द का चयन करके रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।
मेहनत ही ——— है।
(a) जीवन (b) मृत्यु (c) अभिसाप (d) परिश्रम

31. 'कंगाली में आटा गीला' लोकोक्ति का सटीक अभिप्राय है:
(a) गरीबी में रहना (b) कष्ट पर कष्ट आना
(c) रोजगार न मिलना (d) आटा कम और पानी ज्यादा

32. 'बोये पेड़ बबूल का आम कहाँ से होय' लोकोक्ति का सही अर्थ है :
(a) कर्म के अनुसार फल नहीं मिलता
(b) जैसा कर्म करोगे वैसा फल मिलेगा
(c) कर्म और फल का कोई संबंध नहीं
(d) कर्म करो, फल की इच्छा मत करो

33. भक्ति काल को हिंदी साहित्य का 'स्वर्ण युग' इनमें से किसने कहा है?
(a) जार्ज ग्रियर्सन (b) रामचंद्र शुक्ल
(c) बाबू गुलाब राय (d) श्यामसुन्दर दास

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (प्र.सं. 21-25)

समाज की विषमता शोषण की जननी है। समाज में जितनी विषमता होगी, सामान्यतया शोषण उतना ही अधिक होगा। चूँकि हमारे देश में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक व सांस्कृतिक असमानताएँ अधिक हैं जिसकी वजह से एक व्यक्ति एक स्थान पर शोषक तथा वही दूसरे स्थान पर शोषित होता है। जब बात उपभोक्ता संरक्षण की हो तब पहला प्रश्न यह उठता है कि उपभोक्ता किसे कहते हैं? या उपभोक्ता की परिभाषा क्या है? सामान्यतः उस व्यक्ति या व्यक्ति समूह को उपभोक्ता कहा जाता है। जो सीधे तौर पर किन्हीं भी वस्तुओं अथवा सेवाओं का उपयोग करते हैं। इस प्रकार सभी व्यक्ति किसी-किसी रूप में उपभोक्ता होते हैं और शोषण का शिकार होते हैं।

हमारे देश में ऐसे अशिक्षित, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से दुर्बल अशक्त लोगों की भीड़ है जो शहर की मलिन बस्तियों में, फुटपाथ पर , सड़क तथा रेलवे लाइन के किनारे, गंदे नालों के किनारे झोपड़ी डालकर अथवा किसी भी अन्य तरह से अपना जीवन-यापन कर रहे हैं। वे दुनिया के सबसे बड़े प्रजातांत्रिक देशों की समाजोपयोगी ऊर्ध्वमुखी योजनाओं से वंचित हैं, जिन्हें आधुनिक सफेदपोशों, व्यापारियों, नौकरशाहों एवं तथाकथित बुद्धिजीवी वर्ग ने मिलकर बाँट लिया है। सही मायने में शोषण इन्हीं की देन है। सरकार कितनी भी योजनाएँ बना कर लागू करे, कोई बड़ा परिवर्तन संभव नहीं है।

उपभोक्ता शोषण का तात्पर्य केवल उत्पादकता व व्यापारियों द्वारा किए गए शोषण से ही लिया जाता है जबकि इसके क्षेत्र में वस्तुएँ एवं सेवाएँ दोनों ही सम्मिलित हैं, जिनके अंतर्गत डॉक्टर, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस, ऊँचे ओहदों पर बैठे सरकारी कर्मचारी, वकील आदि सभी आते हैं। इन सबने शोषण के क्षेत्र में जो कीर्तिमान बनाए हैं वे वास्तव में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने लायक हैं। कानून के हाथ कितने भी लम्बे हों, इन सभी तक नहीं पहुँच सकते क्योंकि रक्षक जब भक्षक बन जाए तो कौन बचाए? भ्रष्टाचार सभी की जड़ों में पहुँचा हुआ है- ऊपर से नीचे या नीचे से ऊपर। क्या कभी इन लोगों के अच्छे दिन आएँगे?

दूसरी ओर किसी तरह अपनी इज्जत-आबरू बचाता मध्यम वर्ग है जो न तो किसी पार्टी के वोट बैंक में है और न ज्यादा पढ़ा-लिखा सम्पन्न। न सरकार उसकी परेशानियों को समझती है और न कोई अन्य राजनैतिक पार्टी। जिनको सरकारी पेंशन नहीं मिलती, ऐसे बड़े-बूढ़े लाचार लोगों की स्थिति और भी खराब है। न तो उनकी संस्कार-विहीन संतान उनका ध्यान रखने को तैयार है और न सरकार उनके लिए कुछ सोच पा रहीं है। क्या इस विषमता को हटाने की दिशा में कोई कदम उठाया जा रहा है? क्या पढ़े-लिखे नौजवानों को उपयुक्त रोजगार दिए जाने की दिशा में कुछ हो रहा है? क्या होगा इस देश का, भगवान ही जानता है।

34. हमारे देश में समाजोपयोगी ऊर्ध्वमुखी योजनाओं से वंचित वर्ग कौन सा है?
(a) सरकारी पेंशन विहीन वयोवृद्ध जनों का वर्ग
(b) किसी तरह अपनी इज्जत-आबरू बचाता समाज का मध्यम वर्ग
(c) मलिन बस्तियों, फुटपाथ, सड़क तथा रेलवे लाइन के किनारे झोपड़ी डालकर रहने वाले अशिक्षित, दुर्बल और अशक्त लोगों का वर्ग
(d) आधुनिक सफेदपोशों, व्यापारियों, नौकरशाहों एवं तथाकथित बुद्धिजीवी लोगों का वर्ग

35. लेखक के अनुसार शोषण का शिकार कौन लोग होते हैं?
(a) पढ़े-लिखे उपयुक्त रोजगार विहीन नवयुवकरण
(b) वस्तु एवं सेवाओं का उपयोग करने वाला उपभोक्ता समूह
(c) उत्पादकता से जुड़ा व्यापारी मंडल
(d) नौकरशाह एवं तथाकथित बुद्धिजीवी वर्ग

36. समाज के मध्यम वर्ग की कौन-सी समस्या है?
(a) गरीब और श्रमिक वर्ग से सम्बन्धित
(b) उच्च शिक्षित और ध्नाढय
(c) घर का हर सदस्य मजदूरी करने के लिए विवश
(d) जीवन-यापन में आर्थिक परेशानी से सामाजिक प्रतिष्ठा पर खतरा

37. समाजोपयोगी ऊर्ध्वमुखी योजनाओं से वंचित वर्ग के शोषण के लिए कौन उत्तरदायी है?
(a) राजनेता, व्यापारी वर्ग, सरकारी तंत्र एवं तथाकथित बुद्धिजीवी वर्ग
(b) समाज के धर्मपरायण, पंडित और कथावाचक लोग
(c) समाज का मध्यम वर्ग और उच्च वर्ग
(d) शिक्षित एवं सम्पन्न नौकरीपेशा वर्ग

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION : PRACTICE SET-05

ANSWER KEY

1. (a)	9. (a)	17. (d)	25. (d)	33. (d)
2. (c)	10. (d)	18. (b)	26. (c)	34. (c)
3. (a)	11. (c)	19. (c)	27. (a)	35. (b)
4. (b)	12. (a)	20. (b)	28. (a)	36. (d)
5. (b)	13. (d)	21. (d)	29. (b)	37. (a)
6. (d)	14. (d)	22. (d)	30. (a)	
7. (c)	15. (a)	23. (c)	31. (b)	
8. (d)	16. (c)	24. (c)	32. (b)	

SOLUTION

1. (a)
स्वरों की संख्या 11 होती है। जिन वर्णों का स्वतंत्र उच्चारण किया जा सके या जिन ध्वनियों के उच्चारण के समय हवा बिना किसी रुकावट के निकलती है, वे स्वर कहलाते हैं। जैसे-अ, आ, इ, ई आदि।

2. (c)
दिये गये वाक्य में अल्पविराम (,) का प्रयोग होगा।

शुद्ध वाक्य – सुनील, जरा इधर आना

चिह्न		**चिह्न के नाम**
(!)	–	विस्मय विराम/आश्चर्य चिन्ह
(:)	–	अपूर्ण विराम/विवरण चिन्ह
(,)	–	अल्प विराम
(;)	–	अर्द्ध विराम

3. (a)
वचन का प्रयोग 'संज्ञा' के लिए किया जाता है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि सर्वनाम, विशेषण और क्रियाओं के रूप मूलतः संज्ञाओं पर आश्रित हैं इसलिए 'वचन' में संज्ञा-शब्दों का रूपान्तर होता है।

4. (b)
दिये गये शब्दों में 'वह' सर्वनाम है जबकि राधा, और विभीषण दोनों व्यक्तिवाचक संज्ञा हैं तथा सुन्दर विशेषण है। 'विभीषण' शब्द कभी-कभी जातिवाचक संज्ञा के रूप में भी प्रयुक्त होता है; **जैसे**– 'वह आज का विभीषण है।'

5. (b)
किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

6. (d)
मुख्य क्रिया के अर्थ को स्पष्ट करने वाली क्रिया को 'सहायक क्रिया' कहते हैं। **जैसे**-(है, था, रहे हैं, रहे थे) आदि।

उदाहरण-तुम खेल रहे थे।
सुरेश चिल्ला रहा है।

उपर्युक्त उदाहरण में खेलना एवं चिल्लाना मुख्य क्रिया है, जबकि रहे थे, एवं रहा है सहायक क्रिया है।

7. (c)
प्रश्नगत विकल्पों में 'आह' अव्यय शब्द है। ऐसे शब्द जिनमें लिंग, वचन, पुरुष, कारक आदि के कारण कोई विकार नहीं होता, अव्यय कहलाते हैं, जैसे- हाय, वाह, शाबाश, हाँ, और, किन्तु, जब, तब, अतः इत्यादि।

8. (d)
दिये गये विकल्प में 'साँप-साँपिनी' लिंग के आधार पर असंगत युग्म है। इसका संगत युग्म है - साँप-साँपिन। शेष विकल्पों के युग्म संगत हैं।

9. (a)
दिये गये विकल्पों में 'आँसू-आँसुओं' एकवचन-बहुवचन की दृष्टि से सही युग्म नहीं है, क्योंकि 'आँसू' शब्द का प्रयोग हमेशा बहुवचन में होता है, एकवचन में नहीं। अन्य शब्द-युग्म सही हैं।

10. (d)
'रमेश घर आया।' इस वाक्य का संदिग्ध भूतकाल में रूपान्तरण होगा- 'रमेश घर आ गया होगा।'

11. (c)
क्रिया के जिस रूप से न तो कर्ता और न ही कर्म की, बल्कि क्रिया के 'भाव' की प्रधानता हो वहाँ 'भाववाच्य' होता है। 'भाववाच्य' में क्रियाएँ सदैव एकवचन, पुल्लिंग तथा अन्य पुरुष में होती हैं।
जैसे- मुझसे चला नहीं जाता।

12. (a)
संज्ञा अथवा सर्वनाम के जिस रूप से उसका सम्बन्ध वाक्य के किसी दूसरे शब्द के साथ विशेषतः क्रिया के साथ ज्ञात होता है, उसे 'कारक' कहते हैं। आचार्य किशोरीदास वाजपेयी ने हिन्दी में 6 कारक बताये हैं वार्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान एवं अधिकरण। इन्होंने संबंध तथा संबोधन को कारक नहीं माना है।

13. (d)
दिये गये विकल्प में 'अँगरखा' शब्द तद्भव है जिसका तत्सम शब्द अंगरक्षक है।

14. (d)
मूल शब्द 'सहनशील' में 'अ' उपसर्ग और 'ता' प्रत्यय के योग से बनने वाला शब्द 'असहनशीलता' है।
'उपसर्ग' मूलशब्द के आगे तथा 'प्रत्यय' मूलशब्द के पीछे जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

15. (a)
'सावधानी' शब्द में 'ई' प्रत्यय प्रयुक्त हुआ है।

16. (c)
दिये गये वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु 'संपन्न' शब्द का विलोम 'विपन्न' प्रयुक्त होगा।
अतः पूर्ण वाक्य होगा- संपन्न को सब सुख प्राप्त हो जाते हैं और विपन्न सदा तरसता ही रह जाता है।

17. (d)
'सभ्य' का विलोम शब्द 'असभ्य' होगा।

18. (b)
अर्थ के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते हैं-
(1) एकार्थी शब्द (2) अनेकार्थी शब्द (3) समानार्थी/पर्यायवाची शब्द (4) विपरीतार्थी/ विलोम शब्द।

19. (c)
'आँख' का पर्यायवाची शब्द 'लोचन' होगा। इसके अन्य पर्यायवाची शब्द निम्न हैं-
आँख– नेत्र, नयन, लोचन, चक्षु, अम्बक आदि।
अक्स– प्रतिबिम्ब, छाया, आदि।
नजरिया– दृष्टिकोण, मत, परिप्रेक्ष्य आदि।

20. (b)
मुद्रा का अर्थ सिक्का, मोहर, अँगूठी, छाप, चिह्न, आकृति आदि है।

21. (d)
दिये गये विकल्पों में शब्द-युग्म 'अपरा-अपार' का अर्थ- भेद सही है। अन्य विकल्प सुमेलित नहीं हैं।

22. (d)

वाक्यांश		**एक शब्द**
फूल की रज	-	पराग
सूर्य के अस्त होने का समय	-	प्रदोष
पृथ्वी से संबंध रखने वाला	-	पार्थिव
जिसका नैतिक पतन हो चुका हो	-	पतित

23. (c)
वाक्यांश 'जो अचानक आँखों से ओझल हो गया हो' के लिए शुद्ध शब्द 'अन्तर्धान' होगा।

24. (c)
वर्णों के आधार पर संधि के 3 भेद हैं-
(1) **स्वर संधि**- दो स्वरों के मेल से उत्पन्न विकार अथवा रूप परिवर्तन को 'स्वर संधि' कहते हैं।
(2) **व्यंजन संधि**- व्यंजन से स्वर अथवा व्यंजन के मेल से उत्पन्न विकार को 'व्यंजन संधि' कहते हैं।
(3) **विसर्ग संधि**- विसर्ग के साथ स्वर या व्यंजन के मेल से उत्पन्न विकार को 'विसर्ग संधि' कहते हैं।

25. (d)
समास के 'छह' भेद होते हैं। द्वंद समास, द्विगु समास, कर्मधारय समास, तत्पुरुष समास, बहुव्रीहि समास, अव्ययीभाव समास।

26. (c)
'वक्त निकल जाता है, पर बात याद रह जाती है।' यह वाक्य वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध है। विकल्प में दिये गये शेष वाक्यों का वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध वाक्य निम्न है-
* काम पूरा कर डालो, नहीं तो जुर्माना होगा।
* इस समय सर्दी है, इसलिए कोट पहन लो।
* दोष तुम्हारा है और इसका मुझे विश्वास है।

27. (a)
'प्रेम-पात्र की मधुर वाणी' उद्दीपन का कार्य करती है। बाह्य वातावरण में होने वाले परिवर्तनों के प्रति अनुक्रिया को उद्दीपन कहते हैं अथवा जिन वस्तुओं या परिस्थितियों को देखकर स्थायी भाव उद्दीप्त होने लगता है उद्दीपन विभाव कहलाता है।
जैसे- नायक या नायिका की शारीरिक चेष्टाएं, मधुर वाणी,रमणीक उद्यान, चांदनी आदि।

28. (a)
छप्पय विषम मात्रिक एवं संयुक्त छन्द है। इसमें कुल छः चरण होते हैं। प्रथम चार चरण रोला छंद के तथा अन्तिम या शेष चरण उल्लाला छंद के होते हैं।

29. (b)
जिन पंक्तियों में एक ही उच्चारण स्थान से उच्चरित होने वाले वर्णों की आवृत्ति होती है तो वहाँ श्रुत्यानुप्रास अलंकार होता है।
जैसे- दिनान्त था, थे दीननाथ डूबते,
सधेनु आते गृह ग्वाल बाल थे ।
अनुप्रास शब्दालंकार का भेद है-
अनुप्रास अलंकार - वर्णों की आवृत्ति को अनुप्रास कहते हैं।
इसके निम्न भेद हैं-
(1) छेकानुप्रास (2) वृत्यानुप्रास (3) श्रुत्यानुप्रास
(4) लाटानुप्रास (5) अत्यानुप्रास

30. (a)
रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त शब्द 'जीवन' होगा।
अतः पूर्ण वाक्य होगा – मेहनत ही जीवन हैं।

31. (b)
'कंगाली में आटा गीला' लोकोक्ति का सटीक अर्थ है- कष्ट पर कष्ट आना।

32. (b)
'बोये पेड़ बबूल का आम कहाँ से होय' लोकोक्ति का सही अर्थ– 'जैसा कर्म करोगे वैसा फल मिलेगा' होता है।

33. (d)
भक्तिकाल को हिंदी साहित्य का 'स्वर्णयुग' श्याम सुंदरदास ने कहा है। जबकि जार्ज ग्रियर्सन ने भक्तिकाल को 'स्वर्णकाल', कहा। रामचन्द्र शुक्ल ने 'भक्तिकाल', हजारीप्रसाद द्विवेदी ने 'लोक जागरण' काल कहा है।

34. (c)
दिये गये गद्यांश के अनुसार हमारे देश में समाजोपयोगी ऊर्ध्वमुखी योजनाओं से वंचित वर्ग-मलिन बस्तियों, फुटपाथ, सड़क तथा रेलवे लाइन के किनारे झोपड़ी डालकर रहने वाले अशिक्षित, दुर्बल और अशक्त लोगों का वर्ग है।

35. (b)
दिये गये गद्यांश में लेखक के अनुसार वस्तु एवं सेवाओं का उपयोग करने वाला उपभोक्ता समूह शोषण के शिकार होते हैं।

36. (d)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार समाज के मध्यवर्ग की समस्या है- जीवन-यापन में आर्थिक परेशानी से सामाजिक प्रतिष्ठा पर खतरा।

37. (a)
गद्यांश के अनुसार राजनेता, व्यापारी वर्ग, सरकारी तंत्र एवं तथाकथित बुद्धिजीवी वर्ग समाजोपयोगी ऊर्ध्वमुखी योजनाओं से वंचित वर्ग के शोषण के लिए उत्तरदायी हैं।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET-06

1. मात्रा के आधार पर स्वर कितने प्रकार के होते हैं?
(a) 2 (b) 3 (c) 4 (d) 5

2. दिए गए वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न का चयन कीजिए।
सवेरा हुआ चिड़िया चहचहाने लगी।
(a) :- (b) :
(c) ; (d) ,

3. 'हवा' कैसा शब्द है?
(a) क्रिया (b) विशेषण
(c) सर्वनाम (d) संज्ञा

4. निम्नलिखित में से किस वाक्य में सर्वनाम का प्रयोग हुआ है?
(a) आज बरसात होगी (b) मैं कल दिल्ली जा रहा हूँ
(c) घर का काम कर लो (d) सीमा और रीमा बहनें हैं

5. विशेषण का लिंग किसके अनुसार होता है?
(a) विशेष्य के अनुसार (b) स्त्रीलिंग होता है
(c) स्वतंत्र रहता है (d) पुल्लिंग के अनुसार

6. इनमें से क्रिया के किस रूप में कर्त्ता के अनुसार लिंग परिवर्तन नहीं होता ?
(a) भविष्यकालिक रूप में (b) भूतकालिक रूप में
(c) आज्ञार्थक रूप में (d) वर्तमानकालिक रूप में

7. हमें प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करना चाहिए। रेखांकित शब्द को पहचानिए।
(a) उपसर्ग (b) अव्यय
(c) सर्वनाम (d) कारक

8. लिंग के आधार पर असंगत शब्द युग्म है:
(a) कुमार-कुमारी (b) दास-दासिन
(c) तरुण-तरुणी (d) सुंदर-सुंदरी

9. हिन्दी में कितने वचन होते हैं?
(a) दो (b) तीन
(c) चार (d) पाँच

10. दिए गए वाक्य का काल ज्ञात कीजिए।
नेता जी ने भाषण दिया।
(a) आसन्न भूतकाल (b) अपूर्ण भूतकाल
(c) पूर्ण भूतकाल (d) सामान्य भूतकाल

11. 'उसके द्वारा लिखा नहीं जा सकेगा।' इस वाक्य में वाच्य का कौन-सा प्रकार है?
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

12. क्रियापरक व्याकरणिक कोटि चिह्नित कीजिए।
(a) कारक (b) लिंग
(c) वचन (d) पक्ष

13. निम्न में से कौन-सा शब्द तद्भव नहीं है?
(a) आठ (b) आम
(c) आधा (d) अग्नि

14. निम्नलिखित में 'नि' उपसर्ग का प्रयोग किस शब्द में हुआ है?
(a) निराशा (b) निष्कासन
(c) निष्फल (d) निगम

15. 'प्रत्यय' शब्द कितने शब्दों से बना है?
(a) दो (b) तीन
(c) चार (d) छह

16. अपना गुस्सा काबू में करो, शांत रहो।
निम्न में से किस विकल्प में उपरोक्त वाक्य में प्रयुक्त 'शांत' शब्द का विलोम नहीं दिया गया है?
(a) उद्विग्न (b) स्थिर
(c) उत्तेजित (d) अशांत

17. विलोम शब्दों का निम्न में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?
(a) अपना-पराया (b) आस्था-अनास्था
(c) आकाश-पाताल (d) अग्नि-आग

18. 'अंक' शब्द का अर्थ नहीं होता है
(a) गोद (b) चिह्न
(c) संख्या (d) अंग

19. इनमें से 'आगार' शब्द का पर्यायवाची शब्द कौन सा नहीं है?
(a) घर (b) घाम (c) भवन (d) आवास

20. 'अनंत विश्व में अनेक देवताओं की कहानियाँ प्रचलित हैं।' इस वाक्य मे प्रयुक्त 'अनंत' शब्द निम्न में से किस अर्थ को व्यक्त करता है?
(a) अंतहीन (b) ईश्वर
(c) शेष (d) आकाश

21. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द-युग्म 'चरम-चर्म' का उचित अर्थ है–
(a) टूटना - शाश्वत
(b) श्रेष्ठ - शक्तिहीन
(c) अंतिम सीमा - चमड़ा
(d) चमड़ा - अंतिम सत्य

22. 'सौ वर्ष का समय' वाक्यांश के लिए एक शब्द होगा-
(a) शताब्दी (b) सहस्राब्दी
(c) युग (d) वार्षिक

23. 'अंकेक्षक' शब्द के लिए सही वाक्यांश क्या है?
(a) अंक (गोद) में खेलने वाला बच्चा
(b) अंकों की गणना करने वाला
(c) अंकों के साथ खेलने वाला
(d) आय-व्यय के आंकड़ों की जाँच करने वाला

24. दो निकटवर्ती वर्णों के परस्पर मेल से जो परिवर्तन होता है उसे क्या कहते हैं?
(a) समास (b) संधि
(c) कारक (d) उपसर्ग

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

25. 'प्रतिदिनम्' शब्द का समास विग्रह कीजिये?
(a) दिनं दिनं व (b) दिनं दिनं प्रति
(c) दिनम् दिनम् (d) दिनं व दिनं

26. निम्नलिखित वाक्य में कौन से भाग में त्रुटि है?
'बिद्वानों का दल आ रहा है।'
(a) दल (b) आ रहा है। (c) का (d) बिद्वानों

27. स्थायी भावों को अनुभूति के योग्य कौन बनाता है?
(a) अनुभाव (b) आश्रय
(c) संचारी भाव (d) विभाव

28. इनमें से सोलह मात्राओं वाला छंद कौन-सा है?
(a) चौपाई (b) घनाक्षरी
(c) दोहा (d) रोला

29. एक या अनेक वर्णों की पास-पास तथा क्रमानुसार आवृत्ति को कौन-सा अलंकार माना जाता है?
(a) अनुप्रास अलंकार (b) मानवीकरण अलंकार
(c) वक्रोक्ति अलंकार (d) श्लेष अलंकार

30. किस समूह में शब्द ठीक प्रकार से रखे गए हैं?
1. भाव वाचक संज्ञाएँ-निराशा, हताशा, भलाई, विजय, भाग्य
2. विशेषण-शक्तिशाली, पराधीन, सभ्य, स्वेच्छाचारी, पुराना
3. सर्वनाम- मैं, तुम, हम, तुम्हारा, क्या, क्यों
4. अकर्मक क्रियाएँ- लजाना, मरना, सोना, पढ़ना
(a) 1,2,3 (b) 2,3,4
(c) सभी ठीक हैं (d) सभी गलत हैं

31. प्रस्तुत विकल्पों में से लोकोक्ति को पहचानिए।
(a) आ बैल मुझे मार
(b) टेढ़ी उँगली से अचार निकालना
(c) घाट-घाट का जूस पीना
(d) तिल का लड्डू बनाना

32. ''बैल न कूदे, कूदे तंगी''- कहावत का अर्थ है-
(a) वीरता पर विश्वास होना
(b) गड्ढे में कूदना
(c) साहसिक कार्य करना
(d) स्वामी के बल पर सेवक का साहस

33. पूर्व मध्यकाल का समय कौन-सा माना जाता है?
(a) 1900 - 1984 वि.सं. (b) 1375 - 1700 वि.सं.
(c) 1700 - 1900 वि.सं. (d) 1050 - 1375 वि.सं.

निम्नलिखित गंद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

इस रत्नगर्भा वसुंधरा के अंतःस्थल में हीरे-मणि-माणिक्य और सम्पदा का अभाव नहीं है। धरती का विस्तीर्ण अतल गर्भ अनंत धनराशि से भरा पड़ा है। आवश्यकता है, इसके वक्ष को चीरकर उन्हें उगलवा लेने वाले दृढ़ संकल्प और साहस की। धरती के अंदर विद्यमान धनराशि के कारण ही धरती वसुंधरा कहलाती है। इस धरा पर रहने वाले कुछ लोग ऐसा मानते हैं कि यदि भाग्य में नहीं है तो हथेली पर आई वस्तु भी नष्ट हो जाती है। जब हम अपना चिंतन केवल भाग्यवाद को आधार मानकर करते हैं, तो हम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपेक्षित प्रयत्न नहीं करते। प्रयत्न के अभाव में फल भी नहीं मिलता और लोग भाग्य को दोष देते रहते हैं। ऐसे भाग्यवादी लोगों को कायर माना जाता है। अकूत सम्पदा तो उसी को मिल सकती है जो पूर्ण संकल्प के साथ कार्य में प्रवृत्त हो। जैसे अर्जुन का ध्यान पक्षी की बेधे जाने वाली आँख पर था, उसी प्रकार जो लक्ष्य के प्रति एकनिष्ठ होकर सतत प्रयासशील रहता है, समय के परिपाक के साथ उस लक्ष्य को पाने में सफल हो जाता है। ऐसे लोग जो भाग्य के सहारे बैठे रहते हैं और प्रतीक्षा करते रहते हैं कि अली बाबा की सिम-सिम वाली गुफा का द्वार कब खुलता है, उन्हें जब असफलता का अँधेरा अपने चारों ओर घिरता दिखाई देता है, तब वे पछतावा करते हैं कि उन्होंने व्यर्थ ही समय गँवा दिया। मनुष्य के पास सभी कुछ पा लेने की क्षमता होती है, पर कैसे उसे पाया जाएगा उसके लिए संपूर्ण-निर्णयशक्ति, दृढ़ संकल्प और अपेक्षित परिश्रम आवश्यक है। कई बार लक्ष्य के एकदम समीप पहुँच कर हम प्रयत्न करना छोड़ देते हैं और भाग्य को दोष देते हैं। भाग्य जैसी कोई वस्तु या तो होती ही नहीं है और या परिश्रम की चाबी के साथ मिलकर भाग्य की चाबी काम करती है। भाग्य की अकेली चाबी सफलता के ताले को नहीं खोल सकती। इसीलिए कवि तुलसीदास ने कहा है-

कायर मन कर एक अधारा। दैव दैव आलसी पुकारा।।

34. गद्यांश में कायर किसको माना गया है?
(a) जो अपेक्षित परिश्रम से डरकर भाग्य का आश्रय ले।
(b) जो युद्ध में शत्रु को पीठ दिखाकर भाग जाए।
(c) जो पड़ोसी के ललकारने पर घर के अंदर छिप जाए।
(d) जो मेहनत करने से पीछे न हटे।

35. भाग्य को कौन लोग दोष देते रहते हैं?
(a) जो प्रयत्न के अभाव में फल न मिल पाने के कारण बचाव का बहाना खोजते हैं।
(b) जो परिश्रमशील होते हैं और सफल हो जाते हैं।
(c) जो किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं।
(d) जिनको पहले से पता होता है कि उन्होंने मेहनत नहीं की है और वे सफल होने वाले नहीं हैं।

36. 'परिश्रम' शब्द कौन-सी व्याकरणिक इकाई है?
(a) सर्वनाम (b) संज्ञा
(c) विशेषण (d) क्रिया-विशेषण

37. जब हम अपना चिंतन केवल भाग्यवाद को आधार मानकर करते हैं तब क्या होता है?
(a) हम पूरी तरह से मेहनत करते हैं।
(b) हम सफल हो जाते हैं।
(c) हम लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपेक्षित प्रयत्न नहीं करते हैं और असफल होते हैं।
(d) संपूर्ण-निर्णयशक्ति, दृढ़ संकल्प और अपेक्षित परिश्रम करने के कारण सफलता पा लेते हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION : PRACTICE SET-06

ANSWER KEY

1. (b)	9. (a)	17. (d)	25. (b)	33. (b)
2. (d)	10. (d)	18. (d)	26. (d)	34. (a)
3. (d)	11. (c)	19. (b)	27. (d)	35. (a)
4. (b)	12. (a)	20. (a)	28. (a)	36. (b)
5. (a)	13. (d)	21. (c)	29. (a)	37. (c)
6. (b)	14. (d)	22. (a)	30. (a)	
7. (b)	15. (a)	23. (d)	31. (a)	
8. (b)	16. (b)	24. (b)	32. (d)	

SOLUTION

1. (b)
उच्चारण में लगने वाला समय 'मात्रा' कहलाता है। इसी मात्रा के आधार पर स्वर के तीन भेद हैं–

(1) ह्रस्व स्वर – जिन स्वरों के उच्चारण में एक मात्रा का समय लगता है, उन्हें 'ह्रस्व स्वर' कहते हैं। अ, इ, उ, ऋ ह्रस्व स्वर हैं। इन्हें 'एक मात्रिक स्वर' भी कहते हैं।

(2) दीर्घ स्वर – जिन स्वरों के उच्चारण में दो मात्रा का समय लगता है, वे 'दीर्घ स्वर' कहलाते हैं। इन्हें 'द्विमात्रिक स्वर' भी कहते हैं। ये हैं– आ,ई,ऊ,ए,ऐ,ओ,औ।

(3) प्लुत स्वर – जिन स्वरों के उच्चारण में तीन मात्रा का समय लगे, उसे 'प्लुत स्वर' कहते हैं। (३) अंक इसका चिह्न होता है। संस्कृत व्याकरण में प्लुत स्वरों की संकल्पना प्राप्त होती है। हिन्दी में इसका प्रयोग नहीं किया जाता है।

विशेष–समग्रतः मात्रा के आधार पर स्वर के तीन भेद हैं, किन्तु हिन्दी वर्णमाला में मात्रा के आधार पर स्वरों के प्रकार पूछे जाने पर उत्तर 2 होगा– (1) ह्रस्व (2) दीर्घ, क्योंकि प्लुत का प्रयोग हिन्दी व्याकरण के अन्तर्गत नहीं किया जाता है।

2. (d)
दिए गए वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न अल्पविराम (,) का प्रयोग होगा। अतः पूर्ण शुद्ध वाक्य होगा - सवेरा हुआ, चिड़िया चहचहाने लगी।

3. (d)
हवा शब्द **संज्ञा** है। संज्ञा उस विकारी शब्द को कहते हैं, जिससे किसी विशेष वस्तु, भाव और जीव के नाम का बोध हो। जिस शब्द से काम का करना या होना समझा जाए, उसे **क्रिया** कहते हैं। **जैसे-** पढ़ना, खाना, पीना इत्यादि। जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए उसे **'विशेषण'** कहते हैं। सर्वनाम वह विकारी शब्द है जो पूर्वापर संबंध से किसी भी संज्ञा के बदले आता है।

4. (b)
जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, उसे सर्वनाम कहते हैं। मैं, तुम, आप, वह, जो, सो, कोई, कुछ, कौन, क्या आदि सर्वनाम **हैं**। जैसे– मैं कल दिल्ली जा रहा हूँ। वाक्य में 'मैं' शब्द सर्वनाम है। हिन्दी में सर्वनाम के छः (6) भेद हैं–

1. पुरुषवाचक	2. निजवाचक
3. निश्चयवाचक	4. अनिश्चयवाचक
5. सम्बन्धवाचक	6. प्रश्नवाचक

5. (a)
विशेषण का लिंग 'विशेष्य' के अनुसार' होता है-**जैसे**-राजीव एक 'अच्छा' लड़का है। सीता एक 'अच्छी' लड़की है।

6. (b)
क्रिया के 'भूतकालिक रूप में' लिंग का परिवर्तन कर्ता के अनुसार नहीं बल्कि कर्म के अनुसार होता है। **जैसे**– राम ने रोटी खायी थी।, सीता ने खाना खा लिया था।

7. (b)
'हमें प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करना चाहिए' वाक्य में प्रतिदिन अव्यय है। अव्यय वे शब्द होते हैं जिनका रूप किसी भी कारक, पुरुष, लिंग, वचन के अनुसार नहीं बदलता है।

8. (b)
'दास-दासिन' लिंग के आधार पर असंगत शब्द युग्म है। इसका संगत शब्द-युग्म 'दास-दासी' होगा। शेष विकल्पों के शब्द युग्म लिंग के आधार पर संगत हैं।

9. (a)
संज्ञा के जिस रूप से संख्या का बोध हो, उसे वचन कहते हैं। हिन्दी भाषा में वचन दो प्रकार के होते हैं-(1) एकवचन (2) बहुवचन

10. (d)
दिए गए वाक्य 'नेता जी ने भाषण दिया' में सामान्य भूतकाल है। **सामान्य भूतकाल** - जब भूतकाल की क्रिया के विशेष समय का ज्ञान नहीं होता है, तो वहाँ पर सामान्य भूत होता है।

11. (c)
'उसके द्वारा लिखा नहीं जा सकेगा।' भाववाच्य का उदाहरण है।

12. (a)
कारक क्रियापरक व्याकरणिक कोटि का है। व्याकरण की वह कोटि जिसमें क्रिया निहित हो, कारक कहलाती है। कारक का शाब्दिक अर्थ है–करने वाला अर्थात् क्रिया को पूरी तरह करने में किसी न किसी भूमिका को निभाने वाला। संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उनका सम्बन्ध क्रिया से पता चले, उसे कारक कहते हैं। हिन्दी में इनकी संख्या आठ होती है जबकि लिंग से स्त्री या पुरुष जाति तथा वचन से एक या अनेक होने का पता चलता है।

13. (d)

तत्सम	**तद्भव**
अष्ट	आठ
आम्र	आम
अर्द्ध	आधा
अग्नि	आग

14. (d)
दिए हुए प्रश्न में 'नि' उपसर्ग का प्रयोग विकल्प 'निगम' में हुआ है। **उपसर्ग-:** वे शब्दांश, जो किसी शब्द के आरंभ में लगाकर उनके अर्थ में विशेषता ला देते हैं या उनके अर्थ को बदल देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

15. (a)
'प्रत्यय' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है। 'प्रति + अय' = प्रत्यय
16. (b)
दिये गये वाक्य 'अपना गुस्सा काबू में करो, शांत रहो।' में प्रयुक्त 'शांत' शब्द का विलोम 'स्थिर' नहीं है जबकि उद्विग्न, उत्तेजित तथा अशांत इसके विलोम शब्द हैं।
17. (d)
निम्न विलोम शब्दों में 'अग्नि–आग' युग्म सुमेलित नहीं है। अग्नि का विलोम शब्द जल होता है।
18. (d)
'अंग' अंक शब्द का अर्थ नहीं है जबकि गोद, चिह्न और संख्या अंक का ही अर्थ है। अंग का अर्थ हैं- शरीर, शरीर का कोई अवयव, अंश और शाखा।
19. (b)
घाम शब्द 'आगार' का पर्यायवाची नही है। शेष सभी 'आगार' के पर्यायवाची हैं।
आगार के पर्यायवाची – घर, सदन, भवन, धाम, निकेतन, निवास, आयतन, आलय, निलय, मंदिर, आवास।
20. (a)
दिये गये वाक्य में 'अनंत' शब्द अंतहीन को व्यक्त करता है।
21. (c)
दिये गये विकल्पों में श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द-युग्म 'चरम - चर्म' का उचित अर्थ है – 'अंतिम सीमा – चमड़ा।'
श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द :– ऐसे शब्द जो पढ़ने और सुनने में लगभग एक से लगते हैं, परन्तु अर्थ की दृष्टि से भिन्न होते हैं, श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं।
जैसे–

	शब्द		अर्थ
(i)	अवधि	-	समय
	अवधी	-	भाषा
(ii)	अम्बुज	-	कमल
	अंबुधि	-	सागर

22. (a)

वाक्यांश		**एक शब्द**
सौ वर्ष का समय	-	शताब्दी
एक हजार वर्ष का समय	-	सहस्त्राब्दी
एक वर्ष का समय	-	वार्षिक

23. (d)
'अंकेक्षक' का सही वाक्यांश- 'आय-व्यय के आंकड़ों की जाँच करने वाला' होगा।
24. (b)
दो निकटवर्ती वर्णों के परस्पर मेल से जो परिवर्तन होता है, उसे संधि कहते हैं।
- संधियाँ मुख्यतः तीन प्रकार की होती हैं; स्वर संधि, व्यंजन संधि एवं विसर्ग संधि।
- शब्दों के परस्पर मेल को समास कहते हैं।
- क्रिया के साथ सम्बन्ध बताने वाले को कारक कहते हैं।
- उपसर्ग वे शब्दांश हैं जो किसी शब्द से पूर्व जुड़कर उसके अर्थ में विशिष्टता ला देते हैं।

25. (b)
'प्रतिदिनम्' शब्द का समास विग्रह-'दिनं दिनं प्रति' होगा। इसमें अव्ययीभाव समास है। अव्ययीभाव समास में प्रथम पद अव्यय एवं प्रधान होता है और समस्त पद अव्यय की भाँति कार्य करता है। इसके अन्य उदाहरण-यथाशक्ति, प्रतिदिन, उपगंगम् आदि हैं।
26. (d)
दिये गये वाक्य 'बिद्वानों का दल आ रहा है।' में बिद्वानों' शब्द त्रुटिपूर्ण है।
इसका शुद्ध का रूप होगा - विद्वानों का दल आ रहा है।
27. (d)
स्थायी भावों को अनुभूति के योग्य विभाव बनाता है। वे सभी साधन जिनके कारण हमारे मन में भाव उत्पन्न होते हैं, उन्हें विभाव कहते हैं।
28. (a)
'चौपाई' सममात्रिक छंद के अंतर्गत आता है। इसमें 4 (चार) चरण होते हैं तथा प्रत्येक चरण में 16-16 मात्राएँ होती हैं। पहले चरण की तुक दूसरे से तथा तीसरे चरण की तुक चौथे से मिलती है। प्रत्येक चरण के अंत में यति होता है।
उदाहरण- जय हनुमान ज्ञान गुन सागर।
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर।।
29. (a)
अनुप्रास अलंकार – एक या अनेक वर्णों की पास-पास तथा क्रमानुसार आवृत्ति को "अनुप्रास अलंकार" माना जाता है।
अनुप्रास अलंकार मुख्यतया पाँच प्रकार के होते हैं। अंत्यानुप्रास, श्रुत्यानुप्रास, छेकानुप्रास, लाटानुप्रास, वृत्यानुप्रास।
30. (a)
उपर्युक्त प्रश्न में भाव वाचक संज्ञा, विशेषण एवं सर्वनाम शब्द-समूहों में शब्दों को क्रमशः ठीक प्रकार से रखा गया है। 'पढ़ना' शब्द सकर्मक क्रिया है जबकि इसे अकर्मक क्रिया के समूह में रखा गया है जो कि त्रुटिपूर्ण है। अतः विकल्प (a) सही है।
31. (a)
'आ बैल मुझे मार' लोकोक्ति है, इसका अर्थ है– 'जान–बूझ कर मुसीबत मोल लेना'। इसके अलावा अन्य मुहावरों के शुद्ध रूप निम्नलिखित हैं–
- टेढी ऊँगली से घी निकालना– बलपूर्वक काम निकालना।
- घाट–घाट का पानी पीना – संसार का अनुभव प्राप्त करना।
- तिल का ताड़ बनाना – छोटी बात को बढ़ा चढ़ाकर कहना।

32. (d)
'बैल न कूदे, कूदे तंगी' कहावत का अर्थ 'स्वामी के बल पर सेवक का साहस' है। शेष कहावतें के अर्थ से असंगत हैं।
33. (b)
हिंदी साहित्य के काल विभाजन के सम्बंध में आचार्य रामचंद्र शुक्ल का महत्वपूर्ण योगदान है। शुक्ल जी ने हिंदी साहित्य के 900 वर्षों के इतिहास को चार कालों में विभाजित किया।
आदिकाल - 1050-1375 वि.सं.
पूर्व मध्यकाल- 1375-1700 वि.सं.
उत्तर मध्यकाल- 1700-1900 वि.सं.
आधुनिक काल - 1900 - 1984 वि.सं.
अतः स्पष्ट है, कि पूर्व मध्यकाल का समय 1375-1700 वि.सं. माना जाता है।
34. (a)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार जो अपेक्षित परिश्रम से डरकर भाग्य का आश्रय लेते हैं, ऐसे लोगों को कायर माना जाता है।
35. (a)
गद्यांश के अनुसार भाग्य को ऐसे लोग दोष देते हैं, जो प्रयत्न के अभाव में फल न मिल पाने के कारण बचाव का बहाना खोजते रहते हैं।
36. (b)
'परिश्रम' संज्ञा शब्द है, इसका विशेषण रूप 'परिश्रमी' होगा। सर्वनाम ऐसे शब्द होते हैं, जो संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं तथा क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द 'क्रिया विशेषण' कहलाते हैं।
37. (c)
गद्यांश के अनुसार, जब हम अपना चिंतन केवल भाग्यवाद को आधार मानकर करते हैं, तब हम लक्ष्य प्राप्ति के लिए अपेक्षित प्रयत्न नहीं करते हैं और फलस्वरूप हम असफल होते हैं।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET-07

1. किस समूह में सभी स्वर दीर्घ हैं?
(a) ई, ए, ऐ, ओ, औ (b) ऌ, ऋ, आ, ई, ऊ
(c) अ, आ ऊ, औ, ऐ (d) अ, आ, इ, ऊ, ऋ

2. दिए गए वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न का चयन कीजिए।
रुको रुको वह क्या कह रही है।
(a) " " (b) , ,
(c) ; (d) ,

3. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा वाला शब्द नहीं है?
(a) मोहन (b) काशी
(c) यमुना (d) नदी

4. सर्वनाम के कुल कितने भेद होते हैं?
(a) 5 (b) 6
(c) 7 (d) 8

5. 'मुझे छोटी बच्ची के लिए कुछ नए कपड़े खरीदने हैं, वाक्य में कितने विशेषण शब्द हैं ?
(a) 3 (b) 2
(c) 5 (d) 4

6. क्रिया के 'पद-परिचय' में इनमें से क्या-क्या होता है?
(a) क्रिया का प्रकार, वाच्य, पुरुष
(b) लिंग, वचन, काल
(c) वह शब्द जिससे क्रिया का संबंध है
(d) उपरोक्त सभी

7. 'रमेश अच्छा गाता है' वाक्य में अच्छा है-
(a) क्रिया विशेषण (b) विशेषण
(c) अव्यय (d) भाववाचक संज्ञा

8. शब्दों के लिंग परिवर्तन की दृष्टि से कौन सा शब्द युग्म असंगत है?
(a) बूढ़ा - बुढ़िया (b) कटोरा - कटोरी
(c) हथौड़ा - हथौड़ी (d) माली - मालिनी

9. दिए गए शब्द में वचन कीजिए।
चाय
(a) त्रीवचन (b) एकवचन
(c) बहुवचन (d) द्विवचन

10. निम्नलिखित प्रश्न में,चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए वाक्य के काल का सही विकल्प हो।
मैंने आज एक फिल्म देखी थी।
(a) पूर्ण भूतकाल (b) आसन्न भूतकाल
(c) पूर्ण वर्तमानकाल (d) सामान्य वर्तमानकाल

11. निम्नलिखित में से भाववाच्य वाक्य का चयन कीजिए।
(a) मैं उठ नहीं सकता।
(b) हमारे द्वारा रास्ता आसानी से पार किया गया।
(c) उसके द्वारा भोजन पकाया गया।
(d) मेरे भाई से लड़ा नहीं जा सका।

12. 'लड़के ने कुत्ते को मारा।' वाक्य में कौन-सा कारक है?
(a) करण और अपादान (b) संबंध और करण
(c) अधिकरण और करण (d) कर्ता और कर्म

13. इनमें से कौन-सा शब्द 'एकल' का तद्भव शब्द है?
(a) अकल (b) अकिल
(c) अकेला (d) कोई नहीं

14. निम्न में से 'अत्याचार' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) अत्य (b) चार
(c) अति (d) अत्

15. 'विश्वसनीय' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है:
(a) य (b) ईय
(c) इय (d) अनीय

16. निम्नलिखित विलोमार्थी शब्द-युग्मों में असंगत है :
(a) अंतरंग-बहिरंग (b) अल्पायु-दीर्घायु
(c) अनुराग-राग (d) अमर-मर्त्य

17. दिए गए शब्द का विलोम शब्द ज्ञात कीजिए।
उर्ध्वगामी
(a) अधोगामी (b) विमुख
(c) अधम (d) उदयाचल

18. द्रवहु सो दशरथ '<u>अजिर</u>' बिहारी में रेखांकित शब्द का क्या अर्थ है?
(a) बूढ़ा (b) अमर
(c) आंगन (d) ज्वर रहित

19. <u>किसान</u> बहुत मेहनत करते हैं।
(a) खेतीजीवी (b) सुरपति
(c) किन्नराधिपति (d) इनमें से कोई नहीं

20. निम्न में से किस वाक्य में 'कर' के सही अनेकार्थी शब्द का प्रयोग हुआ है?
(a) विकास अत्यंत उत्साही था।
(b) नयन ने वह कार्य पूरा नहीं किया।
(c) राजीव ने अपने हाथ खड़े कर दिए।
(d) यह अत्यंत गंभीर मामला है।

21. किस विकल्प में शब्द-युग्म का अर्थ-भेद सही नहीं है।

	शब्द-युग्म	अर्थ-भेद
(a)	अभिराम – अविराम	स्थिर – लगातार
(b)	आदि – आदी	आरम्भ – अभ्यस्त
(c)	अचल – अंचल	स्थिर – क्षेत्र
(d)	अयश – अयस	बदनामी – लोहा

22. 'जिसके आने की तिथि न हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द है
(a) अतिथि (b) पोषक
(c) सत्ताधारी (d) इनमें से कोई नहीं

23. 'जहाँ जाया न जा सके।' वाक्यांश के लिए एक शब्द है
(a) अधिगम (b) अगम्य
(c) निर्गम (d) सुगम

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

24. निम्नलिखित में से एक कथन गलत है–
(a) दो वर्णों के मेल से होने वाले विकार को संधि कहते हैं।
(b) दो स्वरों के मेल से उत्पन्न विकार को स्वर संधि कहते हैं।
(c) व्यंजन से स्वर अथवा व्यंजन के मेल से उत्पन्न विकार को व्यंजन संधि कहते हैं।
(d) विसर्ग के साथ विसर्ग के मेल से उत्पन्न विकार को विसर्ग संधि कहते हैं।

25. निम्नलिखित पदों में से कौन सा पद अव्ययीभाव समास का नहीं है?
(a) राजपुत्र (b) प्रतिदिन
(c) यथाशक्ति (d) प्रत्येक

26. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य है-
(a) हमलग उत्तर लिखते हैं। (b) हमलोग उत्तर लिखत हैं।
(c) हम लोग उत्तर लिखते हैं। (d) हमलोग उतर लिखते हैं।

27. जो व्यक्ति, वस्तु या परिस्थितियाँ स्थायी भावों को उद्दीपन या जागृत करती हैं उन्हें कौन-सी संज्ञा दी जाती है?
(a) विभाव (b) अनुभाव
(c) संचारी भाव (d) स्थायी भाव

**28. 'बंदऊँ गुरु पद पदुम परागा। सुरुचि सुबास सरस अनुरागा।।
अमिअ मूरियम चूरन चारू। समन सकल भव रुज परिवारू ।।' में कौन-सा छन्द है ?**
(a) तोटक (b) छप्पय
(c) कुण्डलिया (d) चौपाई

29. राम रमापति कर धनु लेहु– यहाँ कौन सा अलंकार है?
(a) यमक (b) श्लेष
(c) अनुप्रास (d) वक्रोक्ति

**30. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस सही विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त शब्द का सही विकल्प है।
जहाँ भाषाओं का .... होता है, वहाँ वास्तव में विभिन्न जनपदों के हृदय ही मिलते हैं।**
(a) रहस्य (b) मिलन
(c) मतभेद (d) अलगाव

31. 'यह मुँह और मसूर की दाल' - लोकोक्ति का अर्थ बताएँ।
(a) मजबूरी में आदमी सब कुछ करता है।
(b) केवल ऊपरी दिखावा।
(c) पुराना गौरव समाप्त।
(d) अपनी औकात से बढ़कर होना या करना।

32. 'बाँझ क्या जाने प्रसव की पीड़ा' का अर्थ है–
(a) दूसरों का दु:ख-दर्द नहीं समझना
(b) सहानुभूति नहीं दिखाना
(c) सन्तानहीन होना
(d) जिस पर बीतती है, वही जानता है

33. पूर्व मध्यकाल को हिन्दी साहित्य में इस नाम से भी जाना जाता है–
(a) आदिकाल (b) रीतिकाल
(c) भक्तिकाल (d) गद्यकाल

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (प्र. 36-40)

आज किसी भी व्यक्ति का सबसे अलग एक टापू की तरह जीना संभव नहीं रह गया है। भारत में विभिन्न पंथों और विविध मत-मतांतरों के लोग साथ-साथ रह रहे हैं। ऐसे में यह अधिक जरूरी हो गया है कि लोग एक-दूसरे को जानें; उनकी जरूरतों को, उनकी इच्छाओं-आकांक्षाओं को समझें उन्हें तरजीह दें और उनके धार्मिक विश्वासों, पद्धतियों, अनुष्ठानों को सम्मान दें। भारत जैसे देश में यह और भी अधिक जरूरी है, क्योंकि यह देश किसी एक धर्म, मत या विचारधारा का नहीं है। स्वामी विवेकानंद इस बात को समझते थे और अपने आचार-विचार में अपने समय से बहुत आगे थे। उनका दृढ़ मत था कि विभिन्न धर्मों-संप्रदायों के बीच संवाद होना ही चाहिए। वे विभिन्न धर्मों-संप्रदायों की अनेकरूपता को जायज और स्वाभाविक मानते थे। स्वामी जी विभिन्न धार्मिक आस्थाओं के बीच सामंजस्य स्थापित करने के पक्षधर थे और सभी को एक ही धर्म का अनुयायी बनाने के विरुद्ध थे। वे कहा करते थे, ''यदि सभी मानव एक ही धर्म को मानने लगें, एक ही पूजा-पद्धति को अपना लें और एक-सी नैतिकता का अनुपालन करने लगें, तो यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात होगी, क्योंकि यह सब हमारे धार्मिक और आध्यात्मिक विकास के लिए प्राणघातक होगा तथा हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से काट देगा''। हमें सभी धर्म-संप्रदाय-पंथ-विचारों के लोगों को और उनकी विचारधाराओं और उपासना पद्धतियों को उचित सम्मान देना चाहिए। किसी भी व्यक्ति को चाहे वह किसी जाति-धर्म और भाषा से सम्बन्धित है, प्रकृति ने समान बनाया है। सभी मनुष्यों में एक ही परमात्मा का वास है। जागतिक विकास की दृष्टि से कोई पिछड़ा हो सकता है। यदि कोई पिछड़ा हुआ है तो उसे अपने साथ ले लेने से मानवता खिल उठती है।

34. मानवता कब खिल उठती है?
(a) जब पिछड़ों को सहारा दिया जाता है।
(b) जब एकाधिक धर्मों को मानने वाले साथ रहते हैं।
(c) जब सभी में स्थित एक परमात्मा को ही एकमात्र सत्य स्वीकार किया जाता है।
(d) जब सभी का आध्यात्मिक विकास होगा।

35. 'आध्यात्मिक' शब्द में क्रमशः उपसर्ग, मूल शब्द और प्रत्यय हैं?
(a) अधि + आत्म + इक (b) आधि + आत्मा + क
(c) अध्य + आत्म : इक (d) आधि + आत्म + इक

36. 'स्वामी विवेकानंद इस बात को समझते थे और अपने आचार-विचार में अपने समय से बहुत आगे थे।' वाक्य का प्रकार है
(a) मिश्रित वाक्य (b) सामान्य वाक्य
(c) संयुक्त वाक्य (d) विधिवाचक वाक्य

37. गद्यांश के अनुसार धर्म-सम्प्रदायों के विषय में विवेकानंद का विचार था कि
(a) केवल हिन्दू धर्म की पूजा पद्धति सही है।
(b) सभी धर्म समान हैं और धर्म-सम्प्रदायों की अनेकरूपता जायज़ और स्वाभाविक है।
(c) हिन्दुओं को भारत में रहने और अपना धर्मपालन करने का अधिकार है।
(d) भारत में केवल एक धर्म का पालन होना चाहिए।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION : PRACTICE SET-07

ANSWER KEY

1. (a)	9. (b)	17. (a)	25. (a)	33. (c)
2. (d)	10. (a)	18. (c)	26. (c)	34. (a)
3. (d)	11. (d)	19. (a)	27. (a)	35. (a)
4. (b)	12. (d)	20. (c)	28. (d)	36. (c)
5. (a)	13. (c)	21. (a)	29. (c)	37. (b)
6. (d)	14. (c)	22. (a)	30. (b)	
7. (a)	15. (d)	23. (b)	31. (d)	
8. (d)	16. (c)	24. (d)	32. (d)	

SOLUTION

1. (a)
दिये गये विकल्पों में समूह (ई, ए, ऐ, ओ, औ) में सभी स्वर 'दीर्घ स्वर' के अंतर्गत आते हैं।

2. (d)
दिए गए वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न अल्प विराम (,) का प्रयोग होगा। अतः पूर्ण वाक्य होगा - रुको, रुको, वह क्या कह रही है।

3. (d)
'नदी' शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा वाला शब्द नहीं है। 'नदी' जातिवाचक संज्ञा वाला शब्द है। जबकि मोहन, काशी, यमुना आदि व्यक्तिवाचक संज्ञा वाले शब्द हैं।

4. (b)
जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, उन्हें सर्वनाम कहते हैं। सर्वनाम के छः भेद होते हैं–

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम	(2) निश्चयवाचक सर्वनाम
(3) निजवाचक सर्वनाम	(4) सम्बन्धवाचक सर्वनाम
(5) अनिश्चयवाचक सर्वनाम	(6) प्रश्नवाचक सर्वनाम

5. (a)
वाक्य 'मुझे छोटी बच्ची के लिए कुछ नए कपड़े खरीदने हैं, में तीन विशेषण हैं–छोटी, कुछ एवं नए।

6. (d)
क्रिया के 'पद परिचय' में क्रिया का प्रकार, वाच्य, पुरुष, लिंग, वचन, काल तथा वह शब्द जिससे क्रिया का सम्बन्ध है इत्यादि होता है। जिन शब्दों से किसी कार्य का करना या होना व्यक्त हो उसे क्रिया कहते हैं।

7. (a)
वाक्य 'रमेश अच्छा गाता है' में अच्छा क्रिया 'गाता' की विशेषता बताता है, जो शब्द क्रिया की विशेषता बतलाते हैं, उन्हें क्रिया विशेषण कहा जाता है।

8. (d)
शब्दों के लिंग परिवर्तन की दृष्टि से 'माली-मालिनी' युग्म असंगत है। इसका संगत युग्म 'माली-मालिन' होगा। शेष विकल्पों के शब्द युग्म संगत हैं।

9. (b)
दिए गए शब्द में 'चाय' एकवचन शब्द है।

वचन-संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसके एक या एक से अधिक होने का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं। हिन्दी में वचन दो प्रकार के होते हैं–(i) एकवचन (ii) बहुवचन

एकवचन- शब्द के जिस रूप से केवल 'एक' वस्तु या व्यक्ति का ज्ञान होता है, उसे 'एकवचन' कहते हैं।

बहुवचन- शब्द के जिस रूप में 'एक से अधिक' वस्तु या व्यक्ति का ज्ञान होता है, उसे 'बहुवचन' कहते हैं।

10. (a)
उपर्युक्त वाक्य पूर्ण भूतकाल का वाक्य है।

पूर्णभूत काल– क्रिया के उस रूप को पूर्ण भूत कहते हैं जिससे क्रिया की समाप्ति के समय का स्पष्ट बोध होता है कि क्रिया को समाप्त हुए काफी समय बीत चुका है।

जैसे– मैंने आज एक फिल्म देखी थी।
मैं मोहन से मिला था।

11. (d)
'मेरे भाई से लड़ा नहीं जा सका' इसमें भाववाच्य वाक्य है।

'जिस वाक्य में वाच्य बिन्दु न तो कर्ता हो और न ही कर्म बल्कि क्रिया का भाव ही मुख्य हो उसे भाववाच्य कहा जाता है।'

जैसे– मुझसे चला नहीं जाता है।

12. (d)
'लड़के ने कुत्ते को मारा' वाक्य में कर्त्ता और कर्म कारक है। 'ने' परसर्ग कर्त्ता कारक तथा 'को' परसर्ग कर्म कारक से संबंधित हैं।

13. (c)

तत्सम	–	तद्भव
एकल	–	अकेला
आम्र	–	आम
अग्नि	–	आग
चूर्ण	–	चूरन
ताम्र	–	ताँबा

14. (c)
'अत्याचार' शब्द में 'अति' उपसर्ग है। अति उपसर्ग से बने अन्य शब्द निम्न हैं– अत्यधिक, अत्यंत, अत्याचार, अतिशय आदि। 'वे शब्दांश जो किसी शब्द के आदि (प्रारंभ) में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।'

15. (d)
विश्वसनीय शब्द में 'अनीय' प्रत्यय प्रयुक्त हुआ है। शब्दों के बाद जो अक्षर या अक्षर समूह लगाया जाता है उसे प्रत्यय कहते हैं। प्रत्यय के दो प्रकार हैं-कृत तथा तद्धित

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

16. (c)
'अनुराग-राग' विलोम की दृष्टि से असंगत युग्म है। इसका संगत युग्म 'अनुराग-विराग' होगा।

17. (a)

शब्द		**विलोम**
उर्ध्वगामी	–	अधोगामी
विमुख	–	सम्मुख
उदयाचल	–	अस्ताचल/पश्चिमांचल
अधम	–	उत्तम

18. (c)
'द्रवहु सो दशरथ अजिर बिहारी' में रेखांकित शब्द 'अजिर' का आशय 'आंगन' होता है।

19. (a)
'खेतीजीवी' किसान का पर्यायवाची शब्द है। किसान के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- काश्तकार, कृषिजीवी, हलधर, खेतिहर, अन्नदाता आदि।

20. (c)
उपर्युक्त विकल्प में से 'राजीव' ने अपने हाथ खड़े कर दिए' वाक्य में 'कर' के सही अनेकार्थी शब्द 'हाथ' का प्रयोग हुआ है।

21. (a)
दिए गए शब्द-युग्म 'अभिराम-अविराम = स्थिर-लगातार' का अर्थ-भेद सही नहीं है।

- अभिराम' का अर्थ 'सुन्दर' तथा 'अविराम' का अर्थ 'लगातार' होता है।

अन्य विकल्पों के शब्द-युग्म अर्थ-भेद की दृष्टि से सही है।

22. (a)
'जिसके आने की तिथि न हो' उसके लिए एक शब्द अतिथि होगा। अन्य विकल्पों का विवरण इस प्रकार है-
जो पोषण करता हो – पोषक
जो सत्ता को धारण किया हो – सत्ताधारी

23. (b)
'जहाँ जाया न जा सके।' वाक्यांश के लिए एक शब्द है– 'अगम्य'। शेष विकल्प असंगत हैं।

24. (d)
विसर्ग के साथ विसर्ग के मेल से उत्पन्न विकार को विसर्ग संधि कहते हैं– संधि के सम्बन्ध में यह कथन गलत है जबकि विसर्ग के बाद स्वर अथवा व्यंजन आने पर विसर्ग में जो विकार होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं। शेष विकल्प सही हैं।

25. (a)
'राजपुत्र' पद में अव्ययीभाव समास नहीं है जबकि दिये गये अन्य विकल्पों प्रतिदिन, यथाशक्ति और प्रत्येक में अव्ययीभाव समास है। 'राजपुत्र' पद में सम्बन्ध तत्पुरुष समास है जिसका समास विग्रह 'राजा का पुत्र' होगा।

26. (c)
दिये गये विकल्पों में शुद्ध वाक्य है- हम लोग उत्तर लिखते हैं।

27. (a)
जो व्यक्ति, वस्तु या परिस्थितियाँ स्थायी भावों को उद्दीपन या जागृत करती हैं उन्हें विभाव कहते हैं।

28. (d)
'बंदऊँ गुरु पद पदुम परागा। सुरुचि सुबास सरस अनुरागा।।
अमिअ मूरियम चूरन चारू। समन सकल भव रुज परिवारू ।।'
उक्त पंक्तियों में 'चौपाई' छंद का प्रयोग हुआ है।
चौपाई छंद सममात्रिक छंद होते हैं। इसमें चार चरण होते हैं तथा प्रत्येक चरण में 16-16 मात्राएं होती हैं। पहले चरण की दूसरे से तथा तीसरे चरण की चौथे से तुक बनती है। चरण के अंत में जगण और तगण का आना निषेध है।

29. (c)
'राम रमापति कर धनु लेहु' पंक्ति में 'अनुप्रास अलंकार' है।
अनुप्रास दो शब्दों से मिलकर बना है। अनु + प्रास 'अनु' का अर्थ है– बार-बार तथा 'प्रास' का अर्थ 'वर्ण' होता है। अर्थात् 'किसी वर्ण के बार-बार आवृत्ति होने से जो चमत्कार उत्पन्न होता है, वहाँ अनुप्रास अलंकार होता हैं।'
उदाहरण– "तरनि–तनूजा तट तमाल तरुवर बहुछाये।"

30. (b)
उपर्युक्त वाक्य में रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त शब्द 'मिलन' होगा।
पूर्ण वाक्य– जहाँ भाषाओं का मिलन होता है, वहाँ वास्तव में विभिन्न जनपदों के हृदय ही मिलते हैं।

31. (d)
'यह मुँह और मसूर की दाल' लोकोक्ति का अर्थ 'अपनी औकात से बढ़कर होना या करना' होता है।

32. (d)
कहावत 'बाँझ क्या जाने प्रसव की पीड़ा' का सही अर्थ जिस पर बीतती है, वही जानता है' अथवा 'जिसको दु:ख नहीं हुआ है, वह दूसरे के दु:ख को नहीं समझ सकता' है।

33. (c)
हिन्दी साहित्य में पूर्व मध्यकाल को 'भक्तिकाल' के नाम से भी जाना जाता है।
शेष विकल्पों के विवरण इस प्रकार हैं-

आदिकाल	-	वीरगाथा काल
उत्तर मध्य काल	-	रीति काल
आधुनिक काल	-	गद्य काल

34. (a)
गद्यांश के अनुसार, जब पिछड़ों को सहारा दिया जाता है तब मानवता खिल उठती है।

35. (a)
'आध्यात्मिक' शब्द अधि (उपसर्ग) + आत्म (मूलशब्द) + इक (प्रत्यय) के योग से बना है। उपसर्ग शब्दों के प्रारम्भ में जुड़कर उनके अर्थ में विशेषता अथवा परिवर्तन प्रकट करते हैं तथा प्रत्यय शब्दों के अंत में जुड़कर अर्थ परिवर्तन प्रकट करते हैं।

36. (c)
'स्वामी विवेकानन्द' इस बात को समझते थे और अपने आचार-विचार में अपने समय से बहुत आगे थे। यह वाक्य संयुक्त वाक्य है। ऐसा वाक्य जो दो या दो से अधिक स्वतंत्र उपवाक्य एक संयोजक अव्यय द्वारा जुड़े हों, संयुक्त वाक्य होते हैं।

37. (b)
गद्यांश के अनुसार धर्म-सम्प्रदायों के विषय में विवेकानन्द का विचार था कि सभी धर्म समान हैं और धर्म सम्प्रदाय की अनेकरूपता जायज और स्वाभाविक है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-08

1. निम्नलिखित में से कौन सा दीर्घ स्वर है?
(a) आ (b) उ
(c) ए (d) ओ

2 दिए गए वाक्य के लिए उचित विराम चिह्न का चयन कीजिए।
अनीता मधु पूनम और नीरू अपने कार्य में मग्न हैं।
(a) ? (b) ,
(c) : (d) ;

3. 'राम' संज्ञा का कौन-सा प्रकार है?
(a) जातिवाचक संज्ञा (b) व्यक्तिवाचक संज्ञा
(c) समूहवाचक संज्ञा (d) भाववाचक संज्ञा

4. जो शब्द पूर्वापर संबंध से किसी भी संज्ञा के बदले आता है उसको क्या कहते हैं?
(a) सर्वनाम (b) विशेषण
(c) क्रिया (d) क्रिया विशेषण

5. इनमें से कौन-सा शब्द 'विशेषण' नहीं है?
(a) काला (b) तुम (c) शांत (d) आगामी

6. 'टहलना एक अच्छा व्यायाम है' में 'टहलना' क्या है?
(a) क्रियात्मक संज्ञा (b) संज्ञा
(c) विशेषण (d) क्रिया

7. परिमाणवाचक विशेषण द्वारा किसका बोध होता है?
(a) क्रिया के होने के समय का (b) क्रिया के नाप-तौल का
(c) क्रिया के स्थान का (d) क्रिया की रीति का

8. निम्नलिखित में 'लिंग' की दृष्टि से असंगत युग्म है :
(a) लेखक – लेखिका (b) चूहा – चुहिया
(c) टोकरा – टोकरि (d) पतीला – पतीली

9. निम्न में से कौन-सा शब्द सदैव एकवचन में प्रयुक्त होता है?
(a) सहायता (b) पुस्तक
(c) लड़का (d) पौधा

10. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए वाक्य के काल का सही विकल्प हो।
माँ ने खाना खा लिया होगा।
(a) संदिग्ध भूतकाल (b) संदिग्ध वर्तमानकाल
(c) अपूर्ण भूतकाल (d) संभाव्य भविष्यकाल

11. भाववाच्य में किस प्रकार की क्रिया का प्रयोग किया जाता है?
(a) संयुक्त क्रिया (b) सकर्मक
(c) द्विकर्मक क्रिया (d) अकर्मक

12. कारक चिह्नों की पहचान की दृष्टि से निम्नलिखित में असंगत वाक्य है :
(a) माणिक ने पत्र लिखा – कर्त्ता कारक
(b) माँ के लिए दवा ले आओ – सम्प्रदान कारक
(c) रमेश कमरे में बैठा है – अधिकरण कारक
(d) मैंने उसे तार द्वारा सूचित किया – करण कारक

13. 'अज्ञान' शब्द का 'तद्भव' रूप कौन-सा होगा?
(a) अजाना (b) अजान
(c) अंजान (d) अजाँना

14. 'अध्यक्ष' शब्द में उपसर्ग कौन सा है?
(a) अध (b) आधि
(c) अधि (d) अध्

15. 'राखनहार' शब्द में निम्नलिखित में से कौन से प्रकार का प्रत्यय है?
(a) तद्धित प्रत्यय (b) कृदन्त प्रत्यय
(c) क्रिया प्रत्यय (d) कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय

16. निम्नलिखित विलोमार्थी शब्द-युग्मों में असंगत है:
(a) अथ - इति (b) अवनति - पतन
(c) अल्पज्ञ - बहुज्ञ (d) अनुकूल - प्रतिकूल

17. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो विलोम शब्द का सबसे अच्छा विकल्प है।
क्रुद्ध
(a) क्रोधित (b) शांत
(c) अधिक (d) अक्सर

18. 'अनिल' का पर्यायवाची शब्द है:
(a) पवन (b) चक्रवात
(c) अनल (d) पावस

19. 'कपड़ा' शब्द का पर्यायवाची शब्द नहीं है:
(a) पट (b) वसन
(c) धरित्री (d) चीर

20. 'फैला अपने रवि कर जाल।'
उपरोक्त वाक्य में प्रयुक्त 'कर' शब्द निम्न में से किस अर्थ को व्यक्त करता है?
(a) हाथ (b) किरण
(c) टैक्स (d) सूँड़

21. एक युग्म अशुद्ध है
(a) अनुराग - विराग (b) अन्त - आदि
(c) अस्त - निरस्त (d) अमावस्या - पूर्णिमा

22. जिसका इलाज न हो सके
(a) अकरणीय
(b) असाध्य
(c) अल्पायु
(d) उपर्युक्त में से एक से अधिक

23. 'अज्ञेय' शब्द के लिए एक वाक्यांश है–
(a) जिसे देखा न जा सके (b) जिसे जाना न जा सके
(c) जिसे रोका न जा सके (d) जिसे सुना न जा सके

24. स्वर संधि कितने प्रकार की होती है?
(a) दो (b) तीन
(c) चार (d) पाँच

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

25. **दिए गए शब्द का समास ज्ञात कीजिए।**
यथासंभव
(a) तत्पुरुष समास (b) द्वंद्व समास
(c) कर्मधारय समास (d) अव्ययीभाव समास

26. **वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए-**
(a) विनय चुसत न हो पर है समझदार।
(b) यदि वह घर पर मिलेगा तो मैं अवशय जाऊँगा।
(c) ज्यों ही मैं वहाँ पहुँचा त्यों ही घंटा बजा।
(d) वह मरणासन्न था, इसीलिए मैंने उसे छमा कर दिया।

27. **रावण ने राम में क्रोध नामक भाव जगाया। इसमें आलंबन कौन है?**
(a) रावण (b) राम
(c) क्रोध (d) राम और रावण दोनों

28. **'रामकथा सुन्दर करतारी, संसय विहग उड़ावन हारी' इस पंक्ति में कौन सा छन्द है?**
(a) दोहा (b) सोरठा
(c) चौपाई (d) रोला

29. **'चारु चन्द्र की चंचल किरणें खेल रहीं हैं जल-थल में' इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है?**
(a) यमक (b) उत्प्रेक्षा
(c) अन्योक्ति (d) अनुप्रास

30. **इनमें से 'अभिनवगुप्त' का प्रमुख दार्शनिक मत क्या है?**
(a) शैव (b) वेदान्त
(c) मीमांसा (d) सांख्य

31. **मूल रूप में लोकोक्ति शब्द का प्रयोग किस भाषा में मिलता है?**
(a) संस्कृत (b) हिंदी
(c) उर्दू (d) फारसी

32. **'चार दिन की चाँदनी फिर अंधेरी रात'- लोकोक्ति का अर्थ है–**
(a) थोड़े दिन का सुख (b) चाँद न दिखाई देना
(c) चार दिन चाँद दिखना (d) सुख ही सुख होना

33. **हिंदी साहित्य के इतिहास में काल विभाजन का सर्वप्रथम प्रयास इनमें से किसने किया था?**
(a) रामचन्द्र शुक्ल (b) डॉ. ग्रियर्सन
(c) मिश्रबन्धु (d) गार्सा द तासी

निम्नांकित गद्यावतरण के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

किसी देश की संस्कृति को जाने के लिए वहाँ के (1)..............का पूरा अध्ययन नितांत आवश्यक है। साहित्य किसी देश तथा जाति के विकास का प्रतीक है। साहित्य से उस जाति के धार्मिक विचारों, सामाजिक संगठन, ऐतिहासिक घटनाचक्र तथा राजनीतिक परिस्थितियों का प्रतिबिंब मिल जाता है। भारतीय संस्कृति के मूल आधार हमारे साहित्य के (2)............... ग्रंथ-रत्न हैं, जिनके विचारों से भारत की आंतरिक (3)................ का ज्ञान हो जाता है। हमारे देश की बाहरी विविधता भारतीय (4)................ के रूप में बहने वाली विचार और संस्कृति की एकता को ढक लेती है। वांग्मय की (5)........................ एक है, पर वह अनेक भाषाओं, रूपों तथा परिस्थितियों में हमारे सामने आती है।

34. **निम्नलिखित विकल्पों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान (1) की पूर्ति कीजिए।**
(a) साहित्य (b) भूगोल
(c) राजनीति विज्ञान (d) संस्कृत

35. **रिक्त स्थान (2) की पूर्ति 'कीमती' के पर्यायवाची शब्द से कीजिए।**
(a) दुर्मूल्य (b) अतुल्य
(c) अमूल्य (d) बाहुल्य

36. **रिक्त स्थान (3) की पूर्ति 'अनेकता' के विलोम शब्द से कीजिए।**
(a) एकाग्रता (b) एकता
(c) समता (d) ममता

37. **रिक्त स्थान (4) की पूर्ति के लिए उपयुक्त शब्द का चयन विकल्पों में से कीजिए।**
(a) वाहक (b) वांगमुख
(c) वांग्मय (d) वाग्वैभव

SOLUTION : PRACTICE SET-08

ANSWER KEY

1. (a)	9. (a)	17. (b)	25. (d)	33. (b)
2. (b)	10. (a)	18. (a)	26. (c)	34. (a)
3. (b)	11. (d)	19. (c)	27. (a)	35. (c)
4. (a)	12. (a)	20. (b)	28. (c)	36. (b)
5. (b)	13. (b)	21. (c)	29. (d)	37. (c)
6. (a)	14. (c)	22. (b)	30. (a)	
7. (b)	15. (b)	23. (b)	31. (a)	
8. (c)	16. (b)	24. (d)	32. (a)	

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION

1. (a)
दिये गये विकल्पों में 'आ' दीर्घ स्वर है क्योंकि मूल दीर्घ स्वर आ, ई, ऊ होते हैं।

उ	–	ह्रस्व स्वर
ए (अ + इ)	–	संयुक्त स्वर
ओ (अ + उ)	–	संयुक्त स्वर

2. (b)
दिए गए वाक्य अनीता मधु पूनम और नीरू अपने कार्य में मग्न हैं। में उचित विराम चिह्न अल्पविराम (,) का प्रयोग होगा।
अतः शुद्ध पूर्ण वाक्य होगा – अनीता, मधु, पूनम और नीरू अपने कार्य में मग्न हैं।

3. (b)
'राम' शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा है। जिस शब्द से किसी एक वस्तु या व्यक्ति का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। **जैसे**–हरि, गाँधी जी, गंगा, भारत, जापान आदि।

4. (a)
जो शब्द पूर्वापर संबंध से किसी भी संज्ञा के बदले आता है, उसे सर्वनाम कहते हैं। जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताये, उसे विशेषण कहते हैं। जिस शब्द से किसी काम का करना या होना समझा जाये, उसे क्रिया कहते हैं। क्रिया विशेषण ऐसे शब्द हैं, जो क्रिया की विशेषता बताते हैं। संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया तथा विशेषण विकारी शब्द हैं, जबकि क्रिया विशेषण एक अविकारी शब्द है।

5. (b)
'तुम' शब्द विशेषण न होकर सर्वनाम है। हिन्दी व्याकरण में कुल 11 सर्वनाम हैं। 'तुम' शब्द पुरुषवाचक सर्वनाम है। जो सर्वनाम वक्ता, श्रोता तथा किसी अन्य के लिए प्रयुक्त होता है, उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। **जैसे**–मैं, तुम, वह आदि। जबकि काला, शांत एवं आगामी शब्द विशेषण हैं।

6. (a)
क्रियात्मक संज्ञा से तात्पर्य संज्ञा के उस रूप से है जिसमें क्रिया संज्ञा की तरह व्यवहार में लाई जाती है तो ऐसी क्रिया को क्रियात्मक संज्ञा कहते हैं। क्रियात्मक संज्ञा हमेशा एकवचन व पुल्लिंग रूप में होती है।
उदाहरण-टहलना एक अच्छा व्यायाम है। यहाँ पर 'टहलना' एक क्रियात्मक संज्ञा है जो एक वचन पुल्लिंग रूप में है।

7. (b)
परिमाणवाचक विशेषण द्वारा क्रिया के नाप–तौल का बोध होता है।

8. (c)
'टोकरा-टोकरि' लिंग की दृष्टि असंगत युग्म है। इसका संगत युग्म 'टोकरा-टोकरी' होगा। विकल्पों के युग्म संगत है।

9. (a)
'सहायता' शब्द सदैव एकवचन में प्रयुक्त होता है जबकि पुस्तक का बहुवचन पुस्तकें, लड़का का लड़के एवं पौधा का पौधे होता है।

10. (a)
संदिग्ध भूतकाल– क्रिया के जिस रूप से भूतकाल का बोध तो हो किन्तु कार्य के होने में संदेह हो वहाँ संदिग्ध भूतकाल होता है।
जैसे– माँ ने खाना खा लिया होगा।
उपर्युक्त वाक्य की क्रिया से भूतकाल का बोध तो हो रहा है परन्तु कार्य के सम्पन्न होने में संदेह है इसलिए यह वाक्य संदिग्ध भूतकाल होगा।

11. (d)
भाववाच्य में अकर्मक क्रिया का प्रयोग किया जाता है। लिंग, वचन और पुरुष के कारण क्रिया के रूप में जो परिवर्तन होता है, उसे वाच्य कहा जाता है। वाच्य के तीन भेद होते हैं।
(1) कर्तृवाच्य (2) कर्मवाच्य (3) भाववाच्य

12. (a)
दिया गया वाक्य 'माणिक ने पत्र लिखा - कर्त्ता कारक' कारक चिह्नों की दृष्टि से असंगत है। इसमें कर्म कारक होगा।

13. (b)
'अज्ञान' का तद्भव रूप 'अजान' होता है।

तत्सम		**तद्भव**
अज्ञान	-	अजान
अग्नि	-	आग
धैर्य	-	धीरज
श्रावण	-	सावन
क्षार	-	खार

14. (c)
'अध्यक्ष' शब्द में 'अधि' उपसर्ग है। उपसर्ग उस शब्दांश या अव्यय को कहते हैं जो किसी शब्द के पहले आकर उसका विशेष अर्थ प्रकट करता है। जैसे– 'राज' शब्द में 'अधि' उपसर्ग लगाने से 'अधिराज' शब्द बना।
'अधि' उपसर्ग से बनने वाले अन्य शब्द– अधिकरण, अधिकार, अध्यात्म, अधिपति इत्यादि।

15. (b)
'राखनहार' शब्द में 'कृदन्त प्रत्यय' का प्रयोग हुआ है।
कृदन्त प्रत्यय- क्रिया या धातु के अन्त में लगते हैं तथा इनसे बने शब्दों को कृदन्त कहते हैं।

16. (b)
'अवनति-पतन' विलोमार्थी शब्द - युग्मों में असंगत है। इसका संगत युग्म होगा-
'अवनति - उन्नति अन्य सभी विकल्प संगत हैं।

17. (b)
क्रुद्ध का विलोम शब्द शांत होता है।

शब्द	**–**	**विलोम**
क्रोधित	–	शांत
अधिक	–	न्यून
अक्सर	–	कभी-कभी/कभी-कभार

18. (a)
'अनिल' का पर्यायवाची शब्द 'पवन' है। अनिल के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- समीर, वात, पवमान, समीरण, प्रवात, मारुत आदि।
अनल के पर्यायवाची शब्द हैं- अग्नि, पावक, हुताशन, कृशानु, वैश्वानर, दहन, धूमकेतु आदि।

19. (c)
'कपड़ा' का पर्यायवाची शब्द 'धरित्री' नहीं है। 'धरित्री' धरती का पर्यायवाची शब्द है। धरती के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- अचला, धरा, मही, 'रत्नगर्भा', क्षिति, उर्वी, भूमि, पृथ्वी, धरणी, वसुंधरा आदि। जबकि पट, वसन तथा चीर, कपड़ा के पर्यायवाची शब्द हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

20. (b)
दी गयी पंक्ति 'फैला अपने रवि कर जाल' में प्रयुक्त 'कर' शब्द 'किरण' को व्यक्त करता है।
'कर' एक अनेकार्थी शब्द है, इसके अन्य अर्थ - हाथ, सूँड, टैक्स आदि है।

21. (c)
'अस्त-निरस्त' अशुद्ध युग्म है। सही शब्द युग्म 'अस्त-उदय' होगा। शेष शब्द युग्म शुद्ध हैं।

22. (b)
दिया गया वाक्यांश 'जिसका इलाज न हो सके' के लिए एक शब्द 'असाध्य' होगा।

वाक्यांश	**एक शब्द**
जिसकी आयु कम हो	अल्पायु
जो न करने योग्य हो	अकरणीय

23. (b)

वाक्य खंड	**–**	**एक शब्द**
जिसे देखा न जा सके	–	अदृश्य
जिसे जाना न जा सके	–	अज्ञेय
जिसे सुना न जा सके	–	अश्रव्य

24. (d)
स्वर संधि–स्वर के बाद स्वर अर्थात् दो स्वरों के मेल से जो विकार (परिवर्तन) होता है, स्वर संधि कहलाता हैः **जैसे–**
सूर्य + अस्त = सूर्यास्त
महा + आत्मा = महात्मा
स्वर संधि के निम्नलिखित **पाँच** भेद हैं-
1. दीर्घ संधि 2. गुण संधि 3. वृद्धि संधि
4. यण संधि 5. अयादि संधि

25. (d)
यथासंभव में अव्ययीभाव समास है।
अव्ययीभाव समास- इस समास में पहला पद प्रधान होता है और सामासिक पद या समस्त पद अव्यय होता है।

26. (c)
दिये गये विकल्पों में वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध वाक्य है-
ज्यों ही मैं वहाँ पहुँचा त्यों ही घंटा बजा।

27. (a)
भावों का उद्गम जिस मुख्य भाव या वस्तु के कारण हो वह काव्य का आलंबन भाव कहा जाता है।
रावण ने राम में क्रोध नामक भाव जगाया।
इसमें <u>रावण</u> आलंबन हुआ।

28. (c)
राम कथा सुन्दर करतारी।
संसय विहग उड़ावन हारी।।
उपर्युक्त पंक्ति में चौपाई छन्द है। चौपाई सममात्रिक छन्द है जिसमें चार चरण होते हैं तथा प्रत्येक चरण में 16-16 मात्राएँ होती हैं। इस प्रकार पूरे छन्द में कुल 64 मात्राएँ होती हैं।
जैसे- मंगल भवन अमंगल हारी।
द्रवहु सुदशरथ अजिर बिहारी।।

29. (d)
'चारु चन्द्र की चंचल किरणें खेल रहीं हैं जल-थल में' इस पंक्ति में **अनुप्रास अलंकार** है। जहाँ किसी पंक्ति के शब्दों में एक ही वर्ण एक से अधिक बार आता है, वहाँ अनुप्रास अलंकार होता है। **जैसे** -चारु चन्द्र की चंचल किरणें। यहाँ 'च' वर्ण की आवृत्ति एक से अधिक बार हुई है।
जैसे- सोहत ओढ़े पीत पट, स्याम सलोने गात।
मनो नीलमनि सैल पर, आतप पर्‌यो प्रभात।
प्रस्तुत उदाहरण में स वर्ण की आवृत्ति बार-बार हुई है।
यह उदाहरण उत्प्रेक्षा अलंकार का भी है।
<u>**अन्योक्ति**</u> - जब अप्रस्तुत के वर्णन द्वारा प्रस्तुत का बोध कराया जाता है तो उसे अन्योक्ति अलंकार कहते हैं। **जैसे-**
नहिं पराग नहिं मधुर मधु, नहिं विकास इहि काल।
अली कली ही सों बिध्यों, आगे कौन हवाल।।

30. (a)
'अभिनव गुप्त' एक दार्शनिक थे परन्तु साहित्य पर भी उनका असाधारण अधिकार था। आचार्य 'मम्मट' अभिनव गुप्त के गुरु थे। इनका दार्शनिक मत 'शैव' था।

आचार्य	**–**	**दार्शनिक मत**
भट्टलोलक	–	मीमांसा दर्शन
श्री शंकुक	–	न्याय दर्शन
भट्टनायक	–	सांख्य दर्शन
अभिनवगुप्त	–	शैव दर्शन

31. (a)
मूलरूप में लोकोक्ति शब्द **संस्कृत** भाषा का शब्द है। यह लोगों द्वारा कहा गया कथन होता है। मुहावरा वाक्यांश होता है जबकि लोकोक्ति पूर्ण वाक्य या पूर्ण कथन होती है। मुहावरा अरबी भाषा का शब्द है। हिन्दी में इसके लिए 'वाग्धारा' शब्द प्रयुक्त होता है।

32. (a)
'चार दिन की चाँदनी फिर अंधेरी रात' लोकोक्ति का अर्थ है- थोड़े दिन का सुख। लोकोक्ति में वाक्य पूर्ण होता है, जबकि मुहावरा में वाक्य पूर्ण नहीं होता है।

33. (b)
हिन्दी साहित्य के इतिहास में काल विभाजन का सर्वप्रथम प्रयास डॉ. ग्रियर्सन ने किया था। ये ब्रिटिश नौकरशाह तथा बहुभाषाविद् थे। ये बंगाल की रॉयल एशियाटिक सोसाइटी तथा नागरी प्रचारिणी सभा के सदस्य थे। इन्होंने हिन्दी भाषा साहित्य में अनेक कार्य किया।

34. (a)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार रिक्त स्थान (1) पर विकल्प (a) 'साहित्य' शब्द सबसे उपयुक्त होगा। गद्यावतरण के आधार पर पूर्ण वाक्य– किसी देश की संस्कृति को जानने के लिए वहाँ के <u>साहित्य</u> का पूरा अध्ययन नितांत आवश्यक है।

35. (c)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार रिक्त स्थान (2) पर दिये गये समस्त विकल्पों में से विकल्प (c) 'अमूल्य' सबसे उपयुक्त होगा। गद्यावतरण के आधार पर पूर्ण वाक्य– भारतीय संस्कृति के मूल आधार हमारे साहित्य के <u>अमूल्य</u> ग्रन्थ-रत्न हैं जिनके विचारों से भारत की आंतरिक एकता का ज्ञान हो जाता है।

36. (b)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार रिक्त स्थान (3) पर दिये गये समस्त विकल्पों में से विकल्प (b) 'एकता' सबसे उपयुक्त होगा। गद्यावतरण के अनुसार पूर्ण वाक्य– भारतीय संस्कृति के मूल आधार हमारे साहित्य के अमूल्य ग्रन्थ-रत्न हैं जिनके विचारों से भारत की आंतरिक <u>एकता</u> का ज्ञान हो जाता है।

37. (c)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार रिक्त स्थान (4) पर दिये गये समस्त विकल्पों में से विकल्प (c) 'वांग्मय' सबसे उपयुक्त होगा। गद्यावतरण के अनुसार पूर्ण वाक्य– हमारे देश की बाहरी विविधता भारतीय <u>वांग्मय</u> के रूप में बहने वाली विचार और संस्कृति की एकता को ढक लेती है।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET-09

1. निम्नलिखित में से कौन सा संयुक्त स्वर नहीं है?
   (a) ए (b) ऐ
   (c) ऊ (d) ओ
2. 'रामू जो बड़ा खिलाड़ी है कल उसकी टांग टूट गयी' इस वाक्य में उचित विराम चिह्न कौन-सा होगा?
   (a) अर्द्धविराम (b) अल्पविराम
   (c) विवरणचिह्न (d) लाघवचिह्न
3. 'भारत' संज्ञा का कौन-सा प्रकार है ?
   (a) भाववाचक संज्ञा (b) व्यक्तिवाचक संज्ञा
   (c) समूहवाचक संज्ञा (d) जातिवाचक संज्ञा
4. 'हम ताजमहल देखने जाएंगे।' इस वाक्य में 'हम' सर्वनाम का कौन-सा प्रकार है?
   (a) निजवाचक (b) निश्चयवाचक
   (c) संबंधवाचक (d) पुरुषवाचक
5. 'कण्ठ' का विशेषण होगा-
   (a) कण्ठी (b) काठी
   (c) कण्ठक (d) कण्ठ्य
6. मूल अकर्मक धातुओं के साथ प्रत्यय जोड़कर बनाई गई क्रिया कौन-सी धातुएँ कहलाती हैं?
   (a) द्विकर्मक धातु
   (b) साधित सकर्मक धातु
   (c) संयुक्त धातु
   (d) समस्त धातु
7. निम्नलिखित में से किस वाक्य में परिमाणवाचक क्रियाविशेषण है?
   (a) इस बार बारिश में बहुत ओले पड़े।
   (b) यह लड़की सुन्दर है।
   (c) मैदान हरा-भरा है।
   (d) तुम अच्छे खिलाड़ी हो।
8. निम्नलिखित में लिंग की दृष्टि से असंगत युग्म है :
   (a) माली – मालिन (b) शेर – शेरनी
   (c) बाघ – बाघिन (d) सेठ – सेठाइन
9. निम्न वाक्यों में से कौन-सा वाक्य एकवचन है?
   (a) अध्यापकगण यहाँ बैठें
   (b) महात्मा बुद्ध महान थे
   (c) कल बहुत वर्षा हुई थी
   (d) भय से उसके तो प्राण ही गए
10. दिए गए वाक्य का काल ज्ञात कीजिए।
    गाय घास चर कर चली गयी।
    (a) वर्तमान (b) भविष्य काल
    (c) भूतकाल (d) प्राचीन काल
11. निम्नलिखित में से किस वाक्य में 'भाववाच्य' का प्रयोग हुआ है?
    (a) दादी से चला नहीं जाता।
    (b) मोहन ने खाना नहीं खाया
    (c) कुलियों ने सामान नहीं उठाया।
    (d) मैंने दरवाजा नहीं खोला।
12. दिए गए वाक्य में प्रयुक्त गलत विभक्ति चिह्न के स्थान पर सही विभक्ति चिह्न होगा-
    छुट्टियों में सभी बच्चों का अपने मम्मी-पापा के साथ घूमने का कार्यक्रम बना लिया था।
    (a) ने (b) पर
    (c) से (d) द्वारा
13. इनमें से कौन-सा तत्सम शब्द है?
    (a) आक (b) आँत
    (c) अंक (d) अंजली
14. 'बातजुर्बा' शब्द में कौन सा उपसर्ग है?
    (a) बात (b) आ
    (c) जुर्बा (d) बा
15. 'अनुकरणीय' शब्द में कौन-सा प्रत्यय लगा है?
    (a) णीय (b) ईय
    (c) अनु (d) नीय
16. 'आविर्भाव' का विलोम शब्द है–
    (a) तिरोभाव (b) विरक्ति
    (c) अंत (d) अधोगति
17. इनमें से कौन-सा शब्द 'उदय' का विलोम है?
    (a) डूबना (b) अप्रकट
    (c) परोक्ष (d) अस्त
18. निम्नलिखित में से कौन-सा 'अंधकार' शब्द का पर्यायवाची शब्द नहीं है?
    (a) तिमिर (b) ध्वांत
    (c) तमिस्त्र (d) निलय
19. 'कोकिला' का पर्यायवाची शब्द है-
    (a) तनय (b) चातक
    (c) कोयल (d) पपीहा
20. कौन-सा शब्द भिन्न अर्थ और प्रकृति का है?
    (a) चिरंतन (b) शाश्वत
    (c) सनातन (d) अधुनातन
21. दिये गए शब्द युग्म का सही शब्द युग्म ज्ञात कीजिए।
    अम्बु : अम्ब
    (a) हवा : आग (b) आम : हवा
    (c) जल : माता (d) पवित्र : हवा

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

22. 'जो दिखाई न दे' – इस शब्द समूह के लिए एक शब्द बताइए।

(a) अदृश्य (b) अमर
(c) निष्प्राण (d) नेत्रहीन

23. किस वाक्यांश के लिए प्रयुक्त शब्द सार्थक है?

(a) व्याकरण जानने वाला – वीरप्रसु
(b) क्षण में नष्ट होने वाला – क्षतिपूर्ति
(c) जिसमें सबकी सम्मति है – सर्वज्ञ
(d) जो बिना वेतन काम करता हो – अवैतनिक

24. स्वर संधि में किसका मेल होता है?

(a) स्वरों का (b) व्यंजनों का
(c) शब्दों का (d) मात्रा का

25. 'भरपेट' में कौन-सा समास है ?

(a) तत्पुरुष समास (b) अव्ययीभाव समास
(c) बहुव्रीहि समास (d) द्विगु समास

26. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य है-

(a) गोपियाँ कृष्ण की रोह में आँखें बिछाए बैठी थीं।
(b) गोपियों किसन की राह में आँखें बिछाए बैठी थीं।
(c) गोपियाँ कृष्ण की राह में आँखें बिठाकर बैठी थीं।
(d) गोपियाँ कृष्ण की राह में आँखें बिछाए बैठी थीं।

27. आचार्य भरत ने रसों की संख्या कितनी मानी है?

(a) 9 (b) 7
(c) 4 (d) 8

28. जो मात्रिक सम छंद है। प्रत्येक चरण में 16 मात्राएं होती है उसे कहते हैं :

(a) चौपाई (b) दोहा
(c) सोरठा (d) रोला

29. कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में क्यारिन में कलित कलीन किलकंत है।
इस काव्य-पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(a) अनुप्रास (b) रूपक (c) यमक (d) श्लेष

30. आचार्य भरत ने काव्य-दोषों की संख्या कितनी मानी है?

(a) दस (b) अनंत
(c) आठ (d) पाँच

31. लोकोक्ति का सामान्य अर्थ है–

(a) लोक की उक्ति (b) लोक की बातें
(c) लोगों के लेख (d) अच्छी बातें

32. चूहे के चाम से नगाड़े नहीं मढ़े जाते

(a) कंजूसी करना
(b) सीमित साधनों से काम चलाना
(c) छोटा होकर बड़ा काम करना
(d) सीमित साधनों से बड़े काम नहीं होते

33. हिन्दी साहित्य के प्रथम कालखंड को 'बीजवपन काल' नाम किसने दिया?

(a) धीरेन्द्र वर्मा (b) शिवसिंह सेंगर
(c) मिश्र बंधु (d) महावीर प्रसाद द्विवेदी

नीचे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर निम्न गद्यांश के आधार पर दीजिए।

सौर परिवार में पृथ्वी पर ही जीवन का अस्तित्व है। सभी सजीवों (पौंधे और जंतु) में उपापचयी क्रियाएँ (पोषण, श्वसन एवं उत्सर्जन), आकार में 1. _______, शरीर के विभिन्न अंगों में समन्वय, कार्य करने की क्षमता तथा उद्दीपन के प्रति संवेदना होती है। वृद्धि की विशेषावधि के पश्चात सभी पौधे तथा जंतु जनन द्वारा अपने जैसी ही संतति उत्पन्न करते हैं। सभी पौधे तथा जंतुओं की निश्चित 2. _______ होती है, परंतु कोई भी दो पौधे या जंतु एक समान नहीं होते हैं। ऐसी विभिन्नताएँ 3. _______ के समय उत्पन्न होती हैं तथा जैविक विकास के लिए मुख्य 4. _______ बनती हैं सजीव तंत्र के विलक्षण संगठन के कारण ही विभिन्न जैविक क्रियाएँ संभव हैं। संगठन के विभिन्न स्तर हैं आणविक, कोशिकीय, ऊतकीय, अंगतंत्र, व्यष्टि, समष्टि (जनसंख्या), समुदाय, पारिस्थितिक तंत्र एवं जीव मण्डल। संगठन के इन नौ स्तरों के अंतर्गत 5. _______ के गुण के पल कोशिकीय स्तर पर दिखाई देते हैं तथा जीवमंडल से आगे नहीं जाते। कोशिकाएँ विभिन्न आकार और आकृति की हो सकती हैं। कुछ जीव एककोशिकीय होते हैं, जबकि कुछ बहुकोशिकीय होते हैं। प्रत्येक कोशिका का एक निश्चित आकार होता है तथा उसमें विभिन्न कार्यों के लिए अनेक कोशिकांग होते हैं। इस प्रकार कोशिका किसी भी जीव की इकाई है और सभी कोशिकाएँ पहले से निर्मित कोशिका से विकसित होती हैं।

34. रिक्त स्थान 1 के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शब्द इनमें से क्या होगा?

(a) ब्याज (b) ऋण
(c) वृद्धि (d) रत्र

35. रिक्त स्थान 2 के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शब्द इनमें से वाक्य होगा?

(a) विन्यास (b) आकृति
(c) आकार (d) विकार

36. रिक्त स्थान 3के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शब्द इनमें से क्या होगा?

(a) प्रवास (b) जनन
(c) जननी (d) मृत्यु

37. रिक्त स्थान 4 के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शब्द इनमें से क्या होगा?

(a) आकार (b) रेखा
(c) प्रकार (d) आधार

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION : PRACTICE SET-09

ANSWER KEY

1. (c)	9. (c)	17. (d)	25. (b)	33. (d)
2. (b)	10. (c)	18. (d)	26. (d)	34. (c)
3. (b)	11. (a)	19. (c)	27. (d)	35. (b)
4. (d)	12. (a)	20. (d)	28. (a)	36. (b)
5. (d)	13. (c)	21. (c)	29. (a)	37. (d)
6. (b)	14. (d)	22. (a)	30. (a)	
7. (a)	15. (b)	23. (d)	31. (a)	
8. (d)	16. (a)	24. (a)	32. (d)	

SOLUTION

1. (c)
'ऊ' संयुक्त स्वर नहीं है बल्कि यह दीर्घ स्वर है। हिन्दी वर्णमाला में कुल 11 स्वर हैं, जो इस प्रकार हैं-
ह्रस्व स्वर- अ, इ, उ, ऋ
दीर्घ स्वर- आ, ई, ऊ
संयुक्त स्वर- ए, ऐ, ओ, औ

2. (b)
'रामू जो बड़ा खिलाड़ी है कल उसकी टांग टूट गयी' इस वाक्य में 'अल्पविराम' का प्रयोग उचित होगा। अतः विराम चिह्न के रूप में अल्पविराम का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य इस प्रकार होगा-
'रामू, जो बड़ा खिलाड़ी है, कल उसकी टांग टूट गयी।'
हिन्दी में प्रयुक्त विरामचिह्नों में अल्पविराम का प्रयोग सबसे अधिक होता है। वाक्य में जब दो से अधिक पदों, पदांशों अथवा वाक्यों में संयोजक अव्यय 'और' की गुंजाइश हो तब वहाँ अल्पविराम का प्रयोग होता है।

3. (b)
'भारत' शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा का प्रकार है। जिस संज्ञा शब्द से किसी वस्तु व्यक्ति या स्थान के नाम का बोध हो, वह व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाता है।
जैसे–राम, सुरेश, गंगा, प्रयागराज, भारत, जापान आदि।

4. (d)
'हम ताजमहल देखने जाएंगे।' वाक्य में 'हम' शब्द पुरुषवाचक सर्वनाम है। पुरुषवाचक सर्वनाम पुरुषों (स्त्री या पुरुष) के नाम के बदले आते हैं। इसके तीन भेद हैं- उत्तमपुरुष- मैं, हम, मध्यमपुरुष- तू, तुम, आप और अन्यपुरुष- वह, वे, यह, ये। जो शब्द संज्ञा के बदले प्रयोग किये जाते हैं उन्हें सर्वनाम कहते हैं।
सर्वनाम के 6 भेद होते हैं– 1. पुरुषवाचक सर्वनाम, 2. निजवाचक सर्वनाम, 3. निश्चयवाचक सर्वनाम, 4. अनिश्चयवाचक सर्वनाम, 5. संबंधवाचक सर्वनाम 6. प्रश्नवाचक सर्वनाम

5. (d)
'कण्ठ' का विशेषण 'कण्ठ्य' होगा। संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बतलाने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

6. (b)
मूल अकर्मक धातुओं के साथ प्रत्यय जोड़कर बनायी गयी क्रिया 'साधित सकर्मक धातु' कहलाती है। अतः विकल्प (b) सही है।

7. (a)
ऐसे अविकारी शब्द जो हमें क्रिया के परिमाण या उसकी मात्रा या संख्या के बारे में बताते हैं, वे शब्द परिमाणवाचक क्रिया विशेषण कहलाते हैं **जैसे**-'इस बार बारिश में बहुत ओले पड़े' वाक्य में 'बहुत' शब्द से बारिश होने की मात्रा के बारे में ज्ञात हो रहा है। अतः यह परिमाणवाचक विशेषण कहलाता है।

8. (d)
'सेठ-सेठाइन' लिंग की दृष्टि से असंगत युग्म है। इसका संगत युग्म- सेठ-सेठानी' होगा। शेष विकल्पों का युग्म संगत है।

9. (c)
'कल बहुत वर्षा हुई थी।' वाक्य एकवचन रूप में है अन्य सभी वाक्य बहुवचन रूप में दिये गये हैं।

10. (c)
दिए गए वाक्य 'गाय घास चर कर चली गयी।' में भूतकाल होगा।
भूतकाल - वह काल जो किसी कार्य के पूर्ण होने की स्थिति को बताता है उसे भूतकाल कहा जाता है।

11. (a)
दिये गये वाक्य में 'दादी से चला नहीं जाता'। इसमें भाववाच्य प्रयोग हुआ है। क्रिया के जिस रूप में न तो कर्ता की प्रधानता हो न कर्म की प्रधानता हो, बल्कि क्रिया का भाव ही प्रधान हो, वहाँ भाववाच्य होता है। **जैसे**– मोहन से टहला नहीं जाता है।

12. (a)
उपर्युक्त वाक्य के संदर्भ में 'ने' विभक्ति चिह्न प्रयुक्त होगा। 'ने' विभक्ति चिह्न कर्त्ता कारक का है। 'ने' विभक्ति चिह्न का प्रयोग सकर्मक क्रिया कर्तृवाच्य तथा अपूर्ण भूत को छोड़कर शेष पाँच भूतकालों में होता है। इस प्रकार शुद्ध विभक्ति चिह्न युक्त वाक्य होगा– छुट्टियों में सभी बच्चों ने अपने मम्मी-पापा के साथ घूमने का कार्यक्रम बना लिया था।

13. (c)

तत्सम	तद्भव
अर्क	आक
आंत्र	आँत
अंक	आँक
अंजलि/अन्जलि	अंजली

14. (d)
'बातजुबाँ' शब्द में 'बा' उपसर्ग है।
उपसर्ग :– उपसर्ग उस शब्दांश या अव्यय को कहते हैं, जो किसी शब्द के पहले आकर उसका विशेष अर्थ प्रकट करते हैं,
जैसे – 'इज्जत' में 'बा' उपसर्ग लगने से 'बाइज्जत' शब्द बना।
'बा' उपसर्ग से बने अन्य शब्द हैं– बाकायदा, बाअदब, बामौका इत्यादि।

15. (b)
'अनुकरणीय' शब्द में 'अनुकरण' मूल शब्द है तथा 'ईय' प्रत्यय है।
अनुकरणीय = अनुकरण + ईय

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

16. (a)
'आविर्भाव' का विलोम शब्द है-तिरोभाव। विरक्ति का विलोम 'अनुरक्ति',अंत का विलोम 'प्रारंभ' तथा अधोगति का विलोम 'ऊर्ध्वगति' है।

17. (d)

शब्द	**विलोम**
उदय	अस्त
अप्रकट	प्रकट
परोक्ष	प्रत्यक्ष
डूबना	तैरना

18. (d)
दिये गये विकल्पों में से 'निलय' अंधकार का पर्यायवाची शब्द नहीं है। 'निलय' के पर्यायवाची शब्द हैं- गृह, वास, आलय, निकेतन, शाला, सदन इत्यादि।

19. (c)
'कोकिला' का पर्यायवाची शब्द 'कोयल' है। कोकिला के अन्य पर्यायवाची शब्द – कोयल, श्यामा, बसंतदूत, कादम्बरी।

20. (d)
अधुनातन शब्द का अर्थ है– आज तक का घटित काल जबकि अन्य तीन शब्दों के अर्थ लम्बे समय से चले आ रहे सतत् कालखण्ड से हैं।

21. (c)
दिए गए शब्द युग्म 'अम्बु : अम्ब' का सही शब्द युग्म जल : माता है।

22. (a)

वाक्यांश		**एक शब्द**
जो दिखाई न दे	–	अदृश्य
जिसकी मृत्यु न हो	–	अमर
जिसमें प्राण न हो	–	निष्प्राण
जो नेत्र विहीन हो	–	नेत्रहीन

23. (d)
वाक्यांश 'जो बिना वेतन काम करता हो' के लिए सार्थक शब्द 'अवैतनिक' होगा। अन्य वाक्यांशों के लिए एक शब्द हैं–

वाक्यांश	**एक शब्द**
व्याकरण जानने वाला	वैयाकरण
क्षण में नष्ट होने वाला	क्षणभंगुर
जिसमें सबकी सम्मति है	सर्वसम्मति

24. (a)
स्वर संधि में 'स्वरों का मेल' होता है जैसे- 'हिमालय' (हिम + आलय), जबकि व्यंजन संधि में व्यंजन का मेल स्वर व व्यंजन दोनों से ही होता है। इसी प्रकार विसर्ग संधि में विसर्ग का मेल स्वर तथा व्यंजन से होता है।

25. (b)
'भरपेट' में 'अव्ययीभाव समास' है। जिस सामासिक शब्द में प्रथम पद की प्रधानता होती है तथा वह एक अव्यय के रूप में होता है, वह सामासिक शब्द अव्ययीभाव समास कहलाता है। **जैसे–** आमरण, भरपेट, आजीवन, यथाशक्ति, यथारूप, इत्यादि।

26. (d)
'गोपियाँ कृष्ण की राह में आँखें बिछाए बैठी थीं।' यह वाक्य शुद्ध होगा, क्योंकि इसमें वचन, मात्रा, वर्तनी सभी की शुद्धि है जबकि अन्य विकल्पों में अशुद्धता है।

27. (d)
आचार्य भरत ने रसों की संख्या आठ बतायी है। ये निम्न हैं।

रस	-	**स्थायी भाव**	**रस**	-	**स्थायी भाव**
श्रृंगार	-	रति	हास्य	-	हास
करुण	-	शोक	रौद्र	-	क्रोध
वीर	-	उत्साह	भयानक	-	भय
विभत्स	-	जुगुत्सा/घृणा	अद्भुत	-	आश्चर्य/विस्मय

28. (a)
चौपाई एक सम मात्रिक छंद है जिसमें चार चरण तथा प्रत्येक चरण में 16 मात्राएँ होती हैं।
जैसे– विषई जीव पाई प्रभुताई।
मूढ़ मोह बस होहिं जनाई।
रोला– सममात्रिक छंद, 24 मात्राएँ (प्रत्येक चरण में)
दोहा– अर्द्धसम मात्रिक छंद, 13–11–13–11 मात्राएँ
सोरठा– अर्द्धसम मात्रिक छंद, 11–13–11–13 मात्राएँ

29. (a)
प्रश्नोक्त पंक्ति में 'अनुप्रास' अलंकार है। इसमें 'क' वर्ण की आवृत्ति हुई है।

30. (a)
आचार्य भरतमुनि ने 10 काव्य दोष बताए हैं।
आचार्य वामन ने 20 काव्य दोष बताए हैं।
भामह ने 21 काव्य दोष तथा आचार्य विश्वनाथ ने 70 काव्य दोष बताए हैं।

31. (a)
लोकोक्ति का सामान्य अर्थ– 'लोक की उक्ति' होता है। जब कोई पूरा कथन किसी प्रसंग विशेष में उद्धृत किया जाता है, तो उसे 'लोकोक्ति' कहते हैं। जैसे – 'अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता' एक लोकोक्ति है, जिसका अर्थ है– 'एक व्यक्ति के करने से कोई कठिन काम पूरा नहीं होता।'

32. (d)
'चूहे के चाम से नगाड़े नहीं मढ़े जाते' लोकोक्ति का अर्थ है- 'सीमित साधनों से बड़े काम नहीं होते।'

33. (d)
हिंदी साहित्य के प्रथम कालखण्ड को बीजवपन काल नाम महावीर प्रसाद द्विवेदी ने दिया। अन्य विद्वानों द्वारा किया गया नामकरण निम्नलिखित है–

विद्वान	**नामकरण**
मिश्र बंधु	प्रारंभिक काल
रामचंद्र शुक्ल	वीरगाथा काल
हजारी प्रसाद द्विवेदी	आदिकाल

34. (c)
दिये गये गद्यांश में रिक्त स्थान (1) की पूर्ति हेतु सर्वाधिक उपयुक्त शब्द 'वृद्धि' होगा।
अतः पूर्ण वाक्य होगा - सभी सजीवों (पौधे ओर जंतु) में उपापचयी क्रियाएँ (पोषण, श्वसन एवं उत्सर्जन) आकार में वृद्धि, शरीर के विभिन्न अंगों में समन्वय, कार्य करने की क्षमता तथा उद्दीपन के प्रति संवेदना होती है।

35. (b)
दिये गये गद्यांश मे रिक्त स्थान (2) की पूर्ति हेतु सर्वाधिक उपर्युक्त शब्द 'आकृति' होगा। अतः पूर्ण वाक्य होगा- सभी पौधे एवं जन्तुओं की निश्चित आकृति होती है।

36. (b)
दिये गये गद्यांश में रिक्त स्थान (3) की पूर्ति हेतु सर्वाधिक उपयुक्त शब्द 'जनन' होगा। अतः पूर्ण वाक्य होगा ऐसी विभिन्नताएँ जनन के समय उत्पन्न होती हैं।

37. (d)
दिये गये गद्यांश मे रिक्त स्थान (4) के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शब्द 'आधार' होगा। अतः पूर्ण वाक्य होगा- जैविक विकास के लिए मुख्य आधार बनती हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-10

1. **किस स्वर के उच्चारण में दीर्घ स्वर से भी अधिक समय लगता है?**
(a) अनुस्वार (b) अनुनासिक
(c) ह्रस्व (d) प्लुत

2. **समानाधिकरण शब्दों के मध्य में किस विराम चिह्न का प्रयोग होता है?**
(a) लाघवचिह्न (b) अल्पविराम
(c) अर्द्धविराम (d) विवरणचिह्न

3. **इनमें से कौन-सा शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा नहीं है?**
(a) हिमालय (b) गंगा
(c) राम (d) पहाड़

4. **'उसका भाई खेलता है।' वाक्य में सर्वनाम है–**
(a) संबंधवाचक (b) पुरुषवाचक
(c) निजवाचक (d) निश्चयवाचक

5. **कुसुम का विशेषण है?**
(a) कुसुमता (b) कुसुमित
(c) कुसुमति (d) कुसुमलता

6. **'तुम्हारा आना खुशी की बात है' वाक्य में 'आना'**
(a) क्रिया है।
(b) संज्ञा है।
(c) विशेषण है।
(d) इनमें से कोई नहीं है।

7. **'सरकार ने अंशतः प्रतिपूर्ति की है।'– इस वाक्य में किस प्रकार के क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है?**
(a) रीतिवाचक (b) कालवाचक
(c) परिमाणवाचक (d) स्थानवाचक

8. **निम्न में से कौन-सा शब्द पुल्लिंग है?**
(a) पूर्ति (b) अभिव्यक्ति (c) विवाह (d) छवि

9. **निम्नलिखित में से एकवचन शब्द कौन-सा है?**
(a) दर्शन (b) घरों
(c) नदी (d) लताओं

10. **दिए गए वाक्य का काल ज्ञात कीजिए।**
आधुनिक युग की मीरा महादेवी वर्मा ने मेरा परिवार नामक संस्मरण लिखा।
(a) सामान्य भूतकाल
(b) आसन्न भूतकाल
(c) पूर्ण भूतकाल
(d) अपूर्ण भूतकाल

11. **निम्नलिखित में से किस वाक्य में 'भाववाच्य' है?**
(a) लोग खुलकर हँस रहे थे।
(b) 'रामचरितमानस' ग्रंथ तुलसी द्वारा लिखा गया।
(c) वृद्ध आराम से बैठ नहीं सकता।
(d) सर्दियों में रोज नहाया नहीं जाता

12. **'मुझे छोटी बच्ची के लिए कुछ नए कपड़े खरीदने हैं' वाक्य में कौन-सा शब्द कर्त्ता है?**
(a) कपड़े (b) कुछ नए
(c) छोटी बच्ची (d) मुझे

13. **'अनाड़ी' का तत्सम रूप कौन-सा होगा?**
(a) अनार्य (b) अन्यत
(c) अट्टालिका (d) अन्यत्र

14. **हिंदी में विदेशी भाषाओं से आए उपसर्ग क्या कहलाते हैं?**
(a) प्रत्यय (b) आगत उपसर्ग
(c) अव्यय (d) निपात

15. **'समझौता' शब्द में कौन सा प्रत्यय लगा है?**
(a) औता (b) झौता
(c) आ (d) ता

16. **'अमावस्या' का विलोम शब्द है-**
(a) पूर्णिमा (b) प्रतिपदा
(c) कृष्णपक्ष (d) प्रज्ञा

17. **इनमें से कौन-सा शब्द 'अतिवृष्टि' का विलोम है?**
(a) रेगिस्तान (b) आर्द्र
(c) बाढ़ (d) अनावृष्टि

18. **'अनी' शब्द का सही पर्यायवाची बताइए।**
(a) स्वादिष्ट (b) शफरी
(c) सेना (d) सेतु

19. **'केला' का पर्यायवाची शब्द है:**
(a) कदली (b) कुमुद
(c) कैरव (d) भानु

20. **'अरुण' शब्द का अनेकार्थी है-**
(a) सूर्य, गुलाबी
(b) प्रातः कालीन सूर्य, सिन्दूर
(c) सिन्दूर, आक
(d) सूर्य, नवीन

21. **'अभिज्ञ-अनभिज्ञ' शब्दों का सही अर्थ बताइये।**
(a) अज्ञान – ज्ञानी
(b) ज्ञानी – पढ़ना
(c) जानकार – नाजानकार
(d) अगम्य – गम्य

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

22. 'जिसे इन्द्रियों से अनुभव न किया जा सके' अनेक पद के लिए एक शब्द है-

(a) अतीन्द्रिय (b) इन्द्रिय
(c) इन्द्रियशेष (d) इन्द्रजीत

23. 'ईश्वर में विश्वास रखने वाला' - इस शब्द समूह के लिए एक शब्द बताइये।

(a) आस्तिक (b) भक्त
(c) नास्तिक (d) श्रद्धावान

24. 'महाशय' शब्द में कौन-सी स्वर संधि है?

(a) स्वर संधि
(b) दीर्घ स्वर संधि
(c) यण स्वर संधि
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

25. 'यथास्थान' शब्द में कौन-सा समास है?

(a) बहुव्रीहि समास
(b) द्विगु समास
(c) अव्ययीभाव समास
(d) कर्मधारय समास

26. 'अपना हस्ताक्षर लगा दो'। इस वाक्य में रेखांकित शब्द के स्थान पर उपयुक्त शब्द के प्रयोग से वाक्य को शुद्ध करें।

(a) सटा (b) जोड़
(c) जोड़ (d) कर

27. हृदय में मूलरूप से विद्यमान रहने वाले भावों को क्या संज्ञा दी जाती है?

(a) अनुभाव (b) विभाव
(c) स्थायी भाव (d) संचारी भाव

28. दामिनी दमक रह न घन मांही।
खल कै प्रीति जथा थिर नांही॥
इन पंक्तियों में कौन-सा छंद है?

(a) सवैया (b) दोहा
(c) चौपाई (d) सोरठा

29. अनुप्रास अलंकार क्या है?

(a) व्यंजन वर्ण की आवृत्ति
(b) व्यंजन वर्ण की आवृत्ति एक भी बार न हो
(c) प्रस्तुत के माध्यम से अप्रस्तुत का वर्णन
(d) एक शब्द की अधिक बार

30. ग्यारहवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन किस वर्ष संपन्न हुआ था?

(a) 2018 (b) 2012
(c) 2019 (d) 2015

31. '.........चंगा तो कठौती में ....', लोकोक्ति को पूरा करने के लिए सही विकल्पों का चयन करें।

(a) विचार, जल
(b) मन, गंगा
(c) धन, यमुना
(d) तन, नंगा

32. 'जिस पत्तल में खाना, उसी पत्तल में छेद करना' कहावत का अर्थ है

(a) अपने हाथों अपना ही नुकसान करना
(b) कृतघ्न होना
(c) परोसे गये भोजन का निरादर करना
(d) मूर्खतापूर्ण कार्य करना

33. रीति काल को 'शृंगार काल' इनमें से किसने कहा है?

(a) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(b) रमाशंकर शुक्ल 'रसाल'
(c) रामचन्द्र शुक्ल
(d) मिश्रबंधु

निर्देशः निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर-पत्रक में चिह्नित कीजिए।

संकटों से वीर घबराते नहीं,
आपदाएँ देख छिप जाते नहीं।
लग गए जिस काम में पूरा किया,
काम करके व्यर्थ पछताते नहीं॥
कठिन पथ को देख मुस्कुराते सदा,
संकटों के बीच वे गाते सदा।
है असंभव कुछ नहीं उनके लिए,
सरल-संभव कर दिखाते वे सदा॥

34. पद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है

(a) संकट के बादल (b) वीर
(c) कठिन पथ (d) संकट

35. वीर संकटों को देखकर क्या करते हैं?

(a) छिप जाते हैं
(b) रोते हैं
(c) सोते हैं
(d) घबराते नहीं हैं

36. वीर सभी कार्य को कैसे करते हैं?

(a) सोचते हुए
(b) छिपते हुए
(c) मुस्कुराते हुए
(d) रोते हुए

37. वीर किसे देखकर मुस्कुराते हैं?

(a) मित्र (b) कठिन पथ
(c) असंभव (d) संकट

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

SOLUTION : PRACTICE SET-10

ANSWER KEY

1. (d)	9. (c)	17. (d)	25. (c)	33. (a)
2. (b)	10. (b)	18. (c)	26. (d)	34. (b)
3. (d)	11. (d)	19. (a)	27. (c)	35. (d)
4. (b)	12. (d)	20. (b)	28. (c)	36. (c)
5. (b)	13. (a)	21. (c)	29. (a)	37. (b)
6. (a)	14. (b)	22. (a)	30. (a)	
7. (c)	15. (a)	23. (a)	31. (b)	
8. (c)	16. (a)	24. (b)	32. (b)	

SOLUTION

1. (d)
जिन स्वरों के उच्चारण में दीर्घ स्वरों से भी अधिक समय लगता है, उन्हें प्लुत स्वर कहते हैं, जैसे- ओऽम, सुनो ऽऽ आदि।

2. (b)
समानाधिकरण शब्दों के मध्य में 'अल्पविराम' चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

जैसे-राजा जनक की पुत्री, राम की पत्नी थीं।

लाघवचिह्न-किसी बड़े शब्द को संक्षिप्त रूप में लिखने हेतु लाघव चिह्न (०) का प्रयोग किया जाता है।

जैसे-संयुक्त राष्ट्र संघ- सं० रा० सं०

अर्द्धविराम-जब एक ही प्रधान उपवाक्य पर अनेक आश्रित उपवाक्य हों तब वहाँ अर्धविराम (;) चिह्न का प्रयोग होता है।

जैसे-सूर्योदय हुआ; पक्षी चहचहाने लगे और टहलने निकल पड़े।

विवरण चिह्न-किसी कही हुई बात को स्पष्ट करने या उसका विवरण प्रस्तुत करने के लिए वाक्य के अंत में विवरण चिह्न (:-) का प्रयोग किया जाता है।

जैसे-निम्न शब्दों की व्याख्या कीजिए :- संज्ञा, सर्वनाम

3. (d)
'पहाड़' व्यक्तिवाचक संज्ञा नहीं है। 'पहाड़' जातिवाचक संज्ञा का उदाहरण है जबकि हिमालय, गंगा, राम ये सभी व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण हैं।

4. (b)
'उसका भाई खेलता है।' वाक्य में पुरुषवाचक सर्वनाम है।

पुरुषवाचक सर्वनाम-ऐसे सर्वनाम जिनका प्रयोग स्त्री या पुरुष के नाम के स्थान पर किया जाता है, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहा जाता है।

उदाहरण- उसे पढ़ने दो, वे विद्यालय जा रहे हैं।

5. (b)
कुसुम का विशेषण कुसुमित होता है। संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों की विशेषता (गुण, दोष, संख्या, परिमाण आदि) बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं। जैसे-काला, बड़ा, लम्बा, एक, दो आदि।

6. (a)
वाक्य में 'आना' शब्द **क्रिया** के रूप में प्रयुक्त हुआ है। **क्रिया:** जिस शब्द से किसी कार्य का होना या करना पाया जाये, उसे 'क्रिया' कहते हैं। **जैसे-**खाना, जाना, रोना, सोना आदि।

7. (c)
'सरकार ने अंशतः प्रतिपूर्ति की है।' इसमें परिमाणवाचक क्रियाविशेषण है। यह किसी वस्तु की नाप या तौल का बोध कराता है।

जैसे- सेर भर दूध, थोड़ा पानी, कुछ पानी, सब धन आदि।

8. (c)
दिये गये विकल्पों में 'विवाह' शब्द तत्सम् पुल्लिंग शब्द है जबकि पूर्ति, अभिव्यक्ति तथा छवि ईकारान्त स्त्रीलिंग शब्द के उदाहरण हैं। संज्ञा के जिस रूप से व्यक्ति या वस्तु की नर या मादा जाति का बोध हो उसे व्याकरण में लिंग कहते हैं। हिन्दी में दो प्रकार के लिंग हैं- (1) पुल्लिंग (2) स्त्रीलिंग

9. (c)
'नदी' एकवचन शब्द है। सदा एकवचन में प्रयोग होने वाले शब्द– पीतल, सोना, जनता, घी, पेट्रोल, तेल, आकाश, वर्षा, सत्य, झूठ, मिथ्या, बालू, सौंदर्य, दल, झुण्ड, टोली आदि।

10. (b)
दिए गए वाक्य 'आधुनिक युग की मीरा महादेवी वर्मा ने मेरा परिवार नामक संस्मरण लिखा' में आसन्न भूतकाल होगा।

भूतकाल → जिस क्रिया से कार्य की समाप्ति का बोध हो, उसे 'भूतकाल' कहते हैं।

आसन्न भूतकाल → इससे क्रिया की समाप्ति निकट भूत में या तत्काल ही सूचित होती है।

11. (d)
वाक्य 'सर्दियों में रोज नहाया नहीं जाता' में भाववाच्य है। क्रिया के उस रूपांतर को भाववाच्य कहते हैं, जिससे वाक्य में क्रिया या भाव की प्रधानता का बोध हो।

12. (d)
'मुझे छोटी बच्ची के लिए कुछ नए कपड़े खरीदने हैं' वाक्य में 'मुझे' शब्द कर्त्ता है। जो शब्द वाक्य में कार्य को करता है, वह कर्ता कहलाता है। कर्त्ता वाक्य का वह रूप होता है जिससे कार्य को करने वाले का पता चलता है। कर्त्ता कारक का विभक्ति चिह्न 'ने' होता है।

13. (a)
दिये गये विकल्पों में 'अनाड़ी' का तत्सम रूप 'अनार्य' होगा। शेष सभी विकल्प असंगत हैं। 'अट्टालिका' और 'अन्यत्र' के तद्भव रूप क्रमशः 'अटारी' और 'अनत' होंगे।

14. (b)
हिन्दी में विदेशी भाषाओं से आये उपसर्ग को 'आगत उपसर्ग' कहते हैं। हिन्दी में उपसर्ग तीन भागों में विभाजित किया गया है। 1-संस्कृत उपसर्ग, 2-हिन्दी उपसर्ग 3-आगत उपसर्ग।

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

आगत उपसर्ग के उदाहरण = गैर, कम, खुश, हम (उर्दू) सब, जनरल, वॉइस, हेड, चीफ (अंग्रेजी) आदि।

15. (a)
दिए गए शब्द 'समझौता' में 'औता' प्रत्यय है। जो शब्दांश किसी शब्द के बाद लगकर उसके अर्थ को बदल देते हैं और नये अर्थ का बोध कराते हैं, उसे प्रत्यय कहते हैं। हिन्दी में प्रत्यय दो प्रकार के हैं – कृत् प्रत्यय एवं तद्धित प्रत्यय।

16. (a)

शब्द	विलोम
अमावस्या	पूर्णिमा
कृष्णपक्ष	शुक्लपक्ष
प्रज्ञा	अविवेक
कृतज्ञ	कृतघ्न

17. (d)

शब्द	विलोम
अतिवृष्टि	अनावृष्टि
आर्द्र	शुष्क
रेगिस्तान	उपजाऊ
बाढ़	सूखा

18. (c)
'अनी' शब्द का सही पर्यायवाची 'सेना' है। स्वादिष्ट, दुष्ट, सेतु इत्यादि असंगत हैं।

19. (a)
'केला' का पर्यायवाची शब्द 'कदली' है। केला के अन्य पर्यायवाची शब्द – रम्भा, भानुफल आदि।

20. (b)
प्रातःकालीन सूर्य, सिन्दूर तथा रक्तवर्ण आदि अरुण के अनेकार्थी शब्द हैं। अन्य विकल्प असंगत हैं।

21. (c)
'अभिज्ञ-अनभिज्ञ' शब्दों का सही अर्थ 'जानकार-नाजानकार' है। शेष सभी विकल्प अशुद्ध हैं।

22. (a)
'जिसे इन्द्रियों से अनुभव न किया जा सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'अतीन्द्रिय' होगा। अन्य विकल्प असंगत हैं।

23. (a)
'ईश्वर में विश्वास रखने वाला' शब्द समूह के लिए एक शब्द है– 'आस्तिक'।
'ईश्वर में विश्वास न रखने वाला' शब्द समूह के लिए एक शब्द 'नास्तिक' होता है।

24. (b)
'महाशय' शब्द में दीर्घ स्वर संधि है। 'महाशय' का संधि-विच्छेद 'महा + आशय' होता है। यदि पूर्व पद के अंत में ह्स्व/दीर्घ अ, इ, उ के समान स्वर आये तो दीर्घ आ, ई, ऊ आदेश हो जाता है जैसे– नदी + ईश ⇒ नदीश
महा + आत्मा ⇒ महात्मा

25. (c)
'यथास्थान' शब्द में अव्ययीभाव समास है। इस समास में पहला या पूर्वपद अव्यय होता है और उसका अर्थ प्रधान होता है।
उदाहरण- आजन्म, प्रतिदिन, यथासमय।

26. (d)
दिये गये वाक्य 'अपना हस्ताक्षर लगा दो' में रेखांकित शब्द 'लगा' के स्थान पर 'कर' शब्द का प्रयोग उपयुक्त होगा।
अतः शुद्ध वाक्य होगा- अपना हस्ताक्षर कर दो।

27. (c)
हृदय में मूल रूप से विद्यमान रहने वाले भावों को 'स्थायी भाव' की संज्ञा दी जाती है।
सर्वप्रथम आचार्य भरतमुनि ने 8 स्थायी भावों की चर्चा की थी किन्तु परवर्ती आचार्य 'मम्मट' और 'अभिनव गुप्त' ने रसों की संख्या 9 मानी है। आचार्य उद्भट ने 'निर्वेद' को भी स्थायीभावों का एक भेद माना है। अतः इस कारण से स्थायीभावों की कुल संख्या 9 मानी जाती है।

रस		स्थायी भाव	रस		स्थायी भाव
शृंगार रस	-	रति	हास्य रस	-	हास
रौद्र रस	-	क्रोध	करुण रस	-	शोक
वीभत्स रस	-	जुगुप्सा	भयानक रस	-	भय
वीर रस	-	उत्साह	अद्भुत रस	-	विस्मय
शांत रस	-	निर्वेद			

28. (c)
दामिनि दमक रह न घन मांही।
खल के प्रीति जथा थिर नांही।।
उपर्युक्त पंक्ति में चौपाई छंद है। इसके प्रत्येक चरण में 16–16 मात्राएँ होती हैं तथा अंत में दो गुरु शुभ माने जाते हैं। यह एक सममात्रिक छंद है।

29. (a)
अनुप्रास अलंकार में वर्णों की आवृत्ति होती है। **उदारहण-** मधुर मधुर मुस्कान मनोहर, मनुज देश का उजियाला। उपर्युक्त उदाहरण में 'म' वर्ण की आवृत्ति हो रही है।

30. (a)
ग्यारहवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन '18-20 अगस्त, 2018' को मॉरीशस की राजधानी पोर्ट लुईस में सम्पन्न हुआ। वर्ष 2012 में विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन दक्षिण अफ्रीका के जोहांसबर्ग में एवं वर्ष 2015 में इस सम्मेलन का आयोजन भारत के भोपाल में सम्पन्न हुआ।

31. (b)
'मन चंगा, तो कठौती में गंगा' लोकोक्ति का पूर्ण रूप है, जिसका अर्थ है– 'यदि मन शुद्ध है तो घर पर ही तीर्थ है'। अतः विकल्प (b) सही है।

32. (b)
जिस पत्तल में खाना, उसी पत्तल में छेद करना कहावत का अर्थ है- कृतघ्न होना शेष विकल्प असंगत हैं।

33. (a)
रीतिकाल को 'शृंगारकाल' विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने कहा है। इनकी प्रमुख रचनाएँ 'हिन्दी साहित्य का अतीत', हिन्दी का सामयिक इतिहास, काव्यांग कौमुदी,सत्य हरिश्चन्द्र इत्यादि।

34. (b)
दिये गये पद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक 'वीर' है।

35. (d)
दिये गये पद्यांश के अनुसार वीर संकटो को देखकर घबराते नहीं हैं न तो आपदा आने पर छिपते हैं।

36. (c)
दिये गये पद्यांश के अनुसार वीर सभी कार्य मुस्कुराते हुए करते हैं।

37.(b)
दिये गये पद्यांश के अनुसार वीर कठिन पथ को देखकर मुस्कुराते हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-11

1. निम्नलिखित में से किस स्वर को संयुक्त स्वर माना गया है?

(a) आ (b) ऊ (c) ई (d) ऐ

2. अल्पविराम का प्रयोग इनमें से कहाँ किया जाता है?

(a) वाक्य के अंत में
(b) कहीं भी
(c) वाक्य के शुरू में
(d) वाक्य के मध्य में, जहाँ बहुत कम ठहराव हो

3. निम्नलिखित विकल्पों में से किस विकल्प में सभी शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ हैं?

(a) राम, रामचरितमानस, गंगा
(b) कृष्ण, कामायनी, मिठास
(c) लखनऊ, आम, बुढ़ापा
(d) ममता, वकील, पुस्तक

4. 'वह एक अच्छा छात्र है।' वाक्य में संकेतवाचक सर्वनाम है?

(a) वह (b) एक
(c) अच्छा (d) छात्र

5. निम्नलिखित वाक्यों में एक में विशेषण का प्रयोग हुआ है-

(a) लड़का भजन गा रहा था।
(b) मैंने उसको बुलाया।
(c) वह सुन्दर लड़का आया।
(d) उसने भजन नहीं सुनाया।

6. निम्नलिखित में सकर्मक क्रिया वाला वाक्य नहीं है:

(a) डाकिया पत्र लाया
(b) सीमा ने गाना गाया।
(c) सिपाही ने चोर को पकड़ा
(d) लड़का सोता है।

7. "उन्होंने पूर्णतया समर्थन किया है।"- इस वाक्य में किस प्रकार के क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है?

(a) कालवाचक (b) रीतिवाचक
(c) परिमाणवाचक (d) स्थानवाचक

8. स्त्रीलिंग शब्द अलग कीजिए :

(a) हुलास (b) हरकत
(c) हमला (d) हवाला

9. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द दोनों वचनों में समान रहता है ?

(a) कथा (b) सरसों
(c) लता (d) कुटी

10. इनमें से कौन सा प्रकार वर्तमान काल का नहीं है?

(a) सामान्य वर्तमान (b) संभाव्य वर्तमान
(c) आसन्नभूत (d) तात्कालिक वर्तमान

11. 'उसके द्वारा अपने भाई को पढ़ाया गया।' इस वाक्य में वाच्य का कौन-सा प्रकार है?

(a) कर्तृवाच्य (b) भाववाच्य
(c) कर्मवाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

12. निम्नलिखित में से कर्त्ता कारक वाला वाक्य छाँटिए :

(a) मोहन को जाना है।
(b) शीला को रोटी खिलाओ।
(c) शाम को मत आना।
(d) विमा को पुस्तक दे दो।

13. अँगोछा किसका तद्भव शब्द है?

(a) अंगप्रौंछा (b) अंगरखा
(c) अंत्र (d) अग्रहायन

14. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो उपसर्ग से बने शब्द का सही विकल्प हो।

(a) बलिष्ठ (b) पुष्पित
(c) पंचायत (d) व्याधि

15. दिए गए शब्द का प्रत्यय ज्ञात कीजिए।
'रनिवास'

(a) वास (b) अस
(c) निवास (d) आस

16. 'आवर्तक' का विपरीतार्थक शब्द है -

(a) प्रवर्तक (b) अनावर्तक
(c) आवृत (d) प्रकर्षक

17. इनमें से कौन-सा शब्द 'आसक्त' का विलोम है?

(a) अनासक्त (b) अधम
(c) निरुत्साह (d) निमग्न

18. 'किनारा' का पर्यायवाची शब्द नहीं है :

(a) तट (b) मुहाना
(c) तीर (d) कर

19. '<u>जलवृष्टि</u> के कारण चारों ओर हरियाली छा गई' वाक्य के रेखांकित शब्द की जगह कौन-सा पर्यायवाची शब्द उपयुक्त हो सकता है?

(a) बादल (b) वर्षा
(c) काली घटा (d) बूँद

20. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द अनेकार्थी शब्द है?

(a) अंक (b) दोस्त
(c) कबूतर (d) परिवार

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

21. युग्म की कौन सी जोड़ी सही है?

(a) न्याय – अन्याय
(b) धरा – पृथ्वी
(c) अचल – अचला
(d) मान – अपमान

22. 'वह कवि जो तत्काल कविता करे, के लिए एक शब्द है-

(a) सुकवि
(b) रससिद्ध कवि
(c) महाकवि
(d) आशुकवि

23. निम्नलिखित विकल्पों में से 'जो भेदा न जा सके' वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द क्या होगा?

(a) अभेद्य
(b) निर्द्वन्द्व
(c) द्वंद्व
(d) प्रतिबन्ध

24. 'कोणार्क' का संधि-विच्छेद है-

(a) कोण+क
(b) कोण+आर्क
(c) कोण+अर्क
(d) कोणा+अर्क

25. किस समास का समस्त पद वाक्य में क्रिया विशेषण का काम करता है?

(a) अव्ययीभाव समास
(b) बहुव्रीहि समास
(c) द्वंद्व समास
(d) द्विगु समास

26. उन्होंने बोल उठे।
उपरोक्त वाक्य में त्रुटि पहचानकर वाक्य शुद्ध कीजिए।

(a) वे बोल उठे।
(b) वे ने बोल उठे।
(c) उसने बोल उठे।
(d) उन्होंने बोल उठें।

27. साहित्य में रस का क्या अर्थ है?

(a) साहित्य की मिठास
(b) किसी रस का आनंद
(c) किसी फल का स्वाद
(d) साहित्य से मिलने वाली आनंदानुभूति

28. मंगल भवन अमंगल हारी
द्रवहु सुदशरथ अजिर बिहारी॥
इन पंक्तियों में किस छन्द का प्रयोग हुआ है?

(a) दोहा
(b) चौपाई
(c) सोरठा
(d) सवैया

29. जिस पंक्ति या जिन पंक्तियों में एक या अनेक वर्गों की एक ही क्रम में एक बार आवृत्ति हो तो वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?

(a) लाटानुप्रास अलंकार
(b) वृत्यानुप्रास अलंकार
(c) छेकानुप्रास अलंकार
(d) श्रुत्यानुप्रास अलंकार

30. साधारणीकरण की व्याख्या में 'मधुमती की भूमिका' की परिकल्पना किस विद्वान की है?

(a) भगीरथ मिश्र
(b) श्यामसुंदर दास
(c) रामचन्द्र शुक्ल
(d) राममूर्ति त्रिपाठी

31. जबरदस्ती का मेहमान अर्थ के लिए सही लोकोक्ति है-

(a) ऊँची दुकान फीकी पकवान
(b) अधजल गगरी छलकत जाए
(c) आंख के अंधे नाम नयन सुख
(d) मान न मान मैं तेरा मेहमान

32. "पैसे से ही आदमी की इज्जत है" के लिए निम्नलिखित में से उचित लोकोक्ति का चयन कीजिये–

(a) अपनी पगड़ी अपने हाथ
(b) होनहार बिरवान के होत चिकने पात
(c) जैसी तेरी कामरी वैसे मेरे गीत
(d) जर है तो नर नहीं तो खण्डहर

33. किशोरीलाल गुप्त की पुस्तक 'हिंदी साहित्य का प्रथम इतिहास' इनमें से किस पुस्तक का अनुवाद है?

(a) इस्तवार द ला लित्रेत्युर एन्दुई एन्दुस्तानी
(b) ए हिस्ट्री ऑफ हिंदी लिटरेचर
(c) द मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान
(d) स्केच ऑफ हिंदी लिटरेचर

निर्देशः निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के लिए (A), (B), (C), (D) में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

पुराणों में देखा गया है कि तप देवता करते हैं और राक्षस भी जिस किसी को कुछ भी सिद्धि प्राप्त करनी है, तप किए बिना कोई चारा नहीं। इसमें उसकी नीयत अगर सात्विक रही, तो उसका और दुनिया का भला होता है। अगर उसकी नीयत बुरी रही, तो वह सारी दुनिया का नाश भी कर सकता है। मनुष्य ने ऐटम बम, हाइड्रोजन बम जैसे अस्त्र तैयार किए। यह सब मनुष्य की तपस्या का ही फल है। इस आसुरी तपस्या से दुनिया का तो नुकसान होता ही है, लेकिन ऐसी तपस्या करने वाला स्वयं आत्मनाश की तैयारी करता है।

34. 'कोई चारा नहीं' से तात्पर्य है

(a) कई रास्ते होना
(b) दूसरा रास्ता न होना
(c) सही रास्ता होना
(d) बेसहारा होना

35. 'नीयत' से तात्पर्य है

(a) इरादा
(b) सोच
(c) अनिश्चय
(d) अहंकार

36. सात्विक नीयत से क्या होता है?

(a) दुनियादारी
(b) दुनिया का बुरा
(c) दुनिया का भला
(d) दुनिया से प्रेम

37. आसुरी तपस्या से मनुष्य ने क्या बनाया?

(a) शांति
(b) ऐटम बम
(c) हवाई जहाज
(d) मोटर गाड़ी

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION : PRACTICE SET- 11

ANSWER KEY

1. (d)	9. (b)	17. (a)	25. (a)	33. (c)
2. (d)	10. (c)	18. (d)	26. (a)	34. (b)
3. (a)	11. (c)	19. (b)	27. (d)	35. (a)
4. (a)	12. (a)	20. (a)	28. (b)	36. (c)
5. (c)	13. (a)	21. (c)	29. (c)	37. (b)
6. (d)	14. (d)	22. (d)	30. (b)	
7. (c)	15. (a)	23. (a)	31. (d)	
8. (b)	16. (b)	24. (c)	32. (d)	

SOLUTION

1. (d)
'ऐ' स्वर को संयुक्त स्वर माना जाता है। (संयुक्त स्वर में ए, ऐ, ओ और औ आते हैं।) इनके संयुक्त होने का विवरण इस प्रकार है- अ+इ = ए, अ+ए = ऐ, अ+उ = ओ, अ+ओ = औ अ, इ, उ, ऋ को मूल स्वर माना जाता है।

2. (d)

वाक्य के मध्य में, जहाँ बहुत कम ठहराव हो वहाँ अल्पविराम का प्रयोग किया जाता है इसका चिह्न (,) है, जबकि

विराम चिह्न के नाम	विराम चिह्न
पूर्णविराम	(।)
अर्द्धविराम	(;)
प्रश्नवाचक चिह्न	(?)
विस्मयादिबोधक चिह्न	(!)
योजक चिह्न	(-)
उद्धरण चिह्न	(" ")

3. (a)
वह संज्ञा जो किसी वस्तु, व्यक्ति, स्थान का बोध कराती है उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहा जाता है। राम, रामचरितमानस, गंगा व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ हैं। कृष्ण, कामायनी व्यक्तिवाचक एवं मिठास भाववाचक संज्ञा है। इसी तरह 'लखनऊ' व्यक्तिवाचक, 'आम' जातिवाचक एवं 'बुढ़ापा' भाववाचक ठीक इसी प्रकार 'ममता' व्यक्तिवाचक, 'पुस्तक', 'वकील' जातिवाचक संज्ञा हैं।

4. (a)
'वह एक अच्छा छात्र है' वाक्य में 'वह' संकेतवाचक सर्वनाम है। सर्वनाम संज्ञा के स्थान पर वाक्य में प्रयुक्त होते हैं।

5. (c)
'वह सुन्दर लड़का आया' इस वाक्य में '**सुन्दर**' शब्द विशेषण है। यहाँ सुन्दर शब्द लड़का की विशेषता बता रहा है। यह गुणवाचक विशेषण है।

6. (d)
'लड़का सोता है।' सकर्मक क्रिया वाला वाक्य नहीं है। क्योंकि वाक्य में 'सोना' अकर्मक क्रिया है। शेष विकल्पों के वाक्य सकर्मक क्रिया के उदाहरण हैं।

7. (c)
'उन्होंने पूर्णतया समर्थन किया है।' वाक्य में परिमाणवाचक क्रियाविशेषण है। यहाँ 'पूर्णतया' शब्द मात्रा का बोध करा रहा है। अतः परिमाणवाचक क्रिया विशेषण है।

8. (b)
'हरकत' स्त्रीलिंग शब्द है। वाक्य प्रयोग देखें– तुम्हारी **हरकत** अच्छी नहीं लगती। शेष सभी पुल्लिंग शब्द हैं।

9. (b)
दिये गये विकल्पों में 'सरसों' शब्द दोनों वचनों में समान रहता है। अन्य विकल्पों के विवरण इस प्रकार हैं-

एकवचन	**बहुवचन**
कथा	कथाएं
लता	लताएं
कुटी	कुटियाँ

10. (c)
'आसन्न भूत' वर्तमान काल का नहीं बल्कि भूतकाल का एक प्रकार है। भूतकाल की वह घटना, जो हाल में ही घटित हो, आसन्न भूतकालिक क्रिया कहलाती है। **जैसे**-रमेश ने खाना खा लिया है, मैं चला हूँ इत्यादि।

11. (c)
'उसके द्वारा अपने भाई को पढ़ाया गया।' यह वाक्य कर्मवाच्य में दिया गया है। जिस वाक्य में वाच्य बिंदु कर्ता न होकर कर्म हो, वह वाक्य कर्मवाच्य का वाक्य कहलाता है।
जैसे- माता के द्वारा खाना पकाया गया।
रोटी माता के द्वारा बनायी गयी।
कर्तृवाच्य-क्रिया के उस रूपान्तर को कर्तृवाच्य कहते हैं, जिससे वाक्य में कर्ता की प्रधानता का बोध हो। **जैसे**- लड़का खाता है, मैनें पुस्तक पढ़ी।
भाववाच्य- जिससे वाक्य में क्रिया अथवा भाव की प्रधानता का बोध हो। **जैसे**- राम से टहला ही नहीं जाता।

12. (a)
उपर्युक्त विकल्पों में से 'मोहन को जाना है' वाक्य कर्त्ता कारक वाला है। इस वाक्य में 'को' ने का आशय दे रहा है। अतः यहाँ कर्त्ता कारक होगा। शेष वाक्य कर्मकारक वाले हैं।

13. (a)
अँगोछा एक तद्भव शब्द है, जिसका तत्सम शब्द अंगप्रोंछा होता है।

14. (d)
प्रश्न में बलिष्ठ, पुष्पित तथा पंचायत शब्द में क्रमशः इष्ठ, इत तथा आयत प्रत्यय का प्रयोग हुआ है जबकि व्याधि शब्द में 'वि' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है।

15. (a)
रनिवास शब्द का प्रत्यय 'वास' होगा।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

16. (b)
'आवर्तक' का विपरीतार्थक शब्द 'अनावर्तक' है। निम्न शब्दों के विपरीतार्थक शब्द –

शब्द	-	विपरीतार्थक शब्द
प्रवर्तक	-	अप्रवर्तक
आवृत	-	अनावृत
अज्ञ	-	विज्ञ

17. (a)

शब्द		विलोम
आसक्त	-	अनासक्त
अधम	-	उत्तम
निरुत्साह	-	उत्साह
निमग्न	-	अमग्न/ अनिमग्न

18. (d)
'किनारा' का पर्यायवाची शब्द 'कर' नहीं है। कर 'लगान' का पर्यायवाची शब्द है। जबकि तट, मुहाना तथा तीर, किनारा के पर्यायवाची शब्द हैं।

19. (b)
दिये गये वाक्य '<u>जलवृष्टि</u> के कारण चारों ओर हरियाली छा गई' के रेखांकित शब्द 'जलवृष्टि' की जगह पर्यायवाची शब्द 'वर्षा' उपयुक्त होगा। 'वर्षा' के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- बरसात, बारिश, वृष्टि, जलार्णव, मेह, पावस इत्यादि।

20. (a)
'अंक' अनेकार्थी शब्द है। निशान, गिनती की संख्या, गोद ये 'अंक' के अनेकार्थी शब्द हैं।

21. (c)
दिये गये विकल्पों में से 'अचल-अचला' युग्म शब्द की जोड़ी सही है। अचल का अर्थ है– 'स्थिर' तथा अचला का अर्थ है– 'पृथ्वी'। न्याय-अन्याय और मान-अपमान विलोम शब्द हैं तथा धरा 'पृथ्वी' का पर्याय शब्द है।

22. (d)
'वह कवि जो तत्काल कविता करे' के लिए एक शब्द 'आशुकवि' होगा। अन्य वाक्यांश इस प्रकार हैं–

जो पुस्तकों की समीक्षा करता है	- समीक्षक
जिसकी बुद्धि कुश के अग्र की तरह पैनी हो	- कुशाग्रबुद्धि
किसी के स्थान पर कार्य करने वाला	- प्रतिनिधि

23. (a)
'जो भेदा न जा सके' वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द 'अभेद्य' होगा, जबकि- अन्य विकल्प असंगत हैं।

24. (c)
'कोणार्क' का संधि-विच्छेद 'कोण+अर्क' होगा यह दीर्घ स्वर संधि का उदाहरण है।
दीर्घ स्वर संधिः- यदि 'अ', 'आ', 'इ', 'ई', 'उ', 'ऊ' और 'ऋ' के बाद वे ही ह्रस्व या दीर्घ स्वर आएँ, तो दोनों मिलकर क्रमशः 'आ', 'ई', 'ऊ' और ॠ हो जाते हैं।
जैसे- शिवालय – शिव + आलय
विद्यालय – विद्या + आलय

25. (a)
अव्ययीभाव समास का समस्त पद वाक्य में क्रियाविशेषण का काम करता है। जिस समास में समस्त पद (प्रथम पद) अव्यय या उपसर्ग हो तथा दूसरा पद संज्ञा हो, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं। **जैसे**– यथाशक्ति, प्रतिलिपि, कुमार्ग।

26. (a)
दिये गये वाक्य 'उन्होंने बोल उठे।' में सर्वनाम सम्बन्धी त्रुटि है, जिसमें 'उन्होंने' के स्थान पर 'वे' का प्रयोग उचित होगा। अतः शुद्ध वाक्य होगा- वे बोल उठे।

27. (d)
साहित्य में रस का अर्थ है साहित्य से मिलने वाली आनन्दानुभूति अर्थात् रस का शाब्दिक अर्थ 'आनन्द' है। किसी काव्य को पढ़ने या सुनने से जिस आनन्द की प्राप्ति होती है, उसे रस कहते हैं।

28. (b)
''मंगल भवन अमंगल हारी
द्रवहु सुदशरथ अजिर बिहारी।''
इसमें **चौपाई छन्द** है। चौपाई एक सममात्रिक छन्द है। इसमें चार चरण होते हैं तथा प्रत्येक चरण में 16-16 मात्राएँ होती हैं। सवैया एक वर्णिक छन्द है। वर्णिक वृत्तों में 22 से 26 अक्षर के चरण वाले जाति छन्द को सामूहिक रूप से हिन्दी में सवैया कहते हैं। सवैया के उदाहरण रसखान के काव्य में प्रचुर मात्रा में हैं-
मानुष हो तो वही रसखान,
बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन......।

29. (c)
उपर्युक्त प्रश्नानुसार यहाँ 'छेकानुप्रास' अलंकार होता है। जो किसी वस्तु को अलंकृत करे वह अलंकार है। अलंकार के मुख्यतः तीन भेद होते हैं।
(i) शब्दालंकार (ii) अर्थालंकार (iii) उभयालंकार

30. (b)
साधारणीकरण की व्याख्या में 'मधुमती की भूमिका' की परिकल्पना 'श्यामसुंदर दास' जी द्वारा की गयी है। साधारणीकरण की अवधारणा सर्वप्रथम 'भट्टनायक' ने प्रस्तुत किया था। इसीलिए उन्हें साधारणीकरण का प्रवर्तक माना जाता है।

31. (d)
'जबरदस्ती का मेहमान' अर्थ के लिए सही लोकोक्ति 'मान न मान मैं तेरा मेहमान' है;
- ऊँची दुकान फीका पकवान – बाहर ढकोसला भीतर कुछ नहीं,
- अध जल गगरी छलकत जाय – थोड़ी विद्या, धन, बल पाकर इतराना तथा
- आँख के अंधे नाम नयन सुख – गुण के विरुद्ध नाम होना।

32. (d)
''पैसे से ही आदमी की इज्जत है'' के लिए उचित लोकोक्ति है– 'जर है तो नर, नहीं तो खण्डहर'। शेष लोकोक्तियों के अर्थ इस प्रकार हैं–
- जैसी तेरी कामरी वैसे मेरे गीत – जैसा दोगे वैसा लोगे।
- होनहार बिरवान के होत चिकने पात – बचपन से ही अच्छे लक्षणों का दिखाई देना।
- अपनी पगड़ी अपने हाथ – अपनी प्रतिष्ठा अपने हाथ।

33. (c)
किशोरीलाल गुप्त की पुस्तक 'हिंदी साहित्य का प्रथम इतिहास' पुस्तक 'द माडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिंदुस्तान' का अनुवाद है। इसके लेखक जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन है। इनकी अन्य रचना 'सूरसागर की टीका' चार खण्डों में है।

34. (b)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार 'कोई चारा नहीं' से तात्पर्य है 'दूसरा रास्ता न होना।'

35. (a)
'नीयत' से तात्पर्य है 'इरादा'। अन्य विकल्प तर्क संगत नहीं हैं।

36. (c)
सात्विक नीयत से 'दुनिया का भला' होता है।

37. (b)
आसुरी तपस्या से मनुष्य ने ऐटम बम, हाइड्रोजन बम जैसे अस्त्र तैयार किए।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET-12

1. निम्नलिखित में से कौन सा मूल दीर्घ स्वर नहीं है?
(a) आ (b) ई
(c) ऊ (d) ओ

2. विराम-चिह्न की दृष्टि से कौन-सा वाक्य अशुद्ध है?
(a) नहीं कल मैं तुम्हारे घर नहीं आ सकूँगा।
(b) मैं क्या कहता?
(c) महक, रागिनी, श्वेता, आदि भी आई हैं; ये सब अब गाना गाएँगी।
(d) उसने पूछा, 'तुम कहाँ थे'?

3. 'रहीम' किस तरह की संज्ञा है? नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए–
(a) व्यक्तिवाचक (b) भाववाचक
(c) जातिवाचक (d) समूहवाचक

4. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द अन्य पुरुष का उदाहरण है?
(a) उसने (b) तुमने
(c) हम (d) मैंने

5. निम्नलिखित वाक्यों में एक में विशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है-
(a) यह चांदी खोटी है।
(b) लखनऊवा चिकन की विदेशों में माँग है।
(c) जंगली जानवर आक्रामक होते हैं।
(d) भगवान कृपा करते हैं।

6. निम्नलिखित में से, किस वाक्य में अकर्मक क्रिया नहीं है?
(a) सूरजभान आता है। (b) सरोज खाती है।
(c) राहुल काम करता है। (d) मोहन खाएगा।

7. 'रामू थोड़ी-सी मिठाई खाओ।'- इस वाक्य में 'थोड़ी-सी' किस प्रकार का क्रियाविशेषण है?
(a) स्थानवाचक क्रियाविशेषण
(b) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
(c) कालवाचक क्रियाविशेषण
(d) रीतिवाचक क्रियाविशेषण

8. एक युग्म अशुद्ध है-
(a) गूंगा - गूंगी (b) घोड़ा - घोड़ी
(c) गोप - गोपी (d) कुंजड़ा - कुंजड़ी

9. इनमें से किस शब्द के रूप एकवचन और बहुवचन में समान नहीं पाए जाते हैं?
(a) पानी (b) प्रेम
(c) वर्षा (d) इनमें से कोई नहीं

10. 'राम गया।' इस वाक्य में कौन-सा काल है?
(a) सामान्य भूत काल (b) आसन्नभूत काल
(c) पूर्ण भूत काल (d) अपूर्ण भूत

11. ''रोगी चल नहीं सकता'' का भाववाच्य में रूपांतरण क्या होगा?
(a) रोगी से चला नहीं जाता
(b) रोगी चल नहीं पाएगा
(c) रोगी चल नहीं पा रहा है
(d) रोगी नहीं चलेगा

12. सभी चिट्ठियाँ डाक से भेजी गईं। इसमें कर्त्ता है :
(a) डाक (b) भेजी गई
(c) सभी (d) चिट्ठियाँ

13. एक तद्भव शब्द है
(a) अटल (b) आतुर
(c) अतिथि (d) अजिर

14. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो उपसर्ग से बने शब्द का सही विकल्प नहीं हो।
(a) अवतार (b) प्रकृति
(c) संभव (d) पवित्र

15. दिए गए शब्द का प्रत्यय ज्ञात कीजिए।
चिल्लाहट
(a) ट (b) लाहट
(c) हट (d) आहट

16. निम्नलिखित विलोमार्थी शब्द–युग्मों में असंगत है:
(a) अमृत–विष (b) अनुकुल–प्रतिकूल
(c) आयात–निर्यात (d) आविर्भाव–विभाव

17. 'आदि' का विलोम शब्द कौन-सा है?
(a) अयादि (b) अंत
(c) व्यादि (d) आद्य

18. निम्न में से 'कौशल' और 'चातुर्य' का पर्यायवाची कौन सा नहीं है?
(a) पटुता (b) प्रवीणता
(c) दक्षता (d) सुरसरिता

19. निम्न में से कौन से विकल्प में पर्यायवाची युग्म सही नहीं है?
(a) जलधि – अम्बुद (b) सरोवर – पुष्कर
(c) पुरन्दर – अमरपति (d) फणी – उरग

20. इनमें से कौन-सा शब्द 'अलि' शब्द का अर्थ है?
(a) गले का आभूषण (b) भ्रमर
(c) सखी (d) सहेली

21. सही अर्थवाला शब्द-युग्म कौन-सा है?
(a) आकर-आकार = खान-आकृति
(b) कुल-कूल = वंश-शीतल
(c) निर्जर-निर्झर = शून्य-झरना
(d) शर-सर = बाण-भला आदमी

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

22. आशुभाषण का अर्थ है-
(a) विषय को एक दिन पहले बता देना
(b) विषय पर चर्चा- परिचर्चा करवाना
(c) किसी विषय पर तत्काल बोलना
(d) विषय को रटकर बोलना

23. अंक में स्थान पाया हुआ' वाक्यांश के लिए एक शब्द क्या होगा?
(a) अकिंचन (b) अंकुर
(c) अंकस्थ (d) अंडज

24. 'भोजनालय' का संधि-विच्छेद है–
(a) भोजन + आलय (b) भोजन + लय
(c) भोजना + लय (d) भोजना + आलय

25. 'हररोज' में कौन-सा समास है?
(a) अव्ययीभाव (b) तत्पुरुष
(c) द्वंद्व (d) बहुव्रीहि

26. 'हम और तुम और श्याम को अवश्य जाना है।' उक्त वाक्य में कौन-सा भाग गलत है?
(a) हम और तुम (b) और श्याम
(c) को अवश्य (d) जाना है

27. 'सहृदय' की अवधारणा किस सम्प्रदाय से सम्बद्ध है?
(a) ध्वनि (b) अलंकार
(c) रस (d) वक्रोक्ति

28. दी गई पंक्तियों में छंद बताइए।
सुन सिय सत्य असीस हमारी।
पूजहि मन कामना तुम्हारी॥
(a) चौपाई (b) दोहा
(c) सोरठा (d) बरवै

29. ''इस करुणा कलित हृदय में, अब विकल रागिनी बजती''- इस पंक्ति में 'करुणा कलित' अभिव्यक्ति में कौन-सा अलंकार है?
(a) अंत्यानुप्रास अलंकार
(b) श्रुत्यानुप्रास अलंकार
(c) लाटानुप्रास अलंकार
(d) छेकानुप्रास अलंकार

30. 'खुदाबख्श' पुस्तकालय कहाँ स्थित है?
(a) जयपुर (b) अलीगढ़
(c) पटना (d) आगरा

31. ''नौ दिन चले अढ़ाई कोस'' से तात्पर्य है –
(a) 'नौ दिन में अढ़ाई कोस' चलना
(b) धीरे-धीरे चलना
(c) चलने की कोशिश करना
(d) अधिक परिश्रम का थोड़ा फल मिलना

32. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस सही विकल्प का चयन करें जो दी गई लोकोक्तियों का सही अर्थ वाला विकल्प है।
प्रभुता पाइ काहु मद नहीं।
(a) शक्ति पाने पर व्यक्ति अभिमानी हो जाता है।
(b) बड़ा होकर भी कुछ न पाना
(c) बेकार चीज
(d) असंभव कार्य

33. साहित्य को 'जनता की चित्तवृत्तियों का संचित प्रतिबिंब' इनमें से किसने कहा है?
(a) जयशंकर प्रसाद (b) रामचंद्र शुक्ल
(c) रामविलास शर्मा (d) महावीरप्रसाद द्विवेदी

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्न का सटीक उत्तर दीजिए:

साहित्यिक समन्वय से हमारा तात्पर्य साहित्य में प्रदर्शित सुख-दुख, हर्ष-विषाद, उत्थान-पतन आदि विरोधी तथा विपरीत भावों के समीकरण तथा एक आलौकिक आनंद में उनके विलीन हो जाने में है। साहित्य के किसी अंश को लेकर देखिए, सर्वत्र यही समन्वय दिखाई देगा। भारतीय नाटकों में ही सुख और दुःख के प्रबल घात-प्रतिघात दिखाए गये हैं, पर सबका अवसान आनंद में ही किया गया है। इसका प्रधान कारण यह है कि भारतीयों का ध्येय सदा से जीवन का आदर्श स्वरूप उपस्थित करके उसका उत्कर्ष बढ़ाने और उसे उन्नत बनाने का रहा है। वर्तमान स्थिति से उसका इतना संबंध नहीं है जितना भविष्य की संभाव्य उन्नति से है। हमारे यहाँ यूरोपीय ढंग के दुखांत नाटक इसीलिए दिखाई नहीं पड़ते हैं। यदि आजकल ऐसे नाटक दिखाई पड़ने लगे हैं, तो वे भारतीय आदर्श से दूर और यूरोपीय आदर्श के अनुकरण मात्र हैं।

34. भारतीय नाटकों में दिखाया गया है:
(a) केवल सुख (b) केवल दुःख
(c) सुख-दुःख का सहभाव
(d) सुख-दुःख का प्रबल प्रतिघात

35. भारतीयों का सदा से ध्येय रहा है:
(a) जीवन का केवल आदर्श रूप उपस्थित करना।
(b) जीवन का उत्कर्ष बढ़ाना।
(c) जीवन को उन्नत बनाना।
(d) जीवन का आदर्श स्वरूप उपस्थित करके, उसका उत्कर्ष बढ़ाकर उसे उन्नत बनाना।

36. सुख-दुख के प्रबल प्रतिघात का अवसान भारतीय नाटकों में किया गया है:
(a) दुखांत में (b) दुख-सुखांत में
(c) त्रासदी में (d) आनंद में

37. साहित्यिक समन्वय से अभिप्राय है:
(a) विरोधी तत्वों का सामंजस्य
(b) विरोधी तथा विपरीत तत्वों के समीकरण
(c) विरोधी तथा विपरीत तत्वों के समीकरण और अलौकिक आनंद में उनका विलीन होना
(d) विरोधी तथ्यों का केवल आनंद में विलीन होना

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

SOLUTION : PRACTICE SET-12

ANSWER KEY

1. (d)	9. (d)	17. (b)	25. (a)	33. (b)
2. (a)	10. (a)	18. (d)	26. (a)	34. (d)
3. (a)	11. (a)	19. (a)	27. (c)	35. (d)
4. (a)	12. (d)	20. (b)	28. (a)	36. (d)
5. (d)	13. (a)	21. (a)	29. (d)	37. (c)
6. (c)	14. (d)	22. (c)	30. (c)	
7. (b)	15. (d)	23. (c)	31. (d)	
8. (d)	16. (d)	24. (a)	32. (a)	

SOLUTION

1. (d)
प्रश्नगत विकल्पों में से 'ओ' मूल दीर्घ स्वर नहीं है, यह 'संयुक्त स्वर' है। स्वतंत्र रूप से उच्चरित वर्ण 'स्वर' कहलाते हैं। हिन्दी वर्णमाला में 11 स्वर हैं, जिनका वर्गीकरण निम्न है–

(1) ह्रस्व स्वर– जिन स्वरों की उत्पत्ति दूसरे स्वरों से न होकर स्वतंत्र रूप से होती है, वे 'ह्रस्व स्वर' कहलाते हैं; जैसे– अ, इ, उ, ऋ। इन्हें 'मूल स्वर'/एकमात्रिक स्वर भी कहा जाता है।

(2) दीर्घ स्वर– दो समान मूल स्वरों के योग से निर्मित स्वर 'दीर्घ स्वर' कहलाते हैं। 'आ' (अ+अ),'ई' (इ+इ), 'ऊ' (उ+उ) मूल दीर्घ स्वर हैं।

(3) संयुक्त स्वर– जब दो असमान स्वर परस्पर जुड़ते हैं, तो उनके योग से 'संयुक्त स्वरों' का निर्माण होता है। 'ए' (अ+इ), 'ऐ' (अ+ए), ओ (अ+उ), औ (अ+ओ) संयुक्त स्वर हैं।

2. (a)
'नहीं' के बाद अल्पविराम चिह्न लगना चाहिए। यथा- नहीं, कल मैं तुम्हारे घर नहीं आ सकूँगा। अतः विराम चिह्न की दृष्टि से विकल्प (a) गलत है। अन्य विकल्पों के सभी वाक्य शुद्ध हैं।

3. (a)
'रहीम' शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा है। किसी वस्तु स्थान तथा व्यक्ति के नाम से केवल उसी (एक का) बोध हो तो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- राम, सीता, गंगा आदि।

4. (a)
प्रश्नगत विकल्पों में 'उसने' अन्य पुरुष वाचक सर्वनाम का उदाहरण है।

(i) उत्तम पुरुष– बात को कहने वाला (वक्ता/लेखक) जैसे– मैं, हम, मैंने आदि।

(ii) मध्यम पुरुष– जिससे बात कही जाय (श्रोता/पाठक) जैसे– तुमने, आप, तुम आदि।

(iii) अन्य पुरुष– जिसके सम्बन्ध मे बात कही जाय। जैसे– वह, उसने, यह, ये आदि।

5. (d)
'भगवान कृपा करते हैं।' इस वाक्य में विशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है। 'यह चाँदी खोटी है' में 'खोटी', 'लखनऊवा चिकन की विदेशों में माँग है' में 'लखनऊवा' और 'जंगली जानवर आक्रामक होते हैं' में 'जंगली' एवं 'आक्रामक' शब्द विशेषण हैं।

6. (c)
राहुल काम करता है। वाक्य में अकर्मक क्रिया नहीं है। जिन क्रियाओं का व्यापार और फल कर्त्ता पर हो, तो वे 'अकर्मक क्रिया' कहलाती है। अतः दिये गये वाक्य में सकर्मक क्रिया है, क्योंकि क्रिया के व्यापार का फल कर्म पर पड़ रहा है।

7. (b)
रामू थोड़ी सी मिठाई खाओ। यहाँ थोड़ी सी शब्द मिठाई की मात्रा बता रहा है। अतः परिमाणवाचक क्रियाविशेषण है। परिमाण वाचक क्रियाविशेषण- ऐसे अविकारी शब्द जो हमें क्रिया के परिमाण या उसकी मात्रा, संख्या के बारे में बताते हैं, वे शब्द परिमाणवाचक क्रिया विशेषण कहलाते हैं। **जैसे**- तुम्हें अधिक खाना चाहिए। आप दिये गये उदाहरण में देख सकते हैं कि अधिक शब्द से हमें खाना खाने की मात्रा के बारे में पता चल रहा है।

8. (d)
कुंजड़ा-कुंजड़ी अशुद्ध है। इसका शुद्ध युग्म कुंजड़ा - कुँजड़िन होता है, शेष युग्म शुद्ध हैं।

9. (d)
पानी, प्रेम, वर्षा एकवचन एवं बहुवचन में समान रूप से प्रयोग किये जाते हैं। शब्दों के जिस रूप से किसी व्यक्ति, पदार्थ आदि के एक या अनेक होने का पता चले उसे वचन कहते हैं। इसके दो भेद होते हैं। (i) एकवचन (ii) बहुवचन।

10. (a)
वाक्य 'राम गया' में सामान्य भूतकाल है। क्रिया के जिस रूप में कार्य के करने या होने के समय का ज्ञान होता है, उसे काल कहा जाता है। काल के सामान्यतः तीन भेद तथा तीन भेदों के कई उपभेद होते हैं। तीन भेद– वर्तमानकाल, भूतकाल, भविष्यकाल।

वर्तमान काल के भेद– सामान्य वर्तमान, अपूर्ण वर्तमान (तात्कालिक), पूर्ण वर्तमान, संदिग्ध वर्तमान, संभाव्य वर्तमान काल।

भूतकाल के भेद– सामान्य भूत, आसन्न भूत, अपूर्ण भूत, पूर्ण भूत, संदिग्ध भूत एवं हेतु-हेतुमद्भूत।

भविष्यकाल के भेद – सामान्य भविष्य, सम्भाव्य भविष्य, हेतु-हेतुमद् भविष्य।

11. (a)
वाक्य 'रोगी चल नहीं सकता' का भाववाच्य में रूपांतरण 'रोगी से चला नहीं जाता' होगा। क्रिया का वह रूप जिसमें वाक्य का उद्देश्य क्रिया व्यापार का ही बोध कराए अर्थात् वाक्य में भाव की प्रधानता हो उसे भाववाच्य क्रिया कहते हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

12. (d)
'सभी चिट्ठियाँ डाक से भेजी गईं।' इस वाक्य में
डाक – करण कारक, भेजी गई- क्रिया, सभी-विशेषण तथा चिट्ठियाँ – कर्त्ता (स्त्रीलिंग शब्द) है।

13. (a)
आतुर, अतिथि और अजिर तत्सम शब्द हैं जबकि 'अटल' तद्भव शब्द है।

14. (d)
'पवित्र' शब्द में उपसर्ग नहीं है। जबकि अवतार में 'अव' उपसर्ग है। प्रकृति में 'प्र' उपसर्ग है। संभव में 'सम्' उपसर्ग है।
उपसर्ग - वह शब्दांश जो शब्द के पहले लगकर शब्द का अर्थ बदल दें।

15. (d)
चिल्लाहट शब्द में प्रत्यय 'आहट' है। 'चिल्ला' मूल शब्द है।
चिल्लाहट का अर्थ - शोर गुल, हो हल्ला।
* यहाँ आहट कृत् प्रत्यय है, तथा 'चिल्ला' कृदन्त शब्द है।

16. (d)
'अविर्भाव-विभाव' विलोमार्थी शब्द युग्मों में असंगत है। इसका संगत विलोमार्थी शब्द-युग्म 'आविर्भाव-तिरोभाव' होगा।

17. (b)
'आदि' का विलोम शब्द 'अंत' होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

18. (d)
दिये गये शब्द 'कौशल' और 'चातुर्य' का पर्यायवाची 'सुरसरिता' नहीं है। 'सुरसरिता' गंगा का पर्यायवाची है। जबकि पटुता, प्रवीणता तथा दक्षता, कौशल और चातुर्य के पर्यायवाची शब्द हैं।

19. (a)
दिए गए विकल्पों में 'जलधि-अम्बुद' पर्यायवाची युग्म सही नहीं हैं, क्योंकि जलधि 'समुद्र' का तथा अम्बुद 'बादल' का पर्यायवाची शब्द है। अन्य पर्यायवाची युग्म सही हैं।

20. (b)
अलि शब्द का अर्थ भ्रमर है जबकि 'अलि' का अर्थ सखी, सहेली होगा।

21. (a)
उपर्युक्त विकल्पों में से सही अर्थ वाला युग्म 'आकर-आकार = खान-आकृति' है। अन्य विकल्प युग्म के सही अर्थ इस प्रकार हैं–
कुल-कूल = वंश-किनारा
निर्जर-निर्झर = देवता-झरना
शर-सर = बाण-तालाब

22. (c)
आशुभाषण का अर्थ है–किसी विषय पर तत्काल बोलना।

23. (c)
'अंक में स्थान पाया हुआ' वाक्यांश के लिए एक शब्द अंकस्थ होगा।
- जिसके पास कुछ न हो- अकिंचन
- अण्डे से जन्म लेनेवाला- अंडज

24. (a)
'भोजनालय' का संधि-विच्छेद 'भोजन + आलय' होगा। यह दीर्घ स्वर संधि का उदाहरण है।

25. (a)
जिस समास का पहला पद (पूर्वपद) अव्यय तथा प्रधान हो, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं। **जैसे**- पहला पद अनु, आ, प्रति, भर, यथा, यावत, हर आदि होता है।
(पूर्वपद - अव्यय) + (उत्तरपद) = समस्त पद
प्रति + दिन = प्रतिदिन
आ + जन्म = आजन्म
हर + रोज = हररोज

26. (a)
'हम और तुम और श्याम को अवश्य जाना है' उक्त वाक्य के 'हम और तुम' वाले भाग में त्रुटि है। इसके स्थान पर 'हम, तुम' होगा। इस प्रकार शुद्ध वाक्य होगा- 'हम, तुम और श्याम को अवश्य जाना है।'

27. (c)
सहृदय, सामाजिक तथा साधारणीकरण की अवधारणा 'रस' सम्प्रदाय से सम्बद्ध है। सहृदय श्रोता तथा पाठक को कहा जाता है।

28. (a)
उपर्युक्त पंक्ति में चौपाई छन्द है। यह एक सममात्रिक छन्द है। इसके प्रत्येक चरण में 16-16 मात्राएँ होती हैं। चरण के अन्त में जगण (ISI) और तगण (SSI) का आना वर्जित है। यति प्रत्येक चरण के अन्त में होती है।

29. (d)
'इस करूणा कलित ह्रदय में, अब विकल रागिनी बजती' इस पंक्ति के 'करूणा कलित' में छेकानुप्रास अलंकार है।
छेकानुप्रास अलंकार- जहाँ अनेक व्यंजनों की एक बार आवृत्ति हो, वहाँ 'छेकानुप्रास अलंकार' होता है।
अनुप्रास अंलकार - वर्णों की आवृति को अनुप्रास कहते हैं।
इसके निम्न भेद हैं-
(1) श्रुत्यानुप्रास (2) लाटानुप्रास (3) वृत्यानुप्रास
(4) छेकानुप्रास (5) अंत्यानुप्रास

30. (c)
'खुदाबख्श' पुस्तकालय 'पटना' में स्थित है। खुदाबख्श पुस्तकालय भारत के राष्ट्रीय पुस्तकालयों में से एक है। सन् 1891 में खान बहादुर खुदाबख्श द्वारा बिहार राज्य के पटना में जनता के लिए खोला गया था। वर्तमान में यह संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त संगठन है।

31. (d)
'नौ दिन चले अढ़ाई कोस' से तात्पर्य है– अधिक परिश्रम का थोड़ा फल मिलना।

32. (a)
प्रश्नगत लोकोक्ति 'प्रभुता पाइ काहु मद नहीं' का सही अर्थ है- 'शक्ति पाने पर व्यक्ति अभिमानी हो जाता है।' 'पानी में आग लगाना' का अर्थ असंभव कार्य तथा 'फूँक कर पहाड़ उड़ाना' का भी अर्थ असंभव कार्य करना होता है।

33. (b)
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने साहित्य को 'जनता की चित्तवृत्तियों का संचित प्रतिबिंब' कहा है। इनकी प्रमुख रचनाएं- हिन्दी साहित्य का इतिहास, चिन्तामणि (निबन्ध), सूरदास, रसमीमांसा, त्रिवेणी (तीनों आलोचना) आदि हैं।

34. (d)
दिये गये गद्यांश में भारतीय नाटकों में 'सुख-दुख' का प्रबल प्रतिघात दिखाया गया है।

35. (d)
दिये गये गद्यांश के अनुसार भारतीयों का सदा से ध्येय रहा है- 'जीवन का आदर्श स्वरूप उपस्थित करके, उसका उत्कर्ष बढ़ाकर उसे उन्नत बनाना।

36. (d)
भारतीय नाटकों में सुख-दुख के प्रबल प्रतिघात का अवसान 'आनंद' में किया गया है।

37. (c)
दिये गये गद्यांश के अनुसार साहित्यिक समन्वय से अभिप्राय है- विरोधी तथा विपरीत तत्वों के समीकरण और अलौकिक आनंद में विलीन होना।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET-13

1. **इनमें से संवृत स्वर कौन-सा है?**
(a) ओ (b) ई
(c) औ (d) अ

2. **उसने मुझसे कहा "मैंने आज एक मशीन खरीदी है।" उक्त वार्तालाप में किस विराम चिह्न की कमी या त्रुटि है?**
(a) ' ' (b) " "
(c) , (d) -

3. **संज्ञा शब्द कावेरी का भेद क्या है?**
(a) व्यक्तिवाचक (b) समूहवाचक
(c) जातिवाचक (d) भाववाचक

4. **निम्नलिखित प्रश्न में , चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो उत्तम पुरुष वाचक सर्वनाम शब्द का सबसे अच्छा विकल्प है।**
(a) उनको (b) हम
(c) उन्हें (d) आपको

5. **'ऋषि' संज्ञा शब्द से विशेषण शब्द क्या बनेगा?**
(a) आर्ष (b) ऋषिकल्प
(c) ऋषितुल्य (d) ऋषिवत्

6. **यह किस क्रिया के उदाहरण हैं?**
1. 'सुरेश ने फल खरीदे।'
2. 'राम ने रावण को मारा।'
(a) अकर्मक क्रिया (b) नकारात्मक क्रिया
(c) पूर्वकालिक क्रिया (d) सकर्मक क्रिया

7. **'अभिभावकों ने बच्चे के प्रति पर्याप्त ध्यान दिया है।'- इस वाक्य में किस प्रकार के क्रियाविशेषण का प्रयोग किया है?**
(a) रीतिवाचक (b) कालवाचक
(c) स्थानवाचक (d) परिमाणवाचक

8. **किस पुल्लिंग शब्द का लिंग परिवर्तन सही नहीं है?**
(a) नायक-नायिका (b) सेवक-सेविका
(c) अनुज–अनुजा (d) संचालक–संचारिका

9. **प्रयुक्त शब्दों में से कौन-सा शब्द एकवचन नहीं है?**
(a) सत्य (b) दर्शन
(c) व्यथा (d) वर्षा

10. **'राम बाजार जा रहा है' का संदिग्ध भूतकाल में रूपांतरण क्या होगा?**
(a) राम बाजार जाएगा (b) राम बाजार गया था
(c) शायद राम बाजार जाए (d) राम बाजार गया होगा

11. **'सर्दी में उससे काम नहीं किया जाता।' इस वाक्य में वाच्य का कौन-सा प्रकार है?**
(a) कर्मवाच्य (b) कर्तृवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

12. **प्रवीण के भाई ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। उपर्युक्त वाक्य में कर्त्ता है-**
(a) प्रवीण (b) पुरस्कार
(c) भाई (d) प्रवीण का भाई

13. **निम्नलिखित में तद्भव शब्द है–**
(a) अचरज (b) अंधकार
(c) अंगरक्षक (d) आशा

14. **दिए गए शब्द का उपसर्ग ज्ञात कीजिए। अधोमुखी**
(a) अध (b) अतः
(c) अधः (d) अधो

15. **दिए गए शब्द का प्रत्यय ज्ञात कीजिए। डिबिया**
(a) बि (b) इया
(c) अया (d) डि

16. **'अल्प' का विलोम शब्द क्या है?**
(a) ज्ञान (b) कल्प
(c) स्वल्प (d) अति

17. **'सर्वज्ञ' का विलोम कौन-सा होगा?**
(a) बहुज्ञ (b) कृतज्ञ
(c) अभिज्ञ (d) अल्पज्ञ

18. **गंगा का पर्यायवाची शब्द नहीं है-**
(a) भगीरथ (b) त्रिपथगा
(c) रवितनया (d) देवनदी

19. **देह का पर्यायवाची नहीं है-**
(a) काया (b) शरीर
(c) तन
(d) लता

20. **निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'हंस' की जगह प्रयुक्त नहीं किया जा सकता है?**
(a) सूर्य (b) योगी
(c) श्वेत (d) अमृत

21. **श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द-युग्म 'आकार-आगार' का उचित अर्थ है-**
(a) आकृति-धाम (b) प्राप्ति-ज्वाला
(c) खजाना-शरीर (d) भंडार-शरीर

22. **'अंडे से जन्म लेने वाला' वाक्यांश के लिए शब्द क्या होगा?**
(a) अंडक (b) जलज
(c) अंडज (d) अंडाणु

23. **निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस सही विकल्प का चयन करें जो वाक्यांशों के लिए एक शब्द का विकल्प हो।**
आग से झुलसा हुआ

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

(a) आत्मघाती (b) अनलदग्ध
(c) अनन्य (d) यज्ञ

24. 'सत्यार्थी' शब्द का सही संधि-विच्छेद बताइए।
(a) सत + अर्थी (b) स + अत्यार्थी
(c) सत्य + अर्थी (d) सता + अर्थी

25. 'प्रतिक्षण' शब्द में कौन-सा समास है?
(a) बहुव्रीहि समास (b) अव्ययीभाव समास
(c) कर्मधारय समास (d) द्विगु समास

26. 'वह किला जिसे तुमने देखा था, वह अब खंडहर हो गया।' प्रस्तुत वाक्य में कौन-सा भाग गलत है?
(a) वह किला जिसे (b) तुमने देखा था
(c) वह अब (d) खंडहर हो गया

27. किस भाव की परिपक्व अवस्था को रस कहा जाता है?
(a) अनुभाव (b) विभाव
(c) संचारीभाव (d) स्थायीभाव

28. 'चौपाई' छंद का पूर्व रूप है :
(a) पद्धड़िया (b) पज्झटिका
(c) अरिल्ल (d) चौपई

29. जहाँ अनेक व्यंजनों की एक बार स्वरूपतः व क्रमशः आवृत्ति हो, वहाँ कौन सा अनुप्रास प्रयुक्त होता है?
(a) वक्रोक्ति (b) लाटानुप्रास
(c) वृत्यानुप्रास (d) छेकानुप्रास

30. केन्द्रीय हिंदी संस्थान का मुख्यालय कहाँ है?
(a) आगरा (b) नई दिल्ली
(c) वर्धा (d) वाराणसी

31. ''नया मुल्ला प्याज ज्यादा खाता है।''
(a) प्रारम्भ में अधिक शौक का होना
(b) मुल्ला प्याज का शौकीन होता है
(c) खाने पीने का शौकीन होना
(d) मुल्ला की प्याज प्रियता

32. 'घाट घाट का पानी पीना' लोकोक्ति का उपयुक्त अर्थ है-
(a) अनेक क्षेत्रों का अनुभव
(b) जीवन में स्थिरता का अभाव
(c) दर का भटकना
(d) परोपकार के लिए यहाँ वहाँ घूमना

33. भक्ति आंदोलन को इनमें से किस विद्वान ने 'इस्लामी आक्रमण की प्रतिक्रिया' कहा है?
(a) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (b) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(c) रामचन्द्र शुक्ल (d) हजारी प्रसाद द्विवेदी

केवल वही व्यक्ति सबकी अपेक्षा उत्तम रूप से कार्य करता है, जो पूर्णतया निःस्वार्थी है जिसे न तो धन की लालसा है, न कीर्ति की और न किसी अन्य वस्तु की ही। और मनुष्य जब ऐसा करने में समर्थ हो जाएगा तो वह भी एक बुद्ध बन जाएगा। उसके भीतर से ऐसी शक्ति प्रकट होगी, जो संसार की अवस्था को संपूर्ण रूप से परिवर्तित कर सकती है।

34. कैसा मनुष्य बुद्ध बन सकता है?
(a) जिसे घर-संसार त्यागने की इच्छा हो
(b) जिसे किसी भी वस्तु की लालसा न हो
(c) जिसे धन की लालसा न हो
(d) जो बुद्ध जैसा बनना चाहता है

35. कैसा व्यक्ति श्रेष्ठ कार्य कर सकता है?
(a) जो सक्षम है (b) जो सबल है
(c) जिसमें दया है (d) जिसमें स्वार्थ नहीं है

36. गद्यांश में किसको परिवर्तित करने की चर्चा की गई है?
(a) विश्व को (b) समाज को
(c) व्यक्ति को (d) कार्यों को

37. बुद्धत्व की प्राप्ति पर किसके प्रकटन की चर्चा की गई है?
(a) संसार की अवस्था को यथावत बनाने की शक्ति
(b) व्यक्तियों के उन्नयन की शक्ति
(c) संसार को परिवर्तित करने की शक्ति
(d) व्यक्तियों की भोग-लालसा के समापन की शक्ति

SOLUTION : PRACTICE SET- 13

ANSWER KEY

1. (b)	9. (b)	17. (d)	25. (b)	33. (c)
2. (c)	10. (d)	18. (c)	26. (c)	34. (b)
3. (a)	11. (c)	19. (d)	27. (d)	35. (d)
4. (b)	12. (d)	20. (d)	28. (d)	36. (a)
5. (a)	13. (a)	21. (a)	29. (d)	37. (c)
6. (d)	14. (c)	22. (c)	30. (a)	
7. (d)	15. (b)	23. (b)	31. (a)	
8. (d)	16. (d)	24. (c)	32. (a)	

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION

1. (b)
संवृत स्वर- संवृत स्वर या ऊँचा स्वर ऐसी स्वर ध्वनि होती है जिसमें बिना व्यंजन की ध्वनि बनाए, जिह्वा को मुंह में जितना सम्भव हो सके उतना ऊँचा और तालु से समीप रखा जाता है। उदाहरण के लिए 'ई' एक संवृत स्वर है।

विवृत स्वर- विवृत स्वर या निम्न स्वर ऐसी ध्वनि होती है जिसमें जिह्वा को मुंह में जितना सम्भव हो सके उतना नीचे और तालु से दूर रखा जाता है।

उदाहरण के लिए 'आ' एक विवृत स्वर है।

2. (c)
किसी व्यक्ति की उक्ति/कथन के पहले सदैव अल्पविराम (,) का प्रयोग किया जाता है। अल्पविराम चिह्न के प्रयोग के साथ वाक्य का शुद्ध रूप इस प्रकार होगा- उसने मुझसे कहा, ''मैंने आज एक मशीन खरीदी है''।

3. (a)
व्यक्तिवाचक संज्ञा– जिस संज्ञा शब्द से किसी विशेष वस्तु, स्थान या व्यक्ति का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसे– कावेरी, गंगा, रामायण, गीता, राम, कृष्ण, शशि, मोहन, इलाहाबाद, आदि।

4. (b)
उपर्युक्त विकल्पों में 'हम' उत्तम पुरुष वाचक सर्वनाम है।

- उत्तम पुरुष वाचक सर्वनाम – जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वक्ता स्वयं के लिए करता है उन सर्वनाम शब्दों को उत्तम पुरुष सर्वनाम कहते हैं।

जैसे– मैं, हम, मुझे, मेरा आदि।

5. (a)
ऋषि संज्ञा शब्द से विशेषण 'आर्ष' बनेगा। अन्य विकल्प ऋषिकल्प, ऋषिवत् और ऋषितुल्य विशेषण पद का निर्माण नहीं करते हैं।

6. (d)
दिए हुए प्रश्न में दोनों वाक्य 'सकर्मक क्रिया' के उदाहरण हैं।

सकर्मक क्रिया– वाक्य में जिस क्रिया के प्रयोग में कर्म की प्रधानता होती है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।

उदाहरण- (i) सुरेश ने फल खरीदे।

(ii) राम ने रावण को मारा।

7. (d)
'अभिभावकों ने बच्चे के प्रति पर्याप्त ध्यान दिया है।' इस वाक्य में 'परिमाणवाचक' क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है। जिस क्रियाविशेषण शब्द से परिमाण (नाप-तौल) का बोध होता है उसे परिमाणवाचक क्रिया विशेषण कहते हैं। **जैसे**- अधिक, कम, केवल, थोड़ा-थोड़ा, कुछ, बहुत आदि।

8. (d)
संचालक शब्द का स्त्रीलिंग संचालिका होगा। अन्य सभी विकल्प नायक-नायिका, सेवक-सेविका, अनुज-अनुजा सही हैं।

9. (b)
दिये गये विकल्पों में 'दर्शन' शब्द एकवचन नहीं है। विकल्पों के रूप में दिये गये अन्य शब्द एकवचन हैं – सत्य, व्यथा, वर्षा। दर्शन शब्द सदैव बहुवचन में प्रयुक्त होता है।

10. (d)
वाक्य 'राम बाजार जा रहा है।' का संदिग्ध भूतकाल में रूपांतरण 'राम बाजार गया होगा' है। भूतकाल के भेद 6 होते हैं।

1. सामान्य भूतकाल।	2. आसन्न भूतकाल।
3. पूर्ण भूतकाल।	4. अपूर्ण भूतकाल
5. संदिग्ध भूतकाल।	6. हेतुहेतुमद् भूत।

11. (c)
'सर्दी में उससे काम नहीं किया जाता।' इस वाक्य में 'भाववाच्य' का प्रयोग किया गया है। जिस वाक्य में वाच्य के रूप में 'भाव' की प्रधानता होती है, वह वाक्य 'भाववाच्य' का वाक्य कहलाता है। **जैसे**– उससे अब चला नहीं जाता।

12. (d)
उपर्युक्त वाक्य में कर्त्ता – 'प्रवीण का भाई' है। जिसके द्वारा कार्य किया जाता है, वह कर्त्ता कहलाता है।

13. (a)
अचरज तद्भव शब्द है।

तत्सम	**तद्भव**
आश्चर्य	अचरज
अंधकार	अंधेरा
अंगरक्षक	अँगरखा
आशा	आस

14. (c)
अधोमुखी में उपसर्ग 'अधः' होगा।

अधः का अर्थ - नीचे

अधोमुखी का वाक्य प्रयोग - उसका चेहरा अधोमुखी था।

उपसर्ग–शब्द 'उप' तथा 'सर्ग' शब्द से मिलकर बना है, जिसका अर्थ होता है समीप आकर नया शब्द बनाना अर्थात् जो शब्दांश शब्दों के आदि (शुरुआत) में जुड़कर उनके अर्थ में कुछ विशेषता लाते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।

15. (b)
डिब्बा (मूल शब्द) + इया (प्रत्यय)

दिया गया शब्द 'डिबिया' लघुतावाचक प्रत्यय है ये ऐसे प्रत्यय होते हैं। जिनसे लघुता (न्यूनतम) का बोध होता है।

16. (d)
अल्प का विलोम शब्द 'अति' होगा। अति का अर्थ अधिक होगा और अल्प का अर्थ- थोड़ा होगा। अन्य विकल्प असंगत हैं।

17. (d)
'सर्वज्ञ' का विलोम अल्पज्ञ होगा।

शब्द	**विलोम**
सर्वज्ञ	अल्पज्ञ
अभिज्ञ	अनभिज्ञ
कृतज्ञ	कृतघ्न
संकीर्ण	विस्तीर्ण

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

18. (c)
दिये गये विकल्पों में 'रवितनया' गंगा का पर्यायवाची नहीं है जबकि भगीरथ, त्रिपथगा एवं देवनदी गंगा के पर्यायवाची हैं।
यमुना के पर्यायवाची – रवितनया, कालिंदी, कालगंगा, भानुजा, अर्कजा, कृष्णा, तरणि-तनुजा आदि।
गंगा के पर्यायवाची – मंदाकिनी, देवपगा, सुरसरिता, ध्रुवनंदा, त्रिपथगा, नदीश्वरी आदि।

19. (d)
'देह' का पर्यायवाची शब्द – काया, शरीर, तन, बदन, गात्र आदि हैं। उपर्युक्त में से लता देह का पर्यायवाची शब्द नहीं है।

20. (d)
दिये गये शब्द 'हंस' की जगह 'अमृत' शब्द नहीं प्रयुक्त किया जा सकता है, जबकि– सूर्य, योगी और श्वेत हंस के पर्याय हैं।

21. (a)
दिये गये शब्द-युग्म 'आकार-आगार' का उचित अर्थ 'आकृति-धाम' है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

22. (c)
'अंडे से जन्म लेने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'अंडज' होगा, जबकि जो जल से उत्पन्न हो- जलज

23. (b)
'आग से झुलसा हुआ' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'अनलदग्ध' होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

24. (c)
'सत्यार्थी' शब्द का सन्धि विच्छेद 'सत्य + अर्थी' होगा। यह दीर्घ स्वर सन्धि का उदाहरण है। यदि अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, और ऋ के बाद वे ही ह्रस्व और दीर्घ स्वर आये, तो दोनों मिलकर क्रमशः आ, ई, ऊ और ऋ हो जाते हैं। जैसे-
विद्या + अर्थी = विद्यार्थी
शिव + आलय = शिवालय

25. (b)
प्रतिक्षण में अव्ययीभाव समास होगा। **अव्ययीभाव समास**- वह समास जिसका विग्रह करने पर प्रथम पद अव्यय होता है अव्ययीभाव समास कहलाता है। **जैसे**– यथाशक्ति, प्रतिदिन आदि।

26. (c)
दिये गये वाक्य 'वह किला जिसे तुमने देखा था, वह अब खंडहर हो गया' में 'वह अब' वाले भाग में त्रुटि है। यहाँ 'वह अब' के स्थान पर 'अब' का प्रयोग उपयुक्त होगा। इस प्रकार शुद्ध वाक्य होगा-
वह किला जिसे तुमने देखा था, अब खंडहर हो गया।

27. (d)
स्थायीभाव की परिपक्व अवस्था को रस कहा जाता है। स्थायी भाव ही रस का आधार है। स्थायीभाव की संख्या नौ मानी गई है। एक रस में मूलतः एक ही स्थायीभाव होता है, जो काव्य के शुरू से आखिर तक होता है। परन्तु भरतमुनि ने स्थायीभावों की संख्या आठ मानी है। स्थायी भाव विभाव अनुभाव एवं संचारी भाव के संयोग से ही किसी रस की निष्पत्ति होती है।

28. (d)
चौपाई छंद का पूर्व रूप **चौपई** है। अपभ्रंश तथा अवहट्ठ में चौपाई को **चउपई** कहा जाता है। अपभ्रंश तथा अवहट्ट में चउपई (चौपाई) 15 मात्राओं का छन्द होता था जबकि आधुनिक चौपाई 16 मात्राओं का छन्द है तथा अरिल्ल (अडिल्ल) में सोलह (16) मात्राएँ एवं पद्धरि में भी सोलह (16) मात्राएँ होती हैं।

29. (d)
जहाँ अनेक व्यंजनों की एक बार स्वरूपतः व क्रमशः आवृत्ति हो, वहाँ 'छेकानुप्रास' होता है।
जैसे– रीझि रीझि रहसि रहसि हँसि हँसि उठै,
साँसै भरि आँसू भरि कहत दई दई।।
लाटानुप्रास– जहाँ एक शब्द या वाक्य खण्ड की आवृत्ति उसी अर्थ में हो, पर तात्पर्य में भेद हो, वहाँ 'लाटानुप्रास' होता है।
जैसे– राम हृदय जाके नहीं, बिपति सुमंगल ताहि
राम हृदय जाके, नहीं बिपति सुमंगल ताहि।
वृत्यानुप्रास–जहाँ वृत्ति के अनुसार एक या अनेक वर्णों की अनेक बार आवृत्ति होती है, वहाँ 'वृत्यानुप्रास' होता है।
जैसे– सेस महेस गनेस दिनेस सुरेसहुँ जाहि निरन्तर गावै।
वक्रोक्ति अलंकार– जहाँ पर वक्ता के कथन का श्रोता द्वारा वक्ता के अभिप्रेत आशय से श्लेष अथवा काकु उक्ति से भिन्न अर्थ लगाया जाय, वहाँ 'वक्रोक्ति अलंकार' होता है।
जैसे– मैं सुकुमारि नाथ बन जोगू।
तुमहि उचित तप मो कह भोगू।।

30. (a)
केन्द्रीय हिन्दी संस्थान भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन एक उच्चतर शैक्षणिक एवं शोध संस्थान है। इसका मुख्यालय आगरा में एवं इसकी स्थापना 1960 ई. में हुई थी।

31. (a)
नया मुल्ला प्याज ज्यादा खाता है लोकोक्ति का अर्थ है-'प्रारंभ में अधिक शौक का होना'। अन्य तीनों विकल्प असंगत हैं।

32. (a)
'घाट – घाट का पानी पीना' का अर्थ अनेक क्षेत्रों का अनुभव या संसार का अनुभव प्राप्त करना। **वाक्य प्रयोग –** मुझे किसी मामले में कम मत आँको, मैंने भी घाट–घाट का पानी पिया है।

33. (c)
रामचन्द्र शुक्ल ने भक्ति आन्दोलन के प्रारम्भ को 'इस्लामी आक्रमण की प्रतिक्रिया' कहा है।

34. (b)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार वही मनुष्य बुद्ध बन सकता है, जो पूर्णतया निःस्वार्थी है जिसे न तो धन की लालसा है, न कीर्ति की और न किसी अन्य वस्तु की। अतः इसका तात्पर्य है कि जिसे किसी भी वस्तु की लालसा न हो।

35. (d)
दिये गये गद्यांश के अनुसार जो व्यक्ति निःस्वार्थी है वही श्रेष्ठ कार्य कर सकता है।

36. (a)
गद्यांश में 'विश्व' को परिवर्तित करने की चर्चा की गई है।

37. (c)
गद्यांश के अनुसार बुद्धत्व की प्राप्ति पर संसार को परिवर्तित करने की शक्ति की चर्चा की गई है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-14

1. हिंदी स्वरों का वर्गीकरण जब जीभ के भाग के आधार पर किया जाता है तो निम्नलिखित में से कौन सा भेद इसके अंतर्गत नहीं आएगा?
(a) अग्र स्वर (b) मध्य स्वर
(c) पश्च स्वर (d) विवृत स्वर

2. हिन्दी में अल्प-विराम का चिह्न है–
(a) ? (b) !
(c) । (d) ,

3. निम्न में संज्ञा शब्द है –
(a) गंगा (b) पुराना
(c) नीला (d) मोटा

4. इनमें से कौन-सा पुरुषवाचक सर्वनाम से संबंधित नहीं है?
(a) हम (b) तू
(c) कोई (d) मैं

5. इनमें कौन सा युग्म विशेषण नहीं है?
(a) छोटा-बड़ा (b) हरा-पीला
(c) दो-तीन (d) राम-लक्ष्मण

6. निम्न में से किस विकल्प में सकर्मक क्रिया का प्रयोग हुआ है?
(a) सिपाही तेज दौड़ता है।
(b) सिपाही युद्ध में लड़ता है।
(c) सिपाही चोर को पकड़ता है।
(d) सिपाही बहुत कम सोता है।

7. 'मैं आपके विचारों से अंशतः सहमत हूँ।'-इस वाक्य में किस प्रकार के क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है?
(a) कालवाचक
(b) रीतिवाचक
(c) स्थानवाचक
(d) परिमाणवाचक

8. निम्न में से कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग नहीं है?
(a) यामा (b) योजना
(c) भिक्षा (d) संबल

9. किस वाक्य में एकवचन का प्रयोग हुआ है?
(a) लड़के लड़कों को मार रहे हैं।
(b) लड़कों ने लड़कों को मारा।
(c) लड़के ने लड़के को मारा।
(d) लड़के लड़के को मार रहे हैं।

10. बांसुरी बज रही थी। यह वाक्य किस काल का उदाहरण है?
(a) पूर्ण वर्तमान (b) सामान्यभूत
(c) अपूर्णभूत (d) अपूर्ण वर्तमान

11. जब वाक्य की क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष, कर्ता अथवा कर्म के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार न होकर एकवचन, पुल्लिंग तथा अन्य पुरुष हों तब वाक्य में कौन- सा वाच्य होता है?
(a) कर्मवाच्य (b) कर्तृवाच्य
(c) भाव वाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

12. 'ने' किस कारक का चिह्न है?
(a) कर्त्ता (b) कर्म
(c) करण (d) संप्रदान

13. निम्नलिखित में से कौन-सा तद्भव शब्द है?
(a) इष्टिका (b) कुपुत्र
(c) अमिय (d) उलूक

14. दिए गए शब्द का उपसर्ग ज्ञात कीजिए।
दुराशा
(a) दुर् (b) द्र
(c) दूर (d) दुरा

15. दिए गए शब्द का प्रत्यय ज्ञात कीजिए।
सुनार
(a) आर (b) नार
(c) अर (d) र

16. इनमें से विलोम-शब्दों का सही युग्म है-
(a) आकुंचन-प्रसारण (b) अल्पज्ञ-अवज्ञ
(c) सन्मुख-उन्मुख (d) स्थावर-चंचल

17. 'व्याप्त' शब्द का विलोम कौन-सा होगा?
(a) अव्यक्त (b) अव्यापक
(c) अव्याप्त (d) अव्याप्य

18. निम्न में से 'पक्षी' शब्द का पर्यायवाची नहीं है:
(a) विहंग (b) गाछ (c) खग (d) शकुन्त

19. 'दुर्जन' का पर्यायवाची शब्द है-
(a) शठ
(b) कपटी
(c) कंजूस
(d) दरिद्र

20. इनमें से कौन-सा शब्द 'वन' शब्द का अर्थ नहीं है?
(a) पानी (b) जंगल
(c) जीत (d) वाटिका

21. निम्न में से कौन सा 'आधि-व्याधि' शब्द युग्म में आधि का अर्थ है?
(a) मानसिक कष्ट (b) आधा
(c) पागलपन (d) अधकपारी जैसे रोग

22. 'जिसे वचन द्वारा व्यक्त नहीं किया जा सके' वाक्यांश के लिए उचित शब्द क्या होगा?
(a) अनुकरणीय (b) अलौकिक
(c) अनिवार्य (d) अनिर्वचनीय

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

23. 'दोपहर के बाद का समय' इस वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द लिखिए।

(a) पूर्वाह्न (b) मध्याह्न
(c) अपराह्न (d) विहान

24. निम्नलिखित में से सही संधि विच्छेद का चयन कीजिए:

(a) पत्र + अलय (b) मरण + असन्न
(c) वीर + अंगना (d) यथा + आर्थ

25. 'यथारुचि' में कौन-सा समास है?

(a) अव्ययीभाव (b) तत्पुरुष
(c) बहुब्रीहि (d) द्वंद्व

26. 'तुम रात को कहानी सुनाई।' उक्त वाक्य में कौन-सा भाग गलत है?

(a) तुम (b) रात को
(c) कहानी (d) सुनाई

27. स्थायी भावों की संख्या मानी गई है-

(a) तीन (b) चार
(c) आठ (d) नौ

28. वह सम मात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 24-24 मात्रायें हों तथा प्रत्येक चरण में 11वीं एवं 13वीं मात्रा पर यति होती हो, कौन-सा छंद कहा जायेगा?

(a) रोला (b) सोरठा
(c) सवैया (d) कवित्त

29. ''कंकन, किंकिनि, नूपुर, धुनि, सुनि'' – इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(a) अंत्यनुप्रास अलंकार (b) लाटानुप्रास अलंकार
(c) श्रुत्यनुप्रास अलंकार (d) वृत्यानुप्रास अलंकार

30. केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान किस विभाग के तहत कार्यरत है?

(a) राजभाषा विभाग (b) उच्चतर शिक्षा विभाग
(c) विधायी विभाग (d) साहित्य अकादमी

31. जहाँ न पहुँचे रवि, वहां पहुँचे कवि –

(a) कवि बहुत तर्कशील होते हैं
(b) कवि बहुत भाव प्रवण होते हैं
(c) कवि बहुत विचारशील होते हैं
(d) कवि बहुत कल्पनाशील होते हैं

32. ''गुण के विपरीत नाम'' इसके अर्थ को दर्शाती उपयुक्त लोकोक्ति का चयन कीजिए।

(a) आँख का अंधा नाम नयनसुख
(b) आँख के अंधे गाँठ के पूरे
(c) अंधों में काना राजा
(d) अपना हाथ जगन्नाथ

33. हिंदी साहित्येतिहास का प्रथम लेखक किसे माना जाता है?

(a) गार्सा-द-तासी (b) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(c) ग्रियर्सन (d) श्यामसुंदर दास

नीचे दिए गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्न का सर्वाधिक उचित विकल्प का चयन कीजिए-

अपने देश में नवीन राष्ट्र के निर्माण का कार्य भी विवेकानन्द आरंभ कर गए। व्यक्तियों के समष्टि को राष्ट्र कहते हैं। सच्चे मनुष्यों का निर्माण हुए बिना स्वाधीन और बलवान राष्ट्र का जन्म नहीं हो सकता। इसलिए उन्होंने कहा था, ''मानव-निर्माण ही मेरा लक्ष्य है।' तत्पश्चात् सच्चे मनुष्य के निर्माण के लिए उन्होंने किसी वर्ग विशेष की ओर अपनी दृष्टि केन्द्रित न करके समग्र समाज की ओर ध्यान दिया।

34. स्वामी विवेकानंद का जीवन लक्ष्य था –

(a) व्यक्तित्व-निर्माण (b) मानव-निर्माण
(c) समाज-निर्माण (d) समुदाय-निर्माण

35. व्यक्तियों के समूह को ______ कहते हैं।

(a) परिवार (b) समाज
(c) समुदाय (d) राष्ट्र

36. विवेकानंद कैसा राष्ट्र चाहते थे?

(a) विस्तृत एवं स्वतंत्र (b) स्वतंत्र एवं सामाजिक
(c) सामाजिक एवं सशक्त (d) सशक्त एवं स्वतंत्र

37. विवेकानंद जी ने मानव-निर्माण के लिए –

(a) वर्ग विशेष को चुना
(b) जाति विशेष को चुना
(c) समस्त समाज को चुना
(d) धर्म विशेष को चुना

SOLUTION : PRACTICE SET-14

ANSWER KEY

1. (d)	9. (c)	17. (c)	25. (a)	33. (a)
2. (d)	10. (c)	18. (b)	26. (a)	34. (b)
3. (a)	11. (c)	19. (c)	27. (d)	35. (d)
4. (c)	12. (a)	20. (c)	28. (a)	36. (d)
5. (d)	13. (c)	21. (a)	29. (d)	37. (c)
6. (c)	14. (a)	22. (d)	30. (a)	
7. (d)	15. (a)	23. (c)	31. (d)	
8. (d)	16. (a)	24. (c)	32. (a)	

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION

1. (d)
'विवृत स्वर' जीभ के भाग के आधार पर हिन्दी स्वरों के अन्तर्गत नहीं आता है। जिह्वा के उत्थापित होने या उसकी क्रियाशीलता के आधार पर स्वर तीन प्रकर के होते हैं।
(1) अग्र स्वर (2) मध्य स्वर (3) पश्च स्वर।
विवृत स्वर वे स्वर हैं जिनके उच्चारण में मुख द्वार पूरा खुलता है।
जैसे- आ।
मुख द्वार के खुलने के आधार पर स्वर चार प्रकार के होते हैं–
(1) विवृत (2) अर्ध विवृत (3) अर्ध संवृत (4) संवृत।

2. (d)
दिये गये विकल्पों में से विकल्प (d) अल्पविराम का चिह्न है। अल्पविराम चिह्न का प्रयोग बहुत कम ठहराव के लिये किया जाता है। अल्पविराम चिह्न के प्रयोग से सम्बन्धित कुछ निम्नलिखित स्थितियाँ हैं

1. वाक्य के बीच में प्रयुक्त पर, इसी से, इसलिये, किन्तु, परन्तु, क्योंकि, जिससे, तथापि अव्ययों से पूर्व अल्पविराम चिह्न लगाया जाता है।
2. सम्बोधन कारक की संज्ञा या सम्बोधन शब्दों के पश्चात् इसका प्रयोग होता है।
3. जिस वाक्य में वह, यह, तब, तो, या, अब इत्यादि का लोप हो, वहाँ अल्पविराम चिह्न का प्रयोग करते हैं। जैसे– कहना था सो कह दिया, तुम जानो। (यहाँ 'अब' पद लुप्त है)
4. जहाँ शब्दों की पुनरावृत्ति की जाये और भावातिरेक में उन पर विशेष बल दिया जाये, वहाँ अल्पविराम का चिह्न प्रयुक्त होता है। जैसे– सुनो, सुनो, वह गा रही है।

3. (a)
किसी वस्तु, प्राणी, स्थान,...... आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं। संज्ञा के पाँच प्रकार होते हैं–
1. व्यक्तिवाचक संज्ञा- राम, गंगा, पटना..... आदि।
2. जातिवाचक संज्ञा –नदी, पर्वत, देश, महासागर .... आदि।
3. द्रव्यवाचक संज्ञा –सोना, चाँदी, तेल, पानी, घी..... आदि।
4. समूहवाचक संज्ञा – झुंड, वर्ग, आयोग, पुलिस, सेना, परिवार..... आदि।
5.भाववाचक संज्ञा – मिठास, बुढ़ापा, नारीत्व, भोलापन, दया..... आदि।

4. (c)
दिये गये विकल्पों में 'कोई' सार्वनामिक दृष्टि से पुरुषवाचक सर्वनाम से संबंधित नहीं है। 'कोई' सार्वनामिक दृष्टि से अनिश्चयवाचक सर्वनाम का परसर्ग है। 'मैं' और 'हम' उत्तम पुरुष तथा 'तू' मध्यम पुरुष सर्वनाम है।

5. (d)
दिये गये विकल्पों में राम-लक्ष्मण युग्म विशेषण नहीं है जबकि छोटा-बड़ा, हरा-पीला गुणवाचक विशेषण शब्द युग्म और दो-तीन संख्यावाचक विशेषण शब्द युग्म हैं।

6. (c)
दिये गये वाक्य 'सिपाही चोर को पकड़ता है' में सकर्मक क्रिया है। सकर्मक क्रिया उसे कहते हैं, जिसका कर्म हो या जिसके साथ कर्म की संभावना हो, अर्थात् जिस क्रिया के व्यापार का संचालन तो कर्त्ता से हो,पर जिसका फल या प्रभाव किसी दूसरे व्यक्ति या वस्तु अर्थात् कर्म पर पड़े। जैसे– श्याम आम खाता है। इस वाक्य में 'श्याम' कर्त्ता है, खाने के साथ उसका कर्तृरूप से सम्बन्ध हैं।

7. (d)
'मैं' आपके विचारों से अंशतः सहमत हूँ वाक्य में 'परिमाणवाचक क्रिया विशेषण' है। परिमाणवाचक वाक्य में परिमाण अंशतः (शब्द) से बोध होता है।

8. (d)
संबल शब्द स्त्रीलिंग नहीं है, जबकि यामा, योजना, भिक्षा, स्त्रीलिंग शब्द हैं।

9. (c)
'लड़के ने लड़के को मारा' वाक्य में एकवचन संज्ञा का प्रयोग हुआ है जबकि अन्य विकल्प बहुवचन में हैं।

10. (c)
'बांसुरी बज रही थी।' यह वाक्य 'अपूर्णभूत' काल का उदाहरण है। 'जिस क्रिया से यह ज्ञात हो, कि क्रिया भूतकाल में हो रही थी, किन्तु वक्ता को क्रिया की समाप्ति का बोध नहीं हो पा रहा था। ऐसी क्रियाएँ अपूर्णभूत कालिक क्रियाएँ कहलाती हैं।'
जैसे- सुरेश गाना गा रहा था।
राधिका नाच रही थी।

11. (c)
जब वाक्य की क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष, कर्ता अथवा कर्म के लिंग वचन और पुरुष के अनुसार न होकर एक वचन, पुल्लिंग तथा अन्य पुरुष हों तब वाक्य में ' भाववाच्य' होता है। भाववाच्य के वाक्यों में कर्ता अथवा कर्म की नहीं बल्कि भाव की प्रधानता होती है।

12. (a)
संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से क्रिया के करने वाले का बोध होता है, उसे कर्त्ता कारक कहते हैं। इसका कारक चिह्न 'ने' होता है। जैसे– राहुल ने चोर को पकड़ा।

कारक	**विभक्तियाँ/चिह्न**
कर्त्ता	ने
कर्म	को
करण	से, के द्वारा
सम्प्रदान	को, के लिए, हेतु
अपादान	से (अलग होने के अर्थ में)
सम्बन्ध	का, के, की, रा, री, रे
अधिकरण	में, पर, विषय में
सम्बोधन	हे!, अरे!, ओ!, हाय!

13. (c)
अमिय तद्भव शब्द है। इष्टिका, कुपुत्र, उलूक तत्सम शब्द हैं। अमिय का तत्सम 'अमृत' होता है जबकि बाकी तीन के तद्भव क्रमशः ईंट, कपूत और उल्लू होता है।

14. (a)
'दुराशा' शब्द में 'आशा' मूल शब्द 'दुर' उपसर्ग के प्रयोग से मिलकर बना शब्द है। 'दुर्' का अर्थ बुरा होता है।

15. (a)
सोना + आर = सुनार
अतः सुनार में 'आर' प्रत्यय और 'सोना' मूल शब्द है।
प्रत्यय → वे शब्दांश हैं जो दूसरे शब्दों के अन्त में जुड़कर, अपनी प्रकृति के अनुसार, शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं।

16. (a)
दिये गये विकल्पों में 'आकुंचन-प्रसारण' विलोम-शब्दों का सही युग्म है। विकल्पों में दिये गये अन्य विलोम-शब्दों के सही युग्म इस प्रकार हैं–

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

शब्द		विलोम
सन्मुख	–	विमुख
अल्पज्ञ	–	बहुज्ञ
स्थावर	–	जंगम

17. (c)
'व्याप्त' शब्द का विलोम शब्द 'अव्याप्त' होगा। अन्य विकल्प त्रुटिपूर्ण हैं।

शब्द	विलोम
ईहा	अनीहा
अपेक्षा	उपेक्षा
इष्ट	अनिष्ट
उद्धत	विनीत

18. (b)
पक्षी के पर्यायवाची शब्द–पतंग, पक्षी, खग, विहग परिन्दा, चिड़िया, गगनचर, पखेरू, विहंग, शकुन्त, अण्डज, खेचर आदि है, जबकि गाद्य पक्षी का पर्यायवाची नहीं है। गाछ के पर्यायवाची- द्रुम, वृक्ष, पेड़, पादप, विटप, तरु होता है।

19. (c)
'कंजूस' शब्द 'दुर्जन' का पर्यायवाची शब्द नहीं है। दुर्जन के पर्यायवाची शब्द – शठ, कपटी, खल, दुष्ट आदि हैं।

20. (c)
'वन' का अर्थ 'जीत' शब्द नहीं है। जबकि जंगल, वाटिका, पानी इसके अभिन्न अर्थ होते हैं।

21. (a)
'आधि' का अर्थ 'मानसिक कष्ट' होता है, जबकि व्याधि का अर्थ 'रोग, बीमारी, पीड़ा' आदि होता है। **उदाहरण** -गाँव के लोग आधि-व्याधि से पीड़ित हैं।

22. (d)
'जिसे वचन द्वारा व्यक्त नहीं किया जा सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'अनिर्वचनीय' होगा।

- नकल करने योग्य - अनुकरणीय
- जो इस लोक में सम्भव न हो- अलौकिक
- जिसका निवारण न हो सकता हो- अनिवार्य

23. (c)
'दोपहर के बाद का समय' इस वाक्यांश के लिए 'अपराह्न' शब्द उपयुक्त होगा।
दोपहर के पहले का समय– पूर्वाह्न
दोपहर का समय– मध्याह्न

24. (c)
निम्नलिखित में 'वीर + अंगना' = वीरांगना सही सन्धि विच्छेद होगा। यह दीर्घ स्वर सन्धि का उदाहरण है।
अन्य विकल्पों के शुद्ध सन्धि विच्छेद इस प्रकार होंगे-
पत्र + आलय - पत्रालय (दीर्घ स्वर सन्धि)
मरण + आसन्न- मरणासन्न (दीर्घ स्वर सन्धि)
यथा + अर्थ - यथार्थ (दीर्घ स्वर सन्धि)

25. (a)
'यथारुचि' में 'अव्ययीभाव समास' है। इस समास में पहला पद प्रधान होता है और सामासिक पद अव्यय होता है।
उदाहरण–यथाशक्ति, आजीवन, आमरण, भरपेट, यथारूप आदि।

26. (a)
'तुम रात को कहानी सुनाई' वाक्य में 'तुम' वाले भाग में त्रुटि है। यहाँ 'तुम' के स्थान पर 'तुमने' का प्रयोग उचित होगा। इस प्रकार शुद्ध वाक्य होगा- तुमने रात को कहानी सुनाई।

27. (d)
स्थायी भाव का अर्थ 'प्रधान भाव' है ,जो विभाव, अनुभाव एवं संचारी भावों के संयोग से रस की अवस्था तक पहुँचता है। काव्य या नाटक में एक स्थायी भाव शुरू से अन्त तक होता है। स्थायी भावों की संख्या **नौ** मानी गयी। ये स्थायी भाव ही रस के आधार हैं। भरतमुनि स्थायीभावों की संख्या 8 मानते हैं।

1. रति	5. उत्साह
2. हास	6. भय
3. शोक	7. जुगुप्सा
4. क्रोध	8. विस्मय

नोट-आचार्य उद्भट्ट ने 'निर्वेद' को भी स्थायी भावों का एक प्रकार माना है। इस प्रकार स्थायी भावों की कुल संख्या 9 है।

28. (a)
रोला सममात्रिक छंद है; जिसके प्रत्येक चरण में 24-24 मात्राएँ एवं 11 व 13 मात्रा पर यति होती है। प्रत्येक चरण के अंत में दो गुरु या दो लघु वर्ण होते हैं। दो-दो चरणों में तुक आवश्यक है।

29. (d)
'कंकन, किंकिनि, नूपुर, धुनि, सुनि' इस पंक्ति में वृत्यानुप्रास अलंकार है। जहाँ एक या अनेक वर्णों की अनेक बार आवृत्ति हो वहाँ वृत्यानुप्रास अलंकार होता है। **जैसे**- ''चारु चंद्र की चंचल किरणें, खेल रही थी जल-थल में।''

30. (a)
केन्द्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान राजभाषा विभाग के तहत कार्यरत है। राजभाषा विभाग भारत सरकार के अधीन (गृह मंत्रालय के अधीन) एक विभाग है। राजभाषा से संबंधित विधिक एवं संवैधानिक प्रावधानों के अनुपालन तथा संघ के कार्यालयी प्रयोजनों के लिए हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए जून 1965 में गृहमंत्रालय में एक स्वतंत्र विभाग के रूप में राजभाषा विभाग की स्थापना की गयी थी।

31. (d)
'जहाँ न पहुँचे रवि, वहाँ पहुँचे कवि' अर्थात् सूर्य की किरणें जहाँ नहीं पहुँचती वहाँ कवि की कल्पना पहुँचती है। अतः विकल्प 'कवि बहुत कल्पनाशील होते हैं' सही है।

32. (a)
'गुण के विपरीत नाम' इस अर्थ को दर्शाने वाली लोकोक्ति है– 'आँख का अंधा नाम नयन सुख'। 'आँख के अंधे गाँठ के पूरे' लोकोक्ति का अर्थ है– 'मूर्ख धनवान', 'अंधों में काना राजा' लोकोक्ति का अर्थ है– 'मूर्खों में अल्पज्ञ (थोड़ा जानकार)' तथा 'अपना हाथ जगन्नाथ' लोकोक्ति का अर्थ होता है– 'अपना किया हुआ लाभदायक होता है'।

33. (a)
हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखने का प्रथम प्रयास 'गार्सा-द-तासी' ने किया। ये फ्राँस के विद्वान थे। इन्होंने हिन्दी साहित्य का इतिहास सर्वप्रथम लिखने का प्रयास किया। इनकी पुस्तक 'इस्त्वार द ला लितरेत्यूर ऐन्दुई ऐ ऐन्दुस्तानी' है।

34. (b)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार- स्वामी विवेकानन्द के जीवन का लक्ष्य मानव निर्माण था।

35. (d)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार-व्यक्तियों के समूह को राष्ट्र कहते हैं।

36. (d)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार- विवेकानंद सशक्त एवं स्वतंत्र राष्ट्र चाहते थे।

37. (c)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार- विवेकानंद जी ने मानव-निर्माण के लिए समस्त समाज को चुना।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-15

1. अर्द्ध विवृत स्वर है –

(a) ऊ (b) ऐ
(c) आ (d) ए

2. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो विराम चिह्न युक्त वाक्य का सही विकल्प हो।

(a) राम ऑफिस से सीधे घर पहुँचा-हाथ धोकर खाना खाया-फिर खेल खेलकर सो गया।
(b) राम ऑफिस से सीधे घर पहुँचा; हाथ धोकर खाना खाया; फिर खेल खेलकर सो गया।
(c) राम ऑफिस से सीधे घर पहुँचा हाथ धोकर खाना खाया फिर खेल खेलकर सो गया।
(d) राम ऑफिस से सीधे घर पहुँचाः हाथ धोकर खाना खाया, फिर खेल खेलकर सो गया

3. राकेश, रमेश, सीता, श्याम, हिन्दुस्तान में कौन-सी संज्ञा है?

(a) जातिवाचक (b) भाववाचक
(c) व्यक्तिवाचक (d) समूहावाचक

4. पुरुषवाचक सर्वनाम के कितने भेद होते हैं?

(a) तीन (b) दो
(c) चार (d) सात

5. निम्नलिखित में से कौन शब्द विशेषण नहीं है?

(a) उत्कृष्ट (b) निकृष्ट
(c) धृष्ट (d) विषाद

6. 'राम सेब खाता है।' इस वाक्य में क्रिया का कौन-सा प्रकार है?

(a) पूर्वकालिक क्रिया (b) सकर्मक क्रिया
(c) अकर्मक क्रिया (d) अनेकार्थक क्रिया

7. 'मंत्री जी ने हड़ताल कर रहे श्रमिकों की समस्याओं को सुनने के लिए पर्याप्त समय दिया।' - इस वाक्य में किस प्रकार के क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है?

(a) रीतिवाचक
(b) कालवाचक
(c) परिमाणवाचक
(d) स्थानवाचक

8. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द पुल्लिंग है?

(a) बात (b) रात
(c) आय (d) व्यय

9. निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा वचन का जोड़ा सही नहीं है?

(a) सोना-सोना (b) धेनु-धुनुएँ
(c) छात्र–छात्रगण (d) आटा-आटे

10. 'मैंने आम खाया है' वाक्य इनमें से किसका उदाहरण है?

(a) अपूर्णभूत का (b) संदिग्धभूत का
(c) आसन्नभूत का (d) सामान्यभूत का

11. निम्न में भाव वाच्य का उदाहरण है–

I. उससे बैठा नहीं जाता।
II. राम से खाया नहीं जाता।
III. राम पत्र लिखता है।
IV. सीता पुस्तक पढ़ती है।

(a) I, II एवं IV (b) I एवं II
(c) I, II एवं III (d) I, II, III एवं IV

12. 'उसने टेढ़ी चाल चली' वाक्य में कौन-सा कारक है?

(a) कर्म कारक (b) सम्बन्ध कारक
(c) अधिकरण कारक (d) कर्त्ता कारक

13. 'अकार्य' शब्द का तद्भव रूप है

(a) अकाम (b) अकाज
(c) अकारथ (d) इनमें से कोई नहीं

14. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो उपसर्ग से बने शब्द का सही विकल्प नहीं हो।

(a) सुहावना (b) परिचय
(c) सफल (d) आग्रह

15. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो प्रत्यय से बने शब्द का सही विकल्प हो।

(a) अलगरज (b) गँवार
(c) चौराहा (d) नास्तिक

16. इनमें से विलोम शब्दों का एक सही युग्म है-

(a) आपत्ति - विपत्ति
(b) अवर्षण – अनावर्षण
(c) गणतन्त्र – जनतन्त्र
(d) आदृत – तिरस्कृत

17. 'विज्ञ का विलोम कौन-सा होगा?

(a) प्रज्ञ (b) सुविज्ञ
(c) अविज्ञ (d) अज्ञ

18. चंद्रमा रात्रि की शोभा बढ़ाता है।

(a) अंशुमाली (b) सुधांशु
(c) प्रभाकर (d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं

19. 'प्रत्युत्पन्नमति' का अर्थ हैः

(a) उल्टी खोपड़ी (b) सहनशील
(c) तत्परबुद्धि (d) मंदबुद्धि

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

20. निम्न में कौन सा शब्द अनेकार्थी है?
(a) अर्थ (b) अनुरोध
(c) अपराध (d) अधिक

21. 'इति-ईति' का सही अर्थ भेद है:
(a) पूर्णता - इच्छा (b) समाप्ति - विघ्न
(c) प्रारंभ - विश्वास (d) पीड़ा - समापन

22. नीचे दिए वाक्यांश के लिए उचित शब्द दिए गए विकल्पों में से चुनिए-
जो सबके आगे रहता हो
(a) अग्रिम (b) अग्रज
(c) अग्रगण्य (d) अग्रणी

23. 'जिस पर आक्रमण न किया गया हो' - इस वाक्यांश के लिए सही शब्द कौन-सा है?
(a) जीवट (b) भयानक
(c) अछूता (d) अनाक्रांत

24. 'अभीष्ट' का सही संधि-विग्रह है :
(a) अभि + ईष्ट (b) अभी + ईष्ट
(c) अभी + इष्ट (d) अभि + इष्ट

25. 'यथासमय' शब्द में कौन-सा समास है?
(a) कर्मधारय समास
(b) बहुव्रीहि समास
(c) द्विगु समास
(d) अव्ययीभाव समास

26. व्याकरण की दृष्टि से निम्न में से कौन सा शुद्ध वाक्य है?
(a) उसे अनुत्तीर्ण होने की आशंका है।
(b) उसे अनुत्तीर्ण होने का शक है।
(c) उसे अनुत्तीर्ण होन की आशा है।
(d) उसे अनुत्तीर्ण होने का संशय है।

27. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' कहने वाले आचार्य हैं–
(a) मम्मट (b) विश्वनाथ
(c) भरत (d) राजशेखर

28. हरिगीतिका छंद में कितनी मात्राएं होती हैं?
(a) 27 (b) 24
(c) 28 (d) 30

29. ''तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए।
झुके कूल सो जल परमन हित मनहुँ सुहाए।।''
उपर्युक्त पक्तियों में अलंकार है –
(a) उत्प्रेक्षा (b) वृत्यानुप्रास
(c) शब्दार्थालंकार (d) स्वाभावोक्ति

30. इनमें एक शब्द का अर्थ है- 'फाइल':
(a) मिसिल (b) मसला
(c) मसाला (d) मशाल

31. 'जमात में करामात' का अर्थ है-
(a) भीड़ में रहने वाले लोग कुछ न कुछ गड़बड़ी करते हैं
(b) भीड़ में लोग बहुत अच्छे होते हैं
(c) भीड़ में रहकर ही अच्छा काम किया जा सकता है
(d) इनमें से कोई नहीं

32. 'गुड़ ना दे, गुड़ की ....' इस लोकोक्ति को उचित विकल्प से पूर्ण कीजिए।
(a) रोष तो करे
(b) लड़ाई तो करे
(c) सी बात तो करे
(d) राज तो करे

33. 'हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' किसने लिखा?
(a) रामकुमार वर्मा
(b) डॉ. नगेन्द्र
(c) राहुल सांकृत्यायन
(d) महावीर प्रसाद द्विवेदी

नीचे दिए गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्न का सर्वाधिक उचित विकल्प का चयन कीजिए।
यह कहीं ज्यादा अच्छा होगा कि लोक उच्च शिक्षा प्राप्त कर नौकरी के लिए दफ्तरों की खाक छानने की बजाय थोड़ी सी यांत्रिक शिक्षा प्राप्त करें। जिससे काम-धंधे से लगकर अपना पेट तो पाल सकेंगे। जो शिक्षा साधारण व्यक्ति को जीवन संग्राम में समर्थ नहीं बना सकती, सिंह के समान साहस नहीं ला सकती, वह भी कोई शिक्षा है?

34. जीवन यापन के लिए कैसी शिक्षा चाहिए?
(a) उच्च शिक्षा
(b) गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
(c) प्राथमिक शिक्षा
(d) यांत्रिक शिक्षा

35. शिक्षा व्यक्ति में किन गुणों का विकास करने वाली होनी चाहिए?
(a) सामर्थ्य एवं साहस
(b) साहस एवं धनी
(c) निडरता एवं उत्साह
(d) उत्साह एवं धनी

36. व्यक्ति से अपेक्षित है कि वह–
(a) जीवन की चुनौतियों से पलायन कर जाए
(b) जीवन की चुनौतियों का सामना कर सके
(c) यांत्रिक शिक्षा प्राप्त कर क्लर्क बने
(d) यांत्रिक शिक्षा प्राप्त कर विदेश जाए

37. शिक्षा और.......... के बीच सम्बन्ध उद्घाटित हो रहे हैं।
(a) यांत्रिक शिक्षा
(b) उच्च शिक्षा
(c) जीवन-संग्रामहीनता
(d) जीविकोपार्जन

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

SOLUTION : PRACTICE SET-15

ANSWER KEY

1. (b)	9. (d)	17. (d)	25. (d)	33. (a)
2. (b)	10. (c)	18. (b)	26. (a)	34. (d)
3. (c)	11. (b)	19. (c)	27. (b)	35. (a)
4. (a)	12. (d)	20. (a)	28. (c)	36. (b)
5. (d)	13. (b)	21. (b)	29. (b)	37. (d)
6. (b)	14. (a)	22. (d)	30. (a)	
7. (c)	15. (b)	23. (d)	31. (a)	
8. (d)	16. (d)	24. (d)	32. (c)	

SOLUTION

1. (b)
दिये गये विकल्पों में से 'ऐ' अर्ध विवृत स्वर है। मुखद्वार के खुलने के आधार पर स्वर चार प्रकार के होते हैं, जो इस प्रकार हैं–

विवृत– जिन स्वरों के उच्चारण में मुखद्वार पूरा खुलता है, जैसे– आ

अर्ध विवृत– जिन स्वरों के उच्चारण में मुखद्वार आधा खुलता है, जैसे– अ, ऐ, ऑ, औ।

अर्ध संवृत– जिन स्वरों के उच्चारण में मुखद्वार आधा बन्द रहता है, जैसे- ए, ओ।

संवृत– जिन स्वरों के उच्चारण में मुखद्वार लगभग बन्द रहता है, जैसे- इ, ई, उ, ऊ।

2. (b)
निम्नलिखित वाक्य में विराम चिह्नों का सही प्रयोग किया गया है–
राम ऑफिस से सीधा घर पहुँचा; हाथ धोकर खाना खाया; फिर खेल खेलकर सो गया।

3. (c)
राकेश, रमेश, सीता, श्याम, हिन्दुस्तान में 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' हैं। जिस शब्द से किसी व्यक्ति, स्थान या वस्तु का बोध होता है, उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं। इनमें व्यक्तियों का नाम, नदियों का नाम, देशों के नाम आदि आते हैं।

4. (a)
वे सर्वनाम जो पुरुषों (पुरुष या स्त्री) के नाम के बदले आते हैं, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।
पुरुषवाचक सर्वनाम तीन प्रकार के होते हैं–
1- **उत्तम पुरुष** - मैं, हम, मैंने, मेरा, हमारा, मुझे, मुझको।
2- **मध्यम पुरुष** - तुम, तू, तुमने, तुमको, आप, आपको,.....।
3- **अन्य पुरुष** - वह, वे, ये, उन, उन्हें, उसको, यह....।

5. (d)
दिये गये विकल्पों में उत्कृष्ट, निकृष्ट और धृष्ट शब्द विशेषण (गुणवाचक) हैं, जबकि 'विषाद' शब्द विशेषण नहीं है। विषाद संज्ञा (भाववाचक) पद है।

6. (b)
'राम सेब खाता है।' इस वाक्य में 'सकर्मक क्रिया' है। जिस वाक्य में क्रिया का परिणाम 'कर्म' पर पड़ता है, अर्थात जिस क्रिया के साथ कर्म होता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।

7. (c)
'मंत्री जी ने हड़ताल कर रहे श्रमिकों की समस्याओं को सुनने के लिए पर्याप्त समय दिया।' इस वाक्य में परिमाणवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है। जिन अविकारी शब्दों से क्रिया के परिमाण और उसकी संख्या का पता चलता है, उसे परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं। **जैसे**–बहुत, अधिक, पूर्णतया।

8. (d)
'व्यय' शब्द पुल्लिंग शब्द है जबकि बात, रात एवं आप स्त्रीलिंग शब्द हैं।

9. (d)
दिये गये विकल्पों में से 'आटा-आटे' वचन जोड़ा सही नहीं है। आटा द्रव्यवाचक संज्ञा है और द्रव्यवाचक संज्ञायें सदैव एकवचन में रहती हैं, इनका बहुवचन नहीं बनाया जा सकता है। शेष विकल्प सही हैं।

10. (c)
'मैंने आम खाया है।' आसन्न भूतकाल का उदाहरण है–

आसन्न भूतकाल	–	जिस क्रिया के व्यापार की समाप्ति की निकटता स्पष्ट हो उसे आसन्न भूतकाल कहते हैं। उदाहरण–कृष्ण अभी आया।
सामान्य भूतकाल	–	मोहन गया।
अपूर्ण भूतकाल	–	गीता नाच रही थी।
संदिग्ध भूतकाल	–	आपने कहा होगा।

11. (b)
'उससे बैठा नहीं जाता' एवं 'राम से खाया नहीं जाता' ये दोनों वाक्य भाववाच्य के उदाहरण हैं। क्रिया का वह रूपांतर जिससे कर्ता, कर्म या भाव की प्रधानता प्रकट होती है, 'वाच्य' कहलाता है। भाववाच्य में 'क्रिया' भाव के अनुरूप होती है, इसमें सदैव अकर्मक क्रिया का प्रयोग होता है। भाववाच्य की क्रिया सदैव एकवचन में होती है।

12. (d)
'उसने टेढ़ी चाल चली' वाक्य में कर्त्ता कारक है।
कारक- संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप में वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उनका संबंध सूचित हो उसे कारक कहते हैं। हिन्दी में कारकों की संख्या आठ (8) है।

13. (b)
'अकार्य' शब्द का तद्भव रूप है – अकाज।

14. (a)
दिये गये विकल्पों में 'सुहावना' शब्द में प्रत्यय 'आवना' का प्रयोग हुआ है जिसका अर्थ लुभावना होता है।
सुहा + आवना ।
जबकि अन्य शब्द परिचय, सफल तथा आग्रह में उपसर्ग का प्रयोग हुआ है।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

15. (b)
प्रत्यय से बना शब्द 'गँवार' होगा। गॅवार शब्द 'आर' प्रत्यय से मिलकर बना है।
प्रत्यय - जो शब्दांश धातु रूप या शब्दों के अंत में लगकर नए शब्दों का निर्माण करते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।

16. (d)
आदृत – तिरस्कृत, विलोम शब्दों का एक सही युग्म है।

शब्द		**विलोम**
आपत्ति	-	संपत्ति
अवर्षण	-	वर्षण
गणतंत्र	-	राजतंत्र
स्त्री	-	पुरुष
गुण	-	अवगुण

17. (d)
'विज्ञ' का विलोम 'अज्ञ' होगा। अन्य के विलोम इस प्रकार हैं।

शब्द		**विलोम**
प्रज्ञ	-	मूढ़/अप्रज्ञ
जागरण	-	शयन
उपकार	-	अपकार
आदर	-	अनादर

18. (b)
'<u>चंद्रमा</u>' रात्रि की शोभा बढ़ाता है। वाक्य में रेखांकित शब्द 'चन्द्रमा' का पर्यायवाची शब्द 'सुधांशु' होगा। चन्द्रमा के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- शशि, रजनीश, राकापति, विधु, मयंक आदि।

19. (c)
'प्रत्युत्पन्नमति' का अर्थ तत्परबुद्धि होगा।
प्रत्युत्पन्नमति का अर्थ है- जो शीघ्र किसी बात को सोच ले अर्थात् तत्परबुद्धि। अन्य शब्दों के अर्थ इस प्रकार होंगे-

शब्द	**अर्थ**
मंदबुद्धि	कम अक्लवाला
सहनशील	सहन करने वाला
उल्टी खोपड़ी	ऐसा जो उचित ढंग के विपरीत आचरण करता हो।

20. (a)
दिये गये शब्दों में 'अर्थ' अनेकार्थी शब्द है। इसका अन्य अर्थ – धन, अभिप्राय, निमित्त आदि हैं।

21. (b)
'इति-ईति' शब्द युग्म का सही अर्थ भेद है–' समाप्ति - विघ्न'। अन्य विकल्प असंगत हैं।

22. (d)
'जो सबके आगे रहता हो' वाक्यांश के लिए उचित शब्द 'अग्रणी' होगा।

- आगे आने वाला - अग्रिम
- जिसकी गिनती पहले हो - अग्रगण्य

23. (d)
'जिस पर आक्रमण न किया गया हो' इस वाक्यांश के लिए सही शब्द 'अनाक्रांत' होगा।

24. (d)
'अभीष्ट' का सही संधि-विग्रह है– 'अभि + इष्ट' है।
यह दीर्घ स्वर संधि का उदाहरण है। यदि अ/आ, इ/ई तथा उ/ऊ के बाद वे ही ह्रस्व या दीर्घ स्वर आए, तो दोनों के मेल से क्रमशः दीर्घ आ, ई तथा ऊ हो जाता है। इस मेल से बनने वाली संधि दीर्घ स्वर संधि कहलाती है। जैसे- मही + इन्द्र = महीन्द्र

25. (d)
'यथासमय' में अव्ययीभाव समास है।
अव्ययीभाव समास- इस समास का पहला पद प्रधान होता है तथा अव्यय की भाँति कार्य करता है, इसी कारण से अव्ययीभाव का समस्तपद सदा लिंग, वचन, विभक्तिहीन रहता है।

26. (a)
'उसे अनुत्तीर्ण होने की आशंका है। वाक्य शुद्ध है। शेष वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध हैं।

27. (b)
'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' अर्थात् 'रसात्मक वाक्य ही काव्य है।' यह वाक्य रस-संप्रदाय के आचार्य **'विश्वनाथ'** ने अपने ग्रंथ 'साहित्य दर्पण' में कहा है।

28. (c)
'हरिगीतिका' एक मात्रिक समछन्द है। इसके प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ होती हैं। इसमें क्रमशः 16 एवं 12 मात्राओं पर यति तथा चरण के अन्त में लघु, गुरु आते हैं।

29. (b)
एक व्यंजन की अनेक बार आवृत्ति होने के कारण उक्त पंक्तियों में 'वृत्यानुप्रास अलंकार' होगा। पंक्तियों में 'त' वर्ण की आवृत्ति कई बार हुई है।

30. (a)
'मिसिल' शब्द 'फाइल' का समानार्थी शब्द है। जबकि 'मसला' का अर्थ समस्या से है, मसाला का अर्थ गुण, स्वाद आदि बढ़ाने की सामग्री धनिया, लौंग इत्यादि के मिश्रण से है, मशाल का अर्थ ऐसी लकड़ी या लोहे की छड़ जिसके एक सिरे पर रोशनी हेतु लाख रखकर जलाया जाता है।

31. (a)
'जमात में करामात' का अर्थ है- भीड़ में रहने वाले लोग कुछ न कुछ गड़बड़ी करते हैं।

32. (c)
रिक्त स्थान में 'सी बात तो करे' शब्द भरे जायेंगे। 'गुड़ ना दे, गुड़ की सी बात तो करे' पूर्ण लोकोक्ति है, जिसका अर्थ है– 'कोई कुछ दे चाहे न दे, पर मीठा बोल तो बोले'।

33. (a)
'हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' के लेखक डॉ. रामकुमार वर्मा हैं। हिंदी साहित्य में डॉ. रामकुमार वर्मा को एक प्रसिद्ध नाटककार एकांकीकार के रूप में जाना जाता है। इनकी कुछ प्रसिद्ध रचनाएँ हैं- एकलव्य, रेशमी टाई, सप्तकिरण, कौमुदी महोत्सव, पृथ्वीराज की आँखें, जौहर, दीपदान आदि।

34. (d)
गद्यांश के अनुसार जीवन-यापन के लिए 'यांत्रिक शिक्षा' चाहिए।

35. (a)
शिक्षा व्यक्ति में 'सामर्थ्य एवं साहस' गुणों का विकास करने वाली होनी चाहिए।

36. (b)
गद्यांश के अनुसार व्यक्ति से अपेक्षित है कि वह जीवन की चुनौतियों का सामना कर सके।

37. (d)
शिक्षा और जीविकोपार्जन के बीच संबंध उद्घाटित हो रहे हैं।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET-16

1. निम्नलिखित में से कौन-से मूर्धन्य व्यंजन हैं?
(a) प, फ (b) ड, ढ
(c) ग, घ (d) ज, झ

2. अर्द्धविराम – चिह्न कहाँ लगता है?
(a) उद्धरण चिह्न के पहले
(b) जहाँ अल्पविराम की अपेक्षा थोड़ा कम रुकना हो।
(c) जहाँ कोई निर्देश देना हो।
(d) जहाँ अल्पविराम की अपेक्षा थोड़ा अधिक रुकना हो।

3. 'हिमालय' किस प्रकार की संज्ञा है?
(a) व्यक्तिवाचक (b) जातिवाचक
(c) भाववाचक (d) समूहवाचक

4. जो सर्वनाम शब्द वक्ता, श्रोता अथवा किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्रयोग किया जाता है उसे क्या कहते हैं?
(a) संबंधवाचक सर्वनाम (b) पुरुषवाचक सर्वनाम
(c) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (d) निजवाचक सर्वनाम

5. निम्नलिखित में विशेषण पद है-
(a) उपासना (b) उद्‌गार
(c) आयतलोचना (d) वन्दना

6. जिस क्रिया का फल कर्त्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़े, उसे कौन-सी क्रिया कहते हैं?
(a) सकर्मक क्रिया (b) अकर्मक क्रिया
(c) पूर्वकालिक क्रिया (d) प्रेरणार्थक क्रिया

7. 'मंत्री जी ने पर्याप्त समय दिया है।'- इस वाक्य में किस प्रकार के क्रियाविशेषण का प्रयोग है?
(a) स्थानवाचक (b) परिमाणवाचक
(c) कालवाचक (d) रीतिवाचक

8. निम्नलिखित में, स्त्रीलिंग शब्द है :
(a) रिक्शा (b) ऊँट
(c) भैंस (d) ट्रक

9. 'डिब्बा' किस शब्द का एकवचन है?
(a) डिब्बे (b) डिबियाँ
(c) डिब्बा (d) डिबिया

10. 'लता गीत गा रही थी' इनमें से किसका उदाहरण है?
(a) पूर्णभूत का (b) संदिग्ध भूत का
(c) सामान्य भूत का (d) अपूर्णभूत का

11. निम्नलिखित में से 'भाववाच्य' का उदाहरण कौन-सा है?
(a) माँ खाना बनाती है
(b) रवि आम चूसता है
(c) मोहिनी पत्र लिखती है
(d) शीला से खाया नहीं जाता

12. हिन्दी में 'ने' परसर्ग का प्रयोग किस स्थिति में किया जाता है?
(a) कर्त्ता के साथ सदैव
(b) भूतकाल में सकर्मक क्रिया के रहने पर कर्त्ता के साथ।
(c) भविष्यकाल के कर्त्ता के साथ
(d) वर्तमान काल की क्रिया और कर्त्ता के होने पर।

13. अन्ध का तद्‌भव क्या होगा?
(a) अन्धा (b) ओत्र
(c) अध (d) आम्र

14. 'आच्छादन' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) आछ् (b) अ
(c) आ (d) आः

15. 'अल्पायु' में कौन-सा प्रत्यय है?
(a) यु (b) वायु
(c) आयु (d) अल्प

16. 'आधुनिक' का विलोम है -
(a) समीचीन (b) अर्वाचीन
(c) प्राचीन (d) समसामयिक

17. 'शिष्ट' का विलोम कौन-सा होगा?
(a) अवशिष्ट (b) अशिष्ट
(c) निकृष्ट (d) विशिष्ट

18. किस विकल्प में सभी शब्द परस्पर पर्यायवाची नहीं हैं?
(a) रसना, जिह्वा, जबान
(b) चाप, धनु, चपला
(c) निर्वाण, कैवल्य, मुक्ति
(d) कुबेर, राजराज, यक्षराज

19. निम्नलिखित शब्दों के सही पर्यायवाची शब्द होंगे, क्रमशः—
ब्रह्मा, सेवक, ग्रीष्म
(a) प्रजापति, चाकर, शीत
(b) नौकर, विधाता, ताप
(c) चतुरानन, भृत्य, निदाघ
(d) विधि, विप्र, गरमी

20. निम्न विकल्पों में से अनेकार्थक शब्द का चयन कीजिए-
(a) नासिका (b) कान
(c) अंग (d) नेत्र

21. दिए गए शब्द युग्म का सही शब्द युग्म ज्ञात कीजिए।
इंद्रा : इंद्र
(a) बाधा : इंद्राणी
(b) इंद्राणी : सुरपति
(c) उद्धत : देवी
(d) देवी : शिक्षा

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

22. 'जो देखने योग्य न हो' वाक्यांश के लिए उचित शब्द बताइए-

(a) अवर्णीय (b) अप्रत्यक्ष
(c) अदर्शनीय (d) अदृश्य

23. 'जिनका जन्म पहले हुआ हो' के लिए इनमें से उपयुक्त शब्द कौन-सा है?

(a) अग्रणी (b) अग्र
(c) अग्रज (d) इनमें से कोई नहीं

24. 'कल्पांत' शब्द में कौन सी संधि है?

(a) गुण संधि (b) यण संधि
(c) दीर्घ संधि (d) व्यंजन संधि

25. 'अनुरूप' में कौन-सा समास होता है?

(a) तत्पुरुष (b) बहुव्रीहि
(c) कर्मधारय (d) अव्ययीभाव

26. वाक्य का कौन सा भाग शुद्ध नहीं है?
बड़े दुःख की बात है कि डॉक्टर के आने से पहले ही उसका प्राण पंखेरू उड़ गये।

(a) कोई त्रुटि नहीं
(b) डॉक्टर के आने से पहले ही
(c) उसका प्राण पंखेरू उड़ गये।
(d) बड़े दुःख की बात है कि

27. भरत के 'रससूत्र' में निम्नलिखित में से किसका उल्लेख नहीं है?

(a) विभाव
(b) अनुभाव
(c) स्थायीभाव
(d) संचारीभाव

28. हम जो कुछ देख रहे हैं, सुन्दर है सत्य नहीं है।
यह दृश्य जगत भासित है, बिन कर्म शिवत्व नहीं है।।
उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों में निम्नलिखित में से कौन-सा छन्द है?

(a) चौदह-चौदह मात्राओं की यति से 28 मात्राओं वाला मात्रिक छन्द
(b) दस-दस वर्णों की यति से 20 वर्णों वाला वर्णिक छन्द
(c) तेरह-तेरह मात्राओं की यति से 26 मात्राओं वाला मात्रिक छन्द
(d) पन्द्रह-पन्द्रह मात्राओं की यति से 30 मात्राओं वाला मात्रिक छन्द

29. जहाँ एक व्यंजन की आवृत्ति एक या अनेक बार हो, वहाँ होता है–

(a) छेकानुप्रास अलंकार
(b) वृत्यानुप्रास अलंकार
(c) लाटानुप्रास अलंकार
(d) यमक अलंकार

30. 'यति' का क्या अर्थ है?

(a) चरण (b) गंण
(c) विराम (d) प्रवाह

31. 'जिन खोजा तिन पाइयां' लोकोक्ति का अर्थ है–

(a) खोए हुए व्यक्ति का मिल जाना
(b) जो श्रम करते हैं, उन्हें ही सफलता मिलती है।
(c) करे कोई, भरे कोई
(d) जिनको चाहा, वही बेवफा निकला

32. ''छोटा .... बड़ी बात'' लोकोक्ति को पूरा करें।

(a) मुँह (b) साथ
(c) बालक (d) सिक्का

33. 'ज्ञानराशि के संचित कोश का नाम साहित्य है' यह कथन किसका है?

(a) जयशंकर प्रसाद
(b) रामचंद्र शुक्ल
(c) रामविलास शर्मा
(d) महावीर प्रसाद द्विवेदी

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर सर्वाधिक उचित विकल्प का चयन कीजिए –

स्त्रियों की समस्याएँ बहुत-सी हैं और गंभीर हैं। लेकिन उनमें एक भी ऐसी नहीं है जो जादू भरे शब्द 'शिक्षा' से हल न की जा सकती हों। पहले अपनी स्त्रियों को शिक्षा दो, उन्हें उनकी स्थिति पर छोड़ दो, तब वे तुम्हें बताएँगी कि उनके लिए क्या सुधार आवश्यक है? हमें नारियों को उस स्थिति में पहुँचा देना चाहिए, जहाँ वे अपनी समस्या को अपने ढंग से सुलझा सकें।

34. गद्यांश में किनकी समस्याओं का उल्लेख है?

(a) बालकों की
(b) पुरुषों की
(c) स्त्रियों की
(d) जन समूह की

35. शिक्षा को 'जादू भरा' क्यों कहा गया होगा?

(a) शिक्षा वाले व्यक्ति जादूगर होते हैं।
(b) शिक्षा से समस्याएँ सदैव के लिए खत्म हो जाती है।
(c) शिक्षा अति शीघ्र समस्याएँ समाप्त कर देती है।
(d) शिक्षा समस्याएँ सुलझा सकती है।

36. गद्यांश के अनुसार स्त्रियों में इतनी सामर्थ्य है कि वे :

(a) अपनी समस्याएँ स्वयं सुलझा सकती हैं।
(b) पुरुष समाज को पीछे धकेल सकती हैं।
(c) स्वयं ही अपनी जाति को शिक्षित कर लें।
(d) समाज सुधार पर वक्तव्य दे सकती हैं।

37. 'स्त्रियाँ स्वयं अपने सुधार का दायित्व वहन कर सकती हैं।' यह कथन :

(a) पूर्णतः सटीक है।
(b) पूर्णतः असंगत है।
(c) आंशिक रूप से विचारणीय है।
(d) आंशिक रूप से संगत है।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

SOLUTION : PRACTICE SET-16

ANSWER KEY

1. (b)	9. (a)	17. (b)	25. (d)	33. (d)
2. (d)	10. (d)	18. (b)	26. (c)	34. (c)
3. (a)	11. (d)	19. (c)	27. (c)	35. (d)
4. (b)	12. (b)	20. (c)	28. (a)	36. (a)
5. (c)	13. (a)	21. (b)	29. (b)	37. (a)
6. (a)	14. (c)	22. (c)	30. (c)	
7. (b)	15. (c)	23. (c)	31. (b)	
8. (c)	16. (c)	24. (c)	32. (a)	

SOLUTION

1. (b)
दिये गये विकल्पों में मूर्धन्य व्यंजन 'ड, ढ' हैं। मूर्धन्य व्यंजन ऐसे व्यंजन होते हैं जो जिह्वा द्वारा वर्त्स्य कटक और कठोर तालु के बीच उच्चारित होते हैं। इनमें 'ट', 'ठ', 'ड', 'ढ', 'ण', 'ष' मूर्धन्य व्यंजन हैं।

2. (d)
अर्द्धविराम को (;) से प्रदर्शित किया जाता है। अर्द्ध विराम का अर्थ है, बीच में हल्का सा विराम लेना हो पर वाक्य को खत्म न किया जाये तो, वहाँ पर अर्द्धविराम (;) चिह्न का प्रयोग किया जाता है। प्रश्नानुसार अर्द्धविराम चिह्न का प्रयोग जहाँ अल्पविराम की अपेक्षा थोड़ा अधिक रुकना हो वहाँ लगाया जाता है।

3. (a)
'हिमालय' व्यक्तिवाचक संज्ञा है। जिस शब्द से किसी एक वस्तु/व्यक्ति/स्थान/आकृति का बोध हो, उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं। यहाँ हिमालय से पर्वत के नाम का बोध हो रहा है, अतः 'हिमालय' व्यक्तिवाचक संज्ञा है।

4. (b)
जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वक्ता द्वारा खुद के लिए या दूसरों के लिए किया जाता है, उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। इसके तीन भेद हैं- उत्तम पुरुष (मैं, हम), मध्यम पुरुष (तू, तुम, आप), अन्य पुरुष (वह, वे, यह, ये)। जहाँ उत्तम पुरुष वक्ता के लिए एवं मध्यम पुरुष श्रोता के लिए प्रयुक्त होता है, वहीं प्रथम अन्य तीसरे पक्ष के लिए प्रयोग किया जाता है।

5. (c)
'आयतलोचना' विशेषण पद है। शेष उपासना, वंदना एवं उद्गार क्रिया पद हैं। आयतलोचना का अर्थ बड़ी-बड़ी आँखों वाली होता है।

6. (a)
जिस क्रिया का फल कर्त्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़े, उसे 'सकर्मक क्रिया' कहते हैं।

जैसे- राम आम खाता है।
मोहन साईकिल चलाता है।

उपर्युक्त उदाहरण में 'आम' और 'साईकिल' कर्म है तथा 'खाना' और 'चलाना' क्रिया के रूप में प्रयुक्त हुए हैं।

7. (b)
'मंत्री जी ने पर्याप्त समय दिया है' वाक्य में परिमाणवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है।

क्रिया विशेषण - जिस शब्द से क्रिया की विशेषता का पता चलता है उसे क्रिया विशेषण कहते हैं।

अर्थ के अनुसार, इसके चार भेद हैं-
(1) परिमाणवाचक - कुछ, लगभग, पर्याप्त
(2) रीतिवाचक - शायद, ठीक, अवश्य, सही आदि।
(3) स्थानवाचक - यहाँ, वहाँ, ऊपर, नीचे आदि।
(4) कालवाचक - आज, अब, कब, निरंतर आदि।

8. (c)
भैंस स्त्रीलिंग शब्द है। इसका पुल्लिंग शब्द 'भैंसा' होता है। जबकि 'ऊँट' पुलिंग शब्द है इसका स्त्रीलिंग शब्द 'ऊँटनी' होगा।

9. (a)
प्रश्नगत विकल्पों के आधार पर **डिब्बा** शब्द 'डिब्बे' का एकवचन है।

10. (d)
'लता गीत गा रही थी' -यह अपूर्ण भूतकाल का उदाहरण है।
अपूर्ण भूत काल :- अपूर्ण भूतकाल से यह ज्ञात होता है कि क्रिया भूतकाल में हो रही थी, किन्तु उसकी समापि का पता नहीं है। **जैसे**- गीता सो रही थी।

11. (d)
'शीला से खाया नहीं जाता' वाक्य में भाववाच्य है। क्रिया के जिस रूपांतरण से वाक्य में क्रिया अथवा भाव की प्रधानता का ज्ञान हो, उसे 'भाववाच्य' कहते हैं। ऐसे वाक्यों में क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष कर्ता तथा कर्म के अनुसार न होकर भाव के अनुसार होते हैं तथा सदैव एकवचन, पुल्लिंग और अन्य पुरुष में रहते हैं। जैसे– गर्मी के कारण मुझसे खेला नहीं जाता। भाववाच्य में सदैव अकर्मक क्रिया होती है।

12. (b)
हिन्दी में 'ने' परसर्ग का प्रयोग '**भूतकाल में सकर्मक क्रिया के रहने पर कर्त्ता के साथ**' किया जाता है। **जैसे-**
मोहन **ने** पुस्तक लिखी।
रहीम **ने** खाना खाया।
राघव **ने** गीत गाया।

13. (a)
'अन्ध' का तद्भव 'अन्धा' होता है।

14. (c)
'आच्छादन' शब्द में 'आ' उपसर्ग का प्रयोग किया गया है। **जैसे-**
आ + छादन = आच्छादन।
'आ' उपसर्ग से बने शब्द हैं- आजीवन, आमरण, आगमन, आरक्षण, आभूषण आदि।

15. (c)
'अल्पायु' शब्द में 'आयु' प्रत्यय लगा हुआ है। अल्प + आयु = अल्पायु

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

16. (c)
आधुनिक का विलोम 'प्राचीन' है जबकि प्राचीन का विलोम नवीन, अर्वाचीन तथा आधुनिक होता है, तथा 'समीचीन' का विलोम शब्द 'असमीचीन' होगा।

17. (b)
'शिष्ट' का विलोम 'अशिष्ट' होता है। शेष शब्दों के विलोम इस प्रकार हैं।

शब्द	-	**विलोम**
निकृष्ट	-	उत्कृष्ट
विशिष्ट	-	साधारण/सामान्य
अवशिष्ट	-	अशेष

विलोम - वे शब्द जो अपने सामने वाले शब्द के सर्वदा विपरीत अर्थ प्रकट करते हैं। विलोम शब्द कहलाते हैं। **जैसे** - अथ - इति

18. (b)
चाप, चपला, आपस में पर्यायवाची नहीं हैं। चाप व धनु आपस में पर्यायवाची हैं।

शब्द	**पर्यायवाची**
धनु	सारंग, चाप, शरासन, धनुष, धनुही इत्यादि
चपला	विद्युत, दामिनी, तडित, चंचला इत्यादि

19. (c)
दिये गये विकल्पों में से चतुरानन, भृत्य, निदाघ क्रमशः ब्रह्मा, सेवक तथा ग्रीष्म के पर्यायवाची शब्द होंगे।

20. (c)
दिये गये विकल्पों में अंग अनेकार्थी शब्द है। अंग के अर्थ हैं- भेद, पक्ष, टुकड़ा, अंश, शरीर, अवयव, एक देश का नाम।

21. (b)
दिए गए शब्द युग्म का सही अर्थ -
इंद्रा का अर्थ - इंद्राणी
इंद्र का अर्थ - सुरपति

22. (c)
'जो देखने योग्य न हो' वाक्यांश के लिए उचित शब्द 'अदर्शनीय' होगा।

- जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता है- अवर्णनीय
- जो दिखाई न दे- अप्रत्यक्ष
- जो वस्तु हमारी आँखों से दिखाई न दे- अदृश्य

23. (c)
वाक्यांश 'जिनका जन्म पहले हुआ हो' के लिए एक शब्द 'अग्रज' होता है।

वाक्यांश	-	**एक शब्द**
सबसे आगे रहने वाला	-	अग्रणी।
जो बाद में जन्मा हो	-	अनुज।
जिसका कभी अन्त न हो	-	अनन्त।
आगे आने वाला	-	आगामी।

24. (c)
'कल्पांत' शब्द में दीर्घ संधि है। जब ह्रस्व या दीर्घ 'अ' 'इ' 'उ' 'ऋ' के पश्चात क्रमशः ह्रस्व या दीर्घ 'अ' 'इ' 'उ' 'ऋ' स्वर आए तो दोनों को मिलाकर दीर्घ 'आ' 'ई' 'ऊ' 'ॠ' हो जाते हैं; जैसे-

देव + आलय = देवालय	कवि + इन्द्र = कवीन्द्र
लघु + ऊर्मि = लघूर्मि	कल्प + अंत = कल्पांत

25. (d)
अनुरूप - रूप के अनुसार। अनुरूप शब्द में अव्ययीभाव समास है। इस समास में पहला पद अव्यय और दूसरा पद संज्ञा होता है। समस्त पद में अव्यय के अर्थ की प्रधानता रहती है; **जैसे –** यथाशीघ्र – जितना शीघ्र हो।

26. (c)
वाक्य में 'प्राण पंखेरू उड़ गये' अशुद्ध है। इसका शुद्ध रूप 'प्राण पखेरू उड़ गये' होगा।

27. (c)
रस संप्रदाय के प्रवर्तक भरतमुनि के रससूत्र **'विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः'** अर्थात् विभाव अनुभाव तथा व्यभिचारी (संचारी) के संयोग से रस की निष्पत्ति होती है। अतः भरत मुनि के रस सूत्र में **स्थायीभाव** का उल्लेख नहीं है।

28. (a)
प्रस्तुत छन्द में 14-14 मात्राओं की यति से मात्रिक छन्द है अर्थात कुल 28 मात्राओं वाला मात्रिक छन्द के अन्त में दीर्घ होता है। यहाँ हरि गीतिका छंद है।
।। ऽ ।। ऽ। । ऽ । ऽ । ऽ । ऽ । ऽ
हम जो कुछ देख रहे हैं, सुन्दर है सत्य नहीं है।
।। ऽऽ ।।। ऽ। । ऽ ।। ।ऽ ।।ऽ ।ऽ ऽ
यह दृश्य जगत भासित है, बिन कर्म शिवत्व नहीं है।
इस प्रकार यह सम मात्रिक छन्द है।

29. (b)
जहाँ एक व्यंजन की आवृत्ति एक या अनेक बार हो, वहाँ 'वृत्यानुप्रास' होता है। **जैसे–** सेस महेस गनेस दिनेस सुरेसहु जाहि निरन्तर गावैं।
यहाँ 'स' वर्ण की आवृत्ति अनेक बार हुई है। अतः यहाँ 'वृत्यानुप्रास अलंकार' होगा।

30. (c)
'यति' का अर्थ विराम है। यति का तात्पर्य रोक या रुकावट से होता है।

31. (b)
जिन खोजा तिन पाइयां लोकोक्ति का अर्थ है- जो श्रम करते हैं, उन्हें ही सफलता मिलती है। जबकि करे कोई भरे कोई का अर्थ है अपराध कोई करे, दण्ड किसी और मिलें। अन्य विकल्प तर्कसंगत नहीं हैं।

32. (a)
प्रश्नगत लोकोक्ति का पूर्ण रूप है 'छोटा मुँह बड़ी बात'', जिसका अर्थ है– 'हैसियत से अधिक बात करना'।

33. (d)
''ज्ञानराशि के संचित कोश का नाम साहित्य है'' यह कथन आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी का है। ये हिन्दी के महान साहित्यकार, पत्रकार एवं युगप्रवर्तक थे। इनके अतुलनीय योगदान के कारण से इनके नाम आधुनिक हिंदी साहित्य का नाम 'द्विवेदी युग (1900-1920)' पड़ा।

34. (c)
गद्यांश में स्त्रियों की समस्याओं का उल्लेख किया गया है।

35. (d)
गद्यांश के अनुसार शिक्षा को 'जादू भरा' इसलिए कहा गया क्योंकि शिक्षा समस्याएँ सुलझा सकती हैं।

36. (a)
गद्यांश के अनुसार, स्त्रियों में इतनी सामर्थ्य है कि वे अपनी समस्याएँ स्वयं सुलझा सकती हैं।

37. (a)
'स्त्रियाँ स्वयं अपने सुधार का दायित्व वहन कर सकती हैं। यह कथन पूर्णतः सटीक है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-17

1. निम्न में से 'क' वर्ग का उच्चारण स्थान कौन-सा है?
(a) दंत (b) कंठ
(c) ओष्ठ (d) तालु

2. कोष्ठक में दिए गए विराम चिह्न (;) का नाम क्या है?
(a) उद्धरण चिह्न (b) अल्पविराम
(c) निर्देशक चिह्न (d) अर्द्धविराम

3. 'चाँदनी चौक' में कौन–सी संज्ञा है?
(a) द्रव्यवाचक संज्ञा (b) जातिवाचक संज्ञा
(c) व्यक्तिवाचक संज्ञा (d) भाववाचक संज्ञा

4. 'वे भ्रष्टाचार के प्रबल विरोधी थे।' वाक्य सर्वनाम का कौन सा प्रकार है?
(a) सम्बन्धवाचक (b) निश्चयवाचक
(c) निजवाचक (d) पुरुषवाचक

5. निम्न में विशेषण शब्द है :
(a) लड़कपन (b) उचित
(c) कठोरता (d) घबराहट

6. 'मोहन किताब पढ़ता है।' इस वाक्य में क्रिया का कौन-सा प्रकार है ?
(a) पूर्वकालिक क्रिया (b) सकर्मक क्रिया
(c) अनेकार्थक क्रिया (d) अकर्मक क्रिया

7. 'आज हमारी बारी है।' में 'आज' कौन-सा पद हैं?
(a) क्रिया-विशेषण (b) संज्ञा
(c) क्रिया (d) सर्वनाम

8. निम्नलिखित में स्त्रीलिंग शब्द है :
(a) टायर (b) झाड़ू
(c) मेला (d) जूता

9. इनमें एक शब्द एक वचन है:
(a) सन्तति (b) प्राण
(c) दर्शकगण (d) श्रोतावृन्द

10. 'रमा विद्यालय जाती है' इस वाक्य का अपूर्ण भूतकाल में रूपांतरण क्या होगा?
(a) शायद रमा विद्यालय गई
(b) रमा विद्यालय जा रही होगी
(c) रमा विद्यालय गई
(d) रमा विद्यालय जा रही थी

11. मुझसे खड़ा भी हुआ नहीं जाता। इस वाक्य का वाच्य होगा:
(a) भाववाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) कर्तृवाच्य (d) अन्य

12. 'आजकल लेखक उपन्यास लिख रहा है।' रेखांकित शब्द में कौन सा कारक है?
(a) करण कारक
(b) सम्प्रदान कारक
(c) कर्म कारक
(d) अपादान कारक

13. उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए शब्द का तद्भव रूप है।
अट्टालिका
(a) अटारी (b) कमरा
(c) हँसी (d) कमरा

14. 'आमरण' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) आम (b) आमर
(c) रण (d) आ

15. इनमें से 'धड़ाक' में कौन सा प्रत्यय है?
(a) धड़क (b) आक
(c) अक (d) धड़

16. निम्नलिखित में विलोम शब्दों का सही युग्म है–
(a) आग्रह - विग्रह
(b) गणतन्त्र - लोकतन्त्र
(c) आकीर्ण - विकीर्ण
(d) थोक - परचून

17. 'विवेकी' का विलोम कौन-सा होगा?
(a) मूढ़ (b) विनम्र
(c) विपन्न (d) अविवेकी

18. 'नागर' का पर्याचवाची शब्द है-
(a) नगर (b) देवनागरी
(c) चतुर (d) ढोल

19. 'पत्नी' शब्द के पर्यायवाची शब्द हैं–
(a) विभावरी, रजनी
(b) चंचला, तड़ित
(c) भार्या, प्राणप्रिया
(d) वधू, तनुजा

20. निम्न में कौन सा शब्द अनेकार्थक है?
(a) साहस (b) पुस्तक
(c) अंबर (d) बालक

21. दिए गए शब्द का सही शब्द युग्म ज्ञात कीजिए।
उत्पात : उत्पाद
(a) उपद्रव : उत्पन्न वस्तु
(b) अंश : उतारना
(c) प्रथम : उपद्रव
(d) अंश : वस्तु

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

22. 'जिसका जन्म बाद में हुआ हो' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द क्या होगा?
(a) अनुज (b) अग्रज
(c) ज्येष्ठ (d) अग्रजा

23. 'किसी वस्तु को प्राप्त करने की तीव्र इच्छा' के लिए उपयुक्त शब्द इनमें से कौन-सा होगा?
(a) अपेक्षा (b) अभीप्सा
(c) अपेक्षित (d) अरसिक

24. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए शब्द के सही संधि-विच्छेद का विकल्प हो।
परमात्मा
(a) पर + मात्मा
(b) परमा + तमा
(c) परम + आत्मा
(d) पर + आत्मा

25. 'आमरण' में कौन-सा समास है?
(a) तत्पुरुष (b) अव्ययीभाव
(c) द्वंद्व (d) द्विगु

26. व्याकरण की दृष्टि से निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य शुद्ध है?
(a) मेरे को आपका काम बहुत पसंद है।
(b) वह आदमी अच्छा नहीं है।
(c) एक दूध का ग्लास दो।
(d) प्रत्येक चित्र बुरे नहीं होते।

27. निम्नलिखित में से कौन भरत मुनि के रस सूत्र का एक उत्तरकार नहीं है?
(a) भट्ट लोलट (b) क्षेमेन्द्र
(c) शंकुक (d) अभिनव गुप्त

28. 'मंगल करनि, कलि मल हरनि, तुलसी कथा, रघुनाथ की'। उपर्युक्त पंक्ति में कौन सा छंद है?
(a) चौपाई (b) हरिगीतिका
(c) रोला (d) मालिनी

29. ''रघुपति राघव राजा राम।'' में कौन सा अलंकार है?
(a) श्लेष (b) अनुप्रास
(c) रूपक (d) उपमा

30. केन्द्र सरकारी कर्मचारियों के हिन्दी प्रशिक्षण हेतुसंचालित होने वाले पाठ्यक्रमों में इनमें से कौन-सा शामिल नहीं है ?
(a) प्रबोध (b) प्रवीण
(c) पारंगत (d) निष्णात

31. 'आग लगाकर पानी को दौड़ना' कहावत का अर्थ है-
(a) अत्यन्त लज्जित होना।
(b) अड़चन डालना।
(c) पहले झगड़ा लगाना, फिर शान्त करने की कोशिश करना।
(d) व्यर्थ का काम करना।

32. 'साँच को आँच नहीं' लोकोक्ति का अर्थ बताइये।
(a) सच्चे व्यक्ति को हर कोई झुठला सकता है।
(b) सच्चे व्यक्ति से सभी व्यक्ति प्रसन्न होते हैं।
(c) सच्चे को डरने की आवश्यकता नहीं।
(d) सच्चे व्यक्ति को डरने की आवश्यकता है।

33. 'हिंदी साहित्य का आदिकाल' किस आलोचक की कृति है?
(a) रामचंद्र शुक्ल
(b) बाबू गुलाबराय
(c) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(d) श्यामसुंदर दास

निर्देश

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा दिए गए प्रश्न के उत्तर इस गद्यांश के आधार पर दीजिए-

''हर एक राष्ट्र अपनी संस्कृति के बल पर ही प्रगति करता है। सांस्कृतिक धरोहर के माध्यम से ही वह अपना जीवन सुखी, उपयोगी, शान्त तथा आनन्दमय बना सकता है। सभ्यता एवं संस्कृति में घनिष्ठ सम्बन्ध होते हुए भी अंतर है। जीवन को श्रेष्ठ तथा उन्नत बनाने की साधनाओं का नाम संस्कृति है और उन साधनाओं से प्राप्त जीवन प्रणाली का नाम सभ्यता है। किसी राष्ट्र की भौगोलिक परिस्थितियों का भी उनकी संस्कृति पर प्रभाव पड़ता है।''

34. गद्यांश का सही शीर्षक है-
(a) राष्ट्र के विकास में संस्कृति का योगदान
(b) राष्ट्र के विकास में सभ्यता का योगदान
(c) राष्ट्र के विकास में प्रकृति का योगदान
(d) राष्ट्र के विकास में परिस्थिति का योगदान

35. राष्ट्र किस के बल पर प्रगति करते हैं?
(a) साहित्य के बल पर
(b) कला के बल पर
(c) संगीत के बल पर
(d) संस्कृति के बल पर

36. गद्यांश में किस शब्द का प्रयोग नहीं है?
(a) संस्कृति (b) प्रकृति
(c) सभ्यता (d) परिस्थिति

37. प्रत्येक राष्ट्र की संस्कृति वहां की-
(a) भौगोलिक परिस्थितियों पर भी निर्भर होती है
(b) औद्योगिक परिस्थितियों पर भी निर्भर होती है
(c) कलात्मक परिस्थितियों पर भी निर्भर होती है
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION : PRACTICE SET-17

ANSWER KEY

1. (b)	9. (a)	17. (d)	25. (b)	33. (c)
2. (d)	10. (d)	18. (c)	26. (b)	34. (a)
3. (c)	11. (a)	19. (c)	27. (b)	35. (d)
4. (d)	12. (c)	20. (c)	28. (b)	36. (b)
5. (b)	13. (a)	21. (a)	29. (b)	37. (a)
6. (b)	14. (d)	22. (a)	30. (d)	
7. (a)	15. (b)	23. (b)	31. (c)	
8. (b)	16. (c)	24. (c)	32. (c)	

SOLUTION

1. (b)
दिये गये विकल्पों में से 'क' वर्ग का उच्चारण स्थान 'कंठ' है। स्पर्श व्यंजन कंठ, तालु, मूर्द्धा, दन्त और ओष्ठ स्थानों के स्पर्श से बोले जाते हैं।

जैसे- कंठ- क, ख, ग, घ, ङ
तालु- च, छ, ज, झ, ञ
मूर्द्धा- ट, ठ, ड, ढ, ण
दन्त- त, थ, द, ध, न
ओष्ठ- प, भ, ब, भ, म
अन्तःस्थ व्यंजन- य, र, ल, व
ऊष्म व्यंजन- श, ष, स, ह

2. (d)
दिए गए प्रश्न में चिह्न (;) का नाम 'अर्द्धविराम' है।
शेष विकल्पों के चिह्न निम्नवत् हैं -
उद्धरण चिह्न – ' ' या " "
अल्पविराम – ,
निर्देशक चिह्न – :-

3. (c)
'चाँदनी चौक' में व्यक्तिवाचक संज्ञा है।
व्यक्तिवाचक संज्ञा– जिन शब्दों से किसी विशेष व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु के नाम का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं; **जैसे–**जयपुर, दिल्ली, रमेश, रामायण आदि। संज्ञा के पाँच भेद होते हैं जो इस प्रकार हैं– (1) व्यक्तिवाचक संज्ञा, (2) जातिवाचक संज्ञा, (3) भाववाचक संज्ञा, (4) समूहवाचक संज्ञा, (5) द्रव्यवाचक संज्ञा।

4. (d)
जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वक्ता द्वारा खुद के लिए या दूसरों के लिए किया जाता है, उसे पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।
जैसे- मैं, हम (वक्ता द्वारा खुद के लिए), तुम, आप, यह, वह, ये, वे, किसी और के बारे में बात करने के लिए आदि। वाक्य 'वे भ्रष्टाचार के प्रबल विरोधी थे' किसी तीसरे व्यक्ति की बात हो रही है। अतः ये शब्द पुरुषवाचक की श्रेणी में आते हैं।

5. (b)
दिये गये शब्दों में 'उचित' शब्द गुणवाचक विशेषण है, जबकि 'लड़कपन', 'कठोरता' तथा 'घबराहट' शब्द–संज्ञा (भाववाचक संज्ञा) हैं। गुणवाचक विशेषण के अन्य प्रमुख उदाहरण– नया, पुराना, कपटी, पतला, प्राचीन आदि हैं।

6. (b)
'मोहन किताब पढ़ता है।' इस वाक्य में क्रिया के रूप में 'सकर्मक क्रिया' का प्रयोग किया गया है।
जिस वाक्य के क्रिया का सम्पादन तो कर्त्ता द्वारा किया जाता है, किन्तु उसका परिणाम कर्म पर पड़ता है, वह वाक्य सकर्मक क्रिया का वाक्य कहलाता है।

7. (a)
'आज हमारी बारी है।' में 'आज' क्रिया-विशेषण पद है। वे शब्द जो हमें क्रिया की विशेषता के बारे में बताते हैं, वे क्रिया विशेषण कहलाते हैं। वाक्य 'आज हमारी बारी है' में आज कालवाचक क्रिया विशेषण है।

8. (b)
'झाड़ू' स्त्रीलिंग शब्द है जबकि टायर, जूता तथा मेला पुल्लिंग शब्द हैं।

9. (a)
सन्तति एक वचन है जबकि प्राण, दर्शकगण, श्रोतावृन्द बहुवचन शब्द हैं।

10. (d)
'रमा विद्यालय जाती है।' यह वाक्य सामान्य वर्तमान काल का है। इस वाक्य का अपूर्ण भूतकाल में रूपांतरण इस प्रकार होगा - 'रमा विद्यालय जा रही थी।'

11. (a)
क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि वाक्य में क्रिया द्वारा संपादित विधान का विषय कर्ता/कर्म/भाव है, वाच्य कहते हैं। क्रिया का ऐसा रूपान्तर जिससे वाक्य में भाव की प्रधानता का बोध होता हो, भाववाच्य कहलाता है। 'मुझसे खड़ा भी हुआ नहीं जाता' इस वाक्य में अस्वस्थता रूपी भाव की प्रधानता है। अतः यहाँ भाववाच्य का होना निश्चित है।

12. (c)
दिए गए प्रश्न के रेखांकित शब्द में 'कर्मकारक' का प्रयोग हुआ है।
कर्म कारक – संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप पर क्रिया का प्रभाव या फल पड़े, उसे कर्म कारक कहते हैं। या दूसरे शब्दों में वाक्य में क्रिया का फल जिस शब्द पर पड़ता है, उसे कर्मकारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'को' है।

13. (a)
'अट्टालिका' का तद्भव शब्द अटारी, हास्य का तद्भव हँसी है। शेष विकल्प असंगत हैं।

14. (d)
'आमरण' शब्द में 'आ' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है। 'आ + मरण = आमरण'।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

'उपसर्ग' वे शब्दांश हैं जो किसी शब्द के आरम्भ में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं। 'आ' उपसर्ग से बने शब्द इस प्रकार हैं-
'आ' → आजीवन, आगमन, आरक्षण, आक्रमण, आजन्म आदि।

15. (b)
'धड़ाक' शब्द में 'आक' प्रत्यय लगा हुआ है। जो शब्दांश किसी शब्द के अन्त में जुड़कर उसके अर्थ में विशिष्टता ला देते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं।

16. (c)
'आकीर्ण - विकीर्ण' विलोम शब्द का सही युग्म है। जबकि अन्य शब्दों का सही विलोम युग्म इस प्रकार है–

शब्द	**विलोम**
आग्रह	दुराग्रह
गणतन्त्र	राजतंत्र
थोक	फुटकर
अनुग्रह	विग्रह

17. (d)

शब्द		**विलोम**
विवेकी	-	अविवेकी
मूढ़	-	ज्ञानी
विनम्र	-	उद्दण्ड/अविनम्र
विपन्न	-	संपन्न

18. (c)
दिये गये विकल्पों में 'नागर' का पर्यायवाची शब्द 'चतुर' है। नागर के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- विज्ञ, दक्ष, निपुण कुशल, प्रवीण, पटु आदि।

19. (c)
पत्नी शब्द के पर्यायवाची शब्द-भार्या, प्राणप्रिया।
रात्रि के पर्यायवाची-विभावरी, रजनी।
विद्युत के पर्यायवाची-चंचला, तड़ित आदि हैं।

20. (c)
'अंबर' अनेकार्थक शब्द है जिसका अर्थ वस्त्र, आकाश, बादल आदि होता है।

21. (a)
दिये गये शब्द-युग्म 'उत्पात : उत्पाद' का सही अर्थ उपद्रव : उत्पन्न वस्तु होता है।

22. (a)
'जिसका जन्म बाद में हुआ हो' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द 'अनुज' है।
- जो पहले जन्मा हो- अग्रज
- बड़ी बहन - अग्रजा

23. (b)
वाक्यांश 'किसी वस्तु को प्राप्त करने की तीव्र इच्छा' के लिए उपयुक्त शब्द 'अभीप्सा' है।
जिस पुस्तक में आठ अध्याय हों- अष्टाध्यायी।
जिसकी गहराई का पता न चल सके- अथाह।
जिसके आदि का पता न हो- अनादि।

24. (c)
परमात्मा का सन्धि विच्छेद – 'परम + आत्मा है यह दीर्घ सन्धि का उदाहरण है।

25. (b)
'आमरण' शब्द में अव्ययीभाव समास है। जिस सामासिक शब्द का प्रथम पद प्रधान हो और अव्यय भी हो, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं, जैसे- बखूबी, प्रतिदिन, आजीवन, भरसक आदि।

26. (b)
'वह आदमी अच्छा नहीं है' वाक्य शुद्ध है। शेष अशुद्ध हैं।

27. (b)
'नाट्यशास्त्र' के प्रणेता आचार्य भरतमुनि के प्रसिद्ध रस सूत्र **'विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः'** के प्रमुख व्याख्याकार भट्ट लोल्लट (नौवीं सदी), भट्टशंकुक (नौवीं सदी), भट्टनायक (ग्यारहवीं सदी) तथा अभिनवगुप्त (ग्यारहवीं सदी) हैं। भट्टलोल्लट का रस सिद्धान्त 'उत्पत्तिवाद', भट्टशंकुक का रस सिद्धान्त 'अनुमितिवाद', भट्टनायक का रस सिद्धान्त 'भुक्तिवाद' तथा अभिनव गुप्त का रस सिद्धान्त 'अभिव्यक्तिवाद' कहलाता है; जबकि आचार्य **क्षेमेन्द्र** 'औचित्य सम्प्रदाय' के प्रवर्तक हैं और इनके काव्यशास्त्रीय ग्रंथ का नाम **औचित्यविचारचर्चा** है।

28. (b)
उपर्युक्त पंक्ति में हरिगीतिका छन्द है। हरिगीतिका सममात्रिक छन्द है। इसके प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ होती हैं, जबकि 'चौपाई' तथा 'रोला' सममात्रिक छन्द हैं। चौपाई के प्रत्येक चरण में 16 मात्राएँ तथा रोला के प्रत्येक चरण में 24 मात्राएँ होती हैं। मालिनी वर्णिक छन्द है, इसके प्रत्येक चरण में 15 वर्ण होते हैं।

29. (b)
'रघुपति राघव राजा राम' में 'र' वर्ण की आवृत्ति चार बार हुई है, अतः यहाँ 'अनुप्रास अलंकार' होगा। एक ही वर्ण की आवृत्ति दो से अधिक बार होने के कारण यहाँ 'वृत्यानुप्रास' है।

30. (d)
केन्द्र सरकारी कर्मचारियों के हिन्दी प्रशिक्षण हेतु संचालित होने वाले पाठ्यक्रमों में प्रबोध, प्रवीण, पारंगत शामिल है, जबकि 'निष्णात' शामिल नहीं है।

31. (c)
'आग लगाकर पानी को दौड़ना- कहावत का अर्थ **'पहले झगड़ा लगाना, फिर शान्त करने की कोशिश करना'** है। अन्य मुहावरे इस प्रकार हैं-

मुहावरा	**अर्थ**
घड़ों पानी पड़ जाना	अत्यन्त लज्जित होना
गाड़ी के आगे काठ रखना	अड़चन डालना।

32. (c)
'साँच को आँच नहीं' लोकोक्ति का सही अर्थ है– सच्चे को डरने की आवश्यकता नहीं'।

33. (c)
'हिंदी साहित्य का आदिकाल' हजारी प्रसाद द्विवेदी की कृति है। ये प्रसिद्ध हिंदी निबंधकार, आलोचक एवं उपन्यासकार थे। इनकी प्रमुख आलोचनात्मक कृतियाँ-सूर साहित्य, हिन्दी साहित्य की भूमिका, नाथ संप्रदाय, साहित्य का मर्म, हिन्दी साहित्य का उद्भव एवं विकास, सहज साधना आदि हैं।

34. (a)
उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है- 'राष्ट्र के विकास में संस्कृति का योगदान'।

35. (d)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार 'हर राष्ट्र संस्कृति के बल पर ही प्रगति करता है'। अतः स्पष्ट है कि विकल्प (d) सही उत्तर होगा।

36. (b)
उपर्युक्त गद्यांश में 'प्रकृति' शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है।

37. (a)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार 'प्रत्येक राष्ट्र की संस्कृति वहाँ की भौगोलिक परिस्थितियों पर निर्भर करती है।'

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET-18

1. य, र, ल, व किस वर्ग के व्यंजन हैं?
(a) ऊष्म (b) अंतःस्थ
(c) दंत्य (d) तालव्य

2. दिए गए वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न का चयन कीजिए।
कई सप्ताह से वर्षा होती ही जा रही है अर्थात् फसल नष्ट होकर रहेगी।
(a) : (b) :-
(c) ^ (d) ;

3. इनमें विकारी शब्द का उदाहरण कौन-सा है?
(a) यथा (b) आज
(c) लड़का (d) परन्तु

4. 'मुझे' किस प्रकार का सर्वनाम है?
(a) उत्तम पुरुष (b) मध्यम पुरुष
(c) अन्य पुरुष (d) इनमें से कोई नहीं

5. स्त्री शब्द का विशेषण है :
(a) स्त्री (b) स्त्रीय
(c) स्तैण (d) स्त्रैण

6. 'मोहन बाजार पहुँच गया।' इस वाक्य में क्रिया का कौन-सा प्रकार है?
(a) अनेकार्थक क्रिया (b) पूर्वकालिक क्रिया
(c) अकर्मक क्रिया (d) सकर्मक क्रिया

7. अरे! साँप कहाँ गया?
इस वाक्य में प्रयुक्त क्रिया विशेषण 'कहाँ' किस प्रकार का क्रियाविशेषण है?
(a) यौगिक क्रिया विशेषण (b) मूल क्रिया विशेषण
(c) अनुबद्ध क्रिया विशेषण (d) साधारण क्रिया विशेषण

8. निम्नलिखित में स्त्रीलिंग शब्द है :
(a) फाटक (b) दरी
(c) बगीचा (d) आँगन

9. सदा एकवचन में प्रयुक्त होने वाले शब्दों को चुनिये।
(a) होश, लोग (b) प्राण, बाल
(c) हस्ताक्षर, जनता (d) चर्चा, जनता

10. 'वह खा रहा था।'-इस वाक्य में क्रिया किस काल का बोध करा रही है?
(a) हेतुहेतुमद् भविष्यत् (b) हेतुहेतुमद् भूत
(c) संदिग्ध भूत (d) अपूर्ण भूत

11. निम्न में भाववाच्य है :
(a) मोहन पुस्तक पढ़ता है। (b) श्याम पत्र लिखता है।
(c) मोहन से बैठा नहीं जाता। (d) पत्र लिखा जाता है।

12. 'मोहिनी ने चिड़ियाघर में पक्षी देखे।' रेखांकित शब्द में कौन सा कारक है?
(a) कर्त्ता कारक (b) कर्म कारक
(c) करण कारक (d) संप्रदान कारक

13. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तद्भव नहीं है?
(a) दाँत (b) अधर
(c) आँख (d) कान

14. इनमें से कौन-सा उपसर्ग अरबी/फारसी का है?
(a) भर (b) गैर
(c) उप (d) कु

15. इनमें से 'पांडित्य' में प्रयुक्त प्रत्यय कौन-सा है?
(a) य (b) तय
(c) इय (d) ईया

16. निम्न में से किस विकल्प में सही विलोम-युग्म नहीं हैं?
(a) आसक्ति – नास्तिक
(b) झुकाव – तनाव
(c) जटिल – सरल
(d) मिलन – वियोग

17. इनमें से 'अनभिज्ञ' शब्द का विलोम कौन-सा है?
(a) अज्ञ (b) भिज्ञ
(c) अविज्ञ (d) अभिज्ञ

18. 'चोर' का पर्यायवाची शब्द है-
(a) खनक (b) उदक
(c) धूसर (d) थलचर

19. जीवन धन का समानार्थी शब्द है?
(a) यमराज (b) पति (स्वामी)
(c) आदमी (d) महीपति

20. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से उस सही विकल्प का चयन करें जो रेखांकित शब्द के लिए उचित विकल्प है।
बूढ़े माता-पिता का एकमात्र सहारा उनका बेटा ही था।
(a) अविलंब (b) अवलंब
(c) अवसर (d) अमूल्य

21. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही नहीं है?
(a) अन्यान्य–और-और (b) अन्योन्य–परस्पर
(c) कृति-रचना (d) कृती-निकृष्ट पुरुष

22. नीचे दिए शब्द के लिए उचित वाक्यांश दिए गए विकल्पों में से चुनिए-
अन्यमनस्क
(a) जिसका मन किसी दूसरी ओर लगा हो
(b) किसी और स्थान पर
(c) जो पहले न हुआ हो
(d) जो नया न हो

23. 'जो कहा न जा सके' - इस वाक्यांश के लिए सही शब्द कौन-सा है?
(a) अविश्वसनीय (b) अकरणीय
(c) रहस्य (d) अकथनीय

24. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए शब्द के सही संधि विच्छेद का विकल्प हो।
परमाणु
(a) परम + णु (b) पर + अणु
(c) परम + अणु (d) पर + माणू

25. 'आजन्म' शब्द में समास है
(a) अव्ययीभाव (b) तत्पुरुष
(c) द्वंद्व (d) बहुव्रीहि

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

26. **व्याकरण की दृष्टि से निम्न में से कौन-सा वाक्य अशुद्ध है?**
(a) कृपया आप ही बताएँ।
(b) बन्दूक एक बहुत ही उपयोगी शस्त्र है।
(c) पुलाव बहुत लजीज है।
(d) उसके प्राण-पखेरू उड़ गये।

27. **आचार्य भरत के रससूत्र का उत्तर करते हुए 'अनुमितिवाद' की स्थापना किसने की?**
(a) आचार्य भट्टलोल्लट (b) आचार्य अभिनवगुप्त
(c) आचार्य शंकुक (d) आचार्य भट्टनायक

28. **'कहती हुई यों उत्तरा के नेत्र जल से भर गए**
हिम के कणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।'
इस पंक्तियों में कौन सा छन्द है?
(a) रोला (b) हरिगीतिका
(c) सोरठ (d) बरवै

29. **जिन पंक्तियों में समानार्थक शब्दों या वाक्यांशों की आवृत्ति हो परंतु अन्वय करने पर अर्थ में अंतर हो तो वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?**
(a) छेकानुप्रास अलंकार (b) लाटानुप्रास अलंकार
(c) श्रुत्यनुप्रास अलंकार (d) वृत्यानुप्रास अलंकार

30. **सातवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन कहाँ संपन्न हुआ था?**
(a) पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिदाद) (b)लंदन (ब्रिटेन)
(c) पारामारिबो (सूरीनाम) (d)पोर्ट लुई (मॉरीशस)

31. **निम्नलिखित में से कौन-सी लोकोक्ति लाक्षणिक अर्थ सहित सही है?**
(a) जो बोले सो घी को जाए- महाकृपण
(b) टके का सब खेल है-पैसा सब कुछ करता है
(c) जर का ज़ोर पूरा है और सब अधूरा है- स्वाभिमान
(d) जी जाए, घी न जाए- दान देने वाला

32. **''एक अनार सौ बीमार'' लोकोक्ति का अर्थ क्या है?**
(a) एक वस्तु के ग्राहक अनेक।
(b) संघ न होना
(c) प्राण सबसे प्रिय होते हैं।
(d) कपटपूर्ण व्यवहार करना।

33. **''काव्य आत्मा की संकल्पनात्मक अनुभूति है''- यह उक्ति किस रचनाकार की है?**
(a) अज्ञेय (b) जयशंकर प्रसाद
(c) महादेवी वर्मा (d) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों से दें:

सच्ची मित्रता जितनी बहुमूल्य होती है, उसे बनाए रखना भी उतना ही कठिन है। इस मित्रता को स्थिर और दृढ़ रखने के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यक तत्त्व हैं सहिष्णुता और उदारता। प्रत्येक व्यक्ति में कुछ न कुछ कमीं रहती ही है। पूर्ण निर्दोष और सर्वगुण सम्पन्न व्यक्ति कोई भी नहीं होता। अतः मित्र के अवगुणों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। दोष-दर्शन और एक दूसरे पर छींटाकशी से मित्रता में दरार पैदा होने का भय बना रहता है। आज भौतिकवादी युग है। इस युग में सच्चे मित्र का मिलना वैसे भी कठिन है। अधिकतर मित्र अपना उल्लू सीधा करने के लिए मित्रता का स्वाँग रचते हैं और अपना काम बन जाने के बाद अँगूठा दिखाकर चलते बनते है। ऐसे मित्र सामने प्रिय बोलते हैं, लेकिन पीछे विषवमन करते हैं। अतः शास्त्रों का मत है कि ऐसे मित्र मुख पर अमृत वाले विष से भरे घट के समान त्याज्य हैं। रामचरितमानस में कहा गया है- 'जे न मित्र दुख होंहि दुखारी। तिन्हहिं विलोकत पातक भारी॥

34. **कैसे मित्र विष से भरे घट के समान त्याज्य होते हैं?**
(a) जो मित्र सिर्फ अप्रिय वचन बोलते है।
(b) जो मित्र सिर्फ चुप रहते हैं।
(c) जो सामने प्रिय बोलते हैं, लेकिन पीछे विषवमन करते है।
(d) जो मित्र सिर्फ सच बोलते हैं।

35. **'विषवमन' शब्द कौन से समास का उदाहरण है?**
(a) द्वंद्व समास (b) बहुव्रीहि समास
(c) अव्ययीभाव समास (d) तत्पुरुष समास

36. **'पातक' शब्द का विलोम निम्नलिखित में से कौन सा शब्द है?**
(a) पुण्य (b) उपकार
(c) अपराध (d) पाप

37. **मित्रता को स्थिर और दृढ़ रखने के लिए................ सबसे महत्वपूर्ण आवश्यक तत्व हैं। (उपयुक्त शब्दों में वाक्य पूरा कीजिए।)**
(a) उधार लेना उधार देना
(b) समय पर सहायता न करना
(c) सहिष्णुता और उदारता
(d) बुराई करना और गुणों को छुपाना

SOLUTION : PRACTICE SET-18

ANSWER KEY

1. (b)	9. (d)	17. (d)	25. (a)	33. (b)
2. (d)	10. (d)	18. (a)	26. (b)	34. (c)
3.(c)	11. (c)	19. (b)	27. (c)	35. (d)
4. (a)	12. (b)	20. (b)	28. (b)	36. (a)
5. (d)	13. (b)	21. (d)	29. (b)	37. (c)
6. (d)	14. (b)	22. (a)	30. (c)	
7. (d)	15. (a)	23. (d)	31. (b)	
8. (b)	16. (a)	24. (c)	32. (a)	

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION

1. (b)
य, र, ल, व अन्तःस्थ व्यंजन के उदाहरण हैं।
ऊष्म व्यंजन - श, ष, स, ह
दंत्य व्यंजन - त वर्ग, ल, स
तालव्य व्यंजन - च वर्ग, य, श

2. (d)
दिये गये वाक्य मे अर्द्धविराम (;) का प्रयोग उपयुक्त होगा। शुद्ध वाक्य– कई सप्ताह से वर्षा होती ही जा रही है ; अर्थात् फसल नष्ट होकर रहेगी।

3.(c)
'लड़का' विकारी शब्द का उदाहरण है। किसी भी भाषा को सही और शुद्ध रूप से लिखने और पढ़ने के लिए व्याकरण सहायक होते हैं। विकारी शब्द वे शब्द होते हैं, जिन्हें किसी वाक्य में प्रयोग करने पर इनके रूप बदल जाते हैं। **जैसे**- लड़का, लड़के, लड़कों।

4. (a)
बोलने वाले वक्ता को 'उत्तम पुरुष' कहा जाता है। **जैसे-** मैं, हम परन्तु सर्वनाम में कारकों की विभक्तियाँ लगाने से इसके रूप में विकृति आ जाती है। **जैसे-** मैं, मुझे, मेरा, मुझसे, मुझको आदि। अतः 'मुझे' उत्तम पुरुष सर्वनाम है।

5. (d)
प्रश्नगत विकल्पों में 'स्त्री' शब्द का विशेषण 'स्त्रैण' होगा। शब्दों में प्रत्ययों के योग से विशेषण का निर्माण किया जाता है। क्रिया या धातु में कृत प्रत्यय के योग से कृदन्त विशेषण एवं संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण में तद्धित प्रत्यय के योग से तद्धितान्त विशेषणों का निर्माण होता है।

6. (d)
'मोहन बाजार पहुँच गया।' इस वाक्य में सकर्मक क्रिया का प्रयोग किया गया है। इस वाक्य में बाजार कर्म है तथा पहुँचना क्रिया है। जिस वाक्य में क्रिया का परिणाम कर्म पर पड़ता हो, वह वाक्य सकर्मक क्रिया का वाक्य कहलाता है।

7. (d)
अरे! साँप कहाँ गया? में 'कहाँ' शब्द साधारण क्रिया विशेषण है। जिन क्रिया विशेषणों का प्रयोग किसी वाक्य में स्वतन्त्र होता है, उन्हें साधारण क्रिया विशेषण कहते हैं। जैसे- बेटा, जल्दी आओ।

8. (b)
'दरी', स्त्रीलिंग शब्द है। जबकि फाटक, बगीचा तथा आँगन पुल्लिंग शब्द हैं।

9. (d)
व्यक्तिवाचक, द्रव्यवाचक एवं भाववाचक संज्ञाएँ सदैव एकवचन में प्रयुक्त होती हैं। इनके अतिरिक्त कुछ शब्द हिंदी में ऐसे भी हैं जो प्रायः एकवचन में प्रयुक्त होते हैं जैसे- चर्चा, जनता, वर्षा, सूरज, ईश्वर, पृथ्वी, प्रजा, खेल, हर कोई, प्रत्येक आदि। अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

10. (d)
'वह खा रहा था।' इस वाक्य में क्रिया 'अपूर्ण भूतकाल' का बोध करा रही है।
'जिस क्रिया से यह ज्ञात हो कि क्रिया भूतकाल में हो रही थी किन्तु उसकी समाप्ति का बोध न हो पा रहा हो, वह क्रिया अपूर्ण भूतकाल की क्रिया कहलाती है। **जैसे**- रमेश पढ़ रहा था।

11. (c)
'मोहन से बैठा नहीं जाता' वाक्य में 'बैठा नहीं जाता' से एक भाव स्पष्ट हो रहा है। इस वाक्य में कर्ता और कर्म की प्रधानता का बोध नहीं हो रहा तथा क्रिया भाव के अनुसार है। अतः यह वाक्य भाववाच्य का उदाहरण है। 'मोहन पुस्तक पढ़ता है' तथा 'श्याम पत्र लिखता है' में कर्तृवाच्य तथा 'पत्र लिखा जाता है' में कर्मवाच्य होगा।

12. (b)
दिये गये वाक्य 'मोहिनी ने चिड़ियाघर में पक्षी देखे' के रेखांकित शब्द में 'कर्म कारक' है।
कर्मकारकः- वाक्य में क्रिया का फल जिस शब्द पर पड़ता है, उसे कर्म कहते हैं। इसकी विभक्ति 'को' है। यह चिह्न बहुत से स्थानों पर नहीं लगता। बुलाना, सुलाना, कोसना आदि क्रियाओं के प्रयोग में अगर कर्म संज्ञा हो,तो 'को' विभक्ति जरूर लगती है।
जैसे– सोहन ने साँप को मारा।
वाक्य में 'मारने' की क्रिया का फल 'साँप' पर पड़ा है। अतः साँप कर्म कारक है, इसके साथ परसर्ग 'को' लगा है।

13. (b)
'अधर' शब्द तद्भव नहीं है बल्कि यह तत्सम् शब्द है। अन्य तद्भव – तत्सम इस प्रकार हैं –

तद्भव	**तत्सम**
दाँत	दन्त
आँख	अक्षि
कान	कर्ण

14. (b)
दिए गए विकल्पों में 'ग़ैर' उपसर्ग अरबी/फ़ारसी का उपसर्ग है जबकि 'उप' हिंदी का तथा 'कु' संस्कृत का उपसर्ग है। इन उपसर्गों से बने शब्द निम्न प्रकार हैं-
'ग़ैर'→ ग़ैरहाजिर, ग़ैरकानूनी, ग़ैरजिम्मेदार, ग़ैरमुल्क आदि।
'उप'→ उपकार, उपहार, उपद्रव, उपचार, उपवन आदि।
'कु'→ कुपुत्र, कुकर्म, कुरूप, कुमति, कुख्यात आदि।

15. (a)
शब्द 'पांडित्य' में 'य' प्रत्यय प्रयुक्त हुआ है। इसका मूल शब्द पंडित् है। प्रत्यय वे शब्दांश हैं जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं। **जैसे-** समाज + इक = सामाजिक।

16. (a)

शब्द		**विलोम**
आस्तिक	-	नास्तिक
झुकाव	-	तनाव
जटिल	-	सरल
मिलन	-	वियोग

17. (d)

शब्द	**–**	**विलोम**
अनभिज्ञ	–	अभिज्ञ
अज्ञ	–	विज्ञ
अर्थ	–	अनर्थ
असीम	–	ससीम

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

18. (a)
'चोर' का पर्यायवाची शब्द 'खनक' है।
खनक – चोर, दस्यु, रजनीचर, तस्कर, कुम्भिल, कंभिज
उदक – पानी, नीर, सलिल, अम्बु, तोय, पय, अमृत, सारंग।
धूसर – गदहा, खर, गर्दभ, वैशाखनन्दन, रासभ, चक्रीवान, गधा।

19. (b)
जीवन धन का समानार्थी शब्द पति (स्वामी) है। यमराज के समानार्थी शब्द-यम, धर्मराज, मृत्यु, अन्तक आदि हैं। आदमी के समानार्थी शब्द-मानव, मनुष्य, मनुज, मानुष, इंसान तथा महीपति के समानार्थी शब्द-अवनीश, नरपति, नरेन्द्र, महिपाल आदि हैं।

20. (b)
वाक्य- 'बूढ़े माता-पिता का एकमात्र सहारा उनका बेटा ही था' में सहारा के लिए उचित शब्द 'अवलंब' होगा। जबकि अविलम्ब का अर्थ-शीघ्र, विलम्ब रहित, अमूल्य का अर्थ-अनमोल, बहुमूल्य होता है।

21. (d)
'कृती-निकृष्ट पुरुष' शब्द-युग्म का अर्थ सही नहीं है। 'कृती' का अर्थ कुशल, दक्ष या पुण्यात्मा होता है जबकि 'निकृष्ट पुरुष' का अर्थ नीच या अधम पुरुष होता है।

22. (a)

वाक्यांश	**एक शब्द**
जिसका मन किसी दूसरी ओर लगा हो	अन्यमनस्क
किसी और स्थान पर	अन्यत्र
जो पहले न हुआ हो	अभूतपूर्व
जो नया न हो	अनूतन

23. (d)
वाक्यांशों का विवरण है –

वाक्यांश	एक शब्द
जो कहा न जा सके	अकथनीय
जिस पर विश्वास न किया जा सके	अविश्वसनीय
जिसका अंत न हो	अनन्त
दूसरे के मन की बात जानने वाला	अन्तर्यामी

24. (c)
'परमाणु' शब्द का सन्धि विच्छेद परम + अणु होगा यह दीर्घ स्वर सन्धि का उदाहरण है।
दीर्घ स्वर सन्धि– यदि प्रथम शब्द के अन्त में ह्रस्व या दीर्घ स्वर (अ इ उ ऋ) में से कोई एक वर्ण हो और दूसरे शब्द के प्रारम्भ में समान वर्ण हो तो दोनों के स्थान पर दीर्घ हो जाता है।

25. (a)
'आजन्म' शब्द में अव्ययीभाव समास है। जिस समास का पहला पद अव्यय तथा प्रधान हो, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं। जैसे-

प्रति + दिन = प्रतिदिन	प्रत्येक दिन
अनु + रूप = अनुरुप	रूप के अनुसार
प्रति + कूल = प्रतिकूल	इच्छा के विरुद्ध

26. (b)
'बंदूक एक बहुत ही उपयोगी शस्त्र है' वाक्य अशुद्ध है। शेष शुद्ध हैं।

27. (c)

वाद	**आचार्य**
अनुमितिवाद	- शंकुक
उत्पत्तिवाद	- भट्ट लोल्लट
भुक्तिवाद/भोगवाद	- भट्ट नायक
अभिव्यक्तिवाद	- अभिनव गुप्त

28. (b)
'कहती हुई यों उत्तरा के नेत्र जल से भर गए।
हिम के कणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।'
इन पंक्तियों में हरिगीतिका छन्द है। हरिगीतिका छन्द के प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ होती हैं। सोरठा में चार चरण होते हैं तथा इसके पहले तथा तीसरे में 11-11 मात्राएँ एवं दूसरे तथा चौथे में 13-13 मात्राएँ होती हैं।

29. (b)
जिन पंक्तियों में समानार्थक शब्दों या वाक्यांशों की आवृत्ति हो परन्तु अन्वय करने पर अर्थ में अंतर हो तो वहाँ 'लाटानुप्रास अलंकार' होता है।
जैसे- तेग बहादुर, हाँ, वे ही थे गुरू-पदवी के पार्थ समर्थ,
तेग बहादुर, हाँ, वे ही थे गुरू-पदवी थी जिनके अर्थ।

30. (c)
सातवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन पारामारिबो (सूरीनाम) में वर्ष 2003 में संपन्न हुआ था। आँठवाँ सम्मेलन वर्ष 2007 में न्यूयार्क (संयुक्त राज्य अमेरिका) में संपन्न हुआ था।

31. (b)
लोकोक्ति लाक्षणिक अर्थ सहित दिये गये विकल्पों में 'टके का सब खेल है-पैसा सब कुछ करता है।' सही है, अन्य विकल्पों में दिये गये लोकोक्तियों, लाक्षणिक अर्थ सहित सही नहीं है।
इन लोकोक्तियों का सही लाक्षणिक अर्थ है-
- जो बोले सो घी को जाए-जो सलाह दे, वही उस काम को करे।
- जर का जोर पूरा है और सब अधूरा है- धन में सब कार्य सिद्ध करने की शक्ति है।
- जी जाए घी न जाए – महा कंजूस होना।

32. (a)
दिये गये लोकोक्ति 'एक अनार सौ बीमार' का अर्थ है- एक वस्तु के ग्राहक अनेक।
वाक्य प्रयोग - नौकरी के दस पद के लिए लाखों आवेदन-पत्र देखकर एक अनार सौ बीमार वाली कहावत चरितार्थ होती है।

33. (b)
''काव्य आत्मा की संकल्पनात्मक अनुभूति है।'' 'जयशंकर प्रसाद' का कथन है। अज्ञेय प्रयोगवादी कवि हैं तथा इन्हें नई कविता के जनक के रूप में भी जाना जाता है। महादेवी वर्मा, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला' छायावाद के चार स्तंभों में गिने जाते हैं।

34. (c)
दिए हुए गद्यांश के अनुसार सही उत्तर होगा– 'जो सामने प्रिय बोलते हैं, लेकिन पीछे विषवमन करते हैं।'

35. (d)
दिए हुए प्रश्न में शब्द 'विषवमन' में तत्पुरुष समास होगा। अतः विषवमन का अर्थ विष उगलना/कटु बात करना होगा।

36. (a)
दिए हुए प्रश्न में 'पातक' शब्द का विलोम 'पुण्य' होगा।

37. (c)
दिए हुए प्रश्न का सही उत्तर होगा– मित्रता को स्थिर और दृढ़ रखने के लिए 'सहिष्णुता' और 'उदारता' सबसे महत्त्वपूर्ण और आवश्यक तत्त्व हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-19

1. किस समूह के वर्णों का उच्चारण स्थान मूर्द्धा है?

(a) श, ह, च, छ (b) ष, ऋ, ट, ठ
(c) स, त, थ, द, (d) अ, क, ख, ग

2. दिए गए वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न का चयन कीजिए।
मोहन बैंगलोर चला गया आप बेफिक्र रहें।

(a) .... (b) .
(c) ; (d) –

3. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द जातिवाचक संज्ञा शब्द नहीं है?

(a) पशु (b) घर
(c) नदी (d) नर्मदा

4. 'हम' के विषय में कौन-सा कथन गलत है?

(a) उत्तम पुरुष सर्वनाम
(b) एकवचन सूचक मध्यम पुरुष सर्वनाम
(c) बहुवचन सूचक सर्वनाम
(d) उत्तम पुरुष बहुवचन सूचक सर्वनाम

5. विशेषण बताइए :

(a) क्षम्य (b) फेन
(c) शिक्षा (d) भ्रम

6. 'सीता गाना गा रही है।' इस वाक्य में क्रिया का कौन-सा प्रकार है?

(a) पूर्वकालिक क्रिया (b) अकर्मक क्रिया
(c) अनेकार्थक क्रिया (d) सकर्मक क्रिया

7. निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा एक वाक्य क्रिया-विशेषण से सम्बन्ध रखता है?

(a) वह खड़ा है।
(b) बच्चे दौड़ते हैं।
(c) सीता यहाँ आ रही है।
(d) गाय चरती है।

8. नीचे चार शब्द दिए गए हैं। इनमें से तीन शब्द स्त्रीलिंग हैं, जबकि एक शब्द पुल्लिंग है। कौन-सा शब्द पुल्लिंग है?

(a) चाल (b) दाल
(c) खाल (d) गाल

9. 'मिठाई' शब्द किस शब्द का एकवचन है?

(a) मीठे (b) मिठाई
(c) मिठइयाँ (d) मिठाइयाँ

10. 'मैं खाना खा चुका था' इस वाक्य में कौन-सा भूतकालिक भेद है?

(a) पूर्ण भूत (b) सामान्य भूत
(c) संदिग्ध भूत (d) आसन्न भूत

11. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य भाववाच्य दर्शाता है?

(a) नानी द्वारा कहानी सुनाई जाती है
(b) रवि बात करता है
(c) मुझसे खाया नहीं जाता
(d) मैं पुस्तक का विमोचन करता हूँ

12. निम्न में से कौन से वाक्य में कर्मकारक का गलत प्रयोग हुआ है?

(a) लड़का कुत्ते को मारता है।
(b) सीता ने चिट्ठी लिखी।
(c) रमेश ने गोपाल को मारा।
(d) कविता पत्र को लिखती है।

13. निम्नलिखित में से अर्द्ध तत्सम शब्द को पहचानिए:

(a) दैव (b) पंख
(c) अच्छर (d) बच्चा

14. किस शब्द में उपसर्ग नहीं है?

(a) विरासत (b) व्यापार
(c) वीक्षक (d) विकल

15. 'गाड़ीवाला' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?

(a) ड़ीवाला (b) गाड़ी
(c) वाला (d) ला

16. इनमें से कौन-सा शब्द 'हिंसा' का विलोम है?

(a) अहिंसा (b) क्रांति
(c) प्रतिक्रांति (d) अशांति

17. 'ऐश्वर्य' का विलोम शब्द कौन-सा होगा?

(a) अनैश्वर्य (b) दरिद्रता
(c) वैभव (d) विलासिता

18. निम्नलिखित विकल्पों में से 'चंचरीक' शब्द का पर्यायवाची चुनिए -

(a) हवा (b) भ्रमर
(c) मित्र (d) पुत्र

19. निम्न में से 'प्रज्ञा और मनीषा' शब्द का पर्यायवाची नहीं है?

(a) विवेक (b) मेधा
(c) मति (d) विधाता

20. निम्नलिखित में एक शब्द भिन्न अर्थ वाला है। भिन्नार्थक शब्द का चयन कीजिए।

(a) अनुजा (b) तनुजा
(c) दुहिता (d) सुता

21. कृपण तथा कृपाण शब्दों के क्रमशः अर्थ हैं -

(a) धनवान तथा कटार
(b) कंजूस तथा कटार
(c) कृपालु तथ कटार
(d) कटार तथा कंजूस

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

22. **नीचे दिए शब्द के लिए उचित वाक्यांश दिए गए विकल्पों में से चुनिए-**
अभूतपूर्व
(a) जो किसी पर अभियोग लगाए
(b) जिस पर अभियोग लगाया गया हो
(c) जो पहले घटित न हुआ हो
(d) जो भेदा न जा सके

23. **'सबसे पहले गिना जाने वाला' के लिए इनमें से उपयुक्त शब्द क्या है?**
(a) अग्रहरि (b) अग्रगणक
(c) अग्रगामी (d) अग्रगण्य

24. **'त्रिपुरारि' का सही संधि-विच्छेद कौन-सा है?**
(a) त्रिपुर + अरि (b) त्रिपुर + रारी
(c) त्रिपुरा + री (d) त्रिपुरा + आर्री

25. **प्रतिदिन में कौन-सा समास है?**
(a) द्वन्द्व (b) अव्ययीभाव
(c) तत्पुरुष (d) द्विगु

26. **व्याकरण की दृष्टि से निम्न में से कौन सा वाक्य शुद्ध है?**
(a) तूने कहाँ जाना है।
(b) श्रीकृष्ण के अनेकों नाम हैं।
(c) शीला प्रतिदिन स्कूल जाती है।
(d) उसका प्राण पखेरू उड़ गया।

27. **आचार्य भरत के रससूत्र के व्याख्याता शंकुक के सिद्धान्त का नाम हैः**
(a) अनुमितिवाद (b) भोगवाद
(c) अभिव्यक्तिवाद (d) आरोपवाद

28. **अवधी का निजी छंद है –**
(a) बरवै (b) कवित्त
(c) रोला (d) छप्पय

29. **''पूत सपूत, तो क्यों धन संचय? पूत कपूत, तो क्यों धन संचय''- इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?**
(a) अंत्यनुप्रास अलंकार (b) श्रुत्यनुप्रास अलंकार
(c) वृत्यानुप्रास अलंकार (d) लाटानुप्रास अलंकार

30. **नौवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन कहाँ संपन्न हुआ था?**
(a) पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिदाद)
(b) जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका)
(c) नई दिल्ली (भारत)
(d) पोर्ट लुई (मॉरीशस)

निर्देश: निम्नलिखित प्रत्येक कहावत के लिए चार-चार समानार्थक वाक्यांश दिए गए हैं। उनमें से सही उत्तर के रूप में विकल्प का चयन कीजिए।

31. **पत्थर को जोंक नहीं लगती**
(a) सबल का शोषण नहीं होता
(b) मजबूत चीज़ आसानी से खराब नहीं होती
(c) दो धूर्तों में प्राय: टकराव नहीं होता
(d) हठी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता

32. **'मान न मान मै तेरा मेहमान' – कहावत का अर्थ बताइए।**
(a) जबरदस्ती गले पड़ना (b) मेहमान नवाजी करना
(c) मेहमान न बनना (d) मेजबानी करना

33. **''श्रद्धा एवं प्रेम के योग का नाम भक्ति है।'' यह किसका प्रसिद्ध कथन है?**
(a) हजारी प्रसाद द्विवेदी (b) मुक्तिबोध
(c) श्यामसुंदर दास (d) रामचंद्र शुक्ल

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

एकता के महत्त्व से संबंधित अनेक लोकोक्तियाँ प्रचलित हैं, यथा- दस की लाठी एक का बोझ, अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता इत्यादि। एक तिनके की क्या हस्ती? लेकिन जब वही तिनका संगठित होकर रस्सी बन जाता है, तब इससे बलशाली हाथी भी बँध जाता है। एक ईंट की क्या बिसात? लेकिन जब यहीं ईंटें मिलकर दीवार बनाती हैं, तब उसे तोड़ना मुश्किल हो जाता है। एक बूँद जल का क्या अस्तित्व? लेकिन जब इन्हीं बूँदों के मेल से सागर का निर्माण होता है, तो उसे लाँघना दुष्कर हो जाता है। एक चींटी की क्या औकात? लेकिल जब ये छोटी-सी चींटियाँ एक साथ हो जाती हैं, तब अपने से बड़े आकार के जीवों को चट कर जाती हैं। एकता के महत्त्व से संबंधित एक किसान और उसके बच्चों की और लकड़ी के टुकड़ों की कथा प्रचलित है। लकड़ी के टुकड़े जब अलग-अलग रहते हैं, तब बच्चों द्वारा वे आसानी से तोड़ दिये जाते हैं; परंतु वे ही टुकड़े जब संगठित होकर गट्ठर बन जाते हैं, तब बच्चे तोड़ नहीं पाते हैं। इन दृष्टान्तों से स्पष्ट है कि 'एकता में ही बल है।'

34. **जब चींटियाँ एक साथ जाती हैं तो .... (वाक्य पूरा कीजिये)**
(a) दूर तक चली जाती हैं।
(b) अपने से बड़े आकार के जीवों को चट कर जाती हैं।
(c) एक पंक्ति बना लेती हैं।
(d) काटना शुरू कर देती हैं।

35. **'अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता' लोकोक्ति का अर्थ है :**
(a) अकेला व्यक्ति कुछ भी कर सकता है।
(b) अकेला चना कुछ नहीं कर सकता।
(c) अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता है।
(d) अकेला व्यक्ति भाड़ नहीं फोड़ सकता है।

36. **इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।**
(a) बूँद से सागर का बनना (b) जीवन की सच्चाई
(c) संगठन में शक्ति है (d) अनेकता में एकता

37. **तिनके की क्या विशेषता है?**
(a) तिनका घास का काम करता है।
(b) तिनके से चिड़िया घोंसला बनाती है।
(c) तिनका व्यर्थ का कचरा है।
(d) जब तिनका संगठित होकर रस्सी बन जाता है, तब इससे बलशाली हाथी भी बँध जाता है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION : PRACTICE SET-19

ANSWER KEY

1. (b)	9. (d)	17. (a)	25. (b)	33. (d)
2. (c)	10. (a)	18. (b)	26. (c)	34. (b)
3. (d)	11. (c)	19. (d)	27. (a)	35. (c)
4. (b)	12. (b)	20. (a)	28. (a)	36. (c)
5. (a)	13. (c)	21. (b)	29. (d)	37. (d)
6. (d)	14. (a)	22. (c)	30. (b)	
7. (c)	15. (c)	23. (d)	31. (d)	
8. (d)	16. (a)	24. (a)	32. (a)	

SOLUTION

1. (b)
उपर्युक्त विकल्पों में दिये गये समूहों के वर्णों का उच्चारण स्थान इस प्रकार है।

वर्ण समूह	**उच्चारण स्थान**
ष, ऋ, ट, ठ	मूर्द्धा
श, ह, च, छ	तालु
स, त, थ, द	दन्त
अ, क, ख, ग	कण्ठ

2. (c)
दिए गए वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न (;) अर्द्धविराम का प्रयोग होगा। अतः पूर्ण शुद्ध वाक्य होगा– मोहन बैंगलोर चला गया; आप बेफ्रिक रहें।
* अर्द्धविराम (;) जहाँ पूर्णविराम की अपेक्षा कम देर और अल्प विराम की अपेक्षा अधिक देर तक रुकना हो, वहाँ अर्द्धविराम का प्रयोग करते हैं।

3. (d)
'नर्मदा' शब्द जातिवाचक संज्ञा नहीं है 'नर्मदा' शब्द 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' है। जबकि पशु, घर तथा नदी जातिवाचक संज्ञा शब्द हैं।

4. (b)
'हम' के विषय में 'एकवचन सूचक मध्यम पुरुष सर्वनाम' कथन गलत है। 'हम' पुरुषवाचक सर्वनाम है। इसके अन्तर्गत उत्तमपुरुष बहुवचन सूचक सर्वनाम आता है।

5. (a)
उपर्युक्त विकल्पों में से क्षम्य शब्द विशेषण है, जो 'क्षमा' शब्द से निर्मित है। शेष विकल्प संज्ञा शब्द हैं।

6. (d)
'सीता गाना गा रही है।' यह वाक्य 'सकर्मक क्रिया' का वाक्य है। जिस वाक्य में कर्म उपस्थित होता है तथा क्रिया का प्रभाव 'कर्म' पर पड़ता है, वह वाक्य सकर्मक क्रिया का वाक्य होता है।
जैसे- राम फल खा रहा है।
सीता गाना गा रही है।

7. (c)
सीता यहाँ आ रही है। वाक्य क्रिया विशेषण से संबंध रख रहा है। 'यहाँ' शब्द सीता के आने की क्रिया की विशेषता बता रहा है। अतः 'यहाँ' शब्द स्थानवाचक क्रियाविशेषण है।

8. (d)
उपर्युक्त शब्दों में चाल, दाल, खाल स्त्रीलिंग शब्द हैं जबकि गाल पुल्लिंग शब्द है।

9. (d)
प्रश्न के अनुसार 'मिठाई' एकवचन तथा इसका बहुवचन 'मिठाइयाँ' होता है। शेष शब्द वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध हैं।

10. (a)
'मैं खाना खा चुका था' यह वाक्य पूर्ण भूतकालिक क्रिया का भेद है। क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय में उसकी पूर्ण सम्पन्नता का बोध हो, ऐसी क्रियाएँ पूर्ण भूतकालिक क्रियाएँ कहलाती हैं। **जैसे**– वह आया था।

11. (c)
प्रश्नगत विकल्पों में से 'मुझसे खाया नहीं जाता' वाक्य भाववाच्य को दर्शाता है। शेष वाक्यों में 'नानी द्वारा कहानी सुनायी जाती है' कर्मवाच्य का तथा 'रवि बात करता है' 'और' मैं पुस्तक का विमोचन करता हूँ' कर्तवाच्य के उदाहरण हैं।

12. (b)
दिए गए वाक्य 'सीता ने चिट्ठी लिखी में कर्मकारक का गलत प्रयोग हुआ है। शेष अन्य विकल्पों में कर्मकारक का सही प्रयोग हुआ है।

13. (c)
अर्द्ध तत्सम शब्द 'अच्छर' है जिसका तत्सम 'अक्षर' होता है।

14. (a)
'विरासत' शब्द में उपसर्ग का प्रयोग नहीं किया गया है। जबकि व्यापार, वीक्षक तथा विकल में 'वि' उपसर्ग के रूप में प्रयोग हुआ है।

15. (c)
गाड़ीवाला शब्द में 'वाला' प्रत्यय के रूप में प्रयुक्त हुआ है। प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं।
(1) कृत प्रत्यय (2) तद्धित प्रत्यय
'वाला' प्रत्यय तद्धित प्रत्यय के अंतर्गत आता है। संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण के अन्त में लगने वाले प्रत्यय को तद्धित प्रत्यय कहा जाता है। **जैसे**- 'वाला' - गाड़ीवाला, दूधवाला, टोपीवाला
कृत प्रत्यय - कृत प्रत्यय क्रिया अथवा धातु के अंत में लगते हैं तथा इनसे बने शब्दों को कृदन्त कहते हैं। **जैसे**- पढ़ाई (आई प्रत्यय), पठनीय (नीय प्रत्यय)।

16. (a)

शब्द	**विलोम**
हिंसा	अहिंसा
अशांति	शांति

17. (a)

शब्द	**–**	**विलोम**
ऐश्वर्य	–	अनैश्वर्य
दरिद्रता	–	सम्पन्नता
वैभव	–	दारिद्रय
अर्जन	–	व्ययन
संकीर्ण	–	विस्तीर्ण

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

18. (b)
'चंचरीक' शब्द का पर्यायवाची 'भ्रमर' होगा।
भ्रमर शब्द के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं – भौंरा, लंपट, मधुप, कामुक, अलि, षट्पद, मधुकर, द्विरेफ
दिये गये अन्य विकल्पों के अन्य पर्यायवाची शब्द निम्न हैं –
हवा - पवन, अनिल, समीर, वायु, बयार
मित्र - सखा, दोस्त, सहचर, सुहृद, संगी
पुत्र - पूत, तनय, लाल, छोरा, आत्मज

19. (d)
दिए हुए प्रश्न में शब्द 'प्रज्ञा और मनीषा' का पर्यायवाची विधाता नहीं है। शेष विकल्प 'प्रज्ञा और मनीषा' के पर्यायवाची हैं। प्रज्ञा तथा मनीषा के अन्य पर्याय – बुद्धि, प्रतिभा, ज्ञान, मति, समझ, अक्ल, मेधा, विवेक आदि।

20. (a)
अनुजा भिन्न अर्थ वाला शब्द है। इसका अर्थ छोटी बहन होता है जबकि तनुजा, दुहिता, सुता शब्द पुत्री के पर्यायवाची शब्द हैं।

21. (b)
कृपण तथा कृपाण श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द हैं।
जहाँ 'कृपण' का अर्थ 'कंजूस' तथा 'कृपाण' का अर्थ 'कटार' होता है।

22. (c)

वाक्यांश	**एक शब्द**
जो पहले घटित न हुआ हो	अभूतपूर्व
जो किसी पर अभियोग लगाए	अभियोगी
जिस पर अभियोग लगाया गया हो	अभियुक्त
जो भेदा न जा सके	अभेद्य

23. (d)

वाक्यांश		**एक शब्द**
सबसे पहले गिना जाने वाला	–	अग्रगण्य
जो पहले जन्मा हो	–	अग्रज
सबसे आगे रहने वाला	–	अग्रणी
ऊपर कहा हुआ	–	उपर्युक्त

24. (a)
'त्रिपुरारि' का सही संधि-विच्छेद 'त्रिपुर + अरि' होगा। त्रिपुरारि में दीर्घ संधि है। जब ह्रस्व अ,इ,उ,ऋ के बाद ह्रस्व या दीर्घ समान स्वर आता है, तो दोनों के स्थान पर 'दीर्घ स्वर' हो जाता है।
जैसे- विद्या + अर्थी = विद्यार्थी
कपि + ईश = कपीश
गुरु + उपदेश = गुरुपदेश

25. (b)
प्रतिदिन में अव्ययीभाव समास है। जिस समास का पहला पद अव्यय तथा प्रधान हो उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं। प्रतिदिन का विग्रह-दिन-दिन होगा।

26. (c)
व्याकरण की दृष्टि से निम्न वाक्य शुद्ध है-
'शीला प्रतिदिन स्कूल जाती है।'
अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप निम्न हैं-

अशुद्ध वाक्य	**शुद्ध वाक्य**
तूने कहाँ जाना है?	तुम्हें कहाँ जाना है?
श्री कृष्ण के अनेकों नाम हैं।	श्रीकृष्ण के अनेक नाम हैं।
उसका प्राण पखेरू उड़ गया।	उसके प्राण पखेरू उड़ गये।

27. (a)
आचार्य भरतमुनि के रस सूत्र के व्याख्याता शंकुक के सिद्धान्त का नाम 'अनुमितिवाद' है।

आचार्य	**सिद्धान्त**
भट्टलोल्लट	उत्पत्तिवाद या आरोपवाद
भट्टशंकुक	अनुमितिवाद या अनुमानवाद
भट्टनायक	भुक्तिवाद या भोगवाद
अभिनवगुप्त	अभिव्यक्तिवाद

28. (a)
अवधी का निजी छंद **बरवै** है। बरवै अर्द्धसममात्रिक छंद है इसमें चार चरण होते हैं, इसके विषम चरणों (पहला तथा तीसरा) में 12-12 मात्राएँ तथा सम चरणों (दूसरा तथा चौथा) में 7-7 मात्राएँ होती हैं।

29. (d)
'पूत सपूत, तो क्यों धन संचय? पूत कपूत, तो क्यों धन संचय' इस पंक्ति में लाटानुप्रास अलंकार है। लाटानुप्रास में ऐसे शब्द या वाक्य दुबारा आते हैं जिनका सामान्य अर्थ तो एक ही होता है किन्तु अन्वय करने से पूरे वाक्य का अर्थ बदल जाता है। अनुप्रास अलंकार मुख्यतया 5 प्रकार के होते हैं। श्रुत्यनुप्रास, वृत्यानुप्रास, लाटानुप्रास, छेकानुप्रास, अन्त्यानुप्रास प्रमुख हैं।

30. (b)
नौवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) में संपन्न हुआ था। यह वर्ष 2012 ई. में हुआ था।
दसवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन वर्ष 2015 ई. में भोपाल (भारत) में हुआ था।
11वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन वर्ष 2018 ई. में पोर्ट लुई (मॉरिशस) में हुआ था।

31. (d)
पत्थर को जोंक नहीं लगती कहावत का अर्थ 'हठी / निर्मम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता' है।

32. (a)
दी गई कहावत 'मान न मान मै तेरा मेहमान' का अर्थ है– जबरदस्ती गले पड़ना।
वाक्य प्रयोग :– रमेश मैं तुम्हें अपने घर नहीं ले जा सकता, क्यों मेरे गले पड़ रहे हो। तुम तो मान न मान मै तेरा मेहमान वाली कहावत चरितार्थ कर रहे हो।

33. (d)
'श्रद्धा एवं प्रेम के योग का नाम भक्ति है' यह प्रसिद्ध कथन 'आचार्य रामचंद्र शुक्ल' द्वारा लिखित निबंध 'श्रद्धा और भक्ति' से लिया गया है।

34. (b)
दिये गये गद्यांश के आधार पर रिक्त स्थान में 'अपने से बड़े आकार के जीवों को चट कर जाती हैं।', भरा जायेगा।

35. (c)
गद्यांश के अनुसार, 'अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता' लोकोक्ति का अर्थ, 'अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता है।' होगा।

36. (c)
दिये गये गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक 'संगठन में शक्ति' होगा। अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।

37. (d)
दिये गये गद्यांश में लेखक ने तिनके की विशेषता बताते हुए कहा है कि 'अकेले तिनके की कोई हस्ती नहीं होती है, लेकिन जब कई तिनके संगठित होकर रस्सी का रूप धारण करते हैं, तब इससे बलशाली हाथी भी बांधा जा सकता है।'

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-20

1. विसर्ग (:) का उच्चरण स्थान है-

(a) कण्ठ्य (b) ओष्ठ्य
(c) तालव्य (d) अनुनासिक

2. मिश्रित तथा संयुक्त वाक्यों में विरोध का भाव प्रकट करने के लिए किस विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है?

(a) योजक चिह्न (b) कोष्ठक
(c) उपविराम (d) अर्द्धविराम

3. निम्नलिखित में से 'संज्ञा' की दृष्टि से असंगत युग्म है

(a) बंदर – जातिवाचक
(b) मोटाई - भाववाचक
(c) नेपाल – व्यक्तिवाचक
(d) घृणा - जातिवाचक

4. निम्नलिखित जोड़ों में से उत्तम पुरुष वाले जोड़ों को पहचानिए।

(a) मैं-हम (b) तू-तुम
(c) वह-वे (d) इससे-इन्होंने

5. निम्नलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द विशेषण है?

(a) शासन (b) अनुशासन
(c) अनुशंसा (d) अनुशासित

6. इनमें से सकर्मक क्रिया का वाक्य कौन-सा है?

(a) बालक खिलौना पाकर हँसता है
(b) बालिका निबंध लिख रही है।
(c) मंदाकिनी सोती है।
(d) पक्षी आकाश में उड़ते हैं।

7. निम्नलिखित विकल्पों में से एक वाक्य संयोजक क्रिया-विशेषण से सम्बन्ध रखता है?

(a) वह खाकर स्कूल गया।
(b) मैं जाकर देखूँगा
(c) तुम किताब खोलकर पढ़ोगे।
(d) जब आप आज्ञा देंगे, तब मैं उठूँगा।

8. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द पुल्लिंग है?

(a) जोगी (b) नर्मदा
(c) अमावस्या (d) वक्त्री

9. 'गौ' शब्द का वचन पहचानिए।

(a) सदा बहुवचन (b) एकवचन
(c) सदा एकवचन (d) बहुवचन

10. 'पानी बह रहा था।'– इस वाक्य में क्रिया किस काल का बोध करा रही है?

(a) संदिग्ध भूत (b) हेतुहेतुमद् भविष्यत्
(c) हेतुहेतुमद् भूत (d) अपूर्ण भूत

11. भाव वाच्य छाँटिएः

(a) दादाजी के द्वारा अनिल को डाँटा गया।
(b) तोते से उड़ा नहीं गया।
(c) अशोक ने आइसक्रीम खाई।
(d) चोर पकड़ा गया।

12. ''अध्यापक को पुरस्कार दीजिए''-इस वाक्य में कौन-सा कारक है?

(a) संबोधन कारक (b) अधिकरण कारक
(c) कर्म कारक (d) संबंध कारक

13. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तत्सम है?

(a) आज (b) आँख
(c) अग्र (d) आग

14. निम्नलिखित में से कौन-सा उपसर्ग उर्दू का नहीं है?

(a) खुश (b) कम
(c) उन (d) गैर

15. इनमें से 'लड़ाई' में प्रयुक्त प्रत्यय कौन-सा है?

(a) इ (b) अइ (c) ई (d) आई

16. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'आरोह' का विलोम है?

(a) प्ररोह (b) अवरोह
(c) समारोह (d) निर्मोह

17. 'बहुमत' का विलोम शब्द कौन-सा है?

(a) हार (b) अल्पमत (c) भिन्नमत (d) जीत

18. <u>जल</u> ही जीवन है।

(a) समीर
(b) ललित
(c) इला
(d) वारि

19. 'रात' शब्द का पर्यायवाची शब्द नहीं हैः

(a) रजनी (b) कामिनी
(c) यामिनी (d) विभावरी

20. इनमें से किस शब्द का एक अर्थ 'एतराज' भी है?

(a) विपत्ति (b) संकट
(c) आपत्ति (d) आफत

**21. दिए गए शब्द युग्म का सही शब्द युग्म ज्ञात कीजिए।
कलि : कली**

(a) दुर्ग : कीर (b) कीर : कलियुग
(c) कलिका : दुर्ग (d) कलियुग : कलिका

22. 'जिसमें शक्ति न हो' वाक्यांश के लिए इनमें से उपयुक्त शब्द कौन-सा है?

(a) अशक्त (b) शकत
(c) अशक्य (d) अशोक

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

23. **'जहाँ जाना संभव न हो'- इस वाक्यांश के लिए सही शब्द कौन- सा है?**

(a) अगम (b) सुगम्य (c) आयत्र (d) अजय

24. **'स्थानापन्न' का सही संधि-विच्छेद कौन-सा है?**

(a) स्थान + पन्न (b) स्थाना + पन्न

(c) स्थान + आपन्न (d) स्थापन + न

25. **जिस समास का पहला पद अव्यय हो तथा प्रथम पद प्रधान हो, उसे कौन सा समास कहते हैं?**

(a) बहुव्रीहि (b) अव्ययीभाव

(c) द्वंद्व (d) द्विगु

26. **'आज की सभा में अनेकों लोग उपस्थित थे।' वाक्य के किस भाग में अशुद्धि है?**

(a) आज की (b) सभा में

(c) अनेकों लोग (d) उपस्थित थे।

27. **'चित्रतुरंग न्याय' पर किस आचार्य का सिद्धांत आधारित है?**

(a) अभिनव गुप्त (b) शंकुक

(c) वामन (d) भट्ट नायक

28. **जिस छन्द के प्रथम तथा तृतीय चरण में 12-12 मात्राएँ एवं द्वितीय तथा चतुर्थ चरण में 7-7 मात्राएं होती हैं, साथ ही सम चरणों के अन्त में जगण (। ऽ ।) होता है, वह छन्द है –**

(a) मालिनी (b) बरवै

(c) रोला (d) इन्द्रवज्रा

29. **'वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे' पंक्ति में कौन सा अलंकार है?**

(a) अनुप्रास (b) यमक

(c) श्लेष (d) रूपक

30. **दूसरा विश्व हिन्दी सम्मेलन कहाँ सम्पन्न हुआ था?**

(a) पोर्ट लुई (मॉरीशस)

(b) नई दिल्ली (भारत)

(c) पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिदाद)

(d) लंदन (ब्रिटेन)

31. **पढ़े फारसी बेचे तेल, यह देखो कुदरत का खेल –**

(a) शिक्षित होकर बेकार रहना

(b) योग्यता होते हुए भी विवशता के कारण निम्न स्तर का कार्य करना

(c) विद्या का अपमान करना

(d) फारसी पढ़े लोगों को प्रायः तेल बेचना पड़ता है

32. **'ठीक-ठीक न्याय हो जाना- के लिए उचित लोकोक्ति चुनें।**

(a) तेल देखो तेल की धार देखो

(b) दुल्हा को पत्तल नहीं बजनिए को थाल

(c) दूध का दूध पानी का पानी

(d) तू डाल डाल, मैं पात-पात

33. **हिंदी साहित्य के आदिकाल को इनमें से किसने 'सिद्ध-सामंत काल' नाम दिया है?**

(a) राहुल सांकृत्यायन

(b) डॉ. रामकुमार वर्मा

(c) डॉ. श्याम सुंदर दास

(d) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

जिस विद्यार्थी ने समय की कीमत जान ली वह सफलता को अवश्य प्राप्त करता है प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी दिनचर्या की समय-सारणी अथवा तालिका बनाकर उसका पूरी दृढ़ता से पालन करना चाहिए। जिस विद्यार्थी ने समय का सही उपयोग करना सीख लिया, उसके लिए कोई भी काम करना असंभव नहीं है। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो कोई काम पूरा न होने पर समय की दुहाई देते हैं। वास्तव में सच्चाई इसके विपरीत होती है। अपनी अकर्मण्यता और आलस्य को वे समय की कमीं के बहाने छिपाते हैं। कुछ लोगों को अकर्मण्य रह कर निठल्ले समय बिताना अच्छा लगता है। ऐसे लोग केवल बातूनी होते हैं। दुनिया के सफलतम व्यक्तियों ने सदैव कार्यव्यस्तता में जीवन बिताया है। उनकी सफलता का रहस्य समय का सदुपयोग रहा है। दुनिया में अथवा प्रकृति में हर वस्तु का समय निश्चित हैं। समय बीत जाने के बाद कार्य फलप्रद नहीं होता ।

34. **कुछ लोग समय की कमी के बहाने क्या छुपाते हैं?**

(a) अपनी अकर्मण्यता और आलस्य

(b) अपना बातूनीपन

(c) अपनी विभिन्न कमियाँ

(d) अपना निठल्लापन

35. **विद्यार्थी को सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है–**

(a) समय की दुहाई देना

(b) दृढ़ विश्वास बनाए रखना

(c) समय पर काम करना

(d) समय की कीमत समझना

36. **कार्य किस स्थिति में फलप्रद नहीं होता?**

(a) समय न आने पर

(b) समय अधिक होने पर

(c) समय बीत जाने पर

(d) समय कम होने पर

37. **अकर्मण्यता शब्द में उपसर्ग और प्रत्यय कौन से हैं?**

(a) उपसर्ग अ एवं प्रत्यय ता

(b) उपसर्ग नही है, प्रत्यय ता

(c) उपसर्ग ता और प्रत्यय अ

(d) उपसर्ग अकर्मण्य एवं प्रत्यय ता

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

SOLUTION : PRACTICE SET-20

ANSWER KEY

1. (a)	9. (b)	17. (b)	25. (b)	33. (a)
2. (d)	10. (d)	18. (d)	26. (c)	34. (a)
3. (d)	11. (b)	19. (b)	27. (b)	35. (d)
4. (a)	12. (c)	20. (c)	28. (b)	36. (c)
5. (d)	13. (c)	21. (d)	29. (a)	37. (a)
6. (b)	14. (c)	22. (a)	30. (a)	
7. (d)	15. (d)	23. (a)	31. (b)	
8. (a)	16. (b)	24. (c)	32. (c)	

SOLUTION

1. (a)

वर्ण		**उच्चारण स्थान**
अ,आ, 'क' वर्ग, 'ह' विसर्ग (:), अः	–	कण्ठ्य
उ/ऊ, 'प' वर्ग	–	ओष्ठ्य
इ/ई, 'च' वर्ग, 'थ', 'श'	–	तालव्य
स्पर्शी व्यंजन के पंचम वर्ण, 'अं'	–	अनुनासिक

2. (d)
मिश्रित तथा संयुक्त वाक्यों में विरोध का भाव प्रकट करने के लिए 'अर्द्धविराम' चिह्न का प्रयोग किया जाता है।
जब दो शब्दों के बीच में वक्ता अल्पविराम (,) से अधिक ठहराव चाहता है, तब वह अर्द्धविराम (;) चिह्न का प्रयोग करता है।

3. (d)
'घृणा- जाति वाचक' संज्ञा की दृष्टि से असंगत युग्म है। इसका संगत युग्म 'घृणा-भाववाचक' होगा। शेष विकल्पों के युग्म संज्ञा की दृष्टि से संगत हैं।

4. (a)
पुरुष वाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं-

1. उत्तम पुरुष- मैं, हम, मैंने, हमने, मेरा, हमारा, मुझे, मुझको।

2. मध्यम पुरुष- तू, तुम, तुमने, तुझे, तुम्हें, तुमको, तुमसे, आपने, आपको।

3. अन्य पुरुष- वह, वे, ये, यह, इन, उन, उनको, उनसे, उससे, उसको।,

अतः-'मैं-हम' जोड़ा उत्तम पुरुष का है।

5. (d)
दिये गये विकल्पों में से 'अनुशासित' विशेषण शब्द है। अन्य विकल्प संज्ञा के रूप में जाने जाते हैं।

6. (b)
जिस क्रिया का प्रभाव कर्त्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़ता है उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं।
जैसे- बालिका निबंध लिख रही है।
श्याम फिल्म देख रहा है।

7. (d)
जिन क्रिया विशेषणों का संबंध किसी उपवाक्य से रहता है, उन्हें 'संयोजक क्रिया विशेषण' कहा जाता है। जैसे- **जब** आप आज्ञा देंगे, **तब** मैं उठूँगा।

8. (a)
दिए गए विकल्पों में जोगी शब्द पुल्लिंग है। शेष विकल्पों में लिखित शब्द 'स्त्रीलिंग' है। स्त्रीलिंग शब्द – अमावस्या, नर्मदा, वक्त्री।

9. (b)
गौ एकवचन का शब्द है, जिसका आशय 'गाय' है।

10. (d)
पानी बह रहा था। इस वाक्य में क्रिया 'अपूर्ण भूत' काल का बोध करा रही है।

11. (b)
दिये गये विकल्पों में से 'तोते से उड़ा नहीं गया' भाववाच्य का उदाहरण है, क्योंकि इसमें क्रिया अथवा भाव की प्रधानता अधिक है। 'दादाजी के द्वारा अनिल को डाँटा गया' वाक्य कर्मवाच्य का तथा 'अशोक ने आइसक्रीम खाई' और 'चोर पकड़ा गया' कर्तृवाच्य के उदाहरण हैं।

12. (c)
'अध्यापक को पुरस्कार दीजिए' वाक्य में कर्म कारक है। कर्मकारक का चिह्न 'को' होता है। उल्लेखनीय है कि कारक मुख्यतः आठ प्रकार के होते हैं- (1) कर्त्ता कारक (2) कर्म कारक (3) करण कारक (4) सम्प्रदान कारक (5) अपादान कारक (6) सम्बन्ध कारक (7) अधिकरण कारक (8) सम्बोधन कारक।

13. (c)
दिये गये विकल्पों में से तत्सम 'अग्र' है जबकि आज, आँख, आग तद्भव शब्द हैं।

14. (c)
'उन' उपसर्ग 'उर्दू' का नहीं बल्कि 'हिन्दी' का उपसर्ग है। **जैसे-** उन्नीस, उन्चास आदि। शेष विकल्पों में दिये शब्द जैसे खुश, कम तथा गैर उर्दू के उपसर्ग हैं।

15. (d)
'लड़ाई' शब्द में 'आई' प्रत्यय का प्रयोग किया गया है। वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में लगकर उस शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं अर्थात नए अर्थ का बोध कराते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं। प्रत्यय के मुख्यतः दो प्रकार होते हैं।
1. कृत (कृदन्त) प्रत्यय 2. तद्धित प्रत्यय

16. (b)
'आरोह' का विलोम शब्द 'अवरोह' होगा। शेष विकल्प असंगत हैं।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

17. (b)
'बहुमत' का विलोम शब्द 'अल्पमत' है। हार का विलोम जीत एवं भिन्नमत का विलोम सहमत होता है।

18. (d)
दिए गए विकल्पों में 'जल' का पर्यायवाची शब्द वारि है। जल के पर्यायवाची शब्द हैं- वारि, अम्बु, नीर, पानी आदि।

19. (b)
'कामिनी' शब्द रात का पर्यायवाची नहीं है। जबकि दिये गये अन्य विकल्प 'रात' के पर्यायवाची हैं।
कामिनी के पर्यायवाची शब्द हैं- नारी, स्त्री, रमणी, वामा इत्यादि।

20. (c)
'एतराज' का एक अर्थ आपत्ति भी है।
विपत्ति का अर्थ संकट भी होता है।
विपत्ति का पर्याय- आफत, मुसीबत, आपदा, विपदा।

21. (d)
सही शब्द युग्म है कलियुग : कलिका

22. (a)
'जिसमें शक्ति न हो' वाक्यांश के लिए उचित शब्द 'अशक्त' होगा। जबकि अन्य विकल्प असंगत हैं।

23. (a)
'जहाँ जाना संभव न हो' - इस वाक्यांश के लिए एक शब्द 'अगम' होगा। अन्य विकल्पों के विवरण इस प्रकार हैं।
सुगम → जहाँ सरलता से जाया जा सके।
अजय → जिससे जीता न जा सके।

24. (c)
'स्थानापन्न' का सही संधि-विच्छेद है– 'स्थान + आपन्न'। शब्द के सन्धि-विच्छेद में 'अ + आ = आ' नियम लागू हो रहा है अतः इसमें दीर्घ सन्धि है।

25. (b)
जिस समास का पहला पद अव्यय हो तथा वह प्रधान हो, उसे 'अव्ययीभाव समास' कहते हैं। जैसे- यथासम्भव, प्रतिदिन, बार-बार, आजन्म, हाथोंहाथ, बेखटके, भरपेट, प्रत्यक्ष, आजीवन आदि।

26. (c)
'आज की सभा में अनेकों लोग उपस्थित थे।' वाक्य में 'अनेकों लोग' भाग अशुद्ध है क्योंकि अनेक शब्द स्वयं बहुवचन के रूप में प्रयुक्त होता है। अतः शुद्ध वाक्य इस प्रकार होगा-
'आज की सभा में अनेक लोग उपस्थित थे।'

27. (b)
'चित्रतुरंग न्याय' पर आचार्य शंकुक का सिद्धान्त आधारित है। **अनुमितिवाद** आचार्य शंकुक का सिद्धान्त है। ये भरत के रससूत्र के व्याख्याता में से एक हैं। रससूत्र के चारों व्याख्याता भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक व अभिनव गुप्त हैं। भट्टनायक साधारणीकरण से सम्बन्धित हैं।

28. (b)
बरवै मात्रिक छंद है। इसके विषम चरणों अर्थात् प्रथम एवं तृतीय में 12-12 मात्रायें तथा सम चरणों अर्थात् दूसरे और चौथे चरणों में 7-7 मात्राएँ होती हैं। मालिनी छन्द के प्रत्येक चरण में 15 वर्ण होते हैं तथा यह वार्णिक छन्द है।

29. (a)
'वही मनुष्य है जो मनुष्य के लिए मरे' में **लाटानुप्रास** अलंकार है। यह अनुप्रास अलंकार का एक भेद है इसमें 'मनुष्य' शब्द की आवृत्ति दो बार हुई है। दोनों का अर्थ 'आदमी' है। पर तात्पर्य या अन्वय में भेद है। पहला मनुष्य 'कर्त्ता' है और दूसरा 'सम्प्रदान'।

30. (a)
दूसरा विश्व हिन्दी सम्मेलन अगस्त, 1976 ई. में मॉरीशस की राजधानी पोर्ट लुई में आयोजित हुआ था। प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन जनवरी, 1975 ई. में नागपुर (भारत) में हुआ था। जिसमें विश्व हिन्दी सचिवालय की स्थापना की आवश्यकता व्यक्त की गई।

31. (b)
'पढ़े फारसी बेचे तेल, यह देखो कुदरत का खेल'-लोकोक्ति का अर्थ है- योग्यता होते हुए भी विवशता के कारण निम्न स्तर का कार्य करना।

32. (c)
'ठीक-ठीक न्याय हो जाना' के लिए उचित लोकोक्ति 'दूध का दूध पानी का पानी' होना। अन्य विकल्प इस प्रकार हैं-
तेल न देखो तेल की धार देखो - सावधानी और धैर्य से काम लो।
दुल्हा को पत्तल नहीं बजनिए को थाल - जिसका जो हक है वह उसे नहीं मिलता।
तू डाल डाल, मैं पात-पात - एक से बढ़कर दूसरा चालाक।

33. (a)
राहुल सांकृत्यायन ने हिन्दी साहित्य के आदिकाल को 'सिद्ध सामंत काल' नाम दिया है।
विभिन्न विद्वानों ने आदिकाल का नामकरण इस प्रकार दिया है-

नामकरण	**विद्वान**
वीरगाथाकाल	रामचन्द्र शुक्ल
चारण काल, संधि काल	रामकुमार वर्मा
आदिकाल	हजारी प्रसाद द्विवेदी
वीजवपन काल	महावीर प्रसाद द्विवेदी

34. (a)
उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार कुछ लोग समय की कमीं के बहाने अपनी अकर्मण्यता और आलस्य को छुपाते हैं।

35. (d)
उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार जिस विद्यार्थी ने समय की कीमत जान ली वह सफलता को अवश्य प्राप्त करता है।

36. (c)
उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार समय बीत जाने के बाद कार्य फलप्रद नहीं होता।

37. (a)
उपर्युक्त अनुच्छेद में दिये गये शब्द 'अकर्मण्यता' में 'अ' उपसर्ग एवं 'ता' प्रत्यय का प्रयोग हुआ है। इसमें 'कर्मण्य' मूल शब्द है।
उपसर्गः– उपसर्ग उस शब्दांश या अव्यय को कहते हैं, जो किसी शब्द के पहले आकर उसका विशेष अर्थ प्रकट करता है, जैसे- 'भ्रमण' शब्द में 'परि' उपसर्ग लगने से 'परिभ्रमण' शब्द बना।
प्रत्यय :– शब्द के बाद जो अक्षर या अक्षर समूह लगाया जाता है, उसे 'प्रत्यय' कहते हैं। जैसे- 'भला' शब्द में 'आई' प्रत्यय लगने से 'भलाई' शब्द बना।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET-21

1. **निम्नलिखित में कौन-सा वर्ण-तालव्य नहीं है?**
(a) च (b) झ (c) क (d) छ
2. **इनमें से किस वाक्य में अर्द्धविराम का प्रयोग हुआ है?**
(a) जब राम आया, श्याम सो रहा था।
(b) शाबाश! इसी तरह आगे बढ़ते रहो।
(c) आलस्य मनुष्य का शत्रु है; इससे दूर रहो।
(d) मैंने किताब पढ़ी है।
3. **'पशु चर रहे हैं।' इस वाक्य में 'पशु' कौन सी संज्ञा है?**
(a) व्यक्तिवाचक संज्ञा (b) जातिवाचक संज्ञा
(c) भाववाचक संज्ञा (d) द्रव्यवाचक
4. **निम्नलिखित में से कौन-सा उत्तम पुरुषवाची शब्द नहीं है?**
(a) तुम (b) हमको
(c) मुझमें (d) मैं
5. **'जैसा काम वैसा दाम' में 'जैसा' किस व्याकरणात्मक कोटि का है?**
(a) विशेषण (b) विशेष्य
(c) सर्वनाम (d) अव्यय
6. **'श्याम बाजार जा रहा है।' इस वाक्य में क्रिया का कौन-सा प्रकार है?**
(a) पूर्वकालिक क्रिया (b) अकर्मक क्रिया
(c) सकर्मक क्रिया (d) अनेकार्थक क्रिया
7. **निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो अव्यय के भेद का सही विकल्प हो।**
शिखा सुंदर लिखती है।
(a) विस्मयादिबोधक अव्यय (b) समुच्चयबोधक अव्यय
(c) संबंधबोधक अव्यय (d) क्रिया-विशेषण अव्यय
8. **'मन-गढ़न्त, शिष्टता और घबराहट' इन शब्दों के लिंग बताइए।**
(a) पुल्लिंग, स्त्रीलिंग और स्त्रीलिंग
(b) स्त्रीलिंग, स्त्रीलिंग और पुल्लिंग
(c) स्त्रीलिंग, स्त्रीलिंग और स्त्रीलिंग
(d) पुल्लिंग व स्त्रीलिंग दोनों, स्त्रीलिंग और स्त्रीलिंग
9. **'पुस्तक रखी है।' वाक्य में वचन है–**
(a) एकवचन (b) बहुवचन
(c) द्विवचन (d) त्रिवचन
10. **निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से दिए गए वाक्य का सही काल वाला विकल्प पहचानिए।**
यदि मैं समय पर स्टेशन पहुँचता तो मेरी गाड़ी न छूटती।
(a) संदिग्ध भूतकाल (b) हेतुहेतुमद् भूतकाल
(c) सामान्य वर्तमानकाल (d) आसन्न भूतकाल
11. **''जिलाधिकारी ने सबको उपस्थित रहने का निर्देश दिया है'' में कौन-सा वाच्य है?**
(a) कर्म वाच्य (b) कर्तृ वाच्य
(c) कर्म एवं कर्तृ वाच्य (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
12. **''मजदूर को मजदूरी दीजिए।'' -इस वाक्य में कौन-सा कारक है?**
(a) कर्म कारक (b) संबंध कारक
(c) संबोधन कारक (d) अधिकरण कारक
13. **'अखरोट' शब्द का तत्सम रूप है**
(a) अक्षवाट (b) अक्षोट
(c) अक्षरोट (d) अषरोट
14. **निम्नलिखित में से हिंदी/संस्कृत का उपसर्ग कौन-सा है?**
(a) बे (b) बिल
(c) हम (d) परा
15. **इनमें से 'तंद्रालु' में प्रयुक्त प्रत्यय कौन-सा है?**
(a) अल (b) लु
(c) आलु (d) अलू
16. **'स्वच्छता' का विलोम शब्द कौन-सा है?**
(a) विस्वच्छता (b) शुद्धता
(c) असाध्य (d) अस्वच्छता
17. **'मितव्यय' का विलोम...............होता है।**
(a) अपव्यय (b) अल्पव्यय
(c) कृपण (d) बहुव्यय
18. **'जीभ' का पर्यायवाची है-**
(a) वचन (b) रसना (c) ध्वनि (d) जीव
19. **निम्नलिखित में 'पर्यायवाची' शब्द की दृष्टि से असंगत युग्म है :**
(a) बादल – जलधर, मेघ, वारिद
(b) हाथी – गज, हस्ति, केसरी
(c) घर – ग्रह, निकेतन, आलय
(d) सूरज – सूर्य भानु, दिनकर
20. **इनमें से कौन-सा शब्द 'अनंत' शब्द का अर्थ नहीं है?**
(a) शेषनाग (b) अंतहीन
(c) आकाश (d) आशा
21. **दिए गए शब्द युग्म का सही शब्द युग्म ज्ञात कीजिए।**
कुजन : कूजन
(a) पक्षियों की चहचहाहट : निपुणता
(b) कुँआ : दुष्ट
(c) निपुणता : बुरा
(d) दुष्ट : पक्षियों की चहचहाहट
22. **'जो पीने योग्य नहीं हो' - इस वाक्यांश के लिए सही शब्द कौन-सा है?**
(a) नापेय (b) जहर (c) अपेय (d) अमृत
23. **जो कानून के विरुद्ध हो -इस अभिव्यक्ति के लिए एक उपयुक्त शब्द कौन -सा है?**
(a) अनैतिक (b) अनुचित
(c) अवैध (d) अधार्मिक
24. **'नयनाभिराम' का सही संधि-विच्छेद कौन-सा है?**
(a) नयना+अभिराम (b) नयन+अभिराम
(c) नय+नाभिराम (d) नयना+भिराम
25. **धीरे-धीरे का समास :**
(a) द्वन्द्व (b) अव्ययीभाव
(c) कर्मधारय (d) द्विगु समास
26. **निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य शुद्ध है?**
1. उसे मृत्युदण्ड की सजा दी गई।
2. खरगोश को काटकर गाजर खिलाओ।
3. मेरी करनी का फल भोग रहा हूँ।
4. कृपया यहाँ बैठने की कृपा करें।
(a) 1,3 (b) 2,4
(c) सभी शुद्ध हैं (d) सभी अशुद्ध हैं

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

27. रस सम्प्रदाय के प्रवर्तक हैं-
(a) अभिनवगुप्त (b) भरत मुनि
(c) भामह (d) आनन्दवर्धन

28. इनमें से अर्ध सम मात्रिक जाति का छंद कौन-सा है?
(a) कुण्डलियाँ (b) दोहा
(c) रोला (d) चौपाई

29. 'जननी तू जननी भई, विधि सन कछु न बसाय' में कौन सा अलंकार है?
(a) छेकानुप्रास (b) वृत्यानुप्रास
(c) लाटानुप्रास (d) इनमें से कोई नहीं

30. व्याकरण का वह विभाग, जिसमें शब्दों के भेद, रूप, बनावट आदि का वर्णन होता है, वह क्या कहलाता है?
(a) शब्द विचार (b) वर्ण विचार
(c) वाक्य विचार (d) भाषा विचार

31. 'थोथा .... बाजे ....' – लोकोक्ति को उचित विकल्प से पूर्ण कीजिए।
(a) काला, घोड़ा (b) चना, घना
(c) घोड़ा, काला (d) घना, चना

32. आगे कुआँ, पीछे खाई
(a) दोनों ओर विपत्ति होना
(b) दोनों ओर हरे गड्डे होना
(c) पहले कुआँ खोदना, फिर खाई
(d) सामने कुआँ, पीठ पीछे खाई होना

33. किस इतिहासकार ने कवियों का क्रम वर्णानुक्रम से रखा है?
(a) गार्सा द तासी (b) मिश्रबन्धु
(c) रमाशंकर शुक्ल रसाल (d) एडविन ग्रीब्ज

अनुच्छेद को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–
नहर अथवा नदी पर जल के प्रवाह को रोकने के लिए बाँध का उपयोग किया जा सकता है। बाँध लघु, मध्यम तथा बड़े आकार के हो सकते हैं। बड़े बाँधों का निर्माण करना अधिक जटिल होता है। इनके निर्माण में अत्यधिक शक्ति, समय तथा धन खर्च होता है। बाँध का निर्माण कंक्रीट, चट्टान, लकड़ी अथवा मिट्टी से भी किया जा सकता है। भाखड़ा बाँध, सरदार सरोवर, टिहरी बाँध इत्यादि बड़े बाँधों के उदाहरण हैं। एक बाँध के लिए अत्यावश्यक है कि इसमें इसके पीछे के पानी के भार को वहन करने की क्षमता हो। बाँध पर धकेले जाने वाली जल की मात्रा का जल-दाब जल की गहराई बढ़ने के साथ बढ़ता है। इसके परिणामस्वरूप कई बाँधों का तल चौड़ा होता है, जिससे यह सतह के काफी नीचे के भाग में बहने वाले जल का भार वहन कर सके। वर्षों से बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिकीकरण में वृद्धि तथा कृषि में विस्तार होने से जल की माँग बढ़ती जा रही है। अतएव जल संरक्षण आज की आवश्यकता बन गई है। वर्षा-जल-संचयन मुख्यतः भवनों की छतों पर इकट्ठे किए जल को भूमि में संरक्षित करके आगे काम में लेने की प्रक्रिया है। इसके लिए यह आवश्यक है कि भू-जल की गिरावट को रोका जाए तथा भू-जल स्तर में सुधार किया जाए। साथ ही समुद्र के जल का अंतर्गमन अर्थात समुद्री जल को भूमि की तरफ आने से रोका जाए और वर्षा के मौसम में अधिकतम जल का संरक्षण किया जाए।

34. बड़े बाँधों का निर्माण करना अधिक जटिल क्यों होता है?
(a) कम जरूरत होने के कारण
(b) जनता के लिए हानिकारक होने के कारण
(c) व्यर्थ के खर्चों और शक्तियों के दुरुपयोग के कारण
(d) अत्यधिक शक्ति, समय तथा धन खर्च होने के कारण

35. जल की माँग क्यों बढ़ती जा रही है?
(a) औद्योगिकीकरण में वृद्धि, वर्षों से बढ़ती जनसंख्या तथा कृषि में विस्तार होने से
(b) वर्षों से बढ़ती जनसंख्या, तापमान में वृद्धि तथा वनों में वृद्धि के कारण
(c) कृषि में ह्रास, औद्योगिकीकरण में वृद्धि तथा पर्यावरण में बदलाव के कारण
(d) वर्षों से बढ़ती जनसंख्या, प्रदूषण में वृद्धि तथा कृषि में विस्तार होने से

36. जल संचयन वह है जिसमें _________ (सही कथन से वाक्य पूरा करो।)
(a) वर्षा जल को मुख्यतः भवनों की छतों पर इकट्ठा करके भूमि में संरक्षित करके आगे काम में लिया जाता है।
(b) जल को पानी की टंकियों एवं बड़े बर्तनों में भरकर भविष्य के लिए रखा जाता है।
(c) वर्षा जल को आगे काम में न लेने की प्रक्रिया होती है।
(d) वर्षा-जल भवनों की छतों पर इकट्ठा किया जाता है।

37. 'जल संरक्षण' का सही समास-विग्रह और समास का नाम है_________
(a) जल का संरक्षण – तत्पुरुष समास
(b) संरक्षण का जल – अव्ययीभाव समास
(c) संरक्षण किया जल है जिसका – बहुव्रीह समास
(d) जल के लिए संरक्षण – कर्मधारय समास

SOLUTION : PRACTICE SET-21

ANSWER KEY

1. (c)	9. (a)	17. (a)	25. (b)	33. (a)
2. (c)	10. (b)	18. (b)	26. (d)	34. (d)
3. (b)	11. (b)	19. (b)	27. (b)	35. (a)
4. (a)	12. (a)	20. (d)	28. (b)	36. (a)
5. (a)	13. (b)	21. (d)	29. (c)	37. (a)
6. (c)	14. (d)	22. (c)	30. (a)	
7. (d)	15. (c)	23. (c)	31. (b)	
8. (d)	16. (d)	24. (b)	32. (a)	

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION

1. (c)
दिये गये वर्णों में से 'क' वर्ण कण्ठ्य है, जबकि च, छ तथा झ वर्ण तालव्य है। तालु और जीभ के स्पर्श से बोले जाने वाले वर्ण तालव्य कहलाते हैं। जैसे- इ, ई, च वर्ग, य और श।

2. (c)
वाक्य 'आलस्य मनुष्य का शत्रु है; इससे दूर रहो' में अर्द्धविराम चिह्न (;) का प्रयोग हुआ है। जहाँ पर अल्पविराम की अपेक्षा कुछ अधिक देर तक रुकना पड़े, वहाँ अर्द्धविराम का प्रयोग करते हैं।

3. (b)
जातिवाचक संज्ञा-जिस शब्द से एक जाति के सभी प्राणियों अथवा वस्तुओं का बोध हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। **जैसे**- बाजार, अध्यापक, पहाड़, खिड़की, जानवर, बच्चा आदि।

4. (a)
'तुम' शब्द उत्तम पुरुषवाची शब्द नहीं है। यह मध्यम पुरुषवाची शब्द है जबकि 'मैं', 'मुझमें' तथा 'हमको' उत्तम पुरुष वाचक शब्द हैं।
पुरुष वाचक सर्वनाम का प्रयोग स्त्री या पुरुष के नाम के स्थान पर करते हैं। पुरुष तीन प्रकार के होते हैं-
उत्तम पुरुष – मैं, हम, मुझे, मुझको, हमको ....
मध्यम पुरुष – तुम, तुम्हें, तुमको, आप, आपको ....
अन्य पुरुष – यह, ये, वह, वे, उसे, उन्हें, उनको ....

5. (a)
दिए गए विकल्पों में 'जैसा' विशेषण शब्द है। जिस शब्द से संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता का बोध हो, उसे विशेषण कहा जाता है।

6. (c)
'श्याम बाजार जा रहा है।' इस वाक्य में 'सकर्मक क्रिया' का प्रयोग हुआ है। जिस वाक्य में कर्त्ता द्वारा किए गए कार्य का परिणाम कर्म पर पड़ता है वह वाक्य सकर्मक क्रिया का वाक्य कहलाता है।
उदाहरण – श्याम बाजार जा रहा है।
इस वाक्य में कर्त्ता (श्याम) द्वारा 'जाने' की क्रिया हो रही है जिसका परिणाम कर्म (बाजार) पर पड़ रहा है। अतः इस वाक्य में सकर्मक क्रिया है।

7. (d)
क्रिया विशेषण अव्यय– किसी भी क्रिया शब्द की विशेषता बताने वाले शब्द क्रिया विशेषण अव्यय कहलाते हैं।
जैसे– शिखा सुन्दर लिखती है।

8. (d)
मन-गढ़न्त, शिष्टता और घबराहट तीनों शब्द क्रमशः पुल्लिंग व स्त्रीलिंग दोनों, स्त्रीलिंग और स्त्रीलिंग है। अन्य विकल्प सही नहीं है।

9. (a)
'पुस्तक रखी है।' वाक्य में एकवचन है, जिसका बहुवचन होगा– पुस्तकें रखी हैं।

1. एकवचन,	2. बहुवचन
जैसे- घोड़ा, लड़का, बच्चा	घोड़े, लड़के, बच्चे

10. (b)
दिए गए वाक्य 'यदि मैं समय पर स्टेशन पहुँचता तो मेरी गाड़ी नहीं छूटती' में 'हेतुहेतुमद् भूतकाल' है। यदि भूतकाल में एक क्रिया के होने या न होने पर दूसरी क्रिया का होना या न होना निर्भर करता है, तो वह **हेतुहेतुमद् भूतकाल** क्रिया कहलाती है। हेतु का अर्थ है-कारण।

11. (b)
''जिलाधिकारी ने सबको उपस्थित रहने का निर्देश दिया है।'' इस वाक्य में कर्तृ वाच्य है। 'क्रिया के जिस रूप से कर्ता के प्रधानता का बोध होता है, उसे कर्तृ वाच्य कहते हैं।' कर्तृ वाच्य में सकर्मक तथा अकर्मक दोनों क्रियाएँ उपस्थित होती हैं।
उदाहरण - रमेश आम खाता है।
गोपाल बाजार से दूध लाता है।

12. (a)
'मजदूर को मजदूरी दीजिए।' इस वाक्य में 'कर्मकारक' है। संज्ञा अथवा सर्वनाम के जिस रूप पर क्रिया का फल जिस शब्द पर पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं। कर्म कारक का विभक्ति चिह्न 'को' है।
उदाहरण ⟶ राम ने रावण को मारा।
माँ बच्चे को सुलाती है।

13. (b)
अखरोट शब्द का तत्सम रूप है – अक्षोट।

14. (d)
उपसर्ग के रूप में दिया गया शब्द 'परा' हिन्दी/संस्कृत का उपसर्ग है।
जैसे- पराजय, पराक्रम, परामर्श, परावृत्त, पराभूत आदि।
अन्य विकल्पों में दिये गये उपसर्ग 'बे', 'बिल' तथा 'हम' अरबी/फारसी के उपसर्ग हैं।

15. (c)
'तंद्रालु' में 'आलु' प्रत्यय का प्रयोग किया गया है।
प्रत्यय वे शब्दांश होते हैं जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में विशिष्टता ला देते हैं।
जैसे- 'आलु' ⟹ तंद्रालु, ईर्ष्यालु, निद्रालु आदि

16. (d)

शब्द		**विलोम**
शुद्ध	–	अशुद्ध
स्वच्छता	–	अस्वच्छता
साध्य	–	असाध्य

17. (a)
'मितव्यय' का विलोम शब्द 'अपव्यय' है। शेष शब्दों में से कृपण का विलोम 'दानी/उदार' है तथा अल्पव्यय का 'बहुव्यय' विलोम शब्द है।

18. (b)
'जीभ' का पर्यायवाची शब्द 'रसना' है। जीभ के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- जिह्वा, रसज्ञा, रसिका, जबान आदि।
'जीव' के पर्यायवाची शब्द – रूह, प्राण, आत्मा, जीवात्मा।
'ध्वनि' के पर्यायवाची शब्द – नाद, रव, स्वर, ताल, आवाज।
'वचन' के पर्यायवाची शब्द – आश्वासन, वादा, प्रण, प्रतिज्ञा।

19. (b)
हाथी – गज, हस्ति, केसरी पर्यायवाची की दृष्टि से असंगत युग्म है। 'केसरी' सिंह का पर्यायवाची शब्द है। शेष विकल्पों के शब्द-युग्म संगत हैं।

20. (d)
दिए गये विकल्पों में 'आशा' शब्द अनंत शब्द का अर्थ नहीं है। अनन्त का अर्थ- विष्णु, शेषनाग, ब्रह्मा, आकाश, अविनाशी, अन्तहीन इत्यादि हैं। 'आशा' का अर्थ- उम्मीद, विश्वास, भरोसा आदि हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

21. (d)
सही शब्द युग्म कुजनःकूजन का अर्थ है → दुष्ट : पक्षियों की चहचहाहट।

22. (c)

वाक्यांश		एक शब्द
जो पीने योग्य न हो	-	अपेय
किसी की हँसी उड़ाना	-	उपहास
कम जानने वाला	-	अल्पज्ञ
किसी कार्य में दखल देना	-	हस्तक्षेप

23. (c)

जो कानून के विरुद्ध हो	-	अवैध
जो नीति के विरुद्ध हो	-	अनैतिक
जो उचित न हो	-	अनुचित
जो धार्मिक न हो	-	अधार्मिक

24. (b)
'नयनाभिराम' का सही संधि-विच्छेद 'नयन+अभिराम' है। यहाँ दीर्घ स्वर संधि है। जब अ, आ, इ, ई, उ, ऊ के बाद समान स्वर आये तो दोनों मिलकर दीर्घ स्वर हो जाते हैं।

जैसे- पुस्तक + आलय = पुस्तकालय (अ + आ + आ)।

25. (b)
शब्द 'धीरे-धीरे' में 'अव्ययीभाव समास है। जिस समास का प्रथम पद प्रधान हो, अव्यय भी हो तथा दूसरा पद संज्ञा हो; उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं। जैसे-प्रत्येक = एक-एक के प्रति, यहाँ 'प्रति' प्रधान (अव्यय) तथा 'एक' संज्ञा है। जिस शब्द के दोनों पद प्रधान हों, वहाँ द्वन्द्व समास होता है। जैसे भाई-बहन, माता-पिता आदि। जिस शब्द का प्रथम पद विशेषण तथा दूसरा पद विशेष्य (संज्ञा) हो; 'कर्मधारय समास' होता है, जैसे- 'परम + ईश्वर' = परमेश्वर। जिस शब्द में प्रथम पद संख्यावाची तथा दूसरा पद संज्ञा हो, 'द्विगु समास' होता है। जैसे- इकतारा, दुगुना।

26. (d)
उपर्युक्त दिये गये वाक्यों में कोई भी वाक्य शुद्ध नहीं है। दिये गये वाक्यों के शुद्ध रूप क्रमशः इस प्रकार हैं–

अशुद्ध वाक्य		शुद्ध वाक्य
उसे मृत्युदण्ड की सजा दी गई	–	उसे मृत्युदण्ड दिया गया।
खरगोश को काटकर गाजर खिलाओ	–	गाजर काटकर खरगोश को खिलाओ।
मेरी करनी का फल भोग रहा हूँ	–	मैं अपनी करनी का फल भोग रहा हूँ।
कृपया यहाँ बैठने की कृपा करें	–	कृपया यहाँ बैठें।

27. (b)

प्रवर्तक		सम्प्रदाय
भरतमुनि	-	रस सम्प्रदाय
भामह	-	अलंकार सम्प्रदाय
आनन्दवर्धन	-	ध्वनि सम्प्रदाय

नोट - अभिनव गुप्त रससूत्र के व्याख्याकार हैं।

28. (b)
दोहा, अर्द्ध सममात्रिक छंद है। इसमें चार चरण होते हैं। इसके विषम चरण प्रथम एवं तृतीय में 13-13 मात्राएं एवं सम चरणों द्वितीय एवं चतुर्थ में 11-11 मात्राएँ होती हैं।

जैसे- मुरली वाले मोहना, मुरली नेक बजाय।
तेरी मुरली मन हरे, घर अँगना न सुहाय।।

छंद के दो भेद हैं-

वर्णिक	मात्रिक
सवैया	चौपाई
द्रष्टव्य	रोला
मनहरण कवित्त	हरिगीतिका
द्रुतविंलवित	बरवै
मालिनी	दोहा
मंदाक्रांता	सोरठा

29. (c)
प्रस्तुत पंक्ति में लाटानुप्रास अलंकार है। जब किसी शब्द या वाक्यखण्ड की आवृत्ति हो परन्तु अर्थ एक ही रहे अर्थात् आवृत्ति से अर्थ में कोई परिवर्तन न हो, केवल अन्वय या तात्पर्य करने पर अर्थ बदले, वहाँ पर लाटानुप्रास अलंकार होता है। छेकानुप्रास में स्वरूप और क्रम से अनेक व्यंजनों की आवृत्ति एक बार होती है, जबकि वृत्यानुप्रास में एक व्यंजन की आवृत्ति एक या अनेक बार होती है।

30. (a)
व्याकरण का वह विभाग जिसमें शब्दों के भेद, रूप, बनावट आदि का वर्णन होता है, उसे 'शब्द विचार' कहते हैं। जब वर्ण के भेद, रूप, बनावट पर विचार किया जाता है तब वह वर्ण विचार के अन्तर्गत आता है। जब भाषा को रेखांकित करके विचार किया जाता है तब वह भाषा विचार कहलाता है।

31. (b)
रिक्त स्थानों में 'चना, घना' शब्द भरे जायेंगे। अतः वाक्य लोकोक्ति पूर्ण होगी– 'थोथा **चना** बाजे **घना**'। इसका अर्थ है– 'कम ज्ञान या गुण रखने वाला व्यक्ति बढ़ा चढ़ा कर बातें करता है'।

32. (a)
'आगे कुआँ, पीछे खाई, लोकोक्ति का सही अर्थ है दोनों ओर विपत्ति होना। मोहन की माँ और पत्नी में हमेशा ठनी रहती है। यदि वह पत्नी का पक्ष लेता है तो माँ अपनी कोख कोसने लगती है और यदि माँ का पक्ष लेता है तो पत्नी कुआँ, पोखर में कूदने चल पड़ती है। मोहन की स्थिति आगे कुआँ पीछे खाई वाली हो गयी है।

33. (a)
'गार्सा द तासी' ने 'इस्त्वार द ला लितरेत्यूर ऐंदुई ए ऐंदुस्तानी' हिंदी पुस्तक में कवियों का क्रम वर्णानुक्रम में रखा है। एडविन ग्रीव्स ने 'ए स्केच ऑफ हिंदी लिटरेचर' पुस्तक लिखा है।

34. (d)
उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार बड़े बाँधों का निर्माण करना जटिल होता है क्योंकि इनके निर्माण में अत्यधिक शक्ति, समय तथा धन खर्च होता है।

35. (a)
उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार वर्षों से बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिकीकरण में वृद्धि तथा कृषि में विस्तार होने से जल की माँग बढ़ती जा रही है।

36. (a)
उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार जल संचयन वह है जिसमें वर्षा जल को मुख्यतः भवनों की छतों पर इकट्ठे किए जल को भूमि में संरक्षित करके आगे काम में लेने की प्रक्रिया है।

37. (a)
'जल संरक्षण' में तत्पुरुष समास है। इसका समास विग्रह 'जल का संरक्षण' है।

तत्पुरुष समास– जिस समस्त पद का उत्तर पद प्रधान होता है, वहाँ तत्पुरुष समास होता है।

जैसे– राजपुत्र = राजा का पुत्र
रामचरित = राम का चरित्र

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-22

1. कंठोष्ठ्य दीर्घ स्वर वर्ण का उदाहरण कौन-सा है?
(a) ऋ (b) औ
(c) ऊ (d) ए

2. जो चाहे, करो ...... बस हमें तंग न करो।' - वाक्य के बीच में रिक्त स्थान में कौन सा विराम चिह्न आएगा?
(a) अल्पविराम (b) अर्द्धविराम
(c) पूर्णविराम (d) योजक चिह्न

3. इनमें से कौन-सा शब्द जातिवाचक संज्ञा है?
(a) मनुष्य (b) परिवार
(c) मोहन (d) कृष्ण

4. <u>आप</u> भले तो जग भला।
रेखांकित शब्द कौन सा सर्वनाम है?
(a) प्रश्नवाचक सर्वनाम
(b) सम्बन्धवाचक सर्वनाम
(c) निश्चयवाचक सर्वनाम
(d) निजवाचक सर्वनाम

5. 'अभ्यास' का विशेषण रूप है –
(a) अभ्यासिक (b) अभ्यासी
(c) आभास (d) आभासित

6. इनमें से सकर्मक क्रिया का उदाहरण कौन-सा है?
(a) श्याम बहुत तेज़ दौड़ता है (b) मोहन खाता है
(c) सोहन केला खाता है (d) राम तेज़ दौड़ता है

7. 'परीक्षा के दिनों में छात्र दिन-रात पढ़ते हैं।' इस वाक्य में 'दिन-रात' किस प्रकार का क्रियाविशेषण है?
(a) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
(b) कालवाचक क्रियाविशेषण
(c) रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(d) स्थानवाचक क्रियाविशेषण

8. निम्नलिखित में से किस विकल्प में सभी शब्द पुल्लिंग हैं?
(a) हीरा, मोती, मणि (b) कौआ, खरगोश, मंडल
(c) हार, पायल, पुखराज (d) नथ, मूंगा, पन्ना

9. दिए गए वाक्यों/विकल्पों में से रेखांकित शब्द जो प्रायः एकवचन में ही प्रयुक्त होता है, उसका चयन कीजिए।
(a) इस वर्ष उड़ीसा में बहुत कम <u>वर्षा</u> हुई है
(b) आपके <u>दर्शन</u> से मैं बड़ा लाभान्वित हुआ
(c) मैं आपके <u>अक्षत</u> को पूजार्थ ले जा रहा हूँ
(d) आपके <u>ओंठ</u> तो बड़े आकर्षक हैं

10. भूतकाल के .... भेद होते हैं।
(a) 4 (b) 2
(c) 8 (d) 6

11. 'राम किताब पढ़ता है।' इस वाक्य में वाच्य का कौन सा प्रकार है?
(a) कर्मवाच्य (b) भाववाच्य
(c) कर्तृवाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

12. इनमें से कर्म कारक का चिह्न कौन-सा है?
(a) में (b) से
(c) ने (d) को

13. 'अंगीठी' का तत्सम है
(a) अग्निका (b) अंनिष्ठिका
(c) अग्निष्ठिका (d) अग्निष्ठिकी

14. किस शब्द में 'अन्' उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है?
(a) अनुपम (b) अनुचित
(c) अनिच्छा (d) अनुगमन

15. प्रत्यय का प्रयोग इनमें से कहाँ किया जाता है?
(a) शब्दों के पहले (b) शब्दों के बाद
(c) शब्दों के बीच में (d) इनमें से कोई नहीं

16. दिए गए विकल्पों में से अवनि का विरुद्धार्थी शब्द कौन सा है?
(a) अमन (b) चक्षु
(c) अग्नि (d) अंबर

17. ''हमारा '<u>भावी</u>' जीवन निःसंदेह उज्ज्वल होगा।'' में रेखांकित शब्द का विलोम बताइए।
(a) पूर्व (b) अतीत
(c) भविष्य (d) वर्तमान

18. लक्ष्मी का पर्यायवाची नहीं है-
(a) उमा (b) रमा
(c) कमला
(d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं

19. 'हिरण' शब्द का पर्यायवाची शब्द है-
(a) धूसर (b) तुरंग (c) सारंग (d) शार्दूल

20. इनमें एक शब्द का अर्थ है- 'गंध':
(a) वास (b) बास
(c) बाँस (d) वासक

21. शब्द युग्म के सही अर्थ भेद का चयन कीजिए– अम्बुज-अम्बुद
(a) कमल-बादल (b) जल-कमल
(c) समुद्र-कमल (d) बादल-समुद्र

22. 'जो न जाना गया हो'–इस वाक्यांश के लिए सही शब्द कौन-सा है?
(a) अज्ञात (b) ज्ञात (c) न जान (d) उनजान

23. जो सदा से चला आ रहा है- इस अभिव्यक्ति के लिए एक उपयुक्त शब्द कौन-सा है?
(a) अनंतिम (b) निश्छल
(c) अनवरत (d) अविचल

24. 'आज्ञानुपालन' का सही संधि-विच्छेद कौन-सा है?
(a) आज्ञा + पालन (b) आ + ज्ञानुपालन
(c) आग + यापालन (d) आज्ञा + अनुपालन

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

25. 'प्रतिमान' में समास है–

(a) तत्पुरुष (b) अव्ययीभाव
(c) द्वंद्व (d) द्विगु

26. निम्न वाक्यों में से शुद्ध वाक्य कौन-सा है?

(a) आकाशवाणी से समाचार प्रकाशित होता है।
(b) माँ-बच्चा दोनों ही गायब हो गए।
(c) भारत और नेपाल के बीच घोर संबंध है।
(d) दीपावली की घटना पर अवश्य आना।

27. आलंबन तथा उद्दीपन के द्वारा आश्रय के हृदय में स्थायी भाव जागृत या उद्दीप्त होने पर आश्रय में जो चेष्टाएँ होती हैं, उन्हें क्या संज्ञा दी जाती है ?

(a) अनुभाव (b) विभाव
(c) स्थायी भाव (d) संचारी भाव

**28. रहिमन चुप ह्वै बैठिये देखि दिनन के फेर।
जब नीके दिन आइहैं, बनत न लगिहैं बेर॥
उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सा छंद है?**

(a) दोहा (b) सोरठा
(c) रोला (d) चौपाई

29. "राम हृदय जाके नहीं, विपति सुमंगल ताहि। राम हृदय जाके, नहीं विपति सुमंगल ताहि।" इसमें कौन सा अनुप्रास है?

(a) श्रुत्यानुप्रास (b) वृत्यानुप्रास
(c) लाटानुप्रास (d) छेकानुप्रास

30. विश्व हिंदी सचिवालय का मुख्यालय कहाँ है?

(a) ब्रिटेन में (b) मॉरीशस में
(c) भारत में (d) अमेरिका में

31. 'नीम हकीम खतरे जान' का अर्थ है–

(a) अल्प ज्ञान हानिकारक होता है
(b) नीम के कड़वेपन का ज्ञान होना
(c) नीम का प्रयोग हकीम द्वारा करना
(d) उक्त में से कोई नहीं

32. 'एक से बढ़कर एक' का अर्थ व्यक्त करने के लिए सही लोकोक्ति है–

(a) समरथ को नहिं दोष गोसाईं
(b) सेर को सवा सेर
(c) सइयां भये कोतवाल अब डर काहे का
(d) सखी न सहेली, भली अकेली

33. किस काल को गद्यकाल के नाम से भी जाना जाता है?

(a) वीरगाथा काल (b) रीतिकाल
(c) भक्तिकाल (d) आधुनिक काल

अनुच्छेद पढ़कर दिए गए सवालों के सही जवाब चुनिए-

हम लोग जब हिंदी की 'सेवा' करने की बात सोचते हैं, तो प्रायः भूल जाते हैं कि यह लाक्षणिक प्रयोग है। हिंदी की सेवा का अर्थ है उस मानव की सेवा, जिसके विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम हिंदी है। मनुष्य ही बड़ी चीज है, भाषा उसी की सेवा के लिए है। साहित्य-दृष्टि का भी यही अर्थ है। जो साहित्य अपने-आप के लिए लिखा जाता है उसकी क्या कीमत है मैं नहीं कह सकता, परंतु जो साहित्य मनुष्य समाज को रोग-शोक, दारिद्रता, अज्ञान तथा परमुखापेक्षिता से बचाकर उसमें आत्मबल का संचार करता है, वह निश्चय ही अक्षय निधि है।

34. 'अक्षय निधि' का अर्थ कौन-सा है?

(a) किसी का नाम
(b) कभी खत्म न होने वाली संपत्ति
(c) बिना क्षय रोग
(d) रोग-रहित निधि

35. 'परमुखापेक्षिता' से तात्पर्य क्या है?

(a) दूसरों से आशा रखना
(b) पराये सुख की अपेक्षा करना
(c) ईश्वर का सुख
(d) पराया सुख अच्छा लगना

अनुच्छेद पढ़कर दिए गए सवालों के सही जवाब चुनिएः-

**नहीं झुका करते जो दुनिया से करने को समझौता,
ऊँचे से ऊँचे सपनों को देते रहते जो न्योता,
दूर देखती जिनकी पैनी आँख भविष्य का तम चीर,
मैं हूँ उनके साथ खड़ी, जो सीधी रखते अपनी रीढ़।**

36. 'तम' शब्द का यहाँ कौन -सा अभिप्राय है?

(a) निशा (b) यामिनी
(c) अंधकार (d) रात्रि

37. 'सीधी रीढ़' का यहाँ कौन-सा अर्थ है?

(a) स्वाभिमानी और स्वावलंबी होना
(b) आत्मनिर्भर होना
(c) अभिमानी होना
(d) सीधी बात कहना

SOLUTION : PRACTICE SET- 22

ANSWER KEY

1. (b)	9. (a)	17. (b)	25. (b)	33. (d)
2. (b)	10. (d)	18. (a)	26. (b)	34. (b)
3. (a)	11. (c)	19. (c)	27. (a)	35. (a)
4. (d)	12. (d)	20. (b)	28. (a)	36. (c)
5. (b)	13. (c)	21. (a)	29. (c)	37.(a)
6. (c)	14. (d)	22. (a)	30. (b)	
7. (b)	15. (b)	23. (c)	31. (a)	
8. (b)	16. (d)	24. (d)	32. (b)	

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION

1. (b)
'औ' कंठोष्ठ्य दीर्घ स्वर वर्ण का उदाहरण है।

कंठ्य ध्वनि	- अ, आ, क वर्ग।
तालव्य ध्वनि	- ई, इ, च वर्ग, श, य।
मूर्द्धन्य ध्वनि	- ट वर्ग, ष।
दंत्य ध्वनि	- त वर्ग, र, ल, स।
ओष्ठय ध्वनि	- प वर्ग।
कण्ठ-तालव्य ध्वनि	- ए, ऐ।
कण्ठोष्ठ्य ध्वनि	- ओ, औ।

2. (b)
दिये गये वाक्य में रिक्त स्थान के जगह पर अर्द्धविराम चिह्न का प्रयोग होगा। अर्द्धविराम चिह्न का प्रयोग वहाँ किया जाता है, जहाँ पूर्णविराम की अपेक्षा कम देर और अल्पविराम की अपेक्षा अधिक देर तक रुकना होता है।
जैसे- जो चाहे, करो; बस हमें तंग न करो।

3. (a)
'मनुष्य' शब्द जातिवाचक संज्ञा है। जिस संज्ञा शब्द से किसी जाति या वर्ग का बोध होता है उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। **जैसे-** मनुष्य, पुस्तक, पर्वत, वकील इत्यादि।

4. (d)
'आप भले तो जग भला' इस वाक्य में निजवाचक सर्वनाम का प्रयोग हुआ है। जिन शब्दों का प्रयोग वक्ता स्वयं के लिए करता है, वे निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। 'आप' निजवाचक सर्वनाम का रूप है। जहाँ शब्द का प्रयोग श्रोता के लिए हो, वहाँ यह आदर सूचक मध्यम पुरुष होता है और जहाँ 'आप' शब्द का प्रयोग अपने लिए हो, वहाँ निजवाचक होता है।

5. (b)
प्रश्नगत विकल्पों में 'अभ्यास' का विशेषण रूप 'अभ्यासी' होगा। अभ्यास में 'ई' प्रत्यय के योग से अभ्यासी शब्द बना है।

6. (c)
'सोहन केला खाता है।' सकर्मक क्रिया का उदाहरण है। सकर्मक क्रिया–जो क्रिया कर्म के साथ आती है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं। शेष अकर्मक क्रिया के उदाहरण हैं।

7. (b)
परीक्षा के दिनों में छात्र दिन-रात पढ़ते हैं। इस वाक्य में 'दिन-रात' 'कालवाचक' क्रियाविशेषण है। क्रिया विशेषण का वह रूप जिससे समय का बोध होता है, 'कालवाचक क्रियाविशेषण' कहलाता है। **जैसे**-आज-कल, सर्वदा, दिन-रात, बार-बार, घड़ी-घड़ी आदि।

8. (b)
दिये गये विकल्पों में 'कौआ, खरगोश, मंडल' पुल्लिंग शब्द हैं। संज्ञा के जिस रूप से व्यक्ति या वस्तु की नर या मादा जाति का बोध होता है उसे व्याकरण में 'लिंग' कहते हैं। हिन्दी में लिंग के दो भेद हैं-पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग।

9. (a)
रेखांकित शब्द 'वर्षा' प्रायः एकवचन में प्रयुक्त होता है। शेष अन्य रेखांकित शब्द दर्शन, अक्षत, ओंठ बहुवचन में प्रयोग किये जाते हैं।

10. (d)
क्रिया के जिस रूप से, कार्य की समाप्ति के समय का बोध होता है, उसे 'भूतकाल' कहते हैं। भूतकाल के 6 भेद हैं–

1. सामान्य भूत	– मैंने खाया।
2. आसन्न भूत	– उसने पूजा की है।
3. पूर्ण भूत	– मैं सोया था।
4. अपूर्ण भूत	– तुम लेख लिख रहे थे।
5. संदिग्ध भूत	– उसने खाना खा लिया होगा।
6. हेतुहेतुमद् भूत	– मैं आता तो तू जाता।

11. (c)
'राम किताब पढ़ता है।' इस वाक्य में 'कर्तृवाच्य' है।
कर्तृ वाच्य–कर्तृ वाच्य क्रिया के उस रूपान्तर को कहते हैं, जिससे यह ज्ञात होता है कि वाक्य का उद्देश्य क्रिया का कर्ता है, अर्थात् क्रिया में कर्ता की प्रधानता रहती है।
जैसे- बच्चा खेलता है।, राम किताब पढ़ता है।

12. (d)
दिये गये विकल्पों में 'को' परसर्ग कर्म कारक का चिह्न है।
संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उनका संबंध सूचित हो उसे कारक कहते हैं। हिंदी व्याकरण में कुल आठ प्रकार के कारकों का विधान किया गया है, जो परसर्ग सहित इस प्रकार हैं–

कारक	**–**	**परसर्ग**
कर्ता	–	ने
कर्म	–	को
करण	–	से/के द्वारा
सम्प्रदान	–	के लिए
अपादान	–	से (अलगाव)
संबंध	–	का, के, की, ना, ने, नी, रा, रे, री
अधिकरण	–	में, पर
सम्बोधन	–	हे!, ओ!, अरे!, अजी!

13. (c)
'अंगीठी' का तत्सम रूप अग्निष्ठिका है; न कि अग्निका, अग्निष्ठिकी एवं अंनिष्ठिका।

14. (d)
'अन्' उपसर्ग का प्रयोग अनुगमन शब्द में नहीं हुआ है, अनुगमन में 'अनु' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है। 'अनु' उपसर्ग से बनने वाले शब्द- अनुशासन, अनुवाद, अनुभव, अनुराग, अनुशीलन और अनुकरण हैं।

15. (b)
वे शब्दांश जो शब्दों के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं। अर्थात प्रत्यय का प्रयोग शब्दों के बाद किया जाता है।

जैसे -	आई	-	चढ़ाई, भलाई, बुराई
	आवट	-	लिखावट, बनावट, सजावट
	औती	-	कटौती, चुनौती, पनौती

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

16. (d)
'अवनि' का विलोम शब्द **अंबर** होता है। अवनि 'पृथ्वी' का पर्यायवाची शब्द है।

17. (b)
'भावी' का विलोम शब्द 'अतीत' होता है। 'पूर्व' का विलोम 'पश्चिम' तथा 'भविष्य' का विलोम 'भूत' होगा।

18. (a)
'उमा' शब्द 'लक्ष्मी' का पर्यायवाची शब्द नहीं है जबकि रमा, कमला, श्री, इंदिरा, पद्मा आदि लक्ष्मी के पर्यायवाची शब्द हैं। 'उमा' शब्द 'पार्वती' का पर्यायवाची शब्द हैं।

19. (c)
दिये गये विकल्पों में 'सारंग' शब्द 'हिरण' शब्द का पर्यायवाची शब्द है। हिरण के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं-मृग, हरिण, कुरंग, सुरभी आदि। विकल्पों में दिये गये अन्य शब्द जैसे-धूसर, तुरंग एवं शार्दूल क्रमशः गर्दभ, अश्व एवं सिंह के पर्यायवाची शब्द हैं।

20. (b)
'बास' का अर्थ गंध होता है। जबकि 'वास' का अर्थ निवास से है, बाँस का अर्थ तिनके की प्रजाति का एक लम्बा सीधा पौधा या बम्बू से है तथा वासक विशेषण शब्द है इसका अर्थ सुवासित करने वाला होता है।

21. (a)
शब्द युग्म 'अम्बुज–अम्बुद' का सही अर्थ भेद 'कमल–बादल' होगा।

22. (a)
'जो न जाना गया हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'अज्ञात' होगा। कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक विचारों की अभिव्यक्ति के लिए वाक्यांशों के लिए 'एक शब्द' का प्रयोग बहुउपयोगी होता है ऐसे शब्दों को अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द भी कहते हैं। 'जिसे न जाना गया हो' उसके लिये एक शब्द होगा 'अज्ञेय'। 'जिसकी सीमा न हो' उसका एक शब्द होगा 'असीम'। 'हाथ में पकड़कर हथियार का प्रयोग करने के लिए' एक शब्द 'शस्त्र' होगा।

23. (c)
जो सदा से चला आ रहा है - अनवरत
अनंतिम - जिसका अंत निश्चित न हो।
निश्छल - जो छली न हो।
अविचल - जो कभी विचलित न हो।

24. (d)
'आज्ञानुपालन' का सही संधि-विच्छेद 'आज्ञा + अनुपालन' है। यहाँ दीर्घ स्वर संधि है। जब अ, आ, इ, ई, उ, ऊ एवं ऋ के बाद ह्रस्व एवं दीर्घ के रूप में समान स्वर आए तो दोनों मिलकर दीर्घ आ, ई, ऊ एवं ॠ हो जाते हैं।

25. (b)
प्रतिमान में अव्ययीभाव समास है क्योंकि 'प्रति' अव्यय शब्द होता है। जिस सामासिक पद की शुरुआत में अनु, आ, प्रति, भर जुड़े हों अव्ययीभाव समास में आते हैं। जैसे- अनुरूप, आजन्म, प्रतिदिन, भरपेट।

26. (b)
दिये गये वाक्यों में 'माँ-बच्चा दोनों ही गायब हो गए।' शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्यों का शुद्ध रूप इस प्रकार होगा-
- आकाशवाणी से समाचार प्रसारित होता है।
- भारत और नेपाल के बीच घनिष्ठ संबंध है।
- दीपावली पर अवश्य आना।

27. (a)
आलंबन तथा उद्दीपन के द्वारा आश्रय के हृदय में स्थायी भाव जागृत या उद्दीप्त होने पर आश्रय मे जो चेष्टाएँ होती हैं, उन्हें अनुभाव कहते हैं। **जैसे**- उत्साह में शत्रु को ललकारना। अनुभाव के चार भेद होते हैं।

1. सात्विक अनुभाव,
2. कायिक अनुभाव,
3. मानसिक अनुभाव,
4. आहार्य अनुभाव

28. (a)
उपर्युक्त पंक्तियों में दोहा नामक अर्द्धसम मात्रिक छंद है जिसके प्रथम चरण एवं तृतीय चरण में 13-13 मात्राएं एवं द्वितीय तथा चतुर्थ चरण में 11-11 मात्राएं होती हैं।

29. (c)
उक्त पंक्ति में 'लाटानुप्रास' है। जहाँ शब्दों या वाक्यों की आवृत्ति समान हो और उसका अर्थ भी एक हो, केवल अन्वय करने पर तात्पर्य बदल जाता है, वहाँ लाटानुप्रास होता है।

30. (b)
वर्ष 1975 में नागपुर में आयोजित प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन के दौरान मॉरीशस के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिवसागर रामगुलाम ने वैश्विक स्तर पर हिन्दी से संबंधित गतिविधियों के समन्वयन के लिए एक विश्व हिन्दी सचिवालय की स्थापना का विचार रखा। अन्ततः भारत और मॉरीशस की सरकार के प्रयासों से विश्व हिन्दी सचिवालय ने 11 फरवरी, 2008 ई. से कार्य करना प्रारम्भ किया।

31. (a)
'नीम हकीम खतरे जान' का अर्थ 'अयोग्य से हानि' या 'अल्प ज्ञान हानिकारक होता है' है।

32. (b)

लोकोक्ति	**अर्थ**
1. समरथ को नहिं दोष गोसाईं	- सामर्थ्यवान के दोष/अपराध भी क्षम्य हैं।
2. सेर को सवा सेर	- एक से बढ़कर एक।
3. सईयां भये कोतवाल, अब डर काहे का	- अपने अधिकारों का अनुचित लाभ ठाना।
4. सखी न सहेली, भली अकेली	- अकेले रहना अच्छा।

33. (d)
हिंदी साहित्य के इतिहासकारों में आचार्य रामचंद्र शुक्ल का नाम सर्वोपरि है। शुक्ल जी द्वारा किये गये हिंदी साहित्य का काल विभाजन और उसका नामकरण सबसे प्रामाणिक माना जाता है। इनके अनुसार 'आधुनिक काल' को 'गद्य काल' के नाम से भी जाना जाता है।

34. (b)
'अक्षय निधि' का अर्थ 'कभी खत्म न होने वाली संपत्ति' है।

35. (a)
दिये गये अनुच्छेद के अनुसार 'परमुखापेक्षिता' से तात्पर्य 'दूसरों से आशा रखना' है।

36. (c)
'तम' का अभिप्राय अंधकार है।
तम का पर्याय- अंधेरा, अंधकार, तिमिर, अँधियारा, तमस आदि।
वन का पर्याय-जंगल, अरण्य, कानन, अटवी, कांतार, विपिन आदि।

37. (a)
दिये गये अनुच्छेद के अनुसार 'सीधी रीढ़' का अर्थ स्वाभिमानी और स्वावलंबी होना है।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET-23

1. कंठ्यतालव्य दीर्घ स्वर वर्ण का उदाहरण कौन-सा है?
(a) ऊ (b) औ (c) ऋ (d) ए
2. दिए गए वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न का चयन कीजिए। मोहन पुस्तक पढ़ रहा है
(a) । (b) ! (c) ? (d) " "
3. 'शिक्षक' संज्ञा का कौन-सा प्रकार है?
(a) समूहवाचक संज्ञा (b) जातिवाचक संज्ञा
(c) व्यक्तिवाचक संज्ञा (d) भाववाचक संज्ञा
4. दिए गए वाक्य का पुरुष ज्ञात कीजिए।
तुम कल कहाँ थे?
(a) उत्तम (b) मध्यम (c) प्रथम (d) अन्य पुरुष
5. 'निशा' का विशेषण रूप है –
(a) निशाचर (b) निशीथ (c) निशान्त (d) नैश
6. 'राम श्याम की किताब पढ़ता है।' इस वाक्य में क्रिया का कौन-सा प्रकार है?
(a) अकर्मक क्रिया (b) अनेकार्थक क्रिया
(c) पूर्वकालिक क्रिया (d) सकर्मक क्रिया
7. 'गाँव वालों ने मिलकर यह काम पूरा किया।' - इस वाक्य में 'मिलकर' किस प्रकार का क्रियाविशेषण है?
(a) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
(b) स्थानवाचक क्रियाविशेषण
(c) रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(d) कालवाचक क्रियाविशेषण
8. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द पुल्लिंग है?
(a) विकृति (b) संस्कृति (c) दंपति (d) प्रकृति
9. दिए गए विकल्पों में से वह शब्द चुनिए जिसका प्रयोग सदा एकवचन में होता है :
(a) कक्षा (b) आँसू (c) प्राण (d) प्रत्येक
10. निम्न में भूतकाल का उदाहरण है :
(a) मैं जाता हूँ। (b) राम घर गया था।
(c) वह आ रहा है। (d) वह पुस्तक पढ़ेगा।
11. जब किसी वाक्य की क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष, कर्ता के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार हो तब वाक्य में कौन-सा वाच्य होता है?
(a) कर्मवाच्य (b) कर्तृवाच्य
(c) भाववाच्य (d) ये सभी
12. प्रवीण के भाई ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
उपर्युक्त वाक्य में कर्म है-
(a) प्रवीण (b) प्रथम (c) पाया (d) प्रथम पुरस्कार
13. दिए गए शब्दों में एक शब्द तत्सम है, उसे चिह्नित कीजिए।
(a) पोथी (b) पानी (c) घर (d) अन्न
14. इनमें से कौन-सा शब्द हिंदी के उपसर्ग से नहीं बना है?
(a) अनजान (b) बिनचखा
(c) बिनजाना (d) लापता
15. 'कृत्' और 'तद्धित' इनमें से किसके भेद हैं?
(a) अव्यय (b) उपसर्ग (c) प्रत्यय (d) सर्वनाम
16. 'प्रकाश' का विलोम है-
(a) अंधेरा (b) अँधियारा (c) तम (d) अंधकार
17. 'बहिरंग' का विलोम शब्द है –
(a) सर्वाङ्ग (b) अंतरंग (c) चतुरंग (d) अभ्यङ्ग
18. 'लहू' का समानार्थी शब्द है–
(a) उपल (b) शोणित (c) सेना (d) सेतु
19. 'अकस्मात' शब्द के लिए इनमें से उपयुक्त पर्यायवाची शब्द कौन-सा है?
(a) अचानक (b) अदृश्य (c) अभंज (d) अनिवार्य
20. इनमें से कौन-सा शब्द 'आराम' शब्द का अर्थ नहीं है?
(a) आहत (b) वाटिका
(c) फुलवाड़ी (d) विश्राम
21. 'चपला - चपल' के समरूपी भिन्नार्थक हैं–
(a) बिजली – तेज (b) तेज – बिजली
(c) बादल - गर्जन (d) गर्जन - बादल
22. 'जो पढ़ा न गया हो'- इस वाक्यांश के लिए सही शब्द कौन-सा है?
(a) अपठित (b) आस्तिक
(c) जटिल (d) अपठनीय
23. 'जिसका अनुभव किया गया हो' के लिए एक शब्द क्या होगा?
(a) अनुभाव्य (b) अनुभवी
(c) अनुभव योग्य (d) अनुभूत
24. 'गीतांजलि' का सही संधि-विच्छेद कौन-सा है?
(a) गीता + अंजलि (b) गीता + अंजली
(c) गीतां + जलि (d) गीत + अंजलि
25. 'मनमाना' में कौन-सा समास है?
(a) अव्ययीभाव (b) कर्मधारय
(c) तत्पुरुष (d) बहुब्रीहि
26. निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य कौन-सा है?
(a) उसको दुर्जन कहकर पुकारना अनुचित है।
(b) उसको घमंडी कहकर पुकारना ज्यादती है।
(c) यहाँ अशोभनीय वातावरण उपस्थित है।
(d) यह ग्रंथ विद्वत्ता से भरा है।
27. सात्विक अनुभाव कितने प्रकार के होते हैं?
(a) दस (b) आठ
(c) सात (d) नौ

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

28. “श्री गुरु चरन सरोज रज, निज मन मुकुरु सुधार।
बरनौ रघुवर विमल जस, जो दायक फल चारि।।”
में छन्द है–
(a) दोहा (b) सोरठा (c) रोला (d) बरवै

29. 'काली घटा का घमंड घटा नभ मंडल तारका वृन्द खिले', इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है?
(a) उपमा अलंकार (b) रूपक अलंकार
(c) श्लेष अलंकार (d) यमक अलंकार

30. आठवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन कहाँ सम्पन्न हुआ था?
(a) न्यूयॉर्क (अमेरिका)
(b) पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिदाद)
(c) पोर्ट लुई (मॉरीशस)
(d) नई दिल्ली (भारत)

31. 'थाली का बैंगन' मुहावरे का अर्थ है-
(a) अधिक चिकना (b) चौड़ा होना
(c) गोल होना (d) सिद्धान्तहीन व्यक्ति

32. 'कोई कमाए कोई खाए', इसके अर्थ को दर्शाती सही लोकोक्ति निम्न में से कौन सी है?
(a) खरी मजूरी चोखा काम (b) अंधी पीसे कुत्ता खाये
(c) घर की मुर्गी दाल बराबर (d) चट मँगनी पट ब्याह

33. हिंदी साहित्य का आधुनिक काल सामान्यतया कब से माना जाता है?
(a) 1850 ई. से (b) 1700 ई. से
(c) 1750 ई. से (d) 1900 ई. से

अनुच्छेद पढ़कर, दिए गए सवालों के सही जवाब चुनिए–

क्या आपको पता है कि विश्व में सबसे जटिल तंत्र आपके मस्तिष्क में ही स्थित है? शताब्दियों में मस्तिष्क (Brain) की तुलना मनुष्य द्वारा बनाई गई विभिन्न मशीनों से की जाती रही है। यह सब जानते हैं कि सबसे आधुनिक मशीन कंप्यूटर है जिससे मस्तिष्क की तुलना की जाती है। कंप्यूटर की क्रिया बहुत ही तेज होती है, लेकिन उसके कार्य सीमित हैं क्योंकि कंप्यूटर मनुष्य द्वारा दिए गए कार्यक्रम के अनुसार ही काम करता है। इस तरह कोई भी मशीन मस्तिष्क की बराबरी नहीं कर सकती। मस्तिष्क में असंख्य तंत्रिका कोशिकाएँ (Nerve cells) जटिल रूप से जुड़ी रहती हैं जिनके कारण इसको सूचना प्राप्त करने, मस्तिष्क में उनका संग्रह करने, स्तरण करने और सूचनाओं को प्रोसेस करने और साथ ही साथ नए-नए विचार उत्पन्न करने की क्षमता मिलती है। वैज्ञानिक 'बुद्धिमान' कंप्यूटर बनाने की जी-तोड़ मेहनत कर रहे हैं लेकिन यह अलग ही कहानी है। यदि हम मानव सभ्यता के इतिहास की ओर देखें तो पता चलता है कि मन (Mind) और इसकी मानसिक प्रक्रियाएँ सदैव से ही दार्शनिकों के बीच रोचक चर्चा किंतु मतभेद का विषय रही हैं। अभी कुछ ही समय पहले तक हम मस्तिष्क की प्रकृति के बारे में या शरीर से इसके संबंध में बहुत कुछ नहीं जानते थे। यहाँ तक कि मन, जिसे आध्यात्मिक माना जाता था, और मस्तिष्क, जिसे सांसारिक समझा जाता था, दोनों के बीच संबंध के बारे में भी मतभेद था।

34. मस्तिष्क में जटिल रूप से क्या जुड़ी रहती हैं?
(a) मशीन की क्षमताएँ
(b) तंत्रिका कोशिकाएँ
(c) बुद्धिमान कंप्यूटर प्रणालियाँ
(d) मन की भावनाएँ

35. किन दोनों के बीच संबंध के बारे में मतभेद था?
(a) मन और मनुष्य
(b) वैज्ञानिक और कंप्यूटर
(c) मन और मस्तिष्क
(d) मनुष्य और कंप्यूटर

36. विश्व में सबसे जटिल तंत्र कहाँ स्थित है?
(a) मशीन में
(b) कंप्यूटर में
(c) मन में
(d) मस्तिष्क में

37. मस्तिष्क की तुलना किससे की जाती है?
(a) वैज्ञानिकों से (b) मन से
(c) कंप्यूटर से (d) विज्ञान से

SOLUTION : PRACTICE SET-23

ANSWER KEY

1. (d)	9. (d)	17. (b)	25. (a)	33. (a)
2. (a)	10. (b)	18. (b)	26. (d)	34. (b)
3. (b)	11. (b)	19. (a)	27. (b)	35. (c)
4. (b)	12. (d)	20. (a)	28. (a)	36. (d)
5. (d)	13. (d)	21. (a)	29. (d)	37. (c)
6. (d)	14. (d)	22. (a)	30. (a)	
7. (c)	15. (c)	23. (d)	31. (d)	
8. (c)	16. (d)	24. (d)	32. (b)	

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION

1. (d)
'ए' वर्ण कंठ्यतालव्य दीर्घ स्वर वर्ण है। ए, ऐ दोनों स्वर का उच्चारण स्थान कंठ्यतालव्य है।

ओ, औ का उच्चारण स्थान कंठोष्ठ्य है।

उ, ऊ का उच्चारण ओष्ठ।

अ, आ का उच्चारण कण्ठ।

इ, ई का उच्चारण तालु तथा ऋ का उच्चारण स्थान मूर्द्धा है।

2. (a)
दिए गए वाक्य 'मोहन पुस्तक पढ़ रहा है' में विराम चिह्न पूर्णविराम (।) का प्रयोग होगा।

अतः पूर्ण वाक्य होगा - मोहन पुस्तक पढ़ रहा है।

3. (b)
'शिक्षक' शब्द जातिवाचक संज्ञा है। जिन शब्दों से एक ही प्रकार के गुणधर्म रखने वाले वस्तुओं अथवा व्यक्तियों का बोध हो, वे शब्द जातिवाचक संज्ञा कहलाएंगे। सम्बंधियों, व्यवसायों तथा पदों के नाम जातिवाचक संज्ञा के अंतर्गत आते हैं। **जैसे**-भाई-बहन, शिक्षक, मंत्री, प्रधानमंत्री आदि।

4. (b)
दिए गए वाक्य 'तुम कल कहाँ थे'? में मध्यम पुरुष होगा।

मध्यम पुरुष-सुनने वाले श्रोता को 'मध्यम पुरुष' कहा जाता है जैसे- तू, तुम, आप।

5. (d)
प्रश्नगत विकल्पों में 'निशा' का विशेषण रूप 'नैश' होगा, जबकि निशाचर से तात्पर्य रात में विचरण करने वाला, निशीथ का तात्पर्य मध्य रात्रि से तथा निशान्त से तात्पर्य निशा का अंत (रात का चौथा पहर) से है।

6. (d)
'राम श्याम की किताब पढ़ता है।' इस वाक्य में 'सकर्मक क्रिया' का प्रयोग किया गया है।

7. (c)
वाक्य 'गाँव वालों ने मिलकर यह काम पूरा किया।' में 'मिलकर' शब्द रीतिवाचक क्रिया विशेषण है। जो क्रियाविशेषण शब्द क्रिया के घटित होने की रीति से संबंधित विशेषता का ज्ञान करवाते हैं उन्हें रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं। जिससे निश्चय, अनिश्चय कारण, निषेध आदि का बोध हो, उसे 'रीतिवाचक क्रिया विशेषण कहते हैं।

8. (c)
दिए गए शब्दों में 'दंपति' पुल्लिंग शब्द है।

अन्य सभी शब्द स्त्रीलिंग शब्द हैं।

9. (d)
दिये गये विकल्पों में से **प्रत्येक** शब्द सदैव 'एकवचन' में प्रयुक्त होता है। जबकि प्राण, आँसू, बाल, होश, हस्ताक्षर तथा कक्षा शब्द सदैव बहुवचन में प्रयोग किये जाते हैं।

10. (b)
दिये गये वाक्यों में 'राम घर गया था' वाक्य भूतकाल (पूर्ण भूतकाल) का वाक्य है। भूतकाल में क्रिया के व्यापार की समाप्ति का बोध होता है। जबकि 'मैं जाता हूँ', 'वह आ रहा है' वर्तमान काल का तथा 'वह पुस्तक पढ़ेगा' भविष्य काल का वाक्य है।

11. (b)
जब किसी वाक्य की क्रिया का लिंग, वचन और पुरुष, कर्ता के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार हो तब वाक्य कर्तृवाच्य में होगा। वाच्य के तीन भेद (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य) होते हैं। क्रिया के उस परिवर्तन को वाच्य कहते हैं जिसके द्वारा वाक्य के कर्ता, कर्म एवं भाव की प्रधानता का बोध होता है।

12. (d)
'प्रवीण के भाई ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।' उपर्युक्त वाक्य में 'प्रथम पुरस्कार' कर्म है। क्रिया का प्रभाव जिस पर पड़े, वह कर्म कहलाता है।

13. (d)
'अन्न' तत्सम शब्द है इसका तद्भव 'अनाज' होगा। अन्य तद्भव-तत्सम शब्द इस प्रकार हैं-

तद्भव	**तत्सम**
पोथी	पुस्तक
पानी	पानीय
घर	गृह

14. (d)
'लापता' शब्द में हिन्दी के उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है। अनजान में 'अन', बिनचखा में 'बिन' तथा बिनजाना में 'बिन' उपसर्ग का उपयोग किया गया है।

15. (c)
प्रत्यय- वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में लगकर उस शब्द के अर्थ में परिवर्तन करते हैं या नए अर्थ का बोध कराते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं। हिंदी व्याकरण में प्रत्यय के दो भेद होते हैं-

(1) कृत (कृदन्त) प्रत्यय- मूल धातु के साथ जुड़ते हैं।

(2) तद्धित प्रत्यय- संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण शब्दों के साथ जुड़ते हैं।

16. (d)
'प्रकाश' का विलोम **अंधकार** है। तम का विलोम 'आलोक' है। अँधियारा का विलोम उजियारा है।

17. (b)
बहिरंग का विलोम 'अंतरंग' है।

18. (b)
'लहू' का समानार्थी शब्द शोणित होता है। शेष असंगत हैं।

19. (a)
'अकस्मात' शब्द का उपयुक्त पर्यायवाची अचानक है।

20. (a)
'आराम' शब्द का अर्थ है- वाटिका, फुलवाड़ी, विश्राम आदि। 'आहत' आराम शब्द का अर्थ नहीं है।

21. (a)
'चपला-चपल' के समरूपी भिन्नार्थक हैं-'बिजली-तेज'। शेष असंगत हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

22. (a)

वाक्यांशों का विवरण है–

वाक्यांश		एक शब्द
'जो पढ़ा न गया हो'	-	अपठित
जो ईश्वर में विश्वास रखता हो	-	आस्तिक
जो सरल न हो	–	जटिल
जो पढ़ने योग्य न हो	-	अपठनीय

23. (d)

वाक्यांश		एक शब्द
जिसका अनुभव किया गया हो	–	अनुभूत
किसी प्रस्ताव का समर्थन करने की क्रिया	–	अनुमोदन
जिसका कोई घर नहीं हो	–	अनिकेत
परंपरा से चली आ रही कथा	–	अनुश्रुति

24. (d)

'गीतांजलि' शब्द का सही संधि विच्छेद 'गीत + अंजलि' है। यहाँ पर दीर्घ स्वर संधि है।

25. (a)

'मनमाना' शब्द में अव्ययीभाव समास है। इसका विग्रह 'मन के अनुसार' होगा। जिस शब्द में पूर्व पद की प्रधानता हो और सामासिक या समस्त पद अव्यय हो, वहाँ अव्ययीभाव समास होता है। जहां पूर्व पद विशेषण होने के कारण गौण तथा उत्तर पद विशेष्य होने के कारण प्रधान होता है, वहाँ पर तत्पुरुष समास होता है। जिस समास में विशेष्य-विशेषण या उपमान-उपमेय सम्बन्ध हो, वहाँ कर्मधारय समास तथा जहाँ पर दोनों पदों को छोड़कर किसी अन्य पद की प्रधानता हो, वहाँ बहुव्रीहि समास होता है।

26. (d)

दिये गये वाक्यों में 'यह ग्रंथ विद्वत्ता से भरा है।' शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्यों का शुद्ध रूप इस प्रकार होगा-

(i) उसको दुर्जन कहना अनुचित है।

(ii) उसको घमंडी कहना ज्यादती है।

(iii) यहाँ अशोभनीय वातावरण है।

27. (b)

आश्रय की शरीर से उसके बिना किसी बाहरी प्रयत्न के स्वतः उत्पन्न होने वाली चेष्टाएँ सात्विक अनुभाव कहलाते हैं।'

सात्विक अनुभव 'आठ' प्रकार के होते हैं।

(I) स्तंभ	(II) स्वेद	(III) रोमांच
(IV) स्वरभंग	(V) कम्प	(VI) वैवर्ण्य
(VII) अश्रु	(VIII) प्रलय	

28. (a)

'श्री गुरु चरन सरोज रज, निज मन मुकुर सुधार।

बरनऊँ रघुवर विमल जसु, जो दायक फल चारि।।'

में **दोहा छन्द** है। इसके प्रथम और तृतीय चरण में 13-13 मात्राएँ और द्वितीय तथा चतुर्थ चरण में 11-11 मात्राएँ होती हैं। 'सोरठा' दोहा का उल्टा होता है अर्थात् इसके प्रथम व तृतीय चरण में 11-11 तथा द्वितीय व चतुर्थ चरण में 13-13 मात्राएँ होती हैं। बरवै अवधी का छन्द हैं जिसमें 12 व 7 मात्रा पर यति होती है। रोला 24 मात्राओं का मात्रिक सम छंद है।

29. (d)

उपर्युक्त पंक्ति में 'यमक अलंकार' है।

यमक अलंकारः- जिस अलंकार में एक शब्द का प्रयोग 'दो' बार होता है और दोनों बार उसके अर्थ अलग-अलग होते हैं।

उदाहरणः- काली घटा का घमंड घटा नभ मंडल तारका वृन्द खिले

↓ ↓

(बादल) (कम होना)

30. (a)

आठवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन (2007) न्यूयार्क (अमेरिका) में हुआ था।

प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन–नागपुर (भारत)

द्वितीय विश्व हिन्दी सम्मेलन–पोर्ट लुई (मॉरीशस)

31. (d)

'थाली का बैगन' मुहावरे का अर्थ 'सिद्धान्तहीन व्यक्ति' होता है।

32. (b)

'कोई कमाए कोई खाए' इस अर्थ को दर्शाने वाली लोकोक्ति है– 'अंधी पीसे कुत्ता खाये'। 'खरी मजूरी चोखा काम' का अर्थ होता है– 'अच्छा निवेश करने से काम अच्छा होता है'। 'घर की मुर्गी दाल बराबर' का अर्थ होता है– 'अपनी चीज या अपने आदमी की कद्र नहीं होती'। इसी तरह 'चट मँगनी पट ब्याह' का अर्थ होता है– 'तत्काल कार्य होना'।

33. (a)

अधिकांश विद्वानों के द्वारा हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल सामान्यतः सन् 1850 ई. से प्रारंभ माना जाता है। हिन्दी साहित्य का काल विभाजन निम्नलिखित है-

1. आदिकाल - 1050 से 1375 वि. स. तक
2. भक्तिकाल - 1375 से 1700 वि. स. तक
3. रीतिकाल - 1700 से 1900 वि. स. तक
4. आधुनिक काल - 1900 से अद्यतन।

आधुनिक काल को पुनः चार युगों में विभक्त किया गया है-

(1) भारतेन्दु युग (1850 ई. से 1900 ई. तक)

(2) द्विवेदी युग (1900 ई. से 1918 ई. तक)

(3) छायावाद (1918 ई. से 1936 ई)

(4) छायावादोत्तर युग (1936- अब तक)

34. (b)

मस्तिष्क में जटिल रूप से तंत्रिका कोशिकाएँ जुड़ी रहती हैं।

35. (c)

मन और मस्तिष्क के बीच संबंध के बारे में मतभेद था।

36. (d)

विश्व में सबसे जटिल तंत्र मस्तिष्क में स्थित है।

37. (c)

गद्यांश के अनुसार मस्तिक की तुलना कंप्यूटर से की जाती है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-24

1. कौन वर्ण ओष्ठ्य नहीं है?
(a) म (b) ब
(c) ऊ (d) आ

2. निम्नलिखित में से पूर्णविराम चिह्न की पहचान कीजिए।
(a) : (b) ;
(c) । (d) ?

3. 'शहर' संज्ञा का कौन-सा प्रकार है?
(a) जातिवाचक संज्ञा (b) व्यक्तिवाचक संज्ञा
(c) समूहवाचक संज्ञा (d) भाववाचक संज्ञा

4. इनमें से मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम का उदाहरण कौन-सा है?
(a) मैं (b) तू
(c) वह (d) उपरोक्त सभी

5. 'आलस' शब्द का विशेषण क्या होगा?
(a) आलसी (b) आलस्य
(c) अलस (d) अलसी

6. निम्नलिखित में से किस वाक्य में सकर्मक क्रिया है?
(a) राम दौड़ा (b) मैं रुक गया
(c) उसने कार बेच दी (d) खिलौना टूट गया

7. 'परमात्मा की कृपा सर्वत्र व्याप्त है।'- इस वाक्य में किस प्रकार के क्रिया विशेषण का प्रयोग हुआ है?
(a) परिमाणवाचक (b) रीतिवाचक
(c) कालवाचक (d) स्थानवाचक

8. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो पुल्लिंग रूप वाला विकल्प है।
(a) हथेली (b) तुला
(c) झगड़ा (d) नाक

9. दिए शब्दों में से नित्य एकवचन में प्रयोग होने वाला कौन-सा शब्द नहीं है?
(a) जनता (b) आकाश
(c) हस्ताक्षर (d) पानी

10. निम्न में कौन-सा वाक्य भूतकाल का है?
(a) यदि वह जाता तो मैं भी जाता।
(b) मोहिनी खाती होगी।
(c) उसने खाया है।
(d) मोहन ने पढ़ा है।

11. 'मैं बाजार जाता हूँ।' इस वाक्य में वाच्य का कौन-सा प्रकार है?
(a) कर्मवाच्य (b) भाववाच्य
(c) कर्तृवाच्य (d) इनमें से कोई नहीं

12. 'हरिमोहन अपनी बहन को पुस्तक देता है' वाक्य में रेखांकित पद में कारक है–
(a) कर्म (b) सम्प्रदान
(c) संबंध (d) अधिकरण

13. 'अगहन' का तत्सम रूप कौन–सा है?
(a) अग्रहायण (b) अगहण
(c) आग्रहण (d) अग्रासन

14. 'उत्थान' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) उत् (b) उथ्
(c) उ (d) उता

15. 'भावना' में कौन-सा प्रत्यय है?
(a) इक (b) अक
(c) अना (d) वना

16. 'साहचर्य' का विलोम शब्द है –
(a) वैमनस्य (b) असहयोग
(c) विनियोग (d) अलगाव

17. दिए गए विकल्पों में 'प्रचुर' का विलोम शब्द कौन सा है?
(a) उर्ध्व (b) अल्प
(c) मृदुल (d) निम्न

18. किस विकल्प में सभी शब्द परस्पर पर्यायवाची हैं?
(a) कनक, कंचन, निनाद (b) वदन, आनन, आस्य
(c) नियति, विधि, धीवर (d) आशुग, तीर, प्राज्ञता

19. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए शब्द के समानार्थी शब्द का विकल्प नहीं है। ओस -
(a) तुहिन (b) फाका (c) शबनम (d) तुषार

20. इनमें से कौन-सा शब्द 'आचरण' शब्द का अर्थ नहीं है?
(a) व्यवहार (b) आकांक्षा
(c) आदत (d) चाल-चलन

21. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस सही विकल्प का चयन करें जो दिए गए शब्द-युग्म के सही अर्थ का उचित विकल्प हो।
वरण - वरन्
(a) चुनना - बल्कि (b) चुनना - विस्तृत
(c) डर-बल्कि (d) विस्तृत - बल्कि

22. 'जिनकी आशा न की गई हो' के लिए इनमें से उपयुक्त शब्द कौन-सा है?
(a) अप्रत्याशित (b) प्रत्याशित
(c) अपेक्षित (d) इनमें से कोई नहीं

23. जिसका विभाजन नहीं किया जा सके उसके लिए इनमें से उपयुक्त शब्द क्या होगा?
(a) अविभाज्य (b) अविभक्त
(c) अखंड (d) अखंडित

24. 'स्वर्गारोहण' का सही संधि-विच्छेद कौन-सा है?
(a) स्वर + गारोहण (b) स्वर्गा + रोहण
(c) स्व + गारोहण (d) स्वर्ग + आरोहण

25. निम्नलिखित में 'यथाविधि' का सही समास कौन-सा है?
(a) अव्ययीभाव (b) तत्पुरुष
(c) कर्मधारय (d) बहुव्रीहि

26. 'उसकी ख्याति सारे देश भर में फैली हुई है।' उक्त वाक्य में कौन-सा भाग गलत है?
(a) फैली हुई है (b) सारे देश
(c) भर में (d) उसकी ख्याति

27. अनुभाव के कितने रूप माने गए हैं?
(a) चार (b) नौ
(c) तीन (d) दस

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

28. **दोहा छंद में कितने चरण होते हैं?**

(a) दो (b) छह
(c) तीन (d) चार

29. **'कबीरा सोई पीर है, जे जाने पर पीर। जे पर पीर न जानई सो काफिर बेपीर।।' में कौन-सा अलंकार है?**

(a) श्लेष (b) रूपक
(c) पुनरुक्ति (d) यमक

30. **कला का मूल्यवादी दृष्टिकोण अथवा काव्य का मूल प्रयोजन इनमें से क्या माना जाता है?**

(a) काव्य का मूल प्रयोजन आनंदानुभूति है।
(b) काव्य का मूल प्रयोजन नैतिकता की स्थापना है।
(c) काव्य का मूल प्रयोजन आस्वादन है।
(d) काव्य का मूल प्रयोजन सौंदर्यानुभूति है।

31. **''दिन में यह सोफा बन जाता है और रात को पलंग, इसे कहते हैं ....''।**

(a) जहाँ चाह वहाँ राह
(b) आम के आम गुठलियों के दाम
(c) एक पंथ दो काज
(d) चित्त भी मेरी पट्ट भी मेरी

32. **करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान-इस लोकोक्ति का तात्पर्य क्या है?**

(a) अनिश्चय में सफलता मिलती है।
(b) अभ्यास मूर्ख को भी चतुर बना देता है।
(c) अभ्यास से जड़मति होती है।
(d) सुजान अभ्यास से जड़ हो जाता है।

33. **आल्हा खंड किस बोली (भाषा) में लिखा गया है?**

(a) भोजपुरी (b) बुंदेली
(c) मैथिली (d) बघेली

अनुच्छेद पढ़कर, दिए गए सवालों के सही जवाब चुनिए–

हरे पौधों में होने वाली प्रकाश संश्लेषण की क्रिया पौधों एवं अन्य जीवित प्राणियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्रिया है। इस क्रिया में पौधे सूर्य के प्रकाशीय ऊर्जा को रासायनिक ऊर्जा में परिवर्तित कर देते हैं तथा CO_2 पानी जैसे साधारण पदार्थों से जटिल कार्बन यौगिक कार्बोहाइड्रेट्स बन जाते हैं। इन कार्बोहाइड्रेट्स द्वारा ही मनुष्य एवं जीवित प्राणियों को भोजन प्राप्त होता है। इस प्रकार पौधे प्रकाश संश्लेषण की क्रिया द्वारा संपूर्ण प्राणी-जगत के लिए भोजन-व्यवस्था करते हैं। कार्बोहाइड्रेट्स प्रोटीन एवं विटामिन आदि को प्राप्त करने के लिए विभिन्न फसलें उगाई जाती हैं तथा इन सब पदार्थों का निर्माण प्रकाश संश्लेषण द्वारा ही होता है। रबड़, प्लास्टिक, तेल, सेल्यूलोज एवं कई औषधियाँ भी पौधों में प्रकाश संश्लेषण क्रिया में उत्पन्न होती हैं। हरे वृक्ष प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में कार्बन डाईऑक्साइड को लेते हैं और ऑक्सीजन को निकालते हैं, इस प्रकार वातावरण को शुद्ध करते हैं। ऑक्सीजन सभी जंतुओं को साँस लेने के लिए अति आवश्यक है। पर्यावरण के संरक्षण के लिए भी इस क्रिया का बहुत महत्त्व है। मत्स्य-पालन के लिए भी प्रकाश संश्लेषण का बहुत महत्त्व है। जब प्रकाश संश्लेषण की क्रिया धीमी हो जाती है, तो जल में कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है। इसका 5 सी.सी. प्रतिलीटर से अधिक होना मत्स्य-पालन हेतु हानिकारक है।

34. **इस अनुच्छेद के लिए उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है?**

(a) कार्बोहाइड्रेट्स की उत्पति
(b) प्रकाशीय ऊर्जा का महत्त्व
(c) प्राणी-जगत की भोजन-व्यवस्था
(d) प्रकाश संश्लेषण का महत्त्व

35. **प्रकाश संश्लेषण की क्रिया धीमी हो जाने पर पानी में किस रसायन की मात्रा बढ़ जाती है?**

(a) नाइट्रोजन डाईऑक्साइड (b) क्लोरिन
(c) कार्बन डाईऑक्साइड (d) ऑक्सीजन

36. **प्रकाश संश्लेषण किसके लिए महत्त्वपूर्ण है?**

(a) प्राणी-जगत की भोजन-व्यवस्था के लिए
(b) सभी के लिए
(c) मछलियों के पालन के लिए
(d) औषधियों की तैयारी के लिए

37. **प्रकाश संश्लेषण की क्रिया कहाँ होती है?**

(a) हवा में (b) हरे पौधों में
(c) मिट्टी में (d) पहाड़ों में

SOLUTION : PRACTICE SET-24

ANSWER KEY

1. (d)	9. (c)	17. (b)	25. (a)	33. (b)
2. (c)	10. (a)	18. (b)	26. (b)	34. **(d)**
3. (a)	11. (c)	19. (b)	27. (a)	35. **(c)**
4. (b)	12. (a)	20. (b)	28. (d)	36. **(b)**
5. (a)	13. (a)	21. (a)	29. (d)	37. **(b)**
6. (c)	14. (a)	22. (a)	30. (b)	
7. (d)	15. (c)	23. (a)	31. (c)	
8. (c)	16. (d)	24. (d)	32. (b)	

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

SOLUTION

1. (d)
'आ' वर्ण ओष्ठ्य नहीं है। यह कंठ्य ध्वनि है। उ, ऊ तथा प वर्ग के वर्ण ओष्ठ्य ध्वनियाँ हैं।

2. (c)

विरामचिह्न का नाम		**विरामचिह्न**
पूर्णविराम	–	।
अर्द्धविराम	–	;
अल्पविराम	–	,
विवरणचिह्न	–	(:-)
प्रश्नवाचक	–	?

3. (a)
'शहर' शब्द जातिवाचक संज्ञा है। जिस संज्ञा शब्द से व्यक्ति, वस्तु, जीव-जंतु, पेड़-पौधे, पद-व्यवसाय इत्यादि की पूरी जाति का ज्ञान होता है, वह जातिवाचक संज्ञा कहलाता है। **जैसे-** शहर, देश, महाद्वीप आदि।
किसी व्यक्ति, वस्तु एवं स्थान के नाम को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जातिवाचक संज्ञा के व्यक्तिगत नाम को भी व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। **जैसे-** प्रयागराज, भारत, एशिया आदि।

4. (b)
दिये गये विकल्पों में 'तू' सार्वनामिक शब्द मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम है जबकि 'मैं' उत्तम पुरुष तथा 'वह' अन्य पुरुष सर्वनाम का उदाहरण है।

5. (a)
प्रश्नगत विकल्पों में आलस शब्द का विशेषण 'आलसी' होता है, जबकि आलस्य 'आलस' शब्द का तत्सम एवं भाववाचक संज्ञा है। शेष विकल्पों का 'आलस' शब्द से कोई सम्बन्ध नहीं है।

6. (c)
'उसने कार बेच दी' में सकर्मक क्रिया स्पष्ट होती है। अन्य वाक्य 'राम दौड़ा', 'मैं रुक गया', 'खिलौना टूट गया' अकर्मक क्रिया सम्बन्धी वाक्य हैं।

7. (d)
स्थानवाचक क्रिया विशेषण:- जो शब्द क्रिया के होने वाले जगह का बोध कराते हैं स्थानवाचक क्रिया विशेषण कहलाते हैं।
'परमात्मा की कृपा सर्वत्र व्याप्त है।' **'सर्वत्र'** शब्द परमात्मा की कृपा होने के स्थान का बोध करा रहा है। अतः यह शब्द स्थानवाचक क्रिया विशेषण के अन्तर्गत आएगा।

8. (c)
उपर्युक्त विकल्पों में झगड़ा पुल्लिंग शब्द है जबकि हथेली, तुला तथा नाक स्त्रीलिंग शब्द हैं।

9. (c)
'हस्ताक्षर' एकवचन में प्रयोग होने वाला शब्द नहीं है। यह सदैव बहुवचन में प्रयुक्त होता है। जनता, आकाश एवं पानी सदैव एकवचन में प्रयुक्त होते हैं।

10. (a)
'यदि वह जाता तो मैं भी जाता।' वाक्य में किसी बीते हुए समय में जाने की बात की जा रही है। अतः वाक्य में भूतकाल होगा। शेष तीनों वाक्य वर्तमान काल में हैं।

11. (c)
'मै बाजार जाता हूँ' इस वाक्य में कर्तृ वाच्य है। क्रिया के जिस रूप में कर्ता प्रधान हो, सकर्मक और अकर्मक दोनों क्रियाएँ हों उसे कर्तृवाच्य कहते हैं।
जैसेः– कृष्ण सेब खाता है।

12. (a)
'हरिमोहन अपनी **बहन को पुस्तक देता है।'** वाक्य के रेखांकित पद में 'कर्म कारक' है। संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप पर क्रिया का प्रभाव पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं। इसके साथ 'को' विभक्ति का प्रयोग होता है।

13. (a)
'अगहन' का तत्सम रूप 'अग्रहायण' है। अगहन हिन्दू पंचांग का एक महीना है। जिन शब्दों को संस्कृत से बिना परिवर्तन के हिन्दी में ले लिया गया है, तत्सम शब्द कहलाते हैं।

14. (a)
'उत्थान' शब्द में उत् उपसर्ग है। उपसर्ग मूलशब्द के आगे प्रयुक्त होकर शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं।

15. (c)
'भावना' शब्द में 'अना' प्रत्यय है। वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में लगकर उस शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं या नए अर्थ का बोध कराते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं। प्रत्यय के दो भेद होते हैं।
(1) कृत प्रत्यय (2) तद्धित प्रत्यय।

16. (d)
साहचर्य का विलोम 'अलगाव' होता है। असहयोग का विलोम सहयोग होता है। वैमनस्य का विलोम सौमनस्य होता है।

17. (b)
'प्रचुर' शब्द का विलोम 'अल्प' होगा। मृदुल का विलोम 'कठोर' तथा निम्न का विलोम 'उच्च' होगा।

18. (b)
वदन, आनन, आस्य मुँख के पर्यायवाची हैं।

19. (b)
उपर्युक्त विकल्पों में तुहिन, शबनम, तुषार ओस के पर्यायवाची शब्द हैं जबकि फाका उपवास का समानार्थी शब्द है।
ओस का पर्यायवाची– तुहिन, तुषार, शीत, कण, नीहार आदि।
फाका के पर्यायवाची– उपवास, अनशन, व्रत, निराहार आदि।

20. (b)
दिये गये विकल्पों में 'आकांक्षा' शब्द आचरण शब्द का अर्थ नहीं है। जबकि 'व्यवहार', आदत, चाल-चलन, चरित्र आदि आचरण के समानार्थी शब्द हैं।

21. (a)
उपर्युक्त शब्द-युग्म 'वरण–वरन्' में वरण शब्द का अर्थ 'चुनना' तथा वरन् का अर्थ 'बल्कि' होता है।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

22. (a)
वाक्यांश के लिए एक शब्द इस प्रकार हैं -

वाक्यांश		एक शब्द
जिसकी आशा न की गई हो	-	अप्रत्याशित
जिसकी आशा की गयी हो	-	प्रत्याशित
जिसकी चाह या आशा हो	-	अपेक्षित
जिस पुस्तक में आठ अध्याय हों	-	अष्टाध्यायी

23. (a)
'जिसका विभाजन नहीं किया जा सके' उसके लिए उपयुक्त शब्द 'अविभाज्य' है। जिसको विभक्त न किया जा सके, उसके लिए एक शब्द 'अविभक्त' है।

24. (d)
'स्वर्गारोहण का संधि-विच्छेद = 'स्वर्ग + आरोहण' होता है। यहाँ पर दीर्घ स्वर संधि है।

25. (a)
अव्ययीभाव समास – इस समास में पहला पद अव्यय और दूसरा पद संज्ञा होता है तथा जिस समास के समस्त पद में अव्यय के अर्थ की प्रधानता रहती है, उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं। जैसे –
- यथाविधि – विधि के अनुसार
- प्रतिदिन – दिन-दिन
- यथाशक्ति – शक्ति के अनुसार

तत्पुरुष समास – जिस समास का उत्तर पद अर्थात् अंतिम पद प्रधान हो और बीच में कारक चिह्न लुप्त हो, उसे तत्पुरुष समास कहते हैं।
जैसे –
- गगनचुम्बी – गगन को चूमने वाला
- नेत्रहीन – नेत्र से हीन
- रोगग्रस्त – रोग से ग्रस्त
- देशभक्ति – देश के लिए भक्ति
- धनहीन – धन से हीन
- गंगाजल – गंगा का जल
- ग्रामवास – ग्राम में वास

कर्मधारय समास – कर्मधारय समास का प्रथम पद विशेषण और दूसरा पद विशेष्य अथवा संज्ञा होता है। जैसे –
- नराधम – अधम है नर जो
- महौषधि – महान है जो औषधि

बहुव्रीहि समास – इस समास में कोई भी पद प्रधान नहीं होता है, दोनों शब्द मिलाकर एक नया अर्थ प्रकट करते हैं, इसमें समस्तपद ही किसी अन्य पद का विशेषण होता है। उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं। जैसे –
- चक्रधर – चक्र को धारण करने वाले अर्थात् विष्णु
- दशानन – दश हैं आनन जिसके अर्थात् रावण

26. (b)
'उसकी ख्याति सारे देश भर में फैली हुई है' उक्त वाक्य में 'सारे' का प्रयोग अनावश्यक हुआ है। अतः शुद्ध वाक्य है- उसकी ख्याति देश भर में फैली हुई है।

27. (a)
अनुभाव के **चार** रूप माने गये हैं- (1) कायिक (2) वाचिक (3) आहार्य (4) सात्विक । रस को प्रकाशित करने वाली अनुकार्य की चेष्टाओं को **अनुभाव** कहते हैं।

28. (d)
दोहा छन्द में चार चरण होते हैं। यह अर्द्धसम मात्रिक छन्द है। इस छन्द के प्रथम और तृतीय चरणों में 13–13 मात्राएँ और द्वितीय और चतुर्थ चरणों में 11-11 मात्राएँ होती हैं।
जैसे- श्री गुरु चरन सरोज रज, निज मन मुकुरु सुधार।
बरनौ रघुवर बिमल जसु, जो दायक फल चारि।।

29. (d)
'कबीरा सोई पीर है, जे जाने पर पीर। जे पर पीर न जानई सो काफिर बेपीर।।' में यमक अलंकार है।
यमक अलंकार- जहाँ एक ही शब्द दो या दो से अधिक बार आए तथा उनके अर्थ भिन्न-भिन्न हों वहाँ 'यमक अलंकार' होता है।

30. (b)
कला का मूल्यवादी दृष्टिकोण अथवा काव्य का मूल प्रयोजन नैतिकता की स्थापना है।

31. (c)
'दिन में यह सोफा बन जाता है और रात को पलंग'' इसके लिए उपयुक्त लोकोक्ति 'एक पंथ दो काज' होगा; जब कि 'आम तो आम गुठलियों के दाम' लोकोक्ति का अर्थ सब तरह से लाभ ही लाभ तथा 'चित्त भी मेरी पट्ट भी मेरी' लोकोक्ति का अर्थ हर स्थिति में लाभ प्राप्त होना है।

32. (b)
'करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान' लोकोक्ति का अर्थ है– 'अभ्यास मूर्ख को भी चतुर बना देता है'।

33. (b)
आल्हा खण्ड 'बुंदेली' भाषा की रचना है इसे 'परमाल रासो' के नाम से भी जाना जाता है। इसके रचनाकार कवि 'जगनिक' हैं। इसमें आल्हा और ऊदल नामक दो प्रसिद्ध वीरों की 52 लड़ाइयों का रोमांचकारी वर्णन है।

34. (d)
उपर्युक्त अनुच्छेद के लिए 'प्रकाश संश्लेषण का महत्व' उपयुक्त शीर्षक हो सकता है क्योंकि पूरे अनुच्छेद में प्रकाश संश्लेषण के सम्बन्ध में बात बताई गई है।

35. (c)
जब प्रकाश संश्लेषण की क्रिया धीमी हो जाती है, तो जल में कार्बन डाईऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है।

36. (b)
प्रकाश संश्लेषण प्राणी-जगत की भोजन व्यवस्था के लिए, मछलियों के पालन के लिए और औषधियों की तैयारी के लिए महत्त्वपूर्ण कारक है।

37. (b)
दिये गये विकल्प में प्रकाश संश्लेषण की क्रिया हरे पौधों में होती है। हरे पौधों की कोशिकाओं में सूर्य के प्रकाश की उपस्थित में CO_2 एवं H_2O के संयोग से कार्बन युक्त यौगिकों के निर्माण करने की क्रिया को प्रकाश संश्लेषण कहते हैं।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET-25

1. निम्न में से कंठ्य वर्ण कौन सा है?
(a) उ (b) अ (c) इ (d) ई
2. प्रश्नवाचक और विस्मयादिबोधक को छोड़कर सभी वाक्यों के अंत में क्या प्रयुक्त होता है?
(a) अल्पविराम (b) पूर्णविराम
(c) कॉमा चिह्न (d) योजक चिह्न
3. 'लेखक' संज्ञा का कौन-सा प्रकार है?
(a) भाववाचक संज्ञा (b) समूहवाचक संज्ञा
(c) व्यक्तिवाचक संज्ञा (d) जातिवाचक संज्ञा
4. दिया गया वाक्य किस पुरुष का उदाहरण है, ज्ञात कीजिए।
जीवेश एक प्रतिभाशाली विद्यार्थी है।
(a) उत्तम पुरुष (b) अन्य पुरुष
(c) मध्यम पुरुष (d) प्रथम पुरुष
5. 'चर्चा' शब्द से बना विशेषण है–
(a) चर्चाएँ (b) चार्चा (c) चर्चित (d) चर्या
6. 'बालक इस पुस्तकालय में पढ़ रहा है।' वाक्य में.......... क्रिया है।
(a) संयुक्त (b) सहायक (c) अकर्मक (d) सकर्मक
7. 'देशभर में कोरोना का प्रकोप जारी है।' - इस वाक्य में किस प्रकार के क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है?
(a) रीतिवाचक (b) स्थानवाचक
(c) कालवाचक (d) परिमाणवाचक
8. निम्न में से कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग है?
(a) संकल्प (b) उत्साह (c) चक्रव्यूह (d) मृत्यु
9. निम्नलिखित शब्दों में से एकवचन है :
(a) प्राण (b) दर्शन (c) ओठ (d) तेल
10. निम्न में भूतकाल का वाक्य कौन-सा है?
(a) चिट्ठी भेजी जाती है (b) चिट्ठी भेजी गई है
(c) चिट्ठी भेजी गई (d) चिट्ठी भेजी जायेगी
11. 'उससे दो पत्र लिखे जाएंगे।' इस वाक्य को कर्तृवाच्य में लिखिए।
(a) वह दो पत्र लिखेगा। (b) वह दो पत्र लिखता है।
(c) उसने दो पत्र लिखे। (d) उसने दो पत्र लिखा।
12. माँ ने बाजार से <u>कपड़ा</u> खरीदा। रेखांकित का कारक बताइए।
(a) कर्त्ता कारक (b) करण कारक
(c) कर्म कारक (d) अधिकरण कारक
13. संस्कृत से हिंदी में प्रयुक्त मूल शब्द से वर्तमान स्थायी तद्‌भव रूप तक पहुँचने के मध्य में, संस्कृत के अशुद्ध या टूटे-फूटे स्वरूप में प्रयुक्त होने वाले शब्द क्या कहलाते हैं?
(a) तत्सम (b) विदेशी (c) देशज (d) अर्द्ध तत्सम
14. 'आजीवन' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) वन (b) आजी (c) आ (d) जीवन
15. 'भक्षण' में कौन-सा प्रत्यय है?
(a) क्षण (b) आन
(c) अन (d) इनमें से कोई नहीं
16. 'स्पृश्य' का विलोम शब्द है –
(a) स्पृस्य (b) अस्पृस्य
(c) अश्पृष्य (d) अस्पृश्य
17. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द 'प्रभावी' का विलोम नहीं है?
(a) अप्रभावी (b) निष्प्रभावी
(c) अप्रयुक्त (d) प्रभावशून्य
18. 'वनिता' शब्द का पर्यायवाची शब्द है–
(a) महिला (b) शफरी (c) विधु (d) जानकी
19. इनमें से कौन-सा शब्द 'अग्नि' का पर्यायवाची नहीं है?
(a) वैश्वानर (b) अनल (c) अमिय (d) रोहिताश्व
20. 'अपेक्षा' शब्द का अर्थ है
(a) अवहेलना (b) देखना
(c) आशा (d) सर्वेक्षण
21. सही शब्द – युग्म का चयन कीजिए ।
(a) द्विष - हाथी (b) तुरंग – घोड़ा
(c) दूत - जुआ (d) पथ्य - रास्ता
22. 'ज्ञात या कल्पित तथ्यों के आधार पर लिया गया निर्णय' के लिए इनमें से उपयुक्त शब्द क्या है?
(a) अपठित (b) अनुमोदन
(c) अध्याहरण (d) परिकल्पना
23. जो भूमि उपजाऊ हो
(a) बंजर (b) अजर
(c) उर्वर (d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
24. 'ब्रह्मर्षि' का सही संधि- विच्छेद कौन-सा है?
(a) ब्रह्म + रूषि (b) ब्रह्म + रूषी
(c) ब्रह्म+ ऋषि (d) ब्रह्मा + ऋशि
25. 'अनुरूप' में कौन सा समास है?
(a) कर्मधारय (b) तत्पुरुष
(c) अव्ययीभाव (d) द्विगु
26. 'मै संध्या के समय को नित्य खेलने जाता हूँ।' उक्त वाक्य में कौन-सा भाग गलत है?
(a) के समय (b) मैं संध्या
(c) जाता हूँ (d) नित्य खेलने
27. आश्रय के चित्त में उत्पन्न होने वाले अस्थिर मनोविकारों को कौन-सी संज्ञा दी जाती है?
(a) विभाव (b) स्थावी भाव
(c) अनुभाव (d) संचारी भाव
28. 'दोहा' के प्रथम चरण में कितनी मात्राएं होती हैं?
(a) 11 (b) 12 (c) 13 (d) 14
29. जिन पंक्तियों में एक शब्द या शब्द समूह अनेक बार आए किंतु उनका अर्थ प्रत्येक बार भिन्न हो तो वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?
(a) वक्रोक्ति अलंकार (b) श्लेष अलंकार
(c) अनुप्रास अलंकार (d) यमक अलंकार
30. किस सिद्धांत को मानने वाले साहित्यकार कला को सामाजिक परिवर्तन एवं सुधार का महत्वपूर्ण अस्त्र मानते हैं?
(a) मूल्यवादी (b) कलावादी
(c) मूल्यवादी तथा कलावादी (d) कोई नहीं
31. "ढोल के अन्दर पोल" कहावत का अर्थ, निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा है?
(a) कहीं ठौर ठिकाना नहीं
(b) मूर्ख व्यक्ति शेखी बघारता है
(c) औकात से बढ़कर सपने देखना
(d) दिखावा कुछ और गुण कुछ नहीं

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

32. कोयले की दलाली में मुँह काला' – इस लोकोक्ति का अर्थ निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प दर्शाता है?
(a) बुरा काम बदनामी का कारण बन जाता है।
(b) तुच्छ व्यक्ति अधिक प्रदर्शन करता है
(c) अपराधी स्वयं ही डरा डरा रहता है
(d) सभी वस्तुएँ समान नहीं होती

33. 'कीर्तिलता' किस भाषा की रचना है?
(a) मगही (b) मैथिली
(c) अपभ्रंश (d) खड़ी बोली

अनुच्छेद पढ़कर, दिए गए सवालों के सही जवाब चुनिए :
ईसवी संवत के आरंभ तक जर्मनी के लोग गोत्र अथवा कुल समुदायों में रहते थे और गोत्र कबीलों में संयुक्त थे। जर्मन लोग मवेशी और कुक्कुट पालते थे, जानवरों का शिकार करते मगर कृषि उनका मुख्य उद्यम था। वे पेड़ों को काटकर और जड़ों को उखाड़कर खेत बनाते थे। उस पर वे तब तक खेती करते थे, जब तक मिट्टी अनुर्वर नहीं हो जाती थी। दो-तीन साल बाद छोड़ दिया जाता था और जंगल को साफ करके नया खेत बना लिया जाता था। जमीन को अब सिर्फ कुदालों- फावड़ों से ही काश्त नहीं किया जाता था। उसे अकसर हलके हलों से जोतकर पटरों से बराबर किया जाता था। हलों को बैल खींचते थे। जर्मनों ने रोमनों को दो-खेत आवर्तन पद्धति से खेती करते देखा और उसे ग्रहण कर लिया। इस पद्धति में कृषिभूमि को दो भागों में बाँटा जाता था- एक खेत को काटकर किया जाता था और दूसरे को खाली रहने दिया जाता था। जोते गये और खाली खेतों की हर साल अदल-बदल होती थी। दो-खेत आवर्तन पद्धति (दुखेतिया) परिणामस्वरूप कृषि में श्रम उत्पादिता में वृद्धि आई है।

34. जोती गई ज़मीन किससे बराबर की जाती थी?
(a) फावड़ों से (b) कुदालो से
(c) लकड़ी के पटरों से (d) हलों से

35. जर्मनी का मुख्य उद्यम क्या था?
(a) व्यापार (b) कृषि
(c) जंगलों को काटना (d) जानवरों को पालना

36. जंगलों को काटकर नया खेत बनाने में कितने साल लगते थे?
(a) एक-दो साल (b) दस साल
(c) पाँच साल (d) छह महीने

37. जर्मन कृषिभूमि को कितने भागों में बाँटते थे?
(a) किसानो की संख्या के मुताबिक (b) दो भागों में
(c) तीन भागों में (d) चार भागों में

SOLUTION : PRACTICE SET-25

ANSWER KEY

1. (b)	9. (d)	17. (c)	25. (c)	33. (c)
2. (b)	10. (c)	18. (a)	26. (a)	34. (c)
3. (d)	11. (a)	19. (c)	27. (d)	35. (b)
4. (b)	12. (c)	20. (c)	28. (c)	36. (a)
5. (c)	13. (d)	21. (b)	29. (d)	37. (b)
6. (d)	14. (c)	22. (c)	30. (a)	
7. (b)	15. (c)	23. (c)	31. (d)	
8. (d)	16. (d)	24. (c)	32. (a)	

SOLUTION

1. (b)
दिये गये वर्णों में 'अ' कंठ्य वर्ण तथा इ, ई तालव्य वर्ण और 'उ' ओष्ठ वर्ण है।

2. (b)
प्रश्नवाचक और विस्मयादिबोधक वाक्यों को छोड़कर सभी वाक्यों के अंत में पूर्णविराम (।) प्रयुक्त होता है। वाक्य में जहाँ पर कुछ समय के लिए रुकने की आवश्यकता होती है वहाँ अल्पविराम (,) का प्रयोग किया जाता है। वह चिह्न जो शब्दों, पदों, उपवाक्यों आदि को जोड़ता है, योजक चिह्न (–) कहलाता है।
जैसे- धन-सम्पत्ति, भू-तत्व, लड़का-लड़की आदि।

3. (d)
'लेखक' शब्द जातिवाचक संज्ञा है। किसी व्यक्ति, स्थान, वस्तु आदि के नाम के गुण, धर्म, स्वभाव का बोध कराने वाले शब्द को संज्ञा कहते हैं। **जैसे**-श्याम, सेब, गाय आदि। संज्ञा के पाँच भेद होते हैं– 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा, 2. जातिवाचक संज्ञा, 3. भाववाचक संज्ञा, 4. द्रव्यवाचक संज्ञा, 5. समूहवाचक संज्ञा।

4. (b)
'जीवेश एक प्रतिभाशाली विद्यार्थी है। वाक्य अन्य पुरुष का उदाहरण है।

5. (c)
चर्चा शब्द से बना विशेषण 'चर्चित' है। शेष असंगत शब्द हैं।

6. (d)
'बालक इस पुस्तकालय में पढ़ रहा है।' वाक्य में सकर्मक क्रिया है। वे क्रिया जिनको करने के लिए कर्म की आवश्यकता होती है (अर्थात् इन क्रियाओं का असर सीधा कर्म पर पड़ता है), सकर्मक क्रिया कहलाती हैं। जैसे–राम फल खाता है, अंकित टी.वी. देख रहा है। 'पढ़ना' क्रिया का सम्पादन बिना कर्म (पुस्तक) के सम्भव नहीं है। अतः 'पढ़ना' सकर्मक क्रिया है।

7. (b)
'देशभर में कोरोना का प्रकोप जारी है।' इस वाक्य में स्थानवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है। जो अविकारी शब्द किसी क्रिया के संपादित होने के स्थान का बोध कराते हैं, उन्हें स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।

8. (d)
'मृत्यु' शब्द स्त्रीलिंग है। संकल्प, उत्साह, चक्रव्यूह पुल्लिंग के उदाहरण हैं।

9. (d)
'तेल' शब्द एकवचन है। द्रव्य वाचक संज्ञाओं का प्रयोग सदैव एकवचन में होता है; जबकि कुछ शब्द सदैव बहुवचन में प्रयोग होते हैं; जैसे-प्राण, लोग, दर्शन, आँसू, ओठ, दाम, अक्षत आदि।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

10. (c)
'चिट्ठी भेजी गई' वाक्य भूतकाल का वाक्य है। शेष वाक्यों में से 'चिट्ठी भेजी जाती है' और 'चिट्ठी भेजी गयी है' वर्तमान काल के तथा 'चिट्ठी भेजी जायेगी' भविष्य काल का उदाहरण है।

11. (a)
'उससे दो पत्र लिखे जाएंगे। यह वाक्य 'कर्मवाच्य' का वाक्य है। इस वाक्य का कर्तृवाच्य इस प्रकार होगा– 'वह दो पत्र लिखेगा।'

12. (c)
माँ ने बाजार से **कपड़ा** खरीदा में रेखांकित पद में 'कर्म कारक' है। जिस पर क्रिया का प्रभाव पड़े उसे 'कर्म' कारक कहते हैं।

13. (d)
संस्कृत से हिंदी में प्रयुक्त मूल शब्द से वर्तमान स्थायी तद्भव रूप तक पहुँचने के मध्य में संस्कृत के अशुद्ध या टूटे-फूटे स्वरूप में प्रयुक्त होने वाले शब्द 'अर्द्ध तत्सम' शब्द कहलाते हैं।

14. (c)
'आजीवन' शब्द में 'आ' उपसर्ग है। उपसर्ग मूलशब्द के आगे जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं।

15. (c)
'भक्षण' शब्द में 'अन' प्रत्यय का प्रयोग हुआ है। प्रत्यय वे शब्दांश हैं जो दूसरे शब्दों के अंत में जुड़कर अपनी प्रकृति के अनुसार शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं। प्रत्यय के दो भेद होते हैं।

16. (d)
स्पृश्य का विलोम **अस्पृश्य** होता है।

17. (c)
शब्द 'अप्रभावी', 'प्रभावशून्य' तथा 'निष्प्रभावी' 'प्रभाव' के विलोम हैं। 'अप्रयुक्त' शब्द 'प्रयुक्त' का विलोम है।

18. (a)
'वनिता' शब्द का पर्यायवाची शब्द 'महिला' है। महिला के अन्य पर्यायवाची-अबला, रमणी, औरत, कामिनी, मादा, नारी।

19. (c)
अमिय, अग्नि का पर्यायवाची नहीं है।

अमिय के पर्यायवाची– अमृत, सुधा, अमिय, पियूष, सोम, जीवनोदक।

अग्नि के पर्यायवाची– आग, ज्वाला, दहन, वैश्वानर, वायुसखा, हुताशन, अनल, पावक, कृशानु।

20. (c)
दिए गए शब्दों में **अपेक्षा** शब्द का अर्थ - **आशा** होता है। जबकि **अवहेलना** का अर्थ- अनादर करना तथा **सर्वेक्षण** का अर्थ- आधिकारिक निरीक्षण करना है।

21. (b)
सही शब्द युग्म इस प्रकार हैं –

द्विष	=	शत्रु
तुरंग	=	घोड़ा
दूत	=	राजदूत
पथ	=	रास्ता

22. (c)
'ज्ञात या कल्पित तथ्यों के आधार पर लिया गया निर्णय' के लिए उपयुक्त शब्द -'अध्याहरण' है।
अन्य विकल्पों के विवरण इस प्रकार हैं।

तर्क के लिए किसी बात की कल्पना करना	–	**परिकल्पना**
किसी मत या कार्य पर सहमति प्रकट करना	–	**अनुमोदन**
जो पढ़ा न गया हो	–	**अपठित**

23. (c)
दिया गया वाक्यांश 'जो भूमि उपजाऊ हो' के लिए एक शब्द 'उर्वर' होगा।

वाक्यांश	**एक शब्द**
जो भूमि उपजाऊ न हो	बंजर
जो बूढ़ा होता ही नहीं	अजर

24. (c)
'ब्रह्मर्षि' का सही संधि-विच्छेद 'ब्रह्म+ऋषि' होता है। **स्वर संधि**- यदि अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, और ऋ के बाद वे ही ह्रस्व या दीर्घ स्वर आएँ तो दोनों मिलकर क्रमशः आ, ई, ऊ और ॠ हो जाते हैं। **जैसे**- पितृ + ऋण = पितॄण, गिरि + ईश = गिरीश

25. (c)
जिस समास का पूर्व पद अव्यय तथा प्रधान हो उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं। अनुरूप का समास विग्रह 'रूप के अनुसार' होगा। यहाँ पूर्व पद 'अनु' उपसर्ग तथा प्रधान है, अतः यहाँ अव्ययीभाव समास होगा।

26. (a)
'मैं संध्या के समय को नित्य खेलने जाता हूँ'
उक्त वाक्य में 'के समय' शब्द अशुद्ध है, क्योंकि वाक्य में एक ही अर्थ या भाव को सूचित करने वाले दो शब्द प्रयुक्त नहीं होने चाहिए यहाँ संध्या और समय का प्रयोग दोषपूर्ण है। अतः शुद्ध वाक्य होगा- मैं संध्या को नित्य खेलने जाता हूँ।

27. (d)
आश्रय के चित्त में उत्पन्न होने वाले अस्थिर मनोविकारों को 'संचारीभाव' की संज्ञा दी जाती है। संचारी भाव को व्यभिचारी भाव भी कहा जाता है। इसकी संख्या 33 है।

28. (c)
दोहा एक अर्द्ध सम मात्रिक छन्द है। इसके प्रथम और तृतीय चरण में 13–13 मात्राएँ तथा द्वितीय और चतुर्थ चरण में 11–11 मात्राएँ होती हैं। जैसे–

मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाईं परे, स्याम हरित दुति होइ।।

29. (d)
जिन पंक्तियों में एक शब्द या शब्द समूह अनेक बार आए किंतु उनका अर्थ प्रत्येक बार भिन्न हो तो वहाँ यमक अलंकार होता है।
जैसे- कनक-कनक ते सौगुनी मादकता अधिकाय ।
या खाए बौराय जग या पावै बौराय ।।

30. (a)
मूल्यवादी सिद्धांत को मानने वाले साहित्यकार कला को सामाजिक परिवर्तन एवं सुधार का महत्त्वपूर्ण अस्त्र मानते हैं।

31. (d)
''ढोल के अन्दर पोल'' कहावत का अर्थ है – 'दिखावा कुछ और गुण कुछ नहीं'।

32. (a)
'कोयले की दलाली में मुँह काला' लोकोक्ति का अर्थ है– ''बुरा काम बदनामी का कारण बन जाता है।''

33. (c)
'कीर्तिलता' अपभ्रंश भाषा की रचना है, यह विद्यापति की प्रमुख रचनाओं में से एक है। विद्यापति की अन्य रचनाएँ– पदावली, कीर्तिपताका, पुरुष परीक्षा, भू-परिक्रमा आदि हैं।

34. (c)
जोती गई जमीन लकड़ी के पटरों से बराबर की जाती थी।

35. (b)
दिये गये गद्यांश के अनुसार जर्मनी का मुख्य उद्यम कृषि ही था।

36. (a)
जंगलों को काटकर नया खेत बनाने में एक-दो साल लगते थे।

37. (b)
जर्मन कृषि भूमि को दो भागों में बाँटते थे। एक खेत को काट कर किया जाता और दूसरे खेत को खाली रहने दिया जाता है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-26

1. इ, ई, च, छ, ज, झ, ञ आदि का उच्चारण किससे होता है?
   (a) कंठ्य से (b) मूर्धन्य से
   (c) तालव्य से (d) ओष्ठ से
2. पूर्णविराम के स्थान पर एक अन्य चिह्न भी प्रचलित है, इनमें से वह चिह्न कौन-सा है?
   (a) अर्द्धविराम (b) योजक चिह्न
   (c) विवरण चिह्न (d) फुलस्टॉप
3. 'घड़ी' संज्ञा का कौन-सा प्रकार है?
   (a) समूहवाचक संज्ञा (b) व्यक्तिवाचक संज्ञा
   (c) भाववाचक संज्ञा (d) जातिवाचक संज्ञा
4. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो अन्य पुरुष वाचक सर्वनाम शब्द का सबसे अच्छा विकल्प है।
   (a) उन्हें (b) तुम
   (c) तुम्हें (d) हमारा
5. निम्नलिखित में से कौन-सा विशेषण नहीं है?
   (a) पथरीला (b) नमकीन
   (c) बर्फीला (d) नमक
6. यदि 'उजड़ना' अकर्मक क्रिया है, तो इसकी सकर्मक क्रिया क्या होगी?
   (a) उजड़वाना (b) उजाड़ देना
   (c) उजाड़ना (d) उजाड़
7. 'राम और लक्ष्मण ने मिलकर यह काम पूरा किया।'- इस वाक्य में 'मिलकर' किस प्रकार का क्रियाविशेषण है?
   (a) रीतिवाचक क्रियाविशेषण
   (b) कालवाचक क्रियाविशेषण
   (c) स्थानवाचक क्रियाविशेषण
   (d) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
8. निम्न में से कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग है?
   (a) आज्ञा (b) मार्ग
   (c) परिमाण (d) गृह
9. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द एकवचन है?
   (a) आँसू (b) प्राण
   (c) आकाश (d) दर्शन
10. 'बच्चा गया' इस वाक्य में प्रयुक्त काल पहचानें।
    (a) पूर्ण भूतकाल (b) सामान्य वर्तमान काल
    (c) सामान्य भूतकाल (d) भविष्यकाल
11. 'उसने अपने भाई को पढ़ाया।' इस वाक्य में वाच्य का कौन-सा प्रकार है?
    (a) कर्म वाच्य (b) भाव वाच्य
    (c) कर्तृ वाच्य (d) इनमें से कोई नहीं
12. मैं प्रतिदिन <u>दूध</u> पीता हूँ। वाक्य के रेखांकित पद में कारक है :
    (a) करण (b) कर्म
    (c) संप्रदान (d) संबंध
13. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द तत्सम है?
    (a) माँ (b) मछली
    (c) केला (d) अमूल्य
14. 'अधिष्ठाता' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
    (a) अधिक (b) अधि (c) अय (d) अ
15. 'नशीला' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
    (a) शीला (b) ईला
    (c) ला (d) नशा
16. 'साधु' का विलोम शब्द है –
    (a) साधुनी (b) संन्यासिनी
    (c) साध्वी (d) असाधु
17. 'न्यून' शब्द का विलोम है-
    (a) अधिक (b) नवीन
    (c) नवनीत (d) नगर
18. इनमें से 'वसुधा' का पर्यायवाची शब्द है -
    (a) विपुला (b) शर्वरी
    (c) धेनुका (d) पयस्विनी
19. इनमें से कौन-सा शब्द 'शत्रु' का पर्यायवाची है?
    (a) अरि (b) कुमार्गी
    (c) कुपात्र (d) सारंग
20. इनमें से 'खोज' का अनेकार्थी शब्द कौन-सा नहीं है ?
    (a) अनुसंधान (b) जिज्ञासा
    (c) तलाश (d) इच्छापूर्ति
21. किस विकल्प में शब्द-युग्म का अर्थ-भेद सही नहीं है?

	शब्द-युग्म	अर्थ-भेद
(a)	प्रवाल-प्रवार	मूँगा-वस्त्र
(b)	दामन-दमन	आँचल-दबाना
(c)	नेति-नेती	अनंत -बंधन
(d)	अनल-अनिल	आग-हवा

22. 'जिसे जीता न जा सके' वाक्य के लिए एक शब्द कौन-सा होगा?
    (a) अगेय (b) अनंत
    (c) अजेय (d) अगाध
23. 'जिसने ऋण चुका दिया हो'-इस शब्द समूह के लिए एक शब्द बताइये।
    (a) ऋणी (b) उऋण
    (c) कृतज्ञ (d) कर्जदार
24. 'आग्नेयास्त्र' का सही संधि-विच्छेद कौन-सा है?
    (a) आग्नेय + अस्त्र (b) आग्नेयास +त्र
    (c) आग्नेय + यास्त्र (d) आग+ नेयास्त्र

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

25. 'रातोंरात' शब्द में समास है

(a) तत्पुरुष (b) द्वन्द्व
(c) अव्ययीभाव (d) कर्मधारय

26. निम्नलिखित में से किस एक वाक्य के शब्द में व्यंजन-वर्ण सम्बन्धी अशुद्धि है?

(a) जमींदार के पास दो सिपाही थे
(b) उसे धोखा देकर लूट लिया
(c) तुम किस कक्षा में पढ़ते हो
(d) लोग मजदूरों का शोषण करते हैं

27. प्रत्येक 'रस' में संचरण करने वाले 'भाव' को क्या कहते हैं?

(a) उद्दीपन (b) संचारी भाव
(c) अनुभाव (d) स्थायी भाव

28. निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति कौ मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान कै, मिटै न हिय कौ शूल।।
इन पंक्तियों में कौन सा छन्द है?

(a) दोहा (b) रोला
(c) चौपाई (d) वरवै

29. निम्नलिखित में कौन–सा शब्दालंकार है?

(a) उपमा (b) रूपक
(c) उत्प्रेक्षा (d) यमक

30. पाँचवा विश्व हिंदी सम्मेलन कहाँ संपन्न हुआ था?

(a) नई दिल्ली (भारत)
(b) पोर्ट ऑफ़ स्पेन (त्रिनिदाद)
(c) पोर्ट लुई (मॉरिशस)
(d) लंदन (बिटेन)

31. निम्नलिखित में से अनुचित जोड़े को छाँटिये–

(a) डंके की चोट पर – स्पष्ट शब्दों में
(b) जहर की पुड़िया – धोखेबाज
(c) ढेर करना – हरा देना
(d) तूती बोलना – विरक्ति होना

32. 'कागा चला हंस की चाल ....।' यह लोकोक्ति पूर्ण करने हेतु उचित विकल्प चुनिए।

(a) हंस चला कागा की चाल
(b) हंस चला हंस की चाल
(c) हंस रहा न कागा
(d) कागा रहा न हंस

33. इनमें से किसे 'कवियों में राजकुमार' के रूप में जाना जाता है?

(a) जगनिक (b) जयदेव
(c) अमीर खुसरो (d) विद्यापति

अनुच्छेद पढ़कर, दिए गए सवालों के सही जवाब चुनिए :

ध्वनि-प्रभाव संकेत रेडियो-नाटक के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। ध्वनि-प्रभाव संवादों के लिए आधार स्तंभ की भांति है। संवादों की भावनाओं की रसात्मकता ध्वनि-संकेतों से बढ़ सकती है। संवादों में उत्साह, आनंद, दुःख, व्यंग्य, लयात्मकता, उतार-चढ़ाव आदि के लिए संकेत होते हैं। संवाद-संकेतों की जीवंतता, सार्थकता और संदर्भयुक्तता के लिए अपेक्षित होते हैं। संवाद के अंतर्गत पात्र का हँसना, दुःख प्रकट करना, रोना, दीर्घ साँस लेना जैसे संदर्भों का संकेत देने के लिए संवाद-संकेतों की जरूरत पड़ती है। वास्तव में रेडियो केवल श्रव्य-माध्यम होने के कारण इन ध्वनि-प्रभाव संकेतों के बिना दृश्यावली स्थापित करने में कठिनाई होती है। उदाहरण के लिए नाटक की घटना में पात्रों को किसी रेलवे स्टेशन में संवाद करते हुए पाया जाता है तो इसके लिए रेल के आने-जाने, उद्घोषणा, यात्रियों और चाय-नाश्ता बेचने वालों को शोरगुल आदि दृश्य का सृजन ध्वनि-प्रभाव संकेतों से ही संभव है और इसी प्रकार के दृश्यों के लिए कई प्रकार की आवाज़ें यथा-दरवाजा खुलने, बंद होने, गाड़ियों के आने-जाने, किसी के आने-जाने की आहटें, बच्चों के खेलने की आवाजें आदि का सृजन इससे संभव है। आमतौर पर नाटक के दौरान उत्पादित ध्वनियाँ, कुछ पूर्व-रिकार्डेड ध्वनियाँ होती हैं। सामान्यतः रेडियो-नाटक का रिकार्डिंग स्टूडियों पर होता है, अतः सभी प्रकार की ध्वनियाँ, ध्वनि-प्रभाव प्रत्यक्षतः नाटक के रिकार्डिंग के दौरान ही उत्पन्न करने में कठिनाई होती है, अतः पूर्व में रिकार्ड की गई ध्वनियों का इस्तेमाल किया जाता है।

34. यह अनुच्छेद किस विषय पर केंद्रित है?

(a) रेडियो संवादों में उत्साह
(b) रेडियो संवादों में लयात्मकता
(c) रेडियो-नाटक लेखन में ध्वनि-प्रभाव संकेत
(d) रेडियो-नाटकों की संदर्भयुक्ता

35. इस अनुच्छेद के लिए उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है?

(a) रेडियो-नाटक की रिकार्डिंग
(b) रेडियो-नाटक लेखन के तकनीकी पहलू
(c) संगीत-संकेत
(d) रेडियो-नाटक

36. रेडियो-नाटक लेखन में ध्वनि-प्रभाव संकेतों का उद्देश्य क्या है?

(a) संवादों की रसात्मकता
(b) दृश्यावली स्थापित करना
(c) नाटक को प्रभावशाली बनाना
(d) उपरोक्त सभी

37. संवाद-संकेत क्यों अपेक्षित हैं?

(a) संवादों की जीवंतता के लिए
(b) संवादों की सार्थकता के लिए
(c) संवादों की संदर्भ युक्तता के लिए
(d) उपरोक्त सभी

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

SOLUTION : PRACTICE SET-26

ANSWER KEY

1. (c)	9. (c)	17. (a)	25. (c)	33. (c)
2. (d)	10. (c)	18. (a)	26. (b)	34. (c)
3. (d)	11. (c)	19. (a)	27. (b)	35. (b)
4. (a)	12. (b)	20. (d)	28. (a)	36. (d)
5. (d)	13. (d)	21. (c)	29. (d)	37. (d)
6. (c)	14. (b)	22. (c)	30. (b)	
7. (a)	15. (b)	23. (b)	31. (d)	
8. (a)	16. (d)	24. (a)	32. (c)	

SOLUTION

1. (c)
ऐसे वर्ण, जिनके उच्चारण में जिह्वा तालु को स्पर्श करती है, उन्हें 'तालव्य वर्ण' कहते हैं, **जैसे–** इ, ई, च, छ, ज, झ, ञ आदि।
कंठ्य – अ, आ, क, ख, ग, घ, ङ
मूर्धन्य – ऋ, ट, ठ, ड, ढ, ण
ओष्ठ – उ, ऊ, प, फ, ब, भ, म
तालव्य – इ, ई, च, छ, ज, झ, ञ

2. (d)
पूर्णविराम (।) या फुलस्टॉप (.)- हिन्दी में इसे 'खड़ी पाई' भी कहते हैं। देवनागरी लिपि में इसके लिए पूर्णविराम (।) चिह्न का प्रयोग होता है। अंग्रेजी अथवा रोमन लिपि में हिंदी के पूर्णविराम के स्थान पर फुलस्टॉप (.) चिह्न का प्रयोग होता है।

3. (d)
'घड़ी' जातिवाचक संज्ञा का उदाहरण है।
जिस संज्ञा शब्द से एक ही प्रकार के जाति समूह का बोध हो उसे 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं।
पशु-पक्षियों के नाम, सगे सम्बंधियों के नाम पदों के नाम, निर्जीव वस्तुओं एवं प्राकृतिक घटनाओं आदि के नाम 'जातिवाचक संज्ञा' के अंतर्गत आते हैं।
जैसे-गाय, शेर, भाई, बहन, प्रधानमंत्री, डॉक्टर, कुर्सी, घड़ी, पंखा, बाढ़, तूफान, ज्वालामुखी इत्यादि।

4. (a)
अन्य पुरुष वाचक सर्वनाम का सबसे अच्छा विकल्प 'उन्हें' होगा।
अन्य पुरुष - जिस सर्वनाम का प्रयोग वक्ता किसी तीसरे व्यक्ति के बारे में बताने के लिए करता है। तब वहाँ इस सर्वनाम का प्रयोग होता है। **जैसे-** यह, वह, ये, वे, उन्हें आदि।
जैसे - वे फुटबॉल बहुत अच्छा खेलते हैं।

5. (d)
प्रश्नगत विकल्पों में 'नमक' विशेष्य है। इसका विशेषण-नमकीन हैं। जो संज्ञा/सर्वनाम की विशेषता बतलाए, उसे विशेषण कहते हैं। **जैसे–** पथरीला, बर्फीला तथा नमकीन आदि।

6. (c)
यदि 'उजड़ना' अकर्मक क्रिया है, तो इसकी सकर्मक क्रिया उजाड़ना होगी। **जैसे–**
(1) घोसला उजड़ गया। (अकर्मक क्रिया)
(2) दिनेश ने पक्षियों के घोसलों को उजाड़ दिया। (सकर्मक क्रिया)

7. (a)
'राम और लक्ष्मण ने मिलकर यह काम पूरा किया।' इस वाक्य में 'मिलकर' शब्द रीतिवाचक क्रियाविशेषण है। जिन शब्दों के द्वारा क्रिया के संपन्न होने की रीति का बोध होता है, उसे रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।
उदाहरण - सुरेश भली-भांति अच्छा कार्य कर रहा था।

8. (a)
'आज्ञा' स्त्रीलिंग शब्द है।
शेष शब्द मार्ग, परिमाण, गृह पुल्लिंग शब्द के उदाहरण हैं।

9. (c)
दिये गये विकल्पों में 'आकाश' शब्द एकवचन है और तीनों शब्द आँसू, प्राण, दर्शन ये सदैव बहुवचन में प्रयुक्त होते हैं।

10. (c)
'बच्चा गया' में 'सामान्य भूतकाल' है। जिससे भूतकाल की क्रिया के विशेष समय का ज्ञान न हो, उसे 'सामान्य भूतकाल' कहते हैं। **जैसे–** बच्चों ने चित्र बनाया।, मोहन आया।

11. (c)
'उसने अपने भाई को पढ़ाया।' यह वाक्य कर्तृवाच्य का उदाहरण है। इस वाक्य का कर्मवाच्य इस प्रकार होगा-
उसके द्वारा अपने भाई को पढ़ाया गया।

12. (b)
दिये गये वाक्य में रेखांकित पद 'दूध' में 'कर्म कारक' है। वह कारक जो क्रिया से प्रभावित होता है, उसे कर्म कारक कहते हैं। इसका कारक चिह्न 'को' होता है। **जैसे-** 'मैं प्रतिदिन दूध पीता हूँ।' इस वाक्य में मैं-कर्ता, पीता-क्रिया, दूध-कर्म तथा प्रतिदिन-विशेषण है।

13. (d)
प्रश्नगत विकल्पों में 'अमूल्य' तत्सम शब्द है। सभी विकल्प के तद्भव-तत्सम रूप निम्नवत हैं-

तद्भव	तत्सम
अमोल	अमूल्य
केला	कदली
मछली	मत्स्य
माँ	माता

14. (b)
'अधिष्ठाता' शब्द में 'अधि' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है। 'अधि' उपसर्ग से बने अन्य शब्द इस प्रकार हैं-
अधिकरण, अधिकार, अध्यक्ष, अधिपति आदि।

15. (b)
'नशीला' शब्द में 'ईला' प्रत्यय का प्रयोग हुआ है। ईला प्रत्यय से बनने वाले शब्द–चमकीला, पथरीला, शर्मीला, हठीला आदि हैं।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

16. (d)
'साधु' का विलोम शब्द **असाधु** होता है; न कि साध्वी, संन्यासिनी और साधुनी।
17. (a)
न्यून शब्द का विलोम 'अधिक' होगा, जबकि नवीन का विलोम 'प्राचीन' तथा नगर का 'ग्राम' होता है।
18. (a)
'वसुधा' का पर्यायवाची शब्द 'विपुला' है।
वसुधा के अन्य पर्यायवाची शब्द – भू, इला, भूमि, धरती, धरित्री, धरणी, वसुंधरा हैं।
19. (a)
'अरि' शब्द शत्रु का पर्यायवाची है। **शत्रु के अन्य पर्यायवाची–** रिपु, दुश्मन, बैरी, अमित्र, प्रतिपक्षी, विपक्षी एवं अराति।
अमृत के पर्यायवाची–सुधा, पीयूष, अमिय, सोम, सुरभोग, जीवनोदक, अमी।
आँख के पर्यायवाची–नेत्र, नयन, चक्षु, दृग, लोचन, अक्षि, दृष्टि, विलोचन।
20. (d)
खोज के अनेकार्थी शब्द – अनुसंधान, जिज्ञासा, तलाश, अन्वेषण, छानबीन, शोध आदि।
इच्छापूर्ति का अनेकाकार्थी शब्द – मंगल, आनंद।
21. (c)
'नेति-नेती' शब्द युग्म का अर्थ अनंत-बंधन नहीं होगा, इसका सही अर्थ 'नेति 'अनन्त, 'नेती' मथानी की रस्सी होगा।
22. (c)

वाक्यांश		एक शब्द
जिसे जीता न जा सके	-	अजेय
जिसका अंत न हो	-	अनंत
जो गाया न जा सके	-	अगेय
किये जाने योग्य न हो	-	अकर्मण्य
जिसकी सीमा न हो	-	असीमित
जो बहुत गहरा हो	-	अगाध

23. (b)
'जिसने ऋण चुका दिया हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द 'उऋण' होता है।

वाक्यांश	एक शब्द
जिसने ऋण/उधार लिया हो-	ऋणी
जो उपकार को मानता हो-	कृतज्ञ

24. (a)
'आग्नेयास्त्र' का सही संधि विच्छेद 'आग्नेय +अस्त्र' होता है। यह दीर्घस्वर संधि का उदाहरण है।
25. (c)
रातोंरात (रात ही रात में) में अव्ययीभाव समास है। जिस समास का प्रथम पद अव्यय हो या कोई उपसर्ग हो, वहाँ अव्ययी भाव समास होता है।
26. (b)
दिये गये वाक्य 'उसे धोखा देकर लूट लिया'। शब्द में व्यंजन वर्ण संबंधी अशुद्धि है। शुद्ध वाक्य इस प्रकार है- 'उसने धोखा देकर लूट लिया।'
27. (b)
प्रत्येक 'रस' में संचरण करने वाले भाव को संचारी भाव कहते हैं। भरतमुनि ने संचारी भावों की संख्या 33 बताई है। संचारी भाव को व्यभिचारी भाव भी कहा जाता है। भरतमुनी ने रसों की संख्या 8 बतायी है।
28. (a)
"निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटे न हिय कौ शूल।।"

इस पंक्ति में दोहा छन्द है। यह मात्रिक छन्द है। इसके चार चरण होते हैं। प्रथम एवं तृतीय चरण में 13-13 तथा द्वितीय एवं चतुर्थ चरण में 11-11 मात्राएँ होती हैं। बरवै अर्द्ध सममात्रिक छन्द है। इसके विषम चरणों में 12-12 तथा सम चरणों में 7-7 मात्राएँ होती हैं। बरवै का उदाहरण निम्नलिखित है-
चम्पक हरवा अंग मिलि, अधिक सुहाय।
जानि परै सिय हियरे, जब कुम्हलाय।।
29. (d)
काव्य की शोभा बढ़ाने वाले शब्दों को अलंकार कहते हैं। अलंकार के मुख्य दो भेद होते हैं:-
(1) शब्दालंकार– जहाँ किसी पंक्ति या कविता में शब्दों के कारण रमणीयता आती है, वहाँ शब्दालंकार होता है। शब्दालंकार के मुख्य भेद– अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति आदि।
(2) अर्थालंकार– जहाँ किसी पंक्ति या कविता में अर्थ के कारण रमणीयता आती है, वहाँ अर्थालंकार होता है। अर्थालंकार के मुख्य भेद–उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक, अतिशयोक्ति, दृष्टांत, भ्रान्तिमान, संदेह, उल्लेख आदि।
30. (b)
पाँचवा विश्व हिंदी सम्मेलन 04-08 अप्रैल 1996 में 'पोर्ट आफ़ स्पेन (त्रिनिदाद)' में सम्पन्न हुआ था। इस सम्मेलन में 10 देशों ने भाग लिया था। प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन भारत के नागपुर (महाराष्ट्र) में (वर्ष 1975 में) हुआ था। इसमें 30 देशों ने भाग लिया था तथा इस आयोजन का उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा किया गया था।
31. (d)
दिये गये जोड़ों में से अनुचित जोड़ा है–
'तूती बोलना – विरक्ति होना' शेष तीनों जोड़े सही हैं। 'तूती बोलना' का अर्थ 'धाक जमना' होता है।
32. (c)
'कागा चला हंस की चाल **हंस रहा न कागा'** इस लोकोक्ति का अर्थ है– 'अंधानुकरण करने पर हानि ही उठानी पड़ती है'।
33. (c)
दिये गये विकल्पों में 'अमीर खुसरो' को 'कवियों में राजकुमार' के रूप में जाना जाता है। अमीर खुसरो प्रमुख कवि, शायर, गायक और संगीतकार थे। खुसरो प्रथम मुस्लिम कवि थे जिन्होंने हिन्दी खड़ी बोली के शब्दों का खुलकर प्रयोग किया। खड़ी बोली के प्रथम प्रयोग का श्रेय भी अमीर खुसरो को दिया जाता है।
अमीर खुसरो द्वारा रचित कुछ प्रसिद्ध पंक्तियाँ इस प्रकार हैं-
ऐ री सखी मोरे पिया घर आए
छाप तिलक सब छीन्ही रे
जो मैं जानती बिसरत हैं सैय्या।
34. (c)
यह अनुच्छेद 'रेडियो नाटक लेखन में ध्वनि प्रभाव संकेत' पर केंद्रित है।
35. (b)
इस अनुच्छेद के लिए उपर्युक्त शीर्षक रेडियो नाटक लेखन के तकनीकी पहलू हो सकता है।
36. (d)
रेडियो नाटक लेखन में ध्वनि प्रभाव संकेतों का उद्देश्य संवादों की रसात्मकता, दृश्यावली स्थापित करना, नाटक को प्रभावशाली बनाना है।
37. (d)
संवाद संकेत उपरोक्त सभी के लिए अपेक्षित हैं। ये अपेक्षाएँ निम्न हैं-
(i) संवादों की जीवंतता।
(ii) संवादों की सार्थकता।
(iii) संवादों की संदर्भयुक्तता।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-27

1. जिह्वा के आधार पर स्वर कितने प्रकार के होते हैं?
(a) 2 (b) 3
(c) 4 (d) 6

2. मुझे बाहर जाना है <u>।</u>
रेखांकित चिह्न को पहचानिए:
(a) पूर्णविराम (b) प्रश्नवाचक चिह्न
(c) अल्पविराम (d) लाघव चिह्न

3. इनमें से जातिवाचक संज्ञा कौन-सी है?
(a) दुःख (b) लड़का
(c) सेना (d) श्याम

4. दिए गए वाक्य में सर्वनाम ज्ञात कीजिए।
इनकी तुम्हारे में कोई रुचि नहीं है।
(a) अनिश्चियवाचक सर्वनाम
(b) मध्यम पुरुष
(c) अन्य पुरुष
(d) उत्तम पुरुष

5. निम्नलिखित में विशेषण है–
(a) शीतलता (b) बल
(c) नया (d) वृद्धि

6. 'मोहन पिताजी को पत्र लिख रहा है।' वाक्य में क्रिया का .... भेद प्रयुक्त हुआ है। रिक्त स्थान के लिए उचित विकल्प कौन-सा है?
(a) प्रेरणार्थक (b) नामधातु
(c) अकर्मक (d) सकर्मक

7. 'आप यहीं आइए, अन्यत्र न जाइए।' इस वाक्य में 'अन्यत्र' किस प्रकार का क्रियाविशेषण है?
(a) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
(b) रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(c) स्थानवाचक क्रियाविशेषण
(d) कालवाचक क्रियाविशेषण

8. निम्न में से कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग है?
(a) वचन (b) प्रहार
(c) कुण्डली (d) सर्प

9. 'आजकल भारत की <u>जनता</u> भी अधिकाधिक शिक्षित हो गई है।' रेखांकित शब्द का वचन है–
(a) एकवचन (b) बहुवचन
(c) द्विवचन (d) इनमें से कोई नहीं

10. 'अगरबत्ती की सुगंध से थकावट दूर हो गई।' निम्न में से इस वाक्य में प्रयुक्त काल बताएँ ।
(a) पूर्ण वर्तमान काल (b) सामान्य भूतकाल
(c) पूर्ण भूतकाल (d) अपूर्ण भूतकाल

11. 'सीता नहीं पढ़ती है।' इस वाक्य में वाच्य का कौन-सा प्रकार है?
(a) भाव वाच्य (b) इनमें से कोई नहीं
(c) कर्तृ वाच्य (d) कर्म वाच्य

12. मैं रात को देर से लौटूँगा। आप घर ही रहिएगा। आपसे टेलीफोन पर बात करूँगा।
इनमें 'रात को' का कारक है:
(a) कर्म (b) अधिकरण
(c) करण (d) संबोधन

13. निम्न में से कौन-सा शब्द तद्भव नहीं है?
(a) तीखा (b) आदमी
(c) जीभ (d) ढीठ

14. निम्न में से किस शब्द में उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है?
(a) नीरस (b) नीरंध्र
(c) नीरव (d) नीरज

15. 'वेदना' में कौन-सा प्रत्यय है?
(a) अना (b) आना
(c) दना (d) वदन

16. सहोदर
(a) परोदर (b) अधर
(c) अन्योदर (d) कुधर

17. 'दीर्घायु' का विलोम होगा
(a) चिरायु (b) अल्पायु
(c) नश्वर (d) क्षणिक

18. किस विकल्प में सभी शब्द परस्पर पर्यायवाची हैं?
(a) वृक्ष, द्रुम, विटप
(b) हंस, मराल, सारंग
(c) वसंत, रत्नाकर, मधुकर
(d) मोती, मुक्ता, मरकट

19. इनमें से 'आकाश' का पर्यायवाची कौन-सा नहीं है?
(a) व्योम (b) अवनि
(c) नभ (d) अनंत

20. इनमें से कौन-सा शब्द 'अर्क' का अनेकाकार्थी शब्द है?
(a) इन्द्र (b) विष्णु
(c) पहाड़ (d) चन्द्रमा

21. किस विकल्प में शब्द-युग्म का अर्थ-भेद सही नहीं है?

	शब्द-युग्म	**अर्थ-भेद**
(a)	बली - बलि	बलवान - गाय
(b)	नागर - नगर	नगर में रहने वाला - शहर
(c)	कुल - कूल	वंश - नदी का किनारा
(d)	अनल - अनिल	अग्नि - पवन

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

22. जो स्त्री सूर्य भी न देख सके के लिए एक शब्द कौन-सा होगा?

(a) असूर्यस्पर्शा (b) असूर्यपश्या
(c) असूर्यदर्शना (d) असूर्यदृष्टा

23. 'उपनिवेश से सम्बन्ध हो जिसका' उसके लिए एक शब्द है

(a) उपनिवेशिक (b) औपनिवेशिक
(c) औपन्यासिक (d) उपनिवेशवाद

24. 'हिमालय' का सही संधि-विच्छेद कौन-सा है?

(a) हिमा + लय (b) हिमा + अलय
(c) हिमा + आलय (d) हिम + आलय

25. 'बखूबी' में कौन-सा समास पाया जाता है?

(a) अव्ययीभाव (b) द्वंद्व
(c) तत्पुरुष (d) कर्मधारय

26. निम्नलिखित में एक वाक्य जो शुद्ध है, वह है-

(a) उसने मुक्तकण्ठ से बड़ाई की।
(b) उसने मुक्तहस्त धन लुटाया।
(c) समस्त प्राणिमात्र का कल्याण करो।
(d) आपकी आयु चालीस वर्ष है।

27. संचारी भावों की संख्या कितनी मानी गई है?

(a) 30 (b) 31
(c) 32 (d) 33

28. मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोय।
जा तन की झाँई परै, स्याम हरित दुति होय॥
- उपर्युक्त में निम्नलिखित में से कौन सा छंद है?

(a) गीतिका (b) सवैया
(c) सोरठा (d) दोहा

29. माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर।
कर का मनका डारि दे, मन का मनका फेर।
इस दोहे में कौन-सा अलंकार है?

(a) रूपक (b) अनुप्रास
(c) उपमा (d) यमक

30. तीसरा विश्व हिंदी सम्मेलन किस वर्ष संपन्न हुआ था?

(a) 1983 (b) 1993
(c) 1999 (d) 1996

31. 'तुच्छ मनुष्य की मित्रता शीघ्र ही समाप्त हो सकती है'–भाव को व्यक्त करने वाली लोकोक्ति है –

(a) अधजल गगरी छलकत जाय
(b) थोथा चना बाजे घना
(c) कबहुँ निरामिष होय न कागा
(d) ओछे की प्रीत बालू की भीत

32. कुजगह फोड़ा और ससुर वैद्य-कहावत का अर्थ है :

(a) दोनों में दोष (b) मरीज वैद्य में संपर्क
(c) दोनों का त्याग (d) धर्म संकट की स्थिति

33. कालिदास त्रिवेदी किसके दरबारी कवि थे?

(a) औरंगजेब
(b) शाहजहाँ
(c) मोहम्मद शाह रंगीले
(d) बहादुरशाह जफर

निर्देश: निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर चुनिए:

स्वतंत्रता संग्राम मनुष्य में उत्तम और स्पृहणीय विशेषताएँ पैदा करता है और भारतीय स्वातंत्र्य संग्राम भी इसका अपवाद नहीं है। महात्मा गाँधी के नेतृत्व में यह युद्ध बिना किसी ईर्ष्या-द्वेष तथा खून-खराबे के लड़ा गया था। गाँधीजी इसे सत्याग्रह कहते थे। इसके पीछे उनकी शिक्षा, धार्मिक आस्था तथा अन्य उपलब्धियों का उतना हाथ नहीं था जितना उनके सदाचरण और व्यवहार का। इस स्वातंत्र्य आंदोलन को स्मरण रखने का मुख्य कारण यह है कि यह जनतांत्रिक था अर्थात् इसमें देश के हर वर्ग और जाति के लोग सम्मिलित थे, चाहे वे धनी हों या गरीब, नर हों या नारी हों अथवा विभिन्न संप्रदायों के। इसके साथ ही यह एक धर्मनिरपेक्ष और स्वतंत्रता कर्मियों का संघर्षशील राष्ट्रीय आंदोलन था। स्वतंत्र भारत के नागरिक के रूप में हम आज जनतांत्रिकता और धर्म-निरपेक्षता का लाभ उठा रहे हैं। हम सोच नहीं सकते कि इतने बड़े देश में अपना शासन करने के लिए हम अपना प्रतिनिधि नहीं चुन सकते थे या कोई गंदा कानून लागू कर दिया जाता तो हम उसके विरुद्ध आवाज नहीं उठा सकते थे और हम अपनी राज स्वतंत्रतापूर्वक व्यक्त नहीं कर सकते थे।

34. उपयुक्त गद्यांश में प्रयुक्त 'स्पृहणीय' शब्द का अर्थ है-

(a) प्राप्त करने योग्य (b) प्राप्त की हुई
(c) त्याग करने योग्य (d) त्याग की हुई

35. उपर्युक्त गद्यांश में लेखक ने मुख्य रूप से बताया है कि

(a) आजादी में क्रांतिकारियों की विशेष भूमिका थी।
(b) आजादी के संघर्ष में कृषकों का क्या योगदान था।
(c) गुलाम देश की दशा कैसी थी।
(d) महात्मा गाँधी के नेतृत्व में राष्ट्रीय आंदोलन कैसा था।

36. उपर्युक्त गद्यांश के लेखक का उद्देश्य क्या है?

(a) धार्मिक आस्थाओं और सदव्यवहार को बढ़ावा देना।
(b) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की विशेषता बताना।
(c) अंग्रेजी राज्य के दोष गिनाना।
(d) जनतांत्रिकता से हानि बताना।

37. धर्मनिरपेक्षता से अभिप्राय है

(a) सभी धर्मों का आदर
(b) धर्म में हस्तक्षेप न करना
(c) धर्म की अवज्ञा
(d) किसी भी धर्म को न मानना

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION : PRACTICE SET- 27

ANSWER KEY

1. (b)	9. (a)	17. (b)	25. (a)	33. (a)
2. (a)	10. (b)	18. (a)	26. (b)	34. (a)
3. (b)	11. (c)	19. (b)	27. (d)	35. (d)
4. (c)	12. (a)	20. (a)	28. (d)	36. (b)
5. (c)	13. (b)	21. (a)	29. (d)	37. (a)
6. (d)	14. (d)	22. (b)	30. (a)	
7. (c)	15. (a)	23. (b)	31. (d)	
8. (c)	16. (c)	24. (d)	32. (d)	

SOLUTION

1. (b)
जिह्वा के उत्थापित होने या उसकी क्रियाशीलता के आधार पर स्वर 3 प्रकार के होते हैं–

(1) अग्र स्वर – जिन स्वरों के उच्चारण में जिह्वा का अग्र भाग सक्रिय रहता है, उन्हें 'अग्र स्वर' कहते हैं, **जैसे –** इ, ई, ए,ऐ।

(2) मध्य स्वर – जिन स्वरों के उच्चारण में जिह्वा का मध्य भाग क्रियाशील रहता है, उन्हें 'मध्य स्वर' कहते हैं, **जैसे–**अ।

(3) पश्च स्वर – जिन स्वरों के उच्चारण में जिह्वा का पिछला भाग उत्थापित होता है, उन्हें 'पश्च स्वर' कहते हैं, **जैसे–** आ,उ, ऊ, ओ, औ।

2. (a)
'मुझे बाहर जाना है।' वाक्य में रेखांकित चिह्न 'पूर्णविराम' का है। वाक्य की समाप्ति पर पूर्णविराम का चिह्न प्रयुक्त होता है।

3. (b)
'लड़का' शब्द जातिवाचक संज्ञा है। जातिवाचक संज्ञा से किसी वस्तु, व्यक्ति, जीव-जंतु, पेड़-पौधे, पद-व्यवसाय इत्यादि की पूरी जाति का ज्ञान होता है। **जैसे**–घोड़ा, लड़का, लड़की, फूल, पंखा, कुर्सी, गाय आदि।

शब्द	-	**संज्ञा**
दुःख	–	भाववाचक संज्ञा
सेना	–	समूहवाचक संज्ञा
श्याम	–	व्यक्तिवाचक संज्ञा

4. (c)
'इनकी तुम्हारे में कोई रुचि नहीं है।'
उपर्युक्त वाक्य में 'इनकी' अन्य पुरुष सर्वनाम है।
पुरुष वाचक सर्वनाम– पुरुषों के नाम (स्त्री एवं पुरुष) की जगह जिस सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है उसे पुरुष वाचक सर्वनाम कहते हैं। इनके तीन भेद हैं–

1. उत्तम पुरुष–बात को कहने वाला (वक्ता/लेखक)– मैं, हम आदि।

2. मध्यम पुरुष– जिससे बात कही जाए (श्रोता/पाठक)– तू, तुम, आप आदि।

3. अन्य/निम्न पुरुष– जिसके सम्बन्ध में बात कही जाए।
जैसे– यह, वह, ये, वे आदि।

5. (c)
संज्ञा एवं सर्वनाम की विशेषता (आकार, अवस्था, रूप, गुण, स्वभाव, स्थिति आदि) बतलाने वाले शब्द को विशेषण कहते हैं। **जैसे–** नया, पुराना, सुन्दर, लम्बी, लाड़ली आदि। शीतलता, बल तथा वृद्धि भाववाचक संज्ञा है।

6. (d)
सकर्मक क्रिया- सकर्मक क्रिया उसे कहते हैं, जिसका कर्म हो या जिसके साथ कर्म की सम्भावना हो। **जैसे-** मोहन पिताजी को पत्र लिख रहा है।

7. (c)
'आप यहीं आइए, अन्यत्र न जाइए।' इस वाक्य में 'अन्यत्र' 'स्थानवाचक क्रियाविशेषण' का उदाहरण है। ऐसे क्रियाविशेषण शब्द जिससें स्थान, स्थिति एवं दिशा का बोध होता है, स्थानवाचक क्रियाविशेषण शब्द कहलाते हैं।

8. (c)
निम्न शब्दों में से 'कुण्डली' शब्द का प्रयोग स्त्रीलिंग शब्द के रूप में होता है। जबकि 'वचन', 'प्रहार' तथा 'सर्प' सदैव पुल्लिंग शब्द होते हैं।

9. (a)
'आजकल भारत की <u>जनता</u> भी अधिकाधिक शिक्षित हो गई है।' वाक्य में रेखांकित शब्द 'जनता' एकवचन शब्द है। जनता शब्द समूहवाचक संज्ञा शब्द है। समूहवाचक संज्ञाएँ हमेशा एक वचन में प्रयुक्त होती हैं; **जैसे-** सेना, भीड़, मेला, परिवार, पुलिस आदि।

10. (b)
'अगरबत्ती की सुगन्ध से थकावट दूर हो गई।' इस वाक्य में 'सामान्य भूतकाल' प्रयुक्त हुआ है।

11. (c)
वाक्य 'सीता नहीं पढ़ती है।' में कर्तृ वाच्य है। जिस वाक्य में कर्ता मुख्य हो और क्रिया कर्ता के लिंग, वचन एवं पुरुष के अनुसार हो, उसे कर्तृवाच्य कहते हैं।

12. (a)
मैं रात को देर से लौटूँगा। आप घर ही रहिएगा। आप से टेलीफोन पर बात करूँगा। वाक्य में 'रात को' में **कर्मकारक** है।

13. (b)
दिये गये विकल्पों में 'आदमी' शब्द तद्भव शब्द नहीं है। अपितु फारसी भाषा का शब्द है। शेष विकल्पों में दिये गये शब्द तीखा, जीभ, ढीठ तद्भव शब्द हैं, जिनके तत्सम शब्द क्रमशः तीक्ष्ण, जिह्वा एवं धृष्ठ हैं।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

14. (d)
दिये गये विकल्पों में 'नीरज' शब्द में उपसर्ग का प्रयोग नहीं किया गया है। अन्य सभी शब्दों में 'निः' उपसर्ग का प्रयोग किया गया है। 'नीर' शब्द में 'ज' विशेषण लगाकर 'नीरज' शब्द बना है जिसका अर्थ 'कमल' होता है।

15. (a)
वेदना में 'अना' प्रत्यय है। 'अना' प्रत्यय से बने शब्द–घटना, तुलना, वन्दना, वेदना आदि। यह कृत प्रत्यय का उदाहरण है।

16. (c)
सहोदर का विलोम – अन्योदर होता है।
धर का विलोम – अधर

17. (b)
'दीर्घायु' अथवा 'चिरायु' का विलोम शब्द **अल्पायु** है जबकि 'नश्वर' अथवा 'क्षणिक' का विपरीतार्थक शब्द 'शाश्वत' है।

18. (a)
वृक्ष, द्रुम, विटप परस्पर पर्यायवाची शब्द हैं। वृक्ष के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं– पेड़, तरू, पादप, गाद्द, अगम, रूक्ष आदि।

19. (b)
अवनि, आकाश का पर्यायवाची न होकर पृथ्वी का पर्याय है।
आकाश के पर्यायवाची–आसमान, गगन, मंडल, व्योम, तारापथ, नभ, नभमण्डल, शून्य, अंतरिक्ष, द्यौ, अनंत।
पृथ्वी के पर्यायवाची–भू, धरा, वसुंधरा, अचला, वसुधा, रत्नगर्भा, धरती, क्षिति, उर्वी, भूमि, अवनि।

20. (a)
अर्क का अनेकार्थी शब्द 'इन्द्र' है। अर्क के अन्य अनेकार्थी शब्द हैं – सूर्य, रस, ताँबा, काढा आदि।

21. (a)
दिये गये विकल्पों में 'बली-बलि' शब्द युग्म का अर्थ भेद सही नहीं है। इस शब्द-युग्म का सही अर्थ भेद है-

शब्द-युग्म	**अर्थ भेद**
बली - बलि	वीर - बलिदान

22. (b)
'जो स्त्री सूर्य भी न देख सके' उसके लिए एक शब्द 'असूर्यपश्या' होगा।

वाक्यांश		**एक शब्द**
जो पहले जन्मा हो	-	अग्रज
जिसके पास कुछ न हो	-	अकिंचन

23. (b)
'उपनिवेश से सम्बन्ध हो जिसका' उसके लिए एक शब्द 'औपनिवेशिक' है।

24. (d)
हिमालय का सही संधि-विच्छेद– 'हिम + आलय'
होगा, जो कि दीर्घ संधि का उदाहरण है। एक ही स्वर के दो रूप ह्रस्व या दीर्घ एक दूसरे के बाद आएं तो दोनों मिलकर दीर्घ स्वर हो जाते हैं।

25. (a)
'बखूबी'– 'खूबी के साथ' में अव्ययीभाव समास है। इस समास में पहला पद प्रधान होता है और सामासिक पद या समास पद अव्यय होता है।

उदाहरण–		
आमरण	–	मरण तक
आपादमस्तक	–	पाद से मस्तक तक
यथाशक्ति	–	शक्ति के अनुसार।

26. (b)
निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य 'उसने मुक्तहस्त धन लुटाया' होगा। बाकी विकल्प वाक्य की दृष्टि से अशुद्ध है।
अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप निम्नलिखित हैं-
- उसने मुक्तकण्ठ प्रशंसा की।
- प्राणी मात्र का कल्याण करो।
- आपकी अवस्था चालीस वर्ष है।

27. (d)
संचारी भावों की संख्या **33** मानी गई है। जो भाव मन में केवल अल्पकाल तक संचरण कर के चले जाते हैं वे संचारी भाव या व्यभिचारी भाव कहलाते हैं। जो अनुकूल परिस्थितियों में घटते-बढ़ते रहते हैं। **भरत मुनि** के अनुसार– ये पानी में आप ही आप विलीन होने वाले बुलबुलों के समान हैं।

28. (d)
उपर्युक्त पंक्ति में 'दोहा छंद' है। दोहा अर्ध सममात्रिक छंद है। इसमें चार चरण होते हैं, जिनमें (13, 11, 13, 11 मात्राएँ) विषम चरणों में 13 और समचरणों में 11 मात्राएँ होती हैं। जबकि सवैया छंद चार चरणों का है, यह 22 वर्णों से 26 वर्णों तक कई प्रकार का होता है। सोरठा चार चरणों का मात्रिक छंद है। इसमें 11,13,11,13 मात्राओं का क्रम होता है। यह दोहे के विपरीत होता है।

29. (d)
माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर।
कर का मनका डारि दे, मन का मनका फेर।
इस दोहे में **यमक अलंकार** है। जहाँ एक ही शब्द एक से अधिक बार प्रयोग किया जायें, लेकिन उस शब्द का अर्थ हर बार अलग-अलग हो, वहाँ यमक अलंकार होता है। उपर्युक्त दोहे में मनका (माला की मोती) तथा मनका (मन का मोती-हृदय) को एक ही शब्द से दर्शाया गया है परन्तु अर्थ भिन्न-भिन्न हैं।

30. (a)
तीसरा विश्व हिंदी सम्मेलन वर्ष 1983 ई. में नई दिल्ली (भारत) में संपन्न हुआ। चतुर्थ विश्व हिन्दी सम्मेलन पोर्ट लुईस (मॉरीशस) में 1993 ई. में सम्पन्न हुआ। पाँचवा विश्व हिन्दी सम्मेलन वर्ष 1996 ई में त्रिनिडाड एवं टोबेगो में संपन्न हुआ।

31. (d)
'ओछे की प्रीत बालू की भीत'' इस लोकोक्ति (कहावत) का भावार्थ है–तुच्छ मनुष्य की मित्रता शीघ्र ही समाप्त हो सकती है अर्थात् ऐसी मित्रता अल्पकालिक होती है। 'अधजल गगरी छलकत जाय' लोकोक्ति का अर्थ है अधूरा ज्ञान घमण्ड पैदा करता है। 'थोथा चना बाजे घना' लोकोक्ति का अर्थ है - अल्पज्ञानी हमेशा अपने ज्ञान की डींग मारता है।

32. (d)
'कुजगह फोड़ा और ससुर वैद्य' कहावत का अर्थ 'धर्म संकट की स्थिति' है।

33. (a)
'कालिदास त्रिवेदी' औरंगजेब के दरबारी कवि थे। इन्होंने औरंगजेब के समय की अनेक विजय अभियानों का वर्णन किया है। 'वरवधू विनोद' राधा माधव बुध मिलन विनोद, कालिदास हजारा इत्यादि इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं।

34. (a)
उपर्युक्त गद्यांश में प्रयुक्त 'स्पृहणीय, शब्द का अर्थ 'प्राप्त करने योग्य' है।

35. (d)
उपर्युक्त गद्यांश में लेखक ने 'महात्मा गाँधी के नेतृत्व में राष्ट्रीय आंदोलन कैसा था' को मुख्य रूप से बताया है।

36. (b)
उपर्युक्त गद्यांश में लेखक का उद्देश्य भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की विशेषता बताना है।

37. (a)
दिये गये गद्यांश के अनुसार धर्मनिरपेक्षता का अभिप्राय 'सभी धर्मों का आदर' करना है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-28

1. **निम्न में ओष्ठ्य वर्ण कौन सा है?**
(a) अ (b) आ (c) इ (d) उ
2. **राम अयोध्या के राजा थे। में कौन चिह्न प्रयुक्त है?**
(a) अल्पविराम (b) पूर्णविराम
(c) हंसपद (d) रेखिका
3. **जिन संज्ञाओं से एक ही प्रकार की वस्तुओं अथवा व्यक्तियों का बोध हो उन्हें कहते हैं–**
(a) व्यक्तिवाचक संज्ञा (b) जातिवाचक संज्ञा
(c) भाववाचक संज्ञा (d) द्रव्यवाचक संज्ञा
4. **निम्नलिखित में से कौन निजवाचक सर्वनाम नहीं है?**
(a) निज (b) हम (c) आप (d) खुद
5. **निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण को पहचानिए।**
(a) ऐतिहासिक (b) उपासना
(c) आश्वासन (d) अपेक्षा
6. **निम्नलिखित में सकर्मक क्रिया छाँटिए :**
(a) चलना (b) सोना (c) मुस्कुराना (d) लिखना
7. **'वह सालभर अनुपस्थित रहा।'–इस वाक्य में किस प्रकार के क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है?**
(a) कालवाचक (b) परिमाणवाचक
(c) रीतिवाचक (d) स्थानवाचक
8. **निम्न में से कौन सा शब्द स्त्रीलिंग है?**
(a) प्रभाव (b) निर्माण (c) विवाह (d) भाषा
9. **'आज हर कोई मानसिक रूप से बीमार दिखता है।' इस वाक्य में 'हर कोई' किस प्रकार का शब्द है?**
(a) सदैव बहुवचन (b) एकवचन
(c) बहुवचन (d) सदैव एकवचन
10. **''...............'', निम्न में से कौन-सा वाक्य सामान्य भूतकाल का वाक्य है?**
(a) वर्षा हुई।
(b) शायद वर्षा हुई होगी।
(c) वर्षा अभी–अभी हुई।
(d) कुछ समय पहले वर्षा हुई थी।
11. **वाच्य क्या है?**
(a) क्रिया का रूपांतरण (b) कर्ता का रूपांतरण
(c) कर्म का रूपांतरण (d) सभी सही हैं।
12. **'सुरेश ने पेंसिल <u>से</u> पत्र लिखा' वाक्य में रेखांकित शब्द कारक है:**
(a) कर्म (b) करण (c) संप्रदान (d) अपादान
13. **कौन-सा शब्द तद्भव है?**
(a) आसरा (b) अट्टालिका (c) कृपा (d) चक्र
14. **किस शब्द में 'अनु' उपसर्ग नहीं है?**
(a) अनुर्वर (b) अनुनय (c) अनूदित (d) अन्वेषण
15. **'चतुराई' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है ?**
(a) आई (b) चतुर (c) च (d) राई
16. **<u>सन्तोष</u> महाधन है।**
रेखांकित शब्द का सटीक विलोम होगा:
(a) असंतोष (b) अस्वीकार
(c) असहयोग (d) असार
17. **गुण**
(a) सगुण (b) गुणातीत (c) अवगुण (d) गान
18. **निम्नलिखित में से कौन से विकल्प में सभी शब्द पर्यायवाची हैं?**
(a) कमला, ज्योति, रोशनी (b) मतंग, कुंजर, कपीश्वर
(c) कुटिल, दुर्जन, इंदीवर (d) शशि, शशांक, सुधांशु
19. **दिए गए विकल्पों में से ''सुधा'' का समानार्थी शब्द कौन सा है?**
(a) प्यासा (b) नीर (c) अमृत (d) तृष्णा
20. **निम्नलिखित अनेकार्थी शब्द का दूसरा अर्थ बताइए। 'अज-अजन्मा'**
(a) आजन्म (b) निर्भीक (c) आजीवन (d) ईश्वर
21. **भवन और भुवन का अर्थ किस विकल्प में सही है?**
(a) आकाश -संसार (b) चौदह लोक - प्रासाद
(c) महल - जगत (d) गृह - वन
22. **'जो संविधान के अनुकूल न हो' - इस वाक्यांश के लिए सही शब्द कौन-सा है?**
(a) संवैधानिक (b) राजनीतिक
(c) असंवैधानिक (d) अराचक
23. **तिलक लगाने में किस अन्न का प्रयोग उपयुक्त होता है?**
(a) गेहूँ (b) अक्षत (c) जौ (d) उड़द
24. **गिरीश का संधि विच्छेद होगा:-**
(a) गिरी + श (b) गिरि + ईश
(c) गिर + ईश (d) गिरा + श
25. **'यह पुस्तक भी <u>हाथोंहाथ</u> बिक गई।'**
वाक्य के रेखांकित पद में कौन-सा समास है?
(a) अव्ययीभाव (b) तत्पुरुष
(c) द्वन्द्व (d) कर्मधारय
26. **निम्नांकित में एक वाक्य जो शुद्ध है, वह है-**
(a) मैं अनेकों बार विदेश गया।
(b) इस हीरे का मूल्य नापा नहीं जा सकता।
(c) बिना टिकट यात्रा दण्डनीय है।
(d) आप केवल इतना ही काम कर दीजिए।
27. **अमर्ष क्या है?**
(a) एक काव्य दोष (b) एक संचारी भाव
(c) एक काव्य गुण (d) एक अलंकार
28. **'दोहा' छंद की प्रत्येक पंक्ति में कितनी मात्राएँ हैं?**
(a) 16 (b) 12 (c) 24 (d) 28
29. **'सारंग लै सारंग चली कई सारंग की ओट**
सारंग झीनो पाइकें सारंग कई गई चोट।'
उक्त पद्य में कौन-सा अलंकार विद्यमान है?
(a) उत्प्रेक्षा अलंकार (b) श्लेष अलंकार
(c) यमक अलंकार (d) रूपक अलंकार
30. **भारतीय भाषा परिषद कहाँ पर स्थित है?**
(a) कोलकाता (b) वाराणसी
(c) नई दिल्ली (d) मैसूर
31. **'तीन लोक से मथुरा न्यारी' का अर्थ :**
(a) तीनों लोकों में मथुरा न होना।
(b) सबसे निराला।
(c) मथुरा का बखान तीनों लोकों में हैं।
(d) बहुत सुन्दर मथुरा का होना।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

निर्देश : निम्नलिखित प्रत्येक कहावत के लिए चार-चार समानार्थक वाक्यांश दिए गए हैं। उनमें से सही उत्तर के रूप में विकल्प का चयन कीजिए।

32. काटो तो खून नहीं का अर्थ होगा-
(a) पीड़ा शांत हो जाना
(b) बिल्कुल निर्जीव हो जाना
(c) भय के कारण स्तब्ध हो जाना
(d) गुस्सा शांत हो जाना

33. 'देसिल बअना सब जन मिट्ठा, तै तैसन जपओ अवहट्ठा।' यह किसका प्रसिद्ध कथन है?
(a) स्वयंभू (b) मुंज
(c) विद्यापति (d) सरहपा

निर्देशः निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर चुनिए:

विधाता-रचित इस सृष्टि का सिरमौर है मनुष्य। उसकी कारीगरी का सर्वोत्तम नमूना। इस मानव को ब्रह्माण्ड का लघु रूप मानकर भारतीय दार्शनिकों ने 'यत् पिण्डे तत् ब्रह्माण्डे' की कल्पना की थी। उनकी यह कल्पना मात्र कल्पना नहीं थी, प्रत्युत यथार्थ भी थी क्योंकि मानव-मन में जो विचारणा के रूप में घटित होता है, उसी का कृति रूप ही तो सृष्टि है। मन तो मन, मानव का शरीर भी अप्रतिम है। देखने में इससे भव्य, आकर्षक एवं लावण्यमय रूप सृष्टि से अन्यत्र कहाँ है? अद्भुत एवं अद्वितीय है मानव-सौन्दर्य! साहित्यकारों ने इसके रूप-सौन्दर्य के वर्णन के लिए कितने ही अप्रस्तुतों का विधान किया है और इस सौन्दर्य-राशि से सभी को आप्यायित करने के लिए अनेक काव्य सृष्टियाँ रच डाली हैं।

साहित्यशास्त्रियों ने भी इसी मानव की भावनाओं का विवेचन करते हुए अनेक रसों का निरूपण किया है। परन्तु वैज्ञानिक दृष्टि से विचार किया जाए तो मानव-शरीर को एक जटिल यन्त्र से उपमित किया जा सकता है। जिस प्रकार यन्त्र के एक पुर्जे में दोष आ जाने पर सारा यन्त्र गड़बड़ा जाता है, बेकार हो जाता है उसी प्रकार मानव-शरीर के विभिन्न अवयवों में से यदि कोई एक अवयव भी बिगड़ जाता है तो उसका प्रभाव सारे शरीर पर पड़ता है। इतना ही नहीं, गुर्दे जैसे कोमल एवं नाजुक हिस्से के खराब हो जाने से यह गतिशील वपुयन्त्र एकाएक अवरुद्ध हो सकता है, व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है। एक अंग के विकृत होने पर सारा शरीर दण्डित हो, वह कालकवलित हो जाए-यह विचारणीय है।

यदि किसी यन्त्र के पुर्जे को बदलकर उसके स्थान पर नया पुर्जा लगाकर यन्त्र को पूर्ववत सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से क्रियाशील बनाया जा सकता है तो शरीर के विकृत अंग के स्थान पर नव्य निरामय अंग लगाकर शरीर को स्वस्थ एवं सामान्य क्यों नहीं बनाया जा सकता? शल्य-चिकित्सकों ने इस दायित्वपूर्ण चुनौती को स्वीकार किया तथा निरन्तर अध्यवसाय पूर्णसाधना के अनन्तर अंग-प्रत्यारोपण के क्षेत्र में सफलता प्राप्त की। अंग-प्रत्यारोपण का उद्देश्य है कि मनुष्य दीर्घायु प्राप्त कर सके। यहाँ यह ध्यातव्य है कि मानव-शरीर हर किसी के अंग को उसी प्रकार स्वीकार नहीं करता, जिस प्रकार हर किसी का रक्त उसे स्वीकार्य नहीं होता। रोगी को रक्त देने से पूर्व रक्त-वर्ग का परीक्षण अत्यावश्यक है, तो अंग-प्रत्यारोपण से पूर्व ऊतक-परीक्षण अनिवार्य है। आज का शल्य-चिकित्सक गुर्दे, यकृत, आँत, फेफड़े और हृदय का प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक कर रहा है। साधन-सम्पन्न चिकित्सालयों में मस्तिष्क के अतिरिक्त शरीर के प्रायः सभी अंगों का प्रत्यारोपण सम्भव हो गया है।

34. मानव को सृष्टि का लघु रूप माना गया है क्योंकि
(a) मानव-मन में जो घटित होता है, वही सृष्टि में घटित होता है।
(b) मानव सृष्टि का सिरमौर है।
(c) मन की शक्ति अपरोजेय है।
(d) लघु मानव ही विधाता की सच्ची सृष्टि है।

35. वैज्ञानिक दृष्टि का अपेक्षाकृत अभाव होता है
(a) साहित्यकार में (b) साहित्यशास्त्री में
(c) शल्य-चिकित्सक में (d) वैज्ञानिक में

36. मानव शरीर को यन्त्रवत् कहा गया है क्योंकि
(a) मानव शरीर दृढ़ माँसपेशियों और अवयवों से निर्मित है।
(b) मानव शरीर यन्त्र की भाँति लावण्यमय होता है।
(c) अवयव रूपी पुर्जों के विकृत होने से शरीर यन्त्रवत् निष्क्रिय हो जाता है।
(d) मानव शरीर विधाता की सृष्टि की अनुपम कृति है।

37. शल्य-चिकित्सकों द्वारा स्वीकार की गई दायित्वपूर्ण चुनौती थी
(a) जीर्ण शरीर के स्थान पर स्वस्थ शरीर देना
(b) मानव-शरीर को मृत्यु से बचाना
(c) अंग-प्रत्यारोपण द्वारा शरीर को सामान्य बनाना
(d) शल्य-चिकित्सा का महत्व स्थापित करना

SOLUTION : PRACTICE SET- 28

ANSWER KEY

1. (d)	9. (d)	17. (c)	25. (a)	33. (c)
2. (b)	10. (a)	18. (d)	26. (c)	34. (a)
3. (b)	11. (a)	19. (c)	27. (b)	35. (b)
4. (b)	12. (b)	20. (d)	28. (c)	36. (c)
5. (a)	13. (a)	21. (c)	29. (c)	37. (c)
6. (d)	14. (a)	22. (c)	30. (a)	
7. (a)	15. (a)	23. (b)	31. (b)	
8. (d)	16. (a)	24. (b)	32. (c)	

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION

1. (d)

दिये गये विकल्पों में से 'उ' ओष्ठ्य वर्ण है। हिन्दी वर्णमाला के स्वर वर्णों के उच्चारण स्थान का विवरण निम्न है–

उच्चारण स्थान		स्वर
कंठ	–	अ, आ
तालु	–	इ, ई
मूर्धा	–	ऋ
ओष्ठ	–	उ, ऊ
कंठ तालु	–	ए, ऐ
कंठ ओष्ठ	–	ओ, औ

2. (b)

वाक्य के पूर्ण होने पर पूर्णविराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है। दिये गये वाक्य में 'पूर्णविराम चिह्न' का प्रयोग है। जब किसी वाक्य या वाक्यांश में कोई शब्द या अक्षर लिखने में छूट जाता है तो उसे लिखने के लिये 'हंसपद या त्रुटिबोधक चिह्न' का प्रयोग करते हैं। अर्द्धविराम से कुछ कम देर तक के ठहराव के लिये 'अल्पविराम चिह्न' का प्रयोग करते हैं।

3. (b)

जिन संज्ञाओं से एक ही प्रकार की वस्तुओं अथवा व्यक्तियों का बोध होता है उन्हें 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं। **जैसे –**

देश, नदी,पर्वत, लड़का, पठार, मरुस्थल इत्यादि।

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा – किसी व्यक्ति, स्थान या वस्तु का बोध कराने वाले शब्दों को 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं, **जैसे –** राम, गंगा, हिमालय, गीता, आदि।

2. भाववाचक संज्ञा- किसी भाव, गुण, दशा आदि का ज्ञान कराने वाले शब्द 'भाववाचक संज्ञा' होते हैं, **जैसे-** दया, कृपा, यौवन, गुरुत्व आदि।

3. द्रव्यवाचक संज्ञा- जिस संज्ञा शब्द से किसी सामग्री या पदार्थ का बोध होता है, **जैसे-** सोना, चाँदी, पानी, घी, ऑक्सीजन, आदि।

4. समूहवाचक संज्ञा- जिस संज्ञा शब्द से समूह/समुदाय का बोध होता है, उसे समूहवाचक संज्ञा कहते हैं। **जैसे-** टीम, समिति, आयोग, परिवार, सेना, अधिकारी .... आदि।

4. (b)

'हम' शब्द निजवाचक सर्वनाम न होकर बल्कि उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम है जबकि अन्य विकल्प (निज, आप और खुद) निजवाचक सर्वनाम हैं।

5. (a)

वे शब्द जो संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बतलाते हैं विशेषण कहलाते हैं। प्रमुख शब्दों से बने विशेषण शब्द हैं–

विशेष्य	विशेषण
1. इतिहास	ऐतिहासिक
2. उपासना	उपास्य
3. आश्वासन	आश्वस्त
4. अपेक्षा	अपेक्षित
5. अग्नि	आग्नेय
6. लक्षण	लाक्षणिक

6. (d)

उपर्युक्त विकल्पों में से 'लिखना' सकर्मक क्रिया है। शेष शब्द चलना, सोना, मुस्कुराना अकर्मक क्रियाएँ हैं। सकर्मक और अकर्मक क्रियाओं की पहचान 'क्या', 'किसे', 'किसको' आदि प्रश्न करने से होती है। यदि कुछ उत्तर मिले तो क्रिया सकर्मक और यदि उत्तर न मिले तो क्रिया अकर्मक मानी जाती है। 'लिखना' शब्द में क्या प्रश्न पूछने से उत्तर प्राप्त होता है, अन्य शब्दों से कोई उत्तर प्राप्त नहीं होगा।

सकर्मक क्रिया– ऐसी क्रिया जिनका कर्म हो या कर्म होने की संभावना हो, सकर्मक क्रियाएँ कहलाती हैं।

अकर्मक क्रिया– जिन क्रियाओं का व्यापार तथा परिणाम कर्ता पर ही पड़ता हो, वे अकर्मक क्रियाएँ कहलाती हैं।

7. (a)

'वह सालभर अनुपस्थित रहा।' इस वाक्य में 'कालवाचक क्रियाविशेषण' का प्रयोग हुआ है। जिस क्रिया विशेषण से काल या समय का बोध हो उसे कालवाचक क्रिया विशेषण कहते हैं। अर्थ के आधार पर क्रिया विशेषण के 4 भेद होते हैं।

(i) स्थानवाचक क्रियाविशेषण

(ii) कालवाचक क्रियाविशेषण

(iii) रीतिवाचक क्रियाविशेषण

(iv) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

8. (d)

दिये गये विकल्पों में 'भाषा' शब्द 'स्त्रीलिंग' शब्द है। जबकि प्रभाव, विवाह एवं निर्माण पुल्लिंग शब्द हैं।

9. (d)

प्रश्नगत विकल्पों के आधार पर 'हर कोई' सदैव एकवचन में प्रयुक्त होने वाला शब्द है।

10. (a)

दिये गये विकल्पों में सामान्य भूतकाल का वाक्य 'वर्षा हुई' है। 'शायद वर्षा हुई होगी' वाक्य में संदिग्ध भूत, 'वर्षा अभी–अभी हुई' में आसन्न भूत तथा 'कुछ समय पहले वर्षा हुई थी' में पूर्ण भूतकाल है।

11. (a)

वाक्य के अंतर्गत कर्ता, कर्म या भाव की प्रधानता का बोध कराने के लिए क्रिया के रूपांतरण को वाच्य कहते हैं। वाच्य तीन प्रकार के होते हैं।

(i) कर्तृवाच्य

(ii) कर्मवाच्य

(iii) भाववाच्य

12. (b)

'सुरेश ने पेंसिल से पत्र लिखा' वाक्य में रेखांकित शब्द में 'करण कारक' है। वाक्य में जिस शब्द से क्रिया के संबंध का बोध होता हो, उसे करण कारक कहते हैं।

13. (a)

दिये गये विकल्पों में 'आसरा' एक तद्भव शब्द है इसका तत्सम 'आश्रय' होता है; जबकि अट्टालिका, कृपा, चक्र तत्सम शब्द हैं। 'अट्टालिका' का तद्भव 'अटारी' तथा 'चक्र' का तद्भव 'चाक', कृपा का तद्भव 'किरपा' होता है।

14. (a)

शब्द 'अनुर्वर' में 'अनु' उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है। अनुर्वर शब्द में 'अन्' उपसर्ग का प्रयोग होगा।

जैसे- अन् + उर्वर = अनुर्वर

'अनु' उपसर्ग से बने शब्द हैं- अनुनय, अन्वेषण, अनुगामी, अनुसरण, अनुरूप, अनुग्रह, अनुशासन अनूरित आदि।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

15. (a)
शब्द 'चतुराई' में 'आई' प्रत्यय है। वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में लग कर उसके अर्थ में परिवर्तन या विशेषता ला देते हैं उन्हें प्रत्यय कहते हैं। प्रत्यय के दो भेद होते हैं–
1. कृत् प्रत्यय, 2. तद्धित प्रत्यय। 'आई' प्रत्यय से निर्मित अन्य शब्द– लिखाई, पढ़ाई, मिठाई आदि।

16. (a)
दिये गये वाक्य में रेखांकित शब्द 'संतोष' का सटीक विलोम **असंतोष** होगा। अस्वीकार का विलोम स्वीकार, सहयोग का विलोम असहयोग तथा असार का विलोम सारगर्भित होगा।

17. (c)
'गुण' का विलोम शब्द 'अवगुण'होगा। 'गुण' का एक और विलोम 'दोष' भी होता है। शेष दिए गए विकल्प असंगत हैं।

18. (d)
शशि, शशांक, सुधांशु शब्द चन्द्रमा पर्यायवाची हैं। चन्द्रमा के अन्य पर्यायवाची शब्द है – रजनीश, राकापति, राकेश, छपाकर, निशाकर, विधु, मयंक आदि।

19. (c)
सुधा का समानार्थी शब्द 'अमृत' है। नीर शब्द 'जल' का पर्याय है। **अमृत के अन्य पर्यायवाची शब्द**– सोम, सुधा, अमिय, पीयूष, मधु, सुरभोग आदि हैं।

20. (d)
'अज-अजन्मा' का अर्थ होता है जिसका कभी जन्म और मृत्यु न हो अर्थात् ईश्वर; जिसका न तो जन्म होता है और न ही मृत्यु।

21. (c)
भवन का अर्थ - 'महल' होता जबकि भुवन का अर्थ- 'जगत' होता है।

22. (c)

वाक्यांश	**–**	**एक शब्द**
जो संविधान के अनुकूल न हो	–	असंवैधानिक
जो संविधान के अनुकूल हो	–	संवैधानिक
जो कम बोलता हो	–	अल्पभाषी
सिर से पाव तक	–	आपादमस्तक
जिंदा रहने की इच्छा	–	जिजीविषा
तैरने की इच्छा	–	तितीर्षा

23. (b)
तिलक लगाने में 'अक्षत' का प्रयोग किया जाता है। अक्षत में कच्चे चावल के साबुत दाने का प्रयोग किया जाता है।

24. (b)
गिरीश का संधि-विच्छेद - गिरि + ईश होगा। यह दीर्घ संधि का उदाहरण है। यदि अ, आ, इ, ई, उ, ऊ और 'ऋ' के बाद वे ही ह्रस्व या दीर्घ स्वर आएँ तो दोनों मिलकर क्रमशः आ, ई ऊ और 'ॠ' हो जाते हैं। **जैसे-** गिरि + इंद्र = गिरींद्र
पृथ्वी + ईश = पृथ्वीश।

25. (a)
जिस समास में पहला पद अव्यय और दूसरा पद संज्ञा होता है तथा समस्त पद में अव्यय के अर्थ की प्रधानता रहती है वह अव्ययीभाव समास कहलाता है।
जैसे - हाथोंहाथ, प्रतिदिन, प्रत्येक

26. (c)
बिना टिकट यात्रा दण्डनीय है। यह वाक्य शुद्ध है।
अशुद्ध- मैं अनेकों बार विदेश गया।
शुद्ध – मैं अनेक बार विदेश गया।
अशुद्ध – इस हीरे का मूल्य नापा नहीं जा सकता।
शुद्ध – इस हीरे का मूल्य आँका नहीं जा सकता।
अशुद्ध – आप केवल इतना ही काम कर दीजिए।
शुद्ध – आप इतना ही काम कर दीजिए।

27. (b)
मन में आने-जाने वाले (संचरण करने वाले) भावों को संचारी भाव अथवा व्यभिचारी भाव कहा जाता है। संचारी भावों की कुल संख्या तैंतीस हैं। **अमर्ष** भी एक **संचारी भाव** है जो विरोधी का अपकार करने की अक्षमता से उत्पन्न तथा दुःख के कारण उत्पन्न होता है। यह अपने अपमान या तिरस्कार के कारण उत्पन्न क्षोभ है।

28. (c)
'दोहा' छंद की प्रत्येक पंक्ति में 24 मात्राएँ होती हैं। इस छंद के विषम चरणों (प्रथम और तृतीय) में 13 मात्राएँ और सम चरणों (द्वितीय और चतुर्थ) में 11 मात्राएँ होती हैं। यति चरण के अन्त में होती है। **जैसे-**
श्री गुरु चरन सरोज रज, निज मन मुकुरु सुधार।
बरनौ रघुवर विमल जसु, जो दायक फल चारि।।
28 मात्राएँ 'हरिगीतिका' छंद में होती हैं तथा बरवै छन्द में 12, 7 के योग से 19 मात्राएं एवं चौपाई छन्द में 16 मात्राएँ होती हैं।

29. (c)
जहाँ पर एक शब्द की आवृत्ति एक से अधिक बार हो लेकिन उनके अर्थ अलग-अलग हों तो वहाँ पर 'यमक' अलंकार होता है। यहाँ 'सारंग' का प्रयोग एक से अधिक बार प्रयोग किया गया है तथा इसका अर्थ अलग-अलग हैं। अतः यहाँ 'यमक अलंकार' होगा।

30. (a)
भारतीय भाषा परिषद 'कोलकाता' में स्थित है। भारतीय भाषाओं की साहित्यिक विरासत को समृद्ध करने के उद्देश्य से 1975 में इसकी स्थापना की गयी, इसकी मासिक साहित्यिक पत्रिका 'वागर्थ' है।

31. (b)
'तीन लोक से मथुरा न्यारी' का अर्थ 'सबसे निराला' होता है।

32. (c)
'काटो तो खून नहीं' कहावत का सही अर्थ 'भय के कारण स्तब्ध हो जाना' है।

33. (c)
"देसिल बअना सब जन मिट्ठा, तै तैसन जपओ अवहट्ठा।" यह प्रसिद्ध कथन महाकवि 'विद्यापति' का है। ये संस्कृत, अवहठ, मैथिली आदि अनेक भाषाओं के प्रकाण्ड विद्वान थे। इन्हें मैथिली के सर्वोपरि कवि के रूप में जाना जाता है। तथा इन्हें 'मैथिल कोकिल' के नाम से जाना जाता है। इनकी कुछ महत्वपूर्ण रचनाएँ इस प्रकार हैं– कीर्तिलता, कीर्तिपताका, पदावली, गोरक्षविजय आदि।

34. (a)
दिये गये गद्यांश के अनुसार मानव को सृष्टि का लघु रूप माना गया है क्योंकि मानव-मन में जो घटित होता है, वही सृष्टि में घटित होता है।

35. (b)
वैज्ञानिक दृष्टि का अपेक्षाकृत साहित्यशास्त्री में अभाव होता है।

36. (c)
मानव शरीर को यंत्रवत् कहा जाता है क्योंकि अवयव रूपी पुर्जों के विकृत होने से शरीर यंत्रवत् निष्क्रिय हो जाता है।

37. (c)
शल्य चिकित्सकों द्वारा स्वीकार की गई दायित्वपूर्ण चुनौती अंग प्रत्यारोपण द्वारा शरीर को सामान्य बनाना है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-29

1. **कंठतालव्य कौन–सा है?**
   (a) उ, ऊ (b) र, ष
   (c) ए, ऐ (d) अ, आ

2. **दिए गए वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न का चयन कीजिए।**
   किधर चले
   (a) ! (b) :-
   (c) ? (d) ;

3. **समुद्रगुप्त 'भारत का नेपोलियन' था। यहाँ नेपोलियन किस प्रकार की संज्ञा का उदाहरण है?**
   (a) व्यक्तिवाचक (b) जातिवाचक
   (c) भाववाचक (d) समूहवाचक

4. **दिए गए वाक्य में निजवाचक सर्वनाम ज्ञात कीजिए।**
   सफलता पाने के लिए तुम्हें स्वयं कठोर परिश्रम करना पड़ेगा।
   (a) करना (b) के लिए
   (c) स्वयं (d) तुम्हें

5. **'वह बहुत <u>धार्मिक</u> व्यक्ति है', वाक्य में रेखांकित पद है-**
   (a) संज्ञा (b) सर्वनाम
   (c) क्रिया (d) विशेषण

6. **यदि 'मुड़ना' अकर्मक क्रिया है, तो इसकी सकर्मक क्रिया क्या होगी?**
   (a) मोड़ (b) मुड़ जाना
   (c) मोड़ना (d) मुड़वाना

7. **'बुढ़िया धीरे-धीरे चबा रही है।' इस वाक्य में 'धीरे-धीरे' किस प्रकार का क्रियाविशेषण है?**
   (a) रीतिवाचक क्रियाविशेषण
   (b) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
   (c) कालवाचक क्रियाविशेषण
   (d) स्थानवाचक क्रियाविशेषण

8. **दिए गए शब्द का लिंग ज्ञात कीजिए।**
   शीशम
   (a) पुल्लिंग (b) सहायक क्रिया
   (c) कारक (d) स्त्रीलिंग

9. **शब्द के जिस रूप से एक ही वस्तु का बोध हो, उसे .... कहते हैं।**
   (a) वचन (b) एकवचन
   (c) अनेकवचन (d) बहुवचन

10. **'मैंने आम खा लिया है' वाक्य में प्रयुक्त काल पहचानें।**
    (a) अपूर्ण भूतकाल (b) हेतुहेतुमद् भूतकाल
    (c) आसन्न भूत (d) पूर्ण भूतकाल

11. **इनमें से कर्तृवाच्य का उदाहरण कौन-सा है?**
    (a) भारत ने एक नया उपग्रह छोड़ा
    (b) माँ ने बेटी को पुकारा
    (c) श्याम के द्वारा पुस्तक पढ़ी गई
    (d) उपरोक्त सभी

12. **'वह चम्मच से चावल खाता है।' – वाक्य में 'चम्मच से' में कौन-सा करक है?**
    (a) करण कारक (b) सम्बन्ध कारक
    (c) अधिकरण कारक (d) कर्ता कारक

13. **'अष्ट' का तद्भव रूप है –**
    (a) अष्ट (b) अस्सी
    (c) अठारह (d) आठ

14. **निम्न में से कौन-सा शब्द 'अन्' उपसर्ग के योग से बना है ?**
    (a) अनेक (b) अन्याय
    (c) अनार (d) अनहद

15. **'करुणामय' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?**
    (a) मय (b) णामय
    (c) य (d) करूणा

16. **<u>लौकिक</u> जगत की माया में सभी फँसे हुए हैं। रेखांकित शब्द का सटीक विलोम बताइए।**
    (a) अलौकिक (b) कुटिल
    (c) सांसारिक (d) दुनियावी

17. **'कथित' शब्द का विलोम है–**
    (a) कथ्य (b) अकथ्य
    (c) अकथित (d) कथनीय

18. **स्त्री का पर्यायवाची नहीं है-**
    (a) वनिता (b) कांता
    (c) सविता (d) आर्या

19. **'स्थिर' शब्द का पर्याय है**
    (a) स्थिरता (b) निश्चलता
    (c) अडिग (d) दृढ़ता

20. **उत्तर शब्द का अनेकार्थी नहीं है–**
    (a) उत्तर दिशा (b) उल्टा
    (c) हल (d) जवाब

21. **श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द-युग्म 'लक्ष्य' और 'लक्ष' का उचित अर्थ है–**
    (a) उद्देश्य – लाख (गिनती)
    (b) देखने योग्य – संपत्ति
    (c) तीर – रुपया
    (d) लाख – उद्देश्य

22. **'जो भविष्य की बात सोचता हो' के लिए एक शब्द कौन-सा होगा?**
    (a) भविष्यचिंतक (b) भावी चिंतक
    (c) चिंताकुल (d) अग्रसोची

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

23. **'महल के भीतरी भाग' को किस शब्द में जानते हैं?**
(a) गर्भगृह (b) भीतरी तल
(c) अन्त:पुर (d) रनिवास

24. **'कुशासन' का संधि-विच्छेद' होगा।**
(a) कु + शासन (b) कुशा + असन
(c) कुश + आसन (d) कुशा आसन

25. **भीष्म पितामह ने आजीवन शादी न करने का प्रण लिया था। रेखांकित शब्द का समास होगा :**
(a) अव्ययीभाव समास
(b) तत्पुरुष समास
(c) कर्मधारय समास
(d) द्विगु समास

26. **निम्नलिखित में कौन सा वाक्य शुद्ध है?**
(a) मेरे लिए बर्फ और आग लाओ।
(b) व्यायाम करना चाहिए जिससे कि स्वस्थ रहें।
(c) एक-एक करके सभी मर गए।
(d) तुम्हारा यह कहना मेरे लिए बड़ा बात होगा।

27. **'राम को रूप निहारति जानकी कंकन के नग की परछाईं' – पंक्ति में कौन-सा रस है?**
(a) श्रृंगार रस (b) शान्त रस
(c) वात्सल्य रस (d) अद्भुत रस

28. **'सुनि केवट के बैन, प्रेम लपेटे अटपटे। बिहसे करुणाऐन चितई जानकी लखन तन ।।'' में कौन-सा छन्द है?**
(a) छप्पय (b) सोरठा
(c) गीतिका (d) उल्लाला

29. **'तीन बेर खाती थी वो तीन बेर खाती है।' में कौन-सा अलंकार है?**
(a) अनुप्रास (b) यमक
(c) श्लेष (d) रूपक

30. **'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' कब मनाया जाता है?**
(a) 15 अगस्त (b) 21 फरवरी
(c) 26 जनवरी (d) 10 जनवरी

31. **''तू डाल-डाल, मैं पात-पात'' का अर्थ है :**
(a) खतरा उठाना
(b) आगे-आगे दौड़ना
(c) पेड़ पर चढ़कर खेलना
(d) चालाकी का जवाब चालाकी से देना

32. **'काठ की हाँडी बार-बार नहीं चढ़ती' का अर्थ है-**
(a) लकड़ी का बर्तन अग्नि से जल सकता है
(b) दुर्भाग्य की मार बार-बार नहीं होती
(c) बुरे दिन हमेशा नहीं रहते
(d) छल-कपट का व्यवहार हमेशा नहीं चलता

33. **''रासो चरित काव्य है और उसकी रचना 'रासक' शैली में हुई थी।'' - यह कथन है**
(a) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
(b) आचार्य चतुरसेन शास्त्री
(c) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(d) आचार्य क्षिति मोहन सेन

निर्देशः निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर चुनिए:

धरातल से युद्ध की विभीषिकाओं को सदा-सदा के लिए समाप्त करने के लिए गाँधीजी ने विश्व को अहिंसा रूपी अस्त्र प्रदान किया। गाँधीजी कहा करते थे कि प्रेम और अहिंसा के द्वारा विश्व के कठोर से कठोर हृदय को भी कोमल बनाया जा सकता है। उन्होंने इस सिद्धान्तों का परीक्षण भी किया और वे 'नितान्त', सफल सिद्ध हुए। हिंसा से हिंसा बढ़ती है, 'घृणा, घृणा', को जन्म देती है और प्रेम से प्रेम की अभिवृद्धि होती है। अतः यह निश्चित है कि बिना प्रेम और अहिंसा के विश्व में शान्ति स्थापित नहीं हो सकती। शान्ति के अभाव में मानव जाति का विकास सम्भव नहीं। प्रत्येक राष्ट्र का स्वर्णिम-युग वही कहा जाता है, जबकि वहाँ पूर्ण शांति और सुख रहा हो तथा उत्तमोत्तम रचनात्मक कार्य किए जाते हों। भौतिक दृष्टि से व्यापार और कृषि की उन्नति भी शांतिकाल में ही सम्भव होती है, अतः हम यदि विश्व का कल्याण चाहते हैं तो हमें युद्ध का बहिष्कार करना ही होगा। अहिंसा और प्रेम की भावना से विश्व में शान्ति स्थापित करनी होगी, तभी विश्व में सुखमय एवं शांतिमय राज्य की स्थापना सम्भव होगी।

34. **विश्व में शांति क्यों आवश्यक है?**
(a) मानव जाति के विकास के लिए
(b) उत्तमोत्तम रचनात्मक कार्य के लिए
(c) व्यापार और कृषि की उन्नति के लिए
(d) कठोर से कठोर हृदय को भी कोमल बनाने के लिए

35. **विश्व शांति की स्थापना के लिए सबसे आवश्यक है**
(a) हिंसा और भय
(b) अहिंसा और प्रेम
(c) आत्मीयता और समीपता
(d) परिश्रम और ज्ञान

36. **कठोर से कठोर हृदय को भी कोमल बनाया जा सकता है-**
(a) सत्य पालन द्वारा (b) मौन पालन द्वारा
(c) अहिंसा द्वारा (d) भय द्वारा

37. **किसी भी राष्ट्र के स्वर्णिम-युग के प्रमुख तत्व हैं**
(a) धन और वैभव
(b) धन और सम्मान
(c) आध्यात्म और उपासना
(d) शान्ति, सुख और रचनात्मक कार्य

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

SOLUTION : PRACTICE SET-29

ANSWER KEY

1. (c)	9. (b)	17. (c)	25. (a)	33. (a)
2. (c)	10. (c)	18. (c)	26. (a)	34. (a)
3. (b)	11. (a)	19. (c)	27. (a)	35. (b)
4. (c)	12. (a)	20. (b)	28. (b)	36. (c)
5. (d)	13. (d)	21. (a)	29. (b)	37. (d)
6. (c)	14. (a)	22. (d)	30. (b)	
7. (a)	15. (a)	23. (c)	31. (d)	
8. (a)	16. (a)	24. (c)	32. (d)	

SOLUTION

1. (c)
कंठतालव्य वर्ण 'ए, ऐ' है। 'उ, ऊ' का उच्चारण स्थान ओष्ठ, 'र, ष' का उच्चारण स्थान मूर्धा तथा 'अ, आ' का उच्चारण स्थान कण्ठ है।

2. (c)
दिए गए वाक्य 'किधर चले' में उपयुक्त विराम चिह्न प्रश्नवाचक (?) का प्रयोग होगा।
अतः पूर्ण शुद्ध वाक्य होगा - किधर चले?

3. (b)
'समुद्रगुप्त भारत का नेपोलियन था', यहाँ नेपोलियन जातिवाचक संज्ञा का उदाहरण है। जब कोई शब्द अपने नाम रूप का त्याग कर दे और दूसरे का नाम रूप ग्रहण करे तो वह 'जातिवाचक संज्ञा' कहलाती है।
जैसे - महात्मा गाँधी आज के समय में कृष्ण थे।

4. (c)
दिए गए वाक्य में निजवाचक सर्वनाम 'स्वयं' होगा।
निजवाचक सर्वनाम – आप, स्वयं, खुद।
सम्बन्ध वाचक सर्वनाम – जो, सो।
निश्चय वाचक सर्वनाम – यह, वह।

5. (d)
'वह बहुत धार्मिक व्यक्ति है' वाक्य में रेखांकित पद विशेषण है। जिस शब्द से संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता (आकार, अवस्था, रूप, गुण, स्वभाव, स्थिति आदि) का बोध हो, उसे विशेषण कहते हैं। उपरोक्त वाक्य में 'धार्मिक' शब्द व्यक्ति की विशेषता बता रहा है। अतः 'धार्मिक' शब्द विशेषण है।

6. (c)
दिये गये वाक्य में 'मुड़ना' अकर्मक क्रिया है। इसकी सकर्मक क्रिया 'मोड़ना' होगी। शेष 'मोड़' संज्ञा, 'मुड़ जाना' संयुक्त क्रिया तथा 'मुड़वाना' प्रेरणार्थक क्रिया है।

7. (a)
'बुढ़िया धीरे-धीरे चबा रही है।' वाक्य में धीरे-धीरे रीतिवाचक क्रियाविशेषण का उदाहरण है। जिस शब्द से क्रिया की विशेषता प्रकट हो, उसे क्रियाविशेषण कहते हैं।

8. (a)
दिया गया शब्द 'शीशम' पुल्लिंग होगा।
लिंग–संज्ञा के जिस रूप से, जिस विशेषता से उसके नर या मादा होने का बोध होता है, उस विशेषता को लिंग कहते हैं।

9. (b)
शब्द में जिस रूप से किसी एक वस्तु का बोध हो उसे एकवचन कहते हैं; **जैसे**– गधा, घोड़ा, कलम, पुस्तक आदि। शब्द के जिस रूप से एक से अधिक या अनेक वस्तुओं का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं; **जैसे** – गधे, घोड़े, कलमें, पुस्तकें आदि।

10. (c)
'मैंने आम खा लिया है' में आसन्न भूत है। इससे क्रिया की समाप्ति निकट भूत में या तत्काल ही सूचित होती है।

11. (a)
'भारत ने एक नया उपग्रह छोड़ा' यह वाक्य कर्तृवाच्य का उदाहरण है। कर्तृवाच्य के वाक्यों में क्रिया का सीधा संबंध कर्ता से होता। इन वाक्यों में कर्ता की प्रधानता होती है। क्रिया के लिए लिंग भी कर्ता के अनुसार निर्धारित होते हैं।
जैसे– राधा कपड़े धो रही है।
वे घूम रहे हैं।

12. (a)
वह चम्मच से चावल खाता है। वाक्य में 'चम्मच से' में 'करण कारक' है। जिस शब्द से क्रिया से संबंध का बोध हो, उसे करण कारक कहते हैं। इसका परसर्ग 'से', 'के द्वारा' होता है।

13. (d)
'अष्ट' का तद्भव रूप 'आठ' है, जबकि अशीति का तद्भव 'अस्सी' तथा अष्टादश का तद्भव 'अट्ठारह' होता है।

14. (a)
विकल्प में दिये गये शब्द 'अनेक' में 'अन्' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है। यथा– अन् + एक = अनेक
अतः स्पष्ट है कि 'अनेक' शब्द 'अन्' उपसर्ग के योग से बना है।

15. (a)
'करुणामय' शब्द में 'मय' प्रत्यय का प्रयोग किया गया है। प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं। (1) कृत प्रत्यय (2) तद्धित प्रत्यय।

16. (a)

शब्द		विलोम
लौकिक	–	अलौकिक
कुटिल	–	सरल
सांसारिक	–	पारलौकिक

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

17. (c)
'जो कहा गया है' उसे 'कथित' कहा जाता है। अत: इसका विलोम शब्द अकथित (जो न कहा गया हो) होगा। 'जो कहा न जा सके' उसे अकथ्य तथा 'जो कहने योग्य हो' उसे कथ्य/कथनीय कहा जाता है।

18. (c)
'सविता' शब्द 'स्त्री' का पर्यायवाची शब्द नहीं है बल्कि सूर्य का पर्यायवाची शब्द है। वनिता, कांता, महिला, औरत, नारी, कामिनी, ललना आदि स्त्री के पर्यायवाची शब्द हैं।

19. (c)
'स्थिर' शब्द का पर्याय 'अडिग' है।
'स्थिर' शब्द के अन्य पर्याय है- निश्चल,दृढ़, स्थायी, स्थावर आदि।

20. (b)
'उत्तर' शब्द का अनेकार्थी शब्द 'उल्टा' नहीं होगा। जबकि उत्तर दिशा, हल तथा जबाब, उत्तर शब्द का अनेकार्थी शब्द है।

21. (a)
श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द-युग्म 'लक्ष्य' और 'लक्ष' का उचित अर्थ है– उद्देश्य और लाख (गिनती)। अन्य विकल्प असंगत हैं।

22. (d)

वाक्यांश		**एक शब्द**
जो भविष्य की बात सोचता हो	–	अग्रसोची
अत्यधिक बढ़ा-चढ़ा कर कही गई बात	–	अतिशयोक्ति
जो मापा न जा सके	–	अपरिमेय
जो पीने योग्य न हो	–	अपेय
जिस पर अभियोग लगाया गया हो	–	अभियुक्त

23. (c)
महल के भीतरी भाग को 'अन्त:पुर' के नाम से जाना जाता है, जबकि मंदिर का मुख्य भाग 'गर्भगृह' कहलाता है। महल का वह भाग जहाँ रानियाँ निवास करती हैं, 'रनिवास' कहा जाता है।

24. (c)
'कुशासन' का संधि-विच्छेद 'कुश + आसन' होगा। 'कुशासन' में दीर्घ संधि है।

25. (a)
रेखांकित शब्द 'आजीवन' में अव्ययीभाव समास है।
इसमें पहला पद (पूर्व पद) अव्यय तथा प्रधान होता है।
जैसे - यथाशीघ्र, यथाशक्ति, आजन्म

26. (a)
दिए गए वाक्यों में 'मेरे लिए बर्फ और आग लाओ।' शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्यों के शुद्ध रूप इस प्रकार हैं।

अशुद्ध वाक्य	**शुद्ध वाक्य**
व्यायाम करना चाहिए जिससे कि स्वस्थ रहें।	व्यायाम करना चाहिए ताकि स्वस्थ रहें।
एक-एक करके सभी मर गए।	एक-एक कर सभी मर गए।
तुम्हारा यह कहना मेरे लिए बड़ा बात होगा।	तुम्हारा यह कहना मेरे लिए बड़ी बात होगी।

27. (a)
'राम को रूप निहारति जानकी कंकन के नग की परछाईं'– पंक्ति में श्रृंगार रस है। श्रृंगार रस का स्थायी भाव 'रति' है।
'विभाव, अनुभाव एवं संचारी भाव के संयोग से अभिव्यक्त होने वाला परिपुष्ट रति नामक स्थायी भाव श्रृंगार रस कहलाता है।'

28. (b)
यह सोरठा छन्द है। सोरठा एक मात्रिक छन्द है। यह दोहा का उल्टा होता है। इसके विषम चरणों में 11–11 मात्राएँ और सम चरणों में 13–13 मात्राएँ होती हैं। विषम चरणों के अन्त में एक गुरु और एक लघु मात्रा होती है।
जैसे– "सुनि केवट के बैन प्रेम लपेटे अटपटे बिहले
करुणाऐन चितई जानकी लखन तन ।।"

29. (b)
'तीन बेर खाती थी वो तीन बेर खाती है' में यमक अलंकार है। यहाँ प्रथम 'तीन बेर' का अर्थ 'समय' से है और द्वितीय 'तीन बेर' का अर्थ 'फल' से है, जबकि जहाँ वाक्य में वर्णों की आवृत्ति हो, **अनुप्रास अलंकार** होता है। **जैसे**–तरनि तनुजा तट तमाल तरुवर बाहु छाए' में 'त' वर्ण कई बार आया है। जहाँ वाक्य में एक ही शब्द के कई अर्थ निकले, श्लेष अलंकार होता है। श्लेष अर्थात् चिपका हुआ। **जैसे**– रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून, पानी गये न उबरे मोती मानुष चून। पानी का तीन अर्थ है – मोती के लिए चमक, मनुष्य के लिए सम्मान तथा चूने के लिए जल (पानी) तथा जहाँ उपमेय को उपमान का रूप मान लिया जाये, रूपक अलंकार' होता है। **जैसे**–'समय सिंधु चंचल है भारी।'

30. (b)
'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' 21 फरवरी को मनाया जाता है। साल 2023 के अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का विषय "बहुभाषी शिक्षा-शिक्षा को बदलने की आवश्यकता" रखा गया है। वर्ष 1999 में यूनेस्को द्वारा इसकी घोषणा की गयी और वर्ष 2000 से प्रतिवर्ष मनाया जाने लगा।

31. (d)
तू डाल-डाल, मैं पात-पात' का अर्थ है–चालाकी का जवाब चालाकी से देना, चालाकी में मात देना या चालकी समझ जाना।

32. (d)
'काठ की हाँडी बार-बार नहीं चढ़ती' का अर्थ है कि छल कपट का व्यवहार हमेशा नहीं चलता। **जैसे-** मोहन धोखा खाने के बाद कहता है कि काठ की हाँडी बार-बार नहीं चढ़ती।

33. (a)
आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का कथन है कि–"रासो चरित काव्य है और उसकी रचना 'रासक' शैली में हुई है।" आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'रासो' शब्द की उत्पत्ति 'रसायण' से माना है। वे लिखते हैं- "चन्दबरदाई हिन्दी के प्रथम महाकवि माने जाते हैं और इनका पृथ्वीराजरासो हिन्दी का प्रथम महाकाव्य है।" हजारी प्रसाद द्विवेदी 'रासो' शब्द की उत्पत्ति 'रासक' (उपरूपक) शब्द से माना है।

34. (a)
दिये गये गंद्यांश के अनुसार विश्व में शांति मानव जाति के विकास के लिए आवश्यक है।

35. (b)
गाँधी जी का मानना है कि विश्व शांति की स्थापना में अंहिसा एवं प्रेम सबसे आवश्यक अस्त्र है।

36. (c)
गांधी जी का मानना है कि अंहिसा द्वारा कठोर से कठोर हृदय को भी कोमल बनाया जा सकता है।

37. (d)
दिये गये गद्यांश के अनुसार किसी भी राष्ट्र के स्वर्णिम-युग के प्रमुख तत्व शांति, सुख एवं रचनात्मक कार्य हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-30

1. किस वर्ण का उच्चारण-स्थान कंठ-तालु है?
(a) ओ (b) ऐ
(c) ह (d) छ
2. दिए गए वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न का चयन कीजिए।
अमीना, तुम कब आई
(a) ... (b) ?
(c) ; (d) :-
3. जातिवाचक संज्ञा शब्द है-
(a) कामायनी (b) आम
(c) रसीला (d) वकील
4. 'मैंने इस समस्या का समाधान खुद ही निकाल लिया' इस वाक्य में खुद ही पद में सर्वनाम का कौन सा भेद है?
(a) पुरुषवाचक सर्वनाम (b) निश्चयवाचक सर्वनाम
(c) निजवाचक सर्वनाम (d) संकेतवाचक सर्वनाम
5. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण को पहचानिए:
(a) मजहब (b) नैतिक
(c) पीड़ा (d) अज्ञान
6. निम्नलिखित वाक्यों में एक में सकर्मक क्रिया है-
(a) रेलगाड़ी चली। (b) लड़का सोता है।
(c) चिड़िया उड़ती है। (d) विद्यार्थी लिखता है।
7. 'काहे को परेशान हो रहे हो?' –इस वाक्य में किस प्रकार के क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है?
(a) रीतिवाचक (b) कालवाचक
(c) परिमाणवाचक (d) स्थानवाचक
8. निम्नलिखित में उस समूह को चिह्नित करें जिसमें पुल्लिंग से स्त्रीलिंग परिवर्तन सही रूप में किया गया है।
शब्द- कवि, सम्राट, नेता, विधुर
(a) कवियत्री, सम्राज्ञी, नेती, विधरा
(b) कवयित्री, सम्राज्ञी, नेत्री, विधवा
(c) कवित्री, साम्राज्ञी, नेत्री, धुरा
(d) कवियत्री, सम्राज्ञी, नेता, विधवा
9. आने वाला '<u>क्षण</u>' लाल नज़र आता है।
रेखांकित शब्द का वचन पहचानिए।
(a) सदैव बहुवचन (b) सदैव एकवचन
(c) बहुवचन (d) एकवचन
10. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य पूर्ण भूतकाल का उदाहरण है?
(a) वे गए। (b) वे खा रहे थे।
(c) वे आए थे। (d) वे सोकर उठे हैं।
11. वाच्य कितने प्रकार के होते हैं?
(a) चार (b) दो
(c) तीन (d) पांच
12. भीम ने गदा से दुर्योधन को मारा। यहाँ 'गदा से' पद में कौन सा कारक है?
(a) करण कारक (b) अपादान कारक
(c) सम्प्रदान कारक (d) अधिकरण कारक
13. 'अक्षि' का तद्भव शब्द है –
(a) अक्षर (b) अच्छा
(c) आँख (d) आकार
14. 'उपचार' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) उप (b) चार
(c) आर (d) उ
15. 'पूजा' में कौन-सा प्रत्यय है?
(a) आ (b) पूज
(c) पू (d) पूज्
16. 'यश' का विलोम है-
(a) हानि (b) अपमान
(c) अपयश (d) दुर्भाग्य
17. नीचे दिये शब्द युग्म में कौन-सा त्रुटिपूर्ण है?
(a) अनुग्रह – आग्रह (b) अनन्त – सान्त
(c) जड़ – चेतन (d) आकृष्ट – विकृष्ट
18. निम्नलिखित में एक शब्द-युग्म 'सरस्वती' का पर्यायवाची नहीं है-
(a) हेम-हिरण्य (b) गिरा-वीणापाणि
(c) शारदा-वागीशा (d) भारती-वाणी
19. 'मार' शब्द पर्यायवाची है-
(a) 'जादू' का (b) 'स्वर्ण' का
(c) 'अधम' का (d) 'अनंग' का
20. अनेकार्थी शब्द दिए गए हैं/एक अर्थ के साथ ही लिखा है, दूसरा अर्थ बताइए।
'प्रमत्त-स्वेच्छाचारी'
(a) उन्मत्त
(b) प्रपीड़ित
(c) परितप्त
(d) उत्कृष्ट
21. सही अर्थ वाले श्रुतिसम भिन्नार्थक युगल का चयन करें।
(a) शित - शीत : ठंडक - तुषार
(b) शित -शीत : श्वेत - स्त्री का अपहरण
(c) शीत-शित : ठंडा - तेज किया गया
(d) इनमें से कोई नहीं
22. धरती और आकाश के बीच का स्थान– इस अभिव्यक्ति के लिए एक उपयुक्त शब्द कौन-सा है?
(a) स्वर्ग (b) प्राकृति (c) नरक (d) अन्तरिक्ष
23. 'जिसे बुलाया न गया हो' वाक्य के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द है –
(a) अतिथि (b) अभ्यागत
(c) अनाहूत (d) रिश्तेदार
24. 'वार्तालाप' का संधि-विच्छेद होगा-
(a) वार्ता + आलाप (b) वार्ता + अलाप
(c) वार्त + आलाप (d) वार्त + अलाप
25. निम्नलिखित में से कौन-सा समास का प्रकार सही नहीं है?
(a) पंचवटी – द्विगु समास
(b) विद्याभंडार – तत्पुरुष समास
(c) पर्णकुटी – द्वंद्व समास
(d) यथानियम – अव्ययीभाव समास
26. निम्नलिखित में कौन सा वाक्य अशुद्ध है?
(a) इसका तात्कालिक प्रभाव पड़ा।
(b) पत्र किसके नाम पर लिखा गया है।
(c) एक रुपये में कितने पैसे होते हैं?
(d) भारत एक समृद्धिशाली देश है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

27. **निम्नलिखित उदाहरणों में श्रृंगार रस का उदाहरण कौन सा है?**
(a) गिरता न कभी चेतक-तन पर,
राणा प्रताप का कोड़ा था।
वह दौड़ रहा अरि-मस्तक पर,
या आसमान पर घोड़ा था।।
(b) उद्वेलित कर अश्रु-रश्मियाँ
हृदय चिताएँ धधकाकर
महा महामारी प्रचंड हो
फ़ैल रही थी इधर-उधर
(c) पानी केरा बुदबुदा अस मानस की जात।
देखत ही छिप जायगा ज्यों तारा परभात।।
(d) पास ही मिलकर उगी है
बीच में अलसी हठीली
देह की पतली, कमर की है लचीली,
नील फूले फूल को सर पर चढ़ाकर
कह रही है जो छुए यह
दूँ हृदय का दान उसको।

28. **'सोरठा' के प्रथम चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं?**
(a) 10 (b) 11
(c) 12 (d) 13

29. **'जेते तुम तारे, तेते नभ में न तारे हैं' इस वाक्य पंक्ति में दिए गए विकल्पों में सही अलंकार का चयन कीजिए-**
(a) उपमा (b) रूपक
(c) यमक (d) श्लेष

30. **खड्ग विलास प्रेस इनमें से किस स्थान से संबंधित है?**
(a) दिल्ली (b) वाराणसी
(c) प्रयागराज (इलाहाबाद) (d) पटना

31. **'घर का भेदी लंका ढाए' – कहावत का अर्थ निम्नलिखित में से कौन सा है?**
(a) घर का भेद बताने से लंका नहीं ढहती।
(b) आपसी फूट से लंका ढह जाती है।
(c) आपसी फूट से सर्वनाश होता है।
(d) घर का भेद बताने से लंका ढह जाती है।

32. **'कब बबा मरही त कब बरा चुरही' का अर्थ है –**
(a) किसी के लिए अपशगुन शब्द कहना
(b) कार्य का अनिश्चित होना
(c) प्रसन्नता व्यक्त करना
(d) किसी का इंतजार करना

33. **इनमें से किसे अपभ्रंश वाल्मीकि कहा जाता है?**
(a) अरिष्टनेमी (b) सरहपा
(c) स्वयंभू (d) शबरपा

निर्देशः निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर चुनिएः

विज्ञान आज के मानव-जीवन का अविभाज्य एवं घनिष्ठ अंग बन गया है। मानव-जीवन का कोई भी क्षेत्र विज्ञान के अश्रुतपूर्व आविष्कारों से अछूता नहीं रहा। इसी से आधुनिक युग विज्ञान का युग कहलाता है। आज विज्ञान का युग कहलाता है।आज विज्ञान ने पुरुष और नारी, साहित्यकार और राजीतिज्ञ, उद्योगपति और कृषक, पूँजीपति और श्रमिक, चिकित्साक और सैनिक, अभियन्ता और शिक्षक तथा धर्मज्ञ और तत्वज्ञ सभी को और सभी क्षेत्रों में किसी न किसी रूप में अपने अप्रतिम प्रदेय से अनुगृहीत किया है। आज समूचा परिवेश विज्ञानमय हो गया है। विज्ञान के चरण गृहिणी के रसोईघर से लेकर बड़ी-बड़ी प्राचीरों वाले भवनों और अट्टालिकाओं में ही दृष्टिगत नहीं होते, प्रत्युत वे स्थल और जल की सीमाओं को लाँघकर अन्तरिक्ष में भी गतिशील हैं। वस्तुतः विज्ञान अद्यतन मानव की सबसे बड़ी शक्ति बन गया है। इसके बल से मनुष्य प्रकृति और प्राणिजगत का शिरोमणि बन सका है। विज्ञान के अनुग्रह से वह सभी प्रकार की सुविधाओं और सम्पदाओं का स्वामित्व प्राप्त कर चुका है। अब वह ऋत-ऋतुओं के प्रकोप से भयाक्रांत एवं संत्रस्त नहीं है। विद्युत ने उसे आलोकित किया है, उष्णता दी है, बटन दबाकर किसी भी कार्य को सम्पन्न करने की ताकत भी दी है। मनोरंजन के विविध साधन उसे सुलभ हैं। यातायात एवं संचार के साधनों के विकास से समय और स्थान की दूरियाँ बहुत कम हो गई हैं और समूचा विश्व एक परिवार-सा लगने लगा है। कृषि और उद्योग के क्षेत्र में उत्पादन की तीव्र वृद्धि होने के कारण आज दुनिया पहले से अधिक धन-धान्य से सम्पन्न है। शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में विज्ञान की देन अभिनन्दनीय है। विज्ञान के सहयोग से मनुष्य धरती और समुद्र के अनेक रहस्य हस्तामलक करके अब अन्तरिक्ष लोक में प्रवेश कर चुका है। सर्वोपरि, विज्ञान ने मनुष्य को बौद्धिक विकास प्रदान किया है और वैज्ञानिक चिन्तन-पद्धति दी है। वैज्ञानिक चिन्तन-पद्धति से मनुष्य अन्धविश्वासों और रूढ़ि-परम्पराओं से मुक्त होकर स्वास्थ्य एवं संतुलित ढंग से सोच-विचार कर सकता है और यथार्थ एवं सम्यक जीवन जी सकता है। इससे मनुष्य के मन को युगों के अन्धविश्वसों, भ्रमपूर्ण और दकियानूसी विचारों, भय और अज्ञानता से मुक्ति मिली है। विज्ञान की यह देन स्तुत्य है। मानव को चाहिए कि वह विज्ञान की इस समग्र देन को रचनात्मक कार्यों में सुनियोजित करे।

34. **विज्ञान मानव की सबसे बड़ी शक्ति इसलिए कही गई है क्योंकि इसके बल से मनुष्य**
(a) विद्युत शक्ति का स्वामी है।
(b) प्रकृति और प्राणिजगत का सिरमौर है।
(c) सभी भौतिक सुविधाओं से सम्पन्न है।
(d) अन्तरिक्ष के क्षेत्र में सस्तक्षेप कर सकता है।

35. **वैज्ञानिक चिन्तन-पद्धति ने मनुष्य का सबसे बड़ा उपकार यह किया है कि उसे मुक्ति मिली है**
(a) सन्तुलित अनुचिन्तन से
(b) पुरानी शिष्ट औपचारिकताओं से
(c) भ्रमपूर्ण रूढ़िवादी विचारणा से
(d) प्राचीन सांस्कृतिक परम्पराओं से

36. **विश्व के परिवारवत् लगने का प्रमुख कारण है**
(a) यातायात एवं संचार साधनों का विकास
(b) विज्ञान की गतिशील शक्तियाँ
(c) विज्ञान की जीवन से घनिष्ठता
(d) विश्व-बन्धुत्व की भावना का विकास

37. **'हस्तामलक' शब्द से अभिप्रेत है**
(a) अस्पष्ट परन्तु सायास बोधगम्य
(b) पास में रखे आँवले की तरह
(c) हाथी के लिए आँवले की तरह
(d) स्पष्ट और अनायास बोधगम्य

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

SOLUTION : PRACTICE SET-30

ANSWER KEY

1. (b)	9. (d)	17. (a)	25. (c)	33. (c)
2. (b)	10. (c)	18. (a)	26. (b)	34. (b)
3. (d)	11. (c)	19. (d)	27. (d)	35. (c)
4. (c)	12. (a)	20. (a)	28. (b)	36. (a)
5. (b)	13. (c)	21. (c)	29. (c)	37. (d)
6. (d)	14. (a)	22. (d)	30. (d)	
7. (a)	15. (a)	23. (c)	31. (c)	
8. (b)	16. (c)	24. (a)	32. (b)	

SOLUTION

1. (b)
'ऐ' वर्ण का उच्चारण स्थान कंठ-तालु है, अन्य विकल्प असंगत हैं।

2. (b)
दिए गए वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न (?) प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग होगा।

अतः पूर्ण शुद्ध वाक्य होगा - अमीना, तुम कब आई ?

प्रश्नवाचक चिह्न (?) - प्रश्नवाचक चिह्न को अंग्रेजी में Question Mark कहा जाता है। जिन वाक्यों में प्रश्नात्मक भाव हो, उसके अन्त में प्रश्नवाचक चिह्न (?) लगाया जाता है।

प्रश्नवाचक (क्या, कहाँ, कब, कैसे, क्यों) वाक्यों के अंत में लगाये जाते हैं।

3. (d)
दिए गए विकल्पों में 'वकील' 'जातिवाचक संज्ञा' शब्द है। जिस संज्ञा शब्द से उसकी सम्पूर्ण जाति का बोध होता है, उसे 'जातिवाचक' संज्ञा कहते हैं। **जैसे-** मनुष्य, नदी, भैंस, वकील, नगर, डॉक्टर आदि।

4. (c)
'मैंने इस समस्या का समाधान खुद ही निकाल लिया' इस वाक्य में 'खुद ही' पद में निजवाचक सर्वनाम है। 'वाक्य में कर्ता, जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग स्वयं के लिए करता है उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहा जाता है।' **जैसे–**आप, स्वयं, खुद, अपना इत्यादि।

5. (b)
जिस शब्द से 'संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता का बोध हो, उसे 'विशेषण' कहते हैं। अतः नैतिक' शब्द विशेषण है। जो 'नीति' संज्ञा शब्द में 'इक' प्रत्यय लगाने से बना है।

6. (d)
'विद्यार्थी लिखता है' में सकर्मक क्रिया है। अन्य विकल्प तर्कसंगत नहीं हैं। ऐसी क्रिया जिसमें कर्म अपेक्षित हो सकर्मक क्रिया कहलाती है।

7. (a)
'काहे को परेशान हो रहे हो?' इस वाक्य में रीतिवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ हैं।

ऐसे अविकारी शब्द जो हमें क्रिया के होने के तरीके या विधि के बारे में बताते हैं, वे शब्द रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं।

जैसे–खरगोश तेज दौड़ता है। यहाँ तेज शब्द रीतिवाचक क्रियाविशेषण हैं।

8. (b)
प्रश्न में दिये गये शब्द कवि, सम्राट, नेता एवं विधुर के पुल्लिंग से स्त्रीलिंग परिवर्तन का सही रूप क्रमशः कवयित्री, सम्राज्ञी, नेत्री एवं विधवा है। अतः विकल्प (b) सही है।

9. (d)
दिये गये वाक्य में रेखांकित शब्द 'क्षण' एकवचन शब्द है।

10. (c)
क्रिया के उस रूप को 'पूर्णभूतकाल' कहते हैं, जिससे क्रिया की समाप्ति के समय का स्पष्ट बोध होता है। 'वे आये थे' पूर्ण भूतकाल का उदाहरण है। शेष वाक्यों का काल इस प्रकार है–

वे गये– **सामान्य भूतकाल**

वे खा रहे थे– **अपूर्ण भूतकाल**

वे सोकर उठे हैं– **आसन्न भूतकाल ।**

11. (c)
वाच्य–: क्रिया के उस परिवर्तन को वाच्य कहते हैं जिसके द्वारा इस बात का बोध होता है कि वाक्य के अन्तर्गत कर्ता, कर्म अथवा भाव इनमें से किसकी प्रधानता है। इनमें किसके अनुसार क्रिया के पुरुष वचन आदि आए हैं। वाच्य के तीन भेद होते हैं।

1. कर्तृवाच्य 2. कर्मवाच्य 3. भाववाच्य

12. (a)
भीम ने गदा से दुर्योधन को मारा। यहाँ 'गदा से' पद में करण कारक है। 'कर्त्ता अपनी क्रिया को सम्पादित करने के लिए जिस साधन का प्रयोग करता है, उस साधन विशेष की 'करण कारक' संज्ञा होती है। 'करण' कारक का चिह्न 'से', के द्वारा है।

जैसे–लकड़हारा **कुल्हाड़ी से** वृक्ष काटता है।

वह **कलम से** पत्र लिखता है।

13. (c)
'अक्षि' का तद्भव शब्द आँख होता है।

14. (a)
'उपचार' शब्द में 'उप' उपसर्ग का प्रयोग किया गया है। वह शब्दांश जो शब्द के पहले लगकर शब्द का अर्थ बदल दें उसे उपसर्ग कहते हैं।

जैसे - उपकार, उपपद, अनुकरण, अनुवाद।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

15. (a)
'पूजा' में 'आ' प्रत्यय है। वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं या नए अर्थ का बोध कराते हैं उन्हें 'प्रत्यय' कहते हैं।
जैसे- सामाजिक = समाज + इक।
नाटककार = नाटक + कार।

16. (c)

शब्द		**विलोम**
यश	–	अपयश
लाभ	–	हानि
मान	–	अपमान
भाग्य	–	दुर्भाग्य

17. (a)
अनन्त का सान्त, जड़ का चेतन और आकृष्ट का विकृष्ट विलोम होगा, जबकि अनुग्रह का विलोम विग्रह होगा; न कि आग्रह।

18. (a)
दिये गये विकल्पों में 'हेम-हिरण्य' शब्द-युग्म 'सरस्वती' का पर्यायवाची नहीं है। 'सरस्वती' के पर्यायवाची- शारदा, वागीशा, भारती, वाणी, गिरा, वीणापाणि आदि।
'स्वर्ण' के पर्यायवाची - हेम, सोना, कनक, कुंदन, कंचन आदि।

19. (d)
मार शब्द का पर्यायवाची 'अनंग' है। अनंग का आशय कामदेव से है, इसके अन्य पर्यायवाची शब्द हैं – मन्मथ, मदन, रतिपति, कुसुमेश, मनसिज, मकरध्वज, कन्दर्प, मीनकेतु आदि।

20. (a)
'प्रमत्त-स्वेच्छाचारी' का एक अन्य अर्थ उन्मत्त भी होता है, जबकि शेष विकल्प असंगत हैं।

21. (c)
शीत-शित : ठंडा - 'तेज किया गया', सही श्रुतिसम भिन्नार्थक युगल हैं। शेष असंगत हैं।

22. (d)
धरती और आकाश के बीच का स्थान 'अंतरिक्ष' कहलाता है। धरती का वह स्थान जहाँ से आकाश की शुरुआत होती है, 'क्षितिज' कहलाता है।

23. (c)
'जिसे बुलाया न गया हो' वाक्य के लिए एक शब्द है 'अनाहूत', जबकि 'जिसके आने की कोई तिथि ज्ञात न हो- अतिथि' है।

24. (a)
'वार्तालाप' का संधि-विच्छेद 'वार्ता+ आलाप' होगा। यह दीर्घ संधि का उदाहरण है।

25. (c)
दिए गए विकल्पों में, 'पर्णकुटी' में द्वंद्व समास नहीं है। 'पर्णकुटी' शब्द में तत्पुरुष समास है। तत्पुरुष समास 6 कारकों में विभक्त है।
तत्पुरुष समास :– जिस समास का उत्तर पद प्रधान हो और पूर्वपद गौण हो, उसे तत्पुरुष समास कहते हैं।
जैसे :– पर्णकुटी = पत्तों की कुटिया
राजपुत्र = राजा का पुत्र

26. (b)
'पत्र किसके नाम पर लिखा गया है' वाक्य अशुद्ध है। इसका शुद्ध रूप - 'पत्र किसके नाम लिखा गया है' होगा। शेष वाक्य शुद्ध हैं।

27. (d)
पास ही मिलकर .... दान उसको।
उपर्युक्त पंक्तियों में श्रृंगार रस है, श्रृंगार रस का स्थायी भाव 'रति/प्रेम' है।
श्रृंगार रस :– जब किसी काव्य में नायक-नायिका के प्रेम, मिलन, विरह आदि जैसी क्रियाओं का वर्णन होता है, तो वहाँ श्रृंगार रस होता है। यह दो प्रकार का होता है।
(क) संयोग श्रृंगार
(ख) वियोग श्रृंगार
उदाहरण (1) बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय
सौंह करे भौहनि हँसे, देन कहै नटि जाय
(2) हे खग मृग हे मधुकर श्रेनी।
तुम देखी सीता मृगनैनी।।

28. (b)
सोरठा एक अर्द्ध सम मात्रिक छंद है। इसके पहले एवं तीसरे चरण में 11-11 मात्राएँ तथा दूसरे एवं चौथे चरण में 13-13 मात्राएँ होती हैं। यह दोहे का उल्टा होता है। **उदाहरण-**
जो सुमिरत सिधि होय, गननायक करिवर बदन।
करहु अनुग्रह सोय, बुद्धि रासि सुभ गुन सदन।।

29. (c)
'जेते तुम तारे, तेते नभ में न तारे हैं' पंक्ति में यमक अलंकार है। जब एक शब्द का प्रयोग कई बार होता है और प्रत्येक बार उसके अर्थ अलग-अलग होते हैं तब वहाँ 'यमक अलंकार' होता है। **उदाहरण–** ऊँचे घोर मन्दर के अंदर रहन बारी, ऊँचे घोर मन्दर के अन्दर रहती है।

30. (d)
खड्ग विलास प्रेस पटना से संबंधित है। इस प्रेस की स्थापना उत्तर प्रदेश के बलिया निवासी महाराज कुमार रामदीन सिंह ने सन् 1880 में की थी। इस प्रकाशन संस्थान ने भारतेन्दु हरिश्चंद्र, पंडित प्रताप नारायण मिश्र, पंडित अंबिका दत्त व्यास, अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' आदि प्रभृति साहित्यकारों को प्रकाशकीय संरक्षण प्रदान किया और उनकी कृतियों के प्रकाशन पर मुक्तहस्त से व्यय किया।

31. (c)
'घर का भेदी लंका ढाए' कहावत का अर्थ है– आपसी फूट से सर्वनाश होता है।

32. (b)
'कब बबा मरहीं त कब बरा चुरही' का आशय 'कार्य का अनिश्चित होना' होता है। अन्य विकल्प लोकोक्ति के आशय से त्रुटिपूर्ण हैं।

33. (c)
'स्वयंभू' को अपभ्रंश का वाल्मीकि कहा जाता है। स्वयंभू, अपभ्रंश भाषा के महाकवि थे। इनकी प्रमुख रचना- पउमचरिउ, रिट्ठणेमिचरिउ, स्वयंभू छंद हैं। इनकी रचनाओं में महाकाव्य के सभी गुण विकसित मिलते हैं।

34. (b)
गद्यांश के अनुसार विज्ञान मानव की सबसे बड़ी शक्ति इसलिए कही गयी है क्योंकि इसके बल से मनुष्य प्रकृति और प्राणिजगत का सिरसौर है।

35. (c)
वैज्ञानिक चिन्तन-पद्धति से मानव जीवन में व्याप्त भ्रमपूर्ण रुढ़िवादी विचारधाराओं से मुक्त मिली है।

36. (a)
यातायात एवं संचार साधनों के विकास से समय एवं स्थान की दूरियाँ बहुत कम हो गयी हैं जिसके फलस्वरूप समूचा विश्व एक परिवार-सा प्रतीत होने लगा है।

37. (d)
दिये गये गद्यांश के अनुसार हस्तामलक शब्द का अभिप्राय 'स्पष्ट और अनायास बोधगम्य' से है।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-31

1. **ओष्ठ्य अल्पप्राण घोष वर्ण का उदाहरण कौन-सा है?**
(a) भ् (b) ब् (c) प् (d) फ्

2. **(?) इस विराम चिह्न का नाम है–**
(a) पूर्णविराम (b) प्रश्नवाचक
(c) अल्पविराम (d) योजक

3. **निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्द कौन-सी संज्ञा दर्शाता है?**
इतिहास में कई <u>चन्द्रगुप्त</u> मिलते हैं।
(a) व्यक्तिवाचक (b) भाववाचक
(c) क्रियार्थक (d) जातिवाचक

4. **निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए वाक्य के अनुसार सर्वनाम के भेद का सही विकल्प है।**
मै स्वयं गाड़ी चला सकती हूँ।
(a) संबंधवाचक (b) अनिश्चयवाचक
(c) प्रश्नवाचक (d) निजवाचक

5. **विशेषण शब्द नहीं है–**
(a) लजीला (b) लाड़ला
(c) लांछन (d) लापता

6. **जिस क्रिया से सूचित होने वाला व्यापार कर्त्ता करे और उसका फल कर्त्ता पर ही पड़े उसे ________ क्रिया कहते हैं।**
(a) व्युत्पन्न (b) अकर्मक
(c) सम्मिश्र (d) सकर्मक

7. **'कोरोना अचानक फैल गया।' –इस वाक्य में 'अचानक' किस प्रकार का क्रिया विशेषण है?**
(a) कालवाचक क्रियाविशेषण
(b) स्थानवाचक क्रियाविशेषण
(c) रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(d) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

8. **इनमें कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग नहीं है?**
(a) दवात (b) दवान
(c) दवाई (d) दवार

9. **वचन के आधार पर असंगत शब्द युग्म है:**
(a) विद्यार्थी - विद्यार्थियों (b) गुब्बारा - गुब्बारे
(c) कलम - कलमें (d) मेज - मेजें

10. **'लोग बड़ी-बड़ी गाड़ियाँ लेकर आ रहे थे'। वाक्य का काल पहचानिए।**
(a) अपूर्ण वर्तमानकाल (b) सामान्य भूतकाल
(c) सामान्य भविष्यकाल (d) अपूर्ण भूतकाल

11. **निम्नलिखित में से किस वाक्य में 'कर्तृवाच्य' का प्रयोग हुआ है?**
(a) मजदूर से दर्द के कारण उठा नहीं गया।
(b) छात्रों द्वारा सजावट की गई।
(c) आज नागरिकों द्वारा सफाई अभियान चलाया गया।
(d) मोहन पुस्तक पढ़ रहा है।

12. **'वह पब्लिक के हाथों मारा गया।' इसमें कौन-सा कारक है?**
(a) अधिकरण (b) कर्म
(c) संप्रदान (d) करण

13. **निम्नलिखित शब्दों में से तद्भव शब्द को पहचानिए?**
(a) आलस (b) कुष्ठ
(c) अंधकार (d) उल्लास

14. **इनमें से 'उपसर्ग' सहित शब्द कौन-सा है?**
(a) प्रयोग (b) ममता
(c) प्रस्ताव (d) प्रतिभा

15. **सनसनाहट' शब्द में कौन-सा प्रत्यय प्रयुक्त है?**
(a) सन (b) सनसन
(c) हट (d) आहट

16. **'इच्छा' का विलोम शब्द है –**
(a) अइच्छा
(b) आशा
(c) अनिच्छा
(d) इच्छाहीन

17. **किस विकल्प में सही विलोम-युग्म है ?**
(a) करुण - निष्ठुर (b) आस्तिक - अधार्मिक
(c) संकल्प - अकल्प (d) सुदूर - विस्तार

18. **इनमें 'मदिरा' का पर्यायवाची कौन सा नहीं है?**
(a) सुरा (b) मधु
(c) अमी (d) मद

19. **'अत:' शब्द का समानार्थी पहचानिए?**
(a) अन्यथा (b) अतएव
(c) परिणामतः (d) अस्तु

20. **इनमें से कौन-सा शब्द 'कनक' का अर्थ नहीं है?**
(a) धतूरा (b) सोना
(c) खजूर (d) केश

21. **एक युग्म अशुद्ध है**
(a) अनाथ - अनाथा (b) अश्व - अश्वा
(c) चातक - चातकी (d) सुलोचन –सुलोचनी

22. **'जो अपने स्थान या स्थिति से अलग न किया जा सके'–**
(a) अच्युत (b) अटूट
(c) अटल (d) अदेय

23. **'वह स्त्री जिसका पति दूसरा विवाह कर ले'–इस वाक्यांश के लिए एक शब्द है :**
(a) 'अध्यूढ़ा' (b) 'परित्यक्ता'
(c) 'अनूढ़ा' (d) 'खण्डिता'

24. **'देवीच्छा' का संधि-विच्छेद होगा-**
(a) देवि + इच्छा (b) देवि + ईच्छा
(c) देवी + इच्छा (d) देवी + ईच्छा

25. **'योगदान' शब्द किस समास का उदाहरण है?**
(a) तत्पुरुष
(b) बहुव्रीहि
(c) द्वंद्व
(d) इनमें से कोई नहीं

26. **निम्नलिखित में से एक अशुद्ध वाक्य है–**
(a) पूज्यास्पद व्यक्ति का सम्मान करना चाहिए।
(b) दक्षिण भारत के लोग हिन्दीतर भाषी हैं।
(c) सुरेखा ने गीत की दो-चार कड़ियाँ गायीं।
(d) अब परीक्षा-प्रणाली बदलनी चाहिए।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

27. वियोग के अन्तर्गत कितनी कामदशाएँ मानी गयी हैं?
(a) 11 (b) 8
(c) 10 (d) 9

**28. ''जिहि सुमिरत सिधि होइ। गननायक करिवर बदन।
करहु अनुग्रह सोइ। बुद्धि राशि सुभ गुन सदन।।''
उपर्युक्त पंक्तियों में छन्द है –**
(a) दोहा (b) सोरठा
(c) बरवै (d) रोला

**29. तो पर वारौं उर बसी, सुन राधिके सुजान।
तू मोहन की उर बसी कैं ह्वै उरबसी समान।
उपर्युक्त दोहे में कौन-सा अलंकार है?**
(a) यमक (b) अनुप्रास
(c) श्लेष (d) वक्रोक्ति

30. केंद्रीय हिंदी निदेशालय का मुख्यालय कहाँ है?
(a) हैदराबाद (b) नई दिल्ली
(c) आगरा (d) गुवाहाटी

31. 'कड़ाही से गिरा चूल्हे में आ पड़ा' का भाव है –
(a) एक विपत्ति से छूटकर दूसरी में आ पड़ना
(b) कड़ाही और चूल्हा पास-पास होता है
(c) एक बार भूल होती है तो बार-बार होती है
(d) कड़ाही चूल्हे में गिर गई

32. निम्नलिखित में सही 'कहावत' कौन सी है?
(a) फीकी दुकान ऊँचा पकवान
(b) फीका पकवान ऊँची दुकान
(c) ऊँची दुकान फीका पकवान
(d) फीकी दुकान फीका पकवान

33. मुगल बादशाह शाहजहाँ ने किस कवि को 'महाकविराय' की पदवी दी थी?
(a) सेनापति (b) कादिर
(c) बनारसीदास (d) सुंदरदास

निर्देश-दिये गए निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दिजिए।

लक्ष्मण ने अकृत्रिम भ्रातृस्नेह के कारण बड़े भाई का साथ दिया। उन्होंने राज-पाट छोड़ कर अपना शरीर रामचंद्र को अर्पण किया। यह बहुत बड़ी बात है पर उर्मिला ने इससे भी बढ़कर आत्मोत्सर्ग किया। उसने अपनी आत्मा की अपेक्षा अधिक प्यारा अपना पति राम-जानकी के लिए दे डाला और यह आत्मसुखोत्सर्ग उसने तब किया जब उसे ब्याह कर आये हुए कुछ ही समय हुआ था। उसने अपने सांसारिक सुख के सबसे अच्छे अंश से हाथ धो डाला। जो सुख विवाहोत्तर उसे मिलता उसकी बराबरी 14 वर्ष पति-वियोग के बाद का सुख कभी नहीं कर सकता। नवोढ़त्व को प्राप्त होते ही जिस उर्मिला ने रामचंद्र और जानकी के लिए अपने सुख-सर्वस्व पर पानी डाल दिया उसी के लिए अंतर्दर्शी आदि कवि के शब्द-भण्डार में दरिद्रता।

34. लक्ष्मण राम के साथ वनवास के लिए क्यों गए?
(a) रामचंद्र की सेवा के लिए।
(b) पिता की आज्ञा के कारण।
(c) भाई के प्रति अत्यधिक प्रेम के कारण।
(d) उर्मिला से दूर जाने के लिए।

35. लेखक को क्या दुःख है?
(a) रामचंद्र राज-पाट छोड़कर वनवास को चले गए।
(b) लक्ष्मण भी भाई राम के साथ वनवास को चले गए।
(c) उर्मिला का लक्ष्मण से वियोग हो गया।
(d) रचनाकारों ने उर्मिला के विषय में कुछ नहीं लिखा।

36. उर्मिला ने क्या बलिदान नहीं दिया?
(a) लक्ष्मण से विवाह किया।
(b) अपनी बहन सीता का वियोग सहा।
(c) लक्ष्मण को रामचंद्र के साथ वनवास के लिए जाने दिया।
(d) सांसारिक सुखों का त्याग किया।

37. 'उसने अपने सांसारिक सुख के सबसे अच्छे अंश से हाथ धो डाला।' इस पंक्ति से लेखक का क्या तात्पर्य है?
(a) उर्मिला को श्री रामचंद्र के साथ रहने का सौभाग्य नहीं मिला।
(b) उर्मिला को नवोढ़त्व में पति के साथ के सुख का त्याग करना पड़ा।
(c) उर्मिला को अपनी बहन जानकी के वियोग को सहन करना पड़ा।
(d) वह विवाह कर पिता के घर से पति गृह आ गई।

SOLUTION : PRACTICE SET-31

ANSWER KEY

1. (b)	9. (a)	17. (a)	25. (a)	33. (d)
2. (b)	10. (d)	18. (c)	26. (a)	34. (c)
3. (d)	11. (d)	19. (b)	27. (c)	35. (d)
4. (d)	12. (d)	20. (d)	28. (b)	36. (a)
5. (c)	13. (a)	21. (d)	29. (a)	37. (b)
6. (b)	14. (a)	22. (a)	30. (b)	
7. (c)	15. (d)	23. (a)	31. (a)	
8. (d)	16. (c)	24. (c)	32. (c)	

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION

1. (b)

वर्ण	–	उच्चारण प्रकार
भ्	–	ओष्ठ्य महाप्राण घोष वर्ण
ब्	–	ओष्ठ्य अल्पप्राण घोष वर्ण
प्	–	ओष्ठ्य अल्पप्राण अघोष वर्ण
फ्	–	ओष्ठ्य महाप्राण अघोष वर्ण

2. (b)
(?) यह 'प्रश्नवाचक चिह्न' है। प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग प्रश्नवाचक वाक्यों के अन्त में किया जाता है। इसके अतिरिक्त 'जहाँ स्थिति निश्चित न हो' तथा 'व्यंग्योक्तियों' में भी इसका प्रयोग किया जाता है, किन्तु कुछ परिस्थितियों में यह प्रयुक्त नहीं होता है; **जैसे–**

जिन वाक्यों में प्रश्नवाचक शब्द सम्बन्धवाचक शब्दों की भाँति प्रयुक्त होते हैं, उनमें प्रश्नवाचक विराम चिह्न प्रयुक्त नहीं होता है; **उदाहरण–** वह नहीं जानता कि मैं क्या चाहता हूँ।

3. (d)
दिये गये वाक्य 'इतिहास में हमें कई <u>चन्द्रगुप्त</u> मिलते हैं' में 'चन्द्रगुप्त' जातिवाचक संज्ञा है, क्योंकि वाक्य में 'चन्द्रगुप्त' अनेक के लिए प्रयुक्त हुआ है।

4. (d)
दिए गए वाक्य-'मैं स्वयं गाड़ी चला सकती हूँ।' वाक्य में 'स्वयं' निजवाचक सर्वनाम होगा।

- प्रयोग के आधार पर सर्वनाम के छः भेद हैं -

(i) पुरुष वाचक सर्वनाम - मैं, हम, तुम, आप, ये, वे, वह।
(ii) निश्चयवाचक सर्वनाम – यह, ये, वे, वह।
(iii) अनिश्चयवाचक सर्वनाम - कोई, कुछ।
(iv) निजवाचक सर्वनाम - आप, स्वयं, खुद।
(v) सम्बन्धवाचक सर्वनाम - जो, सो।
(vi) प्रश्नवाचक सर्वनाम - क्या, कौन, कैसे, कहाँ, कब, क्यों।

5. (c)
संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं और विशेषण के प्रयोग से जिस संज्ञा अथवा सर्वनाम का गुण अथवा धर्म प्रकट होता है, विशेष्य कहलाता है। प्रश्नगत सन्दर्भ में लजीला, लाड़ला और लापता विशेषण हैं, जबकि लांछन विशेष्य है।

6. (b)
जिस क्रिया से सूचित होने वाला व्यापार कर्त्ता करे और उसका फल कर्त्ता पर ही पड़े उसे '<u>अकर्मक</u>' क्रिया कहते हैं।

7. (c)
'कोरोना अचानक फैल गया।' इस वाक्य में 'अचानक' शब्द रीतिवाचक क्रियाविशेषण है। रीतिवाचक क्रियाविशेषण वे होते हैं, जो क्रिया के घटित होने के तरीके या रीति से संबंधित विशेषता का ज्ञान करवाते हैं, **जैसे**- इसलिए, परस्पर, यथा, तथा, अचानक, एकाएक आदि।

8. (d)
विकल्प **(d)** में दिया गया शब्द 'दवार' स्त्रीलिंग नहीं बल्कि 'पुल्लिंग' शब्द है। शेष सभी विकल्प **जैसे**- दवात, दवान, दवाई, स्त्रीलिंग शब्द हैं।

9. (a)
'विद्यार्थी-विद्यार्थियों' वचन के आधार पर असंगत शब्द-युग्म है। इसका संगत शब्द-युग्म 'विद्यार्थी-विद्यार्थीगण' होगा।

10. (d)
'लोग बड़ी–बड़ी गाड़ियाँ लेकर आ रहे थे।' वाक्य का काल 'अपूर्ण भूतकाल' है। क्रिया के जिस रूप से, क्रिया का भूतकाल में होना पाया जाये, परन्तु उसकी समाप्ति के समय का बोध न हो, वह 'अपूर्ण भूतकाल' कहलाता है। प्रश्नगत वाक्य में क्रिया का होना तो है, परन्तु समाप्ति का समय स्पष्ट नहीं है।

11. (d)
'मोहन पुस्तक पढ़ रहा है।' इस वाक्य में कर्तृवाच्य का प्रयोग हुआ है। जिस वाक्य में कर्ता की प्रधानता होती है, वह वाक्य कर्तृवाच्य का वाक्य होता है। **जैसे**-रामू क्रिकेट खेल रहा है। शेष विकल्पों में दिये गये वाक्य **जैसे**-'मजदूर से दर्द के कारण उठा नहीं गया।'-'भाववाच्य' का तथा छात्रों द्वारा सजावट की गई एवं आज नागरिकों द्वारा सफाई अभियान चलाया गया। यह दोनों वाक्य 'कर्मवाच्य' के उदाहरण हैं।

12. (d)
'वह पब्लिक के हाथों मारा गया' में करण कारक है। वह साधन जिसके द्वारा क्रिया पूरी होती है अर्थात् जिसके जरिये कोई भी कार्य पूरा किया जाता है, उसे करण कारक कहा जाता है। करण कारक में 'से' एवं 'के द्वारा' विभक्ति चिह्न का प्रयोग होता है।

13. (a)
दिये गये शब्दों में 'आलस' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम आलस्य होता है।

तत्सम	**तद्भव**
आलस्य	आलस
कुष्ठ	कोढ़
अन्धकार	अँधेरा
उल्लास	हुलास

14. (a)
'प्रयोग' शब्द में 'प्र' उपसर्ग का प्रयोग किया गया है। जब कोई शब्दांश मूल शब्द के पहले जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देता है तो उसे उपसर्ग कहते हैं।
जैसे- सम् उपसर्ग से निर्मित शब्द - संस्कार, संगम, संभव

15. (d)
'सनसनाहट' शब्द में 'आहट' प्रत्यय प्रयुक्त हुआ है। वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता उत्पन्न कर देते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं। प्रत्यय मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं-
(i) कृत प्रत्यय (ii) तद्धित प्रत्यय
'आहट' प्रत्यय से बने कुछ शब्द इस प्रकार हैं-
आहट- घबराहट, खिलखिलाहट आदि।

16. (c)
'इच्छा' का विलोम शब्द 'अनिच्छा' होता है जबकि 'आशा' का विलोम 'निराशा' होता है।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

17. (a)
'करुण-निष्ठुर' विलोम युग्म सही है। शेष असंगत हैं।

18. (c)
उपर्युक्त विकल्पों में विकल्प 'अमी' शब्द 'मदिरा' का पर्यायवाची शब्द नहीं है।

शब्द	**पर्यायवाची**
मदिरा	सुरा, मद, शराब, सोमरस, मधु
अमृत	अमी, पीयूष, सुधा, अमिय
शहद	पुष्परस, मधु, आसव, रस, मकरन्द

19. (b)
'अत:' शब्द का समानार्थी शब्द 'अतएव' है।

20. (d)
दिये गये विकल्पों में 'केश' शब्द 'कनक' शब्द का अर्थ नहीं है जबकि धतूरा, सोना, खजूर आदि कनक के अनेकार्थी शब्द हैं।

21. (d)
सुलोचन-सुलोचनी अशुद्ध युग्म है। इसका शुद्ध शब्द युग्म सुलोचन-सुलोचना होगा जिसमें सुलोचन का अर्थ है सुन्दर नयन वाला पुरुष व सुलोचना का अर्थ है सुन्दर नयन वाली स्त्री।

22. (a)
वाक्यांशों का विवरण–

वाक्यांश	**एक शब्द**
• जो अपने स्थान या स्थिति से अलग न किया जा सके	अच्युत
• न टूटने वाला	अटूट
• जो अपनी बात से न टले	अटल
• जो दिया न जा सके	अदेय

23. (a)
निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द इस प्रकार होंगे-
• वह स्त्री जिसका पति दूसरा विवाह कर ले -- अध्यूढ़ा/अध्यूढ़ा
• वह स्त्री जिसका पति रात को किसी अन्य स्त्री के पास रहकर प्रातः उसके पास आता हो -------खंडिता
• वह स्त्री जिसे पति ने त्याग (छोड़ा) दिया हो --- परित्यक्ता

24. (c)
'देवीच्छा' का संधि-विच्छेद 'देवी + इच्छा' होगा। यह दीर्घ संधि का उदाहरण है। दो समान स्वर वर्ण मिलकर दीर्घ हो जाते हैं, यदि 'अ', 'आ', 'इ', 'ई', 'उ', 'ऊ' और 'ऋ' के बाद वे ही ह्रस्व या दीर्घ स्वर आएँ, तो दोनों मिलकर क्रमशः 'आ' 'ई' 'ऊ' और 'ऋ' हो जाते हैं।

25. (a)
'योगदान' शब्द 'तत्पुरुष समास' का उदाहरण है। तत्पुरुष समास में पहला पद गौण होता है और अन्तिम पद की प्रधानता होती है। कर्त्ता कारक और सम्बोधन को छोड़कर शेष सभी कारकों में विभक्तियाँ लगाकर इसका समास-विग्रह होता है।

26. (a)
पूज्यास्पद व्यक्ति का सम्मान करना चाहिए में 'पूज्यास्पद' शब्द की वर्तनी अशुद्ध है इसका शुद्ध रूप 'पूजास्पद' होगा। जबकि शेष वाक्य शुद्ध हैं।

27. (c)
वियोग के अंतर्गत 10 कामदशाएँ मानी गयी हैं।

28. (b)
उपर्युक्त पंक्तियाँ कविता-कानन केसरी, कवि कुल कलाधार, सन्त शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास द्वारा विरचित प्रसिद्ध महाकाव्य 'रामचरितमानस' से उद्धृत हैं। यह पंक्तियाँ सोरठा छन्द में निबद्ध हैं। सोरठा छन्द 'दोहे' के विपरीत होता है। इसके पहले और तीसरे चरण में 11-11 मात्राएं होती हैं तथा दूसरे और चौथे चरण में 13-13 मात्राएँ होती हैं।

29. (a)
उपर्युक्त दोहे में यमक अलंकार है क्योंकि उर बसी शब्द तीन बार आया है और हर बार उसमें अर्थ भिन्न है। प्रथम उरबसी का अर्थ– 'अप्सरा (उर्वशी)' है द्वितीय उरबसी का अर्थ– 'हृदय में बसी' तथा तृतीय उरबसी का अर्थ– 'कण्ठाहार (माला)' है अतः यहाँ यमक अलंकार है।

30. (b)
केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय 'नई दिल्ली' में स्थित है, यह एक सरकारी विभाग है, हिन्दी का प्रचार-प्रसार करने और भारत के संविधान के अनुच्छेद-351 के अनुसरण को समग्र भारत की सम्पर्क भाषा के रूप में इसका विकास हुआ। केन्द्रीय हिंदी निदेशालय की **स्थापना- 1 मार्च, 1960 ई.** में तत्कालीन शिक्षा मंत्रालय अब मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग के अंतर्गत की गयी थी।
Note:- केन्द्रीय हिंदी निदेशालय का क्षेत्रीय कार्यालय- चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद और गुवाहाटी में स्थित है।

31. (a)
'कड़ाही से गिरा चूल्हे में आ पड़ा' का भाव है, एक विपत्ति से छूटकर दूसरी में आ पड़ना।

32. (c)
निम्नलिखित में सही 'कहावत' ऊँची दुकान फीका पकवान है। इसका अर्थ है- दिखावा ही दिखावा/आडम्बर ही आडम्बर।

33. (d)
मुगल बादशाह शाहजहाँ ने कवि 'सुंदरदास' को 'महाकविराय' की उपाधि दी।

34. (c)
गद्यांश के अनुसार भाई के प्रति अत्यधिक प्रेम के कारण लक्ष्मण राम के साथ वनवास के लिए गए। गद्यांश के प्रथम पंक्ति में ही स्पष्ट कथन है कि लक्ष्मण ने अकृत्रिम भ्रातृस्नेह के कारण बड़े भाई का साथ दिया।

35. (d)
गद्यांश के अनुसार लेखक को दुःख है कि रचनाकारों ने उर्मिला के विषय में कुछ नहीं लिखा। 'अंतर्दर्शी आदि कवि के शब्द-भण्डार में दरिद्रता!' से लेखक ने साहित्यकारों की उर्मिला विषयक उपेक्षा की ओर संकेत किया है।

36. (a)
उर्मिला का लक्ष्मण के साथ विवाह करना बलिदान नहीं बल्कि उर्मिला के जीवन का प्राप्य था। अपनी बहन सीता का वियोग सहना, लक्ष्मण (अपने पति) को रामचन्द्र के साथ वनवास के लिए जाने देना तथा सांसारिक सुखों का त्याग करना उर्मिला द्वारा किये गये प्रमुख बलिदान हैं।

37. (b)
'उसने अपने सांसारिक सुख के सबसे अच्छे अंश से हाथ धो डाला।' इस पंक्ति से लेखक का तात्पर्य है कि उर्मिला को नवोढ़त्व (नवविवाहिता होने का भाव) में पति के साथ के सुख का त्याग करना पड़ा।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET-32

1. तालव्य ध्वनियाँ कौन-सी हैं?
(a) च, छ (b) क, ख
(c) ट, ढ (d) प, फ

2. एक वाक्य में विराम चिह्न का गलत प्रयोग हुआ है-
(a) वह नहीं जानता कि मैं क्या कहना चाहता हूँ।
(b) आपने क्या कहा था, सो मैंने नहीं सुना।
(c) उत्तर प्रदेश की राजधानी बताओ।
(d) वह ऐसा क्यों कहता था कि हम वहाँ न जायेंगे।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द जातिवाचक संज्ञा है?
(a) पर्वत (b) मिठास
(c) कर्मचारी (d) गंगा

4. इनमें से 'निजवाचक सर्वनाम' का प्रयोग किस वाक्य में हुआ है?
(a) आज अपनापन कहाँ है।
(b) यह समस्या मैं आप ही हल कर लूंगा।
(c) यह मेरी निजी पुस्तक है।
(d) अपनों से क्या छिपाना।

5. 'इन्द्रिय' का विशेषण शब्द है-
(a) इन्द्रीय (b) इन्द्रिक
(c) ऐन्द्रि (d) ऐन्द्रिय

6. निम्नलिखित में से किस वाक्य की क्रिया अकर्मक है?
(a) दीना निबंध लिखता है।
(b) पक्षी उड़ रहे हैं।
(c) सुरेश सामान उठाता है।
(d) रोहित बलराम को खिला रहा है।

7. 'चोर वहाँ दीवार के पास खड़ा था।' - इस वाक्य में 'वहाँ' किस प्रकार का क्रियाविशेषण है?
(a) कालवाचक क्रियाविशेषण
(b) रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(c) स्थानवाचक क्रियाविशेषण
(d) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

8. इनमें से कौन-सा शब्द 'पुल्लिंग' है?
(a) यशस्वी (b) हथिनी
(c) अभिनेत्री (d) आँख

9. निम्नलिखित में बहुवचन की दृष्टि से कौन-सा शब्द-युग्म सही नहीं है?
(a) टोपी - टोपियाँ (b) हथौड़ी - हथौड़ियाँ
(c) भैंस - भैंसों (d) लड़का - लड़के

10. निम्नलिखित वाक्यों में से अपूर्ण भूतकाल को पहचानिए:
(a) रामू खाना खा रहा था। (b) माँ खाना बना चुकी है।
(c) मुझे बाहर जाना है। (d) हम घूमने जाएँगे।

11. 'कोहली द्वारा शतक लगाया गया' इस वाक्य का कर्तृवाच्य में रूपांतरित वाक्य क्या होगा?
(a) कोहली शतक लगाएगा (b) कोहली ने शतक लगाया
(c) कोहली ने शतक मारा (d) कोहली ने शतक बना

12. 'बच्चे बस से पाठशाला जाते हैं।' इस वाक्य में कौन-सा कारक है?
(a) कर्म (b) करण
(c) अपादान (d) सम्प्रदान

13. 'तद्भव' शब्द निर्दिष्ट कीजिए –
(a) आधा (b) कूप
(c) विद्या (d) व्योम

14. इनमें से कौन-सा शब्द एक से अधिक उपसर्गों से बना है?
(a) पर्यावरण (b) असुरक्षित
(c) अधकचरा (d) अत्याचार

15. 'कुलीन' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(a) ईन (b) न
(c) कुल (d) लीन

16. गलत विलोमार्थक युग्म चुनिए।
(a) अचेत - सचेत (b) अर्जन – वर्जन
(c) आगत - अनागत (d) इष्ट - अभिष्ट

17. किस विकल्प में सही विलोम-युग्म है?
(a) साँझ - दोपहर (b) कृपण - दाता
(c) शुष्क - क्षुद्र (d) प्रसन्न - प्रफुल्लन

18. 'बोध' शब्द का समानार्थी शब्द कौन सा है?
(a) अनुभूति (b) विस्मृति
(c) बोझ (d) शांत

19. आविर्भाव का समानार्थी क्या है?
(a) विश्लेषण (b) अवतरण
(c) रूपगत (d) सम्प्रदाय

20. अर्थ की दृष्टि से कौन-सा शब्द 'अज' से संबद्ध नहीं है?
(a) दशरथ के पिता का नाम (b) बकरा
(c) कमल (d) ब्रह्मा

21. 'श्वेत' और 'स्वेद' का अर्थ है:
(a) स्वक्ष और पसीना (b) सफेद और मनमाना
(c) सफेद और पसीना (d) निजी और सफेद

22. 'ऐसी जीविका जिसका कुछ ठीक-ठिकाना न हो' के लिए एक शब्द है
(a) आकाश कुसुम (b) आकाशवृत्ति
(c) आकाश सलिल (d) आकाशफल

23. 'जिसका निवारण न हो सके' के लिए एक शब्द है :
(a) अविकल (b) अनिर्धार्य
(c) अनिर्णीत (d) अनिवार्य

24. 'मातृणाम्' का शुद्ध संधि-विच्छेद है
(a) मात + ऋणाम् (b) मातृ + ऋणाम्
(c) मात + रिणाम् (d) मातर + इणाम्

25. किस शब्द में तत्पुरुष समास नहीं है?
(a) विश्वविख्यात (b) आश्चर्यचकित
(c) विषधर (d) हिमपात

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

26. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य छाँटिए ।
(a) अनाधिकार प्रवेश मना है।
(b) अनधिकार प्रवेश मना है।
(c) अनधीकार प्रवेश मना है।
(d) अनाधिकारी प्रवेश मना है।

27. इनमें से किसे उज्ज्वल रस या मधुर रस भी कहते हैं?
(a) भक्ति (b) शृंगार
(c) हास्य (d) वत्सल

28. मात्रा-क्रम की दृष्टि से दोहा के ठीक विपरीत पड़ने वाले छंद का नाम है :
(a) रोला (b) चौपाई
(c) सोरठा (d) हरिगीतिका

29. 'सूर-सूर तुलसी शशि उड्गन केशवदास।
और कवि खद्योत सम जँह तँह करत प्रकास।।'
इन पंक्तियों में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है?
(a) अनुप्रास (b) यमक
(c) उत्प्रेक्षा (d) विरोधाभास

30. 'नई समीक्षा' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किस विद्वान ने किया था?
(a) आई. आर. रिचर्ड्स (b) स्पिन्गार्न
(c) नार्थ फ्राइप (d) स्पेंगलर

31. 'काला अक्षर भैंस बराबर' लोकोक्ति का सही अर्थ है–
(a) पढ़ा लिखा न होना (b) पढ़ा लिखा होना
(c) विद्वान होना (d) मूर्ख होना

32. आग लगने पर कुआँ खोदना - लोकोक्ति का सही अर्थ होगा:
(a) जल्दी से कार्य करना
(b) संकट के समय बचाव के लिए सोचना
(c) मुसीबत आने से घबरा जाना
(d) कुआँ खोदकर पुण्य कमाना

33. निम्नलिखित दोहा किसका है?
माला तो कर में फिरै जीभ फिरै मुख माहिं ।
मनुआ तो चहुँ दिसि फिरै यह तो सुमिरन नाहिं ।।
(a) तुलसीदास (b) दादूदयाल
(c) कबीरदास (d) रहीम

निर्देश-दिये गए निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दिजिए।

कला और जीवन का सम्बन्ध अन्योन्याश्रित है। कलाकार, कल्पना और यथार्थ का समन्वय कर समाज के समक्ष आदर्श रूप प्रस्तुत करता है। इसी कारण जीवन का कला के स्वरूप पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। कलाकार जीवन के यथार्थ रूप को ही चित्रित नहीं करता, वरन् वह आदर्श रूप को भी प्रस्तुत करता है। इस प्रकार जीवन का कला पर और कला का जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ता है कलावाद अर्थात् कला, कला के लिए सम्बन्धी विचारों में जीवन के लिए उपयोगी कला ही श्रेयस्कर मानी गई है।

34. कला और जीवन अन्योन्याश्रित हैं का तात्पर्य है–
(a) जीवन में दोनों उपयोगी हैं।
(b) एक दूसरे से पृथक हैं।
(c) एक दूसरे पर आश्रित हैं।
(d) किसी अन्य तत्व पर आश्रित हैं।

35. कौन–सी कला श्रेष्ठ मानी गई है?
(a) जो कलावाद पर आधारित हो।
(b) जो प्रकृति का चित्रण करती हो।
(c) जो कल्पना पर आधारित हो।
(d) जो जीवनोपयोगी हो।

''स्याम गौर किमि कहौं बखानी।
गिरा अनयन नयन बिनु बानी।।''

36. इस पद्य में कौन–सा भाव है?
(a) करुण भाव (b) ओज भाव
(c) सुकुमार भाव (d) मधुर भाव

37. यह पद्यांश किस कवि का है?
(a) कुंभनदास (b) सूरदास
(c) तुलसीदास (d) नाभादास

SOLUTION : PRACTICE SET- 32

ANSWER KEY

1. (a)	9. (c)	17. (b)	25. (c)	33. (c)
2. (c)	10. (a)	18. (a)	26. (b)	34. (c)
3. (a)	11. (b)	19. (b)	27. (a)	35. (d)
4. (b)	12. (b)	20. (c)	28. (c)	36. (d)
5. (d)	13. (a)	21. (c)	29. (b)	37. (c)
6. (b)	14. (a)	22. (b)	30. (b)	
7. (c)	15. (a)	23. (d)	31. (a)	
8. (a)	16. (d)	24. (b)	32. (b)	

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION

1. (a)
वे ध्वनियाँ जिनके उच्चारण में जिह्वा तालु को स्पर्श करती हैं, तालव्य ध्वनियाँ कहलाती हैं। हिन्दी वर्णमाला में इ, ई, च, छ, ज, झ, ञ, य तथा श तालव्य ध्वनियाँ हैं।

2. (c)
'उत्तर प्रदेश की राजधानी बताओ वाक्य' में विराम चिह्न का गलत प्रयोग हुआ है। यह एक प्रश्नवाचक वाक्य है। अतः शुद्ध वाक्य 'उत्तर प्रदेश की राजधानी बताओ?' होगा।

3. (a)
जो संज्ञा किसी जाति का बोध कराती है, जातिवाचक संज्ञा कहलाती है; **जैसे-** नदी, पर्वत, लकड़ी आदि।

4. (b)
वाक्य 'यह समस्या मैं आप ही हल कर लूंगा' में निजवाचक सर्वनाम का प्रयोग किया गया है। जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं उन्हें 'सर्वनाम' कहते हैं। सर्वनाम के भेद-पुरुषवाचक, निजवाचक, निश्चयवाचक, अनिश्चयवाचक, संबंधवाचक, प्रश्नवाचक आदि।

5. (d)
'इन्द्रिय' शब्द का विशेषण पद 'ऐन्द्रिय' है जबकि ईश्वर का विशेषण 'ईश्वरीय' और इतिहास का विशेषण 'ऐतिहासिक' होता है।

6. (b)
दिये गये वाक्यों में 'पक्षी उड़ रहे हैं' वाक्य की क्रिया अकर्मक है। जिन क्रियाओं का व्यापार और फल कर्त्ता पर पड़े, वे अकर्मक क्रिया कहलाती हैं। अकर्मक क्रियाओं का कर्म नहीं होता, क्रिया का व्यापार और फल दूसरे पर न पड़कर स्वयं कर्त्ता पर पड़ता है।

जैसे- 1. बच्चा सो रहा है।
2. श्याम हँस रहा है।

7. (c)
'चोर वहाँ दीवार के पास खड़ा था' वाक्य में वहाँ 'स्थानवाचक क्रियाविशेषण' है। जो विकारी शब्द किसी क्रिया के स्थान का बोध कराते हैं, उन्हें स्थानवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

8. (a)
दिये गए विकल्पों में 'यशस्वी' शब्द पुल्लिंग है। शेष शब्द हथिनी, अभिनेत्री एवं आँख स्त्रीलिंग शब्द हैं।

9. (c)
बहुवचन की दृष्टि से 'भैंस –भैंसों' का युग्म सही नहीं है, इनका सही युग्म 'भैंस–भैंसे' होगा। शेष विकल्पों के युग्म बहुवचन की दृष्टि से सही है।

10. (a)
दिये गये वाक्यों का काल क्रमशः इस प्रकार है-

रामू खाना खा रहा था	–	अपूर्ण भूतकाल
माँ खाना बना चुकी है	–	पूर्ण वर्तमान काल।
मुझे बाहर जाना है	–	वर्तमान काल
हम घूमने जायेंगे	–	सामान्य भविष्यकाल

11. (b)
'कोहली द्वारा शतक लगाया गया।' उक्त वाक्य कर्मवाच्य में दिया गया है। इसका कर्तृवाच्य में रूपांतरित वाक्य इस प्रकार होगा- 'कोहली ने शतक लगाया।'

12. (b)
'बच्चे बस से पाठशाला जाते हैं' वाक्य में करण कारक है। साधन के रूप में प्रयुक्त किये जाने वाले शब्द व्याकरणिक दृष्टि से करण कारक कहलाते हैं।

विभक्ति	कारक	चिह्न
प्रथमा	कर्त्ता	ने
द्वितीया	कर्म	को
तृतीया	करण	से, के द्वारा
चतुर्थी	सम्प्रदान	को, के लिए
पंचमी	अपादान	से, (अलग होने पर)
षष्ठी	सम्बन्ध	का, की, के, रा, री, रे
सप्तमी	अधिकरण	में, पर
अष्टमी	सम्बोधन	हे!, ओ!, अरे!

13. (a)
दिये गये विकल्पों में 'कूप', 'विद्या' और 'व्योम' तीनों विकल्प तत्सम् शब्द के हैं, 'आधा' तद्भव शब्द है। इसका तत्सम रूप 'अर्द्ध' है।

14. (a)
'पर्यावरण' शब्द एक से अधिक उपसर्गों से बना है। परि+आ+वरण। उपसर्ग ऐसे शब्दांश हैं जो किसी शब्द के पूर्व जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं या उसके अर्थ में विशेषता ला देते हैं

जैसे-	विच्छेद	-	शब्दरूप	-	उपसर्ग
	प्र + हार =		प्रहार	-	प्र
	सम् + हार =		संहार।	-	सम्
	अध + कचरा =		अधकचरा	-	अध
	अति + आचार =		अत्याचार	-	अति
	अ + सुरक्षित =		असुरक्षित	-	अ

15. (a)
'कुलीन' शब्द में 'ईन' प्रत्यय है। प्रत्यय वे शब्दांश हैं जो दूसरे शब्दों के अंत में जुड़कर अपनी प्रकृति के अनुसार शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं। प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं।
(1) कृत प्रत्यय (2) तद्धित प्रत्यय।

उदाहरण - लघुता = लघु + ता
चाटनी = चाट + नी

16. (d)

शब्द	विलोम
अचेत	सचेत
अर्जन	वर्जन, व्ययन
आगत	अनागत
इष्ट	अनिष्ट

17. (b)
दिये गये विकल्पों में 'कृपण-दाता' सही विलोम युग्म है। अन्य विकल्पों के विलोम शब्द निम्न हैं-

शब्द		विलोम
साँझ	-	भोर
शुष्क	-	आर्द्र
क्षुद्र	-	विराट
प्रसन्न	-	अप्रसन्न
प्रफुल्ल	-	म्लान

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

18. (a)
'बोध' शब्द का समानार्थी शब्द 'अनुभूति' है। अनुभूति एक मानसिक वृत्ति है।

19. (b)
'आविर्भाव' का समानार्थी शब्द 'अवतरण' होगा।

20. (c)
'अज' के तीन अर्थ दशरथ के पिता का नाम, बकरा, शिव, ब्रह्मा हैं जबकि कमल 'अज' का अर्थ नहीं है।

21. (c)
'श्वेत' और 'स्वेद' समरूपी भिन्नार्थक शब्द हैं। दिये गये विकल्पों में 'सफेद' और 'पसीना' क्रमशः 'श्वेत' और 'स्वेद' का उपयुक्त अर्थ है। अन्य विकल्प अर्थ की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण हैं।

22. (b)
'ऐसी जीविका जिसका कुछ ठीक-ठिकाना न हो' के लिए एक शब्द 'आकाशवृत्ति' प्रयुक्त होता है। 'आकाशफल' शब्द 'संतान' अथवा 'संतति' के लिए प्रयुक्त होता है, जबकि 'अनहोनी' या असंभव बात के लिए 'आकाश कुसुम' शब्द प्रयुक्त होता है।

23. (d)
'जिसका निवारण न हो सके' के लिए एक शब्द 'अनिवार्य' है, जबकि 'जिसका निर्णय न हो सके' उसके लिए एक शब्द 'अनिर्णीत है'। शेष विकल्प असंगत हैं।

24. (b)
मातृ + ऋणाम् = मातृणाम् शुद्ध संधि विच्छेद है। इसमें दीर्घ संधि है। अ, आ, इ, ई, उ, ऊ और ऋ के बाद वे ही ह्रस्व या दीर्घ स्वर आये, तो दोनों मिलकर क्रमशः आ, ई, ऊ और ॠ हो जाता है, तो वहाँ दीर्घ संधि होती है।

जैसे – पितृ + ऋण = पितृण, भानु + उदय = भानूदय,
गिरि + ईश = गिरीश।

25. (c)
'विषधर' में तत्पुरुष समास नहीं है। विषधर – विष को धारण करने वाला अर्थात सर्प या शिव। अतः विषधर में बहुव्रीहि समास होगा।

26. (b)
उपर्युक्त विकल्पों में 'अनधिकार प्रवेश मना है' शुद्ध वाक्य है।

27. (a)
'भक्ति रस' को उज्ज्वल रस या मधुर रस भी कहते हैं। हालांकि नाट्य शास्त्र में 'शृंगार रस' की परिभाषा में उज्जवल रस शब्द का प्रयोग किया गया है। तथा अनेक ग्रंथों में शृंगार रस का वर्णन मधुर एवं उज्ज्वल रस के रूप में किया गया है। किन्तु आयोग द्वारा विकल्प (a) भक्ति रस को सही माना गया है।

28. (c)
मात्रा क्रम की दृष्टि से 'दोहा' के ठीक विपरीत पड़ने वाला छन्द सोरठा है। दोहा **अर्द्धसम मात्रिक** छन्द है। इसके विषम चरणों (प्रथम और तृतीय) में 13-13 मात्राएँ तथा सम चरणों (द्वितीय और चतुर्थ) में 11-11 मात्राएँ होती हैं। दोहा छंद के ठीक विपरीत सोरठा छंद में विषम चरणों (प्रथम और तृतीय) में 11-11 तथा सम (द्वितीय एवं चतुर्थ) में 13-13 मात्राएँ होती हैं। इस प्रकार दोहा तथा सोरठा दोनों में कुल 48-48 मात्राएँ होती हैं। चौपाई के चार चरणों में प्रत्येक में 16 मात्राएँ (कुल-64) होती हैं। मात्रिक सम छंद रोला के दो चरणों में से प्रत्येक चरण में 24 मात्राएँ (कुल 24+24=48) होती हैं। मात्रिक सम छंद हरिगीतिका के दो चरणों में से प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ (कुल 28+28=56) होती हैं।

29. (b)
'सूर-सूर तुलसी शशि उड्गन केशवदास,
और कवि खद्योत सम जँह-तँह करत प्रकास।'

पंक्ति में 'यमक अलंकार' है। जब कोई शब्द एक से अधिक बार आये और प्रत्येक बार उसका अर्थ अलग-अलग हो तो यमक अलंकार होता है। यहाँ 'सूर' शब्द दो बार आया है, जिसका एक अर्थ 'सूर्य' एवं दूसरा 'सूरदास' है। अतः यहाँ यमक अलंकार है, जबकि अनुप्रास में वर्णों की आवृत्ति होती है और उत्प्रेक्षा में उपमेय में उपमान की कल्पना की जाती है तथा विरोध न होते हुए भी उसका आभास होना विरोधाभास अलंकार है।

30. (b)
'नई समीक्षा' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम 'जोएल स्पिन्गार्न' ने सन् 1911 ई. में किया, पर उसकी परिभाषा 'जॉन क्रो रेन्सम' ने अपनी पुस्तक "The new Criticism" में दी।

31. (a)
'काला अक्षर भैंस बराबर' लोकोक्ति का सही अर्थ 'पढ़ा लिखा न होना' होता है।

32. (b)
आग लगने पर कुआँ खोदना' लोकोक्ति का उचित अर्थ है– संकट के समय बचाव के लिये सोचना।

वाक्य प्रयोग- बरसात जब शुरू हो जायेगी तब तुम छत बनवाओगे, ये तो वही हाल है कि आग लगने पर कुआँ खोदना।

33. (c)
उपर्युक्त दोहा 'कबीरदास' का है। कबीरदास कहते हैं कि हाथ में माला फेरना तथा मुख में जीभ फेरना भजन नहीं है, जब तक मन में लगन न हो, प्रभु स्मरण के समय भी मन चारों दिशाओं में फिरे अर्थात सांसारिक कार्यों में लगा रहे तो वह सुमिरन नहीं है।

34. (c)
गद्यांशानुसार 'कला और जीवन अन्योन्याश्रित है' का तात्पर्य है कला और जीवन एक दूसरे पर आश्रित हैं।

35. (d)
जो जीवनोपयोगी हो, ऐसी कला श्रेष्ठ मानी गई है। गद्यांश में बताया गया है कि कलावाद अर्थात् कला, कला के लिए सम्बन्धी विचारों में जीवन के लिए उपयोगी कला ही श्रेयस्कर मानी गई है।

36. (d)
"स्याम गौर किमि कहौं बखानी।
गिरा अनयन नयन बिनु बानी।।"

पद्य में मधुर भाव है। उपर्युक्त पंक्ति में राम और लक्ष्मण के सौन्दर्य का वर्णन है जो कि सीता जी के समक्ष उनकी सखियों द्वारा किया जा रहा है। उनके सौन्दर्य को सुनकर सीता जी के हृदय में मधुरता व शृंगारिकता का भाव जागृत हो रहा है जिसके कारण उपर्युक्त पद्य में मधुर भाव है।

37. (c)
"स्याम गौर किमि कहौं बखानी।
गिरा अनयन नयन बिनु बानी।।"

यह पद्यांश कवि तुलसीदास कृत रामचरितमानस के बालकाण्ड से लिया गया है।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET-33

1. निम्नलिखित में 'च' वर्ण का उच्चारण स्थान हैः
(a) कंठ्य (b) तालव्य (c) मूर्धन्य (d) दंत्य
2. घृणा, आश्चर्य, हर्ष आदि भावों को व्यक्त करने वाले शब्दों के साथ किस चिह्न का प्रयोग किया जाता है?
(a) उद्धरण चिह्न (b) विस्मयादिबोधक चिह्न
(c) अर्द्धविराम (d) कोष्ठक
3. निम्नलिखित में से क्या व्यक्तिवाचक संज्ञा नहीं है?
(a) कौआ (b) होली
(c) हिमालय (d) पूर्व
4. ''मैं अपने-आप वस्त्र साफ़ कर लेता हूँ।'' इस वाक्य में कौन-सा सर्वनाम है ?
(a) निश्चयवाचक (b) पुरुषवाचक
(c) निजवाचक (d) अनिश्चयवाचक
5. निम्नलिखित शब्दों में से एक विशेषण नहीं है :
(a) श्रव्य (b) सर्व
(c) गर्व (d) भव्य
6. दिए गए वाक्य में क्रिया ज्ञात कीजिए।
श्याम सोता है।
(a) प्रेरणार्थक (b) सकर्मक
(c) पूर्वकालिक (d) अकर्मक
7. 'कभी-कभी मेरे दिल में ख्याल आता है।'
(a) कालवाचक क्रियाविशेषण
(b) रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(c) परिमाणवाचक
(d) स्थानवाचक
8. 'नाला' शब्द का स्त्रीलिंग शब्द निम्नलिखित में से क्या है?
(a) नालिया (b) नालिए
(c) नाली (d) नालि
9. निम्नलिखित में बहुवचन की दृष्टि से कौन-सा युग्म सही नहीं है?
(a) बकरी-बकरियाँ (b) पहाड़ी-पहाड़ियाँ
(c) गड्ढ़ा-गड्ढ़े (d) पक्षी-पक्षियाँ
10. दिय गये वाक्य का सही काल निर्धारण करें।
'वह सो रहा था'
(a) इनमें से कोई नहीं (b) पूर्ण वर्तमानकाल
(c) अपूर्ण भूतकाल (d) सम्भाव्य भविष्यत काल
11. 'आज प्राचार्य द्वारा मधुर गीत गाया गया।' इस वाक्य का कर्तृवाच्य में परिवर्तित रूप है-
(a) आज प्राचार्य गीत को गायेंगे।
(b) प्राचार्य द्वारा आज गाया गीत मधुर गीत था।
(c) आज प्राचार्य ने मधुर गीत गाया।
(d) आज प्राचार्य मधुर गीत गायेंगे।
12. 'कानों सुनी बात पर यकीन मत करो।' रेखांकित पद का कारक बताइए।
(a) कर्त्ता (b) कर्म
(c) करण (d) संप्रदान
13. इनमें से कौन-सा तद्भव शब्द है?
(a) अंधकार (b) आक
(c) आषाढ़ (d) अश्रु
14. 'विज्ञान' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) विज्ञ (b) वि
(c) आन (d) विग्या
15. 'प्रादेशिक' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(a) प्रा (b) इक
(c) क (d) देशिक
16. 'उदात्त' का विलोमार्थी शब्द है–
(a) उद्धत (b) दानशील
(c) अनुदात्त (d) क्षमावान्
17. 'गुप्त' का विलोम शब्द हैः
(a) निष्ठ (b) जानना
(c) प्रकट (d) गूढ़
18. इनमें से एक शब्द 'बैल' का पर्यायवाची नहीं है, उसे चयनित कीजिए–
(a) अश्म (b) वृषभ
(c) बलीवर्द (d) गो
19. 'आसक्ति' शब्द का अर्थ क्या है?
(a) अनुराग (b) पिकप्रिय
(c) हुताशन (d) जन्मदात्री
20. 'कर' शब्द का सही अनेकार्थक समूह है-
(a) कृ, क्रिया, विशेषण
(b) सुधाकर, दीवाकर, हिमकर
(c) दुष्कर, पीकर, खाकर
(d) हाथ, किरण, करना
21. दिए गए शब्द युग्म का सही शब्द युग्म ज्ञात कीजिए।
इंदु : इंदुर
(a) समाप्ति : चंद्रमा (b) कृतज्ञता : आज्ञा
(c) चंद्रमा : चूहा (d) आज्ञा : चूहा
22. 'कनिष्ठिका और मध्यमा के बीच की अँगुली' को कहते हैं–
(a) अनामी (b) अनिमिका
(c) अनामीका (d) अनामिका
23. जिसके समान दूसरा न हो
(a) अद्वितीय (b) अनोखा
(c) अकेला (d) असमान
24. 'श्रद्धानंद' का संधि विच्छेद क्या है?
(a) श्रद्धा+ नंद (b) श्रद्धा + आनंद
(c) श्र + द्धनंद (d) श्रद्ध + आनंद
25. 'रसोईघर' का समास-विग्रह है :
(a) रसोई के लिए घर (b) रसोई का घर
(c) घर की रसोई (d) रसोई और घर
26. निम्नलिखित वाक्यों मे से अशुद्ध वाक्य छाँटिए ।
(a) वह जोर-जोर से रोने लगा।
(b) यह बात किसी को मत बताना।
(c) उसने जोर-जोर से रोने लगा।
(d) सुनते – सुनते कान भर गये।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

27. **माधुर्य गुण किस रस में प्रयुक्त होता है?**
(a) रौद्र (b) श्रृंगार
(c) वीर (d) शांत

28. **कुण्डलिया छंद किन दो छंदों के योग से बनता है?**
(a) दोहा-रोला (b) रोला-उल्लास
(c) दोहा-सोरठा (d) दोहा-उल्लास

29. **निम्नांकित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइये :**
रुनित भृंग घंटावली झरित दान मधुनीर।
मंद-मंद आवत चल्यो कुंजरु कुंज समीर।।
(a) उत्प्रेक्षा (b) रूपक
(c) यमक (d) श्लेष

30. **'हिंदी का प्रहरी' इनमें से किसे कहा जाता है?**
(a) मदनमोहन मालवीय (b) पुरुषोत्तम दास टंडन
(c) महात्मा गाँधी (d) काका कालेलकर

31. **'कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली' लोकोक्ति का अर्थ होगा :**
(a) विशिष्ट और सामान्य व्यक्ति की तुलना
(b) दोनों बराबर होना
(c) किसी तरह की जिम्मेदारी न उठाना
(d) गुण

32. **'आँख न दीदा काढ़े कसीदा' लोकोक्ति का अर्थ क्या है?**
(a) बहुत निपुण बनना
(b) साधन न होने पर भी काम कर लेना
(c) सर्वथा अयोग्य
(d) योग्यता न रहने पर भी काम करने की शेखी मारना

33. **कबीरदास की भाषा कौन सी है?**
(a) ब्रज (b) पंचमेल खिचड़ी
(c) राजस्थानी (d) अवधी

निर्देश-दिये गए गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

आनंद और खुशी की खोज में हम सारा जीवन लगे रहते हैं। बाह्य शिष्टाचारों से खुशी तो प्राप्त होती है किन्तु वह क्षणिक होती है। आत्मिक खुशी तो हमें अपने अन्दर ही तलाशनी होती है। हमारे अंत:करण में आनंद का सरोवर और खुशी का खजाना सदैव विद्यमान रहता है। ये यादों और अनुभूतियों का वह भंडार घर है, जहाँ हमारा अंत:करण आज तक की सभी यादों और अनुभूतियों को संग्रहीत करके रखता है। यह बहुत बुद्धिमान और चतुर है। यह आपका आज्ञाकारी दास भी हैं इसके विशाल संग्रह में से आत्मिक आनंद को प्राप्त करना है तो इसे उसी दिशा में निर्देशित करना होगा। बाह्य मन को कुछ देर के लिए शांत, स्थिर और गतिहीन कीजिए और अन्तर्मन को निर्देश दीजिये कि वह अपने संग्रह में से नकारात्मक यादों-अनुभूतियों को मिटा कर आपके लिए आनंद के अनमोल सच्चे मोती निकाल कर लाये। निरंतर अपने अंत:करण को यही आज्ञा देते रहिये और धीरे-धीरे वह कब आपको आत्मिक आनन्द और जीवन-स्फूर्ति से सराबोर कर देगा, आपको पता भी नहीं चलेगा।

34. **उपर्युक्त गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उपयुक्त शीर्षक का चयन कीजिए:**
(a) आनंद की खोज
(b) अन्तर्मन–यादों का भंडार घर
(c) अन्तर्मन
(d) अन्तर्मन की शक्ति

35. **उपर्युक्त गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए-**
प्रश्न: अन्तर्मन से आत्मिक आनंद कैसे मिलता है?
(a) अन्तर्मन समझता है कि हमें आनंद चाहिए।
(b) अन्तर्मन नकारात्मक को मिटाकर सकारात्मकता से मन को शांत कर देता है जिससे आत्मिक आनंद मिलता है।
(c) अन्तर्मन में केवल अच्छी यादें संग्रहीत रहती है, उन्हीं को वापस कर देता है।
(d) अन्तर्मन सदैव अच्छे काम करता है।

36. **उपरोक्त गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसका सही सारांश बताइए:**
(a) जब अन्तर्मन को प्रतिदिन शांत, स्थिर और खुश रहने का निर्देश मिलता है तो वह एक आज्ञाकारी किन्तु समझदार सेवक की तरह मन की सारी नकारात्मक गतिविधियों को हटाता जाता है और अच्छी सुखद अनुभूतियों को प्रवाहित करने लगता हैं। मन शांत होने से आनंद का अनुभव होने लगता है। और धीरे-धीरे यही आनंद भाव स्थायी हो जाता है।
(b) जब अन्तर्मन को प्रतिदिन शांत, स्थिर और खुश रहने का निर्देश मिलता है तो वह एक अज्ञाकारी किन्तु समझदार सेवक की तरह मन में आनंद भर देता है।
(c) अन्तर्मन को निर्देश मिलने से मन शांत हो जाता है और आनंद का अनुभव होने लगता है।
(d) अन्तर्मन में बहुत शक्ति होती है। वह हमारे निर्देशानुसार मन के बुरे विचार हटा कर अच्छे विचारों से भर देता है। जिससे खुशी मिलती है।

37. **बाह्य मन को कुछ देर के लिए शांत, स्थिर और गतिहीन कीजिए और अन्तर्मन को निर्देश दीजिए कि वह अपने संग्रह में से नकारात्मक यादों–अनुभूतियों को मिटा कर आपके लिए आनंद के अनमोल सच्चे मोती निकाल कर लाए।**
उपरोक्त गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और रेखांकित अंश की उपयुक्त उत्तर का चुनाव कीजिए:
(a) बाह्य मन सोचना बंद कर देता है तो बुरी यादें मन को शांत कर देती हैं और आनंद मिलता है।
(b) बाह्य मन की गतिहीनता आनंद उत्पन्न करने लगती है और शांति की अनुभूति होती है।
(c) जब बाह्य मन गतिहीन होकर शांत होता है और इस प्रक्रिया की प्रतिदिन पुनरावृत्ति होती है तो अन्तर्मन धीरे-धीरे इस स्थिरता और शांति को आदत में बदल देता है और अन्तर्मन में निहित सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित होने लगती है। चित्त की उथल-पुथल और नकारात्मकता समाप्त होने से मन को शक्ति मिलती है और अन्तर्मन आनंदित और स्फूर्त रहने लगता है।
(d) जब बाह्य मन गतिहीन होकर शांत हो जाता है, तो अन्तर्मन धीरे-धीरे इस स्थिरता और शांति को अपना लेता है और चित्त की उथल-पुथल समाप्त होने से मन को शान्ति मिलती है और अन्तर्मन आनंदित और स्फूर्त रहने लगता है।

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION : PRACTICE SET-33

ANSWER KEY

1. (b)	9. (d)	17. (c)	25. (a)	33. (b)
2. (b)	10. (c)	18. (a)	26. (c)	34. (a)
3. (a)	11. (c)	19. (a)	27. (b)	35. (b)
4. (c)	12. (c)	20. (d)	28. (a)	36. (a)
5. (c)	13. (b)	21. (c)	29. (c)	37. (c)
6. (d)	14. (b)	22. (d)	30. (b)	
7. (a)	15. (b)	23. (a)	31. (a)	
8. (c)	16. (c)	24. (b)	32. (d)	

SOLUTION

1. (b)
'च' का उच्चारण स्थान 'तालव्य' है।

कंठ्य वर्ण – क, ख, ग, घ, ङ
तालव्य वर्ण – च, छ, ज, झ, ञ
मूर्धन्य वर्ण – ट, ठ, ड, ढ, ण
दंत्य वर्ण – त, थ, द, ध, न

2. (b)
घृणा, आश्चर्य, हर्ष और भय आदि भावों को व्यक्त करने के लिए विस्मयादिबोधक चिह्न (!) का प्रयोग करते हैं।

3. (a)
कौआ व्यक्तिवाचक संज्ञा नहीं, बल्कि जातिवाचक संज्ञा है। जातिवाचक संज्ञा से किसी जाति का बोध होता है **जैसे–** गाय, नदी, पेड़ आदि। व्यक्तिवाचक संज्ञा से किसी व्यक्ति विशेष का बोध होता है **जैसे–** गंगा, राम, प्रयागराज आदि।

4. (c)
''मैं अपने-आप वस्त्र साफ़ कर लेता हूँ।'' इस वाक्य में 'निजवाचक सर्वनाम' है। निजवाचक सर्वनाम का आशय 'निजता' अर्थात 'स्वयं' से है।

5. (c)
श्रव्य, सर्व और भव्य विशेषण पद हैं जबकि गर्व विशेष्य (भाववाचक संज्ञा) पद है। गर्व का विशेषण पद गर्वीला होता है।

6. (d)
दिए गए वाक्य 'श्याम सोता है' में अकर्मक क्रिया है।
अकर्मक क्रिया - जिस क्रिया का फल कर्त्ता पर पड़ता है। वह क्रिया अकर्मक क्रिया कहलाती है।

7. (a)
'कभी-कभी मेरे दिल में ख्याल आता है' वाक्य कालवाचक क्रिया विशेषण का उदाहरण है।

8. (c)
दिए हुए प्रश्न में शब्द 'नाला' का स्त्रीलिंग 'नाली' होगा।
स्त्रीलिंग: जिन शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं।

9. (d)
पक्षी-पक्षियाँ बहुवचन की दृष्टि से सही शब्द-युग्म नहीं है। बहुवचन की दृष्टि से सही शब्द-युग्म निम्न हैं-

पक्षी	-	पक्षियों
बकरी	-	बकरियाँ
पहाड़ी	-	पहाड़ियाँ
गड्ढ़ा	-	गड्ढ़े

10. (c)
'वह सो रहा था' अपूर्ण भूतकाल का उदाहरण है। इससे यह ज्ञात होता है कि क्रिया भूतकाल में हो रही थी, किन्तु उसकी समाप्ति का पता नहीं है। **जैसे-** सुरेश गीत गा रहा था।

11. (c)
'आज प्राचार्य द्वारा मधुर गीत गाया गया।' उक्त वाक्य कर्मवाच्य का वाक्य है। इस वाक्य का कर्तृवाच्य में परिवर्तित रूप होगा – 'आज प्राचार्य ने मधुर गीत गाया।' हिंदी व्याकरण में वाच्य के तीन भेद होते हैं।

1- कर्तृवाच्य 2- कर्मवाच्य 3- भाववाच्य

12. (c)
उपर्युक्त वाक्य में दिये गये रेखांकित पद का कारक 'करण कारक' होगा। करण कारक का चिह्न 'से' है, जो वाक्य में क्रिया के सम्बन्ध का बोध कराता है। **जैसे**-'कानों सुनी- कान से सुनी' यहाँ करण कारक का चिह्न 'से' है जो क्रिया (सुनना) का सम्बन्ध कान से स्थापित कर रहा है।

13. (b)
दिये गये विकल्पों में 'आक' शब्द तद्भव है जिसका तत्सम शब्द 'अर्क' है।

तद्भव		**तत्सम**
आक	–	अर्क
अंधेरा	–	अंधकार
असाढ़	–	आषाढ़
आँसू	–	अश्रु

14. (b)
'विज्ञान' शब्द में 'वि' उपसर्ग का प्रयोग किया गया है। वे शब्दांश या अव्यय जो किसी शब्द के आरम्भ में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता लाए या उसका अर्थ ही बदल दे उपसर्ग कहलाते हैं।

जैसे– प्र + बल = प्रबल
अप + यश = अपयश
परि + भ्रमण = परिभ्रमण

15. (b)
'प्रादेशिक' शब्द में 'इक' प्रत्यय है। प्रत्यय वे शब्दांश हैं जो शब्दों के अन्त में जुड़कर, अपनी प्रकृति के अनुसार, शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं। प्रत्यय के दो भेद होते हैं -

(1) कृत प्रत्यय (2) तद्धित प्रत्यय

उदाहरण - सामाजिक = समाज + इक
टिकाऊ = टिक + आऊ

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

16. (c)
उदात्त का विलोमार्थक शब्द 'अनुदात्त' है, जबकि शेष शब्द उद्धत, दानशील, क्षमावान आदि असंगत हैं।

17. (c)
'गुप्त' का विलोम शब्द 'प्रकट' होता है।

शब्द		**विलोम**
गूढ़	-	अगूढ़
निष्ठा	-	अनिष्ठा

18. (a)
'अश्म' बैल का पर्यायवाची शब्द नहीं है जबकि वृषभ, बलीवर्द, गो बैल के पर्यायवाची शब्द हैं। 'अश्म' का अर्थ पर्वत, पत्थर है।

19. (a)
'आसक्ति' शब्द का अर्थ– अनुराग (प्रेम) है।

शब्द	**अर्थ**
हुताशन	अग्नि
जन्मदात्री	माँ
पिकप्रिय	आम

20. (d)
विकल्प (d) में दिये गये शब्द समूह हाथ, किरण, करना 'कर' शब्द के अनेकार्थक शब्द समूह हैं।

21. (c)
दिए गए शब्द युग्म– 'इंदु : इंदुर' में इंदु का अर्थ – 'चंद्रमा' तथा इंदुर का अर्थ – 'चूहा' है।

22. (d)
'कनिष्ठिका और मध्यमा के बीच की अंगुली' को 'अनामिका' कहते हैं।

23. (a)
'जिसके समान दूसरा न हो' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द 'अद्वितीय' है; जबकि जिसकी उपमा किसी और से न की जा सके, उसे 'अनुपम' कहते हैं।

24. (b)
'श्रद्धानंद' शब्द का संधि विच्छेद है– श्रद्धा+आनंद।
यह दीर्घ स्वर संधि का उदाहरण है। दीर्घ स्वर संधि में 'अ', आ, इ, ई, उ, ऊ और ऋ के बाद समान स्वर (ह्रस्व या दीर्घ) आने पर दोनों मिलकर क्रमश: आ, ई, ऊ और ॠ हो जाते हैं। इसके कुछ अन्य उदाहरण हैं– अन्नाभाव, शिवालय, गिरीश,पितृण आदि।

25. (a)
रसोईघर का समास- विग्रह 'रसोई के लिए घर' होगा। यह सम्प्रदान तत्पुरुष समास का उदाहरण है।

26. (c)
'उसने जोर-जोर से रोने लगा' अशुद्ध वाक्य है । इसका शुद्ध वाक्य वह जोर-जोर से रोने लगा होगा।

27. (b)
माधुर्य गुण, शृंगार रस में प्रयुक्त होता है। शृंगार रस को 'रसराज' या 'रसपति' कहा जाता है। इसका स्थायी भाव रति है। शृंगार रस का आलंबन (विभाव) नायक और नायिका तथा उद्दीपन (विभाव) आलंबन का सौंदर्य, प्रकृति, रमणीक उपवन आदि हैं।

28. (a)
कुंडलिया छंद 'दोहा एवं रोला' के संयोग से बनता है। इस छंद के 6 चरण होते है। प्रत्येक चरण में 24 मात्राएँ होती हैं। कुंडलिया छंद का प्रारंभ जिस शब्द या शब्द - समूह से होता है, छंद का अंत भी उसी शब्द या शब्द समूह से होता है।

उदाहरण - सावन बरसा जोर से, प्रमुदित हुआ किसान।
लगा रोपने खेत में, आशाओं के धान।
आशाओं के धान, मधुर स्वर कोयल बोले।
लिए प्रेम-सन्देश, मेघ सावन के डोले।
ठकुरेला कविराय, लगा सबको मनभावन।
मन में भरे उमंग, झूमता गाता सावन

29. (c)
जहाँ एक ही शब्द एक से अधिक बार प्रयुक्त हों एवं अर्थ भी प्रत्येक बार भिन्न हो, वहाँ 'यमक अलंकार' होता है।

30. (b)
'हिन्दी का प्रहरी' 'पुरुषोत्तम दास टंडन' को कहा जाता है। वे भारत के स्वतंत्रता सेनानी एवं राजनेता थे। वे हिंदी के अनन्य सेवक, कर्मठ पत्रकार, तेजस्वी वक्ता और समाज सुधारक भी थे। हिंदी को राष्ट्रभाषा के पद पर प्रतिष्ठित करवाने में इनका महत्त्वपूर्ण योगदान था।

31. (a)

	लोकोक्ति		**अर्थ**
1.	कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तेली	–	विशिष्ट और सामान्य व्यक्ति की तुलना।
2.	चोर की दाढ़ी में तिनका	–	अपराधी सदैव सशंकित रहता है।
3.	जैसा देश वैसा भेष	–	परिस्थिति के अनुसार बदलना
4.	जर है तो नर, नहीं तो खंडहर	–	पैसे से ही आदमी की इज्जत है।

32. (d)
'आँख न दीदा काढ़े कसीदा' लोकोक्ति का अर्थ है- योग्यता न रहने पर भी काम करने की शेखी मारना।

33. (b)
कबीरदास की रचनाओं में अरबी, फारसी, पंजाबी, बुन्देलखंडी, ब्रजभाषा, खड़ी बोली आदि के शब्द मिलते हैं, इसलिए इनकी भाषा को 'पंचमेल खिचड़ी' या 'सधुक्कड़ी' भाषा कहा जाता है।

34. (a)
उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक 'आनंद की खोज' होगा। मनुष्य मृत्युपर्यन्त आनंद की खोज में प्रयत्नशील रहता है। सच्चे या आत्मिक आनंद की अनुभूति मनुष्य को कैसे होगी, इसी का विश्लेषण उपर्युक्त गद्यांश में किया गया है।

35. (b)
आत्मिक आनंद चिरस्थायी होता है, जो मनुष्य को उसके अन्तर्मन से प्राप्त होता है। मनुष्य का अन्तर्मन नकारात्मकता को मिटाकर सकारात्मकता से मन को शांत कर देता है, जिससे मनुष्य को आत्मिक आनंद की अनुभूति होती है।

36. (a)
प्रश्नगत गद्यांश का उपयुक्त सारांश विकल्प (a) है, यथा- जब अन्तर्मन को प्रतिदिन शांत, स्थिर और खुश रहने का निर्देश मिलता है तो वह एक आज्ञाकारी किन्तु समझदार सेवक की तरह मन की सारी नकारात्मक गतिविधियों को हटाता जाता है और अच्छी व सुखद अनुभूतियों को प्रवाहित करने लगता है। मन शांत होने से आनंद का अनुभव होने लगता है और धीरे-धीरे यही आनंद भाव स्थायी हो जाता है।

37. (c)
दिये गये रेखांकित अंश की उपयुक्त व्याख्या इस प्रकार है– 'जब बाह्य मन गतिहीन होकर शांत होता है और इस प्रक्रिया की प्रतिदिन पुनरावृत्ति होती है जिससे अन्तर्मन धीरे-धीरे इस स्थिरता और शांति को आदत में बदल देता है और अन्तर्मन में निहित सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित होने लगती है। चित्त की उथल-पुथल और नकारात्मकता समाप्त होने से मन को शक्ति मिलती है और अन्तर्मन आनंदित और स्फूर्त रहने लगता है।'

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET-34

1. निम्नलिखित में 'प' वर्ण का उच्चारण स्थान है :
(a) दंत्य (b) ओष्ठ्य
(c) कंठ्य (d) तालव्य

2. निम्नलिखित में से किस वाक्य में विराम चिह्नों का सही प्रयोग नहीं हुआ है?
(a) हे प्रभो ! मुझे शक्ति दो।
(b) वह घर आया या नहीं?
(c) राम-राम ! उसने यह क्या कर दिया।
(d) तुम समझते हो कि वह निरा बालक है, परंतु वह अच्छे-अच्छों के कान काटता है।

3. 'गाय' कौन सी संज्ञा है?
(a) व्यक्तिवाचक (b) जातिवाचक
(c) भाववाचक (d) द्रव्यवाचक

4. 'मैं स्वयं वहीं से आया हूँ।' इस वाक्य में अधोरेखित शब्द का सर्वनाम का प्रकार लिखिए।
(a) संबंधवाचक सर्वनाम
(b) निश्चयवाचक सर्वनाम
(c) निजवाचक सर्वनाम
(d) पुरुषवाचक सर्वनाम

5. एक वाक्य में विशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है-
(a) वह विद्यार्थी है (b) वह लड़का विद्यार्थी है
(c) वह प्रबुद्ध विद्यार्थी है (d) वह परिश्रमी भी है

6. दिए गए वाक्य में क्रिया ज्ञात कीजिए।
शिशु रो रहा है।
(a) सकर्मक (b) पूर्वकालिक
(c) संयुक्त (d) अकर्मक

7. 'आपसे अरसे के बाद मुलाकात हो रही है।'-इस वाक्य में किस प्रकार के क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है?
(a) रीतिवाचक (b) स्थानवाचक
(c) परिमाणवाचक (d) कालवाचक

8. 'ठठेरा' शब्द का स्त्रीलिंग निम्न में से क्या होगा?
(a) ठठेरिन (b) ठठेरी
(c) ठठेरिनी (d) ठठारी

9. निम्नलिखित में 'बहुवचन' की दृष्टि से असंगत युग्म है:
(a) पत्ता – पत्ते
(b) टोली – टोलियाँ
(c) मधुमक्खी – मधुमक्खियों
(d) चूजा – चूजे

10. 'सीता सो रही थी'। वाक्य का काल है–
(a) सामान्य भूत (b) पूर्ण भूत
(c) अपूर्ण भूत (d) संदिग्ध भूत

11. 'राम आम खाता है' में वाच्य का कौन–सा रूप है?
(a) कर्मवाच्य (b) भाववाच्य
(c) उभयवाच्य (d) कर्तृवाच्य

12. 'करण कारक' किस वाक्य में है?
(a) राम को फल दो।
(b) वह कलम से लिखता है।
(c) यह राम की पुस्तक है।
(d) वृक्ष से पत्ते गिरते हैं।

13. 'आवाँ' का तत्सम रूप होगा–
(a) आग (b) अग्नि
(c) आव (d) आपाक

14. इनमें से किस शब्द में 'अ' उपसर्ग नहीं लगा है ?
(a) अद्वितीय (b) अयोगात्मक
(c) अज्ञान (d) अक्लमंदी

15. 'संबंधित' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(a) सं (b) इत
(c) धित (d) बंधित

16. वह एक उत्तम व्यक्ति है।
उक्त वाक्य में रेखांकित पद 'उत्तम' का विलोम क्या है?
(a) स्वतंत्र (b) शाश्वत
(c) कृतघ्न (d) अधम

17. दिए गए बाईं ओर के शब्दों को दाईं ओर के उनके विलोम शब्दों से मिलाइए–

1.	गणतंत्र	A.	राजतंत्र
2.	स्वतंत्र	B.	परतंत्र
3.	वैतनिक	C.	अवैतनिक
4.	दहन	D.	शमन

(a) 1-C, 2-D, 3-A, 4-B (b) 1-B, 2-A, 3-D, 4-C
(c) 1-A, 2-B, 3-C, 4-D (d) 1-D, 2-C, 3-B, 4-A

18. 'धन' का मतलब क्या होता है?
(a) अंक (b) अर्थ
(c) स्वार्थ (d) कोष

निम्नलिखित शब्दों के नीचे चार विकल्प दिये गये हैं। उनमें से उचित पर्याय चुनकर उसे चिह्नित करें।

19. निम्नलिखित में से कौन सा एक 'अनाथ' का पर्यायवाची नहीं है?
(a) बेसहारा (b) यतीम
(c) अनाड़ी (d) निराश्रित

20. 'द्विज' शब्द का अर्थ नहीं है–
(a) चन्द्रमा (b) दाँत
(c) पक्षी (d) कपूर

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

21. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए शब्द-युग्म के अर्थ का सबसे अच्छा विकल्प है।
नीवार-निवार
(a) रस्सी-रोकना
(b) रोकना-अनंत
(c) जंगली धान-रोकना
(d) जंगली-धान

22. 'पीछे-पीछे चलने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द है –
(a) अनुचर (b) अनुगामी
(c) अनुवर्ती (d) अनुगमनीय

23. जो परीक्षा में उत्तीर्ण न हो
(a) असफल (b) अनुत्तीर्ण
(c) अयोग्य (d) अवनति

24. 'पुस्तकालय' में कौन सी सन्धि है?
(a) दीर्घ (b) गुण
(c) वृद्धि (d) यण

25. कौन से शब्द में कर्मधारय समास नहीं है?
(a) नीलगाय (b) प्रियसखा
(c) कृताकृत (d) विद्याभ्यास

26. निम्नलिखित वाक्यों में से एक शुद्ध वाक्य है
(a) वह सातवें कक्षा में पढ़ता है।
(b) सरयू नदी का घाट बहुत लम्बा है।
(c) जो लोग बाहर जाना चाहते हैं, वह जा सकते हैं।
(d) कृपया एक गिलास पानी दीजिए।

27. जिन पंक्तियों में नायक-नायिका का मिलन होता है, वहाँ रस की दृष्टि से कौन-सा शृंगार होता है?
(a) अद्भुत (b) संयोग
(c) वियोग (d) हास्य

28. किस छंद का प्रथम व अंतिम शब्द एक-सा होता है?
(a) कुंडलियाँ (b) रोला
(c) दोहा (d) सोरठा

29. 'तरिणी के ही संग तरल तरंग में, तरणिडूबी थी हमारी ताल में।' इसमें प्रयुक्त अलंकार है–
(a) श्लेष (b) यमक
(c) रूपक (d) उत्प्रेक्षा

30. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग भारत सरकार के किस मंत्रालय के तहत है?
(a) गृह मंत्रालय
(b) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय
(c) शिक्षा मंत्रालय
(d) विधि मंत्रालय

31. 'का बरखा जब कृषि सुखाने' तब कहा जाता है, जब कोई-
(a) समय पर काम नहीं हो
(b) समय को व्यर्थ गँवा दिया जाता हो
(c) समय का लाभ न उठाता हो
(d) समय का पालन करता है

32. 'आए थे हरि भजन को ओटन लगे कपास' लोकोक्ति का सही अर्थ है–
(a) साधुओं की संगति छोड़ देना
(b) वांछित कार्य को छोड़कर अन्य कार्य में लग जाना
(c) भक्ति छोड़कर व्यापार करने लगना
(d) गृहस्थी के झंझटों में फँस जाना

33. 'बीजक' किसकी रचनाओं का संग्रह है?
(a) कबीर (b) जायसी
(c) सूरदास (d) तुलसीदास

निर्देश : दिए गए गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

समय का आदर करना ही उसका सदुपयोग करना है। जो व्यक्ति समय की सही कीमत जान लेता है, वही जीवन में सफलता प्राप्त कर पाता है। यह धन से भी अधिक महत्वपूर्ण है। धन खोने पर वापस पाया जा सकता है परन्तु बीता हुआ समय नहीं लौटाया जा सकता है। छात्रों के जीवन में इसका अधिक महत्त्व है। जो छात्र इस उम्र में समय की कद्र करना सीख जाते हैं, वह भविष्य में तरक्की की ऊँचाईयों को छू लेते हैं। चाणक्य, गाँधी जी, अशोक आदि ने समय का सदुपयोग कर अपने पैरों के निशान छोड़ दिए। जीवन का प्रत्येक क्षण भविष्य का निर्माता है। जो लोग इसके महत्त्व को नहीं समझ पाते, वे केवल हाथ मलते रह जाते हैं। हम चाहे विश्राम कर लें परंतु समय कभी विश्राम नहीं करता। समय के प्रति सजगता मानव जीवन के लिए उपयोगी है। अतः छात्रों को समय की कीमत पहचानकर इसका सार्थक उपयोग करना चाहिए।

34. 'समय का सदुपयोग' का क्या अर्थ है?
(a) उसको संभालकर रखना
(b) उसे व्यर्थ न करना
(c) उसका अनादर करना
(d) उसे व्यर्थ करना

35. छात्रों के लिए समय का सदुपयोग अधिक आवश्यक क्यों है?
(a) जो इसकी महत्ता समझते हैं वह सफल होते हैं।
(b) सदुपयोग करने से सदा विफल होते हैं।
(c) कभी भी सफल नहीं होते हैं।
(d) सदा पीछे रहते हैं।

36. समय धन से अधिक महत्वपूर्ण क्यों है?
(a) समय वापस मिल जाएगा पर धन नहीं।
(b) बहुत मेहनत से मिलता है।
(c) धन वापस मिल जाएगा पर समय नहीं।
(d) समय नहीं मिलता।

37. निम्न में से कौन-सा विकल्प सजगता का पर्यायवाची नहीं है?
(a) प्रमाद (b) सतर्कता
(c) होशियारी (d) चौकन्नापन

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

SOLUTION : PRACTICE SET- 34

ANSWER KEY

1. (b)	9. (c)	17. (c)	25. (d)	33. (a)
2. (c)	10. (c)	18. (b)	26. (d)	34. (b)
3. (b)	11. (d)	19. (c)	27. (b)	35. (a)
4. (c)	12. (b)	20. (d)	28. (a)	36. (c)
5. (a)	13. (d)	21. (c)	29. (b)	37. (a)
6. (d)	14. (d)	22. (b)	30. (c)	
7. (d)	15. (b)	23. (b)	31. (a)	
8. (a)	16. (d)	24. (a)	32. (b)	

SOLUTION

1. (b)
'प' वर्ण का उच्चारण स्थान 'ओष्ठ्य' है। दिये गये उच्चारण स्थान एवं वर्ग निम्न हैं-

ओष्ठ्य - प, फ, ब, भ, म
दंत्य- त, थ, द, ध, न
तालव्य - च, छ, ज, झ, ञ
कंठ्य - क, ख, ग, घ, ड.

2. (c)
'राम-राम ! उसने यह क्या कर दिया।' वाक्य में विराम चिह्नों का सही प्रयोग नहीं हुआ है। इसका शुद्ध रूप होगा- राम! राम! उसने यह क्या कर दिया। शेष वाक्यों में विराम चिह्नों का सही प्रयोग हुआ है।

3. (b)
'गाय' जातिवाचक संज्ञा है। संज्ञा के इस रूप में व्यक्तियों या वस्तुओं की पूरी जाति का बोध होता है वह जातिवाचक संज्ञा कहलाती है। **जैसे–** लड़का, भाई, घोड़ा, मोर, किताब, शिक्षक, मंत्री आदि।

4. (c)
'मैं स्वयं वहीं से आया हूँ।' इस वाक्य में अधोरेखित शब्द 'निजवाचक सर्वनाम' का प्रकार है। शेष विकल्प असंगत हैं।

5. (a)
'वह विद्यार्थी है' वाक्य में विशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है जबकि अन्य शब्दों क्रमशः विद्यार्थी, प्रबुद्ध और परिश्रमी में विशेषण प्रयुक्त हुआ है।

6. (d)
दिए गए वाक्य 'शिशु रो रहा है' में अकर्मक क्रिया होगी।
क्रिया - वाक्य के जिस पद से किसी कार्य के होने या करने का बोध होता है, उस पद को क्रिया कहते हैं।
अकर्मक क्रिया - जिस क्रिया के पूर्ण होने या व्यक्त होने के लिए वाक्य में कर्म की आवश्यकता नहीं पड़ती उसे 'अकर्मक क्रिया' कहा जाता है।

7. (d)
'आपसे अरसे के बाद मुलाकात हो रही है' वाक्य में 'कालवाचक' क्रिया विशेषण है। जो विकारी शब्द किसी क्रिया के होने का समय बताते हैं, उन्हें कालवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

8. (a)
दिए गए शब्द 'ठठेरा' का स्त्रीलिंग 'ठठेरिन' होगा। संज्ञा के जिस रूप से स्त्री जाति का पता चलता है, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं।
जैसे :– लड़की, शेरनी, हंसिनी, घोड़ी, कुतिया इत्यादि।

9. (c)
'मधुमक्खी–मधुमक्खियों' बहुवचन की दृष्टि से असंगत है। इसका संगत युग्म 'मधुमक्खी-मधुमक्खियाँ' होगा। शेष विकल्पों के युग्म बहुवचन की दृष्टि से संगत हैं।

10. (c)
'सीता सो रही थी' वाक्य में अपूर्ण भूतकाल है।

11. (d)
'राम आम खाता है' में 'कर्तृवाच्य' है। वाक्य में जब कर्ता की प्रधानता हो अर्थात् क्रिया का लिंग, वचन कर्ता के अनुसार हो तो उसे कर्तृवाच्य कहते हैं।

12. (b)
'वह कलम से लिखता है' वाक्य में करण कारक है। उक्त वाक्य में करण कारक की विभक्ति 'से' का प्रयोग किया गया तथा लिखने का कार्य कलम से हो रहा है। अतः जिस वाक्य में किसी की सहायता से कोई कार्य होता है, वहाँ करण कारक होता है।

13. (d)
'आवाँ' का तत्सम रूप 'आपाक' होगा। दिए गये शब्दों में 'अग्नि' आग का तत्सम रूप है।

14. (d)
'अक्लमंदी' में 'अ' उपसर्ग नहीं लगा है। अद्वितीय, अयोगात्मक, अज्ञान में 'अ' उपसर्ग लगा है। जब कोई शब्दांश किसी भी मूल शब्द के आगे जुड़ता है और अर्थ में परिवर्तन करता है, तो उसे उपसर्ग कहते हैं।

15. (b)
'संबंधित' शब्द में 'इत' प्रत्यय का प्रयोग हुआ है। 'इत' प्रत्यय से बने अन्य शब्द हैं– पठित, व्यथित, फलित, पुष्पित आदि।
वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में विशिष्टता उत्पन्न कर देते हैं, प्रत्यय कहलाते हैं।
जैसे-'अक' प्रत्यय से- पाठक, गायक, लेखक, योजक, पाचक, मारक आदि।
'एय' प्रत्यय से - कौन्तेय, गांगेय, राधेय, आग्नेय, पाथेय आदि।

16. (d)
'वह एक उत्तम व्यक्ति है।' उक्त वाक्य में रेखांकित पद उत्तम का विलोम 'अधम' होगा।

शब्द	**विलोम**
स्वतंत्र	परतंत्र
शाश्वत	क्षणिक
कृतघ्न	कृतज्ञ
अधम	उत्तम

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

17. (c)

शब्द	-	विलोम
गणतंत्र	-	राजतंत्र
स्वतंत्र	-	परतंत्र
वैतनिक	-	अवैतनिक
दहन	-	शमन

18. (b)
दिये गये विकल्पों में 'धन' का मतलब 'अर्थ' होता है। इसके अन्य अर्थ– सम्पत्ति, योग आदि जबकि अंक का अर्थ–अध्याय, चिह्न, संख्या आदि।

19. (c)
'अनाथ' के पर्यायवाची– बेसहारा, यतीम, निराश्रित हैं जबकि 'अनाड़ी', अनाथ का पर्यायवाची नहीं है।

20. (d)
दिये गये विकल्पों में 'कपूर' शब्द 'द्विज' का अर्थ नहीं है। द्विज के अनेकार्थी शब्द हैं– चन्द्रमा, दाँत, पक्षी, ब्राह्मण, गणेश आदि।

21. (c)
दिये गये शब्द-युग्म 'नीवार-निवार' का अर्थ 'जंगली धान-रोकना' होता है।
नीवार का अर्थ जलीय भूमि में स्वतः उत्पन्न होने वाला धान (तिन्नी धान) होता है तथा निवार का अर्थ रोकना होता है।

22. (b)
'पीछे-पीछे चलने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द है – अनुगामी।
नोट – आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (a) और (b) अर्थात् अनुगामी और अनुचर दोनों माना है।

23. (b)
जो परीक्षा में उत्तीर्ण न हो वाक्यांश के लिए एक शब्द 'अनुत्तीर्ण' होगा; जबकि जो परीक्षा में पास हो, उसे उत्तीर्ण कहते हैं।

24. (a)
पुस्तकालय- 'पुस्तक+आलय' में दीर्घ स्वर संधि है। इस संधि के नियमानुसार यदि ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ, ऋ के बाद समान स्वर (ह्रस्व या दीर्घ) अ, इ, उ, ऋ आये तो दोनों मिलकर दीर्घ आ, ई, ऊ, ॠ हो जाते हैं।

25. (d)
'विद्याभ्यास' अर्थात् 'विद्या का अभ्यास'। इसमें तत्पुरुष समास है। नीलगाय, प्रियसखा, कृताकृत कर्मधारय समास के उदाहरण हैं। जिस समास में पहला पद विशेषण तथा दूसरा पद विशेष्य (संज्ञा) हो, कर्मधारय समास कहलाता है।

26. (d)
दिये गये वाक्यों में से 'कृपया एक गिलास पानी दीजिए' शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्य अशुद्ध हैं। अन्य वाक्य शुद्ध इस प्रकार होंगे–
(1) वह सातवीं कक्षा में पढ़ता है।
(2) सरयू नदी का पाट बहुत लम्बा है।
(3) जो लोग बाहर जाना चाहते हैं, वे जा सकते हैं।

27. (b)
जिन पंक्तियों में नायक-नायिका का मिलन होता है, वहाँ रस की दृष्टि से संयोग शृंगार होता है।
उदाहरण-बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय।
सौंह करै, भौंहनु हँसै, दैन कहै, नटि जाय।।
शृंगार रस के दो भेद होते हैं।
(1) संयोग शृंगार (2) वियोग शृंगार

28. (a)
कुंडलियाँ छंद का प्रथम व अंतिम शब्द एक सा होता है। इसमें कुल 6 चरण होते है, जिसमें दो चरण दोहा के और शेष चार चरण रोला के होते हैं। रोला छन्द में चार चरण होते हैं। प्रत्येक चरण में 11-13 के विराम से 24 मात्राएँ होती हैं। दोहा छन्द **अर्द्धसम मात्रिक** छन्द है। इसके प्रथम, तीसरे चरण में 13-13 मात्राएँ तथा दूसरे, चौथे चरण में 11-11 मात्राएँ होती हैं। सोरठा छन्द दोहे का उल्टा होता है। इसके प्रथम, तीसरे चरण में 11-11 तथा दूसरे, चौथे चरण में 13-13 मात्राएँ होती हैं।

29. (b)
उक्त पंक्ति में 'यमक अलंकार' है। इसमें सर्वप्रथम तरणि का अर्थ 'सूर्य' है जबकि दूसरी तरणि का अर्थ 'नाव' है। जब एक ही शब्द दो अथवा दो से अधिक बार प्रयुक्त हों किन्तु अर्थ अलग-अलग हों वहाँ पर 'यमक अलंकार' होता है।

30. (c)
वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग भारत सरकार के 'शिक्षा मंत्रालय' के अंतर्गत आता है। आयोग का गठन भारत सरकार द्वारा 1 अक्टूबर 1961 को प्रख्यात वैज्ञानिक डा. डी. एस कोठारी की अध्यक्षता में किया गया। यह आयोग हिंदी और अन्य सभी भारतीय भाषाओं के वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दों को परिभाषित एवं नये शब्दों का विकास करता है।

31. (a)
'का बरखा जब कृषि सुखाने' तब कहा जाता है जब कोई कार्य उचित समय पर न हो। शेष विकल्प असंगत हैं।

32. (b)
'आये थे हरि भजन को ओटन लगे कपास' लोकोक्ति का आशय है वांछित कार्य को छोड़कर अन्य कार्य में लग जाना।

33. (a)
बीजक कबीर की रचनाओं का संग्रह है।

रचना		रचनाकार
बीजक (साखी, सबद, रमैनी)	–	कबीरदास
पद्ममावत, अखरावट, आखिरी कलाम	–	जायसी
सूरसागर, सूरसारावली, साहित्य लहरी	–	सूरदास
रामचरितमानस, गीतावली, रामलला नहछू, कवितावली, विनयपत्रिका, पार्वती मंगल	–	तुलसीदास

34. (b)
'समय का सदुपयोग ' का अर्थ उसे व्यर्थ न करना तथा उसकी कीमत पहचानकर उसका सार्थक उपयोग करना।

35. (a)
जो छात्र समय की महत्ता समझते हैं वही सफल होते हैं, क्योंकि छात्रों के जीवन में समय का अधिक महत्व है, जो छात्र इस उम्र में समय की कद्र करना सीख जाते हैं, वह भविष्य में तरक्की की ऊँचाइयों को छू लेते हैं।

36. (c)
समय धन से भी अधिक महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि धन खोने पर वापस पाया जा सकता है, परंतु बीता हुआ समय लौटाया नहीं जा सकता।

37. (a)
सजगता का पर्यायवाची शब्द सतर्कता, होशियारी, चौकन्नापन है, जबकि प्रमाद का पर्यायवाची शब्द नशा, मद, उन्माद आदि है।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET-35

1. 'त्रिवेणी' शब्द में 'त्र' .... वर्णों के योग से बना है :
(a) ति + र (b) त + र
(c) त् + र (d) त् + र्

2. वाह तुम आ गए । वाह के पश्चात् कौन सा चिह्न आएगा?
(a) प्रथमवाचक चिह्न (b) विस्मयादिबोधक चिह्न
(c) पूर्ण विराम चिह्न (d) अवतरण चिह्न

3. पशु चर रहे हैं। रेखांकित पद है–
(a) व्यक्तिवाचक संज्ञा (b) जातिवाचक संज्ञा
(c) भाववाचक संज्ञा (d) द्रव्यवाचक संज्ञा

4. 'मैं अपना काम आप करूँगा।' इस वाक्य में अधोरेखित शब्द के सर्वनाम का प्रकार लिखिए।
(a) निश्चयवाचक सर्वनाम (b) संबंधवाचक सर्वनाम
(c) निजवाचक सर्वनाम (d) पुरुषवाचक सर्वनाम

5. निम्नलिखित में से एक विशेषण शब्द नहीं है :
(a) वरदान (b) वरद
(c) वरदायक (d) वरणीय

6. अकर्मक क्रिया में इनमें से किस पर प्रभाव पड़ता है?
(a) धातु पर (b) कर्त्ता पर
(c) कर्म पर (d) क्रिया पर

7. 'तारे आकाश में चमक रहे हैं।' – इस वाक्य में 'आकाश में' किस प्रकार का क्रियाविशेषण है?
(a) कालवाचक क्रियाविशेषण
(b) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
(c) रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(d) स्थानवाचक क्रियाविशेषण

8. इनमें से कौन-सा शब्द 'वीरांगना' का पुल्लिंग रूप है?
(a) इनमें से कोई नहीं (b) वीरता
(c) वीर (d) वीरांगना

9. 'भारतीय' शब्द का बहुवचन है–
(a) भारतियों (b) भारतीयों
(c) भारतिओं (d) भारितीयों

10. 'सुरेश गीत गा रहा था' वाक्य में काल है–
(a) अपूर्ण भूत (b) पूर्ण भूत
(c) सामान्य भूत (d) आसन्न भूत

11. जिस वाक्य में कर्ता की प्रधानता होती है, लिंग, वचन प्रायः कर्त्ता के अनुसार होते हैं, वे वाक्य .... कहलाते हैं।
(a) कर्मवाच्य (b) कर्तृवाच्य
(c) भाववाच्य (d) सरल वाक्य

12. ''उसने उसे छल से पराजित किया'' में छल से में कौन सा कारक है?
(a) कर्त्ता (b) करण (c) अपादान (d) कर्म

13. आदर्शिका का तद्भव शब्द है
(a) आँच (b) आरसी (c) आदर्श (d) अदरक

14. निम्न में से कौन-सा शब्द 'क' उपसर्ग से बना है?
(a) कलाई (b) कलाधर (c) कपूत (d) कमबख्त

15. 'आध्यात्मिक' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(a) अध्यात्म (b) क (c) आत्मिक (d) इक

16. दिए गए बाईं ओर के शब्दों को दाईं ओर के उनके विलोम शब्दों से मिलाइए–

1.	उर्वर	A.	ऊसर
2.	बंजर	B.	उपजाऊ
3.	गरिमा	C.	दुराग्रह
4.	आग्रह	D.	लघिमा

(a) 1-C, 2-D, 3-C, 4-B (b) 1-B, 2-A, 3-D, 4-C
(c) 1-A, 2-B, 3-D, 4-C (d) 1-D, 2-C, 3-B, 4-A

17. किस विकल्प में सही विलोम-युग्म नहीं है?
(a) अमावस्या-पूर्णिमा (b) आचार-अनाचार
(c) गुप्त-मुक्त (d) कुटिल-सरल

18. दिए गए विकल्पों में से कौन-सा विकल्प 'दूध' का पर्याय नहीं है?
(a) दुग्ध (b) पय (c) गोरस (d) अमिय

19. अर्क के लिए बेमेल शब्द पहचानिए
(a) अफवन (b) काढ़ा (c) अंतर (d) सूर्य

20. इनमें से कौन-सा 'काल' शब्द का अर्थ नहीं है?
(a) यमराज (b) समय
(c) आनेवाला कल (d) शत्रु

21. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए शब्द-युग्म के सही अर्थ वाला विकल्प हो।
शकल-शक्ल
(a) टुकड़ा-चेहरा (b) मल-चेहरा
(c) लाज-चेहरा (d) टुकड़ा-लाज

22. 'जिसकी कोई कीमत न हो सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द है –
(a) कीमती (b) अमूल्य
(c) बहुमूल्य (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

23. 'देश में विदेश से माल आने की क्रिया' वाक्यांश के लिए उचित शब्द बताइए–
(a) आयात (b) निर्यात (c) निगमन (d) आगमन

24. 'धातूष्मा' में प्रयुक्त सन्धि है–
(a) अयादि (b) गुण (c) दीर्घ (d) यण्

25. निम्नलिखित में से एक तत्पुरुष समास का उदाहरण नहीं है:
(a) मुँहमाँगा (b) रसोईघर (c) कामचोर (d) कूड़ाकचरा

26. निम्न में से कौन सा वाक्य शुद्ध है?
(a) बालक छत में खेल रहे है।
(b) श्वेता मेरे पास दौड़ती हुई आई।
(c) एक किताब कहानी की दे दीजिए।
(d) आप क्या किताब पढ़ेंगे?

27. जिन पक्तियों में नायक– नायिका के संयोग या वियोग का वर्णन होता है, वहाँ रस की दृष्टि से कौन-सा रस होता है?
(a) हास्य रस (b) शृंगार रस
(c) करुण रस (d) अद्भुत रस

28. कुंडलियाँ छंद में कितने चरण होते हैं?
(a) दस (b) छह (c) तीन (d) चार

29. 'खग कुल कुल-कुल सा बोल रहा' रेखांकित शब्दों का अलंकार है–
(a) यमक (b) श्लेष (c) उपमा (d) रूपक

30. पाँचवां विश्व हिंदी सम्मेलन किस वर्ष संपन्न हुआ था?
(a) 1993 (b) 1999 (c) 2003 (d) 1996

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

31. 'एक पंथ दो काज' लोकोक्ति का अर्थ है–
(a) एक काज होना
(b) लाभ ही लाभ होना
(c) एक काम से चार लाभ होना
(d) एक ही काम से दो लाभ होना

32. 'नेकी कर दरिया में डाल' लोकोक्ति का उपयुक्त अर्थ हैः
(a) मदद करके मदद की उम्मीद करना
(b) उपकार करके उपकार की बात को भूल जाना
(c) घृणा के बदले प्रेम करना
(d) कष्ट सहकर परोपकार करना

33. दिए गए विकल्पों में से निर्गुण भक्ति काव्य के प्रमुख कवि कौन हैं?
(a) सूरदास (b) कबीर (c) तुलसीदास (d) केशव

निर्देश-दिये गए गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

पूँजीवाद समाज में लेखक, पुस्तक और पाठक के बीच बाजार आ गया है। इस बाजार के कारण लेखक का पाठक से सीधा संबंध नहीं रह पाता। इसलिए मार्क्स ने कहा है कि पूँजीवादी समाज में कला, साहित्य या लेखक के लिए एलियनेशन की समस्या सबसे बड़ी है। पुराने समाज में कला व कलाकार अपने समाज से पूरी तरह जुड़े थे। कला की रचना और सुरक्षा दोनों का दायित्व समाज का था। बाद में कला दरबार में आयी, कला और कलाकार का क्षेत्र संकुचित हुआ। कह सकते हैं कि इसमें उसका अजनबीपन या एलियनेशन और बढ़ा।

34. पूँजीवादी समाज में लेखक और पाठक के बीच क्या आ गया है?
(a) दरबार (b) प्रचार (c) बाजार (d) समाचार

35. पुराने समाज में कला की सुरक्षा का दायित्व किसका था?
(a) कलाकार का (b) बाजार का
(c) शासक का (d) समाज का

36. कला क्षेत्र के संकुचन का आशय है–
(a) कला का दायरा बढ़ना
(b) कला का दायरा सीमित होना
(c) कला का उन्नयन
(d) कला का लोकप्रिय होना

37. 'अजनबीपन' का आशय है–
(a) एकाकीपन (b) अपनापन
(c) सामुदायिकता (d) लोकप्रियता

SOLUTION : PRACTICE SET-35

ANSWER KEY

1. (c)	9. (b)	17. (c)	25. (d)	33. (b)
2. (b)	10. (a)	18. (d)	26. (b)	34. (c)
3. (b)	11. (b)	19. (c)	27. (b)	35. (d)
4. (c)	12. (b)	20. (c)	28. (b)	36. (b)
5. (a)	13. (b)	21. (a)	29. (a)	37. (a)
6. (b)	14. (c)	22. (b)	30. (d)	
7. (d)	15. (d)	23. (a)	31. (d)	
8. (c)	16. (c)	24. (c)	32. (b)	

SOLUTION

1. (c)
'त्रिवेणी' शब्द में 'त्र' = त् + र वर्णों के योग से बना है।

2. (b)
'वाह तुम आ गए' विराम चिह्न की दृष्टि से यह अशुद्ध वाक्य है। वाक्य में वाह के पश्चात 'विस्मयादिबोधक चिह्न' (!) का प्रयोग किया जाएगा। अतः शुद्ध वाक्य इस प्रकार होगा–वाह ! तुम आ गए।

3. (b)
पशु चर रहे हैं। रेखांकित पद जातिवाचक संज्ञा है।
जातिवाचक संज्ञा– ऐसे शब्द जिनसे किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान की सम्पूर्ण जाति का बोध हो 'जातिवाचक संज्ञा' कहलाते हैं। जैसे–मोबाइल, गाँव, स्कूल, आदमी, जानवर, पर्वत, लड़का आदि।

4. (c)
'मैं अपना काम आप करूँगा।' इस वाक्य में अधोरेखित शब्द के सर्वनाम का प्रकार निजवाचक सर्वनाम है।
'वह सर्वनाम शब्द जो स्वयं के लिए प्रयोग किया जाता है। निजवाचक सर्वनाम कहलाता है।' **जैसे**- आप, अपना, अपने आप आदि। जबकि निश्चयवाचक सर्वनाम में- यह, वह तथा अनिश्चयवाचक सर्वनाम में- कोई, कुछ और पुरुषवाचक सर्वनाम में- मैं, हम, तू, तुम, वह, वे, यह, ये इत्यादि शब्द आते हैं।

5. (a)
वरद, वरदायक और वरणीय विशेषण शब्द है, जबकि वरदान विशेष्य पद है।

6. (b)
क्रिया- जो शब्द किसी कार्य के करने या होने का बोध कराते हैं क्रिया कहलाते हैं। कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैं।
अकर्मक क्रिया- जहाँ वाक्य में कर्म नहीं होता है वहाँ अकर्मक क्रिया होती है। **जैसे**- हँसना, रोना, सोना, उठना आदि।
सकर्मक क्रिया- जिस वाक्य में कर्म होता है उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं। **जैसे**- गीता क्रिकेट खेलती है।

7. (d)
'तारे आकाश में चमक रहे हैं।' –इस वाक्य में 'आकाश में' स्थानवाचक क्रियाविशेषण का रूप है। वे शब्द जो क्रिया के होने के स्थान का बोध कराते हैं स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं। **जैसे-** यहाँ, वहाँ आदि।

8. (c)
'वीरांगना' शब्द का पुल्लिंग रूप 'वीर' होता है।

9. (b)
'भारतीय' शब्द का बहुवचन 'भारतीयों' होगा। शेष असंगत हैं।

10. (a)
'सुरेश गीत गा रहा था' वाक्य में 'अपूर्ण भूतकाल' है। इसमें भूतकाल में क्रिया के होने का बोध होता है, किन्तु उसकी समाप्ति का नहीं। विकल्प में दिये गये शेष कालों के उदाहरण इस प्रकार हैं–
पूर्ण भूत – उसने रात को खाना खाया था।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

सामान्य भूत – प्रधानमंत्री विदेश दौरे पर गये।

आसन्न भूत – मैंने चाय पी है।

11. (b)
जिस वाक्य में कर्ता की प्रधानता होती है तथा लिंग, वचन प्रायः कर्ता के अनुसार होते हैं, वे वाक्य 'कर्तृवाच्य' कहलाते हैं; जैसे- 1. राम पुस्तक पढ़ता है।
2. प्रधानमंत्री विदेश दौरे पर गये।
इन उदाहरणों में क्रिया कर्ता की प्रधानता को व्यक्त कर रहा है। कर्तृवाच्य सकर्मक और अकर्मक दोनों क्रियाओं में होता है।

12. (b)
'उसने उसे छल से पराजित किया' वाक्य में 'छल से' में 'करण कारक' है। करण का अर्थ होता है–साधन या माध्यम। अतः क्रिया के करने अथवा होने के साधन या माध्यम वाले संज्ञा या सर्वनाम पद करण कारक कहलाते हैं। इसका परसर्ग 'से' तथा 'के द्वारा' होता है।

13. (b)

तद्भव		**तत्सम**
आँच	-	अर्चि
आरसी	-	आदर्शिका, आदर्श
अदरक	-	आर्द्रक

14. (c)
'कपूत' शब्द 'क' उपसर्ग से बना है। उपसर्ग ऐसे शब्दांश होते हैं जो किसी शब्द के पूर्व में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं या उसके अर्थ में विशेषता ला देते हैं।

15. (d)
आध्यात्मिक शब्द में 'इक' प्रत्यय का प्रयोग किया गया है। वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में लगकर उस शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं अर्थात नए अर्थ का बोध कराते हैं। प्रत्यय कहलाते हैं।
जैसे - सामाजिक = समाज + इक
सुगन्धित = सुगंध + इत

16. (c)

शब्द	**-**	**विलोम**
उर्वर	-	ऊसर
बंजर	-	उपजाऊ
गरिमा	-	लघिमा
आग्रह	-	दुराग्रह

17. (c)
'गुप्त-मुक्त' सही विलोम युग्म नहीं है। शेष विलोम युग्म संगत हैं। गुप्त का विलोम 'प्रकट' तथा मुक्त का विलोम 'बंधन' होगा।

18. (d)
'अमिय' शब्द दूध का पर्याय नहीं है। बल्कि यह अमृत का पर्याय है अमृत के अन्य पर्याय- पीयूष, सुधा, जीवनोदक इत्यादि हैं जबकि दुग्ध, पय और गोरस दूध के पर्याय हैं।

19. (c)
'अर्क' के लिए बेमेल शब्द 'अंतर' है। अफवन, काढ़ा, सूर्य 'अर्क' के समानार्थी शब्द हैं।

20. (c)
'काल' शब्द का अर्थ यमराज, समय, तथा शत्रु होता है। आने वाला कल का सम्बन्ध अगले दिन से होता है।

21. (a)
दिए गए शब्द युग्म-'शकल-शक्ल' का सही अर्थ 'टुकड़ा-चेहरा' होगा।

22. (b)
'जिसकी कोई कीमत न हो सके' एक शब्द है-अमूल्य। जो बहुत कीमती हो, उसे बहुमूल्य कहा जाता है।

23. (a)
'देश में विदेश से माल आने की क्रिया' वाक्यांश के लिए उचित शब्द 'आयात' होगा। जबकि, देश से विदेश में माल जाने की क्रिया हेतु उचित शब्द 'निर्यात' होगा।

24. (c)
धातूष्मा = धातु + ऊष्मा में दीर्घ स्वर संधि है।
इसके नियमानुसार जब ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ, ऋ के बाद ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ, ऋ आये तो दोनों मिलकर दीर्घ आ, ई, ऊ, ॠ बन जाते हैं। जैसे–
लघु + ऊर्मि = लघूर्मि, सिंधु + ऊर्मि = सिंधूर्मि, साधु + ऊर्जा = साधूर्जा, वधू + उत्सव = वधूत्सव।

25. (d)
'कूड़ाकचरा' तत्पुरुष समास का उदाहरण नहीं है। अन्य शब्द एवं समास इस प्रकार हैं-

शब्द	**समास**
कूड़ाकचरा	द्वन्द्व समास
मुँहमाँगा	तत्पुरुष समास
रसोईघर	तत्पुरुष समास
कामचोर	तत्पुरुष समास

26. (b)
दिए हुए प्रश्न में शुद्ध वाक्य है– श्वेता मेरे पास दौड़ती हुई आई है।

27. (b)
नायक-नायिका के प्रेम संबंधी वर्णन तथा उनके सौंदर्य की परिपक्व अवस्था को शृंगार रस कहते हैं। इसका स्थायी भाव 'रति' होता है। इसके दो भेद होते हैं-
(i) **संयोग शृंगार-** जहाँ नायक और नायिका की संयोगावस्था का वर्णन होता है वहां संयोग शृंगार होता है।
(ii) **वियोग शृंगार-** जहाँ नायक-नायिका की वियोगावस्था का वर्णन होता है वहां वियोग शृंगार होता है।

28. (b)
कुंडलियाँ में छह (6) चरण होते हैं कुंडलियाँ विषम मात्रिक संयुक्त छन्द है। जो दोहा और रोला छन्दों को मिलाने से बनता है। इस छंद के प्रथम चरण की रचना दोहे से और अंतिम चरण की रचना रोला में होती है।

29. (a)
उपर्युक्त रेखांकित शब्दों में 'यमक अलंकार' प्रयोग हुआ है। जहाँ कोई शब्द एक से अधिक बार प्रयुक्त हो किन्तु उसके अर्थ अलग-अलग हो, वहाँ 'यमक अलंकार' होता है।

30. (d)
पाँचवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन वर्ष 1996 में संपन्न हुआ था। यह त्रिनिदाद एवं टोबेगो में संपन्न हुआ। छठवाँ विश्व हिंदी सम्मेलन वर्ष 1999 में लंदन (ब्रिटेन) में संपन्न हुआ। 11वाँ सम्मेलन 2018 में पोर्ट लुईस मॉरीशस में सम्पन्न हुआ।

31. (d)
'एक पंथ दो काज' लोकोक्ति का अर्थ है- 'एक ही काम से दो लाभ होना।' लोकोक्ति पूर्ण वाक्य होते हैं, जबकि मुहावरे वाक्यांश होते हैं।

32. (b)
'नेकी कर दरिया में डाल' लोकोक्ति का उपयुक्त अर्थ–उपकार करके उपकार की बात को भूल जाना है।

33. (b)
'कबीर' 'निर्गुण भक्ति धारा' के कवि थे। इन्होंने जाति-प्रथा, धार्मिक कर्मकाण्ड, बाह्य आडम्बर, मूर्तिपूजा, जप-तप, अवतारवाद आदि का घोर विरोध करते हुए एकेश्वरवाद एवं निराकार ब्रह्म की उपासना को महत्व दिया।

34. (c)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार पूँजीवादी समाज में लेखक और पाठक के बीच 'बाजार' आ गया है।

35. (d)
पुराने समाज में कला की सुरक्षा का दायित्व 'समाज का' था।

36. (b)
कला क्षेत्र के संकुचन का आशय 'कला का दायरा सीमित होना' है।

37. (a)
अजनबीपन का आशय 'एकाकीपन' है।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET - 36

1. निम्नलिखित में से उच्चारण की दृष्टि से असंगत युग्म है :
(a) न – दंत्य (b) घ – कंठ्य
(c) य – मूर्धन्य (d) ब – ओष्ठ्य

2. दिए गए वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न का चयन कीजिए।
बच्चे शांतिपूर्वक बैठो।
(a) 0 (b) !
(c) ..... (d) ;

3. 'राज्यपाल' में कौन सी संज्ञा है?
(a) व्यक्तिवाचक (b) जातिवाचक
(c) भाववाचक (d) समूहवाचक

4. 'वह दूसरों को नहीं बल्कि अपने-आप को सुधार रहा है।' इस वाक्य में अधोरेखित शब्दों के सर्वनाम का प्रकार लिखिए।
(a) संबंधवाचक सर्वनाम (b) पुरुषवाचक सर्वनाम
(c) निश्चयवाचक सर्वनाम (d) निजवाचक सर्वनाम

5. निम्नलिखित में से एक विशेषण शब्द है :
(a) लाघव (b) महत्त्व
(c) लघुता (d) महत्

6. 'सीता सोयी है।' इस वाक्य में क्रिया का कौन-सा प्रकार है?
(a) पूर्वकालिक क्रिया (b) अकर्मक क्रिया
(c) अनेकार्थक क्रिया (d) सकर्मक क्रिया

7. 'यथासंभव दूसरों की मदद करो।'–इस वाक्य में किस प्रकार के क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है?
(a) रीतिवाचक (b) परिमाणवाचक
(c) कालवाचक (d) स्थानवाचक

8. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द पुल्लिंग है ?
(a) दया (b) भाषा
(c) माया (d) आभार

9. 'जाति' शब्द का बहुवचन रूप क्या होगा?
(a) जातिऐं (b) जातियाँ
(c) जातिओं (d) जातियां

10. निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा संदिग्ध भूतकाल का उदाहरण है?
(a) मैंने सामान वहीं रखा था।
(b) मैं सामान वहीं रखा था।
(c) मैंने वहीं सामान रखा था।
(d) मैंने वहीं सामान रखा होगा।

11. निम्नलिखित में से कर्तृवाच्य का वाक्य बताइए –
(a) तुलसीदास ने रामचरितमानस लिखी।
(b) राम द्वारा रावण को मारा गया।
(c) उससे खाया नहीं गया।
(d) छात्रों द्वारा फुटबाल खेली जाती है।

12. 'से', के द्वारा' किस कारक का परसर्ग है?
(a) अपादान (b) करण
(c) सम्प्रदान (d) अधिकरण

13. 'आम' का तत्सम शब्द है
(a) अंबु (b) आंबु
(c) आम्र (d) आंब्र

14. 'प्रतिवाद' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) प्रतिवा (b) द
(c) वाद (d) प्रति

15. इनमें से कौन-सा शब्द 'एला' प्रत्यय से निर्मित नहीं है?
(a) अधेला (b) अकेला
(c) मटैला (d) बघेला

16. 'उपत्यका' का विलोम शब्द है–
(a) अनुत्यका (b) अधित्यका
(c) उचत्यका (d) अपत्यका

17. 'चिरन्तन' का सही विलोम शब्द है :
(a) नश्वर (b) अचिन्तन
(c) अचर (d) अचेतन

18. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'तरक्की' का पर्याय नहीं है?
(a) विकास (b) वृद्धि
(c) अपकर्ष (d) उन्नति

19. निम्नलिखित में कौन शब्द 'कंधा' का समानार्थी है?
(a) अंश (b) अंशु
(c) अश्रु (d) अंस

20. इनमें से कौन-सा शब्द 'उद्योग' का अनेकार्थी शब्द है?
(a) कारखाना (b) रोजगार
(c) साधारण (d) सरल

21. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्प में से, सही विकल्प का चयन करें जो दिए गए शब्द-युग्म के सही अर्थ का उचित विकल्प हो।
तनी-तनि
(a) बंधन-थोड़ा (b) गर्म-बंधन
(c) तराजू-थोड़ा (d) लहर-बंधन

22. 'बढ़ा चढ़ा कर कहना' के लिए एक शब्द है
(a) अतिवादी (b) अतिशय
(c) अत्यन्त (d) अतिशयोक्ति

23. 'धन से सम्बन्ध रखने वाला' वाक्यांश के लिए उचित शब्द क्या होगा?
(a) मालिक (b) आर्थिक
(c) मूल्यवान (d) कीमती

24. भूर्ध्व का संधि विच्छेद है-
(a) भू: + ध्व (b) भू + उर्ध्व
(c) भु: + ध्व (d) भू: + व

25. 'राजदरबार' में कौन सा समास है?
(a) अव्ययीभाव (b) तत्पुरुष
(c) द्वंद्व (d) द्विगु

26. 'शीर्षक को चयन करते समय अनुच्छेद में निहित भावों और विचारों की परख कर लेनी चाहिए।'
वाक्य के अशुद्ध भाग का चयन कीजिए।
(a) शीर्षक को चयन (b) परख कर लेनी चाहिए।
(c) भावों और विचारों की
(d) करते समय अनुच्छेद में निहित

27. किस रस को रसराज कहा जाता है?
(a) शृंगार रस (b) वीर रस
(c) शांत रस (d) करुण रस

28. इनमें से कौन-सा छंद वर्णिक है?
(a) सोरठा (b) सवैया
(c) बरवै (d) छप्पय

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

29. दिए गए वाक्य में प्रयुक्त अलंकार के भेद का चयन दिए गए विकल्पों में से करें।
ऊंचे घोर मन्दर के अन्दर रहन वारी,
ऊंचे घोर मन्दर के अन्दर रहती है।
(a) श्लेष (b) यमक
(c) उपमा (d) रूपक

30. 'हंड्रेड पोएम्स ऑफ़ कबीर' पुस्तक के संपादक इनमें से कौन हैं?
(a) परशुराम चतुर्वेदी (b) एवलीन अंडरहील
(c) रवीन्द्रनाथ टैगोर (d) क्षितिमोहन सेन

31. ''एक करेला __________।'' लोकोक्ति पूर्ण करें।
(a) दूजा भांग चढ़ा (b) दूजा पेड़ चढ़ा
(c) दूजा पेड़ भला (d) दूजा नीम चढ़ा

32. 'रस्सी जल गई पर ऐंठन नहीं गई' मुहावरे/लोकोक्ति का सटीक अभिप्राय हैः
(a) अहंकार कभी समाप्त नहीं होता
(b) बरबाद हो जाने पर भी अहंकार बना रहना
(c) रस्सी की मजूबूती के कारण ऐंठन बनी रहना
(d) व्यक्ति चालाकी से बाज नहीं आता

33. कबीर के प्रमुख शिष्य थे–
(a) रैदास (b) धर्मदास
(c) दादू (d) सुंदरदास

निर्देश-दिये गए गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ईर्ष्या का काम जलाना है; मगर, सबसे पहले वह उसी को जलाती है जिसके हृदय में उसका जन्म होता है। आप भी ऐसे बहुत से लोगों को जानते होंगे जो ईर्ष्या और द्वेष की साकार मूर्ति हैं, जो बराबर इस फिक्र में लगे रहते हैं कि कहाँ सुनने वाले मिलें कि अपने दिल का गुबार निकालने का मौका मिले। श्रोता मिलते ही उनका ग्रामोफोन बजने लगता है और वे बड़े ही होशियारी के साथ एक-एक काण्ड इस ढंग से सुनाते हैं, मानों विश्व कल्याण को छोड़कर उनका और कोई ध्येय नहीं हो। मगर, जरा उनके अपने इतिहास को भी देखिए और समझने की कोशिश कीजिए कि जबसे उन्होंने इस सुकर्म का आरंभ किया है, तबसे वे अपने क्षेत्र में आगे बढ़े हैं या पीछे हटे हैं। यह भी कि अगर वे निंदा करने में समय और शक्ति का अपव्यय नहीं करते तो आज उनका स्थान कहाँ होता।

34. ईर्ष्या का काम हैः
(a) रूलाना (b) हँसाना
(c) जलाना (d) नचाना

35. गद्यांश में प्रयुक्त 'ध्येय' का क्या अर्थ है?
(a) लक्ष्य (b) इच्छा (c) आदर्श (d) मूल्य

36. गद्यांश में ईर्ष्यालु व्यक्तियों कीः
(a) प्रशंसा की गई है। (b) खिल्ली उड़ाई गई है
(c) स्तुति की गई है (d) उपासना की गई है।

37. 'अपव्यय' का क्या अर्थ होता है?
(a) खर्च (b) कम खर्च
(c) अधिक खर्च (d) फिजूल खर्च

SOLUTION : PRACTICE SET- 36

ANSWER KEY

1. (c)	9. (b)	17. (a)	25. (b)	33. (b)
2. (b)	10. (d)	18. (c)	26. (a)	34. (c)
3. (b)	11. (a)	19. (d)	27. (a)	35. (a)
4. (d)	12. (b)	20. (a)	28. (b)	36. (b)
5. (d)	13. (c)	21. (a)	29. (b)	37. (d)
6. (b)	14. (d)	22. (d)	30. (c)	
7. (a)	15. (c)	23. (b)	31. (d)	
8. (d)	16. (b)	24. (b)	32. (b)	

SOLUTION

1. (c)
'य - मूर्धन्य' यह उच्चारण की दृष्टि से असंगत युग्म है। इसका संगत युग्म निम्न हैं।
कंठ्य - क, ख, ग, घ, ङ
तालव्य - च, छ, ज, झ, ञ
मूर्धन्य - ट, ठ, ड़, ढ़, ण
दंत्य - त, थ, द, ध, न
ओष्ठ्य - प, फ, ब, भ, म
अंतःस्थ - य, र, ल, व

2. (b)
दिए गए वाक्य 'बच्चे शांतिपूर्वक बैठो' में उपयुक्त विराम चिह्न (!) का प्रयोग होगा।
अतः शुद्ध वाक्य निम्न होगा - बच्चे! शान्तिपूर्वक बैठो।

3. (b)
'राज्यपाल' जातिवाचक संज्ञा शब्द है। जिन संज्ञाओं से एक ही प्रकार की वस्तुओं अथवा व्यक्तियों का बोध हो, उन्हें 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं। विभिन्न संबंधियों, व्यवसायों, पदों और कार्यों का नाम जातिवाचक संज्ञा होती है। जैसे- बहन, भाई, अध्यापक, मंत्री, चोर आदि।

4. (d)
'वह दूसरों को नहीं बल्कि अपने-आप को सुधार रहा है।' इस वाक्य में अधोरेखित शब्द में 'निजवाचक सर्वनाम' का प्रयोग हुआ है। निजवाचक सर्वनाम का परसर्ग 'आप' है जो कि स्वयं के लिए प्रयोग होता है।

5. (d)
लाघव, महत्त्व और लघुता विशेष्य पद हैं, जबकि महत् विशेषण शब्द है।

6. (b)
'सीता सोयी है।' इस वाक्य में अकर्मक क्रिया है। रचना की दृष्टि से क्रिया के दो भेद होते हैं–1. अकर्मक क्रिया, 2. सकर्मक क्रिया। जिन क्रियाओं का परिणाम स्वयं कर्त्ता पर पड़ता है वे अकर्मक क्रिया तथा जिन क्रियाओं का परिणाम कर्म पर पड़ता है उन्हें सकर्मक क्रिया कहते हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

7. (a)
'यथासंभव दूसरों की मदद करो।' वाक्य में रीतिवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है। जिन शब्दों के द्वारा क्रिया के संपन्न होने की रीति का बोध होता है, उसे रीतिवाचक क्रिया विशेषण कहते हैं। **जैसे**-गाड़ी की रफ्तार बहुत तेज थी।

8. (d)
दिये गये विकल्पों में 'आभार' पुल्लिंग शब्द है जबकि दया, भाषा तथा माया स्त्रीलिंग शब्द हैं।

9. (b)
'जाति' शब्द का बहुवचन 'जातियाँ' होगा। शेष असंगत हैं।

10. (d)
'मैंने वहीं सामान रखा होगा।' वाक्य में संदिग्ध भूतकाल होगा। संदिग्ध भूतकाल में यह संदेह बना रहता है कि भूतकाल में कार्य पूरा हुआ था या नहीं; जैसे– तुमने खाना खाया होगा।

11. (a)
दिये गये विकल्पों में 'तुलसीदास ने रामचरितमानस लिखी' कर्तृवाच्य का उदाहरण है, जबकि 'राम द्वारा रावण को मारा गया', 'छात्रों द्वारा फुटबॉल खेली जाती है' कर्मवाच्य के उदाहरण हैं। 'उससे खाया नहीं गया' में भाववाच्य है।

12. (b)
'से', 'के द्वारा' करण कारक का परसर्ग है।

13. (c)
'आम' का तत्सम शब्द '**आम्र**' होता है। 'तत्सम' (तत् + सम) शब्द का अर्थ है। 'उसके समान' अर्थात संस्कृत के वे शब्द जो ज्यों के त्यों हिन्दी में प्रयुक्त किये जाते हैं; तत्सम शब्द कहलाते हैं।
तद्भव-'तदभव' (तत् + भव) शब्द का अर्थ है- उससे होना अर्थात संस्कृत से समान अतः संस्कृत के परिवर्तित शब्द जो हिन्दी में प्रयुक्त किये जाते है, तद्भव शब्द कहलाते हैं।

14. (d)
'प्रतिवाद' शब्द में 'प्रति' उपसर्ग है तथा 'वाद' मूल शब्द है। 'प्रति' उपसर्ग से बनने वाले अन्य शब्द-प्रतिकार, प्रतिक्षण, प्रतिनिधि आदि हैं।

15. (c)
'मटैला' शब्द 'एला' प्रत्यय से निर्मित नहीं है। मटैला में ऐला प्रत्यय लगा है। 'एला' प्रत्यय से निर्मित शब्द हैं:- अधेला, अकेला, बघेला।

16. (b)
'उपत्यका' का विलोम 'अधित्यका' होगा।

17. (a)
व्याख्या–'चिरन्तन' शब्द का सही विलोम 'नश्वर' है। जबकि 'अचर' का 'चर', 'अचेतन' का 'चेतन' एवं 'अचिन्तन' का 'चिन्तन' विलोम शब्द होता है।

18. (c)
'अपकर्ष' तरक्की का पर्याय नहीं है, जबकि वृद्धि, विकास, उन्नति आदि तरक्की के पर्याय हैं।

19. (d)
कन्धा का समानार्थी शब्द 'अंस' है जबकि अंश का अर्थ भाग (हिस्सा), अंशु का अर्थ 'किरण' एवं अश्रु का अर्थ 'आँसू' है। कन्धा के अन्य समानार्थी शब्द- स्कंध, भुजमूल, मोढ़ा आदि हैं।

20. (a)
'कारखाना' शब्द उद्योग का अनेकार्थी शब्द है। ऐसे शब्द जिनके अनेक या एक से अधिक अर्थ होते हैं उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं। **जैसे**-अमृत-स्वर्ण, जल, पारा, दूध, अन्न।

21. (a)
उपर्युक्त शब्द-युग्म में तनी का अर्थ बंधन तथा तनि का अर्थ थोड़ा होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

22. (d)
दिये गये विकल्पों में 'बढ़ा-चढ़ाकर कहना' के लिए उपयुक्त शब्द है – अतिशयोक्ति।

23. (b)
'धन से सम्बन्ध रखने वाला' वाक्यांश के लिए उचित शब्द 'आर्थिक' होगा।

24. (b)
'भूर्ध्व' का संधि विच्छेद- भू + उर्ध्व है। इसमें दीर्घ स्वर संधि है।

25. (b)
'राजदरबार' में सम्बन्ध तत्पुरुष समास है क्योंकि राजदरबार का समास विग्रह होगा 'राजा का दरबार'। यहाँ सम्बन्ध कारक विभक्ति 'का' प्रयुक्त हुआ है। अतः यहाँ सम्बन्ध तत्पुरुष समास है।

26. (a)
दिये गये वाक्य 'शीर्षक को चयन करते समय अनुच्छेद में निहित भावों और विचारों की परख कर लेनी चाहिए' के भाग- 'शीर्षक को चयन' में त्रुटि है। यहाँ 'शीर्षक को चयन' के स्थान पर 'शीर्षक का चयन' उपयुक्त होगा, अतः शुद्ध वाक्य होगा- शीर्षक का चयन करते समय अनुच्छेद में निहित भावों और विचारों की परख कर लेनी चाहिए।

27. (a)
'शृंगार रस' को **रसराज** कहा जाता है। शृंगार रस के दो भेद हैः- (1) संयोग शृंगार (2) वियोग शृंगार।
संयोग शृंगार- जहाँ नायक और नायिकाओं के मिलन का वर्णन हो।
जैसे- बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
वियोग शृंगार– जहाँ नायक और नायिका के विरह का वर्णन हो।
जैसे–

हे खग मृग, हे मधुकर श्रेनी!
तुम देखी सीता मृग नैनी।।

28. (b) जिन छंदों की रचना वर्णों की गणना के आधार पर होती है, उसे वर्णिक छंद कहते हैं। 'सवैया' छंद वर्णिक छंद के अंतर्गत आता है।

29. (b) दिये गए पंक्ति में 'यमक अलंकार' है। इसमें शब्दों की आवृत्ति एक से अधिक बार होती है और उनके अर्थ अलग-अलग होते हैं। यहाँ पर ऊंचे घोर मन्दर का अर्थ ऊंचे विशाल घर-महल और ऊंचे विशाल पहाड़ होगा।

30. (c) 'हंड्रेड पोएम्स ऑफ़ कबीर' पुस्तक के सम्पादक 'रवीन्द्रनाथ टैगोर' हैं। इस पुस्तक का प्रकाशन 'एवलीन' द्वारा किया गया। इस पुस्तक में कबीर ने सूफीवाद और हिंदू धर्म के दर्शन को जोड़ा है।

31. (d) दी गयी लोकोक्ति का पूर्ण रूप ''एक तो करेला दूजा नीम चढ़ा'' होगा। जिसका अर्थ है– 'बुरे की और बुरे के साथ संगति'।

32. (b) 'रस्सी जल गई पर ऐंठन न गई' मुहावरे/लोकोक्ति का सटीक अभिप्राय होगा- 'बरबाद हो जाने पर भी अहंकार बना रहना।'

33. (b) कबीरदास निर्गुण भक्ति काव्य धारा के प्रतिनिधि सन्त कवि थे। कबीर के शिष्यों में प्रमुख 'धर्मदास' थे, जिन्होंने कबीर की वाणी का संकलन बीजक नाम से किया। इन्होंने कबीर का शिष्यत्व प्राप्त करने के लिए अपनी सारी सम्पत्ति दान कर दी थी।

34. (c)
उपर्युक्त गद्यांश की प्रथम पंक्ति के अनुसार 'ईर्ष्या का काम 'जलाना' है; मगर, सबसे पहले वह उसी को जलाती है जिसके हृदय में उसका जन्म होता है।'

35. (a)
दिये गये गद्यखण्ड में प्रयुक्त 'ध्येय' शब्द का अर्थ 'लक्ष्य' है जो गद्य की पंक्तियों द्वारा स्पष्ट होता है। (श्रोता मिलते ही .... कोई ध्येय नहीं हों।)

36. (b)
दिये गये गद्यांश में ईर्ष्यालु व्यक्ति की 'खिल्ली उड़ाई गयी है' लेखक के विश्लेषणानुसार गद्य का सार है कि दिमाग की सकारात्मक ऊर्जा का प्रयोग सतत् उत्तम प्रयासों के सन्दर्भ में होना चाहिए; न कि ईर्ष्या के वशीभूत होकर नकारात्मकता का भण्डार बन जाने में। ईर्ष्या द्वेष के भाव सर्वप्रथम उसे ही अपना लक्ष्य बनाते हैं जिसके मन में ये भाव उत्पन्न होते हैं।

37. (d)
'अपव्यय' दो शब्दों से मिलकर बना है। यह शब्द 'अप' उपसर्ग और 'व्यय' शब्द के संयोग से बना है, जिसका अर्थ 'फिजूल खर्च' है। अतः अपव्यय का सही अर्थ 'फिजूल खर्च' होगा।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET - 37

1. 'सर्वज्ञ' शब्द में संयुक्त व्यंजन 'ज्ञ' .... वर्णों के योग से बना है
(a) ज् + ञ (b) ज + य
(c) ज् + य (d) ज + ञ

2. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो विराम चिह्न युक्त वाक्य का सही विकल्प हो।
(a) आह! यह पीड़ा अब और सहन नहीं होती।
(b) आह, यह पीड़ा अब और सहन नहीं होती।
(c) आह यह पीड़ा अब और सहन नहीं होती।
(d) आहः यह पीड़ा अब और सहन नहीं होती।

3. 'गरीबों' की सहायता करो। 'गरीब' शब्द क्या है?
(a) विशेषण (b) विशेष्य
(c) जातिवाचक संज्ञा (d) भाववाचक संज्ञा

4. 'शीला अपने कपड़े स्वयं धोती है।' इस वाक्य में 'स्वयं' सर्वनाम का कौन-सा भेद है?
(a) निजवाचक (b) संबंधवाचक
(c) पुरुषवाचक (d) निश्चयवाचक

5. निम्नलिखित में से एक विशेषण शब्द नहीं है :
(a) बहुरूपिया (b) बातूनी
(c) बादामी (d) बांका

6. इनमें से किस वाक्य में अकर्मक क्रिया है?
(a) चालक गाड़ी चलाता है (b) मां स्वेटर बुनती है
(c) रामू खाना खा रहा है (d) श्याम हँसता है

7. 'आपस में झगड़ा मत करो।'- इस वाक्य में किस प्रकार के क्रिया विशेषण का प्रयोग हुआ है?
(a) स्थानवाचक (b) रीतिवाचक
(c) कालवाचक (d) परिमाणवाचक

8. दिए गए विकल्पों में से 'ज्ञानवती' का पुल्लिंग शब्द छाँटिएः
(a) ज्ञानवत (b) ज्ञानवान्
(c) ज्ञानयुक्त (d) ज्ञानेय

9. 'पंखा' का बहुवचन क्या होगा?
(a) पँखे (b) पँखें
(c) पंख (d) पंखे

10. 'यदि बारिश होती तो सूखा न पड़ता' – इस वाक्य में काल का कौन-सा रूप है?
(a) संदिग्ध भूतकाल (b) हेतुहेतुमद् भविष्य
(c) संभाव्य भविष्य (d) हेतुहेतुमद् भूतकाल

11. निम्नलिखित में से कौन-सा कर्तृवाच्य नहीं दर्शाता है
(a) विनय से चला नहीं जाता (b) रौशनी फल नहीं बेचती
(c) मैं अब काम नहीं करता (d) राम कपड़े सिलता है

12. 'माँ <u>के लिए</u> दवा ले आओ' वाक्य में रेखांकित शब्द है?
(a) कर्त्ता कारक (b) कर्म कारक
(c) करण कारक (d) संप्रदान कारक

13. निम्नलिखित में से तत्सम शब्द है–
(a) आस (b) आँख
(c) कान (d) आमलक

14. 'आत्मत्याग' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) ग (b) त्याग
(c) आ (d) आत्म

15. 'नीलिमा' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(a) लिमा (b) इमा (c) मा (d) नीलि

16. 'उन्मीलन' शब्द का विलोम निम्न में से क्या है?
(a) निमीलन (b) अवमीलन
(c) अनुमीलन (d) निर्मीलन

17. जंगम का विलोम निम्न में से क्या है ?
(a) वन (b) स्थावर
(c) जंगल (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

18. गंगा का पर्यायवाची नहीं है
(a) भागीरथी (b) सुरसरि
(c) अवतरणी (d) मंदाकिनी

19. मुद्रिका का पर्यायवाची क्या होगा?
(a) अंगूठी (b) कंगन
(c) मुद्रा (d) मौन

20. इनमें से कौन-सा शब्द 'अरुण' शब्द का अर्थ नहीं है?
(a) गरूड़ (b) केसर (c) कर्ण (d) सिंदूर

21. निम्नलिखित विकल्पों में दो शब्दों का जोड़ा (प्रथमःद्वितीय) दिया गया है। वह जोड़ा ज्ञात करें, जिसमें द्वितीय शब्द का अर्थ प्रथम शब्द के समान न हो।
(a) पामरःखल (b) प्रपातःवैजयंती
(c) कलेवरःकाया (d) असिःकरवाल

22. 'जिस पर अनुग्रह किया गया हो' वाक्यांश के लिए प्रयुक्त शुद्ध एक शब्द है –
(a) अनुग्रहीत (b) अनुगृहीत
(c) अनुग्रही (d) अनुग्रहित

23. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो वाक्यांशों के लिए एक शब्द का विकल्प हो।
गुण-दोषों का विवेचन करने वाला-
(a) आलोचक (b) गांगेय
(c) गृहस्थ (d) अन्तेवासी

24. 'सत्याग्रह' का सही संधि-विच्छेद है-
(a) सत्या + ग्रह (b) सत + आग्रह
(c) सत्य + ग्रह (d) सत्य + आग्रह

25. 'प्रेमसागर' शब्द में कौन-सा समास है?
(a) बहुव्रीहि समास (b) तत्पुरुष समास
(c) द्वंद्व समास (d) द्विगु समास

26. निम्न में से कौन सा वाक्य अशुद्ध है?
(a) इतना तेज क्यों चल रहे हो?
(b) कितना सुंदर चित्र है यह!
(c) हमने बहुत आम खाए।
(d) ये पत्र किसने लिखे हैं ?

27. 'निसदिन बरसत नैन हमारे' इस पंक्ति में किस रस का वर्णन है?
(a) वीर (b) भयानक
(c) वात्सल्य (d) शृंगार

28. 'या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँपुर को तजि डारौ।' में प्रयुक्त छन्द है–
(a) कवित्त (b) सवैया
(c) बरवै (d) दोहा

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

29. जहाँ एक ही शब्द एक से अधिक बार आए तथा भिन्न-भिन्न अर्थ हों वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?
(a) अनुप्रास (b) श्लेष
(c) यमक (d) अर्थालंकार

30. 'लेखक की मृत्यु' की घोषणा इनमें से किस विद्वान ने की?
(a) रोला बार्थ (b) लायन टिलिंग
(c) एडमंड विल्सन (d) जैक देरिदा

31. एक अनार सौ बीमार का अर्थ है–
(a) एक वैद्य सौ बीमार
(b) किसी वस्तु की आपूर्ति कम माँग अधिक
(c) महामारी के दिनों में दवाओं में कमी
(d) किसी वस्तु की आपूर्ति समाप्त हो जाना।

32. 'बिल्ली को पहले ही दिन मारना चाहिए' का अर्थ है–
(a) रौब पहले ही दिन पड़ता है, बाद में नहीं।
(b) भय का शमन शुरू में ही कर देना चाहिए।
(c) जिस व्यक्ति के आश्रय में रहना, उसी को हानि पहुंचाना।
(d) बुरा समय आते ही सचेत हो जाना चाहिए।

33. 'गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागों पाय।
बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय॥'
उक्त पद्यांश के रचयिता हैं–
(a) रहीमदास (b) दादू
(c) कबीरदास (d) तुलसीदास

निर्देशः दिए गए गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

साहित्योन्नति के साधनों में पुस्तकालयों का स्थान अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इनके द्वारा साहित्य के जीवन की रक्षा, पुष्टि और अभिवृद्धि होती है। पुस्तकालय सभ्यता के इतिहास का जीता-जागता गवाह है। <u>इसी के बल पर वर्तमान भारत को अपने अतीत गौरव पर गर्व</u> है। पुस्तकालय भारत के लिए कोई नई वस्तु नहीं है। लिपि के आविष्कार से आज तक लोग निरंतर पुस्तकों का संग्रह करते रहे हैं। पहले देवालय, विद्यालय और नृपालय इन संग्रहों के प्रमुख स्थान होते थे। इनके अतिरिक्त, विद्वज्जनों के अपने निजी पुस्तकालय भी होते थे। मुद्रणकला के आविष्कार से पूर्व पुस्तकों का संग्रह करना आजकल की तरह सरल बात न थी। आजकल साधारण स्थिति के पुस्तकालय में जितनी संपत्ति लगती है, उतनी इन दिनों कभी-कभी एक पुस्तक की तैयारी में लग जाया करती थी। भारत के पुस्तकालय संसार भर में अपना सानी नहीं रखते थे। प्राचीनकाल से मुगल सम्राटों के समय तक यही स्थिति रही। चीन, फारस प्रभृति सुदूर स्थित देशों से झुंड-के-झुंड विद्यानुरागी लंबी यात्राएँ करके भारत आया करते थे।

34. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है?
(a) प्राचीन काल के पुस्तकालय
(b) पुस्तकालय का इतिहास
(c) पुस्तकों का संग्रह
(d) पुस्तकालय और भारत

35. गद्यांश में रेखांकित अंश का उचित उत्तर क्या होगा?
(a) साहित्य की उन्नति का सबसे अधिक महत्वपूर्ण साधन पुस्तकालय है।
(b) पुस्तकालय भारत की प्रसिद्धि के कारण रहे हैं। इन पुस्तकालयों के कारण चीन, फारस प्रभृति सुदूर स्थित देशों से झुंड-के-झुंड विद्यानुरागी लंबी यात्राएँ करके भारत आया करते थे। ये भारत के अतीत-गौरव का कारण है।
(c) भारत के पुस्तकालय संसार भर में अपना सानी नहीं रखते थे।
(d) मुद्रणकला के आविष्कार से पूर्व पुस्तकों का संग्रह करना आजकल की तरह सरल बात न थी। भारत ने संसार को पुस्तकों के संग्रह का महत्व सिखाया।

36. साहित्य की उन्नति का सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण साधन क्या है?
(a) देवालय (b) नृपालय
(c) पुस्तकालय (d) मुद्रणालय

37. 'घुमक्कड़ शास्त्र' की रचना किसने की है?
(a) राहुल सांकृत्यायन
(b) प्रेमचंद
(c) महादेवी वर्मा
(d) हजारीप्रसाद द्विवेदी

SOLUTION : PRACTICE SET- 37

ANSWER KEY

1. (a)	9. (d)	17. (b)	25. (b)	33. (c)
2. (a)	10. (d)	18. (c)	26. (b)	34. (d)
3. (c)	11. (a)	19. (a)	27. (d)	35. (b)
4. (a)	12. (d)	20. (c)	28. (b)	36. (c)
5. (a)	13. (d)	21. (b)	29. (c)	37. (a)
6. (d)	14. (d)	22. (b)	30. (a)	
7. (b)	15. (b)	23. (a)	31. (b)	
8. (b)	16. (a)	24. (d)	32. (b)	

SOLUTION

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

1. (a)'सर्वज्ञ' शब्द में संयुक्त व्यंजन 'ज्ञ' = ज् + ञ के योग से बना है।
2. (a)सही विराम चिह्न युक्त वाक्य होगा– आह ! यह पीड़ा अब और सहन नहीं होती। अन्य विकल्प अशुद्ध हैं।
3. (c) 'गरीब' शब्द जातिवाचक संज्ञा है। जब किसी शब्द से पूरे समुदाय का बोध हो तो उसे 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं। जैसे - छात्र, गरीब, अमीर, व्यापारी, अधिकारी आदि।
4. (a) 'शीला अपने कपड़े स्वयं धोती है।' इस वाक्य में स्वयं 'निजवाचक सर्वनाम' है।
वह सर्वनाम शब्द जो खुद के लिए प्रयोग किया जाता है, निजवाचक सर्वनाम कहलाता है। **उदाहरण**- स्वयं, आप, अपने आप इत्यादि।
5. (a) बांका, बातूनी और बादामी विशेषण पद हैं, जबकि बहुरूपिया विशेष्य पद है।
6. (d) 'श्याम हँसता है' में अकर्मक क्रिया है। जिस क्रिया का फल स्वयं कर्त्ता पर पड़ता है वह अकर्मक क्रिया कहलाती है। इस क्रिया में कर्म का अभाव होता है। **जैसे**- श्याम सोता है, राजेश दौड़ता है।
7. (b)'आपस में झगड़ा मत करो।' इस वाक्य में रीतिवाचक क्रिया विशेषण का प्रयोग हुआ है। जो शब्द क्रिया की विशेषता प्रकट करता है, उसे क्रिया-विशेषण कहते हैं।
जैसे- कम बोलो।
यह लम्बा रास्ता है।
जिन शब्दों के द्वारा क्रिया के सम्पन्न होने की रीति का बोध होता है, उन्हें रीतिवाचक क्रिया विशेषण कहते हैं। ऐसे प्रमुख शब्द- कभी नहीं, ठीक, हाँ, मत, ध्यानपूर्वक, झटपट आदि हैं।
8. (b) 'ज्ञानवती' का पुल्लिंग शब्द 'ज्ञानवान्' होगा। शेष विकल्पों के शब्द असंगत हैं।
9. (d) 'पंखा' का बहुवचन शब्द 'पंखे' होता है, अन्य विकल्प अशुद्ध हैं।
10. (d) 'यदि बारिश होती तो सूखा न पड़ता' वाक्य में हेतुहेतुमद् भूतकाल है। इस काल से यह पता चलता है कि क्रिया भूतकाल में होने वाली थी, पर किसी कारण न हो सकी। जैसे- मैं आता, तू जाता।
11. (a) 'विनय से चला नहीं जाता' भाववाच्य को दर्शाता है, जबकि अन्य सभी विकल्प कर्तृवाच्य के उदाहरण हैं।
12. (d) 'माँ के लिए दवा ले आओ' वाक्य में रेखांकित शब्द में संप्रदान कारक है।
13. (d) 'आँवला' का तत्सम आमलक होता है। आँख का अक्षि, कान का कर्ण, आस का आशा तत्सम रूप है।
14. (d) 'आत्मत्याग' शब्द में 'आत्म' उपसर्ग है। 'आत्म' उपसर्ग से बने शब्द निम्न हैं- आत्मकथा, आत्मबल, आत्मचरित, आत्मज्ञान आदि।
15. (b)
नीलिमा में 'इमा' प्रत्यय जुड़ा हुआ है।

कृत प्रत्यय	क्रिया	शब्द
वाला	गाना	गानेवाला
इया	छलना	छलिया
ति	शक्	शक्ति

16. (a)
'उन्मीलन' शब्द का विलोम है– 'निमीलन'।
शेष विकल्प असंगत हैं।
17. (b) 'जंगम' का विलोम 'स्थावर' होता है। शेष विकल्प त्रुटिपूर्ण हैं।
18. (c) गंगा का पर्यायवाची शब्द- भागीरथी, मंदाकिनी, सुरसरि, विष्णुपदी, देवनदी, जाह्नवी, सुरसरिता आदि है, जबकि अवतरणी गंगा का पर्यायवाची शब्द नहीं है।
19. (a) 'मुद्रिका' का पर्यायवाची 'अँगूठी' होता है। इसके अन्य पर्यायवाची हैं– अंगुलिका, छाप, वलय, मुँदरी आदि।
20. (c) अरुण शब्द के अर्थ 'गरुड़', 'केसर', 'सिंदूर' इत्यादि होते हैं। कर्ण इसका अर्थ नहीं होता है।
21. (b) दिये गये विकल्पों में 'प्रपात : वैजयंती' में द्वितीय शब्द का अर्थ प्रथम शब्द के समान नहीं है, जबकि अन्य विकल्पों में द्वितीय शब्द का अर्थ प्रथम शब्द के समान है।
22. (b) 'जिस पर अनुग्रह किया गया हो' वाक्यांश के स्थान पर प्रयुक्त होने वाला एक शब्द 'अनुगृहीत' होगा। उल्लेखनीय है कि 'अनुग्रहीत' शब्द वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध है। शेष असंगत हैं।
23. (a) वाक्यांश एवं उनसे सम्बन्धित एक शब्द हैं –

वाक्यांश	वाक्यांश के लिए एक शब्द
गुण-दोषों का विवेचन करने वाला	आलोचक
गंगा से उत्पन्न	गांगेय
गुरुकुल या छात्रावास मे रहने वाला छात्र	अन्तेवासी

24. (d) 'सत्याग्रह' का सही संधि-विच्छेद 'सत्य + आग्रह' होगा। यहाँ दीर्घ स्वर संधि है। इसमें दो स्वर 'अ' और 'आ' मिलकर दीर्घ 'आ' बन जाते हैं।
25. (b) 'प्रेमसागर' शब्द में 'तत्पुरुष समास' है। जिस सामासिक शब्द में उत्तर पद की प्रधानता होती है, वह तत्पुरुष समास कहलाता है। **जैसे**- प्रेमसागर- प्रेम का सागर।
26. (b) दिये गये वाक्यों में 'कितना सुन्दर चित्र है यह!' अशुद्ध वाक्य है। इसका शुद्ध रूप होगा– यह कितना सुन्दर चित्र है। अन्य वाक्य शुद्ध हैं।
27. (d) 'निसदिन बरसत नैन हमारे' में '**श्रृंगार रस**' है। इसमें वियोग श्रृंगार है। जहाँ पर हृदय में उत्साह उत्पन्न हो, वहाँ वीर रस होता है। **जैसे**–फहरी ध्वजा फड़की भुजा, बलिदान की ज्वालामुखी। जहाँ भय उत्पन्न करने वाली वस्तु या दृश्य को देखकर भय की सृष्टि हो, वहाँ भयानक रस होता है। **जैसे**–'उधर गरजती सिंधु लहरिया कुटिल काल के जालों सी'।
28. (b) 'या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँपुर को तजि डारौं' में प्रयुक्त छंद सवैया है।
सवैया छंद – सवैया एक समवृत्त वर्णिक छन्द है जिसके एक चरण में 22 से लेकर 26 तक अक्षर होते हैं।
दोहा छंद – दोहा मात्रिक समवृत्त छंद है जिसके विषम चरणों (प्रथम एवं तृतीय) में 13-13 मात्राएँ तथा समचरणों (द्वितीय एवं चतुर्थ) में 11-11 मात्राएँ होती हैं।
बरवै छंद – बरवै भी मात्रिक अर्द्धसम छंद है जिसके विषम चरणों में 12-12 तथा सम चरणों में 7-7 मात्राएँ होती हैं।
29. (c) जहाँ एक ही शब्द एक से अधिक बार आये तथा भिन्न–भिन्न अर्थ हों, तो वहाँ **यमक अलंकार** होता है।
उदाहरण– माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर।
करका मनका डारि कै, मन का मनका फेर।।
30. (a) 'लेखक की मृत्यु' की घोषणा रोला बार्थ ने की। ये फ्रांस के प्रमुख साहित्यकार, आलोचक, दार्शनिक थे। इनकी प्रमुख रचनाएँ- 'दी डेथ ऑफ दी आथर' (लेखक की मृत्यु) एक प्रसिद्ध निबंध है। अन्य-राइटिंग डिग्री जीरों, एलीमेंट्स ऑफ सीमियोलॉजी, दी लास्ट हैपी राईटर एवं माइथोलॉजीज हैं।
31. (b) एक अनार सौ बीमार का अर्थ है– किसी वस्तु की आपूर्ति कम माँग अधिक।
32. (b) 'बिल्ली को पहले ही दिन मारना चाहिए' मुहावरे का अर्थ है–'भय का शमन शुरू में ही कर देना चाहिए।' अन्य विकल्प असंगत हैं।
33. (c) उक्त पद्य पंक्तियाँ 'कबीरदास' द्वारा विरचित हैं, जो 'बीजक' से ली गई हैं।
34. (d) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक 'पुस्तकालय और भारत' है।
35. (b) 'पुस्तकालय भारत की प्रसिद्धि के कारण रहे हैं। इन पुस्तकालयों के कारण चीन, फारस प्रभृति सुदूर स्थित देशों से झुंड-के-झुंड विद्यानुरागी लंबी यात्राएँ करके भारत आया करते थे। ये भारत के अतीत-गौरव का कारण हैं।' यह रेखांकित अंश की उचित व्याख्या है।
36. (c) साहित्य की उन्नति का सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण साधन पुस्तकालय है। इनके द्वारा साहित्य के जीवन की रक्षा पुष्टि और अभिवृद्धि होती है।
37. (a) 'घुमक्कड़ शास्त्र' की रचना 'राहुल सांकृत्यायन' ने की है। इनकी अन्य रचनाएँ निम्न हैं– कनैला की कथा, सतमी के बच्चे, वोल्गा से गंगा, बहुरंगी, मधुपुरी आदि। राहुल सांकृत्यायन की आत्मकथा– 'मेरी जीवन यात्रा' है।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET - 38

1. वर्ण और उच्चारण स्थान की दृष्टि से निम्नलिखित में असंगत युग्म है :
(a) ह – कंठ्य (b) श – तालव्य
(c) ठ – मूर्धन्य (d) स – ओष्ठ्य

2. इनमें से विस्मयादिबोधक चिह्न कौन-सा है?
(a) ? (b) !
(c) । (d) ;

3. मनुष्य, देवता, देवियाँ और आदमी में कौन-सी संज्ञा है?
(a) समूहवाचक (b) व्यक्तिवाचक
(c) भाववाचक (d) जातिवाचक

4. इनमें से निजवाचक सर्वनाम का मूल रूप क्या है?
(a) आप (b) मेरा
(c) मैं (d) हमारा

5. दिए गए विकल्पों में से 'पवित्रता' का विशेषण कौन सा है?
(a) पाक (b) पवित्रात्मा
(c) पवित्र (d) पवित्रतम

6. 'मनोहर सो रहा है' वाक्य में क्रिया का भेद कौन-सा होगा?
(a) अकर्मक (b) प्रेरणार्थक
(c) द्विकर्मक (d) सकर्मक

7. 'आप क्यों हर बात पर शर्मिंदा हो रहे हो?'-इस वाक्य में किस प्रकार के क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है?
(a) स्थानवाचक (b) रीतिवाचक
(c) कालवाचक (d) परिमाणवाचक

8. इनमें से कौन सा शब्द पुल्लिंग नहीं है?
(a) बनावट (b) छाता
(c) सूर्य (d) अमरूद

9. निम्नलिखित में से 'समिति' शब्द का बहुवचन क्या होगा?
(a) समितियाँ (b) समीतीयां
(c) समीतियाँ (d) समितियों

10. निम्नलिखित में से किस वाक्य में संदिग्ध वर्तमान काल है?
(a) रीना पढ़ती होगी। (b) उसने खाया है।
(c) वर्षा हो रही है। (d) वह पुस्तक पढ़ती है।

11. निम्नलिखित में से किस वाक्य में 'कर्मवाच्य' नहीं है?
(a) उससे खाना नहीं खाया गया।
(b) छात्र द्वारा पुस्तक पढ़ी गयी।
(c) दोषी व्यक्ति द्वारा क्षमा याचना की गयी।
(d) बालक खिलखिलाकर हँस रहा था।

12. 'मोहन ने <u>सोहन को</u> गुब्बारे दिए। वाक्य के रेखांकित अंश में कारक है :
(a) कर्म (b) संप्रदान
(c) अपादान (d) अधिकरण

13. इनमें से तत्सम - तद्भव का एक शब्द युग्म अशुद्ध है, वह है–
(a) इच्छिका - छाछ (b) गोधूम - गेहूँ
(c) उद्वर्तन - उबटन (d) गोमय - गोबर

14. इनमें से कौन- सा शब्द हिंदी/संस्कृत उपसर्ग से निर्मित शब्द- रूप है?
(a) बेइज्जत (b) अपवाद
(c) बिल्कुल (d) नादान

15. 'राष्ट्रीय' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(a) रा (b) ष्ट्रीय
(c) ईय (d) राष्ट्र

16. कर्कश का विलोम शब्द निम्न में से क्या है ?
(a) मधुर
(b) कांटा
(c) कठोर
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

17. निम्नलिखित विलोमार्थी शब्द युग्मों में असंगत है:
(a) कुटिल - सहज (b) ज्योति - तम
(c) जीवित - मृत (d) ताप - शीत

18. 'कौशल' का पर्यायवाची नहीं है
(a) दक्षता (b) कुशलता
(c) अभ्यागत (d) पटुता

19. अनुपम का पर्यायवाची क्या होगा?
(a) अपूर्व (b) सामान्य
(c) अनावश्यक (d) साधारण

20. 'कोटि' का अर्थ श्रेणी होता है। कोटि का अन्य अर्थ .... होता है।
(a) अंक (b) अम्बर (c) करोड़ (d) सारंग

21. दिए गए शब्द युग्म का सही शब्द युग्म ज्ञात कीजिए। परिणाम : परिमाण
(a) नगर : नतीजा (b) नतीजा : मात्रा
(c) मात्रा : किस्म (d) निषेध : किस्म

22. 'निष्फल न होने वाला' कहलाता है –
(a) निश्चित (b) सही
(c) सटीक (d) अमोघ

23. जिनका सम्बन्ध अध्यात्म से है– के लिए एक शब्द होगा:
(a) आध्यात्मिक (b) धार्मिक
(c) शास्त्रीय (d) नैतिक

24. दिये गये सन्धि विच्छेद में सही विकल्प चुनिए– रूपांतरण
(a) रूप + अंतरण (b) रुप + आंतरण
(c) रुपा + अंतरण (d) रुपा + आतरण

25. दिए गए शब्द का समास ज्ञात कीजिए। प्राप्तांक
(a) तत्पुरुष समास (b) कर्मधारय समास
(c) अव्ययीभाव समास (d) द्विगु समास

26. निम्नलिखित में से वाक्य के शुद्ध रूप का चयन कीजिए:
(a) वन में प्रातःकाल के समय बहुत की मनोहर दृश्य होता है।
(b) वन में प्रातःकाल का दृश्य बहुत ही सुहावना होता है।
(c) वन में प्रातःकाल के समय बहुत ही सुहाना दृश्य होता है।
(d) वन में प्रातःकाल के समय दृश्य क्या खूबसूरत होता है।

निम्नलिखित में कौन-सा रस है, चयन कीजिए।

**27. मेरे तो गिरिधर गोपाल दूसरो न कोई।
जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई।।**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

(a) शांत (b) शृंगार
(c) करुण (d) हास्य

28. किस छन्द में 26 मात्राएँ होती हैं तथा 14–12 पर यति होती है?
(a) वीर (b) सोरठा
(c) गीतिका (d) छप्पय

29. ''..........'', यह पंक्ति यमक अलंकार का भेद नहीं है?
(a) सूरज है जग का बुझा–बुझा
(b) तीन बेर खाती थीं वो तीन बेर खाती है
(c) कर का मनका डारि कै मन का मनका फेर
(d) खगकुल कुल–कुल– सा बोल रहा

30. 'विखंडनवाद' का सिद्धान्त निम्नलिखित में से किसने दिया है?
(a) रामचन्द्र शुक्ल (b) प्लेटो
(c) भारतेन्दु हरिश्चंद्र (d) देरिदा

31. एक आँख न भाना
(a) उपेक्षा करना (b) विरक्त होना
(c) तटस्थ होना (d) बिल्कुल अच्छा न लगना

32. लोकोक्तियों का उनके सही अर्थ से मिलान करें–

1.	मान न मान मैं तेरा मेहमान	A.	बिलकुल अनपढ़
2.	सुनिए सबकी करिए मन की	B.	दोनों ही दुष्ट
3.	काला अक्षर भैंस बराबर	C.	जबरदस्ती गले पड़ना
4.	जैसे नाग नाथ वैसे साँप नाथ	D.	अंतःकरण की बात माननी चाहिए

(a) 1-A, 2-B, 3-C, 4-D
(b) 1-D, 2-C, 3-A, 4-B
(c) 1-A, 2-C, 3-D, 4-B
(d) 1-C, 2-D, 3-A, 4-B

33. कबीर ने समाज सुधार के अंतर्गत किसका उपदेश नहीं दिया?
(a) मूर्ति पूजा का विरोध
(b) जाति प्रथा का खंडन
(c) स्त्री-पुरुष की समानता
(d) हिन्दू-मुस्लिम पाखंड का खंडन

निर्देश-दिये गए गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अनंत रूपों में प्रकृति हमारे सामने आती है-कहीं मधुर, सुसज्जित या सुंदर रूप में, कही रूखे, बेडौल या कर्कश रूप में, कहीं भव्य, विशाल या विचित्र रूप में, और कहीं उग्र रूप में, कराल या भयंकर रूप में। सच्चे कवि का हृदय उसके उन सब रूपों में लीन होता है, क्योंकि उसके अनुराग का कारण अपना खास सुखभोग नहीं, बल्कि चिर साहचर्य द्वारा प्रतिष्ठित वासना है। जो केवल प्रफुल्ल प्रसून प्रसाद के सौरभ-संचार, मकरंदलोलुप मधुकर के गुंजार, कोकिलकूजित निकुंज और शीतल सुखस्पर्श समीर की ही चर्चा किया करते हैं, वे विषयी या भोगलिप्सु हैं। इस प्रकार जो केवल मुक्ताभासहिम बिंदुमंडित मरकताभ शाद्वलजाल, अत्यंत विशाल गिरिशिखर से गिरते जलप्रपात की गंभीर गति से उठी हुई सीकरनीहारिका के बीच विविधवर्ण स्फुरण की विशालता, भव्यता और विचित्रता में ही अपने हृदय के लिए कुछ पाते हैं वे तमाशबीन हैं, सच्चे भावुक या सहृदय नहीं। प्रकृति के साधारण, असाधारण सब प्रकार के रूपों को रखने वाले वर्णन हमें वाल्मीकि, कालिदास भवभूति इत्यादि संस्कृत के प्राचीन कवियों में मिलते हैं। पिछले खेमें के कवियों ने मुक्तक रचना में तो अधिकतर प्राकृतिक वस्तुओं का अलग-अलग उल्लेख केवल उद्दीपन की दृष्टि से किया है। प्रबंध रचना में थोड़ा-बहुत संश्लिष्ट चित्रण किया है, वह प्रकृति की विशेष रूपविभूति को लेकर ही।

34. उपरोक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक बताइए।
(a) प्रकृति का रूप (b) कवि और प्रकृति
(c) सच्चा कवि (d) प्रकृति का सौंदर्य

35. उपरोक्त गद्यांश के आधार पर बताइए कि प्रकृति के साधारण, असाधारण सब प्रकार के रूपों को रखने वाले वर्णन हमें कहाँ देखने को मिलते है?
(a) प्रबंध रचना में (b) मुक्तक रचना में
(c) पिछले खेमे के कवियों में
(d) वाल्मीकि, कालिदास, भवभूति इत्यादि संस्कृत के प्राचीन कवियों में

36. उपरोक्त गंद्यांश का संक्षेपण कीजिए।
(a) सच्चे कवि का हृदय प्रकृति के सभी रूपों में लीन होता है, क्योंकि उसके अनुराग का कारण अपना खास सुखभोग नहीं, बल्कि चिरसाहचर्य द्वारा प्रतिष्ठित वासना है।
(b) जो केवल मुक्ताभासहिम बिंदुमंडित मरकताभ शाद्वलजाल, अत्यंत विशाल गिरिशिखर से गिरते जलप्रपात की गंभीर गति से उठी हुई सीकरनीहारिका के बीच विविधवर्ण स्फुरण की विशालता, भव्यता और विचित्रता में ही अपने हृदय के लिए कुछ पाते हैं वे तमाशबीन हैं, सच्चे भावुक या सहृदय नहीं।
(c) प्रकृति के दो रूप हैं, एक सुंदर, दूसरा बेडौल। सच्चे कवि का हृदय दोनों में रमता हैं। किन्तु जो प्रकृति के बाहरी सौंदर्य का चयन अथवा उसकी सौंदर्य का चयन अथवा उसकी रहस्यमयता का उद्घाटन करता रह गया, वह कवि नहीं हैं। प्रकृति के सच्चे रूपों का चित्रण संस्कृत के प्राचीन कवियों में मिलते हैं। प्रबंध काव्यों में उसका संश्लिष्ट वर्णन हुआ है।
(d) पिछले खेमें के कवियों ने मुक्तक रचना में तो अधिकतर प्राकृतिक वस्तुओं का अलग-अलग उल्लेख केवल उद्दीपन की दृष्टि से किया है। प्रबंध रचना में थोड़ा-बहुत संश्लिष्ट चित्रण किया है, वह प्रकृति की विशेष रूपविभूति को लेकर ही।

37. 'माटी की मूरतें' किस लेखक की रचना है?
(a) जगदीशचंद्र (b) राकेश वर्मा
(c) रामचंद्र शुक्ल (d) रामवृक्ष बेनीपुरी

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION : PRACTICE SET- 38

ANSWER KEY

1. (d)	9. (a)	17. (a)	25. (a)	33. (c)
2. (b)	10. (a)	18. (c)	26. (b)	34. (b)
3. (d)	11. (d)	19. (a)	27. (b)	35. (d)
4. (a)	12. (b)	20. (c)	28. (c)	36. (c)
5. (c)	13. (a)	21. (b)	29. (a)	37. (d)
6. (a)	14. (b)	22. (d)	30. (d)	
7. (b)	15. (c)	23. (a)	31. (d)	
8. (a)	16. (a)	24. (a)	32. (d)	

SOLUTION

1. (d)
वर्ण और उच्चारण स्थान की दृष्टि से 'स-ओष्ठ्य' असंगत युग्म है। बल्कि 'स' वर्ण का उच्चारण स्थान 'दन्त्य' है। वर्ण और उच्चारण स्थान की दृष्टि से संगत युग्म निम्न प्रकार होंगे-

कंठ्य - क, ख, ग, घ, ङ, अ, आ, ह और विसर्ग
तालव्य - च, छ, ज, झ, ञ, इ, ई, य और श
मूर्धन्य - ट, ठ, ड़, ढ़, ण, ऋ, र और ष
दंत्य - त, थ, द, ध, न, ल, स
ओष्ठय् - प, फ, ब, भ, म, उ, ऊ

2. (b)
विस्मयादिबोधक चिह्न (!) है। अन्य चिह्नों के विवरण हैं–
पूर्णविराम - (।)
अर्द्धविराम - (;)
अल्पविराम - (,)
निर्देशक चिह्न (-)
अवतरण या उद्धरण चिह्न- (' ', " ")
उपविराम (:)

3. (d)
मनुष्य, देवता, देवियाँ और आदमी में जातिवाचक संज्ञा है। जिन संज्ञाओं से एक ही प्रकार की वस्तुओं तथा व्यक्तियों का बोध हो, उसे 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं। जैसे- पर्वत, लड़की आदि।

4. (a)
दिये गये विकल्पों में 'आप' शब्द निजवाचक सर्वनाम का मूल रूप है। वे सर्वनाम जिन्हें बोलने वाला कर्ता स्वयं अपने लिये प्रयुक्त करता है, निजवाचक सर्वनाम कहलाता है। **जैसे**- मैं अपने आप चला जाऊँगा।

5. (c)
प्रश्नगत विकल्पों के आधार पर पवित्रता का विशेषण 'पवित्र' होगा।

6. (a)
'मनोहर सो रहा है'- वाक्य में अकर्मक क्रिया का प्रयोग हुआ है।
क्रिया - जिस शब्द से किसी काम का करना या होना पाया जाए, उसे क्रिया कहते हैं।
कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद हैं।
(1) सकर्मक क्रिया (2) अकर्मक क्रिया
जिस वाक्य में कर्म की अनुपस्थिति होती है तथा क्रिया का परिणाम स्वयं कर्त्ता पर पड़ता है वह वाक्य अकर्मक क्रिया का वाक्य कहलाता है। **जैसे-** राजू रो रहा है।

7. (b)
'आप क्यों हर बात पर शर्मिंदा हो रहे हो?' इस वाक्य में 'रीतिवाचक क्रियाविशेषण' का प्रयोग हुआ है।
'क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रियाविशेषण शब्द कहते हैं। अर्थ के आधार पर क्रियाविशेषण के चार भेद होते हैं-
(i) कालवाचक क्रियाविशेषण
(ii) रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(iii) स्थानवाचक क्रियाविशेषण
(iv) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

8. (a)
'बनावट' शब्द पुल्लिंग नहीं है यह स्त्रीलिंग शब्द है, **जैसे**–दरवाजे की बनावट अच्छी है। अन्य स्त्रीलिंग शब्द हैं–सजावट, लिखावट, मुस्कराहट आदि। 'आवट' एवं 'आहट' प्रत्यय से निर्मित शब्द स्त्रीलिंग होते हैं। अन्य वैकल्पिक शब्द पुल्लिंग हैं।

9. (a)
दिए गए विकल्पों में 'समिति' शब्द का बहुवचन 'समितियाँ' होगा। अन्य विकल्प असंगत हैं।

10. (a)
'रीना पढ़ती होगी' वाक्य में संदिग्ध वर्तमान काल है।
संदिग्ध वर्तमान काल-क्रिया के जिस रूप से वर्तमान में कार्य के होने का संदेह रहता है, ऐसी क्रियाएँ संदिग्ध वर्तमान काल की क्रियाएँ कहलाती हैं।
जैसे-बच्चा रोता होगा, सीमा खा रही होगी।

11. (d)
'बालक खिलखिलाकर हँस रहा था।' इस वाक्य में कर्म वाच्य नहीं अपितु कर्तृवाच्य है। जिस वाक्य में कर्म की प्रधानता हो अर्थात मुख्य बिंदु कर्म हो उस वाक्य को कर्मवाच्य कहते हैं। विकल्प में दिये गये शेष वाक्यों में कर्मवाच्य है।

12. (b)
'मोहन ने सोहन को गुब्बारे दिए' वाक्य में रेखांकित अंश में संप्रदान कारक है। जिसके लिए कुछ किया जाए या जिसको कुछ दिया जाए, इसका बोध कराने वाले शब्द को संप्रदान कारक कहते हैं।

13. (a)
'छाछ' का तत्सम 'तक्र' होता है। अन्य विकल्प तत्सम-तद्भव का शुद्ध शब्द-युग्म है।

14. (b)
दिये गये विकल्पों में 'अपवाद' शब्द हिंदी/संस्कृत उपसर्ग से निर्मित शब्द-रूप है। जबकि 'बेइज्जत' एवं 'नादान' में अरबी/फारसी का उपसर्ग प्रयोग किया गया है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

15. (c)
राष्ट्रीय (राष्ट्र + ईय) शब्द में 'ईय' प्रत्यय का प्रयोग हुआ है। 'ईय' प्रत्यय से बनने वाले शब्द- दर्शनीय, स्वर्गीय, भारतीय, जातीय, मृगीय इत्यादि।

16. (a)
'कर्कश' का विलोम 'मधुर' होता है जबकि 'मुलायम' का विलोम 'कठोर' होता है।

17. (a)
'कुटिल-सहज' विलोमार्थी शब्द युग्मों में असंगत है। इसका संगत शब्द-युग्म 'कुटिल-सरल' है।

18. (c)
'अभ्यागत' कौशल का पर्यायवाची नहीं है बल्कि यह अतिथि का पर्यायवाची है। अतिथि के अन्य पर्यायवाची-मेहमान, आगन्तुक आदि है जबकि दक्षता, कुशलता, पटुता, 'कौशल' के पर्यायवाची हैं।

19. (a)
'अनुपम' का पर्यायवाची 'अपूर्व' होता है। इसके अन्य पर्यायवाची इस प्रकार हैं– अद्वितीय, अप्रतिम, निरूपम, अतुल, अनूठा, अनोखा, बेजोड़ आदि।

20. (c)
'कोटि' शब्द के अर्थ हैं- श्रेणी, करोड़, धनुष का सिरा **अंक–** निशान, गोद, संख्या, नाटक का अध्याय।
अम्बर– वस्त्र, आकाश, बादल।
सारंग– कोयल, सिंह, घोड़ा, हाथी, धनुष, भौंरा, बादल, समुद्र, शंख, कामदेव, सोना, चन्द्रमा।

21. (b)
दिए गए विकल्प में सही शब्द युग्म है - नतीजा : मात्रा

22. (d)
निष्फल न होने वाला 'अमोघ' कहलाता है।

23. (a)
वाक्यांशों का विवरण–

	वाक्यांश	एक शब्द
•	जिसका संबंध अध्यात्म से है	– आध्यात्मिक
•	जिसका संबंध धर्म से है	– धार्मिक
•	जिसका संबंध शास्त्र से है	– शास्त्रीय

24. (a)
'रूपांतरण' का संधि विच्छेद 'रूप + अंतरण' होता है यह दीर्घ संधि है। ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ, ऋ के बाद क्रमश: ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ, ऋ स्वर आये तो दोनों मिलकर आ, ई, ऊ, ॠ हो जाते हैं।

25. (a)
'प्राप्तांक' शब्द में तत्पुरुष समास है।
तत्पुरुष समास - इसमें पहला पद गौण होता है और अंतिम पद की प्रधानता होती है। और सामान्यतः प्रथम पद विशेषण और दूसरा पद विशेष्य होता है।

26. (b)
दिए गए वाक्यों में 'वन में प्रातः काल का दृश्य बहुत ही सुहावना होता है' शुद्ध वाक्य है। अन्य सभी वाक्य अशुद्ध है,क्योंकि प्रातःकाल में समय शामिल है । अतः इसके साथ समय लगाने की आवश्यकता नहीं है।

27. (b)
'मेरे तो गिरिधर गोपाल दूसरो न कोई। जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई।।' में **श्रृंगार रस** है। सांसारिक वस्तुओं तथा व्यक्तियों के प्रति वैराग्य की भावना से शांत रस की निष्पत्ति होती है **जैसे-** मोहन महल की प्रथम सीढ़ी या बिन ज्ञान चरित्र सम्यक्ता न लहै। किसी वस्तु या विकृति, वेशभूषा को देखकर मन (हृदय) में हास्य की भावना उत्पन्न होती है, **जैसे-** देखि सियहिं सुरतिय मुस्काती वर लायक दुलहिन जग नाहीं।।

28. (c)
गीतिका एक सम मात्रिक छंद है। इसके प्रत्येक पंक्ति में 26 मात्राएँ होती हैं तथा प्रत्येक पद में 14-12 या 12-14 मात्राओं की संख्या यति के अनुसार होती है। पदांत में लघु-गुरु वर्ण होना चाहिए।
उदाहरण–

हे! प्रभो आनंददाता, ज्ञान हमको दीजिए
शीघ्र सारे दुर्गुणों से, दूर हमको कीजिए
लीजिए हमको शरण में, हम सदाचारी बनें
ब्रह्मचारी धर्म रक्षक, वीर व्रतधारी बनें......

29. (a)
'सूरज है जग का बुझा-बुझा' इस में यमक अलंकार नहीं है बल्कि इस पंक्ति में 'पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार' है। काव्य में जहाँ एक समान शब्द की क्रमशः आवृत्ति है, पर अर्थ भिन्नता न हो, वहाँ **पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार** होता है। शेष सभी विकल्पों में यमक अलंकार का प्रयोग हुआ है। मधुर वचन कहि, कहि परतोषी।
उपर्युक्त पंक्ति में कहि शब्द का एक से अधिक बार प्रयोग हुआ है। इसके कारण काव्य के सुंदरता में वृद्धि हुई है।
अतः यहाँ **पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार** होता है।

30. (d)
'विखण्डनवाद का सिद्धान्त' 'देरिदा' ने दिया है। देरिदा फ्रांसीसी दार्शनिक थे जिन्होंने साहित्य के क्षेत्र में भी विशेष योगदान दिया था।

31. (d)
'एक आँख न भाना' कहावत का अर्थ 'बिल्कुल अच्छा न लगना' है।

32. (d)
सही सुमेलित है-

लोकोक्ति	-	**अर्थ**
मान न मान मैं तेरा मेहमान	-	जबरदस्ती गले पड़ना
सुनिए सबकी करिए मन की	-	अंतःकरण की बात माननी चाहिए
काला अक्षर भैंस बराबर	-	बिलकुल अनपढ़
जैसे नाग नाथ वैसे साँप नाथ	-	दोनों ही दुष्ट

33. (c)
कबीर ने समाज सुधार के अंतर्गत स्त्री-पुरुष की समानता का उपदेश नहीं दिया है। इसके अतिरिक्त मूर्ति पूजा का विरोध, जाति प्रथा का खण्डन तथा हिन्दू-मुस्लिम पाखंड का खंडन किया है। कबीर कवि बाद में, **समाज सुधारक** पहले हैं।

34. (b)
उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक 'कवि और प्रकृति' है।

35. (d)
प्रकृति के साधारण, असाधारण सब प्रकार के रूपों को रखने वाले वर्णन हमें वाल्मीकि, कालिदास, भवभूति इत्यादि संस्कृत के प्राचीन कवियों में मिलते हैं।

36. (c)
संक्षेपण को लिखने के लिए मूल पाठ के एक तिहाई शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।
उपरोक्त गद्यांश का उचित संक्षेपण इस प्रकार होगा-
प्रकृति के दो रूप हैं, एक सुंदर, दूसरा बेडौल। सच्चे कवि का हृदय दोनों में रमता है। किंतु जो प्रकृति के बाहरी सौन्दर्य का चयन अथवा उसकी सौन्दर्य का चयन अथवा उसकी रहस्यमयता का उद्घाटन करता रह गया वह कवि नहीं है। प्रकृति के सच्चे रूपों का चित्रण संस्कृत के प्राचीन कवियों में मिलते हैं प्रबंध काव्यों में उसका संश्लिष्ट वर्णन हुआ है।

37. (d)
'माटी की मूरतें' रामवृक्ष बेनीपुरी का रेखाचित्र है। इनके द्वारा रचित अन्य महत्त्वपूर्ण कृतियाँ इस प्रकार हैं– पतितों के देश में, चिता के फूल, गेहूँ और गुलाब, मील का पत्थर, गाँव का देवता, संघमित्रा, जंजीरें और दीवारें आदि है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET - 39

1. **सूची-I में चार वर्ण एवं सूची-II में उनके उच्चारण-स्थान दिए गए हैं। सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:**

सूची-I	सूची-II
(a) स	(i) मूर्धा
(b) ष	(ii) नासिका
(c) श	(iii) दाँत
(d) न	(iv) तालु

कूट:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(d)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

2. **अरे! तुम आ गए? इसमें 'अरे' के बाद कौन-सा चिह्न प्रयोग किया गया है?**
(a) विस्मयादिबोधक चिह्न (b) योजक चिह्न
(c) प्रश्नवाचक चिह्न (d) पूर्णविराम

3. **एक समूहवाचक नहीं है–**
(a) गुच्छा (b) दल
(c) छत्ता (d) बेल

4. **'आपके घर मैं <u>स्वयं</u> आया था।' इस वाक्य में अधोरेखित शब्द के सर्वनाम का प्रकार लिखिए।**
(a) निश्चयवाचक सर्वनाम (b) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(c) संबंधवाचक सर्वनाम (d) निजवाचक सर्वनाम

5. **दिए गए विकल्पों में से 'उन्नति' शब्द क्या दर्शाता है?**
(a) विशेष्य (b) प्रतिविशेषण
(c) विशेषण (d) क्रियाविशेषण

6. **'राम हँसता है।' इस वाक्य में क्रिया का कौन-सा प्रकार है?**
(a) सकर्मक क्रिया (b) पूर्वकालिक क्रिया
(c) अकर्मक क्रिया (d) अनेकार्थक क्रिया

7. **'क्षणभंगुर' किस प्रकार का विशेषण है?**
(a) दशाबोधक (b) स्वादबोधक
(c) कालबोधक (d) गुणबोधक

8. **निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग नहीं है?**
(a) इच्छा (b) झुरमुट
(c) अंत्योष्टि (d) निराशा

9. **'तिथि' शब्द का बहुवचन है–**
(a) तिथीयों (b) तिथियां
(c) तिथियाँ (d) तिथियों

10. **'इस समय श्याम आता होगा' इस वाक्य में क्रिया का काल कौन सा है?**
(a) सामान्य वर्तमान (b) संभाव्य वर्तमान
(c) संदिग्ध वर्तमान (d) तात्कालिक वर्तमान

11. **'मुख्यमंत्री ने घोषणा की' को कर्मवाच्य में बदलने पर क्या होगा?**
(a) मुख्यमंत्री ने घोषित किया
(b) मुख्यमंत्री घोषित करते हैं
(c) मुख्यमंत्री के द्वारा घोषणा की गई
(d) मुख्यमंत्री ने घोषणा कही।

12. **'के लिए' किस कारक का चिह्न है?**
(a) कर्म (b) संप्रदान
(c) सम्बन्ध (d) अपादान

13. **इनमें से कौन-सा शब्द तद्भव है?**
(a) आश्चर्य (b) इलायची
(c) उल्लास (d) अग्नि

14. **'अहिंसा शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?**
(a) हिंसा (b) अहिं
(c) अ (d) सा

15. **'गायक' में इनमें से कौन-सा प्रत्यय प्रयुक्त है?**
(a) इक (b) ओक
(c) एक (d) अक

16. **निम्नलिखित में 'विलोम' शब्द की दृष्टि से असंगत युग्म है :**
(a) कड़वा – अकड़वा (b) जटिल – सरल
(c) तीव्र – मंद्र (d) परतंत्र – स्वतंत्र

17. **किस विकल्प में सही विलोम-युग्म हैं?**
(a) नेकी – भलाई (b) तरूण – किशोर
(c) विभक्त – पृथक (d) दीर्घकाय – कृशकाय

18. **दिए गए विकल्पों में से कौन सा 'अतुल' का समानार्थी शब्द नहीं है?**
(a) अनुपम (b) अनल
(c) अनोखा (d) अपूर्व

19. **दर्प का पर्यायवाची शब्द है-**
(a) तिरस्कार (b) अहंकार
(c) गर्व (d) स्वाभिमान

20. **निम्नलिखित में से एक का अर्थ 'तिरछी नजर' है:**
(a) कटाक्ष (b) व्यंग्य (c) ताना (d) आक्षेप

21. **निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस सही विकल्प का चयन करें जो दिए गए शब्द-युग्म के ही अर्थ का उचित विकल्प हो।**
विभात - विभाति
(a) रचनेवाला - कानून (b) प्रभात - शोभा
(c) रचनेवाला - शोभा (d) कानून-शोभा

22. **वह भाई जो अन्य माता से उत्पन्न हुआ हो कहलाता है–**
(a) अन्योदर (b) दूरस्थ
(c) औरस (d) सहोदर

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

23. 'अपने जीवन पर स्वयं लिखी कथा' वाक्यांश के लिए एक शब्द होगा–

(a) रेखाचित्र (b) संस्मरण
(c) आत्मग्लानि (d) आत्मकथा

24. वधूर्मि का सन्धि विच्छेद है –

(a) वधू + उर्मि (b) वधू + ऊर्मि
(c) वधु + उर्मि (d) वधु + ऊर्मि

25. 'मातृहंता' में कौन-सा समास है?

(a) कर्मधारय समास (b) तत्पुरुष समास
(c) बहुव्रीहि समास (d) द्विगु समास

26. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य कौन सा है?

(a) उसे अनुत्तीर्ण होने की आशा है।
(b) कृपया आज का अवकाश देने की कृपा करें।
(c) भारत में अनेक जातियाँ हैं।
(d) काटकर फल बच्चे को खिलाओ।

27. किस रस को सभी रसों का अधिपति माना जाता है?

(a) हास्य रस (b) भक्ति रस
(c) शृंगार रस (d) वीर रस

28. घनाक्षरी छन्द है :

(a) मात्रिक (b) वर्णिक
(c) आक्षरिक (d) इनमें से कोई नहीं

29. 'कहे कवि बेनी बेनी व्याल की चुराई लीनी।' इसमें कौन से अलंकार का प्रयोग हुआ है?

(a) यमक (b) उपमा
(c) रूपक (d) अन्योक्ति

30. चौथा विश्व हिन्दी सम्मेलन किस वर्ष में संपन्न हुआ था?

(a) 1993 (b) 1996
(c) 1999 (d) 2003

31. 'ईश्वर की माया .... ।' लोकोक्ति को पूर्ण करने हेतु उचित विकल्प कौन-सा है?

(a) कहीं छाया कहीं धूप (b) कहीं धूप कहीं छाया
(c) सबसे न्यारी (d) वो ही जाने

32. 'आ बैल मुझे मार' इस कहावत का सही अर्थ बताइए।

(a) छेड़छाड़ करना।
(b) जानबूझ कर मुसीबत में पड़ना।
(c) बलशाली के सामने वीरता दिखाना।
(d) कायर होते हुए भी वीरता का प्रदर्शन करना।

33. निम्नलिखित में से कौन ज्ञानाश्रयी शाखा के कवि हैं?

(a) कबीरदास (b) तुलसीदास
(c) रहीमदास (d) मलिक मुहम्मद जायसी

निर्देशः दिए गए गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भारतीय दर्शन सिखाता है कि जीवन का एक आशय और लक्ष्य है, आशय की खोज हमारा दायित्व है, और अंत में उस लक्ष्य को प्राप्त कर लेना हमारा विशेषाधिकार है। इस प्रकार दर्शन जो कि आशय को उद्घाटित करने की कोशिश करता है और जहाँ तक उसे इसमें सफलता मिलती है, वह इस लक्ष्य तक अग्रसर होने की प्रक्रिया है। कुल मिलाकर आखिर यह लक्ष्य क्या है? इस अर्थ में यथार्थ की प्राप्ति वह है जिसमें पा लेना केवल जानना नहीं है, बल्कि उसी का अंश हो जाना है। इस उपलब्धि में बाधा क्या है? बाधाएँ कई हैं, पर इनमें प्रमुख है–अज्ञान। अशिक्षित आत्मा नही है, यहाँ तक कि यथार्थ संसार भी नहीं है, यह दर्शन ही है जो उसे शिक्षित करता है, और अपनी शिक्षा से उसे उस अज्ञान से मुक्ति दिलाता है, जो यथार्थ दर्शन नहीं होने देता। इस प्रकार एक दार्शनिक होना एक बौद्धिक अनुगमन करना नहीं है, बल्कि एक शक्तिप्रद अनुशासन पर चलना है, क्योंकि सत्य की खोज में लगे हुए सभी दार्शनिक को अपने जीवन को इस प्रकार आचरित करना पड़ता है ताकि उस यथार्थ से एकाकार हो जाए जिसे वह खोज रहा है। वास्तव में यही जीवन का एक मात्र सही मार्ग है और सभी दार्शनिकों को इसका पालन करना होता है, और दार्शनिक ही नहीं, बल्कि सभी मनुष्यों को, क्योंकि सभी मनुष्यों के दायित्व और नियति एक ही है।

34. उपरोक्त गद्यांश का समुचित शीर्षक चुनिए।

(a) जीवन का एक आशय (b) मनुष्य की नियति
(c) भारतीय दर्शन और जीवन (d) अज्ञान से मुक्ति

35. उपरोक्त गद्यांश का संक्षेपण कीजिए।

(a) दर्शन जीवन का एक मात्र सही मार्ग है और सभी दार्शनिकों को इसका पालन करना होता है, और दार्शनिक ही नहीं, बल्कि सभी मनुष्यों को, क्योंकि सभी मनुष्यों के दायित्व और नियति एक ही है।
(b) भारतीय दर्शन सिखाता है कि जीवन का एक आशय और लक्ष्य है, आशय की खोज हमारा दायित्व है, और अंत में उस लक्ष्य को प्राप्त कर लेना हमारा विशेषाधिकार है।
(c) दर्शन जो कि आशय को उद्घाटित करने की कोशिश करता है और जहाँ तक उसे इसमें सफलता मिलती है, वह इस लक्ष्य तक अग्रसर होने की प्रक्रिया है।
(d) भारतीय दर्शन जीवन के लक्ष्य की खोज करके उसे पाने की प्रक्रिया भी बताता है। लक्ष्य को पा लेना उसे केवल जानना नहीं है, बल्कि उसका अंश हो जाना है, इस उपलब्धि में प्रमुख बाधा है अज्ञान, जिसे दर्शन ही दूर कर सकता है। इस प्रकार दार्शनिक को स्वयं अनुशासित होना पड़ता है ताकि वह यथार्थ से एकाकार हो जाए। इसी नाते अनुशासित आचरण का पालन सभी मनुष्यों को करना होता है।

36. उपरोक्त गद्यांश के आधार पर बताइए कि यथार्थ की प्राप्ति में प्रमुख बाधा क्या है?

(a) अज्ञान (b) दायित्व
(c) नियति (d) अनुशासन

37. 'अतीत के चलचित्र' किसकी रचना है?

(a) महादेवी वर्मा (b) अयोध्या सिंह
(c) सियारामशरण गुप्त (d) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

SOLUTION : PRACTICE SET- 39

ANSWER KEY

1. (c)	9. (c)	17. (d)	25. (b)	33. (a)
2. (a)	10. (c)	18. (b)	26. (c)	34. (c)
3. (d)	11. (c)	19. (b)	27. (c)	35. (d)
4. (d)	12. (b)	20. (a)	28. (b)	36. (a)
5. (c)	13. (b)	21. (b)	29. (a)	37. (a)
6. (c)	14. (c)	22. (a)	30. (a)	
7. (c)	15. (d)	23. (d)	31. (b)	
8. (b)	16. (c)	24. (b)	32. (b)	

SOLUTION

1. (c)
प्रश्नानुसार स का उच्चारण दाँत से, ष का मूर्धा से, श का तालु से तथा न का उच्चारण नासिका से होता है।

वर्णों का उच्चारण स्थान	
कंठ्य	क, ख, ग, घ, ङ, अ, आ
तालव्य	च, छ, ज, झ, ञ, य, श
मूर्धन्य	ट, ठ, ड, ढ, ण, र, ष
दंत्य	त, थ, द, ध, न, ल, स
ओष्ठ्य	प, फ, ब, भ, म, उ, ऊ
नासिका	ङ, ञ, ण, न, म
कंठतालव्य	ए, ऐ
अन्तःस्थ	य, र, ल, व
ऊष्म	ह, श, ष, स

2. (a)
वाक्य 'अरे! तुम आ गए?' में 'अरे' के बाद विस्मयादिबोधक चिह्न (!) का प्रयोग किया गया है। जिन वाक्यों में आश्चर्य, हर्ष, शोक, घृणा आदि भाव व्यक्त हों, उन्हें विस्मयबोधक वाक्य कहते हैं। इन वाक्यों में सामान्यतः विस्मयादिबोधक चिह्न (!) का उपयोग किया जाता है।

3. (d)
बेल समूहवाचक शब्द नहीं है। बल्कि बेल जातिवाचक संज्ञा है। वे शब्द जो किसी एक वस्तु या व्यक्ति के वाचक न होकर समूह/समुदाय के वाचक होते हैं, 'समूहवाचक शब्द' कहलाते हैं। **जैसे-** सभा, परिवार, सेना, टीम, गुच्छा, दल एवं छत्ता शब्द समूहवाचक हैं।

4. (d)
'आपके घर मैं स्वयं आया था।' इस वाक्य में अधोरेखित शब्द स्वयं निजवाचक सर्वनाम का उदाहरण है।
निजवाचक सर्वनाम- जो शब्द व्यक्ति खुद के लिए प्रयोग करता है, अर्थात् जिन शब्दों में काम करने वाले व्यक्ति के साथ अपनापन प्रकट होता है, निजवाचक सर्वनाम कहलाता है।
जैसे– आप, स्वयं, खुद, अपना आदि।

5. (c)
दिये गये विकल्पों के आधार पर 'उन्नति' शब्द विशेषण है। यथा– राम उन्नति पथ पर अग्रसर है। इस वाक्य में राम की विशेषता के लिए बताया जा रहा है कि वह उन्नति कर रहा है।

6. (c)
'राम हँसता है।' इस वाक्य में 'अकर्मक क्रिया' का प्रयोग हुआ है। 'जिस वाक्य में क्रिया का परिणाम स्वयं कर्त्ता पर पड़ता है कर्म पर नहीं, वह अकर्मक क्रिया का वाक्य कहलाता है।
जैसे → राम हँसता है।
सीता नाच रही है।

7. (c)
'क्षणभंगुर' का आशय 'क्षणिक' अर्थात 'कुछ ही समय में नष्ट हो जाने वाला' होता है। अतः स्पष्ट है कि क्षणभंगुर 'कालबोधक' विशेषण है।

8. (b)
झुरमुट शब्द स्त्रीलिंग नहीं है। बल्कि यह पुल्लिंग है। शेष शब्द स्त्रीलिंग हैं।

9. (c)
दिए गए शब्द 'तिथि' का बहुवचन 'तिथियाँ' है।
जैसे :– नदियाँ, घोड़े, बच्चे इत्यादि।

10. (c)
दिए गए वाक्य में 'संदिग्ध वर्तमान काल' होगा।
संदिग्ध वर्तमान काल- जिन वाक्यों के अन्त में ता होगा, ती होगी, ते होंगे आदि आता है, वहाँ संदिग्ध वर्तमान काल होता है।
उदाहरण – इस समय श्याम आता होगा।

11. (c)
'मुख्यमंत्री ने घोषणा की' वाक्य को कर्मवाच्य में बदलने पर 'मुख्यमंत्री के द्वारा घोषणा की गई' होगा।

12. (b)
'के लिए' संप्रदान कारक का चिह्न है। जब वाक्य में किसी के लिए कुछ किया जाय या किसी को कुछ दिया जाय, वहाँ पर संप्रदान कारक होता है।

13. (b)

तद्भव	**तत्सम**
इलायची	एला
हुलास	उल्लास
अचरज	आश्चर्य
आग	अग्नि

14. (c)
'अहिंसा' शब्द में 'अ' उपसर्ग है।
अ + हिंसा = अहिंसा।
वे शब्दांश जो किसी शब्द के आरम्भ में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता ला देते हैं, 'उपसर्ग' कहलाते हैं। **जैसे**- 'अ' → अमूल्य, अथाह, अज्ञान आदि।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

15. (d)
गै + अक = गायक
अतः 'गायक' में 'अक' प्रत्यय और 'गै' मूल शब्द है। यहाँ पर मूल शब्द 'गै' एक धातु है जिसमें कृत-प्रत्यय (संस्कृत) 'अक' जुड़ने से बना शब्द 'गायक' कर्तृवाचक संज्ञा शब्द कहा जाएगा।

16. (c)
'तीव्र-मंद्र' विलोम शब्द की दृष्टि से असंगत युग्म है। इसका संगत युग्म 'तीव्र-मंद' होगा। शेष विकल्पों के शब्द युग्म विलोम की दृष्टि से संगत हैं।

17. (d)
'दीर्घकाय-कृशकाय' सही विलोम-युग्म हैं।
नेकी का भलाई समानार्थी शब्द है।
तरुण का किशोर समानार्थी शब्द है।
विभक्त का पृथक समानार्थी शब्द है।

18. (b)
दिये गये विकल्पों में 'अतुल' का समानार्थी शब्द अनुपम, अनोखा, अपूर्व हैं, जबकि 'अनल' अतुल का समानार्थी शब्द न होकर 'अग्नि' का समानार्थी शब्द है।

19. (b)
'दर्प' का पर्यायवाची शब्द 'अहंकार' है। समान अर्थ देने वाले शब्द को पर्यायवाची शब्द कहते हैं। 'अहंकार' शब्द के अन्य पर्यायवाची शब्द निम्न हैं - अभिमान, मद, घमंड, दंभ आदि।

20. (a)
'कटाक्ष' का अर्थ 'तिरछी नजर' है। अन्य शब्द के अर्थ इस प्रकार हैं-

शब्द	**अर्थ**
व्यंग्य	व्यंजना शक्ति द्वारा निकाला गया अर्थ
ताना	व्यंग्य पूर्ण चुभने वाली बात।
आक्षेप	व्यंग्य पूर्ण दोषारोपण करना।

21. (b)
दिए गए शब्द-युग्म 'विभात-विभाति' का सही अर्थ 'प्रभात-शोभा' होता है।
विभात का अर्थ प्रभात तथा विभाति का अर्थ शोभा/सुन्दरता होती है।

22. (a)
वह भाई जो अन्य माता से उत्पन्न हुआ हो, वह 'अन्योदर' कहलाता है, जबकि एक ही माता से उत्पन्न संतानों को 'सहोदर' कहा जाता है।

23. (d)
'अपने जीवन पर स्वयं लिखी गयी कथा' के लिए एक शब्द– 'आत्मकथा' होगा। शेष विकल्प असंगत हैं।

24. (b)
दीर्घ संधि के अनुसार ह्रस्व या दीर्घ 'अ', 'इ', 'उ', के बाद क्रमश: समान ह्रस्व या दीर्घ 'अ', 'इ', 'उ', ऋ स्वर आएँ तो दोनों मिलकर दीर्घ (आ, ई, ऊ, ॠ) हो जाते हैं। जैसे-
धर्म + अर्थ = धर्मार्थ
वधू + ऊर्मि = वधूर्मि
नारी + ईश्वर = नारीश्वर

25. (b)
'मातृहंता' में तत्पुरुष समास है। जिसका विग्रह 'माता की हत्या करने वाला' होता है। शेष विकल्प असंगत हैं। जिस सामासिक शब्द में उत्तर पद की प्रधानता होती है और बीच में कारक चिह्न लुप्त होता है। वह तत्पुरुष समास कहलाता है।

26. (c)
दिए गए वाक्यों में 'भारत में अनेक जातियाँ हैं' शुद्ध वाक्य है। अन्य वाक्य निम्न प्रकार शुद्ध होंगे।
→ उसे अनुत्तीर्ण होने की आशंका है।
→ आज का अवकाश देने की कृपा करें।
→ फल काटकर बच्चे को खिलाओ।

27. (c)
शृंगार रस का स्थायी भाव रति/प्रेम होता है। इसके दो प्रकार संयोग शृंगार और वियोग शृंगार हैं। शृंगार रस को **'रसराज'**, **'रसपति'** कहा जाता है।

28. (b)
घनाक्षरी या कवित्त छंद वर्णिक छन्द का एक रूप है। घनाक्षरी छंद में 31 वर्णों का एक चरण होता है और 16-15 वर्णों पर प्रधान यति तथा समस्त चरण में (8, 8, 8 - 7) वर्णों पर साधारण यति होती है।

29. (a)
दी गयी पंक्ति – 'कहे कवि बेनी बेनी व्याल की चुराई लीनी' में **यमक अलंकार** है। इसमें 'बेनी' शब्द दो बार आया है, जिसमें प्रथम बेनी का आशय 'कवि बेनी' (बेनी नामक रीतिकालीन कवि) से है, जबकि द्वितीय बेनी का आशय 'चोटी' (बाल की चोटी) से है।

30. (a)
चौथा विश्व हिन्दी सम्मेलन वर्ष 1993 में संपन्न हुआ था। यह पोर्ट लुइस (मॉरीशस) में हुआ था।

प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन	– 1975 –	नागपुर (भारत)
द्वितीय विश्व हिन्दी सम्मेलन	– 1976 –	पोर्ट लुइस (मॉरीशस)
तृतीय विश्व हिन्दी सम्मेलन	– 1983 –	नई दिल्ली (भारत)
पाँचवाँ विश्व हिन्दी सम्मेलन	– 1996 –	पोर्ट ऑफ स्पेन (त्रिनिदाद एवं टोबैगो)

31. (b)
ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं छाया - पूर्ण लोकोक्ति है, जिसका अर्थ है– 'भगवान की माया विचित्र है, 'कहीं सुख है तो कहीं दुःख'।

32. (b)
'आ बैल मुझे मार' कहावत का सही अर्थ 'जानबूझ कर मुसीबत में पड़ना' है।

33. (a)
ज्ञानाश्रयी शाखा के कवि 'कबीरदास' हैं। रामभक्ति शाखा के कवि 'तुलसीदास', कृष्णभक्ति शाखा के कवि 'रहीमदास' तथा सूफी प्रेममार्गी काव्य धारा के कवि 'मलिक मुहम्मद जायसी' हैं।

34. (c)
उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक 'भारतीय दर्शन और जीवन' है।

35. (d)
दिये गये गद्यांश का संक्षेपण होगा-
भारतीय दर्शन जीवन के लक्ष्य की खोज करके उसे पाने की प्रक्रिया भी बताता है। लक्ष्य को पा लेना उसे केवल जानना नहीं है, बल्कि उसका अंश हो जाना है, इस उपलब्धि में प्रमुख बाधा है अज्ञान, जिसे दर्शन ही दूर कर सकता है। इस प्रकार दार्शनिक को स्वयं अनुशासित होना पड़ता है ताकि वह यथार्थ से एकाकार हो जाए। इसी नाते अनुशासित आचरण का पालन सभी मनुष्यों को करना होता है।

36. (a)
दिये गये गद्यांश के अनुसार यथार्थ प्राप्ति की प्रमुख बाधा 'अज्ञान' है।

37. (a)
'अतीत के चलचित्र' महादेवी वर्मा द्वारा रचित रेखाचित्र है। इनकी इस विधा की अन्य कृतियाँ हैं– स्मृति की रेखाएँ, मेरा परिवार।

रचनाकार	**रचनाएँ**
अयोध्या सिंह हरिऔध	प्रियप्रवास, पारिजात, वैदेही वनवास, कृष्ण शतक, रसिक रहस्य, पद्म प्रसून आदि।
सियाराम शरण गुप्त	नकुल, दैनिकी, उन्मुक्त, विषाद, बापू आदि।
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	-अनामिका, गीतिका, कुकुरमुत्ता, अणिमा, अर्चना, जूही की कली, सरोज स्मृति आदि।

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET - 40

1. **किस व्यंजन के उच्चारण में जिह्वा तालु से नहीं टकराती है?**
(a) ज (b) श
(c) च (d) घ

2. **अहा तुम्हें पाकर कितना आनंद आ रहा है' इस वाक्य में उचित विराम चिह्न कौन-सा होगा?**
(a) पूर्णविराम (b) प्रश्नवाचक चिह्न
(c) उपविराम (d) विस्मयादिबोधक चिह्न

3. **'हथियार' में कौन-सी संज्ञा है ?**
(a) व्यक्तिवाचक (b) गुणवाचक
(c) जातिवाचक (d) भाववाचक

4. **वह आप ही चला गया।' - वाक्य में रेखांकित शब्द सर्वनाम के किस भेद का उदाहरण है?**
(a) पुरुष वाचक (b) निजवाचक
(c) निश्चयवाचक (d) संबंधवाचक

5. **''मौसम आज कुछ सुहावना-सा है।'' वाक्य में 'सुहावना' शब्द किसका परिचायक शब्द है?**
(a) विशेष्य (b) विशेषण
(c) क्रियाविशेषण (d) संज्ञा

6. **'मीरा जोर से हँसी' यह वाक्य किस क्रिया का समुचित उदाहरण है?**
(a) अकर्मक (b) प्रेरणार्थक
(c) द्विकर्मक (d) सकर्मक

7. **'डॉक्टर साहब कितनी देर में आएंगे?' - इस वाक्य में किस प्रकार के क्रिया विशेषण का प्रयोग हुआ है?**
(a) स्थानवाचक (b) कालवाचक
(c) रीतिवाचक (d) परिमाणवाचक

8.निम्नलिखित में पुल्लिंग शब्द नहीं है—
(a) रत्न (b) मोती (c) नकल (d) बचपन

9. **निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए शब्द के बहुवचन रूप का सबसे अच्छा विकल्प है।**
सड़क
(a) सदकाओं (b) सड़कों
(c) सड़के (d) सड़कें

10. **'हम चूड़ियाँ पहन रहे हैं।' वाक्य की क्रिया किस काल की है?**
(a) पूर्ण वर्तमान काल
(b) अपूर्ण वर्तमान काल
(c) संदिग्ध वर्तमान काल
(d) सामान्य वर्तमान काल

11. **क्रिया के जिस रूप में कर्म की प्रधानता होती है और क्रिया का सीधा संबंध कर्म से होता है, उसे क्या कहते हैं?**
(a) कर्मवाच्य (b) वाच्य
(c) कर्तृवाच्य (d) भाववाच्य

12. **'हरि मोहन को रुपये देता है।' रेखांकित में कौन सा कारक है?**
(a) कर्म कारक (b) अपादान कारक
(c) सम्प्रदान कारक (d) अधिकरण कारक

13. **इनमें से 'ईमानदार' शब्द क्या है?**
(a) तद्भव (b) तत्सम
(c) विदेशज (d) देशज

14. **'बदनसीब' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?**
(a) नसीब (b) ब
(c) बदन (d) बद

15. **इनमें से 'नयन' शब्द में प्रयुक्त कृत् प्रत्यय कौन-सा है?**
(a) इक (b) इन
(c) उन (d) अन

16. **'कोप' का विलोम शब्द है—**
(a) कृपा (b) असंतुष्ट
(c) खेद (d) इनमें से कोई नहीं

17. **'दक्षिण' शब्द का विलोम शब्द निम्न में से कौन सा है?**
(a) वाम (b) दायाँ
(c) पश्चिम (d) पूरब

18. **उसकी शिकायत पूर्णतया सही थी। रेखांकित शब्द का समानार्थी शब्द है?**
(a) प्रतिअक्षर (b) प्रक्षर
(c) अक्षरशः (d) प्रतिशब्द

19. **साँप का पर्यायवाची है—**
(a) अहि (b) केहरि
(c) अरूणशिखा (d) शार्दूल

20. **इनमें से कौन-सा शब्द 'परिकर' का अनेकार्थी नहीं है?**
(a) समूह (b) कमरबंद
(c) परिवार (d) क्षत्रिय

21. **दिए गए शब्द युग्म का सही शब्द युग्म ज्ञात कीजिए।**
शुल्क : शुक्ल
(a) फीस : टैक्स (b) टैक्स : लय
(c) टैक्स : रात (d) फीस : उजला

22. **'वह स्त्री जिसका पति परदेश से आने वाला हो' के लिए एक शब्द है—**
(a) आगतपतिका (b) प्रव्रत्स्यतपतिका
(c) प्रोषितपतिका (d) आगमिस्यतपतिका

23. **वाक्यांश 'जो शुद्ध न किया गया हो', उसे संक्षिप्त रूप से एक ही शब्द में व्यक्त करने वाला शब्द है :**
(a) नीतिज्ञ (b) उत्तराधिकारी
(c) अपरिमार्जित (d) अग्रज

24. **'सरयूर्मि' में सन्धि है-**
(a) दीर्घ (b) यण्
(c) व्यंजन (d) स्वर

25. **'स्वर्गप्राप्त' में कौन-सा समास है?**
(a) अव्ययीभाव समास (b) द्विगु समास
(c) बहुव्रीहि समास (d) तत्पुरुष समास

26. **निम्नलिखित में से अशुद्ध वाक्य कौन-सा है?**
(a) मनुष्य स्वभावतः अकेलापन पसंद नहीं करता।
(b) विकास के सूत्र मानव के हाथ में हैं।
(c) देश में सर्वस्व शांति होना चाहिए।
(d) मनुष्यता मनुष्य की अमूल्य निधि है।

27. **निम्नलिखित पंक्तियों में कौन-सा रस है?**
बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
सौंह करैं भौंहनु हँसैं, दैन कहैं नटि जाइ।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

(a) शांत (b) वात्सल्य
(c) शृंगार (d) अद्भुत

28. **निम्नलिखित में से मात्रिक छंद कौन-सा नहीं है?**
(a) मन्दाक्रान्ता (b) हरिगीतिका
(c) रोला (d) दोहा

29. **'सजना है मुझे सजना के लिए।' में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है?**
(a) यमक (b) अनुप्रास
(c) रूपक (d) छेकानुप्रास

30. **''भारत की खोज'' किसकी कृति है?**
(a) रवीन्द्रनाथ ठाकुर (b) जवाहर लाल नेहरू
(c) सुभाष चंद्र बोस (d) महात्मा गांधी

31. **'उपाय वही सही होता है जिसका लोहा विरोधी भी मानें' – इसके लिए सही लोकोक्ति है –**
(a) आधा तीतर, आधा बटेर
(b) चमत्कार को नमस्कार
(c) जादू वही जो सिर चढ़कर बोले
(d) इनमें से कोई नहीं

32. **'अपनी करनी पार उतरनी' लोकोक्ति का अर्थ है–**
(a) अपने अच्छे कर्म से ही व्यक्ति का कल्याण होता है।
(b) बुरे कर्मों का फल बुरा होता है।
(c) अपना कर्म अपना होता है।
(d) इनमें से कोई नहीं

33. **निर्गुण कवियों में सर्वाधिक शिक्षित संत इनमें से कौन है?**
(a) सुंदरदास (b) दादूदयाल
(c) धर्मदास (d) मलूक दास

निर्देश-दिये गए गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

तत्परता हमारी सबसे मूल्यवान संपत्ति है। इसके द्वारा विश्वसनीयता प्राप्त होती है। वे लोग जो सदैव जागरूक रहते हैं, तत्काल कर्मरत हो जाते हैं और जो समय के पाबन्द हैं, वे सर्वत्र विश्वास के पात्र समझे जाते हैं। वे मालिक जो स्वयं कार्यतत्पर होते हैं, अपने कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनते हैं और काम की उपेक्षा करने वालों के लिए अंकुश का काम करते हैं। वे अनुशासन का साधन भी बनते हैं। इस प्रकार अपनी उपयोगिता और सफलता में अभिवृद्धि करने के साथ-साथ वे दूसरों की उपयोगिता और सफलता के भी साधन बनते हैं। एक आलसी व्यक्ति हमेशा ही अपने कार्य को भविष्य के लिए स्थगित करता जाता है, वह समय से पिछड़ता जाता है और इस प्रकार अपने लिए ही नहीं दूसरों के लिए भी विक्षोभ का कारण बनता है। उसकी सेवाओं का कोई आर्थिक मूल्य नहीं समझा जाता है। कार्य के प्रति उत्साह और उसे शीघ्रता से संपन्न करना। कार्य-तत्परता के दो प्रमुख उपादान है जो समृद्धि की प्राप्ति में उपयोगी बनते हैं।

34. **उपर्युक्त अवतरण का उपयुक्त शीर्षक दीजिए:**
(a) कार्य-कुशलता (b) कार्य-उपयोगिता
(c) कार्य-तत्परता (d) जागरूकता

35. **जीवन में सफल सिद्ध होने के लिए आवश्यक उपादानों में से एक प्रमुख उपादान क्या है?**
(a) कार्य की आर्थिक समझ (b) जागरूकता
(c) अनुशासन (d) तत्परता

36. **गद्यांश का उचित संक्षेपण कौन सा होगा?**
(a) तत्परता हमारी मूल्यवान निधि है। इससे हम तत्पर होकर काम करते हैं और समय पर काम करके सफलता प्राप्त करते हैं।
(b) जागरूक व्यक्ति सदैव उत्साहित होकर तत्परता से अपने कार्य में जुट जाते हैं और अनुशासित होकर उसे समय पर पूरा कर डालते हैं। समय पर कार्य करने से वे अपने कार्य-क्षेत्र में सभी के विश्वास पात्र बन जाते हैं और यही विश्वसनीयता सफलता का साधन बनती है। यही तत्परता सफलता और समृद्धि का प्रमुख उपादान है।
(c) सफलता के लिए तत्परता का होना आवश्यक है। अनुशासन में रहकर कार्य समय से पूरा करके सफलता मिलती है।
(d) उत्साह और शीघ्रता कार्य-तत्परता के दो प्रमुख उपादान हैं जो जागरूक होकर कार्य करने को बाध्य करते हैं। जिससे कार्य समयानुसार पूरा होता है और सफलता मिलती है।

37. **हिंदी में रिपोर्ताज विधा का जनक किसे माना जाता है?**
(a) रामकुमार वर्मा (b) रामविलास शर्मा
(c) शिवदान सिंह चौहान (d) नंद दुलारे वाजपेयी

SOLUTION : PRACTICE SET- 40

ANSWER KEY

1. (d)	9. (d)	17. (a)	25. (d)	33. (a)
2. (d)	10. (b)	18. (c)	26. (c)	34. (c)
3. (c)	11. (a)	19. (a)	27. (c)	35. (d)
4. (b)	12. (c)	20. (d)	28. (a)	36. (b)
5. (b)	13. (c)	21. (d)	29. (a)	37. (c)
6. (a)	14. (d)	22. (d)	30. (b)	
7. (b)	15. (d)	23. (c)	31. (c)	
8. (c)	16. (a)	24. (a)	32. (d)	

SOLUTION

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

1. (d)
'घ' व्यंजन के उच्चारण में जिह्वा तालु से नहीं टकराती है। 'घ' व्यंजन के वर्ण का उच्चारण स्थान 'कंठ्य' होगा।

2. (d)
वाक्य 'अहा तुम्हें पाकर कितना आनंद आ रहा है' में विस्मयादिबोधक चिह्न (!) होगा। 'अहा' शब्द के साथ विस्मयादिबोधक चिह्न (!) का प्रयोग होगा। इसका प्रयोग हर्ष, विषाद, विस्मय, घृणा, आश्चर्य, करुणा, भय इत्यादि भाव व्यक्त करने के लिए होता है। शुद्ध वाक्य- अहा! तुम्हें पाकर कितना आनन्द आ रहा है।

3. (c)
'हथियार' में जातिवाचक संज्ञा है- जिन संज्ञाओं से एक ही प्रकार की वस्तुओं अथवा व्यक्तियों का बोध हो, उन्हें 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं। **जैसे-** हथियार, मनुष्य, घर, पहाड़, नदी आदि।

व्यक्तिवाचक संज्ञा- जिस शब्द से किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान का बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- राम, गंगा, काशी, रामचरितमानस आदि।

भाववाचक संज्ञा- जिस संज्ञा शब्द से व्यक्ति, वस्तु के गुण या धर्म, दशा अथवा व्यापार का बोध होता है उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं। **जैसे-** लम्बाई, मोटाई, नम्रता, मिठास, समझ आदि।

4. (b)
वह आप ही चला गया।' वाक्य में रेखांकित शब्द 'आप' निजवाचक सर्वनाम का रूप है।

पुरुषवाचक सर्वनाम – मैं, हम, तुम, वह

निश्चयवाचक सर्वनाम – यह, वह, ये, वे

संबंधवाचक सर्वनाम – जो,सो

5. (b)
वाक्य में 'सुहावना' शब्द विशेषण का परिचायक है, क्योंकि यह मौसम की विशेषता बता रहा है।

6. (a)
'मीरा जोर से हँसी' यह वाक्य अकर्मक क्रिया का समुचित उदाहरण है। ऐसी क्रियाएँ जिसका प्रभाव कर्त्ता पर पड़े तथा उसके सम्पादन हेतु कर्म की आवश्यकता न हो, अकर्मक क्रियाएँ कहलाती हैं। यहाँ 'हँसने' का प्रभाव केवल मीरा (कर्त्ता) पर पड़ रहा है; अतः यहाँ अकर्मक क्रिया है।

7. (b)
'डॉक्टर साहब कितनी देर में आएंगे?' इस वाक्य में 'कालवाचक' क्रिया विशेषण का प्रयोग हुआ है।

'वे शब्द जो क्रिया की विशेषता बताते हैं, क्रिया विशेषण कहलाते हैं।' क्रिया विशेषण के चार भेद होते हैं।

(1) स्थानवाचक (2) कालवाचक

(3) रीतिवाचक (4) परिमाणवाचक

8. (c)
रत्न, बचपन तथा मोती शब्द पुल्लिंग के रूप में प्रयुक्त होते हैं जबकि 'नकल' शब्द पुल्लिंग के रूप में न प्रयुक्त होकर स्त्रीलिंग के रूप में प्रयुक्त होता है।

9. (d)
सड़क शब्द का बहुवचन 'सड़कें' होगा। अन्य विकल्प अशुद्ध हैं।

10. (b)
'हम चूड़ियाँ पहन रहे हैं।' वाक्य की क्रिया अपूर्ण वर्तमान काल की है।

अपूर्ण वर्तमान काल – क्रिया के जिस रूप से कार्य के लगातार होने का पता चलता है, उसे अपूर्ण वर्तमान काल कहते हैं।

जैसे – वह घर जा रहा है।

11. (a)
कर्मवाच्य- क्रिया के जिस रूप में कर्म की प्रधानता होती है, और क्रिया का सीधा संबंध कर्म से होता है। कर्मवाच्य कहलाता है।

उदाहरण–किसानों द्वारा हल चलाए गये।

12. (c)
'हरि मोहन को रुपये देता है' इस वाक्य के रेखांकित पद में 'सम्प्रदान कारक' है।

सम्प्रदान कारक- जब कर्त्ता किसी दूसरे के लिए कुछ करता है तब वह दूसरा व्यक्ति सम्प्रदान कारक संज्ञा कहलाता है। इसका परसर्ग 'के लिए' होता है।

नोट-जब कर्त्ता किसी को कुछ देने की क्रिया करता है तब 'को' परसर्ग के साथ वहाँ सम्प्रदान कारक प्रयुक्त होता है।

कर्म कारक- वाक्य में कर्त्ता द्वारा किए गए क्रिया का परिणाम जिस पर पड़ता है वह कर्म कारक संज्ञा कहलाता है। इसका परसर्ग 'को' होता है।

उदाहरण-(1) हरि मोहन को बुलाता है। (कर्म कारक)

(2) हरि मोहन को रुपये देता है। (सम्प्रदान कारक)

(3) हरि मोहन के लिए पुस्तक खरीदता है। (सम्प्रदान कारक)

13. (c)
ईमानदार शब्द 'विदेशज' है। हिन्दी भाषा में विदेशी भाषाओं से लिए गए शब्द या प्रयोग किये जाने वाले शब्द विदेशज शब्द कहलाते हैं। ये अरबी, तुर्की, फारसी, पुर्तगाली, अंग्रेजी भाषा के शब्द हैं। ईमानदार 'अरबी' भाषा का शब्द है।

14. (d)
'बदनसीब' में 'बद' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है। 'बद' अरबी, फारसी का उपसर्ग है जिसका अर्थ 'बुरा' होता है। 'बद' उपसर्ग से बने कुछ शब्द इस प्रकार हैं-

बद → बुरा → बदनाम, बदसूरत, बदहज़मी, बदगुमान, बदहवास आदि।

15. (d)
'नयन' शब्द में प्रयुक्त कृत् प्रत्यय 'अन' है तथा मूल शब्द 'ने' (ने + अन = नयन) है।

16. (a)
कोप का विलोम शब्द कृपा होता है। असंतुष्ट का विलोम संतुष्ट तथा खेद का विलोम प्रसन्नता होता है।

17. (a)
'दक्षिण' का विलोम 'वाम' होता है। जबकि दायाँ का बायाँ तथा पूरब का विलोम 'पश्चिम' होता है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

18. (c)
'अक्षरशः' शब्द 'पूर्णतया' का समानार्थी शब्द है। अतः 'पूर्णतया' के स्थान पर 'अक्षरशः' शब्द का प्रयोग सही है।

19. (a)
साँप के पर्यायवाची-अहि, व्याल, भुजंग, पवनाग, विषधर, पन्नग, सारंग, मणिधर, उरग आदि। केहरि तथा शार्दूल शब्द सिंह के पर्यायवाची हैं।

20. (d)
'क्षत्रिय' शब्द 'परिकर' का अनेकार्थी शब्द नहीं है, शेष शब्द-समूह, कमर बंद, परिवार इसके अनेकार्थी शब्द हैं।

21. (d)
सही शब्द युग्म :

* शुल्क का अर्थ - फीस
* शुक्ल का अर्थ - उजला

समश्रुत शब्द → कुछ शब्द ऐसे होते हैं जिनमें स्वर, मात्रा अथवा व्यंजन में थोड़ा-सा अंतर होता है। वे बोलचाल में लगभग एक जैसे लगते हैं, परन्तु उनके अर्थ में भिन्नता होती है। ऐसे शब्द 'समश्रुत/श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं।

22. (d)
वह स्त्री जिसका पति परदेश से आने वाला हो, उसे एक शब्द में 'आगमिस्यतपतिका' कहा जाता है, जबकि वह स्त्री जिसका पति परदेश से लौट आया हो उसे 'आगतपतिका' कहते हैं।

23. (c)
'जो शुद्ध न किया गया हो' के लिए एक शब्द 'अपरिमार्जित' होगा।

24. (a)
'सरयूर्मि' = सरयू+ऊर्मि' में दीर्घ स्वर संधि है। इनके नियमानुसार जब ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ, ऋ के बाद ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ, ऋ आए तो दोनों मिलकर दीर्घ आ, ई, ऊ, ॠ हो जाते हैं।

25. (d)
'स्वर्गप्राप्त' में 'तत्पुरुष समास' है।
स्वर्गप्राप्त = स्वर्ग को प्राप्त (कर्म तत्पुरुष)
तत्पुरुष समास में द्वितीय पद की प्रधानता होती है। इस समास में कर्त्ता कारक और सम्बोधन कारक के अतिरिक्त द्वितीया से सप्तमी कारक तक के विभक्ति का लोप होता है।
जैसे- मनोहर = मन को हरने वाला
गृहागत = गृह को आगत
स्वर्गप्राप्त = स्वर्ग को प्राप्त

26. (c)
देश में सर्वस्व शांति होना चाहिए। वाक्य अशुद्ध है। इसका शुद्ध रूप है- देश में सर्वस्व शांति होनी चाहिए।

27. (c)
जहाँ सहृदय के चित्त में रति नामक स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव तथा संचारी भाव का संयोग होता है, वहाँ शृंगार रस की उत्पत्ति होती है।
जैसे– कहत नटत रीझत खिझत मिलत खिलत लजियात।
भरे भौन में करत हैं नैनहुँ हीं सो बात।।

28. (a)
मन्दाक्रान्ता मात्रिक छन्द नहीं है, बल्कि मन्दाक्रान्ता 17 वर्णों वाला वर्णिक छन्द है; जबकि हरिगीतिका (28 मात्राएँ), रोला (24 मात्राएँ) तथा दोहा (13 + 11 = 24 मात्राएँ) तीनों मात्रिक छन्द हैं।

29. (a)
'सजना है मुझे सजना के लिए।' इस पंक्ति में 'यमक अलंकार' है। जहाँ एक शब्द एक से अधिक बार आये और प्रत्येक जगह उसके अर्थ भिन्न हों, वहाँ 'यमक अलंकार' होता है। इस उदाहरण में 'सजना' शब्द दो बार आया है। पहले स्थान पर सजना का अर्थ है 'शृंगार करना', जबकि दूसरे स्थान पर सजना का अर्थ है– पिया (पति)। अतः यहाँ यमक अलंकार है।

30. (b)
"भारत की खोज" पुस्तक जवाहर लाल नेहरू की है। नेहरू जी द्वारा 'ग्लिम्सेज ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री', 'मेरी कहानी' (आत्मकथा) पुस्तकें लिखी गई। गाँधी जी द्वारा लिखित चार पुस्तकें हैं– हिंद स्वराज, दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास, सत्य के प्रयोग (आत्मकथा) तथा गीता पदार्थ कोश। भारत का संघर्ष (पूर्ण) तथा 'एक भारतीय यात्री' (अपूर्ण आत्मकथा) सुभाष चन्द्र बोस की रचनायें हैं।

31. (c)
'उपाय वही सही होता है जिसका लोहा विरोधी भी मानें'–इसके लिए सही लोकोक्ति है 'जादू वही जो सिर चढ़कर बोले'।

32. (d)
'अपनी करनी पार उतरनी' लोकोक्ति का अर्थ-अपने कर्म का फल स्वयं भोगना पड़ता है।

33. (a)
निर्गुण कवियों में सर्वाधिक शिक्षित संत 'सुंदरदास' हैं। सुंदरदास, संत दादू के शिष्य थे। इन्होंने काशी में रह कर विद्याध्ययन किया। इनकी प्रमुख रचनाएँ- ज्ञानसमुद्र, सुंदरविलास, सर्वांगयोगप्रदीपिका, सुख समाधि, अद्‌भुत उपदेश, स्वप्न प्रबोध, वेद विचार, पंच प्रभाव इत्यादि हैं।

34. (c)
दिए गए गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक 'कार्य-तत्परता' होगा। गद्यांश के अनुसार तत्परता हमारी सबसे मूल्यवान संपत्ति है। इसके द्वारा विश्वसनीयता प्राप्त होती है।

35. (d)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार जीवन में सफल सिद्ध होने के लिए आवश्यक उपादानों में से प्रमुखतम उपादान 'तत्परता' है।

36. (b)
गद्यांश का उचित संक्षेपण इस प्रकार है- 'जागरूक व्यक्ति सदैव उत्साहित होकर तत्परता से अपने कार्य में जुट जाते हैं और अनुशासित होकर उसे समय पर पूरा कर डालते हैं। समय पर कार्य करने से वे अपने कार्य-क्षेत्र में सभी के विश्वास पात्र बन जाते हैं और यही विश्वसनीयता सफलता का साधन बनती है। यही तत्परता सफलता और समृद्धि का प्रमुख उपादान है।'

37. (c)
हिन्दी में रिपोर्ताज विधा का जनक 'शिवदान सिंह चौहान' को माना जाता है। रूपाभ पत्रिका के दिसम्बर, 1938 ई. में प्रकाशित 'लक्ष्मीपुरा' को हिन्दी का प्रथम रिपोर्ताज माना जाता है। 'मौत के खिलाफ जिंदगी की लड़ाई' इनका एक अन्य रिपोर्ताज है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET - 41

1. **निम्नलिखित में से किस विकल्प में अनुनासिक का प्रयोग है?**
   (a) शंकर, हिंदी (b) अतः, प्रातः
   (c) अं, अः (d) चाँद, साँस

2. **किस वाक्य में विराम चिह्न का उचित प्रयोग नहीं है?**
   (a) मैं मनुष्य में मानवता देखना चाहती हूँ। उसे देवता बनाने की मेरी इच्छा नहीं।
   (b) वह दूर से, बहुत दूर से आ रहा है।
   (c) सुनो! सुनो! वह गा रही है।
   (d) प्रिय महाशय, मैं आपका आभारी हूँ।

3. **लड़का कौन-सी संज्ञा है?**
   (a) व्यक्तिवाचक (b) जातिवाचक
   (c) भाववाचक (d) समूहवाचक

4. **'आप भला तो जग भला' - वाक्य में रेखांकित शब्द कौन सा सर्वनाम है?**
   (a) पुरुषवाचक (b) निजवाचक
   (c) निश्चयवाचक (d) अनिश्चयवाचक

5. **दिल्ली में ऊँची इमारतें हैं।**
   (a) दिल्ली (b) इमारतें
   (c) ऊँची
   (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

6. **'मैं लड़के को वेद पढ़ाता हूँ' इस वाक्य में कितने कर्म हैं?**
   (a) एक (b) तीन
   (c) दो (d) पाँच

7. **'ईश्वर सर्वव्यापक है।'- इस वाक्य में किस प्रकार के क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है?**
   (a) कालवाचक (b) रीतिवाचक
   (c) परिमाणवाचक (d) स्थानवाचक

8. **निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द पुल्लिंग है?**
   (a) कष्ट (b) सेना
   (c) आशा (d) क्षमा

9. **निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो बहुवचन रूप का सबसे अच्छा विकल्प है।**
   (a) नदी (b) लुटिया
   (c) पाठक (d) दर्शन

10. **'उस डाली पर एक तोता बैठा है।' वाक्य में प्रयुक्त काल पहचानिए।**
    (a) पूर्ण भूतकाल (b) पूर्ण वर्तमानकाल
    (c) अपूर्ण भूतकाल (d) सामान्य भूतकाल

11. **'राजन द्वारा किताब पढ़ी जाती है।' इस वाक्य में वाच्य का कौन-सा प्रकार है?**
    (a) कर्तृवाच्य (b) भाववाच्य
    (c) कर्मवाच्य (d) इनमे से कोई नहीं

12. **'कारक' चिह्न की दृष्टि से असंगत वाक्य है :**
    (a) मोहन आम खाता है – कर्त्ता कारक
    (b) राधा ने पेन्सिल से पत्र लिखा – करण कारक
    (c) संन्यासी को दान दे दो – सम्प्रदान कारक
    (d) बस से सामान गिरा – कर्म कारक

13. **'ईक्षु' का तद्भव रूप है-**
    (a) गन्ना (b) ईक्ख
    (c) ईख (d) इक्षु

14. **इनमें से कौन-सा शब्द उपसर्ग- रहित है?**
    (a) अत्यधिक (b) विदेश
    (c) सुयोग (d) सुरेश

15. **इनमें से 'कनिष्ठ' शब्द में कौन-सा प्रत्यय प्रयुक्त हुआ है?**
    (a) इस्ट (b) इष्ट
    (c) इष्ठ (d) श्त

16. **निम्नलिखित में से 'मौन और संपन्न' शब्दों के क्रमशः सही विलोम शब्दों का चयन कीजिए:**
    (a) भाषण, निष्पन्न (b) मूक, विपन्न
    (c) मुखर, विपन्न (d) मौखिक, आसन्न

17. **'साहस' का विलोम शब्द है**
    (a) असाहस (b) निर्भय
    (c) भय (d) अभय

18. **अभिलाषा का पर्यायवाची क्या नहीं होगा?**
    (a) कामना (b) लालसा
    (c) इच्छा (d) अनिच्छा

19. **'बाण' का पर्याय है –**
    (a) हय (b) अर्चि
    (c) उर्वी (d) आशुग

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

20. इनमें से कौन-सा शब्द 'आनंद' का अनेकार्थी शब्द है?
(a) खुशी (b) कबूतर
(c) वस्त्र (d) पानी

21. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से उस सही विकल्प का चयन करें जो दिए गए शब्द-युग्म के सही अर्थ का उचित विकल्प हो। बल-वल
(a) ताकत-अक्षर (b) ताकत-जंगल
(c) ताकत-मेघ (d) शक्ति-बेल

22. निम्न में से कौन सा 'पीछे चलने वाला' शब्द समूह हेतु एक शब्द है?
(a) अनुगत (b) पिछलग्गू
(c) पिच्छल (d) आगत

23. 'अवश्य होने वाला' के लिए एक शब्द है-
(a) अनिवार्य (b) आवश्यक
(c) अवश्यम्भावी (d) अवश्यमेव

24. 'विद्यालय' में किस संधि की योजना है?
(a) स्वर संधि (b) व्यंजन संधि
(c) विसर्ग संधि (d) कोई नहीं

25. जन्मांध में समास बताइये-
(a) तत्पुरुष समास (b) कर्मधारय
(c) बहुव्रीहि (d) द्वन्द्व

26. लिंग की दृष्टि से एक वाक्य शुद्ध है-
(a) बालू बहुत गीली है। (b) खटिया टूट गया।
(c) टेसू खूब फूल रही है। (d) ईख बहुत मीठी है।

27. 'प्राकृत पैंगलम' के छंद किस रस से संबंधित हैं?
(a) शृंगार रस (b) वीर रस
(c) अद्भुत रस (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

28. "बात बड़ी सरस थे कहते बिहारी, छोटे बड़े सकल का हित चाहते थे। अत्यंत प्यार सँग थे मिलते सबों से, वे थे सहायक बड़े दुःख के दिनों के।" में कौन-सा छन्द है?
(a) वसंततिलका (b) मंदाक्रांता
(c) सवैया (d) बरवै

29. 'मो सम कौन कुटिल खल कामी।' में कौन-सा अलंकार है ?
(a) उत्प्रेक्षा (b) विभावना
(c) वक्रोक्ति (d) उपमा

30. निम्नलिखित में से 'महीसुर' शब्द का अर्थ है
(a) पृथ्वी का रक्षक (b) महिषासुर
(c) राक्षस (d) ब्राह्मण

31. 'नाकों चने चबवाना' मुहावरे का सही अर्थ है-
(a) अपनी बातों से परेशान करना
(b) बहस करना
(c) बातूनी होना
(d) बहुत तंग करना

32. 'घड़ों पानी पड़ जाना' का सही अर्थ है:
(a) स्नान करना (b) परेशान करना
(c) अत्यंत लज्जित होना (d) सिर पर पानी डालना

33. रचनाकार और रचना का कौन सा युग्म सही नहीं है?
(a) तुलसी – रामचरित मानस
(b) कुतबन – मृगावत
(c) जायसी – पद्मावत
(d) मंझन – चित्रावली

निर्देशः दिए गए गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सुख-सुविधाओं के अतिरिक्त विज्ञान ने जो सबसे बड़ी चीज हमें दी है वह अमूल्य निधि है – जीवन के प्रति तार्किक पद्धति। विज्ञान ने मनुष्य को एक तर्कसंगत और व्यावहारिक दृष्टि दी है, जिसके कारण अंध-विश्वास और जड़ता का कुहासा छँटता जा रहा है। जर्जर विकृत परम्पराएँ ध्वस्त हो रही हैं। विज्ञान ने मनुष्य को सत्य-असत्य, उचित-अनुचित को परखने का और वस्तुगत विश्लेषण के आधार पर निष्कर्ष निकालने का दृष्टिकोण प्रदान किया है। मनुष्य ने जीवन के प्रत्येक पहलू को कारण और कार्य की कसौटी पर कसकर आगे बढ़ाना सीख लिया है।

34. मनुष्य ने आगे बढ़ना सीख लिया है?
(a) परिश्रम करके
(b) विज्ञान के आविष्कार करके
(c) जीवन के प्रत्येक पहलू को कारण और कार्य की कसौटी पर परखकर
(d) सत्य-असत्य और उचित-अनुचित का ज्ञान प्राप्त करके

35. विज्ञान ने हमें कौन-सी अमूल्य निधि दी हैः
(a) सुविधाजनक वाहन
(b) जीवन के प्रति तार्किक पद्धति
(c) मोबाइल फोन
(d) टेलीविजन

36. अंधविश्वास और जड़ता का कुहासा किसके कारण छंट रहा है?
(a) चमत्कार
(b) शिक्षा
(c) तर्कसंगत और व्यावहारिक दृष्टि
(d) वैज्ञानिक दृष्टिकोण

37. इनमें से कौन-सी रचना ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित नहीं है?
(a) यामा (b) चिदम्बरा
(c) बुनी हुई रस्सी (d) उर्वशी

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

SOLUTION : PRACTICE SET- 41

ANSWER KEY

1. (d)	9. (d)	17. (c)	25. (a)	33. (d)
2. (d)	10. (b)	18. (d)	26. (d)	34. (c)
3. (b)	11. (c)	19. (d)	27. (b)	35. (b)
4. (b)	12. (d)	20. (a)	28. (a)	36. (c)
5. (c)	13. (c)	21. (c)	29. (c)	37. (c)
6. (c)	14. (d)	22. (a)	30. (d)	
7. (d)	15. (c)	23. (c)	31. (d)	
8. (a)	16. (c)	24. (a)	32. (c)	

SOLUTION

1. (d)
जिन वर्णों का उच्चारण मुख और नासिका दोनों से किया जाता है वे अनुनासिक वर्ण कहलाते हैं। अनुनासिक वर्णों के ऊपर चंद्रबिंदु लगाकर लिखा जाता है।
जैसे – चाँद, साँस, आँधी, ऊँट आदि।

2. (d)
'प्रिय महाशय, मैं आपका आभारी हूँ।' इसमें प्रिय महाशय के बाद विस्मयादिबोधक (!)चिह्न का प्रयोग होना चाहिए।

3. (b)
'लड़का' 'जातिवाचक संज्ञा' के अन्तर्गत आता है। जिन संज्ञाओं से एक ही प्रकार की वस्तुओं या व्यक्तियों का बोध हो, उन्हें **जातिवाचक संज्ञा** कहा जाता है, जैसे- मनुष्य, घर, पहाड़, नदी आदि। **व्यक्तिवाचक संज्ञा** से किसी एक वस्तु या व्यक्ति का बोध होता है। जैसे–श्याम, मई, वाराणसी, भारत आदि। **भाववाचक संज्ञा** से व्यक्ति या वस्तु के गुण, धर्म, दशा, व्यापार का बोध होता है। जैसे–लम्बाई, बुढ़ापा, नम्रता, मिठास आदि। जिस संज्ञा से वस्तु या व्यक्ति के समूह का बोध हो, उसे **समूहवाचक संज्ञा** कहते हैं, जैसे- गुच्छा, सभा, कुंज आदि।

4. (b)
जिन शब्दों का प्रयोग वक्ता स्वयं के लिए करता है, उसे निजवाचक सर्वनाम कहते हैं; **जैसे**- आप, अपने। दिये गये वाक्य में आप का प्रयोग वक्ता स्वयं के लिए कर रहा है, अतः यहाँ निजवाचक सर्वनाम होगा।

5. (c)
उपर्युक्त वाक्य में 'ऊँची' शब्द गुणवाचक विशेषण का उदाहरण है। जिस शब्द से संज्ञा के गुण, दशा, स्वभाव आदि लक्षित हों, उसे 'गुणवाचक विशेषण' कहते हैं।

6. (c)
'मैं लड़के को वेद पढ़ाता हूँ' इस वाक्य में दो कर्म हैं। जिन सकर्मक क्रियाओं में दो कर्म होते हैं, उन्हें द्विकर्मक क्रिया कहते हैं **जैसे**- मैं लड़के को वेद पढ़ाता हूँ।
इस वाक्य में 'लड़का' तथा 'वेद' दोनों कर्म हैं।

7. (d)
'ईश्वर सर्वव्यापक है।' इस वाक्य में 'स्थानवाचक' क्रिया विशेषण का प्रयोग हुआ है। वे क्रियाविशेषण शब्द जिनसे किसी स्थान, स्थिति तथा दशा का बोध हो, स्थानवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं। **जैसे** - बाहर, भीतर, सर्वत्र, जिधर, किधर, निकट, समीप, आगे, पीछे आदि।

8. (a)
'कष्ट' शब्द पुल्लिंग है। शब्द के जिस रूप से किसी व्यक्ति, वस्तु आदि के जाति का बोध हो उसे लिंग कहते हैं। हिन्दी में लिंग के दो भेद होते हैं।
पुल्लिंग– जिस शब्द से पुरुष जाति का बोध हो उसे पुल्लिंग कहते हैं। **जैसे**- शेर, पेड़, बैल।
स्त्रीलिंग–जिस शब्द से स्त्री जाति का बोध हो उसे स्त्रीलिंग कहते हैं। **जैसे**- नारी, गाय, कुर्सी।

9. (d)
दिये गये विकल्पों में 'दर्शन' शब्द सदैव बहुवचन में प्रयोग किया जाता है इसका एकवचन नहीं होता।
अन्य शब्दों के बहुवचन–

नदी	-	नदियाँ
लुटिया	-	लुटियाँ
पाठक	-	पाठकगण

10. (b)
'उस डाली पर एक तोता बैठा है।' वाक्य में प्रयुक्त काल 'पूर्ण वर्तमान काल' है।

11. (c)
'राजन द्वारा किताब पढ़ी जाती है।' इस वाक्य में कर्म वाच्य है। क्रिया के जिस रूप में कर्म की प्रधानता का बोध हो उसे कर्मवाच्य कहते हैं।

12. (d)
'बस से सामान गिरा-कर्मकारक' कारक चिह्न की दृष्टि से असंगत युग्म है। इसका संगत युग्म है- बस से सामान गिरा- अपादान कारक।

13. (c)
'ईक्षु' का तद्भव रूप ईख है। अन्य सभी विकल्प तद्भव रूप के दृष्टि से तर्क संगत नहीं हैं।

14. (d)
दिये गये विकल्पों में 'सुरेश' उपसर्ग रहित शब्द है। जबकि अत्यधिक, विदेशी तथा सुयोग में क्रमशः 'अति', 'वि' एवं 'सु' उपसर्ग का प्रयोग किया गया है।

15. (c)
'कनिष्ठ' शब्द में 'इष्ठ प्रत्यय प्रयुक्त हुआ है 'वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में विशिष्टता लाते हैं प्रत्यय कहलाते हैं' 'इष्ठ' प्रत्यय से बने शब्द इस प्रकार हैं।
'इष्ठ' ⟶ वरिष्ठ, घनिष्ठ, बलिष्ठ आदि।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

16. (c)
दिए गए शब्दों 'मौन और संपन्न' का सही विलोम शब्द 'मुखर और विपन्न' होगा। अन्य विकल्प सही नहीं हैं।

17. (c)
'साहस' का विलोम शब्द 'भय या निस्साहस' होता है।

18. (d)
अभिलाषा का पर्यायवाची अनिच्छा नहीं होगा। अभिलाषा के पर्यायवाची - कामना, लालसा, इच्छा, आकांक्षा, उत्कण्ठा, तृष्णा, मनोरथ, चाह इत्यादि हैं।

19. (d)
'बाण' शब्द के पर्यायवाची-आशुग, तीर, तोमर, विशिख, शिलीमुख, नाराच, शर आदि हैं।

20. (a)
विकल्प में दिया गया शब्द 'खुशी' 'आनन्द' का अनेकार्थी शब्द है। आनंद के अन्य अनेकार्थी शब्द हैं- मदिरा, शिव, एक छंद इत्यादि।

21. (c)
बल-वल के सही अर्थ का शब्द युग्म 'ताकत-मेघ' होगा। बल का अर्थ ताकत तथा वल का अर्थ मेघ होता है।

22. (a)
'पीछे चलने वाला' शब्द समूह के लिए एक शब्द 'अनुगत' होता है, जबकि आया हुआ के लिए एक शब्द 'आगत' तथा 'किसी का अंधानुयायी बनकर उसके पीछे चलने वाला' के लिए एक शब्द 'पिछलग्गू' होता है।

23. (c)
'अवश्य होने वाला' वाक्यांश के लिए एक शब्द है– '**अवश्यम्भावी**' जबकि जिसका निवारण न हो का एक शब्द 'अनिवार्य' होगा।

24. (a)
'विद्यालय' में **स्वर संधि** की योजना है। इसका संधि विच्छेद विद्या+आलय है। यह दीर्घ स्वर संधि का उदाहरण है।

25. (a)
जन्मांध में तत्पुरुष समास है। इसका विग्रह 'जन्म से अंधा' होता है। जिसमें उत्तरपद प्रधान तथा प्रथम पद गौण हो, तत्पुरुष समास कहलाता है। जैसे-मूर्तिकार, कालजयी, मांसाहारी, राजद्रोही, आत्मघाती आदि।

26. (d)
दिए गए वाक्यों में 'ईख बहुत मीठी है।' शुद्ध वाक्य है। अन्य विकल्पों का शुद्ध रूप इस प्रकार है –
- बालू बहुत गीला है।
- खटिया टूट गयी।
- टेसू खूब फूल रहा है।

27. (b)
'प्राकृत पैंगलम' के छंद वीर रस से संबंधित हैं। 'प्राकृत पैंगलम' में विद्याधर, सार्ङगधर, जज्जल तथा बब्बर आदि कवियों की रचनाओं को संकलित किया गया है।

28. (a)
"बात बड़ी सरस थे कहते बिहारी, छोटे बड़े सकल का हित चाहते थे। अत्यंत प्यार सँग थे मिलते सबों से, वे थे सहायक बड़े दुःख के दिनों के" में वसंततिलका छंद है। यह एक सम वर्णिक छंद है इसके प्रत्येक चरण में 1 तगण, 1 भगण, 2 जगण, तथा दो गुरु क्रम में कुल 14 वर्ण होते हैं।

29. (c)
'मो सम कौन कुटिल खल कामी।'
उक्त पंक्ति में 'वक्रोक्ति' अलंकार है जहाँ कथन को सुनने वाला कथन के अर्थ की कल्पना दूसरे भाव में कर लेता है, वहाँ वक्रोक्ति अलंकार होता है।

30. (d)
महीसुर का अर्थ-'ब्राह्मण' होता है।

31. (d)

मुहावरा		**अर्थ**
नाकों चने चबवाना	–	बहुत तंग करना
खिच-खिच में पड़ना	–	बहस करना
बक-बक करना	–	बहुत बोलना, बातूनी होना
खोपड़ी खाना	–	प्रश्न करके परेशान करना

32. (c)
'घड़ों पानी पड़ जाना' मुहावरे का सही अर्थ 'अत्यंत लज्जित होना' है।
वाक्य प्रयोग– चोरी करके पकड़े जाने पर रोहन के घड़ों पानी पड़ गये।

33. (d)
मंझन–चित्रावली युग्म रचनाकार और रचना की दृष्टि से सही नहीं है। रचनाकार और रचना का सही विवरण है–

रचनाकार–	**रचना**	
तुलसीदास	–	रामचरितमानस
कुतुबन	–	मृगावती
जायसी	–	पद्मावत
मंझन	–	मधुमालती
शेख उस्मान	–	चित्रावली

34. (c)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार - मनुष्य ने जीवन के प्रत्येक पहलू को कारण और कार्य की कसौटी पर कसकर आगे बढ़ाना सीख लिया है।

35. (b)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार- विज्ञान ने हमें जो अमूल्य निधि दी है, वह है जीवन के प्रति तार्किक पद्धति।

36. (c)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार- अंधविश्वास और जड़ता का कुहासा तर्कसंगत और व्यावहारिक दृष्टि के कारण छँट रहा है।

37. (c)
प्रश्नगत कृतियों में 'बुनी हुई रस्सी' ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित नहीं है। यह भवानी प्रसाद मिश्र की कविता है। जबकि चिदम्बरा (सुमित्रानन्दन पंत) को 1968 ई. में ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह हिन्दी साहित्य में प्रथम ज्ञानपीठ पुरस्कार था। उर्वशी (रामधारी सिंह 'दिनकर') को 1972 ई. में तथा 'यामा' (महादेवी वर्मा) को 1982 ई. में ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ। महादेवी वर्मा ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली महिला थीं।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET - 42

1. ओष्ठ्य वर्ण किस विकल्प में हैं?
(a) क, ख, ग, घ
(b) अ, इ, ऋ, विसर्ग (:)
(c) प, फ, ब, भ
(d) त, थ, द, ध

2. ओह .... बहुत कठिन समय आया है।
दिए गए वाक्य में उचित विराम चिह्न लगाइए।
(a) ! (b) –
(c) ? (d) ,

3. निम्न में से कौन सा शब्द भाववाचक संज्ञा नहीं है?
(a) ममता (b) समता
(c) कटुता (d) लता

4. उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए वाक्य में सर्वनाम के भेद का सही विकल्प है।
घनश्याम ने अपने आप कार्यक्रम की पूरी तैयारी कर ली।
(a) संबंधवाचक (b) उत्तम पुरुष
(c) मध्यम पुरुष (d) निजवाचक

5. निम्नलिखित में गुणवाचक विशेषण नहीं है :
(a) बुरा (b) तीसरा
(c) मैला (d) लाल

6. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो क्रिया के भेद वाला सही विकल्प है।
दीपा ने गाय को चारा खिलाया।
(a) नामधातु (b) द्विकर्मक क्रिया
(c) प्रेरणार्थक (d) कृदंत

7. इनमें से कौन-सा शब्द कालवाचक अव्यय का उदाहरण है?
(a) इधर-उधर (b) तब
(c) दूर (d) यहाँ

8. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द पुल्लिंग है?
(a) घटना (b) रीति
(c) क्षेत्र (d) क्षमा

9. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो बहुवचन रूप का सबसे अच्छा विकल्प है।
(a) सत्य (b) आकाश
(c) बाल (d) किशन

10. 'मंदिर में जाने के बाद मन को शांति मिली है।' दिए गए वाक्य का काल पहचानिए।
(a) सामान्य भूतकाल (b) पूर्ण वर्तमानकाल
(c) अपूर्ण भूतकाल (d) सामान्य वर्तमानकाल

11. अकर्मक धातुओं से बनने वाला और सदैव एकवचन पुल्लिंग और अन्य पुरुष की क्रिया वाला वाच्य कौन-सा संभव है?
(a) भाववाच्य (b) कर्तृवाच्य
(c) कर्मवाच्य और भाववाच्य (d) कर्मवाच्य

12. 'यह मेरा चश्मा है' वाक्य के रेखांकित शब्द में कारक है:
(a) कर्त्ता (b) करण
(c) संबंध (d) अधिकरण

13. निम्नलिखित में से 'तद्‌भव' शब्द है–
(a) ईंट (b) राजा
(c) पृथ्वी (d) नवीन

14. 'ऐनवक्त' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) ऐनव (b) वक्त
(c) ऐ (d) ऐन

15. 'दासत्व' शब्द में कौन-सा 'प्रत्यय' प्रयुक्त है?
(a) व (b) त्व
(c) तव (d) सत्व

16. निम्नलिखित विलोमार्थी शब्द - युग्मों में असंगत है:
(a) ध्वंस - विध्वंस (b) परतंत्र - स्वतंत्र
(c) निंदा - स्तुति (d) पाप - पुण्य

17. निम्न में से 'संयुक्त' शब्द के विलोम शब्द की पहचान करें।
(a) वियुक्त (b) पाहन
(c) चालुक्य (d) वियोग

18. निम्नलिखित में से कौन सा 'उत्कंठित' का पर्यायवाची नहीं है?
(a) इच्छुक (b) लालायित
(c) उत्सुक (d) अभिलाषा

19. पुत्री शब्द का पर्याय नहीं है :
(a) सुता (b) बेटी
(c) आत्मज (d) दुहिता

20. कौन-सा शब्द 'खर' के लिए प्रयुक्त नहीं होता ?
(a) दुष्ट (b) गधा
(c) तिनका (d) खरा

21. दिए गए शब्द युग्म का सही शब्द युग्म ज्ञात कीजिए।
बान : बाण
(a) रंग : अक्षर (b) आदत : तीर
(c) बहुत : मुख (d) रास्ता : हिस्सा

22. 'जो कभी बूढ़ा न हो' – उपयुक्त शब्द का चयन करें –
(a) अमर (b) अजर (c) सदाबहार (d) तरुण

23. 'जिसके बिना कार्य न चल सके' शब्द समूह के लिए एक शब्द है:-
(a) अत्यावश्यक (b) अपरिहार्य
(c) आवश्यक (d) अपेक्षित

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

24. 'सावधान' का सही संधि-विच्छेद है-
(a) साव + धान
(b) सा + वधान
(c) स + आवधान
(d) स + अवधान

25. पुरुषोत्तम में कौन सा समास है?
(a) अव्ययीभाव (b) द्वन्द्व
(c) द्विगु (d) तत्पुरुष

26. शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए।
(a) गुरू आ रहा है। (b) गुरू आ रहे है।
(c) गुरु आ रहे हैं। (d) गुरूजी आ रहे हैं।

27. दी गई पंक्तियों में रस बताइए–
''प्रिय वह मेरा प्राण प्यारा कहाँ है,
दुख जल निधि में डूबी का सहारा कहाँ है।''
(a) शृंगार (b) रौद्र
(c) करुण (d) शांत

28. ''साँप!''
तुम सभ्य तो हुए नहीं,
नगर में बसना
भी तुम्हें नहीं आया।
एक बात पूछूँ (उत्तर दोगे?)
तब कैसे सीखा डसना
विष कहाँ पाया?''
उपर्युक्त कविता में कौन-सा छन्द है?
(a) मुक्तक छन्द (b) सोरठा
(c) सवैया (d) कवित्त छन्द

29. 'मैं सुकुमारि नाथ बन जोगू?' –इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
(a) सभंग श्लेष (b) अभंग श्लेष
(c) श्लेष वक्रोक्ति (d) काकु वक्रोक्ति

30. 'चीनांशुक' शब्द का अर्थ है
(a) तंतु (b) रेणु
(c) रेशम (d) चीनी मिट्टी

31. निम्नलिखित मुहावरे के उचित अर्थ का चयन कीजिए-
पट्टी पढ़ाना
(a) बुरी राय देना (b) याद करवाना
(c) पढ़ाई करवाना (d) बहुत कुछ बताना

32. 'गुदड़ी का लाल होना' का सही अर्थ क्या है?
(a) निर्धन परिवार में जन्मा गुणी व्यक्ति
(b) अत्यन्त अनुभवी होना
(c) बनी बात बिगाड़ देना
(d) घर की आशा होना

33. ज्ञानदीप किसकी रचना है?
(a) वृंद (b) भूषण
(c) शेखनबी (d) रहीम

अनुच्छेद पढ़कर दिए गए सवालों के सही जवाब चुनिए :
'देहदान' शब्द सुनते या पढ़ते ही सबसे पहला विचार जो दिमाग में आता है, वह है– 'मृत्यु' अवश्यम्भावी है। आज नहीं तो कल, कोई पहले तो कोई बाद में मृत्यु को प्राप्त करता है। मृत्यु के नाम से ही मन में भय का संचार होने लगता है। मानव-शरीर-धारी भगवान राम और कृष्ण को भी समय आने पर यह शरीर त्यागना पड़ा था। जो जन्म के साथ ही निर्धारित है, उससे भय कैसा? इससे बचने का कोई उपाय नहीं है, चाहे कोई कितना ही बलवान, धनवान या तपस्वी हो, इससे बच नहीं पाया। सारे संसार के पुराण-इतिहास इस बात के गवाह हैं। प्राचीन या वर्तमान विज्ञान कितना उन्नत हो गया हो, लेकिन मृत्यु पर विजय हासिल करना एक सपना ही है। फिर इस क्षण-भंगुर और अंत में राख के ढेर में बदलने वाले शरीर या उसके अंगों को किसी जरूरतमंद के लिए समर्पित कर देने में क्या हर्ज है? और फिर इसे पाने के लिए आपने स्वयं कोई प्रयास नहीं किया है या धन भी खर्च नहीं किया है।

34. 'देहदान' सुनते ही सबसे बड़ा विचार कौन-सा आता है?
(a) मृत्यु सत्य है। (b) मृत्यु अवश्यम्भावी है।
(c) जीवन सुरक्षित नहीं है। (d) मृत्यु नहीं होगी।

35. पुराण और इतिहास किस बात के गवाह हैं?
(a) मृत्यु पर विजय प्राप्त की जा सकती है
(b) मृत्यु से कोई बच नहीं पाया
(c) मृत्यु किसी के वश में नहीं
(d) मृत्यु को कुछ समय तक टाला जा सकता है

36. 'क्षणभंगुर' शब्द का अर्थ क्या है?
(a) क्षण में भंग होने वाली
(b) सदा अमर रहने वाली
(c) समाप्त होने वाली
(d) कभी समाप्त न होने वाली

37. अरुण कमल को किस कृति के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ?
(a) अपनी केवल धार
(b) सबूत
(c) पुतली में संसार
(d) नये इलाके में

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

SOLUTION : PRACTICE SET- 42

ANSWER KEY

1. (c)	9. (c)	17. (a)	25. (d)	33. (c)
2. (a)	10. (b)	18. (d)	26. (c)	34. (b)
3. (d)	11. (a)	19. (c)	27. (c)	35. (b)
4. (d)	12. (c)	20. (d)	28. (a)	36. (a)
5. (b)	13. (a)	21. (b)	29. (d)	37. (d)
6. (b)	14. (d)	22. (b)	30. (c)	
7. (b)	15. (b)	23. (b)	31. (a)	
8. (c)	16. (a)	24. (d)	32. (a)	

SOLUTION

1. (c)
जिन वर्णों का उच्चारण ओष्ठ अथवा ओठों की मदद से किया जाता है, ओष्ठ्य वर्ण कहलाते हैं। जैसे – प, फ, ब, भ, म, उ, ऊ

2. (a)
दी गयी उक्ति में विस्मयादिबोधक चिह्न (!) का प्रयोग होगा। जैसे – ओह! बहुत कठिन समय आया है।

3. (d)
'लता' शब्द भाववाचक संज्ञा न होकर जातिवाचक संज्ञा होगा। जबकि ममता, समता, कटुता शब्दों से भाव का बोध होता है। अतः ये शब्द भाववाचक संज्ञा में आते हैं।

4. (d)
अपनेपन का बोध कराने वाले शब्दों को 'निजवाचक' सर्वनाम कहते हैं। दिए गए वाक्य 'घनश्याम ने अपने आप कार्यक्रम की पूरी तैयारी कर ली' में 'अपने आप' शब्द का प्रयोग स्वयं के लिए हुआ है, अतः यह निजवाचक सर्वनाम का उदाहरण है।

5. (b)
दिये गये विकल्पों में 'तीसरा' गुणवाचक विशेषण नहीं है। अन्य विकल्प गुणवाचक विशेषण हैं।

6. (b)
प्रश्नगत वाक्य 'दीपा ने गाय को चारा खिलाया' में द्विकर्मक क्रिया है। कुछ क्रियाएँ दो कर्म वाली होती हैं। प्रश्नगत वाक्य में दो कर्म हैं- 'गाय को' और 'चारा'। एक कर्म बहुधा पदार्थ वाचक 'चारा' होता है और उसे मुख्य कर्म कहते हैं, और दूसरा कर्म जो बहुधा प्राणीवाचक (गाय को) होता है, गौण कर्म कहलाता है।

7. (b)
कालवाचक क्रियाविशेषण :- वे क्रिया विशेषण शब्द जो हमें क्रिया के होने वाले समय का बोध कराते हैं, 'कालवाचक क्रिया विशेषण' कहलाते हैं।

उदाहरणः यदा-जब, तदा-तब, कदा-कब, सदा/सर्वदा-हमेशा, प्रातः, सुबह, शीघ्र, जल्द ही, दिवा-दिन में, परश्वः-परसों आदि कालवाचक क्रिया विशेषण के उदाहरण हैं।

8. (c)
'क्षेत्र' पुल्लिंग शब्द है। जिस शब्द से पुरुष जाति का बोध हो उसे पुल्लिंग तथा जिस शब्द से स्त्री जाति का बोध हो उसे स्त्रीलिंग कहते हैं।

9. (c)
दिए गए विकल्प में 'बाल' बहुवचन शब्द होगा। हिन्दी में वचन दो होते हैं–

1. एकवचन 2. बहुवचन

बहुवचन - शब्द के जिस रूप से 'एक से अधिक' वस्तु या व्यक्ति का ज्ञान होता है, उसे बहुवचन कहते हैं।

10. (b)
'मंदिर में जाने के बाद मन को शांति मिली है।' वाक्य का काल 'पूर्ण वर्तमान काल' है।

11. (a)
अकर्मक धातुओं से बनने वाला और सदैव एकवचन पुल्लिंग और अन्य पुरुष की क्रिया वाला वाच्य भाववाच्य है। यदि किसी वाक्य में प्रयुक्त क्रिया के लिंग एवं वचन में होने वाला परिवर्तन कर्ता एवं कर्म दोनों ही के अनुसार नहीं हो, बल्कि भाव के अनुसार हो तो उस वाक्य में प्रयुक्त वाच्य को भाववाच्य कहते हैं।

12. (c)
'यह मेरा चश्मा है' वाक्य के रेखांकित शब्द में संबंध कारक है। संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से एक वस्तु का संबंध दूसरी वस्तु से जाना जाए उसे संबंध कारक कहते हैं।

13. (a)
ईंट का तत्सम – इष्टिका होता है।

14. (d)
'ऐनवक्त' शब्द में 'ऐन' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है। 'ऐन' उपसर्ग विदेशी भाषा (अरबी, फारसी) का उपसर्ग है। 'ऐन' उपसर्ग से बने शब्द इस प्रकार हैं-

'ऐन' ⟶ ऐनवक्त, ऐनजगह, ऐनमौके आदि।

15. (b)
'दासत्व' शब्द में 'त्व' प्रत्यय है। प्रत्यय वे शब्दांश होते हैं जो दूसरे शब्दों के अन्त में जुड़कर, अपनी प्रकृति के अनुसार, शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं। प्रत्यय के दो भेद होते हैं।

(1) कृत प्रत्यय
(2) तद्धित प्रत्यय।

16. (a)
'ध्वंस-विध्वंस' विलोमार्थी शब्द-युग्मों में असंगत है- इनका संगत विलोमार्थी युग्म निम्न हैं-

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

शब्द	-	विलोम
ध्वंस	-	निर्माण
परतंत्र	-	स्वतंत्र
निंदा	-	स्तुति
पाप	-	पुण्य

17. (a)

शब्द	-	विलोम
संयुक्त	-	वियुक्त
वियोग	-	संयोग
परुष	-	कोमल
पत्थर	-	मोम

18. (d)
अभिलाषा शब्द 'उत्कंठित' का पर्यायवाची नहीं है, जबकि इच्छुक, लालायित व उत्सुक शब्द 'उत्कंठित' के पर्यायवाची शब्द हैं।

19. (c)
'पुत्री' शब्द का पर्याय 'आत्मज' नहीं है, जबकि सुता, बेटी, दुहिता, 'पुत्री' शब्द के पर्यायवाची शब्द हैं 'पुत्री' के अन्य पर्यायवाची शब्द- तनया, आत्मजा, नन्दिनी, तनुजा आदि हैं। 'आत्मज' पुत्र का पर्यायवाची शब्द है इसके अन्य पर्यायवाची शब्द- बेटा, सुत, तनय, नन्दन, पूत, नन्द आदि हैं।

20. (d)
'खरा' शब्द 'खर' के लिये उपयुक्त नहीं है, जबकि दुष्ट, तिनका, एक राक्षस तथा गधा 'खर' के अनेकार्थी शब्द हैं।

21. (b)
बान : बाण का सही शब्द युग्म - आदत : तीर।
* बान का अर्थ - आदत
बान का वाक्य प्रयोग - इस बर्तन की बान चली गई है।
* बाण का अर्थ - तीर
बाण का वाक्य प्रयोग- मेघनाथ के बाण से लक्ष्मण घायल हो गए थे।

22. (b)
'जो कभी बूढ़ा न हो' के लिए उपयुक्त शब्द 'अजर' है, जबकि अन्य शब्दों के लिये उपयुक्त वाक्यांश निम्नवत् हैं–
● जो कभी मृत्यु को प्राप्त न हो – अमर
● युवावस्था को प्राप्त करने वाला – तरुण
● प्रत्येक परिस्थिति में एकसमान बने रहना – सदाबहार

23. (b)
'जिसके बिना कार्य न चल सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द **'अपरिहार्य'** हैं। जबकि 'अपेक्षित' का वाक्यांश 'जिसकी अपेक्षा (आशा) की गयी हो

24. (d)
स + अवधान = सावधान में दीर्घ संधि है। दीर्घ संधि में समान स्वर मिलकर दीर्घ हो जाते हैं।

25. (d)
पुरुषोत्तम में तत्पुरुष समास है। समास विग्रह-पुरुषों में उत्तम। वह समास जिसमें उत्तरपद प्रधान तथा प्रथम पद गौण होता है, उसे तत्पुरुष समास कहते हैं। अन्य उदाहरण - कालजयी, शाकाहारी, आत्मघाती आदि।

26. (c)
दिये गये विकल्पों में 'गुरु आ रहे हैं' शुद्ध वाक्य है क्योंकि सम्माननीय होने के संदर्भ में क्रिया सदैव बहुवचन होती है।

27. (c)
किसी प्रिय व्यक्ति के चिर विरह अथवा इच्छित वस्तु की अप्राप्ति से उत्पन्न होने वाला शोक आदि भाव के सम्मिश्रण को 'करुण रस' कहते हैं अर्थात् शोक स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव तथा संचारी भाव के संयोग से 'करुण रस' की निष्पत्ति होती है। अतः प्रश्नगत पंक्ति में **'करुण रस'** है।

28. (a)
दी गई कविता में मुक्तक छंद है, यह कविता अज्ञेय की है। चरणों की अनियमितता, स्वछंद गति और भावानुकूल यतिविधान ही मुक्तक छंद की विशेषता है। इसका कोई नियम नहीं होता है।
उदाहरण– वह तोड़ती पत्थर,
देखा मैने उसे
इलाहाबाद के पथ पर (मुक्तक छन्द)

29. (d)
'मैं सुकुमारि नाथ बन जोगू' – इस पंक्ति में 'काकु वक्रोक्ति' अलंकार है। इसमें सीता द्वारा स्वयं को कोमल तथा अपने पति राम को 'वन के योग्य' होने का 'व्यंग्य' किया गया है।

30. (c)
चीनांशुक शब्द का अर्थ – रेशम है।

31. (a)
दिये गये मुहावरे 'पट्टी पढ़ाना' का उचित अर्थ - बुरी राय देना है।
वाक्य प्रयोग - तुमने मेरे बेटे को कैसी पट्टी पढ़ाई कि वह घर जाता ही नहीं।

32. (a)
'गुदड़ी का लाल होना' का सही अर्थ – 'निर्धन परिवार में जन्मा गुणी व्यक्ति' होगा।

33. (c)
ज्ञानदीप 'शेखनबी' की रचना है। 'शेखनबी' जौनपुर जिले में दौसपुर के पास मऊ नामक स्थान के रहने वाले थे। इन्होंने 'ज्ञानदीप' नामक एक आख्यान काव्य लिखा, जिसमें राजा ज्ञानदीप और रानी देवयानी की कथा है।

34. (b)
उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार 'देहदान' शब्द सुनते या पढ़ते ही सबसे पहला जो विचार दिमाग में आता है, वह है– 'मृत्यु' अवश्यम्भावी है।

35. (b)
पुराण और इतिहास इस बात के गवाह हैं, कि मृत्यु जन्म के साथ ही निर्धारित है इससे कोई बच नहीं पाया। इससे बचने का कोई उपाय नहीं है, चाहे कोई कितना भी बलवान, धनवान या तपस्वी हो।

36. (a)
'क्षणभंगुर' शब्द का अर्थ है– 'क्षण में भंग होने वाली'।

37. (d)
अरुण कमल को वर्ष 1998 में उनके कविता -संग्रह 'नये इलाके में' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ। इनकी अन्य रचनाएँ इस प्रकार हैं- सबूत, पुतली में संसार, कविता और समय, गोलमेज, अपनी केवल धार आदि।

Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET - 43

1. संयुक्ताक्षर व्यंजन निम्न में से कौन से हैं?
(a) क्ष, त्र, ज्ञ, श्र (b) थ, फ, ब, भ
(c) श, ष, स, ह (d) य, र, ल, व

2. "अरे वाह ________ आपका आगमन तो आकस्मिक है।"
वाक्य में रिक्त स्थान पर किस विराम चिह्न का प्रयोग किया जायेगा?
(a) विस्मयादिबोधक (b) अर्द्धविराम
(c) दोहरा अवतरण (d) प्रश्नचिह्न

3. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो भाववाचक संज्ञा का सही विकल्प नहीं है।
(a) देव (b) बुद्धिमानी
(c) बुढ़ापा (d) भिड़ंत

4. निम्नलिखित में सर्वनाम की दृष्टि से असंगत युग्म है :
(a) मैं – पुरुषवाचक (b) कौन – प्रश्नवाचक
(c) यह – निश्चयवाचक (d) कुछ – सम्बन्ध वाचक

5. निम्नलिखित में गुणवाचक विशेषण हैं :
(A) लंबा आदमी इस घर का मालिक है।
(B) तुमने मेरी नीली क़मीज देखी है।
(C) वह अच्छा लड़का है।
(D) इस साल कम उपज हुई है।
नीचे दिए गए विकल्पों में सही उत्तर चुनिए :
(a) (A), (B) और (D) (b) (B), (C) और (D)
(c) (C), (D) (d) (A), (B) और (C)

6. 'मैंने नौकर से खाना बनवाया।' वाक्य में कौन-सी क्रिया है?
(a) सकर्मक (b) प्रेरणार्थक
(c) अकर्मक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

7. 'गीता जल्दी-जल्दी मुँह में लड्डू ठूसने लगी।' - इस वाक्य में जल्दी-जल्दी किस प्रकार का क्रियाविशेषण है?
(a) स्थानवाचक क्रियाविशेषण
(b) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
(c) रीतिवाचक क्रियाविशेषण
(d) कालवाचक क्रियाविशेषण

8. इनमें से पुल्लिंग शब्द कौन-सा है?
(a) उन्नति (b) विकास
(c) वृद्धि (d) प्रगति

9. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो बहुवचन रूप का सबसे अच्छा विकल्प है।
(a) बुराई (b) गली
(c) अक्षत (d) सोना

10. निम्नलिखित वाक्यों में से पूर्ण वर्तमान काल को स्पष्ट कीजिए।
(a) अब हमारे पढ़ने का समय हो गया है।
(b) वह घूमने जा रही है।
(c) वह पढ़ रहा था।
(d) मैं बाहर जाऊँगी।

11. कर्ता और कर्म यदि परसर्ग-युक्त हों तो ऐसा वाच्य क्या कहलाता है?
(a) कर्मवाच्य (b) भाववाच्य
(c) कर्तृवाच्य (d) ये सभी

12. 'पेड़ से पत्ते गिरते हैं।' वाक्य में कौन-सा कारक है?
(a) करण कारक (b) अपादान कारक
(c) संबंध कारक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

13. 'उर्दू' शब्द किस भाषा से लिया गया है?
(a) अपभ्रंश (b) तुर्की
(c) फारसी (d) अरबी

14. निम्न में से कौन-सा शब्द उपसर्ग-रहित है?
(a) न्यून (b) विधान
(c) उज्ज्वल (d) त्र्यम्बक

15. इनमें से कौन-सा शब्द प्रत्यय से बना है?
(a) अभियोग (b) व्यायाम
(c) अपमान (d) इनमें से कोई नहीं

16. निम्नलिखित में किस युग्म में सही विलोम है?
(a) दुकूल-प्रतिकूल (b) अजर-अविनाशी
(c) सत्कर्म-निष्कर्म (d) विश्वास-अविश्वास

17. 'सदाचार' का विलोम है-
(a) आचार (b) कदाचार
(c) अपराध (d) अन्याय

18. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'पहाड़' का पर्यायवाची नहीं है?
(a) अचल (b) अचला
(c) गिरि (d) अद्रि

19. पाहुना का पर्यायवाची होगा:
(a) कृषक (b) जंबुक
(c) आगंतुक (d) आदित्य

20. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'गो' का अर्थ नहीं है?
(a) गज (b) गाय
(c) नदी (d) इन्द्रिय

21. दिए गए शब्द युग्म का सही शब्द युग्म ज्ञात कीजिए।
मनुज : मनोज
(a) मनुष्य : कामदेव (b) आनंद : रत्न
(c) बादल : यज्ञ (d) जड़ : मस्त

22. जिसके बराबर कोई न हो :
(a) विलक्षण (b) अनुपम
(c) असाधारण (d) लोकातीत

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

23. 'जो स्थिर न रह सके' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द है:-

(a) अस्थिर (b) अडिग
(c) चंचल (d) चलायमान

24. 'विद्यार्थी' का सही संधि-विच्छेद है-

(a) विद्या + रथी (b) विद्या + अर्थी
(c) विद्य + अर्थी (d) विद्या + आर्थी

25. राजनेता में कौन-सा समास है?

(a) तत्पुरुष (b) अव्ययीभाव
(c) कर्मधारय (d) बहुव्रीहि

26. लिंग की दृष्टि से एक वाक्य शुद्ध है-

(a) पार्वती ने सीता को आयुष्मान होने का वरदान दिया।
(b) यह स्त्री परम सौभाग्यवान है।
(c) यह मेरी बलवान कामना है।
(d) राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की पत्नी रवीन्द्र संगीत की बहुचर्चित गायिका हैं।

27. 'आगे नदियाँ हैं बड़ी अपार' में कौन-सा रस है?

(a) रौद्र रस (b) वीर रस
(c) करुण रस (d) शांत रस

28. "मैं जो नया ग्रंथ विलोकता हूँ। भाता मुझे जो नव मित्र सा है।। देखू उसे मैं नित सार बाला। मानो मिला मित्र मुझे पुराना।।" में कौन-सा छन्द है?

(a) इंद्रवज्रा (b) बरवै
(c) हरिगीतिका (d) कुण्डलिया

29. 'मोम-सा तन घुल चुका अब दीप-सा मन जल चुका है।' इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(a) पूर्णोपमा (b) रशनोपमा
(c) लुप्तोपमा (d) मालोपमा

30. 'आलोचकों के अनुरूप हमें अपनी रचना में परिवर्तन करना होगा। इस वाक्य में किसी एक शब्द का सन्दर्भ और भाव की दृष्टि से उपयुक्त प्रयोग नहीं हुआ है। उस शब्द का चयन कीजिए

(a) आलोचकों (b) अनुरूप
(c) रचना (d) परिवर्तन

31. हमारे माता-पिता का तो कहना ही यही है कि सबके साथ भला करो, यदि _______ । रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिए।

(a) परोपकार सर्वोपरि है (b) अपना काम स्वयं करो
(c) आप काज महाकाज (d) आप भले तो जग भला

32. 'अंगद का पैर होना' मुहावरे का अर्थ निम्नलिखित में से कौन सा है?

(a) प्रतिज्ञा जिससे कभी न डिगे
(b) मजबूत और सुदृढ़ टाँगों वाला
(c) स्थिर कदम जो कभी विचलित नहीं होते
(d) राम का परम भक्त

33. चन्दायन किस कवि की रचना है?

(a) मलिक मुहम्मद जायसी (b) कुतुबन
(c) मंझन (d) मुल्लादाउद

अनुच्छेद पढ़कर, दिए गए सवालों के सही जवाब चुनिए-

मनुष्य की 70-80 प्रतिशत लंबाई जीन्स द्वारा निर्धारित होती है। बाकी 20-30 प्रतिशत के लिए अनेक कारक उत्तरदायी होते हैं। पहला पोषण, जिसमें आहार में प्रोटीन की कुल मात्रा, खनिज खासकर विटामिन प्रमुख योगदान देते हैं। दूसरे हॉर्मोन, जिनमें मानव-वृद्धि हॉर्मोन (ग्रोथ हॉर्मोन), यौन हॉर्मोन, एंड्रोजन व ईस्ट्रोजन तथा थायरॉइड हॉर्मोन प्रमुख हैं। इनमें मानव-वृद्धि हार्मोन तथा थायरॉइड हॉर्मोन प्रमुख हैं। इनमें मानव-वृद्धि हार्मोन का सबसे बड़ा योगदान रहता है। किसी व्यक्ति के शरीर में मानव-वृद्धि हॉर्मोन किस मात्रा में बनता है, इस प्रक्रिया को भी बहुत से कारक प्रभावित करते हैं। व्यक्ति कितनी शारीरिक कसरत करता है, उसे रात में पूरी नींद मिल पाती है या नहीं; ये दो कारक मानव-वृद्धि हार्मोन के नैसर्गिक उत्पादन में मुख्य भूमिका निभाते हैं। स्वास्थ्य का भी लंबे होने की क्षमता पर प्रभाव पड़ता है, जो बच्चे बार-बार बीमार पड़ते हैं या जिन्हें कोई दीर्घकालिक रोग हो जाता है, उनकी लंबाई अपेक्षानुसार नहीं बढ़ पाती।

34. मनुष्य की कितनी प्रतिशत लंबाई जीन्स द्वारा निर्धारित होती है?

(a) 50 (b) 70-80
(c) 100 (d) 20-30

35. मानव-वृद्धि हॉर्मोन के नैसर्गिक उत्पादन में कौन-से कारक मुख्य भूमिका निभाते हैं?

(a) खनिज
(b) पोषण
(c) व्यक्ति कितनी शारीरिक कसरत करता है, उसे रात में पूरी नींद मिल पाती है या नहीं
(d) आहार में प्रोटीन की मात्रा

36. लंबाई निर्धारित करने में किस हॉर्मोन का सबसे बड़ा योगदान रहता है?

(a) ईस्ट्रोजन (b) यौन हॉर्मोन
(c) थायरॉइड हॉर्मोन (d) मानव-वृद्धि हॉर्मोन

37. 1982 में किसे 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था?

(a) जयशंकर प्रसाद
(b) बंकिमचन्द्र चटर्जी
(c) मनीषा कुलश्रेष्ठ
(d) महादेवी वर्मा

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

SOLUTION : PRACTICE SET- 43

ANSWER KEY

1. (a)	9. (c)	17. (b)	25. (a)	33. (d)
2. (a)	10. (a)	18. (b)	26. (d)	34. (b)
3. (a)	11. (a)	19. (c)	27. (b)	35. (c)
4. (d)	12. (b)	20. (a)	28. (a)	36. (d)
5. (d)	13. (b)	21. (a)	29. (a)	37. (d)
6. (b)	14. (d)	22. (b)	30. (b)	
7. (c)	15. (d)	23. (a)	31. (d)	
8. (b)	16. (d)	24. (b)	32. (a)	

SOLUTION

1. (a)
दिये गये व्यंजनों में से 'क्ष,त्र,ज्ञ,श्र' संयुक्ताक्षर व्यंजन हैं। संयुक्त व्यंजन दो या दो से अधिक व्यंजनों के मेल से बनते हैं।
जैसे - क्ष = क् + ष, त्र = त् + र
ज्ञ = ज् +ञ, श्र = श् + र

2. (a)
अरे वाह आपका आगमन तो आकस्मिक है। में विस्मयादिबोधक चिह्न (!) का प्रयोग किया जायेगा। अतः वाक्य का शुद्ध रूप 'अरे वाह! आपका आगमन तो आकस्मिक है' होगा।

3. (a)
निम्न विकल्पों में देव शब्द जातिवाचक संज्ञा है तथा देव का भाववाचक संज्ञा देवत्व होगा। जबकि अन्य शब्द बुद्धिमानी, बुढ़ापा तथा भिड़ंत भाववाचक संज्ञा के उदाहरण हैं।

4. (d)
'कुछ-सम्बन्ध वाचक' सर्वनाम की दृष्टि से असंगत युग्म है। इसका संगत युग्म है। कुछ – अनिश्चय वाचक सर्वनाम।

5. (d)
दिये गये वाक्यों में लम्बा, नीली तथा अच्छा गुणवाचक विशेषण है। अतः (A), (B) और (C) विकल्प में दिये गये वाक्य में गुणवाचक विशेषण हैं।

6. (b)
'मैंने नौकर से खाना बनवाया।' वाक्य में प्रेरणार्थक क्रिया है। जिन क्रियाओं से इस बात का बोध हो कि कर्त्ता स्वयं कार्य न कर किसी दूसरे को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है, वे प्रेरणार्थक क्रियाएं कहलाती हैं। जैसे- काटना- से कटवाना, करना से कराना आदि।

7. (c)
'गीता जल्दी-जल्दी मुँह में लड्डू ठूसने लगी।' इस वाक्य में जल्दी-जल्दी 'रीतिवाचक क्रियाविशेषण' है। जिस अविकारी शब्द से क्रिया के होने के तरीके या विधि के बारे में पता चलता है। वह अविकारी शब्द रीतिवाचक क्रिया विशेषण कहलाता है।

8. (b)
दिये गये विकल्पों में 'विकास' शब्द पुल्लिंग का शब्द है जबकि उन्नति, वृद्धि एवं प्रगति स्त्रीलिंग का शब्द है।

9. (c)
उपर्युक्त विकल्पों में 'अक्षत' शब्द सदैव बहुवचन के रूप में प्रयुक्त होता है। जबकि 'सोना' सदैव एकवचन के रूप में प्रयुक्त होता है। अन्य शब्द बुराई तथा गली का बहुवचन क्रमशः बुराईयाँ एवं गलियाँ होता है।

10. (a)

	वाक्य	काल
1.	अब हमारे पढ़ने का समय हो गया है	पूर्ण वर्तमान काल
2.	वह घूमने जा रही है	तात्कालिक वर्तमान काल
3.	वह पढ़ रहा था	अपूर्ण भूतकाल
4.	मैं बाहर जाऊँगी	सामान्य भविष्य काल

11. (a)
कर्ता और कर्म यदि परसर्ग युक्त हों तो ऐसा वाच्य 'कर्मवाच्य' कहलाता है। कर्मवाच्य में कर्म की प्रधानता होती है। **जैसे**- रोटी माता के द्वारा बनायी गयी।
राम के द्वारा चित्र बनाया गया ।

12. (b)
'पेड़ से पत्ते गिरते हैं।' वाक्य में अपादान कारक हैं। संज्ञा के जिस रूप से किसी वस्तु के अलग होने का भाव प्रकट होता हो, वहाँ अपादान कारक होता है। यहाँ पेड़ से पत्ते का अलगाव होने के कारण अपादान कारक होगा। संज्ञा के जिस रूप से किसी अन्य शब्द के साथ संबंध या लगाव प्रतीत हो, उसे संबंध कारक कहते हैं।

13. (b)
'उर्दू' शब्द तुर्की भाषा से लिया गया है। वे विदेशी शब्द जो हिंदी में आम बोल-चाल की भाषा में प्रयोग किये जाते हैं, उन्हें विदेशज या आगत शब्द कहते हैं। तुर्की भाषा के कुछ महत्त्वपूर्ण शब्द इस प्रकार हैं- कालीन, कैंची, कुली, कुर्की, चेचक, चमचा, तमगा, तोप, लफंगा, बेगम, बहादुर, लाश, सौगात, सुराग आदि।

14. (d)
दिए गए विकल्पों में 'त्र्यम्बक' शब्द उपसर्ग रहित शब्द है जबकि 'न्यून', 'विधान' तथा 'उज्जवल' में क्रमशः 'नि', 'वि' तथा 'उत्' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है।
नि + ऊन → न्यून
वि + धान → विधान
उत् + ज्वल → उज्ज्वल

15. (d)
दिये गये विकल्पों में कोई भी शब्द प्रत्यय से नहीं बना है। अभियोग, व्यायाम एवं अपमान में क्रमशः अभि, वि तथा अप उपसर्ग का प्रयोग हुआ है।
प्रत्यय - शब्दों के बाद जो अक्षर या अक्षर समूह लगाया जाता है। प्रत्यय कहलाता है। **जैसे** - भला + आई = भलाई
भूल + आवा = भुलावा

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

16. (d)
दिये गये विकल्पों में 'विश्वास-अविश्वास' विलोम की दृष्टि से सही शब्द-युग्म हैं। शेष विकल्प विलोम शब्द-युग्म की दृष्टि से त्रुटिपूर्ण हैं जिसका सही रूप इस प्रकार होगा–
अनुकूल-प्रतिकूल, अजर-जरा, सत्कर्म-दुष्कर्म

17. (b)
सदाचार का विलोम शब्द 'कदाचार' होगा।
दिये गये विकल्पों के विलोम शब्द निम्न हैं–

शब्द		**विलोम शब्द**
आचार	-	अनाचार
अपराध	-	निरपराध
अन्याय	-	न्याय

18. (b)
'अचला' शब्द पहाड़ का पर्यायवाची नहीं है। यह पृथ्वी का पर्यायवाची शब्द है जबकि अचल, गिरि तथा अद्रि पहाड़ के पर्यायवाची शब्द हैं। पहाड़ के अन्य पर्यायवाची शब्द-नग, भूधर, महीधर, शैल, नगपति, तुंग, धरणीधर आदि हैं।

19. (c)
'पाहुना' शब्द का पर्यायवाची 'आगंतुक' होगा। इसके अन्य पर्यायवाची शब्द– अतिथि, पाहुन, अभ्यागत, मेहमान आदि।
कृषक के पर्यायवाची– भूमिपुत्र, हलधर, खेतिहर, अन्नदाता, किसान, कृषिजीवी, हलवाह।
जंबुक के पर्यायवाची– श्रृंगाल, शिवा, सियार, गीदड़
आदित्य के पर्यायवाची– दिनकर, सूर्य, दिवाकर, भानु, भास्कर, दिनेश आदि।

20. (a)
'गज' शब्द 'गो' का अर्थ नहीं है, शेष शब्द गाय, नदी, इन्द्रिय इसके अर्थ हैं।
गो के अनेकार्थी शब्द - रश्मि, गाय, गौ, नदी, धरती इत्यादि।
गज के अनेकार्थी - हाथी, हस्ती, मतंग, मदकल।

21. (a)
मनुज : मनोज का शब्द युग्म - मनुष्य : कामदेव
* मनुज का अर्थ - मनुष्य
* मनोज का अर्थ - कामदेव

22. (b)
वाक्यांशों का विवरण–
• जिसके बराबर कोई न हो - अनुपम
• अत्यंत विशिष्ट लक्षणों वाला – विलक्षण
• जो साधारण न हो – असाधारण
• लोकातीत असाधारण का पर्याय है।

23. (a)
'जो स्थिर न रह सके' वाक्यांश के लिए उपयुक्त शब्द **अस्थिर** है। अडिग, स्थिर, चलायमान शब्द असंगत हैं।

24. (b)
विद्यार्थी का संधि विच्छेद – 'विद्या + अर्थी' होगा। विद्यार्थी में दीर्घ स्वर संधि है। जब अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ के बाद समान स्वर आये तो दोनों मिलकर दीर्घ (आ, ई, ऊ, ॠ) हो जाता है।
जैसे – सेवा + अर्थ = सेवार्थ, नयन + अभिराम = नयनाभिराम

25. (a)
राजनेता में तत्पुरुष समास होता है। इसका विग्रह-राज्य का नेता होगा।

26. (d)
राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की पत्नी रवीन्द्र संगीत की बहुचर्चित गायिका हैं। - लिंग की दृष्टि से शुद्ध वाक्य है। जबकि अन्य विकल्पों का शुद्ध रूप होगा-
• पार्वती ने सीता को आयुष्मती होने का वरदान दिया।
• यह स्त्री परम सौभाग्यवती है।
• यह मेरी बलवती इच्छा/कामना है।

27. (b)
आगे नदियाँ हैं बड़ी अपार
घोड़ा कैसे उतरे पार
राणा ने सोचा इस पार
तब तक चेतक था उस पार
इसमें **वीर रस** तथा स्थायी भाव - उत्साह है।

28. (a)
''मैं जो नया ग्रंथ विलोकता हूँ।
भाता मुझे जो नव मित्र सा है।।
देखूँ उसे मैं नित सार बाला।
मानो मिला मित्र मुझे पुराना।।''
इस पंक्ति में 'इन्द्रवज्रा' छंद है। यह एक सम वर्ण वृत्त छंद है। प्रत्येक चरण में 11-11 वर्ण होते हैं।

29. (a)
'मोम-सा तन घुल चुका अब दीप-सा मन जल चुका है।' पंक्ति में पूर्णोपमा अलंकार है। जिस वाक्य में उपमा के चारों अंग अर्थात् उपमेय, उपमान, समान धर्म तथा वाचक शब्द उपस्थित रहते हैं, वे पूर्णोपमा अलंकार कहलाते हैं।

30. (b)
'आलोचकों के अनुरूप हमें अपनी रचना में परिवर्तन करना होगा।' वाक्य में 'अनुरूप' शब्द का प्रयोग अनुचित है, यहाँ पर 'अनुरूप' के स्थान पर 'अनुसार' का प्रयोग उपयुक्त होगा।

31. (d)
दिये गये वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु 'आप भले तो जग भला' मुहावरे का प्रयोग सर्वाधिक उपयुक्त होगा।
अतः पूर्ण वाक्य होगा - हमारे माता-पिता का तो कहना ही यही है कि सबके साथ भला करो, यदि आप भले तो जग भला।

32. (a)
दिए गए प्रश्न में 'अंगद का पैर होना' मुहावरे का
अर्थ है– 'प्रतिज्ञा जिससे कभी न डिगे या अत्यन्त दृढ़ संकल्प' होना।

33. (d)
चन्दायन 'मुल्लादाउद' की रचना है, जो हिन्दी का प्रथम सूफी प्रेमकाव्य माना जाता है। 14वीं शताब्दी के अंतिम दशकों में इसकी रचना का अनुमान किया जाता है। डॉ0 माता प्रसाद गुप्त ने 'चंदायन' को लोरकहा या लोरकथा नाम से अभिहित किया है।

34. (b)
दिये गये गद्यांश के अनुसार मनुष्य की 70–80 प्रतिशत लंबाई जीन्स द्वारा निर्धारित होती है।

35. (c)
उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार 'व्यक्ति कितनी शारीरिक कसरत करता है, उसे रात में पूरी नींद मिल पाती है या नहीं इत्यादि कारक मानव वृद्धि हॉर्मोन के नैसर्गिक उत्पादन में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

36. (d)
लंबाई निर्धारित करने में मानव-वृद्धि हार्मोन का सबसे बड़ा योगदान रहता है।

37. (d)
1982 ई0 में महादेवी वर्मा को ज्ञानपीठ पुरस्कार उनकी रचना 'यामा' के लिए दिया गया। प्रथम ज्ञानपीठ पुरस्कार सन् 1965 ई. में जी. शंकर कुरुप को 'ओटक्कुषल' (मलयालम) के लिए दिया गया था।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET - 44

1. निम्न में से कौन सा समूह सही नहीं हैं?
(a) ओष्ठ्य – प, फ, ब, भ
(b) कंठ्य – क, ख, ग, घ
(c) मूर्धन्य – च, छ, ज, झ
(d) वर्त्स्य – न, ल, र, स

2. मनोविकार सूचक शब्दों, वाक्यांशों तथा वाक्यों के अन्त में किस चिह्न का प्रयोग होता है?
(a) विस्मयबोधक (b) प्रश्नवाचक
(c) अर्द्धविराम (d) अल्पविराम

3. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो भाववाचक संज्ञा का सही विकल्प नहीं है।
(a) कड़वाहट
(b) आनंद
(c) अंकित
(d) आवश्यकता

4. 'वे आम के पेड़ हैं।' इस वाक्य में अधोरेखित शब्द के सर्वनाम का प्रकार लिखिए।
(a) निश्चयवाचक सर्वनाम (b) निजवाचक सर्वनाम
(c) प्रश्नवाचक सर्वनाम (d) संबंधवाचक सर्वनाम

5. यह पुस्तक किसकी है? में रेखांकित शब्द का पद-परिचय दीजिए :
(a) सार्वनामिक विशेषण (पुस्तक विशेष्य), एकवचन, स्त्रीलिंग
(b) सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग
(c) गुणवाचक विशेषण (पुस्तक विशेष्य), एकवचन
(d) सम्बोधन अव्यय

6. निम्नलिखित शब्दों में प्रेरणार्थक क्रिया है
(a) चलना (b) दिलवाना
(c) जीना (d) लिखना

7. 'माँ सुबह नाश्ता बनाती है।' इसमें कौन-सा क्रिया विशेषण है?
(a) कालवाचक (b) स्थानवाचक
(c) परिमाणवाचक (d) रीतिवाचक

8. निम्नलिखित में से स्त्रीवाचक शब्द चुनिए:
(a) आदाता (b) भ्राता
(c) विधाता (d) विमाता

9. इनमें से 'वस्तु' का बहुवचन क्या होगा?
(a) सारी वस्तु (b) वस्तुओं
(c) वस्तुएँ (d) इनमें से कोई नहीं

10. 'संभव है कि कल हम सिनेमा देखने जायेंगे।' वाक्य किस काल में व्यक्त हुआ है?
(a) संभाव्य भविष्यत् काल
(b) सामान्य भविष्यत् काल
(c) हेतुहेतुमद भविष्यत् काल
(d) हेतुहेतुमद भूतकाल

11. 'मुझसे अब नहीं चला जाएगा।'- इस वाक्य में कौन-सा वाच्य है?
(a) कर्मवाच्य (b) भाववाच्य
(c) कर्तृवाच्य (d) इनमें से कोई भी नहीं

12. निम्नलिखित में से किस वाक्य में अपादान कारक का प्रयोग हुआ है?
(a) मोहन ने पत्र लिखा। (b) हम आँखों से देखते हैं।
(c) बिल्ली छत से कूद पड़ी। (d) गीता का भाई आया।

13. 'अंगुलि' शब्द का तद्भव रूप क्या है?
(a) अंगुल (b) गुलमिल
(c) अँजली (d) उँगली

14. किस शब्द में 'उपसर्ग' नहीं है?
(a) अपवाद (b) प्रभाव
(c) ओढ़ना (d) पराजय

15. 'नैतिक' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(a) तिक (b) क (c) नै (d) इक

16. निम्नलिखित में से 'व्यष्टि' शब्द का विलोम शब्द क्या होगा?
(a) वृष्टि (b) समष्टि
(c) अक्षि (d) दृष्टि

17. किस विकल्प में विलोम युग्म सही नहीं है?
(a) वरदान × अभिशाप
(b) सधवा × निर्धवा
(c) रुक्ष × स्निग्ध
(d) समास × व्यास

18. निम्नलिखित में से कौन-सा 'कुशल' का पर्यायवाची नहीं है?
(a) दक्ष (b) अक्ष
(c) निपुण (d) प्रवीण

19. प्रकाश का पर्यायवाची क्या होगा?
(a) आलोक (b) दिनकर
(c) दिवाकर (d) तिमिर

20. निम्न में अनेकार्थी शब्द कौन सा है?
(a) आयु (b) आदेश
(c) ग्रंथ (d) गुरु

21. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए शब्द-युग्म के अर्थ का सबसे अच्छा विकल्प है। रद-रद्द
(a) झगड़ा-खराब (b) दांत - खराब
(c) लीन-खराब (d) दांत - लीन

22. विशिष्ट अवसर पर विशिष्ट लोगों के समक्ष दिया गया विद्वतापूर्ण भाषण-
(a) सम्भाषण (b) अभिभाषण
(c) अपभाषण (d) अनुभाषण

23. 'जो नहीं हो सकता' के लिए एक शब्द है
(a) असंभव (b) व्याकरण पंडित
(c) व्याकरणज्ञाता (d) व्याकरणाचार्य

24. 'सूक्ति' का सही संधि-विच्छेद है:
(a) सु + उक्ति (b) सू + उक्ति
(c) सूक्त + इ (d) सू + क्ति

25. किस शब्द में तत्पुरुष समास है?
(a) दौड़धूप (b) मधुमक्खी
(c) पीताम्बर (d) त्रिभुवन

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

26. निम्नलिखित वाक्यों में एक अशुद्ध है–
(a) उसने अपने प्राण की बाजी लगा दी थी।
(b) राम, सीता और लक्ष्मण वन को गये।
(c) उसकी आँखों से आँसू निकल पड़े।
(d) आपकी महत्ता से सभी लोग परिचित हैं।

27. रौद्र रस का स्थायीभाव क्या होता है ?
(a) भय (b) क्रोध
(c) रति (d) शोक

28. ''दिनान्त था, थे दिननाथ डूबते, सधेनु आते गृह ग्वाल बाल थे। दिगंत में गो रज थी समुत्थिता, विषाण नाना बजते सवेणु थे।'' में कौन-सा छन्द है?
(a) सोरठा (b) वंशस्थ
(c) भुजंगप्रयात (d) दोहा

29. 'के वह टूटी-सी छानी हती, कहँ कंचन के सब धाम सुहावत।' में कौन-सा अलंकार है?
(a) यमक (b) उपमा
(c) रूपक (d) श्लेष

30. 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन' किस नगर में स्थित है-
(a) वाराणसी (b) इलाहाबाद
(c) पटना (d) दिल्ली

31. 'फूंक से पहाड़ उड़ाना' मुहावरे का सही अर्थ है-
(a) असम्भव कार्य करने की कोशिश करना
(b) बड़ा काम करना
(c) झूठी बातें करना
(d) बड़ी-बड़ी बातें करना

32. 'गाल बजाना' मुहावरे का अर्थ क्या है?
(a) खुशियाँ मनाना (b) अपमानित करना
(c) थप्पड़ मारना (d) डींग मारना

33. मुल्लादाउद कृत 'लोरकहा' की भाषा इनमें से कौन-सी है?
(a) ब्रजभाषा (b) अवधी
(c) अपभ्रंश (d) राजस्थानी

अनुच्छेद पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही जवाब चुनिए–

अनुमान है कि जीव-मंडल में शैवाल, फंगस और काइयों से लेकर उच्च श्रेणियों के पौधों की साढ़े तीन लाख जातियाँ हैं तथा एककोशीय प्राणी प्रोटोजोआ से लेकर मनुष्य तक एक करोड़ दस लाख प्रकार की प्राणि-जातियाँ इसमें सम्मिलित हैं। जैवमंडल इन सभी के लिए आवश्यक सामग्री जैसे प्रकाश, ताप, पानी, भोजन तथा आवास की व्यवस्था करता है। जीवमंडल में अनेक प्रकार के जैविक और भौतिक घटकों का संतुलन बहुत पहले से ही क्रियाशील रहा है। जीवन की इस निरंतरता के मूल में अन्य संबंधों का एक सुगठित तंत्र काम करता है। वायु, जल, मनुष्य, जीव-जंतु, वनस्पति एवं प्लावक, मिट्टी और जीवाणु ये सब जीवन-धारण प्रणाली में अदृश्य रूप से एक-दूसरे से गुंथे हुए हैं। यह व्यवस्था पर्यावरण कहलाती है। सौर ऊर्जा, जीवमंडल को बनाए रखती है और जीवमंडल को मिलने वाली कुल ऊर्जा का 99.88 प्रतिशत भाग इसी से प्राप्त होता है। सूर्य सतत् रूप से सौर-ताप के रूप में अपनी ऊर्जा को उड़ेलता रहता है। जीवमंडल में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण प्रकाश रासायनिक क्रिया-कलाप, पौधों में होने वाला प्रकाश संश्लेषण है। प्रकाश संश्लेषण एक जटिल प्रक्रिया है।

34. उक्त अनुच्छेद के अनुसार कौन-सा कथन सही नहीं है?
(a) जीव मंडल में अनेक प्रकार के जैविक और भौतिक घटकों का संतुलन बहुत पहले से ही क्रियाशील रहा है।
(b) सौर ऊर्जा जीवमंडल को बनाए रखती है और जीवमंडल को मिलने वाली कुल ऊर्जा का 99.88 प्रतिशत भाग इसी से प्राप्त होता है।
(c) जीव-मंडल में शैवाल, फंगस और काइयों से लेकर उच्च श्रेणियों के पौधों की साढ़े तीस लाख जातियाँ हैं।
(d) सूर्य सतत् रूप से सौर-ताप के रूप में अपनी ऊर्जा को उड़ेलता रहता है।

35. जीवन-धारण प्रणाली में अदृश्य रूप से एक-दूसरे से कौन-कौन गुंथे हुए हैं?
(a) वायु, जल, मनुष्य और जीवाणु।
(b) वायु, जल, मनुष्य, जीव-जंतु और जीवाणु।
(c) वायु, जल, प्लावक एवं मिट्टी।
(d) वायु, जल, मनुष्य, जीव-जंतु, वनस्पति एवं प्लावक, मिट्टी और जीवाणु ये सब

36. वायु, जल, मनुष्य, जीव-जंतु, वनस्पति एवं प्लावक, मिट्टी और जीवाणु ये सब जीवन-धारण प्रणाली में अदृश्य रूप से एक-दूसरे से गुंथे हुए हैं, इस व्यवस्था को क्या कहते हैं?
(a) पर्यावरण (b) जीवमंडल
(c) प्रकाश संश्लेषण (d) रासायनिक क्रिया कलाप

37. 'अमृत और विष' कृति के लिए किन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ ?
(a) नरेश मेहता को (b) शमशेर बहादुर सिंह को
(c) धर्मवीर भारती को (d) अमृतलाल नागर को

SOLUTION : PRACTICE SET- 44

ANSWER KEY

1. (c)	9. (c)	17. (b)	25. (b)	33. (b)
2. (a)	10. (a)	18. (b)	26. (c)	34. (c)
3. (c)	11. (b)	19. (a)	27. (b)	35. (d)
4. (a)	12. (c)	20. (d)	28. (b)	36. (a)
5. (a)	13. (d)	21. (b)	29. (b)	37. (d)
6. (b)	14. (c)	22. (b)	30. (b)	
7. (a)	15. (d)	23. (a)	31. (a)	
8. (d)	16. (b)	24. (a)	32. (d)	

SOLUTION

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

1. (c)
दिये गये व्यंजन समूह 'मूर्धन्य - च,छ,ज,झ' सही नहीं हैं। व्यंजन समूह 'च,छ,ज,झ' तालव्य वर्ग में आता है। अन्य विकल्प सही हैं।

2. (a)
मनोविकार सूचक शब्दों, वाक्यांशों तथा वाक्यों के अंत में विस्मयबोधक (!) चिह्न का प्रयोग होता है। जैसे- ओह! मेरा सिर फटा जा रहा है। जिस वाक्य में किसी प्रकार के प्रश्न किए जाने का बोध हो, वहाँ पर प्रश्नवाचक (?) चिह्न का प्रयोग होता है जैसे- तुम्हारा नाम क्या है?

3. (c)
उपर्युक्त विकल्पों में कड़वाहट, आनन्द और आवश्यकता भाववाचक संज्ञा के उदाहरण हैं, जबकि अंकित व्यक्तिवाचक संज्ञा का उदाहरण है।

4. (a)
'वे आम के पेड़ हैं।' वाक्य में अधोरेखित शब्द 'वे' 'निश्चयवाचक सर्वनाम' है।

जिस सर्वनाम से किसी वस्तु का निश्चित बोध होता है, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे- यह किताब मेरी है।
वह रामू की कलम है।

5. (a)
दिये गये वाक्य में रेखांकित पद 'यह' सार्वनामिक विशेषण (पुस्तक विशेष्य), एकवचन, स्त्रीलिंग शब्द है।

6. (b)
दिये गये शब्दों में 'दिलवाना' प्रेरणार्थक क्रिया है। जिन क्रियाओं से इस बात का बोध हो कि कर्त्ता स्वयं कार्य न करके किसी दूसरे को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है, वे प्रेरणार्थक क्रियाएँ कहलाती हैं। प्रेरणार्थक क्रियाओं के दो रूप हैं- जैसे- 'गिरना' से गिराना और गिरवाना। 'देना' से दिलाना और दिलवाना। 'लिखना' से लिखाना और लिखवाना।

7. (a)
दिये गये वाक्य में कालवाचक विशेषण होगा, क्योंकि यहाँ समय का बोध हो रहा है। आज, कल, तुरंत, पीछे, पहले, अब, जब, तब, कभी-कभी कालवाचक विशेषण के अन्तर्गत आते हैं।

स्थानवाचक में स्थान का बोध होता है। जैसे- यहाँ, वहाँ, कहाँ, जहाँ, यहाँ से, वहाँ से, इधर-उधर।

दिशावाचक में दिशा का बोध होता है। जैसे- उधर, ऊपर, दूर परे, अलग, दाहिने, बाएँ, आर-पार।

रीतिवाचक जैसे– प्रकार, निश्चय, कारण, अनिश्चय, स्वीकार, निषेध, अवधारणा आदि।

परिमाणवाचक जैसे– अधिकताबोधक, न्यूनताबोधक, तुलनावाचक, श्रेणीवाचक आदि।

8. (d)
विमाता स्त्रीवाचक शब्द है जबकि आदाता, भ्राता, विधाता आदि पुरुषवाचक शब्द हैं।

9. (c)
'वस्तु' का बहुवचन 'वस्तुएँ' होता है। (उ अथवा ऊ) से अंत होने वाले स्त्रीलिंग एकवचन शब्द को बहुवचन में परिवर्तित करते समय दीर्घ स्वर (ऊ) को ह्रस्व (उ) करके (एँ) जोड़ देते हैं।

जैसे - बहु - बहुएँ
वस्तु - वस्तुएँ

10. (a)
दिया गया वाक्य 'संभव है, कि कल हम सिनेमा देखने जायेंगे' संभाव्य भविष्यत् काल का उदाहरण है।

संभाव्य भविष्य :– जिससे भविष्य में किसी कार्य के होने की संभावना का बोध होता हो, संभाव्य भविष्य काल है।

जैसे– संभव है, सुरेश कल आये।

11. (b)
प्रश्नगत वाक्य 'मुझसे अब नहीं चला जाएगा' में भाववाच्य है। क्रिया के उस रूपांतरण को भाववाच्य कहते हैं, जिससे वाक्य में क्रिया अथवा भाव की प्रधानता का बोध हो।

12. (c)
'बिल्ली छत से कूद पड़ी' इस वाक्य में अपादान कारक का प्रयोग हुआ है। से (अलग होने के अर्थ में) प्रयुक्त चिह्न अपादान कारक का संकेत देता है।

13. (d)
अंगुली का तद्भव रूप उँगली है।

- संस्कृत के मूल शब्दों में समय के साथ कुछ परिवर्तन आ गया है, ऐसे शब्दों को तद्भव शब्द कहते हैं, **जैसे**- सूरज, बारिश, धरती आदि।

14. (c)
'ओढ़ना' शब्द में उपसर्ग नहीं है। अपवाद में 'अप' प्रभाव में 'प्र' तथा पराजय में 'परा' उपसर्ग का प्रयोग किया गया है।

15. (d)
'नैतिक' शब्द में 'इक' प्रत्यय लगा हुआ है। प्रत्यय वे शब्दांश होते हैं जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता ला देते हैं।

जैसे - 'इक' प्रत्यय से बनने वाले शब्द⟶ नैतिक, आर्थिक, धार्मिक, मासिक, वार्षिक, राजनैतिक आदि।

16. (b)
दिये गये विकल्पों में 'व्यष्टि' का विलोम 'समष्टि' होगा।

शब्द	**विलोम**
वृष्टि	अनावृष्टि
दृष्टि	अदृष्टि

17. (b)

शब्द	**विलोम**
सधवा	विधवा
वरदान	अभिशाप
रुक्ष	स्निग्ध
समास	व्यास

18. (b)
'अक्ष' शब्द कुशल का पर्यायवाची नहीं है जबकि दक्ष, निपुण, प्रवीण कुशल के पर्यायवाची हैं। कुशल के अन्य पर्याय हैं – होशियार, चतुर, पारंगत आदि।

19. (a)
'प्रकाश' का पर्यायवाची 'आलोक' होता है। अन्य पर्यायवाची शब्द- नूर, तेज, आभा, क्रांति इत्यादि।

20. (d)
'गुरु' शब्द के कई अर्थ हैं– आचार्य, बड़ा, दीर्घ, बुजुर्ग, चालाक, बहुत बड़ा धूर्त आदि, जबकि शेष विकल्प असंगत हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

21. (b)
रद–रद्‌ शब्द–युग्म का अर्थ दांत–खराब होगा। रद का अर्थ दांत तथा रद्‌ का अर्थ खराब होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

22. (b)
विशिष्ट अवसर पर विशिष्ट लोगों के समक्ष दिया गया विद्वतापूर्ण भाषण **अभिभाषण** जबकि दो लोगों या अधिक लोगों के बीच किया गया वार्तालाप **सम्भाषण** कहलाता है। किसी की कही हुई बात को दुबारा कहना या कथोपकथन **अनुभाषण** तथा निंदा करना या गाली देना **अपभाषण** कहलाता है।

23. (a)
'जो नहीं हो सकता' के लिए प्रयुक्त एक शब्द **असंभव** है।

24. (a)
'सूक्ति' का सही संधि-विच्छेद 'सु + उक्ति' है। इसमें दीर्घ स्वर संधि है।

25. (b)
दिये गये शब्दों में 'मधुमक्खी' शब्द में तत्पुरुष समास है। इसका समास विग्रह होगा 'मधु की मक्खी' शेष शब्दों का विवरण निम्नलिखित है–

शब्द	**समास विग्रह**	**समास**
पीताम्बर	पीला है अम्बर (वस्त्र) जिसका अर्थात्– विष्णु	बहुव्रीहि
त्रिभुवन	तीन भुवनों (संसार) का समूह	द्विगु
दौड़धूप	दौड़ या धूप	द्वन्द्व

26. (c)
दिये गये वाक्यों में 'उसकी आँखों से आँसू निकल पड़े' अशुद्ध वाक्य है, जिसका शुद्ध रूप है 'उसकी आँख से आँसू निकल पड़े'। अन्य सभी वाक्य शुद्ध हैं।

27. (b)
रौद्र रस का स्थायीभाव क्रोध होता है।

28. (b)

"दिनान्त था, थे दिननाथ डूबते,
सधेनु आते गृह ग्वाल बाल थे।
दिगंत में गो रज थी समुत्थिता,
विषाण नाना बजते सवेणु थे।"

उपर्युक्त पंक्ति में 'वंशस्थ' छंद है। वंशस्थ छंद 'वर्णिक छंद' के अंतर्गत आता है। इसमें प्रत्येक चरण में जगण, तगण, जगण, रगण के क्रम में कुल '12 वर्ण' होते हैं।

29. (b)
'के वह टूटी सी छानी हती, कहँ कंचन के सब धाम सुहावत।' उक्त पंक्ति में 'उपमा अलंकार' है। जहाँ उपमेय की उपमान से वाचक शब्दों द्वारा तुलना की जाए तथा दोनों का साधारण धर्म एक ही हो वहाँ उपमा अलंकार होता है।

जैसे – पीपर पात सरिस मन डोला।

उपमेय	-	मन
उपमान	-	पीपल का पत्ता
वाचक शब्द	-	सरिस
साधारण धर्म	-	डोलना

यह पंक्ति नरोत्तमदास कृत् सुदामा चरित से है।

30. (b)
हिन्दी साहित्य सम्मेलन 'इलाहाबाद' (प्रयागराज) उत्तर प्रदेश में स्थित है। इसकी स्थापना 1 मई, 1910 ई. में हुई। मदनमोहन मालवीय इसके प्रथम सभापति थे। जबकि 'साहित्य अकादमी' दिल्ली में है और 'नागरी प्रचारिणी सभा' की स्थापना 'वाराणसी' में 1893 ई. में हुई थी।

31. (a)
दिये गये मुहावरे 'फूंक से पहाड़ उड़ाना' का सही अर्थ - 'असम्भव कार्य करने की कोशिश करना' है।
वाक्य प्रयोग - धीरज फूंक से पहाड़ उड़ाना चाहता है।

32. (d)
'गाल बजाना' मुहावरे का अर्थ 'डींग मारना' होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।
वाक्य प्रयोग – पाकिस्तान, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदा होने के बाद भी प्रायः गाल बजाता रहता है।

33. (b)
मुल्लादाउद कृत 'लोरकहा' की भाषा 'अवधी' है। 'लोरकहा' को ही अब 'चंदायन' नाम से जाना जाता है। इसे हिंदी का प्रथम सूफी काव्य माना गया है।

34. (c)
दिये गये गद्यांश के अनुसार विकल्प (c) का कथन गलत है। जीवमंडल में शैवाल, फंगस और काइयों से उच्च श्रेणियों के पौधों की साढ़े तीन लाख जातियाँ हैं, सही कथन है।

35. (d)
जीवन-धारण प्रणाली में अदृश्य रूप से वायु, जल, मनुष्य, जीव-जन्तु, वनस्पति, प्लावक, मिट्टी और जीवाणु ये सब गुथे हुए हैं।

36. (a)
वायु, जल, मनुष्य, जीव-जन्तु, वनस्पति एवं प्लावक, मिट्टी और जीवाणु ये सब जीवन-धारण प्रणाली में अदृश्य रूप से एक-दूसरे से गुंथे हुए हैं, इस व्यवस्था को पर्यावरण कहते हैं।

37. (d)
अमृत लाल नागर को 'अमृत और विष' उपन्यास के लिए 1967 ई. साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया गया। इनके अन्य उपन्यास हैं- महाकाल, सेठ बाँकेलाल, बूँद और समुद्र, शतरंज के मोहरे, सुहाग के नुपूर, सात घूँघट वाला मुखड़ा, एकदा नैमिषारण्ये, मानस का हंस, नाच्यौ बहुत गोपाल, खंजन नयन, बिखरे तिनके, अग्निगर्भा, करवट, पीढ़ियाँ आदि।

GET IT ON Google Play
Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

PRACTICE SET - 45

1. कंठ से उत्पन्न होने वाले वर्ण हैं–
(a) ड, ढ (b) ग, घ
(c) ऋ, र (d) च, छ

2. हे भगवान......मेरी रक्षा करो। दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर रिक्त स्थान भरिए।
(a) विस्मयादिबोधक चिह्न (b) क्रिया
(c) सर्वनाम (d) संज्ञा

3. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द भाववाचक संज्ञा है?
(a) भारत (b) लड़का
(c) मित्रता (d) पेड़

4. इनमें से निश्चयवाचक सर्वनाम का उदाहरण कौन-सा है?
(a) कोई (b) यह
(c) जो (d) कुछ

5. यह विद्यालय मेरा है। इनमें सार्वनामिक विशेषण का उदाहरण कौन-सा है ?
(a) यह (b) विद्यालय
(c) मेरा
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

6. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो क्रिया के भेद वाला सही विकल्प हो। शिक्षक ने विद्यार्थी से पुस्तक पढ़वाई।
(a) प्रेरणार्थक क्रिया (b) नामधातु क्रिया
(c) पूर्वकालिक क्रिया (d) संयुक्त क्रिया

7. एक में क्रिया विशेषण का प्रयोग नहीं है-
(a) लड़का आदमी के बराबर दौड़ा।
(b) राम और मोहन साथ पढ़ते हैं।
(c) अम्मा ने खटिया पर लंबी तानी।
(d) एक आता है तो एक जाता है।

8. 'कहार' का लिंग बदलें।
(a) कहार (b) काहूराइन
(c) कहारिइन (d) कहारिन

9. इनमें से कौन-सा शब्द बहुवचन है?
(a) माता (b) प्राण
(c) लड़का (d) किताब

10. इनमें से किस वाक्य में भविष्य काल है?
(a) मैं आपकी प्रतीक्षा करूंगा।
(b) मैं पुस्तक पढ़ने वाला था।
(c) मैं आपका आभारी रहूँगा।
(d) मैंने एक पेड़ काट लिया।

11. इनमें से किस वाक्य में कर्मवाच्य है?
(a) श्याम पुस्तक पढ़ेगा
(b) श्याम पुस्तक पढ़ रहा है
(c) श्याम के द्वारा पुस्तक पढ़ी गई
(d) श्याम ने पुस्तक पढ़ी

12. 'मोहन की <u>बहन</u> घर आ गई है।' वाक्य के रेखांकित अंश में कारक है-
(a) कर्त्ता कारक (b) कर्म कारक
(c) संबंध कारक (d) करण कारक

13. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तत्सम है?
(a) खेत (b) उद्गम
(c) दरसन (d) कोर्ट

14. 'प्रत्युत्पन्नमति' शब्द में कौन-सा उपसर्ग प्रयुक्त है?
(a) प्रत्युत (b) प्रति (c) प्रत्यु (d) प्र

15. 'फलित' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
(a) लित (b) त
(c) इत (d) फल

16. शासक का विलोम शब्द इनमें से क्या है ?
(a) शासित (b) पोषक
(c) सत्ताधारी (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

17. निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा शब्द 'उदार' का विलोम है?
(a) कठोर (b) निर्भय
(c) अपव्यय (d) अनुदार

18. इनमें से कौन-सा शब्द 'गुस्से' का समानार्थी नहीं है?
(a) क्रोध (b) अमर्ष (c) अपकर्ष (d) रोष

19. आकार का समानार्थी है–
(a) आकृति (b) निराकार
(c) दृश्य (d) नजारा

20. इनमें से कौन-सा शब्द 'ताल' शब्द का अर्थ नहीं है?
(a) ताड़ का वृक्ष (b) झील
(c) संगीत का ताल (d) चाबी

21. दिए गए शब्द युग्म का सही शब्द युग्म ज्ञात कीजिए। आर्षी : आरसी
(a) वेद संबंधी : आईना (b) छिपाना : पर्दा
(c) आईना : छिपाना (d) पर्दा : वेद संबंधी

22. आदि से अन्त तक-
(a) आद्योपान्त (b) आदि
(c) दिगन्त (d) अन्तिम

23. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस सही विकल्प का चयन करें जो वाक्याशों के लिए एक शब्द का विकल्प है। जो थोड़ा जानता है।
(a) अवज्ञ (b) अल्प
(c) अल्पज्ञ (d) सर्वज्ञ

24. निम्नलिखित में से किस शब्द में स्वर संधि है?
(a) नमस्कार (b) जगदीश
(c) भानूदय (d) दुर्लभ

25. तत्पुरुष समास में 'तत्पुरुष' का शब्दार्थ क्या होता है?
(a) मेरा पुरुष (b) उसका पुरुष
(c) जिस का पुरुष (d) किस का पुरुष

26. इनमें से कौन सा वाक्य अशुद्ध है?
(a) हर एक खिलाड़ी मैदान में पहुँच गए।
(b) सड़क पर बहुत भीड़ है।
(c) अध्ययन के लिए अच्छी पुस्तकें आवश्यक हैं।
(d) साहित्य और संस्कृति का गहरा संबंध है।

27. ''रिपु-आंतन की कुंडली करि जोगिनी चबात। पीवहि में पागी मनो, जुबति जलेबी खात।'' यहाँ कौन-सा रस है?
(a) क्रोध (b) भयानक
(c) रौद्र (d) वीभत्स

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

28. "हे शरणदायिनी देवी! तू करती सबका त्राण है। तू मातृभूमि, संतान हम, तू जननी, तू प्राण है।" में कौन-सा छन्द है?
(a) उल्लाला (b) इंद्रवज्रा
(c) रोला (d) वसंततिलका

29. 'सो सिवधनु मृनाल की नाई।
तोरहूँ राम गणेन गोसाई।'
इस पंक्ति में किस अलंकार का प्रयोग है?
(a) विभावना (b) वक्रोक्ति
(c) अर्थन्तरन्यास (d) उपमा

30. इनमें एक राज्य हिन्दी भाषी है-
(a) गुजरात (b) हिमाचल प्रदेश
(c) पंजाब (d) महाराष्ट्र

31. पुलिस ने मयंक से जब चोरी के बारे में पूछा तो मयंक ———— झूठ बोल गया। रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरा शब्द द्वारा कीजिए।
(a) एकदम (b) सफेद
(c) सभी (d) काला

32. 'एक लाठी से हाँकना' मुहावरे का अर्थ क्या है?
(a) अच्छे-बुरे का अंतर न करना (b) बात बिगाड़ना
(c) मूर्ख बनाना (d) तानाशाह होना

33. इनमें से हिंदी के प्रथम सूफी कवि कौन हैं?
(a) जायसी (b) मुल्ला दाउद
(c) मुल्लावजही (d) नूर मुहम्मद

अनुच्छेद पढ़कर दिए गए सवालों के सही जवाब चुनिए:-

दैनिक जीवन में हम अनेक लोगों से मिलते हैं जो विभिन्न प्रकार के कार्य करते हैं। सड़क पर ठेला लगाने वाला, दूधवाला, नगर-निगम का सफाईकर्मी, बस कंडक्टर, स्कूल-अध्यापक, हमारा सहपाठी और ऐसे ही कई अन्य लोग। शिक्षा, वेतन, परंपरागत चलन और व्यवसाय के स्तर पर कुछ लोग निम्न स्तर पर कार्य करते हैं तो कुछ उच्च स्तर पर। एक माली के कार्य को सरकारी कार्यालय के किसी सचिव के कार्य से अति निम्न स्तर का माना जाता है।

किंतु यदि यही अपने कार्य को कुशलतापूर्वक करता है और उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करता है तो उसका कार्य उस सचिव के कार्य से कहीं बेहतर है जो अपने काम में ढिलाई बरतता है तथा अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह नहीं करता। क्या आप ऐसे सचिव को एक आदर्श अधिकारी कह सकते हैं? वास्तव में पद महत्त्वपूर्ण नहीं है, बल्कि महत्त्वपूर्ण होता है कार्य के प्रति समर्पण भाव और कार्य प्रणाली में पारदर्शिता ।

34. 'बेहतर' के लिए हिंदी में कौन-सा अर्थ होगा?
(a) अच्छा (b) उत्कृष्टतम
(c) उत्कृष्टतर (d) उत्कृष्ट

35. दैनिक जीवन में किस स्तर पर कार्य करने वालों से हम मिलते हैं?
(a) उच्च स्तर (b) उच्च एवं निम्न स्तर
(c) निम्न स्तर (d) इनमें से कोई नहीं

36. उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक कौन-सा होगा?
(a) स्तर-भेद (b) कर्मनिष्ठा की महिमा
(c) काम की महिमा (d) ऊँच-नीच

37. इनमें से ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता नहीं हैं
(a) नरेश मेहता (b) कुँवर नारायण
(c) कमलेश्वर (d) दिनकर

SOLUTION : PRACTICE SET- 45

ANSWER KEY

1. (b)	9. (b)	17. (d)	25. (b)	33. (b)
2. (a)	10. (a)	18. (c)	26. (a)	34. (a)
3. (c)	11. (c)	19. (a)	27. (d)	35. (b)
4. (b)	12. (c)	20. (d)	28. (a)	36. (b)
5. (a)	13. (b)	21. (a)	29. (d)	37. (c)
6. (a)	14. (b)	22. (a)	30. (b)	
7. (c)	15. (c)	23. (c)	31. (b)	
8. (d)	16. (a)	24. (c)	32. (a)	

SOLUTION

1. (b) वर्णों का उच्चारण स्थान
कण्ठ :– क,ख,ग,घ,ड़,ह
तालव्य :– च,छ,ज,झ,ञ,य,श
मूर्धन्य :– ट,ठ,ड,ढ,ण,ऋ,र,ष

2. (a)
रिक्त स्थान में विस्मयादिबोधक चिह्न (!) भरा जायेगा। अतः पूर्ण वाक्य होगा– हे भगवान ! मेरी रक्षा करो।

3. (c) भाववाचक संज्ञा-जिस संज्ञा से पदार्थों की अवस्था गुण, दोष, धर्म आदि का बोध हो उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं। **जैसे**-मिठास, खटास, धर्म, थकावट, जवानी, मोटापा, मित्रता आदि।

4. (b)'यह' शब्द निश्चयवाचक सर्वनाम का उदाहरण है। जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निकट या दूर की किसी वस्तु, स्थान, व्यक्ति, घटना-व्यापार की निश्चितता का जिक्र हो उन शब्दों को निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। **जैसे**-यह लड़की है। इसे संकेतवाचक सर्वनाम भी कहते हैं। यह, वह निश्चयवाचक सर्वनाम है।

5. (a) उपर्युक्त वाक्य में 'यह' शब्द सार्वनामिक विशेषण का उदाहरण है। पुरुषवाचक और निजवाचक सर्वनाम (मैं, तू) के सिवा अन्य सर्वनाम जब किसी संज्ञा के पहले आते हैं, तब वे 'सार्वनामिक विशेषण' कहलाते हैं। जैसे- वह नौकर नहीं आया, यह घोड़ा अच्छा है। यहाँ 'नौकर' और 'घोड़ा' संज्ञाओं के पहले विशेषण के रूप में 'वह' और 'यह' सर्वनाम आये हैं। अतः ये सार्वनामिक विशेषण हैं।

6. (a) प्रेरणार्थक क्रिया– ऐसी क्रियायें जिनके प्रयोग से यह पता चले कि कर्त्ता स्वयं कार्य न करके किसी और से कार्य करवा रहा है या कार्य करने की प्रेरणा दे रहा है तो उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं। जैसे– शिक्षक ने विद्यार्थी से पुस्तक पढ़वायी।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

7. (c) वाक्य (a), (b) व (d) में क्रमशः 'बराबर','साथ', तथा 'तो' क्रिया विशेषण का प्रयोग हुआ है जबकि अम्मा ने खटिया पर लंबी तानी। वाक्य में किसी क्रिया विशेषण का प्रयोग नहीं है।

8. (d) जातिबोधक शब्दों का स्त्रीलिंग रूप कहीं 'इन' कहीं 'आइन' प्रत्यय के योग से बनता है। अतः कहार में 'इन' प्रत्यय के प्रयोग से इसका स्त्रीलिंग रूप 'कहारिन' बनेगा।

9. (b) 'प्राण' शब्द बहुवचन है। माता, लड़का एवं किताब एकवचन में हैं। इनका बहुवचन क्रमशः माताएं, लड़के एवं किताबें होगा।

10. (a) 'मैं आपकी प्रतीक्षा करूंगा।' यह वाक्य भविष्य काल का है। क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि कार्य आने वाले समय में सम्पन्न होगा, ऐसी क्रियाएँ भविष्य कालिक क्रियाएँ कहलाती हैं।

जैसे- श्याम पत्र लिखेगा।

भविष्य काल को तीन भागों में विभाजित किया गया है।

(1) सामान्य भविष्य (2) सम्भाव्य भविष्य (3) हेतु-हेतुमद् भविष्य

11. (c) 'श्याम के द्वारा पुस्तक पढ़ी गई।' यह वाक्य कर्म वाच्य का उदाहरण है। जिस वाक्य में कर्म की प्रधानता होती है वह कर्मवाच्य का वाक्य कहलाता है।

जैसे- पुस्तक श्याम के द्वारा पढ़ी गई।

या

श्याम के द्वारा पुस्तक पढ़ी गई।

उपर्युक्त उदाहरण में 'पुस्तक' कर्म है, जिसकी प्रधानता का बोध हो रहा है। अतः यह वाक्य कर्म वाच्य का वाक्य होगा।

12. (c) 'मोहन की बहन घर आ गई है' वाक्य के रेखांकित अंश में 'संबंध कारक' है।

13. (b) निम्न में 'उद्गम' तत्सम शब्द है।

तत्सम	-	तद्भव
क्षेत्र	-	खेत
दर्शन	-	दरसन
पर्यंक	-	पलंग
उद्गम	-	उगना

14. (b) 'प्रत्युत्पन्नमति' शब्द में 'प्रति' उपसर्ग प्रयुक्त हुआ है। **उपसर्ग** वे शब्दांश होते हैं, जो किसी शब्द के पहले जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता उत्पन्न कर देते हैं।

जैसे– प्रति + उत्पन्नमति = प्रत्युत्पन्नमति।

'प्रति' उपसर्ग से बने शब्द- प्रत्येक, प्रत्यक्ष, प्रतिनिधि, प्रतिकूल आदि।

15. (c) 'फलित' शब्द में 'इत' प्रत्यय है। प्रत्यय वे शब्दांश होते हैं जो दूसरे शब्दों के अन्त में जुड़कर, अपनी प्रकृति के अनुसार, शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं।

'इत' प्रत्यय से बनने वाले शब्द-प्रमाणित, द्रवित, मुखरित, झंकृत, शिक्षित, मोहित, चर्चित, विकसित आदि।

16. (a) 'शासक' का विलोम 'शासित' होता है जबकि 'पोषक' का विलोम 'शोषक' होता है।

17. (d) दिए विकल्पों में उदार शब्द का विलोम अनुदार होगा। शेष शब्द-विलोम इस प्रकार हैं–

शब्द		विलोम
उदार	–	अनुदार
व्यय	–	आय
निर्भय	–	भयभीत
कृतज्ञ	–	कृतघ्न

18. (c) दिये गये शब्दों में 'अपकर्ष' शब्द 'गुस्से' का समानार्थी नहीं है। अपकर्ष का अर्थ - अवनति, उतार, ह्रास होता है। अन्य विकल्प क्रोध, अमर्ष, रोष 'गुस्से' के समानार्थी हैं।

19. (a) 'आकार' का समानार्थी शब्द 'आकृति' है। जबकि दृश्य का समानार्थी शब्द 'नजारा' है।

20. (d) चाबी 'ताल' शब्द का अर्थ नहीं है। ताल का अर्थ ताड़ का वृक्ष, झील, संगीत का ताल होता है।

21. (a) दिए गए शब्द-युग्म आर्षी : आरसी का सही शब्द युग्म होगा - वेद संबंधी : आईना

22. (a) आदि से अन्त तक – आद्योपान्त। जहाँ से किसी चीज की शुरुआत हो उसके लिए एक शब्द 'आदि' है, जबकि दिगन्त तथा अन्तिम समानार्थी शब्द हैं।

23. (c) वाक्यांश 'जो थोड़ा जानता है' के लिए सर्वाधिक उपयुक्त एक शब्द 'अल्पज्ञ' है। शेष विकल्पों के अर्थ निम्नलिखित हैं-

अल्प - थोड़ा/कम।

सर्वज्ञ - जो सब कुछ जानता हो।

24. (c) 'भानूदय' शब्द में स्वर संधि है। दिए गए वैकल्पिक शब्दों में संधि इस प्रकार होगी-

शब्द	संधि-विच्छेद	संधि
नमस्कार	नमः + कार	- विसर्ग संधि
जगदीश	जगत् + ईश	- व्यंजन संधि
भानूदय	भानु + उदय	- स्वर संधि
दुर्लभ	दुः + लभ	- विसर्ग संधि

25. (b) तत्पुरुष समास में 'तत्पुरुष' का शब्दार्थ 'उसका पुरुष' होता है। इस समास में अन्तिम पद की प्रधानता होती है।

26. (a) दिये गये विकल्पों में (i) सड़क पर बहुत भीड़ है। (ii) अध्ययन के लिए अच्छी पुस्तकें आवश्यक हैं। (iii) साहित्य और संस्कृति का गहरा सम्बन्ध है। ये तीनों वाक्य व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध हैं, जबकि हर एक खिलाड़ी मैदान में पहुँच गए में हर एक के साथ एकवचन की क्रिया 'गया' प्रयुक्त होनी चाहिए। अतएव विकल्प (a) अशुद्ध है।

27. (d) ''रिपु-आंतन की कुंडली करि जोगिनी चबात, पीबहि में पागी मनो, जुबति जलेबी खात।'' में वीभत्स रस है। इसका स्थायी भाव जुगुप्सा है।

28. (a) ''हे शरणदायिनी देवी! तू करती सबका त्राण है।

तू मातृभूमि, संतान हम, तू जननी, तू प्राण है।''

उक्त पंक्ति में 'उल्लाला' छंद है। इस छंद में प्रथम और तृतीय चरण में 15 तथा द्वितीय एवं चतुर्थ चरण में 13 मात्राएँ होती हैं।

29. (d) उक्त पंक्ति में 'उपमा अलंकार' है। जहाँ दो वस्तुओं में रूप, रंग, गुण या धर्म के आधार पर समानता का बोध कराया जाय वहाँ पर 'उपमा अलंकार' होता है।

30. (b) 'हिमाचल प्रदेश' हिन्दी भाषी क्षेत्र है। अन्य हिन्दी भाषी क्षेत्र निम्नवत् हैं- उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तराखण्ड। अन्य भाषाएँ इस प्रकार हैं- गुजरात में गुजराती भाषा, पंजाब में पंजाबी भाषा और महाराष्ट्र में मराठी भाषा।

31. (b) दिये गये वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु उपयुक्त मुहावरा 'सफेद झूठ' होगा।

अतः पूर्ण वाक्य होगा- पुलिस ने मयंक से जब चोरी के बारे में पूछा तो मयंक सफेद झूठ बोल गया।

32. (a) 'एक लाठी से हाँकना' मुहावरे का अर्थ 'अच्छे-बुरे का अन्तर न करना' होता है। शेष विकल्प असंगत हैं।

33. (b) 'मुल्ला दाउद' मध्यकालीन हिंदी सूफी काव्य परंपरा के प्रथम कवि हैं। सूफी संतों की शैली मसनवी है।इनकी प्रमुख रचना-चन्दायन है।

34. (a) बेहतर शब्द का अर्थ 'अच्छा' होगा।

35. (b) दिये गये गद्यांश के अनुसार दैनिक जीवन में हम उच्च एवं निम्न स्तर पर कार्य करने वालों से मिलते हैं।

36. (b) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक 'कर्मनिष्ठा की महिमा' है।

37. (c) प्रश्नगत लेखकों में से 'कमलेश्वर' को अभी तक ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त नहीं हुआ है। हिंदी भाषा में प्राप्त ज्ञानपीठ पुरस्कारों का विवरण निम्न है–

वर्ष	रचनाकार	रचना
1968	सुमित्रानन्दन पंत	चिदम्बरा
1972	रामधारी सिंह 'दिनकर'	उर्वशी
1978	अज्ञेय	कितनी नावों में कितनी बार
1982	महादेवी वर्मा	यामा
1992	नरेश मेहता	(सम्पूर्ण साहित्य)
1999	निर्मल वर्मा	(सम्पूर्ण साहित्य)
2005	कुँवर नारायण	(सम्पूर्ण साहित्य)
2009	अमरकांत व श्रीलाल शुक्ल को संयुक्त रूप से	(सम्पूर्ण साहित्य)
2013	केदारनाथ सिंह	(सम्पूर्ण साहित्य)
2017	कृष्णा सोबती	(सम्पूर्ण साहित्य)

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET - 46

1. **इनमें से अमानक वर्णों का विकल्प कौन-सा है?**
(a) अ (b) भ
(c) र य (d) झ अ

2. **विराम चिह्न के प्रयोग की दृष्टि से अशुद्ध वाक्य बताइए।**
(a) बस, हो गया, रहने दीजिए।
(b) ऊँच-नीच, अमीर-गरीब, समाज की विभाजक रेखाएँ हैं।
(c) क्या आप पटना के रहने वाले हैं?
(d) वाह!तुम्हारे क्या कहने, बहुत ऊपर तक जाओगे।

3. **'सौन्दर्य' कैसा शब्द है?**
(a) भाववाचक संज्ञा (b) जातिवाचक संज्ञा
(c) गुणवाचक विशेषण (d) सार्वनामिक विशेषण

4. **'यह मेरी किताब है।' इस वाक्य में अधोरेखित शब्द के सर्वनाम का प्रकार लिखिए।**
(a) प्रश्नवाचक सर्वनाम (b) निश्चयवाचक सर्वनाम
(c) संबंधवाचक सर्वनाम (d) निजवाचक सर्वनाम

5. **'वह छात्र कक्षा में प्रथम आया है' – वाक्य में रेखांकित शब्द है :**
(a) गुणवाचक विशेषण (b) परिमाणवाचक विशेषण
(c) सार्वनामिक विशेषण (d) संख्यावाचक विशेषण

6. **निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो क्रिया के भेद वाला सही विकल्प हो। मालिक नौकर से सफाई करवाता है।**
(a) संयुक्त क्रिया (b) प्रेरणार्थक क्रिया
(c) पूर्वकालिक क्रिया (d) सामान्य क्रिया

7. **मैं रोज पढ़ता हूँ।–वाक्य में क्रिया विशेषण का भेद है–**
(a) स्थानवाचक क्रिया विशेषण
(b) रीतिवाचक क्रिया विशेषण
(c) कालवाचक क्रिया विशेषण
(d) परिमाणवाचक क्रिया विशेषण

8. **दिए गए पर्यायों में से स्त्रीलिंग शब्द कौन-सा है?**
(a) दुपट्टा (b) फुल्का
(c) प्रकृति (d) हीरा

9. **इनमें से 'छाया' शब्द का बहुवचन क्या होगा?**
(a) छाया (b) छायें
(c) छाओं (d) इनमें से कोई नहीं

10. **'तुम बैठो, मैं अभी आया' - इस वाक्य में प्रयुक्त काल कौन-सा है?**
(a) भूतकाल (b) वर्तमानकाल
(c) भविष्यकाल (d) संभाव्य भूतकाल

11. **''उससे दौड़ा नहीं जाता'' वाक्य में कौन-सा वाच्य है?**
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) इनमें से कोई भी नहीं

12. **अपादान कारक युक्त वाक्य है :**
(a) वह कुल्हाड़ी से वृक्ष काटता है।
(b) छत से उतरी हुई लता मुरझा गई है।
(c) शिकारी ने खरगोश को मारा।
(d) माँ ने बच्चों को बुलाया।

13. **निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तद्भव है?**
(a) उल्लास (b) उच्छवास
(c) निःश्वास (d) उजास

14. **इनमें से कौन-सा शब्द उपसर्ग-रहित है?**
(a) प्रत्यर्पण (b) संगम
(c) विमोचन (d) क्रोध

15. **'कथनीय' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?**
(a) अनीय (b) ईय
(c) नीय (d) कथ

16. **निम्नलिखित में असंगत विलोम शब्द युग्म है:**
(a) अथ - इति (b) अवनति - उन्नति
(c) सात्विक - शुद्ध (d) ज्योति - तम

17. **'उपमेय' का सर्वथा उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है**
(a) अनुपमेय (b) अतुलनीय
(c) अनुपम (d) अनुपमित

18. **भोजन का पर्याय है**
(a) आसन (b) असन
(c) आसन्न (d) असनि

19. **व्योम किसका पर्यायवाची है?**
(a) आकाश (b) पृथ्वी
(c) रोशनी (d) समुद्र

20. **इनमें से कौन-सा शब्द 'भाव' शब्द का अर्थ नहीं है?**
(a) विचार (b) दर
(c) श्रद्धा (d) चमक

21. **निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए शब्द-युग्म के अर्थ का सबसे अच्छा विकल्प है।**
व्रण-वर्ण
(a) व्रत और रंग (b) व्रत और वाव
(c) घाव और पत्ता (d) घाव और रंग

22. **'जिस पर आक्रमण किया गया हो'– वाक्यांश के लिए उचित शब्द चुनें।**
(a) आक्रमण (b) आक्रामक
(c) आक्रांत (d) आत्मघाती

23. **अवसर के अनुरूप बदल जाने वाले को कहते हैं:**
(a) यथास्थितिवादी (b) आदर्शवादी
(c) भाववादी (d) अवसरवादी

24. **'पर + उपकार' की संधि है:**
(a) परउपकार (b) परोउपकार
(c) परोपकार (d) परपकार

25. **मुंबई में गगनचुम्बी इमारतें बहुत हैं। रेखांकित शब्द में कौन सा समास समाहित है?**
(a) तत्पुरुष समास (b) कर्मधारय समास
(c) द्विगु समास (d) अव्ययीभाव समास

26. **'बाघ और बकरी एक घाट पानी पीती हैं' वाक्य का शुद्ध रूप है**
(a) बाघ-बकरी एक घाट पर पानी पीती हैं।
(b) बाघ और बकरी एक घाट पर पानी पीते हैं।
(c) बाघ और बकरी एक ही घाट पर पानी पीती हैं।
(d) बाघ और बकरी पानी पीती हैं।

27. **कबीर की उलटबाँसियों में कौन-सा रस प्रमुख है?**
(a) वीभत्स रस (b) अद्भुत रस
(c) करुण रस (d) शांत रस

28. **'छप्पय' किन दो छंदों का मिश्रण है?**
(a) कुण्डलियां और दोहा (b) दोहा और रोला
(c) रोला और उल्लाला (d) सोरठा और दोहा

29. **निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा उपमा अलंकार का भेद नहीं है?**

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

(a) साधारणधर्म (b) उपमान
(c) वाचक (d) लक्षण

30. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो पक्ष के भेद का सही विकल्प हो।
अब सीता चलने लगी है।
(a) प्रगतिद्योतक पक्ष (b) आरंभद्योतक पक्ष
(c) पूर्णताद्योतक पक्ष (d) सातत्योतक पक्ष

31. 'बंदर क्या जाने नींबू का स्वाद' इस मुहावरे में कौन-सा शब्द अशुद्ध है?
(a) क्या (b) नींबू
(c) स्वाद (d) बंदर

32. 'सामने शेर को दहाड़ता देखकर मेरे <u>प्राण सूख गए</u>।' रेखांकित मुहावरे का अर्थ क्या है?
(a) बड़ी मुसीबत आना। (b) साहसी होना।
(c) नजदीक जाना। (d) बहुत डर जाना।

33. कृष्ण गीतावली किसकी रचना है?
(a) मीराबाई
(b) तुलसीदास
(c) सूरदास
(d) नन्ददास

अनुच्छेद पढ़कर दिए गए सवालों के सही जवाब चुनिए-
पिछली शताब्दी में विकास के सूत्र प्रकृति के हाथ से निकलकर मनुष्य के हाथ में पहुँच गए हैं, विज्ञान के हाथ में पहुंच गए हैं और इस बंद गली में पहुँचने का अर्थ मानवजाति का नाश भी हो सकता है। इसलिए नैतिक और आत्मिक मूल्यों को साथ-साथ विकसित करने की आवश्यकता है, जिससे विज्ञान हमारे लिए भस्मासुर का हाथ न हो जाए। व्यक्ति की क्षुद्रता यदि राष्ट्र की क्षुद्रता बन जाती है, तो विज्ञान भस्मासुर बन जाता है। इस सत्य को प्रत्येक क्षण सामने रखकर ही अणु-विस्फोट को मानव प्रेम और लोकहित की मर्यादा दे सकेंगे। अपरिसीम भौतिक शक्तियों का स्वामी मानव आज अपने व्यक्तित्व के प्रति आस्थावान नहीं है और प्रत्येक क्षण अपने अस्तित्व के संबंध में शंकाग्रस्त है।

34. विज्ञान को हम भस्मासुर बनने से कैसे रोक सकते हैं?
(a) प्रकृति-जगत का पूर्ण स्वामित्व प्राप्त करके
(b) मानव सभ्यता का विनाश करके
(c) भौतिक जीवन मूल्यों का निर्धारण करके
(d) नैतिक-आत्मिक मूल्यों को विकसित करके

35. हमारी विज्ञानाधृत शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण देन कौन-सी है?
(a) जीवन का सर्वांगीण विकास
(b) जीवन का अपरिसीम भौतिक विकास
(c) जीवन का एकांगी विकास
(d) गतिशील जीवन का प्रत्यावर्तन

36. आधुनिक मानव विकास को सर्वांगीण क्यों नहीं कहा जा सकता है?
(a) साहित्य, कला, धर्म आदि मानव-चेतना से निर्वासित हैं।
(b) भौतिक परिवेश पूर्णतया परिवर्तित हो चुका है
(c) जीवन में आशातीत गतिशीलता का समावेश नहीं हुआ
(d) विकास के सूत्र मानव के हाथ में हैं।

37. इनमें से किस पुस्तक को व्यास सम्मान प्राप्त नहीं हुआ है?
(a) अल्मा कबूतरी (b) कठगुलाब
(c) आलोचना का पक्ष (d) पहला गिरमिटिया

SOLUTION : PRACTICE SET- 46

ANSWER KEY

1. (b)	9. (a)	17. (a)	25. (a)	33. (b)
2. (d)	10. (b)	18. (b)	26. (b)	34. (d)
3. (a)	11. (c)	19. (a)	27. (b)	35. (b)
4. (b)	12. (b)	20. (d)	28. (c)	36. (a)
5. (c)	13. (d)	21. (d)	29. (d)	37. (a)
6. (b)	14. (d)	22. (c)	30. (b)	
7. (c)	15. (b)	23. (d)	31. (b)	
8. (c)	16. (c)	24. (c)	32. (d)	

SOLUTION

1. (b) दिये गये विकल्पों में अमानक वर्णों का विकल्प 'फ़' है। हिंदी में बहुत से ऐसे वर्ण होते हैं जो कि वर्तमान में चलन में नहीं हैं अथवा हिंदी के मूल वर्णों में शामिल नहीं हैं। उदाहरण - फ़,

2. (d) दिये गये वाक्यों में विराम चिह्न के प्रयोग की दृष्टि से अशुद्ध वाक्य है–वाह! तुम्हारे क्या कहने, बहुत ऊपर तक जाओगे। इसका विराम चिह्न की दृष्टि से शुद्ध रूप निम्न प्रकार होगा–
<u>शुद्ध वाक्य–</u> वाह! तुम्हारे क्या कहने! बहुत ऊपर तक जाओगे।

3. (a) जिस संज्ञा शब्द से व्यक्ति या वस्तु के गुण या धर्म, दशा अथवा व्यापार का बोध होता है, उसे भाववाचक संज्ञा कहा जाता है। सौंदर्य का विशेषण सुन्दर होता है। सुन्दरता और सौंदर्य भाववाचक संज्ञाएँ हैं।

4. (b) उपर्युक्त वाक्य में 'यह' शब्द निश्चयवाचक सर्वनाम है। संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। इसके 6 भेद होते हैं– 1. पुरुषवाचक सर्वनाम, 2. निश्चयवाचक सर्वनाम, 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम, 4. सम्बन्धवाचक सर्वनाम, 5. प्रश्नवाचक सर्वनाम, 6. निजवाचक सर्वनाम।

5. (c) '<u>वह</u> छात्र कक्षा में प्रथम आया है' – वाक्य में रेखांकित शब्द 'वह' सार्वनामिक विशेषण है। पुरुषवाचक और निजवाचक के सिवा अन्य सर्वनाम जब किसी संज्ञा के पहले आते हैं, तब वे सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं।

6. (b) मालिक नौकर से सफाई करवाता है, में क्रिया के प्रेरणार्थक क्रिया का बोध होता है।
प्रेरणार्थक क्रिया - जिस क्रिया से यह पता चले कि कर्ता स्वयं कार्य न करके दूसरे को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है वे प्रेरणार्थक क्रिया कहलाती हैं।
जैसे - करवाना, कटवाना, चलवाना आदि।

7. (c) 'मैं रोज़ पढ़ता हूँ'– इस वाक्य में कालवाचक क्रिया विशेषण है। जो अविकारी शब्द किसी क्रिया के होने का समय बताते हैं, उन्हें कालवाचक क्रियाविशेषण कहते हैं।
जैसे–परसों, पहले, पीछे, कभी, अबतक इत्यादि।
रीतिवाचक क्रिया विशेषण–जो शब्द किसी क्रिया के करने के तरीके का बोध कराए, वे रीतिवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं।
परिमाणवाचक क्रिया विशेषण–जो अविकारी शब्द किसी क्रिया के परिमाण अथवा निश्चित संख्या का बोध कराते हैं, उन्हें परिमाणवाचक क्रिया विशेषण कहते हैं।
जैसे–कुछ, थोड़ा, काफी, केवल इत्यादि।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

8. (c) दिये गये विकल्पों में **प्रकृति** शब्द स्त्रीलिंग है। अन्य शब्द– दुपट्टा, फुल्का, हीरा तीनों पुल्लिंग शब्द हैं।
9. (a) दिये गये विकल्पों में 'छाया' शब्द का बहुवचन 'छाया' ही होगा। छाया का बहुवचन बनाते समय रूप परिवर्तन नहीं होगा।
10. (b) 'तुम बैठो, मैं अभी आया' में **वर्तमान काल** का प्रयोग हुआ है। इसमें 'संभाव्य वर्तमान काल' है। इससे वर्तमानकाल में काम के पूरा होने की संभावना रहती है; जैसे- वह आया हो, वह लौटा हो आदि।
11. (c) 'उससे दौड़ा नहीं जाता' भाववाच्य का उदाहरण है।
12. (b) 'छत से उतरी हुई लता मुरझा गई है।' यह वाक्य अपादान कारक युक्त वाक्य है। संज्ञा के जिस रूप से एक वस्तु का दूसरी से अलग होना पाया जाए तो वहाँ अपादान कारक होता है।
- अपादान कारक की विभक्ति 'से' (अलग होना) है।

जैसे ––→ राम अयोध्या से वन में गये।
→ मोहन ने घड़े से पानी निकाला।

13. (d) 'उजास' शब्द तद्भव है। इसका तत्सम 'उज्ज्वल' होता है। अन्य तद्भव – तत्सम इस प्रकार हैं –

तद्भव	तत्सम
हुलास	उल्लास
उसास	उच्छ्वास

14. (d) दिये गये विकल्प में 'क्रोध' उपसर्ग रहित शब्द है। जबकि 'प्रत्यर्पण' में 'प्रति' 'संगम' में 'सम्' तथा 'विमोचन' में 'वि' उपसर्ग प्रयुक्त हुआ है।
15. (b) 'कथनीय' शब्द में 'ईय' प्रत्यय है। वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में लगकर उस शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं अर्थात् नए अर्थ का बोध कराते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं। प्रत्यय के मुख्यतः दो भेद होते हैं– 1. कृत (कृदन्त) प्रत्यय। 2. तद्धित प्रत्यय।
16. (c) 'सात्विक-शुद्ध' असंगत विलोम शब्द युग्म है। इसका संगत विलोम शब्द युग्म 'सात्विक – तामसिक' होगा। शेष विकल्पों के युग्म संगत हैं।
17. (a) 'उपमेय' का सर्वथा उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'अनुपमेय' है। अतुलनीय का तात्पर्य है जिसकी तुलना न की जा सके जबकि अनुपम का अर्थ है जिसकी कोई उपमा न हो।
18. (b) 'असन' 'भोजन' का पर्याय है। भोजन के अन्य पर्याय हैं- आहार, असन, भोग, पारणा, खाद्य वस्तु, भोज्य सामग्री आदि।
19. (a) 'व्योम' आकाश का पर्यायवाची है। समान अर्थ वाले शब्द पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं। व्योम के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं- अम्बर, नभ, गगन, शून्य, अनन्त, अंतरिक्ष आदि।
20. (d) 'भाव' शब्द का अर्थ - विचार, दर, श्रद्धा है। जबकि 'चमक' इसका अर्थ नहीं है ।
21. (d) व्रण-वर्ण शब्द युग्म का सही अर्थ - घाव और रंग।
व्रण का वाक्य प्रयोग - उसके पैर के खुले व्रण से खून रिस रहा था। वर्ण का वाक्य प्रयोग - इन्द्रधनुष सात वर्णों का समूह है।
22. (c) वाक्यांशों का विवरण–
- जिस पर आक्रमण किया गया हो – आक्रांत
- जो अपनी हत्या आप करे – आत्मघाती
- आक्रमण करने वाला – आक्रामक
- सीमा का बलात् उल्लंघन या हमला करना– आक्रमण

23. (d) अवसर के अनुरूप बदल जाने वाला – अवसरवादी कहलाता है।
24. (c) 'पर + उपकार' = परोपकार। यह गुण संधि का उदाहरण है। यदि 'अ' या 'आ' के बाद इ, ई या 'उ' 'ऊ' और 'ऋ' आये तो दोनों मिलकर क्रमशः 'ए', 'ओ' और 'अर्' हो जाता है।
जैसे – देव + इन्द्र = देवेन्द्र
25. (a) जिस समास का उत्तर पद अर्थात् अन्तिम पद प्रधान हो उसे तत्पुरुष समास कहते हैं। कर्त्ता कारक और सम्बोधन को छोड़कर शेष सभी कारकों में विभक्तियाँ लगाकर इसका समास विग्रह होता है। जैसे–
गगनचुम्बी– गगन को चूमने वाला अर्थात् गगनचुम्बी में कर्म तत्पुरुष समास है।
26. (b) यदि वाक्य में दोनों लिंग के एकवचन के विभक्ति रहित अनेक कर्त्ता और/या इसी अर्थ में व्यवहृत किसी अन्य अव्यय से संयुक्त हो, तो क्रिया प्रायः बहुवचन और पुल्लिंग होगी।
27. (b) कबीर की उलटबाँसियों में 'अद्भुत रस' की प्रमुखता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।
28. (c) 'छप्पय' रोला एवं उल्लाला छंदो के मिश्रण से बनता है। यह विषम मात्रिक और संयुक्त छंद है। छप्पय छंद में 6 चरण होते हैं। प्रथम चार चरण रोला छंद के होते हैं और आखिरी दो चरण उल्लाला छंद के होते हैं।
29. (d) दो वस्तुओं में समानधर्म के प्रतिपादन को 'उपमा' कहते हैं। उपमा में चार बातें आवश्यक होती हैः-
1. **उपमेय –** जिसकी उपमा दी जाय।
2. **उपमान –** जिससे उपमा की जाय।
3. **समानता वाचक शब्द–** ज्यों, सम, सा, सी, तुल्य इत्यादि।
4. **समानधर्म–** उपमेय और उपमान के समानधर्म को व्यक्त करने वाला शब्द।

उदाहरण – नवल सुन्दर श्याम शरीर की,
सजल नीरद-सी कल कान्ति थी।
शरीर-उपमेय, नीरद कल- उपमान, वाचक शब्द- सी तथा साधारण धर्म-नवल, सुन्दर और कान्ति।
नोट-'लक्षण' उपमालंकार का भेद नहीं है।
30. (b) 'अब सीता चलने लगी है।' वाक्य में आरंभद्योतक पक्ष का बोध हो रहा है।
आरंभद्योतक पक्षः- इस पक्ष में क्रिया के आरंभ होने की स्थिति का बोध होता है। जैसे-अब मोहन खेलने लगा है।
सातत्यद्योतक पक्षः- इस पक्ष में क्रिया की प्रक्रिया की निरन्तरता का बोध होता है। जैसे- रमा कितना स्वादिष्ट भोजन पका रही है।
प्रगतिद्योतक पक्षः- इसमें क्रिया की निरंतर प्रगति का बोध होता है। यथा-अनीता प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।
पूर्णताद्योतक पक्षः- इस पक्ष के अन्तर्गत क्रिया की पूर्ण समाप्ति का ज्ञान होता है। उदाहरण-वह तब तक चला गया था।
क्रिया प्रक्रिया की इकाई के रूप में निम्नवत् वर्गीकरण किया जाता है-
नित्यता द्योतक पक्षः- इस पक्ष के अन्तर्गत क्रिया के आद्यन्त का निश्चय नहीं हो पाता अर्थात् क्रिया सदैव एक समान बनी रहती है।
यथाः-
सूर्य के बाद ही चन्द्रमा का उदय होता है।
अभ्यासद्योतक पक्षः- इस पक्ष के अन्तर्गत क्रिया के नैसर्गिक रूप से होने की सूचना प्राप्त होती है। जैसे- दीपा लगातार पढ़ाई करती थी, इसलिए कक्षा में प्रथम आई।
31. (b) 'बंदर क्या जाने नींबू का स्वाद।' इसमें नींबू के स्थान पर अदरक का प्रयोग होगा। बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद, मुहावरे का अर्थ अज्ञानी व्यक्ति गुणवान वस्तु की कदर नहीं करता है।
32. (d) दिये गये वाक्य 'सामने शेर को दहाड़ता देखकर मेरे प्राण सूख गए' में रेखांकित मुहावरे का अर्थ है–बहुत डर जाना।
मुहावरा–ःऐसा वाक्यांश, जो सामान्य अर्थ का बोध न कराकर किसी विलक्षण अर्थ की प्रतीति कराये, मुहावरा कहलाता है। मुहावरा अरबी भाषा का शब्द है।
33. (b) 'कृष्ण गीतावली' के रचनाकार गोस्वामी तुलसीदास हैं। इनकी रचनाएँ रामललानहछू, वैराग्यसंदीपनी, रामाज्ञाप्रश्न, जानकी-मंगल आदि हैं।
34. (d) दिये गये गद्यांश के अनुसार नैतिक-आत्मिक मूल्यों को विकसित करके हम विज्ञान को भस्मासुर बनने से रोक सकते हैं।
35. (b) हमारी विज्ञानाधृत शिक्षा की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण देन जीवन का अपरिसीम भौतिक विकास है।
36. (a) आधुनिक मानव विकास को सर्वांगीण नहीं कहा जा सकता क्योंकि साहित्य, कला, धर्म आदि मानव-चेतना से निर्वासित हैं।
37. (a) 'अल्मा कबूतरी' पुस्तक को व्यास सम्मान प्राप्त नहीं हुआ है।

रचना	लेखक		व्यास सम्मान वर्ष
कठगुलाब	- मृदुला गर्ग	-	2004
आलोचना का पक्ष	- रमेश चन्द्र शाह	-	2001
पहला गिरमिटिया	- गिरिराज किशोर	-	2000

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET - 47

1. किसका उच्चारण स्थान 'दंत' है?
(a) प (b) न (c) ग (d) च
2. 'आना जाना' में अपेक्षित विराम चिह्न है–
(a) योजक चिह्न (b) पूर्णविराम
(c) प्रश्नवाचक चिह्न (d) अर्द्धविराम
3. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो भाववाचक संज्ञा का सही विकल्प नहीं है।
(a) खारापन (b) ग्राम्य
(c) तेजस्विता (d) चिकनाई
4. '<u>जिसको</u> आपने बुलाया था, वह बाजार गया है।' वाक्य के रेखांकित शब्द में सर्वनाम है :
(a) संबंधवाचक (b) निजवाचक
(c) पुरुषवाचक (d) निश्चयवाचक
5. मैंने प्रतियोगिता में दूसरा स्थान पाया। में विशेषण शब्द है–
(a) मैंने (b) प्रतियोगिता
(c) दूसरा (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
6. राम लक्ष्मण से पत्र लिखवाता है–इस वाक्य में क्रिया का कौन-सा रूप है?
(a) संयुक्त क्रिया (b) पूर्णकालिक क्रिया
(c) अपूर्ण क्रिया (d) प्रेरणार्थक क्रिया
7. रूप के अनुसार क्रिया-विशेषण कितने प्रकार के होते हैं?
(a) एक (b) दो (c) तीन (d) चार
8. इनमें से कौन-सा शब्द 'स्त्रीलिंग' नहीं है?
(a) हिंदी (b) प्रयोग (c) सेवा (d) भाषा
9. इनमें से किस शब्द का प्रयोग हमेशा बहुवचन में होता है?
(a) होठ (b) सूरज (c) पानी (d) सोना
10. 'आप गाएँ तो मैं नाचूँ ।' – इस वाक्य में क्रिया किस काल का बोध करा रही है?
(a) हेतु-हेतुमद् भविष्यत् (b) हेतु-हेतुमद्भूत
(c) अपूर्ण वर्तमान (d) सामान्य वर्तमान
11. 'राम से पत्र लिखे गए।' यह किस वाच्य का उदाहरण है?
(a) कर्मवाच्य (b) कर्तृवाच्य
(c) कर्तृकर्मवाच्य (d) भाववाच्य
12. ''पुस्तक मेज पर है।''-इस वाक्य में कौन-सा कारक है?
(a) अधिकरण कारक (b) संबंध कारक
(c) संप्रदान कारक (d) अपादान कारक
13. 'हुलास' शब्द का तत्सम रूप है –
(a) हिलास (b) विलास
(c) हास्य (d) उल्लास
14. 'सदाचार' शब्द में कौन-सा 'उपसर्ग' प्रयुक्त है?
(a) अव (b) सत्
(c) अचार (d) आ
15. इनमें से कौन-सा प्रत्यय 'लेखक' शब्द के अंत में प्रयुक्त हुआ है?
(a) क (b) आक (c) इक (d) अक
16. किस युग्म का विलोम रूप शुद्ध नहीं है?
(a) संधि - समास (b) औदार्य - अनौदार्य
(c) श्वास – निःश्वास (d) उत्कर्ष - अपकर्ष
17. 'उक्त' शब्द का विलोम है –
(a) अनुक्त (b) उपयुक्त
(c) अनुपयुक्त (d) उपर्युक्त
18. निम्नलिखित में से एक शब्द सूर्य का पर्यायवाची नहीं है:
(a) पतंग (b) अम्बर (c) आदित्य (d) दिनकर
19. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द 'नम' का पर्यायवाची नहीं है?
(a) गीला (b) भीगा (c) आर्द्र (d) आर्द्रा
20. एक का अर्थ 'पुराना' है
(a) चर (b) प्राचीर (c) चीर (d) चिर
21. दिए गए शब्द युग्म का सही शब्द युग्म ज्ञात कीजिए। इत्रः इतर
(a) सत्य : झूठ (b) सुगंध : दूसरा
(c) सुगंध : विरक्त (d) विरक्त : सत्य
22. पृथ्वी, ग्रहों, तारों आदि का स्थान - वाक्यांश के लिए उचित शब्द होगा।
(a) समंदर (b) अन्तरिक्ष
(c) धरती (d) विश्व
23. जो खाने योग्य न हो-
(a) अखाद्य (b) पथ्य (c) अपाच्य (d) अलभ्य
24. देव+इंद्र की संधि से बनने वाला शब्द है :
(a) देवेंद्र (b) देवइंद्र (c) देवींद्र (d) देवोंद्र
25. 'बैलगाड़ी' में समास है :
(a) द्वन्द्व (b) द्विगु (c) अव्ययीभाव (d) तत्पुरुष
26. वचन की दृष्टि से अशुद्ध वाक्य है-
(a) प्रत्येक व्यक्ति यही कहेगा।
(b) हर एक कुआँ मीठे जल का नहीं होता।
(c) मैं उनकी सज्जनता पर मुग्ध हूँ।
(d) उसका प्राण निकल गया।
27. यह देख, गगन मुझमें लय है,
यह देख पवन मुझमें लय है,
मुझमें विलीन झंकार सकल,
मुझमें लय है संचार सकल।
अमरत्व फूलता है मुझमें।
संसार झूलता है मुझमें।
उपरोक्त पंक्तियों में कौन-सा रस है?
(a) रौद्र रस (b) अद्भुत रस
(c) शांत रस (d) वीर रस
28. ''बना लो जहाँ ही वहीं स्वर्ग होगा, स्वयंभूत थोड़ा कहीं स्वर्ग होगा। खलों को कहीं भी नहीं स्वर्ग होगा, भलों के लिए तो यहीं स्वर्ग होगा।' में कौन-सा छन्द है?
(a) मालिनी (b) भुजंगप्रयात (c) उल्लाला (d) वसंततिलका
29. 'बीती विभावरी जाग री
अम्बर-पनघट में डुबो रही
तारा घट उषा नागरी'
उपर्युक्त पंक्तियों में कौन–सा अलंकार है?
(a) यमक (b) उत्प्रेक्षा (c) रूपक (d) उपमा
30. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो वृत्ति के सही भेद का विकल्प हो। जरा मेरी सहायता कीजिए।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

(a) विध्यर्थ (b)निश्चयार्थ (c)संदेहार्थ (d) संकेतार्थ

31. 'एक हाथ से ताली नहीं बजती' मुहावरे का क्या अर्थ है?
(a) झगड़े में दोनों पक्ष दोषी होते हैं।
(b) हर बात पर ताली नहीं बजती।
(c) काम करने के लिए दोनों हाथों की जरूरत होती है।
(d) अकेला आदमी झगड़ा नहीं करता।

32. 'आसमान पर चढ़ाना' मुहावरे का अर्थ क्या होगा?
(a) अत्यधिक अभिमान करना।
(b) अत्यधिक प्रशंसा करना।
(c) बहुत शोर करना।
(d) कठिन काम के लिए प्रेरित करना ।

33. 'रत्नावली' किस कवि की पत्नी थीं?
(a) केशवदास (b) सूरदास
(c) तुलसीदास (d) कबीरदास

अनुच्छेद पढ़कर, दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनिएः-
किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए मन का स्थिर होना बहुत आवश्यक है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते समय मन को इधर-उधर न भटकाएँ और न ही किसी प्रकार का भय मन में आने दें। आपके आड़े कुछ भी नहीं आ सकता। अपने को सदैव अध्ययन और लक्ष्य पर एकाग्र रखें। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना परीक्षार्थी के लिए अत्यन्त जरूरी है। सुबह की सैर, संगीत सुनना भी मन को शांति प्रदान करता है। परीक्षार्थी को भरपूर नींद की भी अत्यन्त जरूरत होती है। इससे परीक्षा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इन सब विषयों पर ध्यान देने के द्वारा परीक्षार्थी सकारात्मक फल को प्राप्त कर सकता है।

34. प्रतियोगी द्वारा परीक्षा की तैयारी करते समय मन को इधर-उधर भटकाने और मन ही मन डरने से या भरपूर तैयारी न करने से क्या होता है?
(a) परीक्षा में असफल होंगे (b) परीक्षा में असफल न होंगे
(c) परीक्षा में शामिल न होंगे (d) परीक्षा में सफल होंगे

35. सफल परीक्षार्थी का क्या लक्षण होता है?
(a) मन को चिंता युक्त रखना
(b) सकारात्मक चिंतन न अपनाना
(c) मन को लक्ष्य पर केन्द्रित करके सदैव अध्ययन करना
(d) नींद में डूबे रहना

36. सुबह की सैर और संगीत सुनने से परीक्षार्थी को क्या लाभ मिलता है?
(a) मन पढ़ाई से विचलित हो जाता है
(b) समय व्यर्थ हो जाता है
(c) मन को शान्ति मिलती है
(d) कोई असर नहीं होता

37. लीलाधर जगूड़ी को किस कृति पर साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ?
(a) इस यात्रा में (b) नाटक जारी है
(c) अनुभव के आकाश में चाँद (d) रात अभी मौजूद है

SOLUTION : PRACTICE SET- 47

ANSWER KEY

1. (b)	9. (a)	17. (a)	25. (d)	33. (c)
2. (a)	10. (a)	18. (b)	26. (d)	34. (a)
3. (b)	11. (a)	19. (d)	27. (b)	35. (c)
4. (a)	12. (a)	20. (d)	28. (b)	36. (c)
5. (c)	13. (d)	21. (b)	29. (c)	37. (c)
6. (d)	14. (b)	22. (b)	30. (a)	
7. (c)	15. (d)	23. (a)	31. (a)	
8. (b)	16. (a)	24. (a)	32. (b)	

SOLUTION

1. (b)
'न' का उच्चारण स्थान 'दंत' है।

वर्ण	-	**उच्चारण स्थल**
क वर्ग, अ, आ	-	कण्ठ।
च वर्ग, इ, ई	-	तालु।
ट वर्ग, ऋ	-	मूर्धा।
त वर्ग,	-	दन्त।
प वर्ग, उ, ऊ	-	ओष्ठ।
ए, ऐ	-	कंठतालव्य।
ओ, औ	-	कण्ठोष्ठ्य।

2. (a)
'आना जाना' में अपेक्षित विराम चिह्न योजक चिह्न (-) है।

विराम चिह्न	**नाम**
(-)	योजक चिह्न
(?)	प्रश्नवाचक चिह्न
(;)	अर्द्ध विराम
(।)	पूर्णविराम

3. (b)
खारापन, तेजस्विता तथा चिकनाई भाववाचक संज्ञा का उदाहरण है, जबकि ग्राम्य जातिवाचक संज्ञा का उदाहरण है।
भाववाचक संज्ञा - जिस शब्द से किसी वस्तु अथवा व्यक्ति के गुण, दशा, भाव, धर्म, अवस्था आदि का बोध होता है। उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

4. (a)
'जिसको आपने बुलाया था, वह बाजार गया है।' वाक्य के रेखांकित शब्द में 'संबंधवाचक सर्वनाम' है।

5. (c)
उपर्युक्त वाक्य में 'दूसरा' शब्द विशेषण है। जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए, उसे विशेषण कहते हैं। 'दूसरा' शब्द निश्चित संख्यावाचक विशेषण का उदाहरण है।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

6. (d)

'राम लक्ष्मण से पत्र लिखवाता है।' इस वाक्य में क्रिया का प्रयोग 'प्रेरणार्थक क्रिया' के रूप में किया गया है।

जिस क्रिया से इस बात का बोध होता है, कि कर्त्ता स्वयं कार्य न करके किसी दूसरे को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। वह प्रेरणार्थक क्रिया कहलाती है।

जैसे–	लिखना	–	लिखाना, लिखवाना
	खाना	–	खिलाना, खिलवाना
	काटना	–	कटाना, कटवाना

7. (c)

'क्रियाविशेषण' ऐसे अविकारी शब्द हैं, जो क्रिया की विशेषता प्रकट करते हैं। रूप के आधार पर क्रियाविशेषण के 3 भेद हैं–

(1) **मूल क्रियाविशेषण –** ऐसे क्रियाविशेषण हैं, जो किसी दूसरे शब्दों के मेल से नहीं बनते हैं; जैसे – ठीक, दूर, अचानक, फिर, नहीं आदि।

(2) **यौगिक क्रिया विशेषण-** जिनका निर्माण किसी दूसरे शब्द में प्रत्यय या पद जोड़ने से होता है; जैसे- प्रतिदिन, घर-बाहर, हरेक, जहाँ-तहाँ, यथाक्रम।

(3) **कारण क्रिया विशेषण**- जो शब्द किसी विशेष कारण या उद्देश्य से क्रिया विशेषण में प्रयुक्त होते हैं उन्हें 'कारण क्रिया विशेषण' कहते हैं। जैसे- 1. वह **खाक** पढ़ेगा।, 2. जाओगे नहीं तो **सिर** चाटोगे।

8. (b)

'प्रयोग' शब्द स्त्रीलिंग नहीं है। यह पुल्लिंग शब्द है।

जबकि हिंदी, सेवा, भाषा शब्द स्त्रीलिंग हैं। जो शब्द हमें स्त्री जाति का बोध कराते हैं वे शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं।

9. (a)

'होठ' शब्द का प्रयोग हमेशा बहुवचन में होता है। एक या एक से अधिक वस्तुओं का बोध कराने वाले शब्दों को वचन कहते हैं। वचन के दो भेद होते हैं।

(1) एकवचन (2) बहुवचन।

10. (a)

'आप गाएँ तो मैं नाचूँ।' यह वाक्य क्रिया के हेतु-हेतुमद् भविष्यत् काल का बोध करा रहा है। क्रिया के जिस रूप से एक कार्य का पूरा होना दूसरे आने वाले समय की क्रिया पर निर्भर करता है उसे हेतु-हेतुमद् भविष्यत् काल कहते हैं। **जैसे**- वह कमाए तो खाए।

11. (a)

कर्मवाच्यः- जिस वाक्य में कर्म मुख्य हो तथा क्रिया के लिंग, वचन, व पुरुष कर्म के अनुसार हो, उसे कर्मवाच्य कहते हैं।

जैसे- 'राम से पत्र लिखे गए'

मोहन द्वारा पुस्तक पढ़ी जा रही है।

12. (a)

वाक्य "पुस्तक मेज पर है।" में अधिकरण कारक है। अधिकरण कारक का विभक्ति चिह्न 'में', 'पर' है। जिस शब्द से क्रिया के आधार का बोध हो, उसे अधिकरण कारक कहते हैं।

13. (d)

'हुलास' का तत्सम रूप है – उल्लास। हँसी का तत्सम हास्य होता है।

14. (b)

'सदाचार' शब्द में 'सत्' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है। वे शब्दांश जो किसी शब्द के पहले जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता उत्पन्न कर देते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।

सत् उपसर्ग से बने शब्द इस प्रकार हैं–

सत्– सत्कर्म, सत्कार, सत्कीर्ति, सज्जन आदि।

15. (d)

दिये गये विकल्प में 'लेखक' शब्द में 'अक' प्रत्यय प्रयुक्त हुआ है। वे शब्दांश जो किसी शब्द के अंत में लगकर उस शब्द के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं अर्थात् नए अर्थ का बोध कराते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।

'अक' प्रत्यय से बनने वाले शब्द- लेखक, पाठक, कारक, गायक आदि

16. (a)

सही सुमेलन निम्नलिखित हैः-

शब्द		**विलोम शब्द**
संधि	–	विग्रह
श्वास	–	निःश्वास
औदार्य	–	अनौदार्य
उत्कर्ष	–	अपकर्ष

17. (a)

उक्त का विलोम **अनुक्त** होता है, जबकि उपयुक्त का विलोम 'अनुपयुक्त' होता है।

18. (b)

'अम्बर' सूर्य का पर्यायवाची नहीं है बल्कि अम्बर शब्द के पर्यायवाची- व्योम, अनन्त, आसमान, आकाश, नभ, गगन आदि।

'आदित्य' सूर्य का पर्यायवाची शब्द है। इसके अन्य पर्याय– पतंग, आदित्य, दिनकर, रवि, भानु, भास्कर, दिवाकर, अर्क, तरणि, सविता, हंस, अंशुमाली, मार्तण्ड आदि।

19. (d)

'आर्द्रा' शब्द 'नम' का पर्यायवाची नही है, जबकि गीला, भीगा, आर्द्र तीनों 'नम' के पर्यायवाची हैं। इसके अन्य पर्यायवाची शब्द हैं – तर, गीला, भीगा आदि। आर्द्रा एक नक्षत्र का नाम है जो आषाढ़ माह के अंतर्गत आता है। इस नक्षत्र में वर्षा एवं खेती का आरम्भ होना उत्तम माना जाता है।

20. (d)

चिर शब्द का अर्थ **पुराना** है। अन्य शब्द के अर्थ इस प्रकार हैं–

शब्द	**अर्थ**
चर	नौकर, दूत
प्राचीर	चहारदीवारी
चीर	कपड़ा

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

21. (b)
शब्द-युग्म इत्रःइतर का सही शब्द-युग्म 'सुगंध–दूसरा' होगा। इत्र का अर्थ सुगंध तथा इतर का अर्थ दूसरा होता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

22. (b)
'पृथ्वी, ग्रहों, तारों आदि का स्थान' वाक्यांश के लिए उचित शब्द है – अंतरिक्ष।

23. (a)
'जो खाने योग्य न हो' अखाद्य कहलाता है। अन्य दिये गये शब्दों के अर्थ इस प्रकार हैं –

शब्द	अर्थ
पथ्य -	(1) पथ संबंधी
	(2) जो स्वास्थ्य के लिए उपयोगी हो।
	(3) रोगी को दिया जाने वाला हल्का भोजन।
अपाच्य -	(1) जो पच न सके
अलभ्य -	(1) जो न मिलता हो। (2) दुर्लभ।

24. (a)
'देव+इन्द्र' की संधि से बनने वाला शब्द 'देवेन्द्र' है। यह गुण स्वर संधि का उदाहरण है। यदि ह्रस्व या दीर्घ 'अ' के बाद ह्रस्व या दीर्घ इ, उ, ऋ आये तो क्रमशः ए, ओ तथा अर् हो जाता है।

25. (d)
'बैलगाड़ी' में तत्पुरुष समास है। इस समास में बाद का अथवा उत्तरपद प्रधान होता है तथा दोनों पदों के बीच कारक चिह्न का लोप होता है। जैसे– राजकुमार (राजा का कुमार), शोकग्रस्त (शोक से ग्रस्त)
बैलगाड़ी = बैलों से चलने वाली गाड़ी।

26. (d)
दिये गये विकल्पों में से 'उसका प्राण निकल गया' वाक्य अशुद्ध है क्योंकि 'प्राण' शब्द बहुवचन होता है इसलिए शुद्ध वाक्य इस प्रकार होगा– उसके प्राण निकल गये।

27. (b)
दिये गये पद्यांश में अद्भुत रस है। अद्भुत रस का स्थायी भाव आश्चर्य होता है। जब व्यक्ति के मन में विचित्र या आश्चर्य जनक वस्तु देखकर जो भाव उत्पन्न होता है उसे अद्भुत रस कहते हैं।

28. (b)
'बना लो जहाँ ही वहीं स्वर्ग होगा, स्वयंभूत थोड़ा कहीं स्वर्ग होगा। खलों को कहीं भी नहीं स्वर्ग होगा, भलों के लिए तो यहीं स्वर्ग होगा।।' उक्त पंक्तियों में 'भुंजगप्रयात' छंद है। यह एक वर्णिक छन्द है। इसके प्रत्येक चरण में कुल 12 वर्ण होते हैं।

29. (c)
उक्त पंक्ति में 'रूपक अलंकार' है। इसमें अम्बर (उपमेय) पर 'पनघट' (उपमान) का 'तारा' (उपमेय) पर 'घट' (उपमान) का तथा 'उषा' (उपमेय) पर 'नागरी' (उपमान) का अभेद आरोप है। अतः इन पंक्तियों में **रूपक अलंकार** है।

30. (a)
दिए गए वाक्य 'जरा मेरी सहायता कीजिए' में 'सहायता कीजिए' इच्छा बोधक है, अतः 'कीजिए' क्रिया रूप से 'विध्यर्थ' का बोध होता है।
विध्यर्थ- विध्यर्थ का अर्थ है- 'विधि सम्बन्धी तात्पर्य अथवा क्रिया करने का भाव।'

31. (a)
'एक हाथ से ताली नहीं बजती' मुहावरे का सही अर्थ है-झगड़े में दोनों पक्ष दोषी होते हैं। अन्य विकल्प दिये गये मुहावरे से असंगत हैं।

32. (b)
दिये गये मुहावरे 'आसमान पर चढ़ाना' का अर्थ है- अत्यधिक प्रशंसा करना।
वाक्य प्रयोग - रमेश ने अपने बेटे को आसमान पर चढ़ा रखा है इसलिए वह उन लोगों की बात नहीं मानता है।

33. (c)
'तुलसीदास' की पत्नी का नाम 'रत्नावली' था। तुलसीदास भक्तिकालीन रामभक्तिशाखा के प्रमुख कवि हैं। इसकी प्रसिद्ध रचना-रामचरितमानस है। जबकि 'सूरदास' भक्तिकाल में कृष्ण भक्तिशाखा के प्रमुख कवि हैं। इनकी रचना-सूरसागर, साहित्य लहरी, सूरसारावली आदि हैं। 'केशवदास' रीतिकाल के प्रमुख कवि हैं। इनकी रचनाएँ- कविप्रिया, रसिक प्रिया, विज्ञानगीता आदि हैं। 'कबीरदास' भक्तिकाल में निर्गुण काव्यधारा के अंतर्गत ज्ञानाश्रयी शाखा के प्रमुख कवि हैं। इनकी रचना- साखी,सबद, रमैनी है।

34. (a)
किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त करने के लिए मन का स्थिर होना बहुत आवश्यक है। यदि कोई प्रतियोगी तैयारी के दौरान मन को इधर-उधर भटकाता है, मन ही मन डरता है और भरपूर नींद नहीं लेता है तो वह परीक्षा में असफल होगा।

35. (c)
सफल विद्यार्थी मन को इधर-उधर भटकाए बिना अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देते हुए मन को लक्ष्य पर केन्द्रित करके अध्ययन करता है।

36. (c)
सुबह की सैर और संगीत सुनने से मन को शांति मिलती है।

37. (c)
लीलाधर जगूड़ी को उनकी प्रसिद्ध कृति 'अनुभव के आकाश में चाँद' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह सम्मान उन्हें सन् 1997 में दिया गया। इनकी प्रमुख रचनाएं- शंखमुखी शिखरों पर, बची हुई पृथ्वी, घबराए हुए शब्द, भय भी शक्ति देता है, महाकाव्य के बिना, खबर का मुँह विज्ञापन से ढका है आदि।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET - 48

1. निम्नलिखित में से किस व्यंजन का उच्चारण तालु से होता है?
(a) ट (b) ग (c) ज (d) म

2. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो विराम चिह्न युक्त वाक्य का सही विकल्प हो।
(a) वर्णों के आधार पर संधि के तीन भेद होते हैं– स्वर संधि व्यंजन संधि और विसर्ग संधि
(b) वर्णों के आधार पर संधि के तीन भेद होते हैं – "स्वर संधि, व्यंजन संधि और विसर्ग संधि।"
(c) वर्णों के आधार पर संधि के तीन भेद होते हैं स्वर संधि, व्यंजन संधि और विसर्ग संधि।
(d) वर्णों के आधार पर संधि के तीन भेद होते हैं – स्वर संधि, व्यंजन संधि और विसर्ग संधि।

3. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो भाववाचक संज्ञा का सही विकल्प नहीं है।
(a) मिठास (b)चालाक (c)राष्ट्रीयता (d) सरलता

4. 'जिसको आपने बुलाया था, वह विद्यालय गया है।' प्रस्तुत वाक्य में कौन-से सर्वनाम का प्रयोग हुआ है?
(a) उत्तम पुरुषवाचक (b) प्रश्नवाचक
(c) निजवाचक (d) संबंधवाचक

5. 'पहली पुस्तक वापस करो' में 'पहली' में कौन-सा विशेषण है?
(a) गणना वाचक विशेषण (b) क्रमवाचक विशेषण
(c) आवृत्तिवाचक विशेषण (d) गुणवाचक विशेषण

6. 'माँ ने पिताजी से सामान मँगवाया' यहाँ क्रिया का कौन-सा रूप है।
(a) अकर्मक क्रिया (b) आज्ञार्थक क्रिया
(c) द्विकर्मक क्रिया (d) प्रेरणार्थक

7. क्रिया विशेषण एक भेद है-
(a) अव्यय का (b) विशेषण का
(c) निपात का (d) वाच्य का

8. इनमें कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग नहीं है?
(a) देश (b) मिट्टी (c) जमीन (d) भूमि

9. इनमें से 'कागज' शब्द का बहुवचन क्या होगा?
(a) कागज (b) कागजें (c)कागजात (d) कागजों

10. वर्तमान काल के कितने भेद हैं?
(a) 2 (b) 3 (c) 4 (d) 5

11. इनमें से भाववाच्य का उदाहरण कौन-सा है?
(a) आम खाया जाता है। (b) मैंने पुस्तक पढ़ी।
(c) पुस्तक पढ़ी जाती है। (d) धूप में चला नहीं जाता।

12. दिए गए वाक्य का कारक ज्ञात कीजिए।
ऐ रमेश, यहाँ आओ।
(a) अधिकरण (b) कर्ता (c)संबोधन (d) करण

13. उछाह का तत्सम बताइये?
(a) उत्साह (b) उगाह (c)उल्लास (d) उज्जड़

14. 'निष्काम' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) निर (b) निस् (c) निष् (d) निह

15. 'पढ़नेवाला' में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है?
(a) देशज (b) तद्धित (c)कृदन्त (d) विदेशज

16. दिए गए बाईं ओर के शब्दों को दाईं ओर के उनके विलोम शब्दों से मिलाइए–

1.	स्थूल	A.	स्नेहारिक्त
2.	स्नेहासिक्त	B.	सूक्ष्म
3.	विराट	C.	सस्वर
4.	मौन	D.	क्षुद्र

(a) 1-C, 2-D, 3-A, 4-B (b) 1-B, 2-A, 3-D, 4-C
(c) 1-A, 2-B, 3-D, 4-C (d) 1-D, 2-C, 3-B, 4-A

17. 'उपकार' शब्द का विलोम है –
(a) विकार (b) अनुपकार (c) अपकार (d) तिरस्कार

18. निम्नांकित शब्दों में से एक शब्द 'माता' का पर्यायवाची नहीं है, वह है–
(a) अम्ब (b) अम्बु (c) अम्बा (d) जननी

19. इनमें से कौन-सा शब्द 'इंद्र' का पर्यायवाची नहीं है?
(a) जीमूतवाहन (b) वासव
(c) शक्र (d) पुलोमजा

20. जलज का अर्थ है –
(a) कमल (b) नक्षत्र
(c) जाला (d) अग्नि

21. 'अनु' का अर्थ .... होता है, परन्तु 'अणु' का अर्थ कण होता है। ये समरूपी भिन्नार्थक शब्द हैं।
(a) छोटा (b) पीछे
(c) बारीक (d) सिलवट

22. 'जिसे प्रमाण द्वारा सिद्ध न किया जा सके' उसके लिए सही शब्द है-
(a) अप्रमाणित (b) अनुप्रमेय
(c) अप्रमेय (d) अप्रामाणिक

23. जिसके पास घर न हो-
(a) गृही (b) अनिकेत
(c) अभिषेक (d) अकिंचन

24. नीचे दिए गए उदाहरणों के साथ संधि का नाम किस विकल्प में अशुद्ध है?
(a) सदैव – वृद्धि संधि (b) दिगंबर – व्यंजन संधि
(c) वनोत्सव – दीर्घ संधि (d) महार्णव – दीर्घ संधि

25. शास्त्रप्रवीण महाविद्यालय में पीतांबर धारण करने आते हैं। इस वाक्य में तत्पुरुष समास कौन-से शब्द में है?
(a) शास्त्रप्रवीण (b) महाविद्यालय
(c) पीतांबर (d) धारण करके

26. 'मैंने अपना हस्ताक्षर कर दिया।' इस त्रुटियुक्त वाक्य के लिए निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य पहचानें।
(a) मैंने हस्ताक्षर कर दिया।
(b) मैंने अपने हस्ताक्षर कर दिए।
(c) मैंने अपना हस्ताक्षर कर दिए।
(d) मैंने हस्ताक्षर कर दिए।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

27. 'अब लौ नसानी अब न नसैहों', इसमें कौन सा रस है?
(a) करुण रस (b) अद्भुत रस
(c) शांत रस (d) वीर रस

28. प्रथम और तीसरे चरणों को क्या कहा जाता है?
(a) विषम चरण (b) सम चरण
(c) सम और विषम चरण दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

29. 'फूले काँस सकल महि छाई। जनु बरसा रितु प्रकट बुढ़ाई।' इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
(a) यमक अलंकार (b) रूपक अलंकार
(c) उत्प्रेक्षा अलंकार (d) श्लेष अलंकार

30. संक्षेपण मूल पाठ से कितने कम शब्दों में लिखना चाहिए?
(a) आधे (b) एक-तिहाई
(c) तीन-चौथाई (d) दो-तिहाई

31. 'घोंघा बसंत' मुहावरे का अर्थ है-'
(a) वश में होना (b) मूर्ख
(c) बुद्धिमान (d) व्यवहार कुशल

32. 'घी के दिए जलाना' मुहावरे का सही अर्थ क्या है?
(a) मर जाना।
(b) बुराई करना।
(c) जरूरत से ज्यादा बड़ाई करना ।
(d) खुशियाँ मनाना।

33. दोहावली किसकी रचना है?
(a) कबीरदास (b) तुलसीदास
(c) सूरदास (d) रहीमदास

अनुच्छेद पढ़कर, दिए गए सवालों के सही जवाब चुनिए–

सभ्यता का कोशगत अर्थ है-भलमानसी-सज्जनता अतः सभ्यता के अंतर्गत सामाजिक व्यवहार, रहन-सहन, शिष्टाचार, अभिवादन की प्रणालियाँ, सम्मानजनक व्यवहार की रीतियाँ, विनम्रता कृतज्ञता ज्ञापन आदि उदात्त मानवीय तत्व आ जाते हैं। इसके साथ ही रहन-सहन, खान-पान, रीति-रिवाज तथा उत्सव आदि का जो भी समावेश किसी देश या जाति विशेष में उपलब्ध होता है, सभ्यता के अंतर्गत आता है। किसी देश, जाति का चिन्तन, धार्मिक क्रियाएँ आदि भी सभ्यता में समाहित हो जाते हैं। अतः संक्षेप में सभ्यता किसी देश विशेष के बाह्याचार, शिष्टाचार और व्यवहार को कहते हैं। सभ्यता की प्रणालियाँ किसी जाति विशेष की सामाजिक प्रथाओं से संबद्ध होती है।

34. सामाजिक व्यवहार, रहन-सहन, शिष्टाचार, अभिवादन की प्रणालियाँ, सम्मानजनक व्यवहार की रीतियाँ, विनम्रता, कृतज्ञता ज्ञापन आदि उदात्त मानवीय तत्वों को कुल मिलाकर क्या कहा जाता है?
(a) राष्ट्र प्रेम (b) सभ्यता
(c) मनुष्यता (d) भाईचारा

35. धार्मिक क्रियाओं को किसका भाग माना जाता है?
(a) धर्म प्रचार का (b) पूजा-पाठ का
(c) शिष्टाचार का (d) सभ्यता का

36. किसी भी समाज में किसी जाति-विशेष में फैली हुई प्रथाओं का संबंध किससे होता है?
(a) जातिप्रथा से (b) धार्मिक व्यवहारों से
(c) मनुष्यता से (d) सभ्यता की प्रणालियों से

37. ममता कालिया को 'दुक्खम सुक्खम' उपन्यास के लिए कौन-सा पुरस्कार प्राप्त हुआ?
(a) ज्ञानपीठ पुरस्कार (b) साहित्य अकादमी पुरस्कार
(c) व्यास सम्मान (d) मूर्तिदेवी पुरस्कार

SOLUTION : PRACTICE SET- 48

ANSWER KEY

1. (c)	9. (c)	17. (c)	25. (a)	33. (b)
2. (d)	10. (d)	18. (b)	26. (d)	34. (b)
3. (b)	11. (d)	19. (d)	27. (c)	35. (d)
4. (d)	12. (c)	20. (d)	28. (a)	36. (d)
5. (b)	13. (a)	21. (b)	29. (c)	37. (c)
6. (d)	14. (b)	22. (c)	30. (b)	
7. (a)	15. (c)	23. (b)	31. (b)	
8. (a)	16. (b)	24. (c)	32. (d)	

SOLUTION

1. (c)
'ज' वर्ण का उच्चारण तालु से होता है।

वर्ण	उच्चारण स्थल
अ, आ, क वर्ग ह	कंठ्य ध्वनि
इ, ई, च वर्ग, य, श	तालव्य ध्वनि
ऋ, ट वर्ग, ष, र	मूर्धन्य ध्वनि
त वर्ग, स, ल	दंत्य ध्वनि
उ, ऊ, प वर्ग	ओष्ठ्य ध्वनि

2. (d) दिये गये विकल्पों में निम्न वाक्य में विराम चिह्न का शुद्ध प्रयोग हुआ है–
शुद्ध वाक्य– वर्णों के आधार पर सन्धि के तीन भेद होते हैं– स्वर संधि, व्यंजन संधि और विसर्ग संधि।

3. (b) भाववाचक संज्ञा का सही विकल्प 'चालाक' नहीं होगा। भाववाचक संज्ञा से किसी स्थिति, भाव, गुण, कर्म या धर्म का ज्ञान होता है। भाववाचक संज्ञा की गणना नहीं हो सकती। जैसे - मोह, लोभ, लालच, आनंद, पढ़ाई, लिखाई, वीरता, धैर्य, गुस्सा, बुढ़ापा, जवानी इत्यादि।

4. (d) 'जिसको आपने बुलाया था, वह विद्यालय गया है।' प्रस्तुत वाक्य में संबंधवाचक सर्वनाम का प्रयोग हुआ है, ऐसे सर्वनाम, जो प्रधान उपवाक्य में आये संज्ञा या सर्वनाम से संबंध जोड़ने का कार्य करते हैं, उसे संबंधवाचक सर्वनाम कहते हैं।
जैसे- जिसको पैसा मिलेगा, वह काम क्यों नहीं करेगा।
वह लड़का पकड़ा गया, जो कल यहाँ आया था।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

5. (b) जिन शब्दों के द्वारा संख्या में क्रम का बोध होता है, उन्हें क्रमवाचक विशेषण कहते हैं।
जैसे :- पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा, आठवां।
6. (d) 'माँ ने पिता जी से सामान मँगवाया' यहाँ प्रेरणार्थक क्रिया का रूप प्रयुक्त है। जब कर्त्ता स्वयं क्रिया का सम्पादन न करके किसी अन्य के द्वारा उसे पूर्ण कराता है तो ऐसी क्रिया को प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं। 'ना' व 'वाना' प्रत्यय का प्रयोग करके इस क्रिया का निर्माण किया जाता है। जैसे–हटवाना, पकवाना, मँगवाना, जगाना, सुलाना, दबवाना, लिखवाना, पढ़वाना आदि।
7. (a) अव्यय के मुख्यतः चार भेद हैं- क्रिया विशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक। किसी भी भाषा के वे शब्द जिनके रूप में लिंग, वचन, पुरुष, कारक आदि के कारण कोई विकार उत्पन्न नहीं होता वे शब्द 'अव्यय' कहलाते हैं।
8. (a) 'देश' शब्द स्त्रीलिंग नहीं है। देश, उपजाति, देशवासी, जाति, सागर, वार और ग्रह पुल्लिंग होते हैं। मिट्टी, जमीन, भूमि आदि शब्द स्त्रीलिंग हैं।
9. (c) 'कागज' शब्द का बहुवचन 'कागजात' होगा। शेष शब्द अशुद्ध हैं।
10. (d) वर्तमान काल के कुल 5 भेद हैं-
1. सामान्य वर्तमान 2. तात्कालिक वर्तमान
3. पूर्ण वर्तमान 4. संदिग्ध वर्तमान 5. सम्भाव्य वर्तमान।
11. (d) वाक्य 'धूप में चला नहीं जाता' में भाववाच्य है। वाच्य क्रिया के उस रूपान्तर को कहते हैं। जिससे कर्ता, कर्म और भाव के अनुसार क्रिया के परिवर्तन का ज्ञान होता है।
वाच्य के भेद- (1) कर्तृवाच्य (2) कर्मवाच्य (3) भाववाच्य।
जिस वाक्य में अकर्मक क्रिया का भाव मुख्य हो, उसे भाववाच्य कहते हैं।
12. (c) दिए गए वाक्य 'ऐ रमेश, यहाँ आओ।' में संबोधन कारक होगा।
संबोधन कारक - संज्ञा के जिस रूप से किसी को पुकारने या सावधान करने का बोध होता है, उसे 'सम्बोधन कारक' कहते हैं।
13. (a) 'उछाह' का तत्सम 'उत्साह' होता है।
14. (b) 'निष्काम' में निस् उपसर्ग का प्रयोग हुआ है। 'निस्' उपसर्ग से बनने वाले शब्द– निष्कर्ष, निष्करुण, निष्क्रिय, निष्कासन, निष्क्रमण
उपसर्ग वे शब्दांश होते हैं, जो मूल शब्दों के आगे प्रयुक्त होकर शब्दों के अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं।
15. (c) 'पढ़नेवाला' में कृदन्त प्रत्यय का प्रयोग हुआ है।
प्रत्यय वे शब्दांश होते हैं जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में विशेषता उत्पन्न कर देते हैं।
प्रत्यय दो प्रकार के होते हैं– 1. कृदन्त प्रत्यय, 2. तद्धित प्रत्यय
कृदन्त प्रत्यय सदैव क्रिया पदों के साथ जोड़े जाते हैं, जबकि तद्धित प्रत्यय सदैव संज्ञा पदों से जोड़े जाते हैं।
16. (b)

शब्द		**विलोम**
स्थूल	-	सूक्ष्म
स्नेहासिक्त	-	स्नेहारिक्त
विराट	-	क्षुद्र/सूक्ष्म
मौन	-	सस्वर

17. (c) 'उपकार' शब्द का विलोम 'अपकार' है न कि विकार, अनुपकार और तिरस्कार।
18. (b) 'अम्बु' शब्द माता का पर्यायवाची नहीं है अपितु 'पानी' का पर्यायवाची हैं अम्ब, अम्बा, जननी, मातृ, धात्री आदि माता के पर्यायवाची हैं।
19. (d) पुलोमजा शब्द 'इन्द्र' का पर्यायवाची नहीं है। इन्द्र के पर्यायवाची- देवेन्द्र, सुरेश, सुरपति, वज्री, वासव, वज्रधर, वृषा, शचीश, अमरपति, सुरेन्द्र, शक्र, पुरंदर, देवराज, मघवा, महेन्द्र, मेघवाहन, जीमूतवाहन आदि। पुलोमजा, इन्द्राणी का पर्यायवाची शब्द है।
20. (d) 'जलज' शब्द का सही अर्थ कमल होगा जबकि नक्षत्र तथा जाला असंगत हैं। जलज का अनेकार्थी शब्द है- मोती, शंख, मछली, जोंक, चन्द्रमा, आदि।
21. (b) दिये गये रिक्त स्थान में 'पीछे' शब्द भरा जायेगा अतः पूर्ण वाक्य–'अनु' का अर्थ 'पीछे' होता है, परन्तु 'अणु' का अर्थ कण होता है।
22. (c) 'जिसे प्रमाण द्वारा सिद्ध न किया जा सके – अप्रमेय।
जो प्रमाणित न हो–अप्रमाणित। जिसका कोई प्रमाण न हो– अप्रामाणिक।
23. (b) 'जिसके पास घर न हो' को 'अनिकेत' कहा जाता है। अन्य विकल्पों के अर्थ इस प्रकार हैं –

शब्द	**अर्थ**
अभिषेक -	(1) जल छिड़कना, (2) राजा के सिंहासनारोहण का अनुष्ठान
अकिंचन -	(1) बहुत गरीब, (2) जिसके पास कुछ भी न हो

24. (c) सदैव – वृद्धि संधि = सदा + एव
दिगंबर – व्यंजन संधि = दिक् + अम्बर
महार्णव – दीर्घ संधि = महा + अर्णव
वनोत्सव – गुण संधि = वन + उत्सव
नियम- अ + उ = ओ
25. (a) 'शास्त्रप्रवीण महाविद्यालय में पीतांबर धारण करने आते हैं' वाक्य में 'शास्त्रप्रवीण' शब्द में तत्पुरुष समास है। इसका समास विग्रह 'शास्त्र में प्रवीण' होगा। प्रस्तुत शब्द में अधिकरण तत्पुरुष है।
26. (d) 'हस्ताक्षर' नित्य बहुवचन शब्द है, अतः क्रिया भी बहुवचन की होगी। इस त्रुटिपूर्ण वाक्य का शुद्ध रूप होगा– मैंने हस्ताक्षर कर दिए।
27. (c) दिए हुए प्रश्न के दी गयी पंक्ति में 'शांत रस' का प्रयोग हुआ है।
शांत रस– जब मनुष्य मोह-माया को त्याग कर सांसारिक कार्यों से मुक्त हो जाता है और वैराग्य धारण कर परमात्मा के वास्तविक स्वरूप का दर्शन करता है तो मनुष्य के मन को जो शांति मिलती है, उसे शांत रस कहते हैं। इस रस का स्थायी भाव –निर्वेद होता है।
28. (a) छंद के प्रथम और तीसरे चरण को विषम चरण तथा द्वितीय एवं चतुर्थ चरण को सम चरण कहा जाता है। छंद को पढ़ते समय ठहराव को 'यति' कहते हैं छंद में पदों के अंत में अक्षरों के परस्पर समानता को 'तुक' कहा जाता है।
29. (c) उपर्युक्त पंक्ति में 'उत्प्रेक्षा अलंकार' है।
'जहाँ उपमान के न होने पर उपमेय को ही उपमान मान लिया जाता है, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है।'
उदाहरण →
सोहत ओढ़े पीत पट, स्याम सलोने गात।
मनो नील मनि सैल पर आतप परयो प्रभात।
उत्प्रेक्षा अलंकार में वाचक शब्दों के रूप में जनु, जानौ, मनु, मानो, मनहुँ, जनहुँ आदि का प्रयोग किया जाता है।
30. (b) 'संक्षेपण' एक स्वत: पूर्ण रचना है। किसी विस्तृत विवरण, सविस्तार व्याख्या, वक्तव्य, पत्र व्यवहार या लेख के तथ्यों और निर्देशों के ऐसे संयोजन को संक्षेपण कहते हैं, जिसमें अप्रासंगिक, असम्बद्ध, पुनरावृत्त और अनावश्यक बातों का त्याग तथा सभी अनिवार्य, उपयोगी तथा मूल तथ्यों का प्रवाहपूर्ण संक्षिप्त संकलन हो। संक्षेपण मूल पाठ से 'एक तिहाई' शब्दों में लिखा जाना चाहिए। पूर्णता, स्पष्टता, भाषा की सरलता, शुद्धता और प्रवाहपूर्ण क्रमबद्धता इसकी अन्य विशेषतायें हैं।
31. (b) 'घोंघा बसंत' मुहावरे का अर्थ है- मूर्ख। वाक्य प्रयोग- रवि 'घोंघा बसंत' ही था जो उसने अजय को कुश्ती में चुनौती दिया।
32. (d) दिये गये मुहावरे 'घी के दिए जलाना' का अर्थ है- खुशियाँ मनाना ।
वाक्य प्रयोग - राम के अयोध्या वापस लौटने पर अयोध्यावासियों ने घी के दिए जलाए।
33. (b) 'दोहावली' तुलसीदास जी की रचना है। इनकी प्रमुख रचनाएँ - हनुमान बाहुक, गीतावली, कृष्णगीतावली आदि हैं।
34. (b)
उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार- सामाजिक व्यवहार, रहन-सहन, शिष्टाचार, अभिवादन की प्रणालियाँ, सम्मानजनक व्यवहार की रीतियाँ, विनम्रता, कृतज्ञता ज्ञापन आदि उदात्त मानवीय तत्वों को कुल मिलाकर 'सभ्यता' कहा जाता है।
35. (d) उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार- धार्मिक क्रियाओं को 'सभ्यता' का भाग माना जाता है।
36. (d) उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार- 'सभ्यता की प्रणालियाँ किसी जाति विशेष की सामाजिक प्रथाओं से संबद्ध होती हैं।' अर्थात् किसी भी समाज में किसी जाति-विशेष में फैली हुई प्रथाओं का संबंध 'सभ्यता की प्रणालियों' से होता है।
37. (c) ममता कालिया को 'दुक्खम सुक्खम' उपन्यास के लिए व्यास सम्मान (2017) प्राप्त हुआ। ममता कालिया के प्रमुख उपन्यास हैं– बेघर, नरक दर नरक, लड़कियाँ, एक पत्नी के नोट्स आदि।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET - 49

1. निम्नलिखित में कौन-सा ऊष्म व्यंजन है?
(a) फ (b) भ
(c) ढ (d) ह

2. दिए गए वाक्य में उपयुक्त विराम चिह्न का चयन कीजिए।
जून जुलाई में यहाँ बहुत बारिश होती है।
(a) , (b) " "
(c) :- (d) –

3. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो भाववाचक संज्ञा का सही विकल्प नहीं है।
(a) बूढ़ा (b) फैलाव
(c) परिष्कार (d) प्रयोग

4. निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा एक वाक्य सम्बन्धवाचक सर्वनाम का उदाहरण नहीं है?
(a) जो व्यक्ति आपत्ति में विचलित नहीं होता, वह अवश्य अपनी मंजिल पाता है।
(b) यह अच्छा विचार है।
(c) जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है, वह स्वयं उसमें गिरता है।
(d) जिसे चोट लगती है, वही पीर समझता है।

5. क्रमवाचक विशेषण का उदाहरण कौन-सा है?
(a) तीन (b) चौगुना
(c) दो (d) दूसरा

6. 'पंडित जी हवन करा कर कथा कह रहे हैं' में 'करा कर' में कौन सी क्रिया है?
(a) संयुक्त क्रिया (b) नामधातु क्रिया
(c) मुख्य क्रिया (d) पूर्वकालिक क्रिया

7. निम्नलिखित में से वह वाक्य छांटिए, जिसमें क्रिया विशेषण का प्रयोग किया गया है।
(a) यहाँ कैसे-कैसे लोग एकत्र हुए हैं।
(b) वह काली गाय घास चर रही है।
(c) मुझसे खट्टा फल नहीं खाया जाता।
(d) तुम जी जान लगाकर पढ़ रहे हो।

8. 'भगवान' शब्द का स्त्रीलिंग शब्द दिए गए विकल्पों में से कौन-सा है?
(a) भगवती (b) भाग्यवती
(c) भागिनी (d) भाग्यवान

9. इनमें से 'एक' का बहुवचन क्या है?
(a) अनेकों (b) अनेक
(c) एकैक (d) इनमें से कोई नहीं

10. 'अध्यापिका नृत्य सिखाएंगी।'- इस वाक्य में क्रिया किस काल का बोध करा रही है?
(a) सामान्य भविष्यत् (b) सामान्य वर्तमान
(c) अपूर्ण वर्तमान (d) सामान्य भूत

11. 'आम खाया जाता है।' में कौन-सा वाच्य है?
(a) कर्तृवाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) भाववाच्य (d) क्रियावाच्य

12. इनमें से संबंध कारक का चिह्न कौन-सा है?
(a) की (b) हे
(c) से (d) को

13. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तत्सम नहीं है?
(a) उर्वर (b) कोंकण (c) उलझन (d) कोण

14. 'अलंकार' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(a) अलम् (b) अल
(c) अ (d) कार

15. 'महत्त्व' में कौन-सा प्रत्यय है?
(a) महत (b) व
(c) त्व (d) मह

16. किस विकल्प में सही विलोम-युग्म नहीं है?
(a) सुगम-संगम (b) भोक्ता-भोग्य
(c) प्रसन्न- विपण्ण (d) समास-व्यास

17. 'ईप्सित' शब्द का विलोम है
(a) अनीप्सित (b) अभीप्सित
(c) अधीप्सित (d) कुत्सित

18. इनमें से कौन-सा शब्द 'आलोचना' का पर्यायवाची शब्द नहीं है?
(a) समीक्षा (b) टिप्पणी
(c) नुक्ताचीनी (d) सोचना

19. इनमें से कौन-सा शब्द 'संपर्क' का पर्यायवाची शब्द नहीं है?
(a) मिलन (b) संयोग
(c) इश्क (d) भेंट

20. जल, प्राण, पुत्र इनमें से किस शब्द के अनेकार्थी हैं?
(a) तत्व (b) सार
(c) जीवन (d) औषधि

21. 'अनिष्ट' का अर्थ .... होता है, परन्तु 'अनिष्ठ' का अर्थ निष्ठाहीन होता है। ये समरूपी भिन्नार्थक शब्द हैं।
(a) हानि (b) गुस्सा (c) निर्भय (d) प्रलोभन

22. 'जो क्षीण न हो सके' – उसके लिए उपयुक्त शब्द है –
(a) अमित (b) अपार
(c) अक्षय (d) अनंत

23. 'आद्यन्त' शब्द का अर्थ है-
(a) जिसका अन्त न हो (b) अन्त से पूर्व
(c) आदि से अन्त तक (d) जिसका अन्त निश्चित हो

24. 'धरेश' का सही संधि विच्छेद है-
(a) धराः + अश (b) धरा + इश
(c) धरा + ईश (d) धर + ईश

25. पथभ्रष्ट में कौन-सा समास है?
(a) अव्ययीभाव (b) द्वन्द्व
(c) तत्पुरुष (d) कर्मधारय

26. यह जूते अच्छे हैं। यह वाक्य कहाँ पर अशुद्ध है?
(a) यह (b) जूते
(c) अच्छे (d) अशुद्ध नहीं है

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

27. **'भक्तिरस' के प्रतिष्ठापक आचार्य इनमें से कौन हैं?**
(a) रूपगोस्वामी (b) आचार्य भरत
(c) आचार्य विश्वनाथ (d) आचार्य मम्मट

28. **'सरसी' छन्द में होती है –**
(a) 27 मात्राएँ, 16, 11 पर यति, अंत में लघु – गुरु
(b) 28 मात्राएँ 16, 12 पर यति, अंत में लघु – गुरु
(c) 28 मात्राएँ, 16, 12 पर यति, अंत में गुरु – लघु
(d) 27 मात्राएँ, 16, 11 पर यति, अंत में गुरु – लघु

29. **तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाये।**
झुके कूल सों जल परसन हित मनहुं सुहाये।
इस कविता की दूसरी पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?
(a) अनुप्रास (b) रूपक (c) यमक (d) उत्प्रेक्षा

30. **साहित्य के क्षेत्र में प्रथम नोबेल पुरस्कार किसे मिला?**
(a) रवीन्द्रनाथ टैगोर (b) अमर्त्य सेन
(c) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (d) मैथिलीशरण गुप्त

31. **इनमें से मुहावरों तथा उसके अर्थ का सुमेल कीजिए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए।**

मुहावरा	अर्थ
(क) छाती लगाना	(अ) प्रसन्नता से फूले न समाना
(ख) छाती पर साँप लोटना	(ब) बहुत अधिक दुःख या वेदना होना
(ग) छाती उमड़ना	(स) ईर्ष्या के कारण व्यथित होना
(घ) छाती फटना	(द) आलिंगन करना

	क	ख	ग	घ
(a)	द	अ	ब	स
(b)	अ	स	द	ब
(c)	द	स	अ	ब
(d)	ब	द	अ	स

32. **'कान कतरना' मुहावरे का अर्थ क्या है?**
(a) क्षमा माँगना।
(b) बहुत अधिक चालाक होना।
(c) गलती स्वीकारना।
(d) बुरा काम करना।

33. **विनयपत्रिका किसकी रचना है?**
(a) तुलसीदास (b) सूरदास
(c) कालिदास (d) कबीरदास

अनुच्छेद पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए :
''आवश्यकता इस बात की है कि हमारी शिक्षा का माध्यम भारतीय भाषा हो, जिसमें राष्ट्र के हृदय-मन-प्राण के सूक्ष्मतम और गम्भीरतम संवेदन मुखरित हों और हमारा पाठ्यक्रम यूरोप तथा अमेरिका के पाठ्यक्रम आधारित न होकर हमारी अपनी सांस्कृतिक परम्पराओं एवं आवश्यकताओं का प्रतिनिधित्व करें। भारतीय भाषाओं, भारतीय इतिहास, भारतीय दर्शन, भारतीय धर्म और भारतीय समाजशास्त्र को हम सर्वोपरि स्थान दें। उन्हें अपने शिक्षाक्रम में गौण स्थान देकर या शिक्षित जन को उनसे वंचित रखकर हमने राष्ट्रीय संस्कृति में एक महान रिक्ति को जन्म दिया है, जो नयी पीढ़ी को भीतर से खोखला कर रहा है। हम राष्ट्रीय परम्परा से ही नहीं, सामयिक जीवन प्रवाह से भी दूर जा पड़े हैं। विदेशी पश्चिमी चश्मों के भीतर से देखने पर अपने घर के प्राणी भी बे-पहचाने और अजीब से लगने लगे हैं। शिक्षित जन और सामान्य जनता के बीच खाई बढ़ती गई और विश्व संस्कृति के दावेदार होने का दम्भ करते हुए भी हम घर में वामन ही बने रह गए हैं। इस स्थिति को हास्यास्पद ही कहा जा सकता है।''

34. **उपरोक्त गद्यांश का इनमें से सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या है?**
(a) हमारा शिक्षा माध्यम और पाठ्यक्रम
(b) शिक्षा का माध्यम
(c) हमारी सांस्कृतिक परम्परा
(d) शिक्षित जन और सामान्य जनता

35. **उपरोक्त गद्यांश के अनुसार हमारी शिक्षा का माध्यम किस भाषा में होना चाहिए?**
(a) अंग्रेजी-हिंदी दोनों में (b) मिश्रित भाषा में
(c) विदेशी भाषाओं में (d) भारतीय भाषा में

36. **उपरोक्त गद्यांश के अनुसार हम किस तरह के जीवन-प्रवाह से दूर होते जा रहे हैं?**
(a) खुशहाल जीवन प्रवाह से
(b) हम राष्ट्रीय परम्परा से ही नहीं, सामयिक जीवन प्रवाह से भी दूर जा पड़े हैं।
(c) सांस्कृतिक एवं सामाजिक जीवन से
(d) इनमें से कोई नहीं

37. **किस वर्ष से लेखक और उनकी कृति के लिए 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' सम्मानित करना आरम्भ हुआ?**
(a) 1955 (b) 1975 (c) 1945 (d) 1965

SOLUTION : PRACTICE SET- 49

ANSWER KEY

1. (d)	9. (b)	17. (a)	25. (c)	33. (a)
2. (d)	10. (a)	18. (d)	26. (a)	34. (a)
3. (a)	11. (b)	19. (c)	27. (a)	35. (d)
4. (b)	12. (a)	20. (c)	28. (d)	36. (b)
5. (d)	13. (c)	21. (a)	29. (d)	37. (a)
6. (d)	14. (a)	22. (c)	30. (a)	
7. (d)	15. (c)	23. (c)	31. (c)	
8. (a)	16. (a)	24. (c)	32. (b)	

SOLUTION

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

1. (d)
'ह' ऊष्म व्यंजन है। **ऊष्म व्यंजन–**जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय अथवा बोलते समय श्वास वायु, मुख के विभिन्न भागों में रगड़ खाती हुई ऊष्मा के साथ बाहर ध्वनि निकलती है, उन्हें ऊष्म व्यंजन कहते हैं। हिंदी भाषा में ऊष्म व्यंजन की कुल संख्या चार (श, ष, स, ह) है।

2. (d)
दिए गए वाक्य 'जून जुलाई में यहाँ बहुत बारिश होती है'। में उपयुक्त विराम चिह्न (–) का प्रयोग होगा।

अतः शुद्ध वाक्य निम्न होगा–

जून-जुलाई में यहाँ बहुत बारिश होती है।

3. (a)
निम्नलिखित शब्दों में बूढ़ा जातिवाचक संज्ञा का उदाहरण है जबकि फैलाव, परिष्कार, प्रयोग भाववाचक संज्ञा के उदाहरण हैं।

– बूढ़ा का भाववाचक बुढ़ापा होता है।

भाववाचक संज्ञा– जिस शब्द से किसी वस्तु या व्यक्ति के गुण, दशा, धर्म, भाव, अवस्था, स्वभाव का बोध होता है उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे– बुढ़ापा, लड़ाई, ममत्व, मिठास आदि।

4. (b)
'यह अच्छा विचार है।' वाक्य में संबंधवाचक सर्वनाम का प्रयोग नहीं हुआ है, बल्कि इसमें निश्चयवाचक सर्वनाम का प्रयोग हुआ है। अन्य विकल्प संबंधवाचक सर्वनाम के उदाहरण हैं।

5. (d)
जब कोई शब्द संज्ञा या सर्वनाम की क्रमिक स्थिति का बोध कराते हैं तब वे क्रमवाचक विशेषण कहलाते हैं।

पहला लड़का, दुसरा आदमी, चौथा भाई

अतः विकल्प (d) में दिया गया 'दूसरा' शब्द क्रमवाचक विशेषण का उदाहरण है।

6. (d)
दिये गये वाक्य 'पंडित जी हवन करा कर कथा कह रहे हैं' में ' करा कर' में पूर्वकालिक क्रिया है।

पूर्वकालिक क्रिया - जब कर्ता एक क्रिया समाप्त कर उसी क्षण दूसरी क्रिया में प्रवृत्त होता है, तब पहली क्रिया 'पूर्वकालिक' कहलाती है।

जैसे- उसने नहाकर भोजन किया। इसमें 'नहाकर' पूर्वकालिक क्रिया है, क्योंकि इससे 'नहाने की क्रिया' की समाप्ति के साथ ही भोजन करने की क्रिया का बोध होता है।

7. (d)
'तुम जी जान लगाकर पढ़ रहे हो' वाक्य में रीतिवाचक क्रिया विशेषण 'जान लगाकर' का प्रयोग किया गया है जबकि अन्य कैसे-कैसे, काली और खट्टा शब्द संज्ञा की विशेषता बता रहे हैं।

8. (a)
संस्कृत के 'वान' और 'मान' प्रत्ययान्त विशेषण शब्दों में 'वान' तथा 'मान' को क्रमशः 'वती' और 'मती' कर देने से स्त्रीलिंग रूप बनता है। जैसे – बुद्धिमान – बुद्धिमती, बलवान – बलवती आदि। अतः दिये गये विकल्पों में से भगवान का स्त्रीलिंग शब्द 'भगवती' होगा।

9. (b)
'एक' का बहुवचन 'अनेक' होता है।

10. (a)
'अध्यापिका नृत्य सिखाएंगी।' इस वाक्य में क्रिया सामान्य भविष्यत् काल का बोध करा रही है। जिस वाक्य में क्रिया के सामान्य रूप से भविष्य में घटित होने का बोध हो रहा हो वह वाक्य सामान्य भविष्यत् काल का वाक्य कहलाता है।

जैसे - सीता गीत गाएगी।

राम वन को जाएंगे।

11. (b)
'आम खाया जाता है।' वाक्य में 'आम' कर्म है तथा इसके अनुसार क्रिया 'खाया जाता' का प्रयोग हुआ है। अतः यह वाक्य कर्मवाच्य का उदाहरण है।

12. (a)
'की' संबंध कारक का चिह्न है। ऐसे शब्द जिनके माध्यम से संज्ञा या सर्वनाम का वह रूप जो किन्हीं दो वस्तुओं के बीच में संबंध बताता हो, उसे संबंध कारक कहते हैं। संबंध कारक के विभक्ति चिह्न के रूप में का,की,के, ना,नी,ने,रा,रे,री, इत्यादि का प्रयोग होता है।

13. (c)
'उलझन' तत्सम शब्द नहीं है। जबकि उर्वर, कोंकण, कोण तत्सम शब्द हैं।

14. (a)
अलंकार' शब्द में 'अलम्' उपसर्ग है। वे शब्दांश जो किसी मूल शब्द से पूर्व में लगकर नए शब्द का निर्माण करते हैं अर्थात् नए अर्थ का बोध कराते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।

हिन्दी व्याकरण में उपसर्ग तीन प्रकार के होते हैं–

1. संस्कृत उपसर्ग, 2. हिन्दी उपसर्ग, 3. अरबी-फारसी उपसर्ग।

संस्कृत उपसर्गों की संख्या 19 है। हिन्दी उपसर्ग 10 होते हैं। जबकि अरबी, उर्दू 12 होते हैं।

15. (c)
'महत्व' में 'त्व' प्रत्यय का प्रयोग हुआ है। 'त्व' प्रत्यय से बने शब्द इस प्रकार हैं–

जैसे– महत्त्व, गुरूत्व, लघुत्व, व्यक्तित्व, देवत्व, अपनत्व आदि।

16. (a)
'सुगम-संगम' युग्म सही विलोम युग्म नहीं है। सुगम का सही विलोम दुर्गम होगा।

17. (a)
'ईप्सित' शब्द का विलोम **अनीप्सित** है, अभीप्सित, अधीप्सित एवं कुत्सित इससे पृथक शब्द हैं।

18. (d)
दिये गये विकल्पों में 'सोचना' शब्द आलोचना का पर्यायवाची शब्द नहीं है। आलोचना के पर्यायवाची शब्द हैं- समीक्षा, टिप्पणी, नुक्ताचीनी, छिद्रान्वेषण, निरूपण आदि।

19. (c)
संपर्क के पर्यायवाची– मिलन, संयोग, भेंट। 'इश्क' शब्द संपर्क का पर्यायवाची शब्द नहीं है।

20. (c)
दिये गये विकल्पों में 'जीवन' शब्द जल, प्राण, पानी तथा पुत्र के लिए अनेकार्थी शब्द हैं। शेष विकल्पों में दिये शब्द असंगत हैं।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

21. (a)
दिये गये रिक्त स्थान में **हानि** शब्द भरा जायेगा। अतः पूर्ण वाक्य होगा– 'अनिष्ट' का अर्थ 'हानि' होता है, परन्तु 'अनिष्ठ' का अर्थ निष्ठाहीन होता है। ये समरूपी भिन्नार्थक शब्द हैं।

22. (c)
वाक्यांशों का विवरण–
- जो क्षीण न हो सके - अक्षय
- जो मिट न सके – अमिट
- जिसका कोई पार न हो – अपार
- जिसका कोई अंत न हो - अनंत

23. (c)
'आद्यन्त' शब्द का अर्थ 'आदि से अन्त तक' है। 'जिसका अन्त न हो' के लिए एक शब्द 'अनन्त' होगा।

24. (c)
'धरेश' का सही संधि विच्छेद है- धरा + ईश।
यह गुण संधि का उदाहरण है।
यदि पूर्व पद के अंत में 'अ' अथवा 'आ' हो तथा पर पद के शुरू में 'इ' अथवा 'ई' हो तो दोनों मिलकर 'ए' हो जाते हैं।
जैसे- धरा + ईश = धरेश
गण + ईश = गणेश

25. (c)
जिस समास में उत्तर पद प्रधान हो तथा दोनों पदों के मध्य का कारक चिह्न लुप्त हो जाए तो वहाँ पर 'तत्पुरुष समास' होता है। नामों के आधार पर तत्पुरुष समास को छः प्रमुख भागों में बाँटा गया है। पथ भ्रष्ट = पथ से भ्रष्ट, यहाँ अपादान कारक है, अत: यहाँ 'अपादान तत्पुरुष' या 'पंचमी तत्पुरुष' समास होगा।

26. (a)
वाक्य में 'यह' शब्द अशुद्ध है। जब वाक्य में बहुवचन का प्रयोग हो रहा है, तो सर्वनाम भी बहुवचन होना चाहिए। अतः 'यह' के स्थान पर 'ये' होना चाहिए।

27. (a)
भक्ति रस :- भक्ति रस के प्रतिष्ठापक आचार्य रूप गोस्वामी हैं। इसका स्थायी भाव देव विषयक रति है। इस रस में ईश्वर के प्रति प्रेम का वर्णन किया जाता है।

28. (d)
सरसी छन्द के प्रत्येक चरण में 27 मात्राएँ होती हैं। इसमें 16 और 11 मात्राओं पर यति होती है और अन्त में गुरु लघु होता है। पहली 16 मात्राओं की लय चौपाई की तरह और शेष 11 मात्राओं की लय दोहे के दूसरे चरण की तरह होती हैं।

उदाहरण–
अंशुमालि के शुभागमन की, बेला समझ समीप।
नभ में बुझा चुके थे सुर भी, अपने घर के दीप।।

29. (d)
तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाये।
झूके कूल सों जल परसन हित मनहुं सुहाये।।
इस कविता की दूसरी पंक्ति में 'उत्प्रेक्षा' अलंकार है। जहाँ उपमेय में उपमान की संभावना या कल्पना की जाए, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है। यदि पंक्ति में-मनु, जनु, जानों, मानहु, मानो, निश्चय, इव, ज्यों आदि आता है, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है।

30. (a)
साहित्य के क्षेत्र में प्रथम नोबेल पुरस्कार रवीन्द्रनाथ टैगोर को दिया गया। इनके द्वारा रचित उपन्यास– राजर्षि, चतुरंग, चार अध्याय तथा कविता– गीतांजलि, भग्नहृदय (गीतिकाव्य) आदि इनकी महत्त्वपूर्ण रचनाएँ हैं।
''जन, गण, मन, अधिनायक'' राष्ट्रगान इन्होंने ही लिखा था।

31. (c)

मुहावरा		**अर्थ**
छाती लगाना	-	आलिंगन करना
छाती पर साँप लोटना	-	ईर्ष्या के कारण व्यथित होना
छाती उमड़ना	-	प्रसन्नता से फूले न समाना
छाती फटना	-	बहुत अधिक दुःख या वेदना होना

32. (b)
'दिये गये मुहावरे 'कान कतरना' का अर्थ है– बहुत अधिक चालाक होना।
वाक्य प्रयोग– मोहन उम्र में छोटा जरूर है लेकिन चालाकी में बड़े-बड़े के कान कतरता है।

33. (a)
विनयपत्रिका की रचना तुलसीदास ने की है। तुलसीदास का जन्म संवत् 1589 में उत्तर प्रदेश के राजापुर नामक ग्राम में हुआ था। इनके माता-पिता का नाम हुलसी तथा आत्माराम दुबे था। दीनबंधु पाठक की पुत्री रत्नावली से इनका विवाह हुआ था। महान रचनाकार तुलसीदास की अन्य रचनाएं इस प्रकार हैं - रामचरितमानस, रामललानहछू, पार्वती मंगल, गीतावली, कवितावली, दोहावली।

34. (a)
'हमारा शिक्षा माध्यम और पाठ्यक्रम' उपर्युक्त गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक होगा। अतः विकल्प (a) सही है।

35. (d)
उपरोक्त गद्यांश के अनुसार हमारी शिक्षा का माध्यम 'भारतीय भाषा' में होना चाहिए। अतः विकल्प (d) सही उत्तर होगा।

36. (b)
उपरोक्त गद्यांश के अनुसार 'हम राष्ट्रीय परम्परा से ही नहीं, सामयिक जीवन प्रवाह से भी दूर जा पड़े हैं।

37. (a)
लेखक और उनकी कृति को सम्मानित करने के लिए 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' का प्रारम्भ **1955 ई0** से किया गया। सर्वप्रथम 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' **माखनलाल चतुर्वेदी** को उनके काव्य 'हिमतरंगिनी' के लिए दिया गया।

GET IT ON Google Play **Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"**

PRACTICE SET - 50

1. इनमें से किसका उच्चारण-स्थान 'कंठ' है?
(a) त (b) ग
(c) प (d) च

2. निम्नलिखित विराम चिह्न में से कौन-सा विवरण चिह्न है?
(a) :- (b) ""
(c) ,, (d) ,,,

3. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो भाववाचक संज्ञा का सही विकल्प नहीं है।
(a) खोजना (b) भारीपन
(c) पात्रता (d) दासता

4. 'आप मुझसे क्या चाहते हैं' वाक्य के रेखांकित शब्द में सर्वनाम है:
(a) प्रश्नवाचक (b) निजवाचक
(c) अनिश्चयवाचक (d) निश्चयवाचक

5. मोहन चार किलो बर्फी तुलवा रहा था। में परिमाणबोधक विशेषण है–
(a) मोहन (b) चार किलो
(c) बर्फी
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

6. हथियाना, चिकनाना किस प्रकार की क्रिया है?
(a) नामधातु क्रिया (b) प्रेरणार्थक क्रिया
(c) यौगिक क्रिया (d) संयुक्त क्रिया

7. क्रिया विशेषण के कितने भेद होते हैं?
(a) तीन (b) छह
(c) चार (d) दो

8. दिए गए विकल्पों में से 'सम्राट' शब्द का स्त्रीलिंग छाँटिए:
(a) सम्राटी (b) समराटिन
(c) सम्राज्ञी (d) स्त्री-सम्राट्

9. इनमें से 'अध्यापिका' का बहुवचन क्या होगा?
(a) अध्यापिकागण (b) अध्यापिकाएँ
(c) अध्यापिकाओं (d) इनमें से कोई नहीं

10. 'मैं पढ़ूँगा' किस काल का उदाहरण है?
(a) संभाव्य भविष्य का (b) सामान्य भविष्य का
(c) इनमें से कोई नहीं (d) हेतुहेतुमद भविष्य

11. मुझसे खड़ा भी हुआ नहीं जाता। इस वाक्य का वाच्य होगा:
(a) भाववाच्य (b) कर्मवाच्य
(c) कर्तृवाच्य (d) अन्य

12. क्रिया का आधार सूचित करने वाला कारक है :
(a) अपादान कारक (b) सम्बन्ध कारक
(c) अधिकरण कारक (d) सम्प्रदान कारक

13. निम्नलिखित में से कौन सा तत्सम नहीं है?
(a) गायक (b) नायक (c) शावक (d) उपखान

14. इनमें से कौन-सा शब्द उर्दू के उपसर्ग से नहीं बना है?
(a) नाराज (b) लाचार
(c) दुबला (d) बेवकूफ

15. 'छलिया' में प्रयुक्त प्रत्यय इनमें से कौन-सा है?
(a) इया (b) अया
(c) वैया (d) ऐया

16. 'संन्यासी' का विलोम शब्द है-
(a) संतापी (b) इनमें से कोई नहीं
(c) गृहस्थ (d) विरक्त

निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्द के विलोम के लिए चार विकल्प दिये गये हैं। उचित विलोम छाँटकर उसे चिह्नित करें।

17. उसका उत्तरीय उस पर बहुत जँच रहा था।
(a) टोपी (b) साड़ी
(c) कोट (d) अधोवस्त्र

18. इनमें से 'रसाल' का पर्यायवाची शब्द कौन-सा है?
(a) आम (b) नींबू
(c) जामुन (d) इमली

19. 'विडौजा' पर्यायवाची शब्द है-
(a) 'नक्षत्र' का (b) 'अप्सरा' का
(c) 'इन्द्र' का (d) 'पत्थर' का

20. इनमें से कौन-सा शब्द 'मूल' का अनेकार्थी शब्द है?
(a) भूमि (b) जड़
(c) पत्थर (d) जोड़

21. 'असक्त' का अर्थ .... होता है, परन्तु 'अशक्त' का अर्थ शक्तिविहीन होता है। ये समरूपी भिन्नार्थक शब्द हैं।
(a) हानि (b) विरक्त
(c) प्रभावशाली (d) दुष्प्रभाव

22. 'गोद में सोने वाली स्त्री' के लिए एक शब्द है–
(a) अंकशायिनी (b) अनीन्द्रिय
(c) सिदित (d) कोई नहीं

23. निम्नलिखित शब्दों में से कौन सा शब्द मृत्यु के लिए प्रयुक्त नहीं होता है?
(a) अनागत (b) चल बसा
(c) महानिद्रा (d) इन्तकाल

24. 'शुभेच्छा' का संधि–विच्छेद है–
(a) सु + इच्छा (b) शुभ + इच्छा
(c) शुभ + येच्छा (d) शुभ + अच्छा

25. 'राजपुत्र' में कौन-सा समास है?
(a) तत्पुरुष (b) द्विगु
(c) द्वन्द्व (d) कर्मधारय

26. निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य अशुद्ध है?
(a) सारा राज्य उसके लिए थाती था।
(b) ऐसी एकाध बात और देखने में आती है।
(c) इन दोनों में केवल यही अंतर है।
(d) मैं आपके दर्शन करने आया हूँ।

27. 'भाव जिसके हृदय में रहते हैं' उसे कहते हैं–
(a) आश्रय (b) आलंबन
(c) उद्दीपन (d) आलंबनजन्य उद्दीपन

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

28. इनमें से कौन-सी छन्दशास्त्र की प्रथम पुस्तक है?
(a) काव्य प्रकाश (b) छन्द सूत्र
(c) रसिक प्रिया (d) छन्द प्रभाकर

29. पानी परात को हाथ छुयो नहीं, नैनन के जल सो पग धोये। इसमें कौन-सा अलंकार है?
(a) अतिशयोक्ति (b) उपमा
(c) रूपक (d) उत्प्रेक्षा

30. भारतीय भाषाओं को भारतीय संविधान के किस अनुसूची में शामिल किया गया है?
(a) अष्टम् (b) सप्तम्
(c) नवम् (d) दशम्

31. 'दाँत काटी रोटी होना' मुहावरे का अर्थ है:
(a) थोड़े समय का साथी होना
(b) एक ही स्वभाव का होना
(c) गहरी शत्रुता होना
(d) गहरी मित्रता होना

32. 'आँखों का तारा' मुहावरे का अर्थ है?
(a) अति आलसी (b) अति कमजोर
(c) अति दुखी (d) अति प्रिय

33. ''मोहि तो मेरे कवित्त बनावत।'' यह किसकी प्रसिद्ध उक्ति है?
(a) चिंतामणि (b) घनानंद
(c) रसलीन (d) मीराबाई

अनुच्छेद पढ़कर दिए गए सवालों के सही जवाब चुनिए:
बातचीत करते समय हमें शब्दों के चयन पर विशेष ध्यान देना चाहिए क्योंकि सम्मानजनक शब्द उदात्त और महान बनाते हैं। बातचीत को सुगम एवं प्रभावशाली बनाने के लिए सदैव प्रचलित भाषा का ही प्रयोग करना चाहिए। अत्यंत साहित्यिक एवं क्लिष्ट भाषा के प्रयोग से कहीं ऐसा न हो कि हमारा व्यक्तित्व चोट खा जाए। बातचीत में केवल विचारों का ही आदान-प्रदान नहीं होता बल्कि व्यक्तित्व का भी आदान-प्रदान होता है। अतः शिक्षक वर्ग को शब्दों का चयन सोच समझकर करना चाहिए। शिक्षक वास्तव में एक अच्छा अभिनेता भी होता है जो अपने व्यक्तित्व, शैली बोलचाल और हावभाव से विद्यार्थियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता है और उन पर अपनी छाप छोड़ता है।

34. शिक्षक वर्ग को कैसे बोलना चाहिए?
(a) बिना सोचे-समझे (b) तुरंत
(c) ज्यादा (d) सोच-समझकर

35. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक क्या होना चाहिए?
(a) साहित्यक भाषा (b) बातचीत की कला
(c) शब्दों का चयन (d) व्यक्तित्व का प्रभाव

36. बातचीत में किसका आदान-प्रदान होता है?
(a) विचारों एवं व्यक्तित्व का (b) भाषा का
(c) विचारों का (d) व्यक्तित्व का

37. हिंदी के किस रचनाकार को प्रथम सरस्वती सम्मान मिला?
(a) रामधारी सिंह दिनकर (b) महादेवी वर्मा
(c) हरिवंश राय बच्चन (d) अज्ञेय

SOLUTION : PRACTICE SET- 50

ANSWER KEY

1. (b)	9. (b)	17. (d)	25. (a)	33. (b)
2. (a)	10. (b)	18. (a)	26. (c)	34. (d)
3. (a)	11. (a)	19. (c)	27. (a)	35. (c)
4. (a)	12. (c)	20. (b)	28. (b)	36. (a)
5. (b)	13. (d)	21. (b)	29. (a)	37. (c)
6. (a)	14. (c)	22. (a)	30. (a)	
7. (c)	15. (a)	23. (a)	31. (d)	
8. (c)	16. (c)	24. (b)	32. (d)	

SOLUTION

1. (b)
दिये गये विकल्पों में 'ग' का उच्चारण-स्थान 'कंठ' है। जबकि 'त', 'प', तथा 'च' का उच्चारण-स्थान क्रमशः 'दंत्य', 'ओष्ठ्य' तथा 'तालव्य' है।

2. (a)
विराम चिह्न के प्रकार -
- विवरण चिह्न (:-)
- अवतरण या उद्धरण चिह्न (" .....")
- अर्द्धविराम (;)
- अल्पविराम (,)
- उपविराम (:)
- योजक चिह्न (–)

3. (a)
उपर्युक्त विकल्पों में भारीपन, पात्रता एवं दासता भाववाचक संज्ञा के उदाहरण हैं जबकि खोजना क्रिया है।

भाववाचक संज्ञा- वे संज्ञा शब्द जिनके माध्यम से किसी प्राणी या पदार्थ के गुण-भाव तथा स्वभाव की अवस्था का बोध हो उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं।
जैसे बुढ़ापा, वीरता, बचपन आदि।

4. (a)
'आप मुझसे क्या चाहते हैं' वाक्य के रेखांकित शब्द में प्रश्नवाचक सर्वनाम है। जिन सर्वनाम शब्दों से प्रश्न का बोध होता हो उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।

5. (b)
दिये गये वाक्य में 'चार किलो' शब्द निश्चित परिमाणबोधक विशेषण का उदाहरण है। ऐसे विशेषण शब्द जिससे किसी वस्तु की नाप या तौल का बोध होता है उसे परिमाणबोधक विशेषण कहते हैं। इसके दो भेद हैं-

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

(1) निश्चित परिमाणबोधक विशेषण

(2) अनिश्चित परिमाणबोधक विशेषण

6. (a)

हथियाना, चिकनाना नामधातु क्रिया है।

नामधातु क्रियाः– संज्ञा, सर्वनाम तथा विशेषण से मिलकर बनने वाली क्रिया नामधातु क्रिया कहलाती है। जैसे– हाथ से हथियाना, बात से बतियाना, चिकना से चिकनाना आदि।

7. (c)

सामान्यतः क्रिया विशेषण के चार भेद होते हैं-

(1) स्थानवाचक (2) कालवाचक (3) परिमाणवाचक (4) रीतिवाचक। परन्तु विद्वानों ने अन्य आधारों पर क्रिया विशेषण के भेद बताए हैं-

(1) प्रयोग के आधार पर 3 भेद हैं–

(i) साधारण

(ii) संयोजक

(iii) अनुबद्ध

(2) रूप के आधार पर भी 3 भेद हैं–

(i) मूल क्रियाविशेषण

(ii) यौगिक क्रियाविशेषण

(iii) कारण क्रिया विशेषण

(3) अर्थ के आधार पर 4 भेद हैं–

(i) परिमाणवाचक

(ii) रीतिवाचक

(iii) स्थानवाचक

(iv) कालवाचक

8. (c)

'सम्राट' शब्द का स्त्रीलिंग 'सम्राज्ञी' होगा। जबकि दिए गये अन्य विकल्पों के शब्द असंगत हैं।

9. (b)

अध्यापिका का बहुवचन 'अध्यापिकाएँ' होगा। शब्दों के उस रूप को जो किसी वस्तु के एक अथवा अनेक होने का बोध कराता है, उसे वचन कहते हैं। वचन के दो भेद होते हैं-(i) एक वचन (ii) बहुवचन।

10. (b)

'मैं पढ़ूँगा' सामान्य भविष्य काल का उदाहरण है।

11. (a)

क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि वाक्य में क्रिया द्वारा संपादित विधान का विषय कर्ता/कर्म/भाव है, वाच्य कहते हैं। क्रिया का ऐसा रूपान्तर जिससे वाक्य में भाव की प्रधानता का बोध होता हो, भाववाच्य कहलाता है। 'मुझसे खड़ा भी हुआ नहीं जाता' इस वाक्य में अस्वस्थता रूपी भाव की प्रधानता है। अतः यहाँ भाववाच्य का होना निश्चित है।

12. (c)

क्रिया का आधार सूचित करने वाला कारक 'अधिकरण कारक' कहलाता है, जबकि जहाँ किसी वस्तु के अलग होने का भाव प्रकट हो वहाँ अपादान कारक तथा जिस शब्द से किसी के साथ सम्बन्ध या लगाव प्रतीत हो वहाँ सम्बन्ध कारक और जहाँ कोई वस्तु किसी को पूर्ण रूप से दान दी जाती हो वहाँ पर सम्प्रदान कारक होता है।

13. (d)

'उपखान' तत्सम शब्द नहीं है। जबकि गायक का तद्भव गवैया तथा शेष शब्द तत्सम हैं।

14. (c)

दिया गया शब्द 'दुबला' उर्दू के उपसर्ग से नहीं बना है। 'दुबला' शब्द में 'दु' उपसर्ग है जो कि हिंदी का उपसर्ग है 'दु' उपसर्ग से बने शब्द इस प्रकार हैं-

उपसर्ग	**अर्थ**	**शब्द**
'दु'	(दो,बुरा,हीन)	दुरंगा,दुनाली,दुपहरी,दुबला आदि।

15. (a)

'छलिया' शब्द में 'इया' प्रत्यय प्रयुक्त हुआ है।

अन्य प्रत्यय शब्द–जड़िया, घुनिया तथा लखिया हैं।

जैसे-छल + इया = छलिया

16. (c)

'संन्यासी' का विलोम शब्द 'गृहस्थ' है जबकि 'विरक्त' का विलोम 'अनुरक्त' होता है।

17. (d)

'उत्तरीय' शब्द का विलोम 'अधोवस्त्र' होता है।

18. (a)

रसाल, पिकबंधु, आम्र, सौरभ, सहकार, फलश्रेष्ठ, अमृतफल, अतिसौरभ आदि सभी आम के पर्यायवाची शब्द हैं। शेष विकल्पों में दिये गये शब्दों के पर्यायवाची शब्द इस प्रकार हैं–

इमली	–	अम्लीका, चिंचा, तेतर आदि।
नींबू	–	निंबूक, जंबीर, लेमूँ, जंतुमारी आदि।
जामुन	–	जंबुल, जमाली, रामजन, जंबूफल आदि।

19. (c)

'विडौजा' इन्द्र का पर्यायवाची शब्द है। इन्द्र के अन्य पर्यायवाची शब्द हैं – सुरपति, शचीपति, मघवा, शक्र, पुरन्दर, देवराज, अमरपति, वज्रधर आदि।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"

20. (b)

मूल शब्द के अनेकार्थी शब्द- जड़, पहला, आरंभ का भाग, कंद, पूँजी आदि है।

21. (b)

दिये गये रिक्त स्थान में 'विरक्त' शब्द भरा जायेगा अतः पूर्ण वाक्य होगा–'असक्त' का अर्थ विरक्त होता है, परन्तु 'अशक्त' का अर्थ शक्तिविहीन होता है।

22. (a)

'गोद में सोने वाली स्त्री' के लिए एक शब्द– 'अंकशायिनी' है। अंक का अर्थ गोद तथा शायिनी का अर्थ सोने वाली होगा।

23. (a)

अनागत शब्द मृत्यु के लिए प्रयुक्त नहीं होता है बल्कि अनागत का अर्थ 'न आया हुआ।' 'मृत्यु' के लिए प्रयुक्त शब्द चल बसा, महानिद्रा, इन्तकाल आदि हैं।

24. (b)

'शुभेच्छा' का संधि विच्छेद 'शुभ + इच्छा' होगा।

गुण स्वर संधि-जब संधि करते समय अ या आ के बाद इ या ई आए तो दोनों मिलकर 'ए' हो जाते हैं, अ या आ के बाद उ या ऊ आए तो दोनों मिलकर 'ओ' हो जाते हैं, और अ या आ के बाद ऋ आए तो दोनों मिलकर 'अर्' हो जाते हैं। **उदाहरण**-उमेश, महेंद्र, महर्षि आदि।

25. (a)

जिस समास में अन्तिम पद प्रधान होता है, उसे तत्पुरुष समास कहते हैं। सामान्यतः कारकों (कर्त्ता व सम्बोधन को छोड़कर) की विभक्ति प्रथम पद और दूसरे पद के बीच लुप्त होती है।

जैसे -राजपुत्र - राजा का पुत्र (षष्ठी तत्पुरुष)

रोगग्रस्त - रोग से ग्रस्त (तृतीया तत्पुरुष)

26. (c)

'इन दोनों में केवल यही अंतर है'। इस वाक्य में वचन संबंधी अशुद्धि है अतः शुद्ध वाक्य होगा– इन दोनों में यही अंतर है।

27. (a)

भाव जिसके हृदय में जाग्रत होते हैं या रहते हैं, उसे 'आश्रय' कहते हैं; जबकि जिसे देखकर भाव पैदा होते हैं, वह 'आलम्बन' होता है। प्रकृति चित्रण, वातावरण इत्यादि जो भावों को तीव्र करते हैं, '**उद्दीपन**' होते हैं।

28. (b)

आचार्य पिङ्गल द्वारा रचित 'छंद सूत्र' (छंदशास्त्र) सबसे प्राचीन उपलब्ध ग्रंथ है, इस शास्त्र को पिंगल शास्त्र भी कहा जाता है।

29. (a)

'पानी परात को हाथ छुयो नहीं, नैनन के जल से पग धोये' में अतिशयोक्ति अलंकार है। जहाँ किसी वस्तु का इतना बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया जाए कि सामान्य लोक सीमा का उल्लंघन हो जाए वहाँ अतिशयोक्ति अलंकार होता है।

30. (a)

भारतीय भाषाओं को भारतीय संविधान के अष्टम् अनुसूची में शामिल किया गया है।

31. (d)

दाँत काटी रोटी होना मुहावरे का अर्थ 'गहरी मित्रता होना' होता है।

32. (d)

दिए गए मुहावरे 'आँखों का तारा' होना का अर्थ है– अति प्रिय।

वाक्य प्रयोग :– बच्चा कैसा भी हो, माँ-बाप की आंखों का तारा ही होता है।

33. (b)

"मोहि तो मेरे कवित्त बनावत।" यह प्रसिद्ध उक्ति घनानंद की है। कवि घनानंद रीतिकाल के रीतिमुक्त काव्यधारा के अग्रणी कवि थे।

34. (d)

उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार 'शिक्षक वास्तव में एक अच्छा अभिनेता भी होता है जो अपने व्यक्तित्व, शैली, बोलचाल और हावभाव से विद्यार्थियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता है और उन पर अपनी छाप छोड़ता है।' अतः शिक्षक वर्ग को सोच-समझकर बोलना चाहिए।

35. (c)

उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक 'शब्दों का चयन' होना चाहिए। क्योंकि गद्यांश में यही बताया गया है कि बातचीत के दौरान शब्दों का चयन अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

36. (a)

उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार बातचीत में 'विचारों एवं व्यक्तित्व' का आदान-प्रदान होता है।

37. (c)

सरस्वती सम्मान का आरंभ वर्ष 1991 ई. में किया गया था। पहला सरस्वती सम्मान हिन्दी के साहित्यकार डा० हरिवंश राय बच्चन को उनकी चार खंडों की आत्मकथा दशद्वार सोपान तक के लिए दिया गया था।

GET IT ON Google Play Best Study PDF के लिए हमारी App को Download करें "GK Trick By Nitin Gupta"